राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान संपादक – पुरातत्त्वाचार्य जिनविजय मुनि

[सम्मान्य सञ्चालक, राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर, जयपुर]

*

ग्रन्थांक ११

कवि पद्मनाभ विरचित

कान्हडदे प्रबन्ध

प्रकाशक

राजस्थान राज्य संस्थापित

राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर

जयपुर (राजस्थान)

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्यद्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिलभारतीय तथा विशेषतः राजस्थानप्रदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध
विविधवाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावलि

*

प्रधान संपादक

पुरातत्त्वाचार्य जिनविजय मुनि

[ऑनररि मेंबर ऑफ जर्मन ओरिएन्टल सोसाइटी, जर्मनी]

सम्मान्य सदस्य

भाण्डारकर प्राच्यविद्या संशोधन मन्दिर, पूना; गुजरात साहित्य सभा, अहमदाबाद;
सम्मान्य नियामक (ऑनररि डायरेक्टर) - भारतीय विद्याभवन, बंबई;
प्रधान संपादक - गुजरात पुरातत्त्व मन्दिर ग्रन्थावली; भारतीय विद्या ग्रन्थावली;
सिंघी जैन ग्रन्थमाला; जैनसाहित्यसंशोधक ग्रन्थावली; इत्यादि, इत्यादि

ग्रन्थांक

११

कान्हडदे प्रबन्ध

(प्रथम भाग - मूल ग्रन्थ)

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

संचालक, राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर

जयपुर (राजस्थान)

*

विक्रमाब्द २०१० } राज्यनियमानुसार - सर्वाधिकार सुरक्षित { खिस्ताब्द १९५३

मुद्रक - लक्ष्मीबाई नारायण चौधरी, निर्णयसागर प्रेस, २६-२८ कोलभाट स्ट्रीट, बंबई २.

कवि पद्मनाभ विरचित

कान्हडदे प्रबन्ध

विविध पाठभेद, विस्तृत प्रस्तावना, परिशिष्टादि समन्वित

संपादक

प्रो० कान्तिलाल बलदेवराम व्यास, एम्. ए.,

पंडित भगवानलाल इन्द्रजी सुवर्णपदक, विश्वनाथ नारायण मण्डलिक सुवर्णपदक, भारतीय विद्याभवन प्रदत्त सुवर्णपदकादि पारितोषिक प्राप्त, फेलो ऑफ धी रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ ग्रेटब्रिटन एन्ड आयर्लेन्ड, प्रधानाध्यापक – गुजराती भाषा एवं साहित्य, एल्फिन्स्टन कॉलेज, बंबई

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

संचालक, राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर

जयपुर (राजस्थान)

*

[प्रथमावृत्ति – प्रति संख्या १०००]

आषाढ विक्रमाब्द २०१० } मूल्य रु. [illegible] ८.२५ न पै० { जुलाई खिस्ताब्द १९५३

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

'संस्कृत–प्राकृत' साहित्य श्रेणिके अन्तर्गत जो ग्रन्थ प्रेसोमें छप रहे हैं उनकी नामावलि

१ त्रिपुराभारती लघुस्तव – कर्ता सिद्धसारस्वत लघुपण्डित । २ बालशिक्षा व्याकरण – कर्ता ठक्कुर संग्रामसिंह । ३ करुणामृतप्रपा – कर्ता महाकवि ठक्कुर सोमेश्वर देव । ४ पदार्थरत्नमञ्जूषा – कर्ता पं. कृष्णमिश्र । ५ शकुनप्रदीप – कर्ता पं. लावण्यशर्मा । ६ उक्तिरत्नाकर – कर्ता पं. साधुसुन्दर गणी । ७ प्राकृतानन्द (प्राकृत व्याकरण) – कर्ता पं. रघुनाथ कवि । ८ ईश्वरविलासकाव्य – कर्ता पं. कृष्णभट्ट । ९ महर्षिकुलवैभव – कर्ता पं. मधुसूदन ओझा विद्यावाचस्पति । १० चक्रपाणिविजय काव्य – कर्ता पं. लक्ष्मीधर भट्ट । ११ काव्यप्रकाशसंकेत – कर्ता भट्ट सोमेश्वर । १२ प्रमाणमञ्जरी (वृत्तित्रयोपेता) – मूलकर्ता सर्वदेवाचार्य । १३ वृत्तिदीपिका – कर्ता मौनि कृष्णभट्ट । १४ तर्कसंग्रह फक्किका – कर्ता पं. क्षमाकल्याण गणी । १५ राजविनोद काव्य – कर्ता कवि उदयराज । १६ यंत्र-राजरचना – कर्ता महाराजा सवाई जयसिंह । १७ कारकसंबन्धोद्योत – कर्ता पं. रभसनन्दी । १८ शृंगारहारावलि – कर्ता श्रीहर्षकवि १९ कृष्णगीतिकाव्यानि – कर्ता कवि सोमनाथ। २० नृत्तसंग्रह – अज्ञातकविकर्तृक । २१ नृत्यरत्नकोश – कर्ता राजाधिराज कुंभकर्णदेव । २२ नन्दोपाख्यान – अज्ञातविद्वत्कर्तृक । २३ चान्द्रव्याकरण – कर्ता महावैय्याकरण चन्द्रगोमी । २४ शब्दरत्नप्रदीप – अज्ञातकर्तृक । २५ रत्नकोश – अज्ञातकर्तृक । २६ कविकौस्तुभ – कर्ता पं. रघुनाथ मनोहर । २७ मणिपरीक्षादि प्रकरण – अज्ञातकर्तृक । २८ सामुद्रकम् – अज्ञात-नामकर्तृक । २९ शतकत्रयम् – कर्ता भर्तृहरि (धनसारकृत व्याख्यायुक्त) ।

'राजस्थानी–हिन्दी' साहित्यश्रेणिमें प्रकाशित होनेवाले ग्रन्थोंकी नामावलि

१ कान्हडदे प्रबन्ध – कर्ता जालोरनिवासी कवि पद्मनाभ । २ गोरा बादल पदमिणी चउपई – कर्ता कवि हेमरतन । ३ वसन्तविलास फागु । ४ कूर्मवंश यशप्रकाश अपर नाम लावारासा – कर्ता कविया गोपालदान । ५ क्याम खां रासा – कर्ता मुस्लिम कवि जान । ६ बांकीदासरी ख्यात । ७ मुंहता नैणसीरी ख्यात । ८ राठोड वंशरी उत्पत्ति । ९ खींची गंगेव नींबावतरो दोपहरो, राजान राउतरो वातवणाव आदि राजस्थानी वर्णनात्मक रचना । १० दाढाला एकल गिडरी वात । इत्यादि ।

प्राप्तिस्थान–संचालक राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर, जयपुर (राजस्थान)

RĀJASTHĀN PURĀTAN GRANTHAMĀLĀ

General Editor-Āchārya Jinavijaya Muni, Purātattvāchārya
Honorary Director, Rājasthān Purātattva Mandira, Jaipur

No. 11

KĀNHAḌADE PRABANDHA

OF

PADMANĀBHA

(VOLUME I-TEXT)

Published by
The Rājasthān Purātattva Mandira
Established by the Government of Rājasthān
Jaipur (Rājasthān)

RĀJASTHĀN PURĀTAN GRANTHAMĀLĀ

Published by the Government of Rājasthān

A Series devoted to the Publication of Sanskrit, Prakrit, Apabhramśa, Old Rājasthānī and Old Hindi works pertaining to India in general and Rajasthan in particular

General Editor

Āchārya Jina Vijaya Muni, Purātattvāchārya

Honorary Member of the German Oriental Society, Bhandarkar Oriental Research Institute, Poona, and Gujarat Sahitya Sabha, Ahmedabad, Honorary Director, Bharatīya Vidyā Bhavan, Bombay, General Editor, Gujarat Puratattva Mandira Granthavalī, Bharatīya Vidya Series, Singhi Jain Series etc, etc

No. 11

KĀNHAḌADE PRABANDHA

(VOLUME I - TEXT)

Published

Under the Orders of the Government of Rājasthān

by

The Director, Rājasthān Purātattva Mandira,

Jaipur (Rājasthān)

V S 2010

1953 A. D.

KĀNHAḌADE PRABANDHA

A Mediaeval Epic Poem in Old Western Rājasthānī

OF

PADMANĀBHA

Critically edited with all Variant Readings, Introduction, Appendices, etc..

BY

Prof. K. B. Vyas, M. A.,

Pandit Bhagvānlāl Indraji Gold Medallist, Vishvanāth Nārāyan Mandalik Gold Medallist, Bhāratīya Vidyā Bhavan Gold Medallist, Fellow of the Royal Asiatic Society of Great Britain and Ireland; Head of the Department of Gujarati Language and Literature, Elphinstone College, Bombay

Published
Under the Orders of the Government of Rājasthān
by
The Director, Rājasthān Purātattva Mandira,
Jaipur (Rājasthān)

V. S. 2010 Rs. 9-8-0 1953 A. D.

by

Prof. K. B. Vyas

VASANTA VILĀSA
An Old Gujarati Phagu

VASANTA VILĀSA PHĀGU
A Further Study

VASANTA VILĀSA
The Revised, Collated Text

DAŚĀVATĀRA CITRA
Gujarati Painting in the Seventeenth Century

THE EIGHTY-FOUR SUBCASTES OF GUJARATI BRAHMINS

THE PṚTHVĪCANDRACARITRA OF MĀṆIKYASUNDARA SŪRI
and Its Sources

THE VIKRAMĀDITYA PROBLEM
A Fresh Approach

THE KṚTA ERA

HINDU-MUSLIM AMITY IN EARLY MEDIAEVAL INDIA

गूजराती भाषाशास्त्रना विकासनी रूपरेखा

भाषा, वृत्त अने काव्यालंकार

*

CONTENTS

*

प्रधानसंपादकीय प्रास्ताविक वक्तव्य

*

राजस्थान के सुवर्णसम प्रोज्वल और परम विशुद्ध वीरत्वकी गौरवगाथा गानेवाले, महाकवि पद्मनाभके बनाये हुये राजस्थानी महाकाव्य - **कान्हड दे प्रबन्ध**का, प्रस्तुत संस्करण **राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला** के ११ वें पुष्प या मणिके रूपमें, राजस्थानी साहित्य और संस्कृतिके सन्मित्र विद्वानोके करकमलोंमें उपस्थित करते हुये मुझे विशिष्ट आनन्द हो रहा है।

राजस्थानके चौहाणकुलशिरोमणि वीर कान्हड दे के, स्वधर्म और स्वदेशकी रक्षाके निमित्त, अनुपम बलिदान करनेकी कीर्तिकथाका, थोडा - बहुत परिचय, भारतीय इतिहासकी प्रायः समी विशिष्ट पुस्तकोंमें दिया गया मिलता है। वीर कान्हड दे की वीरताको उद्देश्य कर कई आधुनिक लेखकोंने उपन्यास आदिके रूपमें भी कई कथा – कहानियां लिखी हैं। सिनेमा वालोंने इसके विषयमें कोई चित्र तैयार किया है या नहीं इसकी मुझे जानकारी नहीं है।

मुसलमानी तवारिखोंमें कई जगह इस वीरके साथ हुई युद्धमयी घटनाओंका उल्लेख मिलता है – परन्तु हिन्दुओंके साहित्यमें, केवल प्रस्तुत प्रबन्धके रूपमें ही, एक ऐसी रचना उपलब्ध है जिसके द्वारा हम अपने उस नारायणावतार वीरपुंगवकी कीर्तिकथाका पुण्यश्रवण करने – करानेका सद्भाग्य प्राप्त कर सकते हैं।

वीसलनगरा नागर ब्राह्मण, महाकवि पद्मनाभ, भारतके एक पुरातन यशोदुर्गका एक सच्चा संरक्षक, उदात्त राष्ट्रप्रेमी, आदर्श राष्ट्रकवि है। वह कवि सचमुच 'पुण्यविवेक' बिरुदका धारक था। उसने अपनी कविप्रतिभाके प्रयोगके लिये जिस विषयको पसन्द किया वह वास्तव ही में बडा पुण्य कृत्य था। उसकी 'कविजनरंजनी बुद्धि'ने जिस सत्कविताका सर्जन किया है वह, अन्यान्य हजारों कवियोकी, लाखों कविताओंसे भी, बढ कर, बहुत उन्नत भाव वाली और बहुत पुण्यदायिनी है। कविको स्वयं इस पुण्य कृतिका अभिमान है। वह स्पष्ट कहता है कि –

माइ भारती तणइ पसाइ, अक्षरबंध बुद्धिरस थाइ। (४-३४१)

माता भारती ही का यह प्रसाद है कि जिसके कारण इस प्रकारके 'अक्षरबन्ध'=काव्य-सर्जन में अपनी बुद्धिका रस रहता है। कविकी यह रचना, कोई क्षुद्र विलासकी या कोई कुत्सित शृंगारकी पोषक, हीन कृति, नहीं है जिसे पढ कर मनुष्यकी मानसिक दुर्बल वृत्तियोंको उत्तेजना प्राप्त हो और जिसके मननसे दुर्विलासकी कुत्सित कामना कुपित हो। यह काव्य तो विशुद्ध धर्मप्रेम, उन्नत राष्ट्रप्रेम, उत्तम सदाचारप्रेम और सात्त्विक सत्यप्रेमका एक प्रशस्त पुण्य-स्तोत्र है जिसके पढने और सुननेसे, मनुष्यका कल्याण होता है – जीवन पवित्र होता है। और इस लिये इस सत्यकाम कविने, इस प्रबन्धके अन्तमें जो यह कहा है कि –

कान्हडचरिय जि को नर भणइ, एक चित्ति जि को नर सुणइ।
तीरथफल बोल्युं जेतलूं, पामइ पुण्य सवे तेतलूं॥ (४-३५१)

'इस कान्हड दे के चरितको जो कोई मनुष्य एकचित्त हो कर पढेगा या सुनेगा उसको उन सब तीर्थोंकी यात्रा करने जितना पुण्यफल प्राप्त होगा, जिनका वर्णन ऋषियोंने धर्मग्रन्थोंमें

किया है'। कविका यह कथन सर्वथा सत्यलक्षी है। हमारे प्राचीन साहित्यमें ऐसी रचनायें बहुत विरल हैं। ये रचनायें हमारे महान् राष्ट्रकी – हमारी संसारश्रेष्ठ संस्कृतिकी, सबसे अधिक, अमूल्य निधिस्वरूप हैं। इनके अध्ययन और मननसे हमारे देशकी जनताकी – हमारे राष्ट्रकी भावि संततिकी संस्कारसमृद्धिका विकास होगा।

पंडित-कवि पद्मनाभका यह काव्य-प्रबन्ध एक प्रकारसे, प्रायः शुद्ध ऐतिहासिक काव्य है। इसमें वर्णित घटनायें, बहुत अंशमें, इतिहाससमर्थित हैं। कवि उसी स्थानका निवासी है जहां पर प्रबन्ध नायक कान्हड दे ने जन्म लिया, राज्य किया और वह अनुपम आत्मोत्सर्ग किया। अर्थात् कविका कविता-सर्जन उसी जालोर नगरमें हुआ जो कान्हड दे की राजधानी था। कविको इस काव्यकी रचनामें प्रेरणा करने वाला उसी चहुआण वीरका सीधा राजवंशज है, जो कान्हड दे से केवल ५ वीं पीढीमें उसके राज्यसिंहासनका, शायद अन्तिम, उत्तराधिकारी था। इसका नाम अखयराज सोनगरा था। कविके कथनानुसार यह बडा धर्मात्मा, सदाचारी, दानशील, और ईश्वरभक्त था। इसके सद्गुणोंका संक्षेपमें वर्णन करता हुआ कवि कहता है कि –

अषइराज उत्तम अवतार, जेहनां पुण्य न लाभइ पार।
जीणइ कीरति कान्हड दे तणी, अषइराजि अजूआली घणी॥ (४-३३९)

'अखयराज उत्तम अवतारी पुरुष है जिसके पुण्य कृत्योंका कोई पार नहीं है और जिसने [अपने पूर्वज] कान्हड दे की कीर्तिको खूब उजाला है।' मालूम देता है कविके कुलका संबन्ध उस राजघरानेके साथ, वंशानुवंश क्रमसे, चला आ रहा था और इस लिये उसने अपने आश्रय-दाता राजवंशके, एक महान् वीरकी कीर्तिकथा इतने उत्साह और इतनी श्रद्धाके साथ गाई है। कवि कहता है कि इस प्रबन्धकी रचना करनेसे

अषइराज सीषामण सरी, पदमनाभ कीरति विस्तरी॥ (४-३४१)

'एक तो अखयराजकी प्रेरणा सफल हुई और दूसरी पदमनाभ कविकी कीर्ति फैली।' कहनेकी आवश्यकता नहीं कि कविकी यह उक्ति कितनी यथार्थ है।

हमने ऊपर, प्रारंभमें, इस प्रबन्धको जो **राजस्थानी महाकाव्य** कहा है उसके पीछे दो अर्थ लक्षित हैं – एक तो यह कि इस काव्यमें राजस्थानी वीरकी पुनीत गाथा गाई गई है और दूसरा यह कि यह **प्राचीन राजस्थानी** भाषाकी एक सर्वश्रेष्ठ कृति है। अतः विषय और भाषा दोनों दृष्टिसे यह काव्य रा ज स्था नी है। इस रा ज स्था नी विशेषणसे हमारा अभिप्राय उस भाषावैज्ञानिक शास्त्रीय संकेतसे है, जिसकी स्थापना, भारतीय भाषाओंका वैज्ञानिक पद्धतिसे विश्लेषण करने वाले विद्वानोंने की है। यद्यपि हमारे निजी अभिप्रायसे, यह नामाभिधान सर्वथा संगत अर्थ सूचक नहीं है – तथापि जब तक इसके लिये कोई वैसा अन्य अधिक सार्थक नामनिर्देश विद्वन्मान्य नहीं बनता, तब तक इसका व्यवहार करना समुचित है। हमारे विद्वान् मित्र – गुजरातके सुप्रसिद्ध कवि, लेखक, एवं चिन्तक श्री उमाशंकर जोषीने, इस प्रबन्ध जैसी प्राचीन रचना-ओंकी भाषाको 'मारू-गूर्जर' भाषाका नूतन नामाभिधान सूचित किया है, जो एक प्रकारसे

अधिक अर्थसंगत हो सकता है; परंतु इसके विषयमें जब तक अन्यान्य विद्वान् साधक-बाधक भाव वाले विशेष विचार उपस्थित नहीं करते और उन पर उचित ऊहापोह नहीं किया जाता, तब तक इस बारेमें कोई सिद्धान्त स्थिर नहीं किया जा सकता। हमें यहां पर यह विचार इस लिये प्रदर्शित करना आवश्यक हुआ कि – प्रस्तुत कान्हड दे प्रबन्ध, आज तक गुजराती भाषाकी एक सर्वमान्य एवं सर्वज्ञात, प्राचीन कृति मानी जा रही है और गुजराती भाषाके इतिहासमें इसको एक विशिष्ट स्थान दिया जाता है – तब हम यहा पर इसे एक 'राजस्थानी महाकाव्य' किस अभिप्रायसे कह रहे हैं। वास्तविकता तो यह है कि प्रस्तुत काव्यके जैसी भाषारचनायें, जिस समयके अंतर्गत निर्मित हुईं, उस समयमें रा ज स्था नी या गु ज रा ती ऐसा भाषा-भेदसूचक कोई नामनिर्धारण नहीं हुआ था। राजस्थानी और गुजराती ये नाम मुगलोंके शासन कालके परिणामसे उत्पन्न हुये हैं। परंतु अब इस नूतन युगकी साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनैतिक आदि सर्व प्रकारकी नूतन परिस्थितियोंके परिणामस्वरूप, राजस्थानी एवं गुजराती इस प्रकारकी भाषा-भेदसूचक और कुछ अंशोमें संस्कृति-भेद सूचक भी शाब्दिक प्रसिद्धि रूढ हो गई है और उसके फलस्वरूप, आधुनिक गुजरात एवं राजस्थानके नामसे प्रसिद्ध और प्रस्थापित होने वाले प्रदेशोंके निवासियोंके मनमें, संस्कृति, साहित्य और भाषाके इतिहासका अवलोकन और अन्वेषण करनेका दृष्टिकोण भी कितनेक अंशोंमें, भिन्नभावके रूपमें विकसित हो रहा है। पर यह तो परिवर्तित समयकी परिस्थितिका अनिवार्य परिणाम है। इससे हमें व्यग्र या व्यथित होनेकी कोई आवश्यकता नहीं है। हमें इसमें समंजसताका सूत्र शोधना चाहिये और उसे पकडना चाहिये। भ्रान्तिजनक एवं भेदवर्धक भावोंका निराकरण करना चाहिये।

मैं यहां पर प्रस्तुत प्रबन्धको राजस्थानीका काव्य कहना पसन्द करता हूं तो उसका कारण भाषावैज्ञानिकोंने इसमें प्रयुक्त भाषाका वैसा जो शास्त्रीय नाम निश्चित किया है, वह है। हमारे गुजराती साहित्यके इतिहासमें, इसको गुजराती काव्य कहा गया है तो उसका कारण यह है कि जिस समय यह काव्य रचा गया, उस समय, आधुनिक राजस्थान और गुजरातके प्रदेशोंमें भाषा-विषयक कोई खास भिन्नता थी ही नहीं। थोडी-बहुत भिन्नता जो थी, वह केवल राजकीय सीमाओंके संबंधकी दृष्टिसे थी। बाकी सांस्कृतिक, सामाजिक एवं साहित्यिक दृष्टिसे इन दोनों प्रदेशोंके बीचमें कोई सीमाभेद नहीं था। ये परस्पर एकरूप थे। चालुक्योंकी राजधानी अणहिल-पुरमें वसने वाले लोक जैसी भाषा बोलते थे, प्रायः वैसी ही भाषा, चाहमानोंकी राजधानी अजमेरमें रहने वाले लोक बोलते थे। चाहे उनके स्थानिक उच्चार और वाग्व्यवहारमें कुछ थोडी-बहुत भिन्नता भले ही रहती हो परंतु उनकी साहित्यिक भाषा एवं लिखित भाषा एकसी ही थी। अतः इस ऐतिहासिक तथ्यको लक्ष्य कर, हम इसे गुजराती महाकाव्य भी उतने ही अंशमें कह सकते हैं जितने अंशमें इसे राजस्थानी कहना चाहते हैं। बाकी कवि तो स्वयं इसको केवल 'प्रा कृ त ब न्ध' कहता है, जो उस युगमें प्रान्तीय देशभाषाओंके कवियोंमें एक सामान्य रूढि चली आ रही थी। संस्कृतभिन्न

देशभाषाओंको, विद्वान् जन या तो सामान्य रूपसे प्राकृत कह कर उल्लिखित करते थे, या फिर काव्यशास्त्रके विवेचकोंने विशेषतया जिसका नाम अपभ्रंश रखा था, लोकभाषाका उसी अपभ्रंश नामसे व्यवहार करते थे। भाषाके कवियोंने तो नहीं लेकिन व्याकरणके विद्वानोंने, इन लोक-भाषाओंको लक्ष्य कर, प्राचीन प्राकृत और तद्भव अपभ्रंश भाषाभेदोंके, जो कुछ नाम निर्दिष्ट किये हैं उनमें एक गौ र्ज र अ प भ्रं श नाम भी मिलता है। इस दृष्टिसे हम इस प्रबन्धकी भाषाको 'गौर्जर अपभ्रंश' भी कहें तो उसमें कोई असंगति नहीं प्रतीत होती। शायद इसी विचारको लक्ष्यमें रख कर, गुजराती भाषाके समर्थ विद्वान् एवं प्रौढ भाषाशास्त्रज्ञ स्व० नरसिंहराव भो० दिवेटियाने प्रस्तुत प्रबन्धकी भाषाको 'प्राचीन गुजराती' भाषा न कह कर 'गूर्जर अपभ्रंश' कहना उचित समझा होगा।

इस प्रकार प्रस्तुत प्रबन्धको प्राचीन राजस्थानी, अथवा प्राचीन गुजराती, अथवा तो गूर्जर अपभ्रंश, चाहे जिस भाषाकी रचना कही जाय या मानी जाय। इसमें वाद-विवादका कोई कारण हमें नहीं लगता। वास्तवमें यह रचना समुचे पश्चिम भारतकी 'नूतन-भारत-आर्य-भाषा' कुल की एक प्रतिनिधिरूप और प्रमाणभूत उत्तम साहित्यिक कृति है। अतः इस दृष्टिसे इसका अध्ययन, अवलोकन और अनुशीलन होना आवश्यक है; और इसी विशुद्ध वैज्ञानिक विचारको लक्ष्यमें रख कर, हमने इसे रा ज स्था न पु रा त न ग्र न्थ मा ला द्वारा प्रकट करना उचित समझा है।

*

इस प्रबन्धमें, कुछ तो राजस्थान-गुजरातके गौरवमय सुवर्णयुगकी समाप्तिका वह करुण इतिहास अंकित है जिसे पढ कर हम खिन्न होते हैं, उद्विग्न होते हैं और रुदन करते हैं; पर साथ ही में इसमें, उस कराल कालयुगमें भी देवांशी अवतार लेनेवाले ऐसे धीरोदात्त वीर पुरुषोंका आदर्श जीवन चित्रित है जिसे पढ कर हमें रोमांच होता है, गर्व होता है और हर्षाश्रु आते हैं।

जिस समयकी घटना का इस काव्यमें वर्णन है वह समय भारतके लिये बडा भयंकर प्रलय-काल-सा था। भारतकी प्राचीन संस्कृति और समृद्धिका सर्वनाश करने वाला वह असाधारण विकराल काल था। उस कालदैत्यके कोपानलसे शताब्दियोंसे संचित और सर्जित भारतकी उस संसार-मोहिनी संस्कृति, समृद्धि, सार्वभौमता और सुरक्षितताका बहुत बडा भाग, कुछ ही क्षणोंमें भस्मीभूत-सा हो गया। पूर्वदेशका पाल-साम्राज्य, मध्यदेशका गाहडवाल साम्राज्य, दिल्ली-लाहोरका तोमर-राज्य, अजमेर-सपादलक्षका चाहमान-राज्य, अणहिलपुरका चालुक्य महाराज्य, अवंती-मालवका प्रमार साम्राज्य, एवं दक्षिण-देवगिरिका यादव राज्य — इस प्रकार भारतके पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण जैसे चारों खण्डोंमें, कई शताब्दियोंसे अपनी बलवान् सत्ता जमाये हुये बडे बडे राज्य और उनके शासक राजवंश, इस दुष्ट दावानलकी दुर्दैवी ज्वालाओंसे कुछ ही दिनोंके अन्दर, देखते देखते, दग्ध हो गये। अपार समृद्धिसे भरे हुए उनके असंख्य राज्यभण्डार घडियोंमें लुट गये। हजारों वर्षोंसे खडे हुए गगनचुंबी और पातालकंपी महान् राजप्रासाद एवं देवमन्दिर थोडी ही पलोंमें शतखण्ड हो हो कर धराशायी हो गये।

उक्त प्रत्येक देशमेंसे लाखों नर-नारी धर्मभ्रष्ट, गृहविहीन और बन्दी बन गये और लाखों ही अपने प्राणों तकसे मुक्त हो गये। यद्यपि इस कराल कालके सर्जक और प्रतिनिधि स्वरूप उन यमदूतसे आक्रान्ताओंके अनेक इतिहासकारोंने इस प्रलयके विषयकी सत्य-असत्य ऐसी असंख्य घटनायें आलेखित की हैं--परन्तु जिस देश पर, जिस जनता पर, जिस जाति पर, इस प्रकार, उस दुष्ट दानवने अपना दैत्याख चलाया, उसकी अनन्त सन्तानोंमेंसे शायद ही दो-चार व्यक्तियोंने, ऐसी दो-चार छोटी-बडी कृतियोंमें, उक्त कालकथाका कुछ आभास आलेखित किया है। इन्हीं दो-चार व्यक्तियोंमें से, प्रस्तुत प्रबन्धकर्ता कवि पद्मनाभ भी एक है और इसका स्थान उन सबमें प्रथम नहीं तो प्रधान तो अवश्य है। इस देशप्रेमी, जनताप्रेमी, जातिप्रेमी कविने, उक्त कालकथाका जितना संगत, जितना संयत, जितना समुचित वर्णन किया है वैसा शायद अन्य किसी कविने, अन्य किसी कृतिमें नहीं किया। साक्षात् प्रलयसदृश उस क्रूर महाकालके साथ, राजस्थानके एक छोटेसे सुवर्णगिरि दुर्गपर रहनेवाले स्वल्पसंख्यक महावीरोंने और वीरांगनाओंने, कैसा भयंकर अट्टहास किया, उस दुर्धर दानवका कैसा मार्मान्तिक उपहास किया और उसके दुष्ट मनोरथोंको कैसे चूरचूर किया, इसका वास्तविक चित्र कवि पद्मनाभने इस काव्यमें बडी हृदयंगमताके साथ आलेखित किया है।

काव्यगत वस्तुका विस्तृत विवेचन यहां अपेक्षित नहीं है। वह तो इसके दूसरे भागमें दिया जायगा। प्रस्तुतमें तो केवल संक्षेपमें काव्यकी उपयोगिता और विशिष्टताका सूचक कुछ परिचय देना ही उद्दिष्ट है।

*

इस काव्यकी एक हस्तलिखित प्राचीन पोथी, सबसे पहले, भारतीय संस्कृति, साहित्य और इतिहासके असाधारण प्रेमी एवं अन्वेषक, स्वर्गस्थ महान् जर्मन विद्वान् डॉ. ब्युल्हरको राजस्थान एवं गुजरातमें प्राचीन ग्रंथोंकी खोज करते समय, सीरोही राज्यके निकट-स्थ एवं उत्तर गूजरातकी सीमा पर बसे हुए, थराद (प्राचीन 'थिरापद्र') नामक गांवके एक प्राचीन जैन ग्रन्थभंडारमें मिली। डॉ० ब्युल्हरने तुरन्त उसकी उपयोगिता पहचान ली और गुजराती भाषाकी एक विशिष्ट प्राचीन कृति एवं गुजरात-राजस्थानके इतिहासका एक विशिष्ट प्रबन्ध समझ कर, इसको प्रकाशित करनेके लिये, तत्कालीन 'गु ज रा त शा ळा प त्र' नामक मासिक पत्रके संपादक सुप्रसिद्ध गुजराती विद्वान् नवलराम लक्ष्मीराम पंड्याको भेज दी, जिसे उनने अपने मासिकके सन् १८७७-७८ के कई अंकोंमें, क्रमशः प्रकट किया। 'गुजरात शाळापत्र' में प्रकाशित यह प्रबन्ध भाषा या पाठशुद्धिकी दृष्टिसे बहुत ही सामान्य कोटिका था। पीछेसे जब कुछ अन्य विद्वानोंने इस ग्रन्थका विशेष अवलोकन किया, तो इसकी कुछ चर्चा होने लगी और इसके अध्ययनकी ओर कुछ आकर्षण बढने लगा। सन् १९१३ में गुजराती साहित्य एवं भाषाके अन्यतर विद्वान्, स्व० डाह्याभाई पी० देरासरीने इस प्रबन्धकी कुछ और हस्तलिखित प्राचीन प्रतियां प्राप्त कर, उनके आधारसे एक अच्छा संस्करण तैयार

करनेका प्रयत्न किया और पाठशुद्धिकी दृष्टिके साथ, प्रस्तावना, टिप्पण आदिसे सज्जित कर इसे प्रकट किया। यद्यपि श्रीयुत देरासरी द्वारा संपादित वह संस्करण सामान्यतया अच्छा था, परंतु पाठशुद्धि आदिकी दृष्टिसे जैसा चाहिये वैसा उपयुक्त नहीं था। पिछले कई वर्षोंसे बंबई युनिवर्सिटीके गुजराती साहित्य विषयक पाठ्यक्रममें इस प्रबन्धका समावेश होता रहा है, अतः इसका पठन-पाठन बढा और विद्यार्थियोंको एवं अध्यापकोंको इसके एक उत्तम एवं शास्त्रीय पद्धतिके मुताबिक संपादित नूतन संस्करणकी आवश्यकता विशेष प्रतीत होने लगी।

राजस्थान और गुजरातके कई स्थानोंके ग्रन्थभंडारोंमें इस प्रबन्धकी कुछ और प्राचीन प्रतियोंकी उपलब्धि हुई जिसे देख कर मेरे मनमे यह विचार हुआ कि इसका नूतन संस्करण कोई विद्वान् तैयार करे तो बहुत उपयोगी होगा। कोई सन् १९३९–४० में प्रो० कान्तिलाल व्यासके सम्मुख, प्रसंगवश वार्तालाप करते समय, मैंने अपना यह विचार प्रदर्शित किया; तो इनने बडे उत्साह और आनन्दके साथ, इस कार्यको हाथमें लेनेकी अपनी उत्कंठा प्रकट की और फिर, मैंने भी इसमें मुझसे हो सके वह सहायता करने-करानेका अपना मनोरथ प्रकट किया। उस समय मेरे मनमें था कि यदि अन्य कोई संस्था इसके प्रकाशनका प्रबन्ध न कर सकेगी तो मैं अपनी सिंघी जैन ग्रन्थमाला द्वारा ही इसे प्रकट करनेका प्रयत्न करूंगा।

यद्यपि प्रो० व्यासने इसके संपादनका कार्य उसी समयसे प्रारंभ कर दिया था, लेकिन अन्यान्य भण्डारोंमें से प्राचीन प्रतियां प्राप्त करनेमें और उनके पाठान्तर आदि लेनेमें अपेक्षासे बहुत ही अधिक श्रम और समयसाध्य कार्य अनुभूत हुआ। लगभग ११–१२ वर्ष जितने दीर्घ समयमें इसका पाठसंकलन कार्य संपन्न हुआ। इस संकलनमें किस किस प्रकारकी प्राचीन पोथियोंका उपयोग किया गया है, उसका विस्तृत परिचय प्रो० व्यासने अपनी विस्तृत इंग्रेजी भूमिकामें दिया है।

सन् १९५० में, राजस्थान सरकारने, राजस्थानकी साहित्यिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साधन-सामग्रीका अन्वेषण, संग्रह, संरक्षण, संशोधन और प्रकाशन आदि करनेकी दृष्टिसे, परामर्शके लिये मुझे आमंत्रित किया। मेरे सुझाव और प्रस्तावके अनुसार, सरकारने **राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर** नामक कार्यालयकी स्थापना की और उसका प्रारंभिक संचालन कार्य संभालनेके लिये भी मुझे ही आदेश दिया। तदनुसार राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिरके जो कार्य चालू किये गये हैं, उनमें एक प्रधान अंगस्वरूप कार्य **राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला** का प्रकाशन है जिसके द्वारा, विशेष रूपसे, राजस्थानके साथ संबन्ध रखने वाले संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश और राजस्थानी-गुजराती, हिन्दी आदि भाषामें रचे गये ग्रन्थोंको, सुयोग्य विद्वानों द्वारा संशोधित-संपादित-अनुवादित आदि करा कर प्रकट करनेका है। प्रो० व्यास द्वारा सुसंपादित प्रस्तुत 'कान्हड दे प्रबन्ध' इस ग्रन्थमालाका एक बहुत उपयुक्त और बहुमूल्य मणि जैसा भूषण स्वरूप होगा, ऐसा सोच कर मैंने इसको, इस ग्रन्थमालामें गुम्फित करनेका अपना अभिप्राय

इनको सूचित किया; तो इनने इसका बडे आदरके साथ स्वीकार किया। इसके फलस्वरूप, प्रायः तीन वर्षके सतत परिश्रमके बाद, इसका मूलग्रन्थ स्वरूप यह प्रथम भाग, आज विद्वानोंके हाथोंमें उपस्थित किया जा रहा है।

प्रो० कान्तिलाल व्यास मेरे बहुत ही निकटीभूत मित्रोंमेंसे हैं। इनकी साहित्योपासना बडी लगनवाली है। हाथमें लिये गये कामको ये बडी श्रद्धा और निष्ठा पूर्वक करनेका स्वभाव रखते हैं; और साथमें एक बहुत ही विनम्र शिष्यके रूपमें अपने आपको उपस्थित करते हैं। बंबई राज्यकी सर्वश्रेष्ठ सरकारी कॉलेजके, गुजराती भाषाविभागके, ये प्रधानाध्यापक हैं और प्राचीन गुजराती भाषा, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं अन्यान्य विविध संस्कृति विषयक अनेक विषयोंमें, मौलिक अनुशीलन और संशोधन स्वरूप विशिष्ट कोटिका काम करते रहते हैं। अपने अध्ययन-मननके परिणाम स्वरूप कई अच्छे निबन्ध और पुस्तक आदिका इनने प्रणयन किया है जिनका विद्वानोने अच्छा सत्कार किया है एवं युनिवर्सिटी आदि प्रौढ प्रतिष्ठानोंने उनकी मूल्यवत्ताको उपलक्ष्य कर, इनको सुवर्णचन्द्रकादि जैसे पारितोषिकोंसे सत्कृत किया है। इनका संपादित 'व स न्त वि ला स' नामक प्राचीन गुजरातीका रसात्मक फागु काव्य विद्वानोंमें बहुत आदरपात्र बना है और कई युनिवर्सिटियोने, अपने 'नूतन भारतीय भाषा विषयक' पाठ्यक्रममें उसे समाविष्ट किया है। इसी 'व स न्त वि ला स' की प्रस्तावना लिखते समय हमने इनके विषयमें आशा प्रदर्शित की थी कि—'प्रो० व्यास इस तरह अपना संशोधनकार्य सतत चालू रखेंगे और उसके द्वारा प्राप्त सुंदर फल, समशील विद्वानोंके सम्मुख उपस्थित कर, उनके अभिनन्दन प्राप्त करते रहेंगे।' हमारी वह शुभाशा, आज प्रस्तुत प्रबन्धके, इस प्रकारके, उत्तम संपादन-रूपमें, अच्छी तरह फलवती हुई देख कर, मुझे और भी विशेष आनन्दका होना स्वाभाविक है और इस लिये मैं आज पुनः, ठीक ११ वर्ष बाद, उसी जयाभ्युदयकारिणी विजयादशमीके मांगलिक दिन (उक्त 'व स न्त वि ला स फा गु' की प्रस्तावना भी मैंने वि. सं. १९९८ के विजयादशमीके दिन लिखी थी) इनको अपना हार्दिक अभिनन्दन देता हूं।

विजयादशमी, वि. सं. २०१०
१७, अक्टूबर, १९५३

मुनि जिनविजय

INTRODUCTION

I

The *Kānhaḍade Prabandha* is perhaps the most valuable treasure in Old Gujarātī or Old Western Rājasthānī, as it is called by Dr. TESSITORI. It is an epic of a glorious age and there is nothing to compare with it either in Old or Modern Gujarātī. It can easily stand comparison with the celebrated *Pṛthvīrāja Rāsā* in Old Hindi.

There are various reasons why the *Kānhaḍade Prabandha* has attained this unique position In the first place, it is a text of supreme importance for a study of the development of the Gujarātī language Composed as early as v s. 1512, it represents an important landmark in the evolution of the Gujarātī language It embodies a stage when Gujarātī and Rājasthānī were just beginning to evolve their distinctive characteristics from the common source—the post-Apabhraṃśa While the morphology and the general character of the language are unmistakeably Gujarātī, its phonology reveals several Rājasthānī traits It is a rich mine of typical Old Western Rājasthānī words, many of which are rarely met with in other Old Western Rājasthānī works Besides being a gifted poet the author was an erudite scholar His work, therefore, faithfully reproduces the standard form of the language current at the time. This text, fortunately, has been handed down by learned scribes who have taken care to preserve its linguistic peculiarities with great fidelity. The result is that we get from this work a clear picture of the Old Gujarātī language or Old Western Rājasthānī as it prevailed in the middle of the 15th century A. D. And herein lies the value of this work because the works of eminent mediaeval poets like Narasimha and Mirābāi, although belonging approximately to the same age, have considerably suffered in the process of transmission in later times.

From the historical point of view, also, the *Kānhaḍade Prabandha* is without a parallel in the entire Old Western Rājasthānī literature. It is perhaps the only OWR *Prabandha* that gives an accurate account of historical events. There is hardly any doubt that the poet has drawn at first-hand on court-records and chronicles as well as the current historical traditions of Rājasthān. His references to the contemporary geography of India are always accurate. The value of this work as a source-book of the history of the period, therefore, must be rated very high indeed. Moreover, the work is a mine of information on the social customs and manners

of the period. It is a work of the utmost importance, therefore, to the social historian as well.

And lastly, the *Kānhaḍade Prabandha* can claim a high place of honour as a work of art. It is an epic poem, grand in its design, vigorous in the portrayal of its characters, and masterly in its treatment of the sentiments. The flow of its narrative, punctuated by descriptions—lively, sombre or gay—and its songs filled with a rare lyrical charm, make this work a classic ornament of Old Western Rājasthānī literature.

II

It was only natural that a work of such outstanding importance should soon attract the attention of scholars. Dr BÜHLER, the well-known orientalist, chanced upon a manuscript of this work, preserved in a Jaina Jñāna Bhandāra (manuscript-library) at Tharād, North Gujarāt, during his tour in search of manuscripts of Sanskrit and Prakrit works. He promptly got it copied and sent it to the late Navalrām Lakshmirām PANDYĀ, the celebrated Gujarātī scholar and critic of that period. Navalrām published it ad verbatim serially in the *S'āḷāpatra* (1877-78 A. D), of which he was the editor. The MS itself contained several mistakes, to which many more were added in the course of the printing in the *S'ālāpatra*. However, the publication of the text in the *S'ālapatra* did serve a very useful purpose it drew the attention of scholars in Gujarāt to the importance of this work.

Outstanding Gujarati Indologists, like H. H. DHRUVA and K. H. DHRUVA, and D. P. DERĀSARĪ, felt interested in this work, and the last-named scholar undertook the task of editing it. He collected the manuscripts, deciphered and collated them, and prepared the text, which he published along with a brief introduction and explanatory notes in 1913 A D. His text was based on the following 5 MSS –

(1) the text of the *Kānhaḍade Prabandha* published in the *S'āḷāpatra* by Navalrām PANDYĀ (designated as क by DERĀSARĪ);

(2) a MS copied in V. S 1648, procured from the Jaina Jñāna Bhandāra at Tharād[1] (designated as ख),

(3) a MS copied in V S. 1665, in the manuscript-collection of the Deccan College (designated as ग),

[1] It bears the colophon इति का प्र समास सवत १६४८ वर्षे माग्रशिर मासे कृष्ण पक्षे अष्टम्यां तिथौ रविवासरे ॥ श्री सक्तिपुरे श्री भावहडराय गछे श्री श्री श्री ४ कालिकाचार्य संताने । वाचनाचार्य श्री श्री श्री भावकलस तत् शष्य वाचनाचार्य श्री श्री श्री जयमेर तत् शष्य मुनि रामांकेन आत्मार्थे लपीकृत ॥ यादृश्यं पुस्तके दृष्ठा तादृश लख्येत मया यदि शुद्धमशुद्ध वा मम दोशो न दियते ॥

(4) the MS (dated V. S. 1930), which Dr. BÜHLER got copied and sent to Navalrām (designated as घ);

(5) a recent MS containing the first 150 verses of the *Kānhaḍade Prabandha*, copied out by some cāraṇa (bard) for his personal use (designated as च)

Of these MSS क and घ are identical, क being printed verbatim from the घ MS. ख and घ both come from Tharād and both have a big common lacuna[1]. It can, therefore, be presumed that both are identical, ख representing the original MS from which the copy घ was prepared at the instance of Dr BUHLER. Of the remaining MSS ग represents another manuscript-tradition, while च is fragmentary and is very modern.

From these MSS DERĀSARĪ prepared his text. But according to the practice then prevalent among Gujarati scholars, when Old Gujarāti studies were in their infancy, the editor did not base his collation on any recognized principles of textual criticism but allowed himself to be freely guided by his personal predilections in the matter of the choice of readings. Where one or the other of the MSS had simplified a *lectio difficilior* in transmission, DERĀSARĪ adopted the *lectio facilior* in preference to the original reading. Occasionally, he emended the original text without sufficient warrant. The text, thus, was defective in those very places where it was most important for the linguist to know what the original was like. The edition also was unsatisfactory because the manuscript-material on which it was based was neither thoroughly representative nor very old, as all the MSS were removed from the original by over a century and a half. It failed, therefore, to bring out the salient features of the Old Western Rājasthāni language current in the poet's time.

In 1926, DERĀSARĪ brought out a second edition of this work. No material revision of the text was made in this edition; only at a few places readings from MS घ were substituted in place of readings from MS ग adopted in the earlier edition.

These editions of DERĀSARĪ, though prepared with care, and popular then, fail to reproduce the poet's original or represent the state of the Old Western Rājasthānī language of the mid-fifteenth century, as will be seen from the verses cited below from that edition in juxtaposition to the text as reconstructed by the present editor.

---

[1] *Vide* DERĀSARĪ's note. "आ प्रत पण क (=शाळापत्रनी वाचना) छे त्यांथी ज तूटक छे."— *Kānhaḍade Prabandha*, ed. by D. P. DERĀSARĪ, 1st edn., Introduction, p. 2.

Verses in DERĀSARĪ's Edition	Corresponding Verses in the Present Edition
मरण तणि भयि भोजन वार	मरण तणइ भयि भोजन वार
वासी चाढुउ धरइ सूआर ॥	वांस चाटवउ धरइ सूआर ॥ १–२५
पातसाहनी पिहिरामणी	पातिसाहनी पहिरामणी
तव धरावु [1] सिम्भरनु धणी ॥	उगराहइ सिंभरिनउ धणी ॥ १–३०
पाला पलि पटावत काहर	पाला पलइ पटायत काहर
भोइ नव लाभि पार ॥	भोईं नइ बलबाल ॥ १–४२
आगलि थिकां वागडु सावज	आगलि थिका वागडू साविज
वाटि नाठा जाइ ।	वेडईं नाठा जाइ ।
विसमी भूमि लीइ चिहू दिसि	विसमी भूमि लेई देसाउत
हुडी धाडा धाइ ॥	चिहूं दिसि धाडा धाइ ॥ १–४९
आगइ अह्म वंस सूं वीतूं	आगइ अह्म वरांसउ वीतउ
छयल भणइ नवि छाडूं ।	हिवडां छल नवि छाडूं ।
असपतिनां दल साहमु चालु	असपतिना दल साह्मउ चाल्यउ
लेईं ऊधाडूं खाडूं ॥	लेईं ऊघाडउं षाडूं ॥ १–५३
चब्या कटक डण्डाहि चिडोत्तर	चब्या कटक दंडाहि दाहोत्तर
धाणधार धन्धोलि ।	धाणधार धंधोलि ।
ऊडि वीवी आव्या वासी	ऊडी वीवी वाउसू आव्या
दीधी पाटण पोलि ॥	पाटणि दीधी पोलि ॥ १–५९
किस्या रूख फल्या ? राउ ऊधारि,	किस्यां रूषफल राउ अवधारउ
नाणि मनि संदेह ।	राणी मनि सदेह ।
बीलां बोर किर नि गोहोला	बीला बोर कइर इंगोरा
माधवना फल एह ॥	माधवना फल एह ॥ १–६३
गूजरात देस हीलोल्यू	गूजराति माहि गडअडड
अति कीधुं तरकाणु ॥	तहीय लगइ तुरकाणउं ॥ १–६७
लोहडा तणी फलक अणावी	लोहडइ जडी फरक नइ रहिकल
वली अणावु गाडा ।	वली अणाव्या गाडा ।
सोमनाथनूं लिङ्ग चडावउ	सोमनाथनउं लिंग चडाव्यउं
आणी ओडा आडा ॥	आणी ऊडव्यां आडा ॥ १–९९
लषणु भणइ, वीर चुवीसइ	लषणउ भणइ – सहस चउवीसा
पूछ्या व्याज लहीजइ ॥	पूंठइवाज लहीजइ ॥ १–१४९
खाधा धान रात्रि अधारइ	षाधा धान उलवइ बइसी
छोरू कीधा वंच ॥	छोरू कीधा वंच ॥ १–१६४
टोलइ टोलइ पीटइ खरांकि	टोले टोले पडइ करांषि
नीरप्रवाह वहि जिम आंखि ॥	नीरप्रवाह वहइ जिम आषि ॥ २–६
जेह ऊपरि शाहा मनि हेज	जिह ऊपरि वाल्हिमनइ हेज
पातसाहना बि भाणेज ॥	पातसाहना बे भाणेज ॥ २–१६
मारी तुरक नि अधलूं कीधूं	मारी मलिक अवाला कीधा
मचकोड्यूं तुरकाणूं ।	मचकोडिउं तुरकाणउं ।

[1] धराविउ I_2 (DERĀSARĪ, 2nd edn.)

Verses in DERĀSARI's Edition	Corresponding Verses in the Present Edition
हुडी नि छोडाव्या हाथी वेढी गया विह्नाणइ ॥	हुडी नइ छंडाव्या थाहर वेडि गया विहाणउं ॥ २-४५
मइ कास्मिर, कामरु, हिमाचल चूल लगइ वसि कीध ॥	मइं कासमीर कामरू हिमाचल गौंड लगइ वसि कीधा ॥ २-६७
तेह तणा माल घरि आवइ अह्म घरि करइ सलाम ॥	तेह तणा माल अम्ह घरि आवइ ते अम्ह करइ सिलाम ॥ २-७३
सांतलसीह प्रसादि तुह्मारि म्लेच्छ इहाथु फेडु ॥	सातलसीह प्रतापि तुम्हारइ म्लेछां थाहर फेडउं ॥ २-१२२
पडइ त्रास भटकीया विछूटइ अनइ धू धू निफात ॥	पडइ त्रास भटकीयां विछूटइ नइ घूघूइ निफात ॥ २-१२९
कुयरि कोडाली फूटडी वली वुलावु कवण दुल्हा भणी ॥	कुंयरि कोडाली बेटडी वली मेलावउ कवण वलामणि ॥ २-१५५
जे गालु आविउ आखेट पाडिउ[1] हाथ तव वाहडमेर ॥	जई त्रागालउ आविउ हेरि पड्यउ हाथ तव वाहडमेरि ॥ ३-२१
भणवा भणी न आवइ खेद अगि सहित मुखि च्यारइ वेद ।	भणवा तणउ न आणइ षेद अग सहित छइ च्यारइ वेद ।
ब्राह्मण तणा भला[2] आचर्ण, जिहा वर्त्तइ बइठा व्याकर्ण ॥	ब्राह्मण तणां भलां आचरण जिहा वरतइ आठइ व्याकरण ॥ ३-२३
साहसी राउत आगलि थयु भिन्नमालि आविउ बूंबीउ ॥	साम्ही रातिइ आगलि थयउ भिन्नमालि आव्यउ बूंबीउ ॥ ३-३०
जे नीसाण तुरका तिहा सर पाडुउ घाउ वजाविउ ।	जे नीसाण तोरकां तिहां सिरि पाडवि घाउ वजाविउ ।
सर वाजंता वेगि सुणी करि मलिक नेब तिहां आविउ ॥	विसर वाजंता वेगि सुणी करि मलिक नेब तिहा आविउ ॥ ३-९३
घोडा लगइ न जावा लाभइ वेगइ आह्राणि तीर ॥	घोडा लगइ न जावा लाभइ वेझां वींधीइ वीर ॥ ३-९९
सरवर पर सर सुण्या निसाण पछइ मलिकनइ हुऊं जाण ॥	सरोवरि विसरि सुण्यां नीसाण पछइ मलिकनइ हूऊं जाण ॥ ३-१०९
पातसाहनी बेटी जेह वीरमदे परणावु तेह ॥	पातिसाहनी बेटी जेउ ते वर मागइ वीरमदेउ ॥ ३-१३०
दानकरण माल्हणदे[3] सही छट्ठी फोजि जमलि रही ॥	लूणकरण माल्हण छइ सही छट्ठी फोजइ जइमल जई रही ॥ ३-१८०
माणिकराय घरि चूथि वार देवराज लीधु अवतार ।	माणिकराय घरि चउथी वार महीपाल लीधउ अवतार ।
जयतलदे घरि हुं कूंयरी सरूपदे नामि अवतरी ॥	योगादे घरि हू कुंअरी सरूपदे नामइ अवतरी ॥ ३-१९९

[1] पडिउ I_2

[2] तणां भला I_2

[3] मोल्हणदे I_2

Verses in DERĀSARĪ's Edition	Corresponding Verses in the Present Edition
देवलोकथा नुमी वार पृथवीहि हुइ अवतार ॥	देवलोकथा नुमी वार प्रथवीइ नही हुइ अवतार ॥ ३–२११
कुमरी आवी कूंयरि सुणी गउ रब्बारी वधामणी ॥	कमले आवी कुंयरी सुणी गयउ रबारी वद्धामणी ॥ ३–२२७
शोभित बूर्ज बूर्जे कांगरु नवी तरुअर फलवा वरु ॥	सोभित बुर्ज बुर्जे काकरउ ॥ नवी तरूअर ऊमाहरउ ॥ ४–२५
जाणइ भरह भेद संगीत[1] पाटबंध ते गाइ गीत ॥	जाणइ जेह भरहसंगीत पाडप्रबंध ते गाइ गीत ॥ ४–५५
राजंगणि सवि ग्या सचरी पहिलू सवि सहू मेलु करी ॥	पहिलउं मंत्र सुपरउ करी रायंगणि सवि ग्या संचरी ॥ ४–१२५
पातसाहइं कासित मोकल्यु मालदे देस मारइ एकलु ।	पातसाहि कासीद मोकल्यउ मालदे वीर साहु एकलउ ।
कमालदीन कहिउ सांभलि गढ लीधा विण पाछउ वलि ॥	कमालदीन कहिउं साभले विण लीधा मत पाछउ वले ॥ ४–१४५
कटक तोरकां ऊपरि सूंढी राउ सींधल दल आव्युं ॥	कटक तोरकां ऊपरि सूंढी रासूंधइ दल आव्यां ॥ ४–१७३
उलीचि कर ऊतारीया बार सहस मूगल मारीया ॥	उल्हीचइ कर ऊभारीया बार सहस म्लेछ मारीया ॥ ४–२११
खाडा भरत कांगरा कोठइ इसिउ कही वखाणिउ ॥	षांडाभरत काकरउ कोठउ इसिउं कही वषाण्यउ ॥ ४–२१३
जैसु लखमण छलभु जाणि ए नासत नाठा निरवाणि ॥	जेसल लषमण लूणउ जाणि ए नीसत नाठा निरवाणि ॥ ४–२६३
पूनु, आसुड, बीजड बेउ धारसी नइ ईपु जेह ॥	पूनउ आसड बीजड जेउ धारसीह नइ दूदउ बेउ ॥ ४–२८०
वीरमदेवि संघासण काज ऊठ दीहाडा कीधू राज ॥	वीरमदेव वंश घण काज अहूठ दीहाडा कीधउं राज ॥ ४–२९८
जे फल लहि तापसि सवि जे फल हुइ बंध छोडवि ॥	जे फल पामइ तपसी सवे जे फल हुइ बांद छोडवे ॥ ४–३४७
पूर्ण्यि संग सवि सज्जन मलइ पूर्ण्यि आस मनोरथ फलइ ॥	प्रेमसंगि सवि सज्जन मिलइ आस मनोरथ सहूइ फलइ ॥ ४–३५२

A critical edition in the strict sense of the the term, of such a monumental epic was, therefore, for long a desideratum. Such an edition would enable scholars to form a correct picture of the language, history and literary achievements of this remarkable period in the history of Gujarāt and Rājasthān.

[1] जाणइ जोतिष, भरह संगीत I_2

III

The *Kānhaḍade Prabandha* had attracted my attention ever since I read it for my M. A. in 1931-1933. While teaching the poem to the B. A. students from 1937 to 1940 I found that a critical edition of the text of this work was absolutely necessary.

From 1940 I started acquiring the manuscripts. I got the two MSS from the manuscript-collection of the Bhandarkar Oriental Research Institute, Poona[1], which were used by DERĀSARĪ and designated by him as MSS ग and घ respectively. After a prolonged search it was also possible to hunt out the old numbers of the *Śāḷāpatra*, in which Navalrām had published serially the text of the MS sent to him by Dr. BUHLER (the text designated as क by DERĀSARĪ). The effort, however, was wasted as the text printed by Navalrām turned out to be a verbatim and rather faulty transcription of BUHLER's MS (MS घ in DERĀSARĪ). The agreement between the two texts and the identical colophon in both leaves no doubt whatsoever regarding this identity.

It was then brought to my notice that there was a MS of the *Kānhaḍade Prabandha* in the collection of the Jaina Jñāna Bhaṇḍāra of the Anantanāthji's temple, Bombay. I approached the trustees of the temple through the late Ambālāl B. JANĪ, himself a veteran scholar of mediaeval Gujarati literature. With the trustees' permission I visited the Bhandāra and found to my great surprise that along with the MS mentioned in the catalogue of the Bhaṇḍāra (the C MS in the present edition) there was also another MS of the same work lying unnoticed there, because its first folio was lost so that the cataloguer was left without any clue regarding the name of the manuscript. This MS (MS A in the present edition) turned out to be a rare find, an invaluable treasure, for it happened to be the oldest dated MS, copied in V. S. 1598 in Jhalor, the poet's own place, where it may have had for its basis the poet's autograph or a direct copy of it. Both the MSS were made available to me by the trustees (1940). I then learnt from the late Mohanlāl Dalichand DESĀI that a fragmentary MS of the work existed in the Kesarbāi Jñāna Bhaṇḍāra at Pāṭaṇ. I went to Pātan in October, 1941, in search of the MS. The MS, however, could not be traced there. I met there Muni Śrī PUṆYAVIJAYAJĪ who was then engaged in preparing a catalogue of the manuscripts lying in the various Jñāna Bhaṇḍāras of Pāṭaṇ. He had two fragmentary MSS of the work in his private

[1] No. 1541 of 1891-95; and No. 239 of 1873-74.

collection, which he promised to trace and send to me after his cataloguing work was over.

After waiting for these MSS for sometime I started collating the four principal MSS (A, B, C, D) I had acquired so far, and prepared the text (1945). Then I received the two fragments (MSS F, G in the present edition) from Muni Śrī PUṆYAVIJAYAJĪ, and also a fragment (MS E) from D. B K H. DHRUVA's collection in the Gujarāt Vidyā Sabhā, Ahmedabad. I also learnt from Muni Śrī PUṆYAVIJAYAJĪ about the existence of a complete MS of the *Kānhaḍade Prabandha* in the Bhanḍāra of Saṃvegī's Upāśraya, Ahmedabad. For some reasons the MS did not become available then. I, therefore, collated the newly acquired MSS (MSS E, F, G) and revised the text in the light of this new material (1947-48).

Just then the MS from the Bhandāra at Saṃvegī's Upāśraya, Ahmedabad, came into my hands through the good offices of Muni Śrī PUṆYAVIJAYAJĪ. A little later I learnt about the existence of two further MSS of the *Kānhaḍade Prabandha* in the collection of Śrī Motichandji KHAJĀNCHĪ of Bikāner, well-known for his excellent collection of old manuscripts and paintings. I contacted Śrī Motichandji who readily placed at my disposal the two MSS for purposes of collation (1951)

Finally, when this edition was in the press and the first Khanda was printed off I received a letter from Śrī Agarchand NĀHṬĀ, the veteran Rājasthānī scholar and antiquarian, drawing my attention to the existence of a MS of the *Kānhaḍade Prabandha* in the library of Godiji's Upāśraya, Bombay, acquired from the successors of the late Mohanlāl Dalichand DESĀI The MS was made accessible to me by the trustees of Godiji's temple and upāśraya. It came just in time to be utilized for the present edition, for the portion of the text from where this fragmentary MS commenced was then about to be printed off. (October, 1952)

The acquisition of the different MSS since 1947–48 made it necessary for me to collate them and to constitute the text over again in the light of the fresh manuscript-material now available to me. The later acquisitions, and particularly MS K from Śrī KHAJĀNCHĪ's collection at Bikāner, were very helpful in illuminating several obscure portions of the text So far, the A MS was the principal Rājasthānī MS available to me. Where it was mutilated or corrupt it became difficult for me to restore the text satisfactorily. This handicap was removed by the K MS, which was a Rājasthānī MS, copied with great

care, and though undated, was almost as old as the A MS and belonged to the same group.

I had access to all the MSS used by DERĀSARĪ, except the one which he had designated as ख. I, therefore, thought it necessary to record variants from DERĀSARĪ's text (designating it as I) where it differed sharply from the rest, assuming that they probably belonged to MS ख, which was inaccessible to me.

I have utilized all MSS available in the government and other public libraries, Jaina Jñāna Bhaṇḍāras and private collections of Gujarāt and Rājasthān. So far as I am aware no extant MS of the work has escaped my notice. I may claim that there is hardly any edition of an old work in any of the Indian languages which has been prepared from manuscript-material, so rich and rare as that used in the present edition.

IV

The present edition is based on the following ten manuscripts.

Ms A, in the collection of the Jñāna Bhaṇḍāra of Anantanāthji's temple, Bombay, consists of 18 folios, of which the first is missing,[1] though, fortunately, the last folio containing the colophon has been preserved The edges of this folio (folio 18 verso) have, however, suffered damage, with the result that some letters in the text have disappeared.

Each folio measures about 11.2″ by 4.5″. The size of the folios, however, is not quite uniform, as some one has evidently tried to prune the edges.

There is a margin of .5″ on the right-hand side and .25″ on the left-hand side, and a small margin of .15″ to .25″ is kept above and below the writing in each page.

There are on an average 23 lines per page. Folios 2, 8 recto, 9 verso, 10, 11 recto, 12 recto, 14 verso, and 15 recto have 23 lines each Folios 3 recto, 11 and 12 verso, 14 recto, 16, and 18 recto have 22 lines each. Folios 4, and 7 and 13 verso have 24 lines per page. Folios 3 verso, 5, 6 and 7 recto, 9 and 13 recto, have 25 lines each. Folios 8 verso, 15 verso and 17 recto have 21 lines, and folio 17 verso has 20 lines. Folio 6 verso has 13 lines, because a part of the page had to be left blank, as the writing on the other side had penetrated too deep. On folio 18 verso, where the MS ends, there are 17 lines only.

[1] The first 61 verses of the text are lost with this folio. MS A, thus, commences with I 62. There are no other lacunae in the MS.

†

The number of letters per line varies from 54 to 60, the average being about 57 letters per line.

Being written by a Brahmanical scribe it has no *svastika* or conventional blank space in the centre of the page.

On the verso sides at the top of the left-hand margin is written the title of the poem, namely, कान्हडदेनी चउपई[1], while in the right-hand margin at the bottom is marked the number of the folio.

If a letter or a word is to be corrected, the wrong word or letter is struck out and the correct word or letter is written in small hands just above it. Similarly if a word or a letter has been inadvertently omitted it is inserted in small hands just above its proper place, which is marked with a cross. Sometimes the addition is made in the margins instead of above the place of omission.[2] In that case the place of omission is indicated by a small cross, and the addition is made in the nearer margin between two crosses, care being always taken that the addenda appear in the same line as the place of omission

The numbering of verses is often faulty The discrepancy is only slight in Khandas I and II, while it is extensive in Khandas III and IV In the fourth Khanda the first stanza is numbered as 67, evidently continuing the numbering of the previous khanda, while the last stanza is numbered as 1000.

The verse-numbers, the names of the metres, the refrains of songs, and colophons are all rubricated with red lac.

The *prasasti* or *maṅgalācarana* is lost with the first folio, while the colophons of the Khandas and the final colophon read as below.-

इति प्रथम षंड समाप्त ॥

इति द्वितीय षंड समाप्त ॥

इति तृ(ती)य समाप्त खंड ॥ समाप्त ॥

इति श्री कान्हचरि(य) सपूर्ण मिति ॥ सवत १५ आषाढादि ९८ वर्षे श्री जालोरगढ महादुर्गे विहारीवंशे मलिश्री अलीसर विजयराज्ये श्री अचलगछे गछाधिराज श्री गुणनिधानसूरि विद्यमाने । वा० श्री वेलराज सिष्य साप्रत श्री पुंन्यलब्धि महोपाध्याय शि वा० जयलब्धिगणि वा० श्री भानुलब्धिगणि लिषतं ॥ पं० चारित्रलब्धि वाचनार्थं ॥ कात्ती वदि ९ गुरुवारे लिषत(मू) ॥

---

[1] On folio 3 the title is mentioned as कान्ह चोपाई, which may have been written probably by a later reader or collector Folios 2, 5, 8 and 18 are without the title, which may have disappeared when its edges crumbled away For the same reason on some folios the number has been lost

[2] Such marginal additions are made on folios 4 verso, 5 and 6 recto, 7 verso, 9 recto, 10 verso, 11 recto, 13 verso, and 16 recto

Last page (folio 18 verso) of the A Ms

The script is Brahmanical Devanāgarī of the Marwāḍi type. It is clear and firm. It does not use the *paḍimātrā* or the side-*mātrā*, which is a characteristic of the Jaina Devanāgarī.

The manuscript is written on paper of a very inferior quality. Sometimes, on account of this, the scribe had to allow half the side of a page to remain blank (*vide* folio 6). The MS is not well-preserved either. The pages are soiled, perhaps on account of dampness, and have been damaged at places by insects. The edges have suffered due to careless handling, and on folio 18 the writing at the corners has thus disappeared.

Inspite of this the MS has been very valuable for fixing the text. It is the oldest dated MS, belonging to the same century as the poet. It was copied in Jhalor, the poet's native place, where it was possible that the copyist had access to the author's autograph copy or an immediate copy of it. I have, therefore, given due weightage to this MS, and considered it most reliable in the constitution of the text.

Ms B, No. 1541 of 1891-95 in the collection of the Bhandarkar Oriental Research Institute, is in the form of a *pothi*, stitched on the left-hand side, which is rather unusual. The MS contains (1) the *Karnalīlāvilāsa* of Sūradāsa, (2) the *Kānhaḍade Prabandha* of Padmanābha, and (3) the *Ranamallachanda* of Śrīdhara Vyāsa, in that order.

On the first page and after the *Karnalīlāvilāsa* some medical formulae are copied out The MS covers in all 59 folios of which 47 are occupied by the *Kānhadade Prabandha.*

The folios are not numbered, but counting the opening folio of the MS as 1, the *Kānhaḍade Prabandha* starts on folio 8 verso, and concludes on folio 55 verso. Each folio measures about 8″ by 4.6″. There is a margin of .4″ both on the right and the left, marked off by a double line usually in black and sometimes in red ink. The margins at the top and the bottom of the page are .3″ wide.

On the first 20 sides there are, generally, 13 lines per page; the remaining pages have usually 14 lines per page, except 18 sides—most of them in the latter part of Khaṇḍa III and in Khaṇḍa IV—which have 15 lines per page. The last page, where the poem ends, has 16 lines.

The number of letters per line varies from 28 to 36, the average being about 32 letters per line.

Neither the title of the poem nor the folio-numbers are written in the margins.

When a letter is to be deleted, its head-line is crossed by two small upward strokes,[1] or, occasionally, the head-line of the letter is just omitted. If, however, several letters or words are to be deleted, they are rounded off by a line or sometimes placed between two brackets and rubricated[2]. If a letter or word is omitted, the addition is made in fine hand just above the place of omission[3] Sometimes, the copyist has written the meaning of the word in small hand just above the word[4].

Refrains of songs and the recurring *carana* occurring in several verses are usually abbreviated[5].

There are no marginalia except in IV 293 where in the margin is written · १३६८ वैशाक

The numbering of verses is regular up to I 38, after that two verses and sometimes even four verses are numbered as one up to I 147. Here the numbering becomes regular once again till the end of the first Khaṇḍa, though occasionally a verse is left unnumbered. In the second Khaṇḍa the numbering of verses is regular upto II 51, then two verses and often even four are numbered as one. In Khaṇḍa III the numbering of verses is mostly regular inspite of some discrepancies, occasionally noticeable, including repetition of the same verse-number. Thus III 241 is numbered as 229, after which follows the prose Bhaḍāulī. The verse immediately following the Bhaḍāulī is numbered not as 230 but as 245, which indicates that the copyist has corrected the numbering by reference to his prototype. The numbering is mostly regular in Khaṇḍa IV, with the exception of a few places, where four or more verses are numbered as one.

The verse-numbers, names of *rāgas* or metres, refrains of songs, and the *praśasti* and colophons of each Khaṇḍa are rubricated.

The *prasasti* is simply कान्हडदे राउल ॥ श्री सारदायै नम. ॥; while the colophons are इति प्रथम षंड समाप्तः ॥

इति तृतीय षंडः ॥

चतुर्थ षंड ॥ सं (...)[6] पोष सु ५ ॥

---

[1] *Vide* I 82 in MS B

[2] *Vide* II 43 in MS B.

[3] *Vide* I 83 in MS B

[4] नयर (दिल्ली) योगिनी, MS B, I 18.

[5] *Vide* III 199, 200 in MS B

[6] The date – V. S 1665 (सं १६६५) – has disappeared as the edge of the folio has suffered damage It is, however, preserved at the end of the next poem in the pothi, viz *Raṇamallachanda.*

The script is Brahmanical Devanāgarī of the Rājasthānī type. The handwriting is firm and bold and is uniform throughout the *Kānhaḍade Prabandha*, but comparatively thinner in the *Ranamallachanda*, and thicker in the *Karnalīlāvilāsa*. The difference was perhaps due to the use of different pens. Some of the interspersed medical formulae appear, from their broad, immature, irregular writing, to have been copied by some one else, perhaps by a young student, who was just learning to write.

The paper is thick and the MS is well-preserved. The absence of a detailed colophon, the inclusion of several works, along with information for personal use, in the same MS, may perhaps be taken to indicate that the copyist was also the owner, who wrote out the poem for his personal use. That he was a learned man, perhaps a scholar, is evident from the careful transmission of the text.

Ms C comes from the manuscript-collection of the Jñāna Bhaṇḍāra of Anantanāthji's temple, Bombay. It consists of 34 folios, each measuring 9.5″ by 4.25″. It has margins on the two sides marked off by two double lines. The right-hand margin is usually 1″ wide, while the left-hand side margin is usually .8″ wide. The upper and lower margins are, generally, .45″ wide.

The first 5 folios have 14 lines per page. The rest of the folios have 15 lines per page, except the last (f. 34 recto) which has 11 lines only.

The number of letters per line in the complete lines above and below the *svastika* varies from about 38 to 46, the average being about 42 letters per line.

On the verso sides in the margins of the left-hand side is written the title कान्हडदे० (in folios 1, 2, 3, 4, 7, 8, 17, 21, 24, 27, 31, 33); or कान्हडे चुप (in folio 20); or कान्हडदे च० (folios 14, 15). On the remaining pages the title appears as कान्हडदे चु० In the right-hand margins at the bottom the number of the folio is written.

A small vertical stroke or sometimes two strokes cutting the headline (folio 5 verso, l. 13) indicates that the letter is deleted (folio 4 verso, l. 9).

Marginal addenda are very few indeed.

At only one place (f. 24 recto, l. 14) one letter (ज्ञ) has become illegible; two small dashes one above the other are marked just above it, and in the right-hand margin the letter is written with the same

mark (=) to show that it is to be inserted at the place where a similar mark appears above the line. Again on folio 30 verso l. 9 where a word is left out in the writing, its place is indicated by a cross above the line, and the word (सवे) is written in the left-hand margin, along with the cross. On folio 31 verso l. 11 where ि (the vowel *i*) is left out, two curved strokes above and below the letter are marked instead.

The numbering of verses is absolutely regular throughout the entire poem.

Verse-numbers are always rubricated. The names of metres, colophons of Khandas, dates of events are also usually rubricated.

The *prasasti* reads ॥ ६० ॥ श्री गुरुभ्यो नमः । श्री शारदायै नम ।

The colophons are

इति श्री कान्हडदेकथायां प्रथमषंडमध्ये गुजराति सोरठ द्विदेश बंद नवलाष सोमईउ देव लेई गढि जालहुर पासि शिरांणि दल आव्यां कान्हडदे जीत्या अधिकारे प्रथम षंड ।

इति श्री कान्हडदे द्वितीय खंड समाप्त द्वितीयमध्ये अलावदीन पातसाहि नाहर मलिक मोकल्या ते समीआणे गढरोहु करिउ सातलसी चहूआण भडी भागु पातसाहि समीआणो गढ लीधु बीजि षंडि १५८ गाथा ॥

इति श्रीकान्हडदे तृतीयखंड सपूर्ण तृनीय षंड मध्ये बाहडमेर भीनमालभंग पातसाह जालुहरि आगम मुंगलभग्न पातसाह ढीलीचलन समम्रषान हरमसहित बंदिकरण शीताई गढि आगत्य बंदछोडनं वीवाहवातकरणं षंड ३ गाथा २३९ ॥

इति कान्हडदे चहूआण चतुर्थ खंड सपूर्णम् चतुर्थ खंड मध्ये जालुरि गढरोहु वर्ष ८ सवत् १३६८ गढभंग पश्चात् अलावदीन कान्हडदे पछी मास ८ अलावदीनमृत्यु तिहार पछी सवत् १५१२ पद्मनाभ पंडित रास उद्धरता स० १७११ वर्षे कार्तिक वदि १४ सोमे ।

The MS is exceedingly well-preserved, as will appear from the facsimile The paper is thick, light brownish in colour, and so well-preserved that even the fibres in its texture are visible. In the left-hand margins insects have bored holes, some of which have been repaired by pasting strips of the same kind of paper, so that the damage is not noticeable But the text has in no way suffered on account of this The ink is shining black, giving a glossy appearance to the writing.

The script is Jaina Devanāgarī, with the *paḍimātrā*. The style of writing is exceedingly beautiful and can be ranked as one of the finest specimens of Old Western Rājasthānī calligraphy. There are hardly any corrections in the MS – even signs for *ā* and *ī* following a consonant which are likely to be interchanged are all meticulously though spontaneously differentiated. The brief colophon at the end of the MS gives the date of copying only—v. s. 1711. The

Last page (folio 34, recto) of the c ms.

Folio 24 verso of the E MS.

absence of the copyist's name perhaps indicates that the MS was copied by the owner himself, who, both from the style of writing and textual emendations, appears to be a scholar of Gujarātī, Rājasthānī and Sanskrit. He is likely to have been a Jaina.

The traditional *svastika* or ornamental blank space is found in the centre in all the pages. It is a survival of the style of writing on palm-leaf, where space had to be kept blank in the middle of the page for a hole through which the string was passed.

The only other MSS used in this edition which have a *svastika* are E and K [1]

MS D, No. 239 of 1873–74, in the manuscript-collection of the Bhandarkar Oriental Research Institute, comes from a Jaina Bhandāra in Tharad.[2] This is the MS that Dr. BUHLER got copied out and sent to Navalrām PANDYĀ for publication in the *Śāḷāpatra*.

It has 29 folios, each measuring 11.2″ by 5.1″. It has margins .9″ wide on both sides, marked off by a thick double-line in red and a small margin of 45″ above and below. The right and left extremities of the folio are also marked with a broad red line

The MS starts on folio 1 recto—the *maṅgalācarana* or *praśasti* being ॥ एर्द॰ ॥ श्री गणेशाय नम । and ends on folio 29 verso. There is a big lacuna on f. 25 verso, where the copyist has left the last six lines blank and made a remark in the bottom of the left-hand margin that "as f. 27 of the original is missing, it could not be copied".[3] On the verso sides, the folio-number is written both in the left-hand margins at the top and in the right-hand margins at the bottom. The title of the poem is not written anywhere

Folio 1 has 16 lines per page, folios 4, 5, 6, 9, 10 have 18 lines per page All the other folios have 17 lines per page, except folio 25 verso which has only 11, and folio 29 (last folio) which has 19 lines on the recto side, and 16 lines on the verso side.

There are usually 38 to 49 letters per line, or 43 letters per line on an average.

If a letter is inadvertently omitted it is added just above its appropriate place in small hands. If ि (sign for short *i*) is left out, two curved strokes, one on the upper side and the other on the lower side of the consonant are marked to indicate it.[4]

---

[1] Only folios 2–7 in K have a *svastika*, the remaining folios are without it.

[2] There is a note to this effect on the label pasted on the cloth-wrapper of the MS.

[3] Thus vss IV176–IV206 are lost in the D MS

[4] Cf. f. 12 verso l. 13, f. 13 verso l. 8.

In making a correction, the wrong letter is painted out white, and the correct letter is written thereon.[1] On folio 9 verso line 14 ि (*i*-vowel) written in place of ी (*ī* vowel) through mistake is written over with red ink.

Marginalia are few indeed. On folio 7 recto and folio 15 recto l. 11, where a letter is left out in the text, the addition is made in the left-hand side margin, with a *kākapada* in the line indicating the proper place where the letter is to be inserted There is a marginal note in the right-hand margin of f 25 verso, where the copyist has made a note that "as f. 27 of the original is missing it could not be copied."

The numbering of verses is quite regular in Khandas I, II, III. But in Khaṇḍa IV, after vs 307, which is numbered as 80 (= vs 280) in the MS, the next verse is numbered as 300, while the last verse is numbered as 45 (= vs 345)

Neither the verse-numbers nor the colophons are rubricated, instead, after every quarter of the verse, a vertical stroke in red ink is made, and at the end of every verse two strokes in red ink, one before the verse-number and one after it, are made.

The end of a Khaṇḍa is marked with a colophon followed by the number of the Khaṇḍa in figures and two or more vertical strokes in black and red.

The colophons are as follows -

इति कान्हडदे चतुर्थषंड प्रथमषंड समाप्तं ।
इति कान्हडदे चतुर्थषड द्वितियषंड स्मात्त ॥ २ ॥
इति कान्हडदे तृतियषंड संपूर्ण ॥ ३ ॥
इति कान्हदे प्रबंध चतुर्थषंड समाप्तं ॥

The final colophon reads –

ह्रीं[2] स । १९ । ३० माहा शूद २ वार भोमे । ऋषभप्रशादात् गा । डीसानयरे । लं । पं । कल्याणविजयजी तत । शीष्य मुं । मोतिचंद । मयै पं । दयाविजयजी चतुर्मासे कृत्वा । ५ मी वसत ।

As the MS is a recent one it is quite well-preserved. The copyist is a Jaina scribe named Motichand, who copied the poem at Deesa, North Gujarat, in v. s 1930, Māgh Śukla 2nd, Tuesday. His handwriting is clear and bold, as a professional scribe's would be. He appears to have deciphered the original fairly correctly and copied it

---

[1] Cf f 8 recto l 14, f 9 recto l 2, f 12 recto l 15.

[2] ॐ which marks the beginning of Khanda IV is written in red ink Similarly ह्री in the colophon on Khanda IV is written in red ink.

out with care. It appears that the original was written in the traditional Devanāgarī style with *paḍimātrā*, which has been properly transcribed in modern Devanāgarī. Only at rare places the scribe has mistaken the *paḍimātrā* for the *ā*-stroke of the preceding letter. An interesting feature of the writing is the separation of the ा or ी (*ā* or *ī*) sign from the preceding consonant when the latter touches the margin. At one place (f 29 verso) the scribe has written ति in a peculiar way—the ि mark written in l. 4 (last letter), and the letter त in the succeeding line—l 5 (first letter).

The comparative accuracy of this MS and the stage of language it shows suggest that its original was an old and accurate manuscript. But it seems to have suffered when the copy was made. It is possible that the scribe has inserted *anusvāras*, which did not exist in the original. MS D being only a recent transcript of an old MS, it is not reproduced in facsimile

MS E is a fragmentary MS[1], originally belonging to the late Dewan Bahadur K. H. DHRUVA, now in the possession of the Gujarāt Vidyā Sabhā, Ahmedabad.

As it is incomplete and its colophon has not come down, details about its date and the copyist are lacking. However, from the condition of the manuscript, as well as the style of writing, it can be presumed that the MS is at least as old as the B MS or perhaps even a little older.

The fragment consists of 9 folios in all—folios 4, 5, 7, 8, 9 and 21, 22, 23, 24

Folios 4–9 measure 10.2″ by 4.5″ with margins .7″ wide on both sides and 5″ at the top and the bottom Folios 21–24 measure 9″ by 4″ with margins .5″ wide on both sides and .25″ above and below.

The margins are marked out by three or more lines in red and black. In the left-hand margins of the verso side are written numbers of folios, but except on folio 22 verso left-hand margin where at the top is written कान्हडदे २२, nowhere is the title of the poem mentioned.

Folios 22, 23, 24 leave blank space in the middle to form a *svastika*.

Folios 4–9 have on an average about 16 lines per page, while folios 21–24 have about 18 lines per page. Folio 24 has 20 lines on both sides.

[1] MS E extends from I 83–I 140, I 167–I 242, III 175–IV 61.

Folios 4–9 have an average of 40 letters per line , while folios 21–24 have about 46 letters per line.

In the extant folios there are hardly any corrections or additions, marginal or otherwise.

The numbering of verses is regular up to the Bhaḍāulī of Khaṇḍa I, after which the numbering starts again with 1 (verse 192 being numbered as vs 1 and so on). The numbering of verses is again regular fram Khaṇḍa III up to the verse 61 in Khaṇḍa IV.

The verse-numbers, the names of the metres and the *svastika* on folios 22, 23 are rubricated. On folios 23, 24 the colophon is written in red or rather saffron-coloured ink, so also the verse-numbers and names of metres.

There is only one colophon—that at the end of Khaṇḍa III which reads

॥ छ ॥ इति श्री सोनिगिरावंशे श्रीकृष्णचरित्रे तृतीयषंड ॥ श्री ॥

The script is Brahmanical Devanāgarī of the Rājasthānī type, without *paḍimātrā*, and might belong to *circa* 17th century. The copyist might have been a Brahmanical scribe of Mārwāḍ

The manuscript has suffered very much from lack of proper preservation. Its edges have crumbled away and insects have bored holes in the sides.

The manuscript is quite old and accurate, and has been very helpful in the restoration of the text

Ms F is one of the two fragmentary MSS that were sent to me by Muni Śrī PUṆYAVIJAYAJĪ from his personal collection at Pāṭan. It has 8 folios in all, of which folio 4 is missing.[1] The folios measure 10.4″ by 4.1″ There are margins on two sides about .5″ to .6″ wide, and a small margin of .4″ to .5″ above and below Triple lines in red mark off the margins. Some of the side-margins are eaten up by insects

Page-numbers are noted on the verso side, right-hand margin, bottom. The title of the poem is not written anywhere.

The manuscript commences on folio 1 verso and ends on folio 8 verso.

There are 12 lines per page. Each line has 41 letters on an average.

[1] MS F extends from I 1–I 61, and I 87–I 181

The noteworthy feature of the manuscript is that lines are written in red and black alternately—one line in red, one in black as on folio 1 verso, folio 2 etc. Sometimes there are two lines in black alternating with two lines in red (as on folio 3 recto). Often there are 3 lines in black, alternating with 3 lines in red (as on folio 5 verso). Verse-numbers are written in the same ink in which the line is written.

There are no marginal corrections. On folio 5 recto the verse number-64-is added in the margin. In the text itself if a letter or two are to be deleted the headline is crossed with two or three small vertical strokes (folio 7 recto, ll. 1, 7, f. 2 verso l. 10). If a letter is to be added the addition is made above its proper place in small hands (f. 2 verso, l 9). If words are to be transposed a number is given above the word indicating their proper sequence (folio 3 verso l. 1). The MS is on the whole very clear and accurate.

The numbering of verses is correct up to verse I 35, after that two verses are numbered as one, with the result that vs I 181, where the manuscript concludes, is numbered as 107.

The *praśasti* or *maṅgalācarana* is simply ॐ; and there is no colophon, as the manuscript is only a fragment.

The script is exceedingly clear, bold and beautiful, approaching the C MS in its penmanship The script is similar to the Jaina Devanāgarī, but without *paḍimātrā*. The writing is rather larger than usual, and is slanting towards the right. It appears from the manuscript that the copyist was a professional one, who must have had considerable experience of copying Jaina manuscripts, though he himself might have been a Brahmanical scribe.

The manuscript is fairly well-preserved and the paper used is of medium thickness. About one-third of the page towards the right shows signs of damage from exposure to moisture.

From the condition of the manuscript and the state of language it preserves it may be assumed to be quite old, belonging almost to the same period as MS B or E The manuscript is very reliable and has been particularly useful in settling the text of the first Khaṇḍa where the two other important MSS A and K were fragmentary.

G H constitute, in fact, one manuscript, G has folios 1–8, while H has folios 9–24. Both come from Pāṭaṇ; G came from Muni Śrī PUṆYAVIJAYAJī's collection, and H, originally belonging to Kesarbāī's

Jñāna Bhanḍāra, Pātan, came from the late Mohanlal Dalichand DESĀĪ's collection acquired by Godiji's Upāśraya, Bombay. The description given below, therefore, applies equally to both G and H.

Each folio of the MS G(H) measures 10″ by 4.4″ It has side-margins about .9″ wide and margins above and below about .4″ to .5″ Two double-lines in black ink with the intermediate space painted in saffron ink mark off the margins.

There are on an average 13 lines per page. The number of letters per line varies from 37 to 48, the average being 41.

In the bottom of the right-hand margins of the verso sides are written the verse-numbers within an ornamental double square painted in saffron ink In the left-hand margin at the top is written the title of the poem,[1] within an ornamental rectangle Below it in a small square painted in saffron ink the number of the page is written Some of the pages have their left and right edges painted with red ink

The manuscript has no *svastika*

Every quarter of a verse is marked with a vertical stroke in saffron ink At the end of the verse and again after the verse-number a vertical stroke is marked. However, from the end of Khanda II up to the end of the MS (at III 159) these verticals are left out, though space for them has been kept blank. It appears that the copyist postponed the drawing of the verticals and then forgot about it (from f 18 verso to the end of the MS) The colophon of each Khanda is rubricated, and also the first verse of the Khanḍa. Names of places like जाल्हर, भीनमाल, and the names of metres are also rubricated.

If a ा (*ā*-sign) or ि (*i*-sign) is written through mistake, it is simply crossed out by two upward strokes Sometimes the letter to be deleted is painted out with red ink The addition of an inadvertently omitted letter is made just above its proper place. Sometimes (as on f. 5 verso l. 8 and f. 8 verso l. 5) a number of words are deleted by drawing a line through them and marking a cross before and after the deleted portion. The deleting line is usually drawn in black ink but once it is in red ink (f. 11 recto,

[1] The title of the poem appears differently on almost every page, as shown below काहांनटदे (f 1, 8, 9), कानडदे चहू० (f 2), काहानडदेनी चु० (f 3), काहानडदेव चुपइ (f 4), काहानडदे चहू (f 5, 6), काहानटदे च० (f 7), काहांनडेनु प (f 10), काहानडदनु पवाडु (f 11), काहांनडदेन (f 12), काहानडदे च (f 13), काहानडदेनी (f 15), काहानडदेव (f 16), काहानटदनु (f 18), कान्हडदे पवाटउ (f 19), काहानडदनु पवाड (f 20), कान्हडदेनु पवाडउ (f. 21), काहानडदेनु पवाडउ (f. 22), कांहानडदनु प० (f. 23), काहानडद प (f 24).

l. 6). At one or two places the wrong word is disfigured and the correct word is written just above it.

Marginal additions are rare. On folio 16 recto l. 10 the number of the verse (figure 3) is disfigured; it is therefore written again in the left-hand margin. Similarly on f 17 recto last line, the word त्रणि omitted in the text is added in the left-hand margin.

The numbering of verses is regular up to I 37, after that up to I 123 two verses are generally numbered as one, so that I 124 comes to be numbered as 84 From I 125 numbering again becomes regular up to I 191, which is followed by the Bhadāulī. After the Bhadāulī again two verses are numbered as one up to I 223, after which the numbering is regular up to the end of Khaṇḍa I. In Khanda II numbering is regular up to II 27, after which two verses are numbered as one up to II 92 (II 92 = vs 57 in H). Then come the interpolated verses numbered regularly in the sequence (vss 58–81 in H). The verses from II 93 onwards up to the end of Khaṇḍa II are, generally, numbered regularly. From Khaṇḍa III vs 1 onward up to the end of the MS H (f. 24 verso) the numbering is quite regular.

The *prasasti* or *mangalācarana* is ॥ ॐ नमः ई० ॥ in Khaṇḍa I. Khanda II also commences with a *mangalācarana*. ॐ नमो गुणपतये नम. ।

The colophons are

इति प्रथमषंड· । १

अति दूतीअ षंड समापत ॥ २

The final colophon is not available, as the MS is incomplete.

The MS (GH) is quite well-preserved. The paper is thin. The handwriting is not well-formed and balanced, though it is legible enough and appears to have been written by some professional scribe, who may have been a Brahmin. From the style of the script as well as the condition of the paper it seems to belong to somewhere between 1700 and 1750 V. S. The MS is likely to have come from Rājasthān, judging from the paper. The manuscript is corrupt and not reliable, but it preserves some important readings and is at some places helpful for collation.

It is evident that GH is one single manuscript[1], which got split up into two fragments, one (folios 1–8) came in the possession of Muni

[1] Compare the facsimiles of MSS G H, reproduced in this edition

A word is, perhaps, necessary to explain why parts of the same MS came to be designated as two separate MSS.

Śrī Puṇyavijayajī, while the other part, through the efforts of Muni Jashvijayajī, was acquired by Kesarbāi's Jñāna Bhandāra, Pātaṇ, from where the late Mr. Desāi seems to have borrowed it for study.

Ms J belongs to the Jaina Jñāna Bhanḍāra of Saṁvegi's Upāśraya, Hājā Patel's Pole, Ahmedabad. It was made available to me by Muni Śrī Puṇyavijayajī.

It has 22 folios, each measuring 10.6″ by 4.25″, with side-margins .4″ to .5″ wide, and top and bottom margins .3″ to .4″ wide The margins are marked off by a double line in black ink.

It commences on folio 1 recto and ends on folio 22 verso.

It has about 18 lines per page. The last folio has 17 lines on the recto side and 4 lines on the verso side.

On the verso sides of the folios, in the right-hand margin bottom, is written the number of the folio. The title of the poem is not mentioned anywhere.

Deletion is effected by crossing the top of the letter only or by one or two vertical strokes (as on f. 1 recto, l. 12). Sometimes merely a dot on the letter and the vowel signs attached to it (f 5 recto, l. 4) indicates deletion Sometimes dots are marked to indicate the deletion of a letter or its vertical (f 7 recto, l. 9).

The addition of a letter is made above its proper place in small hands, using *paḍimātrā* if space is insufficient for insertion of a top *mātrā* (f. 2 recto, l. 4).

I have pointed out how at the suggestion of Śrī Mohanlāl Dalichand Desāi I went to Pātan in 1941, but could not trace there the *Kānhaḍade Prabandha* MS in the Kesarbai Jñāna Bhandāra When I informed Mr M D Desāi about this he sent me a list of variants he had collected from that MS When in 1948 I collated MSS A to G, which were all that were then accessible to me, I included the variants supplied to me by Śrī M D Desāi in my Critical Apparatus, designating its source as the H MS I did suspect then that MS H, which immediately followed G might be a part of it, but I could not establish the identity merely on this evidence After that I collected a few variants from Derāsari's text and named the source as I Later, in 1951, three other manuscripts—MSS J K L — became accessible and were utilized for collation. It was only as late as October 1952 that the original MS from which the late M D Desāi had collected the variants, became available to me It was then found that both G H constituted one single MS, which had got split up through peculiar circumstances By this time about one-third of the present volume coming almost up to the end of first Khanda was already printed off It was, therefore, necessary to retain the old scheme of manuscript-designation, namely G for Puṇyavijayaji's fragment of folios 1–8, and H for the MS from Godiji's Upāśraya, containing folios 9–24.

Folio 9 recto of the B MS

Last folio (folio 22 recto and verso) of the ms

No marginal corrections or additions are found anywhere in the MS.

The numbering of verses is regular up to I 191, after which follows the Bhaḍāulī, a part of which is, in this MS, versified and numbered. After the Bhaḍāulī up to the end of Khaṇḍa I the verses are numbered regularly Verses of Khanda II are numbered regularly except that II 101 is marked as 300 instead of 100 according to this MS. (The copyist perhaps wanted to give continuous numbers). Verses in Khaṇḍa III are numbered regularly up to III 205 (which is numbered 194 in this MS) which is however followed by verse 1 (=201) After that the numbering is regular up to the end of the Khaṇḍa In Khaṇḍa IV the numbering is regular up to the end, except that instead of vs. 300 according to the scheme in this MS 100 is written through mistake.

Verse-numbers, refrains of songs, names of metres, beginning of a Bhaḍāulī, colophons marking the end of a Khaṇḍa, are rubricated.

The *maṅgalācaraṇa* or *praśasti* of the MS is·

ॐ श्री भगवत्यै नम· ।

Its respective colophons are:

इति श्री प्रथमषंड समापत. ॥ १ ॥

इति श्री द्वितीय षड समापत. ॥ २ ॥

इति श्री तृतीयषंड समाप्तः ॥

इति श्री राउल कांन्हडदे पवाडु रास । संपूर्णः ॥ श्रीरस्तु. ॥ शुभं भवतु ॥ लेषकपाठकयो. ॥

The paper is of medium thickness and brownish in colour. Insects have bored holes at the top and the bottom and in the right-hand margins, but the writing has not suffered thereby. The MS is very well-preserved.

The handwriting is excellent, the script is Brahmanical Devanāgarī, very occasionally using a *paḍimātrā*. The copyist who may have been also the owner of the manuscript is certainly Brahmanical. He is also a good scholar of Sanskrit and Gujarati. There is no colophon indicating the date or the name of the copyist but from the style of the script and condition of paper, the MS appears to belong to the early 17th century v. s. The style of the script points to Gujarāt as the place of its origin.

Ms K comes from the collection of Śrī Motichandji KHAJĀNCHĪ of Bikāner. It must have had originally 53 folios, of which the first and the last-folios 1 and 53—are, unfortunately, missing, as also folio 49.

Each folio measures 10.3″ by 4.3″ with side-margins .8″ wide and top and bottom margins .3″ to .4″ wide. The side margins are marked off by a sharp triple line or sometimes a bunch of several fine lines.

Folios 2–12 have generally 11 lines per page Folios 13–29 have usually 12 lines per page. Folios 30–31, 34, 37–39, 41–44, 46–48 and 52 have 13 lines per page. Folios 32, 33, 40, 45, 50, 51 have 14 lines per page. Each page has on an average 12 lines.

The number of letters per line varies from 31 to 45, the average being about 36 letters.

In the left-hand margins bottom of the verso side is written the number of the folio; the name of the poem is, however, not mentioned.

Deletion is made by painting out the letter or word with white colour, after crossing it out with very small vertical strokes on the top (*vide* f 1 recto, ll. 1, 8, 9). On f 8 verso where several words are to be deleted they are painted out white Sometimes on this white ground the correct words are written (f. 38 recto l. 10, f. 45 verso, ll 11–12) Occasionally the deleted words are, after crossing them by a fine line, rounded off (f. 47 recto, l 6).

Words omitted in the text are added in the side-margins in the same line (f. 2 verso, l 5) On f 5 recto thus a whole *carana* is added in the left-hand margin, vertically, starting from the bottom, its place being shown in the writing by a cross A whole *carana* is similarly added in the right-hand margin of folio 6 verso, and an entire verse on f. 20 recto. Sometimes, if only a letter or so is to be added, it is written in smaller hands above its proper place (f. 3 verso, l 5, folio 4 verso, l. 5). At one palce a whole *carana* is thus added above the line in small hands (f 5 recto l. 5), the position of the insertion being indicated by a *kākapada*. Once, on f 29 recto, l. 8 such addition is made in small hands below the place of omission. On f. 10 recto the addition of a *carana* is made in the bottom-margin in small hands

The numbering of verses is regular up to the end of Khaṇḍa I, the last verse of Khanda I being numbered as (2) 49. Then, unlike the other MSS, the numbering runs continuously, i. e. the first verse of Khaṇḍa II is numbered as 250, but verse 400 (= II 154) is, through mistake, numbered as only 100 The concluding verse of Khaṇḍa II is numbered as 14 (= 414), and the first verse of Khaṇḍa III is numbered

Last page (folio 52 verso) of the K MS.

Last page (folio 38 verso) of the L MS.

as 15 (=415). Khaṇḍa III ends at vs. 663; Khaṇḍa IV commences with vs. 664.

Verse-numbers, names of the metres, commencement of the Bhaḍāulī, stops in the Bhaḍāulī, refrains of songs, dates, and the colophons are rubricated.

The *prasasti* or *mangalācarana* is lost as the first folio is missing. The colophons of the Khaṇḍas are :

इति श्री कान्हदे चउपई प्रथमषंड समाप्त ॥ १ ॥
इति द्विती षंड समापत. ॥ २ ॥
॥ छ ॥

The MS is in excellent condition. The paper is thick and brownish. The handwriting is beautiful and rather large up to f. 26. Sometimes the writing is marred by haste, as on f 32. In the last 12 folios—from f. 40-52—the writing is not uniform, nor comparable to the preceding pages in attractiveness, but it is certainly from the pen of one and the same copyist. The MS is carefully copied, accurate and preserves the old tradition faithfully. As the final colophon has not been preserved nothing definite can be known either about the copyist or the date of transcription. It appears, however, that the copyist was a Brahmanical scribe, as the script is Brahmanical Devanāgarī of the Rājasthānī type. There is no *paḍimātrā*. From the condition of the paper, script etc. the MS may be placed in the early 17th century.

Ms L also comes from the private collection of Śrī Motichandji KHAJĀNCHĪ of Bikāner. It is fragmentary, only folios 15 to 38 are extant, of which again folio 32 is missing.

Each folio measures 10″ by 4 3″ with margins on two sides .7″ wide marked off by two fine double lines each, sometimes at a little distance from each other. The top and the bottom margins are about .5″ wide.

The lines per page vary from 13 to 16, the average being about 15 per page. Folios 15, 16, 18 have 13 lines per page; folios 19, 20, 23, 27–29, 34-35 have 14 lines per page, folios 17, 22, 24–26, 30–31, 36–38 have 15 lines per page. Folios 21, 33 have 16 lines per page.

There are on an average 43 letters per line—varying from 37 to 48 letters per line.

In the bottom of the left-hand margin of the verso side is written the folio-number, but the name of the poem is not mentioned anywhere.

||

Deleting a letter is made as usual by marking two small upward strokes on the head-line or top of the letter (f. 16 recto, l. 1; f. 18 verso, ll. 8, 9). Sometimes a headline is not formed which also indicates deletion. If a number of words are to be deleted they are placed within two curved lines not unlike modern brackets (f. 16 recto, l. 2; f. 30 verso, ll. 9-10).

The addition of a letter, left out in the text, is made sometimes in the side-margin (folio 21 verso, ll. 7, 11) and sometimes above the line in small hands (f. 25 l. 8) when several letters are to be thus added, the addition is made in small hand in the top-margin flanked by a cross on each side, and the place of addition is indicated by a cross resembling a *kākapada* (f. 25 recto top-margin)

The numbering of the verses is irregular Sometimes two verses, sometimes even four verses are numbered as one. After II 142 the numbering is regular up to the end of Khanda II (the last verse of Khaṇḍa II is numbered as 55) The verse-numbers being continuous, the first verse of Khanda III is marked as 56. Otherwise the numbering is again regular vs III 47 is numbered as 300; vs III 151 is numbered as 400, vs III 250 is numbered as 500. Khanḍa III ends at 501, so the first verse of Khanḍa IV is numbered as 502, IV 98 is numbered as 600; IV 200 is numbered as 700, vs. IV 299 is numbered as (7)97 (the next three verses have remained unnumbered), and the last verse in the MS (folio 38 verso, l. 15)–IV 342—is numbered as (8)40

The folio-numbers, refrains, the verse-endings and verse-numbers, names of metres, Bhaḍāuālīs, the beginnings of Khaṇḍas and the colophons are all rubricated.

The colophons are .

इति राजा श्री कान्हडदे द्वितीय षंड समाप्त ॥
इति राजा श्री कान्हडदे त्रितीय स्वर्ग समाप्त ॥

The final colophon has not come down as the MS is fragmentary.

The MS is fairly well-preserved, but the paper being thin and of an inferior quality the edges crumble away when handled. The copyist is a professional scribe and appears to be Rājasthānī, both from the script and the pronounced Rājasthānī character of several words. He is not a scholar, which accounts for the lapses in copying. The script is Devanāgarī of the Rājasthānī type, and frequently resorts to *paḍimātrā*, which, however is not uniformly adopted as in MS C. The handwriting is an excellent specimen of Old Western Rajasthānī penmanship. The MS is important as preserving a purely Rājasthānī version of the poem. From the condition of the MS and the style of

its script etc. it might be presumed to belong to the end of the 17th century or thereabouts, though in the absence of the final colophon, nothing definite can be said about the copyist or the date of copying.

Ms I, mentioned in the critical apparatus, but not described here represents the text prepared by DERĀSARĪ from four sources, three of which have been used in the present edition (namely B, D, and the *S'āḷāpatra* text).

Assuming that, where DERĀSARĪ's text records a reading, not found in any of the MSS used in the present edition, it might perhaps belong to the ख MS which was inaccessible to me, a few of such readings from I divergent from the other variants are recorded in this edition. In this connection I_1 refers to DERĀSARĪ's first edition, I_2 the second edition, and merely I stands for both the editions, where they agree with one another. I_1 (ख) indicates ख MS used by DERĀSARĪ, from which some variants are noted in the first edition in the footnotes.

Only a few such variants have been noted in the present edition in this way, for, it was found that the divergence was often due to a faulty deciphering of the manuscripts. Occasionally readings from I_1 or I_2 are noted only to draw attention to this fact.

Another source, namely the text published by the late Navalrām Lakshmirām PANDYĀ, in the '*Gujarāt Śāḷāpatra*' of 1877–1878[1] was accessible to me, but has not been utilized in the present edition. The reason is that the *Śāḷāpatra* text is a verbatim transcription of the D MS. The *Śāḷāpatra* text commences with the *prasasti* काह्रानडदे प्रबंध and ends with a colophon

इति कान्हदेप्रबंध चतुर्थखंड समाप्त ही सं १९३० माहा शुद २ वार भोमे ऋषभप्रसादात् गां डीसानयरे लं। पं. कल्याणविजयजि तत् शिष्य मु मोतिचंद तथैवं दयाविजयजी चतुर्मासे कृत्वा ।

which is identical with the colophon found in the D MS.

Besides, several mistakes, as shown below, have crept in the *Śāḷāpatra* text during the process of printing.

Khanda	Verse	D Ms	*S'āḷāpatra* text
1	8	राज	जा राज
,,	13	चुपई	चुपाई
,,	14	तरकांणूं	भरकांणूं
,,	15	महितइं, छूटीइं	महिभइं, बुटीइं

1 The text of the *Kānhadade Prabandha* appears in the issues of the *Śāḷāpatra* from January 1877–April 1877, June 1877 – July 1877, September 1877 – October 1877, December 1877 – February 1878; May 1878 (concluded).

Khaṇḍa	Verse	D Ms	S'ālāpātra text
„	17	अपकिरत्ती	अपकीरती
„	19	पहिलुं	पहेलुं
„	21	पातसाह	पातशाह
„	23	साभली	साभळी
„	28	पसाउ	पसात
„	35	वदीतु	वदीउ
„	36	तामु	भामु
„	40	परठीइ	परठेइ
„	41	टमकि पेसडु	ढमकिये सडु
„	59	दहोत्तर	दडोत्तर

Several of these mistakes are, evidently, the result of misreading the manuscript.

The late Navalrām PANDYĀ prefixed a note[1] in the first number of the *Sālāpatra* (January, 1877) in which the publication of the *Kānhaḍade Prabandha* commences. He said therein that he was publishing the poem, *Kānhaḍade Prabandha*, from the manuscript sent to him by Dr. BUHLER, to give the readers an idea of the Old Gujarātī language. As he had only one manuscript he had refrained from any emendation of the text. He had intended to give a glossary of difficult words and discuss the grammar of Old Gujarātī at the end However, he did not live long enough to fulfil this promise

This text, being a verbatim transcript of the D MS, was entirely useless for purposes of collation

---

[1] *Vide* "घणाना धारवामा एम छे के गूजराती भाषा हाल जेम बोलाय छे तेम ज नरसिंह महेताना वखतथी बोलाती आवे छ पण ए देखीती ज भूल छे एटला वर्ष सुधी भाषा विकार न पामे ए जनस्वभाव अने सघळा देशनी भाषाओना इतिहासथी उलटु छे

आ बाबत आ पत्रमा एक वार जूना ग्रथोना प्रमाण आपी अमे केटलो फेरफार थयो छे, ते काइक बताव्युं हतु हाल आपणा विद्वान इन्स्पेक्टर महेरबान डाक्तर बुलर साहेबनी तर्फथी 'कान्हडदे प्रबध' ए नामनु एक जूनुं काव्य अमने मळ्युं छे ए त्रणसे वर्षनी पहेला लखाएलु छे एनो विषय गूजरात उपर अलाउदीने सवारी करी ते छे अने एमा वीर तथा अद्भुत रसनु प्राधान्य छे एनो नायक झालोडनो काहानडदेव राजा छे एमा युद्धना तथा कूचना वर्णनो स्वाभाविक, आबेहूब छे. अहिया एने महीने महीने प्रगट करवानो विचार कर्यो छे तेनु मुख्य कारण तो ए छे के गूजरातना विद्वानोना हाथमा जूनी भाषानु एक सळग पुस्तक आवे जूनी गूजरातीनु व्याकरण आपवानो अमारो विचार छे, पण ते पहेलां आवो एकाद ग्रथ बहार पडे ए अमने वधारे सारु लागे छे

प्रत छे ते प्रमाणे ज अहिंया छापीए छइए एमां एके अक्षरनो पण फेरफार करता नथी. कोइ ठेकाणे भूल जेवु लखनारनी तरफनु अमने भासे छे, तोपण ज्यां सुधी केटलीएक प्रत अमारा हाथमा आवी नथी त्या सुधी तेने छेडवुं ए अमने व्याजबी लागतु नथी जूनी भाषा हालथी केटली जूदी हती ते आ उपरथी सहेज मालम पडशे उलटी देहशत तो ए छे के केटलाएकथी ए समजाशे ज नहि तेमने अमारी भलामण छे के धीरजथी आ काव्य वांचवु, अने पाछळ अमे शाळापत्रमां जूनी भाषा बाबत काइ लख्यु छे ते उपर लक्ष राखवुं एमां आवेला कठिन शब्दनो कोष तथा व्याकरणनियम पाछळथी आपवानो अमारो विचार छे."

—'*Śāḷāpatra*', January, 1877

V

These manuscripts arrange themselves in three distinct groups according to their common readings, omissions, interpolations, verse order, etc.

Mss C D J are allied, and very different from the rest, but amongst them D J show a greater mutual affinity.

Of the remaining Mss B, G (H) and L show enough mutual affinity to be classed as one group, descended from a common source.

A and K are alike, but are not copies of the same MS.

E definitely belongs to the B G H L group.

F is a very short fragment coming only up to I 181; yet its relationship with the C D J group is clear.

I can be safely regarded as a conflation of B and D.

The geneology of the various manuscripts can be stated in the following stemma.
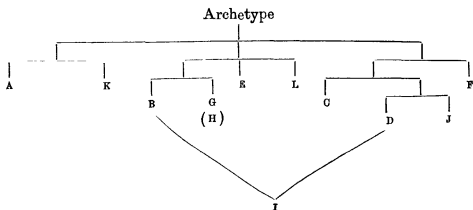
The summary of omissions and readings common to the different manuscripts given in Appendix I will show in detail how this geneology is determined.

Of the foregoing manuscripts A is, according to the date of copying, the oldest MS. It is copied in V. S. 1598, 86 years after the date of composition, in Jhalor, the native-place of the poet. It is probable that the copyist had access to the poet's autograph or a direct copy of it. I have, naturally, given more importance to this manuscript (MS A). Ms K also comes from Rājasthān, is equally accurate, and appears quite old. I have, therefore, given the same importance to it is as to A.

Ms B too is old and reliable and has been fully utilized in the constitution of the text.

Mss E F though fragments and, therefore, undated, appear from their general condition, script, language etc to be equally old and reliable. They have been very useful indeed in the collation.

Of the remaining manuscripts D has been more useful than the rest as it is more faithful to the original, if less erudite than C and J, which frequently resort to emendations and restorations, and are, therefore, to that extent untrustworthy. G (H) is pretty old, but is rather corrupt. L is quite distinct from the rest, being conspicuous by the peculiarly Rājasthānī character of its script and language. It has been helpful in tracing and restoring the Rājasthānī elements in the language of the *Prabandha*

VI

The following principles have been adopted in the present edition for constituting the text

Instead of reproducing the text of the oldest manuscript according to the date of its copying, and giving the variants from the other manuscripts in the footnotes, or basing the text on the evidence of the majority of manuscripts, I have, as shown above, determined the geneology of the manuscripts and constituted the text by the selection of readings which were more representative than the rest To take a concrete instance, a reading found in AKB or ABE will be more representative and therefore more likely to belong to the archetype than that found in C D J F alone, as the latter, though larger in number, represent but one family. In the selection of readings due weightage is also given to older and more reliable manuscripts like AKB or EF.

Having settled the reading for adoption in the text, all the remaining variants are recorded in the footnote. I have thought it necessary to give the full critical apparatus for two reasons. It was, firstly, necessary to preserve the entire MS evidence, where the manuscripts were so rare and linguistically so important. Secondly, when a series of dated MSS are available, separated from one another by a quarter or half a century each, the variants noted from them would enable the reader to see, at a glance, the phonological development of a word.

In constituting the text I have always kept before me the linguistic norm found in works composed *circa* v. s. 1500 and copied about that time, and have endeavoured to constitute the text in such a way as to make it approximate to that norm.

The Old Western Rājasthānī orthography is not fixed. The different manuscripts give a variety of forms of the same word. I have, generally, tried to select the form which is philologically more correct, or is the direct predecessor of the standard modern Gujarati form. Thus, for instance, मांहि is preferred to मांहिं, माहि, माहिं etc., as a form from which the Modern Gujarati मा is directly derived. At times, when in a portion of the text all the manuscripts fail to give the standard Old Western Rājasthānī form, I have not hesitated to restore it on the evidence found elsewhere in the text.

In constituting the text due consideration is given to the context and grammatical accuracy Readings more suitable contextually, syntactically and grammatically are given preference over the rest though found only in a minority of manuscripts. Nuances of current speech have been another criterion for selection of readings. If a word is used generally in a particular context, it is preferred to all variants in that context though these variants may occur in a larger number of manuscripts.

Similarly metrical considerations, including the observance of initial or final rhyme have also been helpful in determining the text. Thus, a reading metrically more suitable is preferred, though it may not be fully representative.

Preference is given to the older forms over later ones, and to OWR forms over their Sanskritizations. If a reading is faulty, and the corresponding correct standard form is found elsewhere in the text or in other OWR works of the same period the latter is restored.

It is an undisputed fact that Old Western Rājasthānī, which can be called either Old Gujarātī or Old Rājasthānī, was the speech of a wide area, which included both North Gujarāt and Southern and Western Rājasthān including a part of Mālwā. The form of speech used in Gujarāt and Rājasthān then reveals just dialectical variations almost like the Kāthiāwāḍī and Surtī dialects of Modern Gujarātī. This poem, belonging, as it does, to Southern Rājasthān must have contained numerous Rājasthānī traits in the original. In restoring the text I have thought it necessary to give preference to Rājasthānī forms found in Rājasthānī MSS like AKL, or characteristically Rājasthānī forms in other MSS, such as those encountered in old Rājasthānī classics like *Ḍholāmārurā Duhā* or *Gorā Bādal Padamanī Chaupai.*

Occasionally, a single manuscript preserves a *lectio difficilior*, which all the rest either simplify or corrupt. In all such places I

have always adopted the *lectio difficilior* although found in a single manuscript, in preference to simplified synonyms found in a majority of manuscripts. It is rarely that all the manuscripts corrupt a reading, but then their combined evidence points surely and unmistakeably to one correct original reading, from which all the other readings have been derived. In such places, the original reading—a *lectio difficilior*—is restored.

At a few places, two sets of readings are equally representative and therefore probable There, the one which I find more suitable is adopted in the text, while the other is given in Appendix II.

Even the slightest correction is mentioned as 'emended' in the critical apparatus. In fact, at all such places it is just a restoration of the original based on the collective textual evidence itself. Nowhere, have I tampered with the text by substituting an imaginary reading in place of the actual reading found in the manuscripts—not even at places where the combined evidence of all manuscripts points to a definite lapse by the poet

It will interest students and scholars of Old Gujarātī and Old Rājasthānī to know how I have selected the important readings in the text. I have discussed the grounds for selection of all such readings in Appendix II.

VII

A work of this magnitude could not be undertaken or completed without the encouragement and help from several scholars, who have worked in this field

I am thankful to Professor P. K. GODE, Curator, Bhāndārkar Oriental Research Institute, Poona, for giving me every possible facility in the use of the *Kānhaḍade Prabandha* MSS belonging to the Bhāṇḍārkar Institute, to the trustees of the Anantanāthji's temple and Godiji's Upāśraya for making the *Kānhadade Prabandha* MSS in their Jñāna Bhaṇḍāras accessible to me; to Śraddheya Muni Śrī PUṆYAVIJAYAJĪ for taking pains in procuring for me some valuable MSS of the work, and lastly, to Śrī Motichandji KHAJĀNCHI, well-known in Bikāner for his excellent collection of old works and paintings, for placing at my disposal, without the least hesitation or ceremony, two rare MSS from his collection.

I am very grateful to His Highness Śrī KRISHNAKUMĀRASINHJĪ, Mahārājā of Bhavnagar, for the generous patronage extended by His Highness, which made it possible for me to undertake such a work in these difficult times. I am also thankful to the University of Bombay for a grant-in-aid for the publication of this work.

It is difficult for me to express in words my deep debt of gratitude to Ācārya Muni Śrī JINAVIJAYAJĪ, the doyen of Sanskrit, Prākrit, Old Western Rājasthānī, and Jainistic studies in India. It was he who inspired me to undertake this study and helped me generously at every stage. The successful completion of the work in its present form and its publication in 'Rājasthān Purātana Granthamālā' is entirely due to his encouragement and generous help.

This volume is now complete—a result of 14 years of rather exacting labour, and I am glad that it was not completed earlier. The successive collations I had to prepare made it possible for me to bring the final form of the constituted text as near, I hope, to the archetype as possible. I could also thereby avail myself of the opportunity to apply the recognized principles of textual criticism to the problem of restoring old texts in the Indian languages to their original form and to modify and alter these principles where necessary, to suit the peculiar circumstances of the Indian languages. I have, thus, attempted to develop the methodology of textual criticism in relation to early texts in the Indian languages.

This volume comprises the text and the criticism relative to it. The next volume, which will shortly follow, will discuss the historical and linguistic background of the work, give a complete translation of the poem and a full Index Verborum, with, if possible, critical and explanatory notes.

I have not spared myself in making this study as thorough and accurate as possible, but it is for scholars to judge how far I have succeeded.

Elphinstone College,
Bombay.
16-7-1953.

K. B. VYAS

§

कवि-पद्मनाभ-विरचित

कान्हडदे प्रबन्ध

कवि-पद्मनाभ-विरचित

कान्हडदे प्रबन्ध

प्रथम खंड

॥ दूहा ॥

गौरीनंदन वीनवूं, ब्रह्मसुता सरसत्ति ।
सरस बंध प्राकृत कवूं, द्यउ मुझ निर्मल मत्ति ॥ १
आदिपुरुष अवतार धुरि यादवकुलिं जयवंत ।
असुरवंश निकंदीउ, तें प्रणमूं श्रीकंत ॥ २
जिणि यमुनाजल गाहीउं, जिणि नाथीउ भूयंग ।
वासुदेव धुरि वीनवूं, जिम पामूं मन रंग ॥ ३
पद्मनाभ पंडित सुकवि, वाणी वचन सुरंग ।
कीरति सोनिगिरा तणी लिणि उच्चरी सुचंग ॥ ४
जालहुरउ जगि जाणीइ सामतसीसुत जेउ ।
तास तणा गुण वर्णवूं कीरति कान्हडदेउ ॥ ५

Mangalācaraṇa in B is कान्हडदे राउल ॥ श्री सारदायै नमः ॥; in C is ॥ ई० ॥ श्री गुरुभ्यो नमः । श्री शारदायै नमः ।; in D is ॥ एर्दे० ॥ श्री गणेशाय नमः ।; in F mere एर्दणा; in G ॥ उँ नमः दे० ॥, in J, ॐ श्री भगवत्यै नमः ।.

All Mss omit the name of the metre.

१ गौरीनंदन–गोरीनंदन C F G J. वीनवूं–वीनवुं C G, वीनवं F. ब्रह्मसुता–ब्रह्मसुता C D E G J. सरसत्ति–सरसति D G. सरस बंध–सरबंधि F. प्राकृत–प्राकृति F. कवूं–कवुं C G, कवं F. द्यउ–द्यु C D, दिउ B G J. मुझ–मूझ D, मझ F J. निर्मल–निर्म्मल B, निरमल C J, नीर्मल D, अविरल G मत्ति–मति G, मुत्ति J.

२ आदिपुरुष–आदिपुरष F G. अवतार–अवधारि C F. धुरि–तूं C, धूरि G. यादवकुलि–यादवकुल D, ध्यादवकुल E. असुर–असुरा C D F G. वंश–कंस C, वंस D G. प्रणमूं–प्रणमुं C D F G.

३ जिणि–जेणिं B, जेणि D G, जिण F. यमुना–जिमना F, जमना G. जल–जलि B. गाहीउं–गाहीउ B D G J. जिणि–जीणि B, जेणि C D G, जिण F. भूयंग–भुअग D, भोयंग F, भूअंग G J. वासुदेव–वासुदेव D G, वासदेव F. धुरि–धूरि D. वीनवूं–वीनवुं C F G. जिम–जेणि D, यम G. पामूं–पामुं C D F, पामु G. मन रंग–मन रंगि F G. Note–G changes the verse–order to 2, 5, 6, 3.

४ पद्मनाभ–पदमनाभ C G J, पद्मनाभि D, पंद्मनाथ F. सुकवि–कवि C, कहि G. वाणी–वाणी D J. सुरंग–सुरंगि C. सोनिगिरा–सोनगिरा B J, सोनिगिरां C, सेनगिरा D, कान्हडदे G. लिणि–तिण F. उच्चरी सुचंग–रचुं सुरंगि C, उच्चरी सुचंगि F, उच्चरी सूरंग G, उच्चरी सुचंग J.

५ जालहुरउ emended–जालउहरउ F, जालहुर B, अल्हुरा C, जालहुर D, जालहुर G J. जाणीइ–जांणीइं D, जांणीइ G J. सामतसी–सामंतसीप C, सामंतसी D, सांमतसी J. सुत जेउ–सुत जेह B J, सुतेअ C, सूत जेअ G. तणा–तणु B. गुण–गुंण D. वर्णवूं–वरणवुं C, वर्णवुं F G. कान्हडदेउ em.–कान्हडदेव B, कान्हडदेय C, कांन्हडदेउ D, कान्हडदे F, कांन्हडदेअ G, कांन्हडदेऊ J.

नवकोटी नासि भणूं मारुआडि घण देस ।
घण कण घरि सविकहि तणइ कप्पड कणय सुवेस ॥ ६
कणयाचल जगि आणीइ ठाम तणउं आबालि ।
तहीं लगइ जगि जालहुर जण जंपइ इणि कालि ॥ ७
कुल कीरति आगइ घणी, वंश विशुद्ध वषाण ।
राजहंस रलीयामणा सोनिगिरा चहूआण ॥ ८
काह्न तणइ संपति इसी जिसी इंद्रघरि रिद्धि ।
सवे दिवस वासि वसइ राजभुवन नव निद्धि ॥ ९
प्रीति सहोदरस्यूं घणी मालदेव मतिमंत ।
कुंअर वीरमदे वली जाणे जगि जयवंत ॥ १०

---

६ नासि–नासिं B, नांसि D G. भणूं–भणुं C D, भणइ F G. मारुआडि–मारुयाडि B, मारुआडि C G J. घण कण–धणकंचण B. घरि सविकहि–घरिघरि B, घरिशवकहि F, घरिसवकिहि G. तणइ–घणां B, तणि C J, तणें D. कप्पड–कपड F G. कणय–कणइ F. सुवेस–विसेस C, सुवेश F.

७ जगि–यूगि G. आणीइ–जांणीइं D, जांणीइ G J. ठाम–ठांम C D, ठामि F, ठांमह J. तणउं emended–तणु B D G, तणा C, तणउं F, अति J. आबालि–जाबाल B, जाबालि D F, मुंजवालि G, रसाल J. तहीं–तिहां C, तहीअ F, तही G J. लगइ–लगिं B, लगि C G J, लगाइं D. जगि–यूगि G. जालहुर–जालहुरि B, जाल्हुहर F J, जालहर G. जण–जन F. जंपइ F–जंपि B C J, जंपइं D. इणि–ईणइ F J.

After vs 7 G interpolates the foll vss :—

> विषमदुर्ग सूणीइ घणी इसू नही आसेर । जसू ऐ जगि जाणीइ तेसुं नही ग्वालेर ॥
> चित्रकूट तसु नही तस्युं नही चंपकमेर । जसु जालहरगढि जांणीइ तस्युं नही भामेर ॥
> बांधवगढ तस्युं नही तसुं नही सालेर । जस्युं जालहर जाणीइ तसु नही मोल्हेर ॥

८ कुल–कुलि C D. आगइ–आगि B C G J. वंश–वंस C D G. विशुद्ध–विसुद्ध C, विसुध D, वसुध G. वषाण–वषांण D G, वषाणि F iii quarter in D: राज करइं घरि आपणे; in J: राज करि घरि आपणि; (cf vs 12 b). राजहंस–राजहरा G. रलीयामणा–रलीयामणा C, रलीआमणा F, रलीआंमणु G. सोनिगिरा em.–सोनगिरा B G J, शोनिगिरा C, सोनगीरा D, सोनिगरा F. चहूआण–चहूयाण B, चहूंआण C, चहूआंण G J.

९ काह्न–कांहांन G, कांन्ह J. तणइ–तणि B G J. इसी–घणी C, असी G. जिसी–जसी G. इंद्र–इन्द्रह D, इद्र G. रिद्धि–ऋद्धि B C, रद्धि F, रधि G. सवे–सव B, शवे F, सवि G, सर्व J. दिवस–दिन C, दिवसि D, वर्ण G, देस J. वासि–वासिं B J. वसइ–वसि B J, वधि C. राजभुवन–राजऋद्धि C, राजभवनि D, राजरद्धि F, राजभवन G. निद्धि–निधि C D F J, नधि G.

१० Note—K MS commences from vs 10, ii quarter.

स्यूं–सुं C, स्यं F, सु G, शूं J. मालदेव–मालदेय C, मालदे D, मालवदे J. मतिमंत–मतिमंति F, मतिवंत J K. कुंअर–कुंयर B C D, कुअर G. जाणे–जाणि C, जांणे D G J. जगि–युगि G. जयवंत–ययवंत G. जाणे जगि–जांणीज्यइ K.

इछ कीधउ सुरताणस्यूं तास कथा संबंध ।
चाहूआण गुण वर्णवूं पुहुवीइ प्राकृत बंध ॥ ११
राजनीति जाणइ घणी, रूप सुहावइ अंग ।
राज करइ घरि आपणइ चाहूआण नवरंग ॥ १२

॥ चउपई ॥

तिणि अवसरि गूजरधर राय सारंगदे नामइ बोलाइ ।
तिणि अवगुणीउ माधव बंभ तही लगइ विग्रह आरंभ ॥ १३
रीसाव्यु मूलगु प्रधान, करी प्रतन्या नीम्यउं धान ।
गूजराति तउ भोजन करूं जउ तुरकांणउ आणूं अरहूं ॥ १४
माधव महुतइ कस्यउ अधर्म, नवि छूटीयइ आगिलां कर्म ।
जिहां पूजिज्यइ सालिग्राम, जिहां जपिज्यइ हरिनउं नाम ॥ १५

---

११ कीधउ-कीधु B C D J. सुरताण-सुरतांण C K, सूरताण D, सरताण G, सुल्तान J. स्यूं-सुं C G, स्यं F, शूं J, स्युं K. संबंध-संमंध G. चाहूआण-चाहूयाण B, चहूआंणह C, चहूआंणां G, चहूआंण J, चहुआंणां K. गुण-गुंण D. वर्णवूं-वरणवुं C, वर्णवुं F G K. पुहुवीइ em.-पुहुविं B, पुहवि C F G, पुहविं D, पहुविं J, पहुवीइ K. प्राकृत-प्राकृति F.

१२ राजनीति-राजनीत K. जाणइ-जाणि B C, जाणइं D K, जांणि G J. रूप-रुप G J, रूपि B. सुहावइ-सुहावि B, सोहावि C D G J, सोहावइ F. अंग-अंगि C J, रंगि F, रंग K. करइ-करि B C G J. घरि-घर G. आपणइ-आपणि B C J, आंपणि G, आंपणइ K. चाहूआण-चाहूयाण B, चहूआंणह C, चहूआंणां G, चहूआण J, चाहूआंण K. नवरंग-मनरंगि C, नवरंगि F.

१३ चउपई em.-चुपई B C D F, चुपइ G, चुपै J, चउपही K. तिणि-इणि C, तेणि B, तिण F. अवसरि-दिवसि B, अवसिरि D. गूजरधर-गूज्जरधर B, गुजरधर K. राय-राउ J. सारंगदे-सारिंगदे B J. नामइ em-नामिं B, नामि C D F, नांमि G, नांमिं J, नांमइ K. बोलाइ-कहिवाय C, बोलाय D. Note—After 13 a I₂ interpolates foll conjectural line:-भत्रीजउ तेहनउ बलवन्त, करणदेव युवराज भणंत. तिणि-तेणि B C, तिण F. अवगुणीउ-अवगुणिउ C, अवगणीउ F G J, अवगिणियो K. बंभ-बंध J. तही लगइ-तेह लगि B, तिहीय लगि C, तांहि लगइ D, तहीअ लगइ F, तही लगि G, तही पछी J. आरंभ-प्रारंभ B.

१४ रीसाव्यु-रीसाविउ B C, रीसाणो K. मूलगु-मूलगो C, मूलिगु F, मुलगो K. प्रधान-प्रधांन D K, परिधान F. प्रतन्या-प्रतिज्ञा B D, प्रथिन्या F, प्रतज्ञा G, प्रतिन्या J. नीम्यउं em-नीम्यउ K, नीम्यूं B J, मुंक्युं C, नीम्युं D, नीम्यु F, नीमउं G. धान-धांन D J K. गूजराति-गूजरात B, गुजरात K. तउ-तु B C F G, नु D, जु J. करूं-करुं C D F J, करउं K. जउ-जु B C D F G J. तुरकांणउ-तुरकाणूं B J, तुरकाणुं C, तरकांणूं D, तुरकाणं F, तुरकांणू G. आणूं-आणुं C F, आंणुं D, आंणू G, आणु J, आंणु K. अरहूं-अहरूं B, अरहुं D J, अहं F, घरूं G, घणउं K.

१५ महुतइ-महितिइ B, महितु C, महितइं D, महितइ F G, महिति J. कस्यउ-करिउ B, करि C, कर्यूं D, करउ G, कीउ J. अधर्म-अधर्म्म B, ऊधर्म G. नवि-नेकि G. छूटीयइ em-छूटीइ B F J, छूटीइं C D, सूटीइ G, छूटियइ K. आगिलां-आगिनां B, आगल्यां C G, जो आगिल्यां D, आगिला F, कीया कृत J, अगिलां K. कर्म-कर्म्म B. पूजिज्यइ em-पूजाइ B, पूजीइ C F G J, पूजीजइ D I₁ (ख), पूजियइ K. सालिग्राम-शालिग्राम B, सालिग्रांम C D G J. जपिज्यइ-जपिजइ I₂ (ख), जपीइ B F J, लीजि वली C, जपिइं जे D, जपीजइ K. हरिनउं em-हरिनउ K, रामनूं B, हरिनुं C D G, हरनुं F, भगवंतनूं J. नाम-नांम G K.

जिणि देसइ करावइ ज्याग, जिहां विप्रनइ दीज्यइ त्याग ।
जिहां तुलसी पीपल पूजीयइ, वेद पुराण धर्म बूझीयइ ॥ १६
जिणि देसइ सहू तीरथि आइ, स्मृति पुराण मानीयइ गाइ ।
नव षंडे अपकीरति हूई, माधवि म्लेच्छ आणीया सही ॥ १७
चाल्यउ माधव ढीली भणी, भेटि अपूरव लीधी घणी ।
विषम घाट उलंघ्या देश, नयर योगिनी कर्यउ प्रवेश ॥ १८
पहिलउ जई मिल्यउ दीवाणि, साची वात सुणी सुरताणि ।
अलावदीन वडउ सुरताण, घणे देस वरतावी आण ॥ १९
धरी भेटि घोडानी लास मीर ऊंबरे करी अरदास ।
वडउ मुकर्दम माधव नाम पातिसाहनइ करइ सिलाम ॥ २०

---

१६ जिणि–जेणि B C F, जीणि D, जीणइ K. देसइ–देसिं B, देसि C G, दिसि D, देश F J. करावइ–कीजीइ B, करीइ C, कराय D, कराइ F, करि G, धर्मेहमा J. ज्याग–याग B C, जाग्य D, ग्याग F, अतियांग G, लाग J. विप्रनइ–विप्रनि B G, षट्दर्शन D J L (ख), विप्रनइं K. दीज्यइ–दीजि B C, दीजइ D F, दीजइ G. तुलसी पीपल–तुलसी इस्वर C, पींपल तलसी D, पीपल तुलसी G J, तुलसी पींपल K. पूजीयइ em–पूजीइ B C F G J, पूजीइं D, पूजियइ K. पुराण–पुराण D G J, पूराण K. धर्म–धर्म्म B, अरथ C. बूझीयइ–बुझीइ B C D F, बूझीइ G J. Note–D J reverse the vs order to 17a, 16a, 16b, 17b.

१७ जिणि–जीणि B D, जेणि C G, जिण F. देसइ–देसि B C, देसि D F G, देस J. सहू तीरथि–सहू तीरथ B, तीरथ सबि C, सहू तीरथ G, देहरि सहू J, सहु तीरथि K. आइ–नाइ B, थाइ C, जाय J, जांइ K. स्मृति–स्मृति F, ब्रांमहण G. पुराण–पुराणि C F, पुराण D K, वेद G. मानीयइ em.–मानीइ B, पूजीइ C F, मांनीइ D, मानीइ G J, मानियइं K. गाइ–गाइं CK, गाय D. नव षंडे–नवे षंडे G, नवे षंडि F. अपकीरति–अपकिरत्ती D. हूई F G–कही B, रही C D J, हुंइ K माधवि–माधविं B, माधव C J G, तिहां माधव K. म्लेच्छ–मेछ B F, म्लेछ D K, मेच्छ G. आणीया–आण्या C F, आणीआ G J, आंणिया K.

१८ चाल्यउ–चालिउ B G, चाल्यु C D F J. ढीली–डीली C, ढिल्ली K. भेटि–भेट K. लीधी–कीधी B J. विषम घाट–विषम वाट C G, विषम पंथ D. उलंघ्या–उलंघ्या F G K देश–देस D F G. नयर योगिनी–नयर योगिनी C, योगिनी पुरि D, नयरि योगिनी F, नयर योगनी K. कर्यउ em–करिउ C D, किउ B, कर्यु F, कीउ G J, कियो K. प्रवेश–परवेस F, प्रवेस G.

१९ पहिलउ K–पहिलं B J, पहिलुं C D F, पहिलु G. जई मिल्यउ–मिलिउ जई B J, जइ मलीउ C, जई मिलीउ D, जई मिल्यु F, जइ मलुउ G. दीवाणि F J–दीवाण B, दीवान C, दीवांणि D G K. सुणी–सुणइ F, सूणी G, कहूं B, कही J. सुरताणि–सुलतान D, सुरताण F, सरताणि G, सुरतांणि J K. अलावदीन–अलावीन G. वडउ–वडिउ B, मोटउ C, वडु D G J. सुरताण–सुरतांण C K, सूरतांण K G. घणे देस–घणि देसि B, घणे देसी C, घणे देसे D, घणे देश F J. आण–आंण C D J K.

B interpolates the following two verses after vs 19 :

पातसाह नवि जाणि सिद्धि माधवमहिति मांडी बुद्धि । छूटि घोडा पाणीहारि हंसपुरी त्रिपुरी वार ॥
दिन इकेक छोडी दीइ ते साहण मसाहाणी लीइ । त्रणिसि साठि गंगाजल तुरी एकवालि ते तेजी तुरी ॥

२० धरी–धरीइ B, धरीय F, करी J. भेटि–भेट B K. घोडानी लास–नि मिलिउ उल्हासि C, घोडानी लासि F, हयवरनी लास J, घोडांनी ल्हास K. ऊंबरे–उंबरे C D G K. अरदास–उरदास D. वडउ–वडु B C D G. मुकर्दम–मकर्दम C, कुर्दम D, मकर्दम F, मकरदम G. नाम–नाम D J K. पातिसाहनइ–पातसाहनि B, पातसाहनि C D G, पातशाहनि J, पातशाहनइ F. करइ–करि B D G J, करिउ C, करइ F. सिलाम em–सिलांम D J K, सलाम B C, सलाम F, सलांम G.

जाण्यउ परदेसी परधान, असपति राजा दीधउं मान ।
पूछइ वात पातिसाह इसी, गूजराति ते कहीयइ किसी ॥ २१
किस्यूं षंभायत, अणहिलपुर, किस्यूं दीवगढ, मांगलहुर ।
झालावाडि, सोरठ छइ किसी, ए रावत सुणीइ साहसी ॥ २२
इस्यूं सांभली सरूइ सादि माधव बंभ करइ फिरीयादि ।
खित्री तणउ धर्म लोपीयु, राउ कर्णदे गहिलउ थयउ ॥ २३
एहुउ अंग तणउ अनुराग, नित नित भख करइ बछनाग ।
विण पडीयार पटउ करि बहइ, न को अंगरष अलगउ रहइ ॥ २४
मरण तणइ भयि भोजन बार वांस घाटवउ धरइ सूआर ।
पहिलु राइ हूं अवगण्यउ, माहरउ बंधव केसव हण्यउ ॥ २५

---

२१ जाण्यउ–जाण्यूं B, जाणी C, जांण्यु D, जांणिउ G, जांणिउं J, जांण्यउ K. परदेसी–परदेशी B. परधान–प्रधांन D, परधान J K. असपति–असुरपति C, तव J. राजा–राइं B C, राय F, सुरताणि J. दीधउं em–दीधउ K, दीधूं B J, दीधुं C D G, दीउं F मान–तस मान F, मांन D G J K. पूछइ–पूछि B C J. वात…C. पातिसाह–पातसाह B C D F, पातस्या G, पातशाह J. इसी–इसी B, ते इसी C. गूजराति–गुजराति C, गूजरात B F, गुजरात K. कहीयइ em–कहियै K, कहीइ C D G J, कहीइ B. किसी–कसी C G.

२२ किस्यूं–किसु C G, किसं F, किसिउं J, किसउ K. षंभायत–षंमाइत B F G, अणहिलपुर J. अणहिलपुर–षंमाइति J, अणहलपुरि K. किस्यूं–किसु C, किसं F, कसू G, किसा J, किसउ K. दीवगढ–दीव अनइ C, दीवगढ नै K मांगलहुर–मागलुहुर B, मांगलोर C, मंगलहर F, किसी वात J, मांगलुर K. झालावाडि–झालीवाडि G. सोरठ–सुरठ B D. छइ–छि B J, ते C, थि D, छिइ K किसी–कसी G. ए रावत–ए रायुत B, ए राउर F, ऐ राउत G, तिहा राव J, किसा रावत K. सुणीइ–सणीइ F, सूणीइ G, कहियइ K.

२३ इस्यूं–इसिउं C, इस्यं F, इसी G J, इसुं K. सांभली–सांमलि B, सांभलिउं C, साभली F G, सांभलीइ J. सरूइ–सरलइ K. सादि–सार्दि I. करइ–करिइ B, करि C G J. फिरीयादि–फरीयादि B, फरीयादि C D G J, फिरीआद F. खित्री–क्षित्री C D, खित्रीअ F, क्षत्री G. तणउ–तणु B C D G J. धर्म–धर्म्म D. लोपीयु–लोपिउ B C J. कर्णदे–करणदे B C, कर्ण दे K. गहिलउ–गहिलु B C G J, गहिलुं D. थयउ–थयु B C G J, थयुं D, थउ F.

२४ एहुउ–एहवु B C D G, इसिउ J, एहुं K. तणउ–तणु B C G, तणुं D, मयु J. अनुराग–अनराग C, अनुंराग D, अनूराग J. नित नित–नितु २ C D F J, … G. करइ–करि B C. बछनाग–सराहु बछनाग G. पडीयार–पडीआर C D G J, पडीआरि F, पडिहार K. पटउ–पटु B C D G J. करि…G. बहइ–बहि B C F G J. अंगरष–अंगरक्ष C F J, आंगरष G. न को अंगरष–अंगरक्ष कोइ न F. अलगउ–अलगु B D F G J, अलगु C. रहइ–रहि B C G.

२५ मरण–मरणे B, मरणं F, मण G, मुत J. तणइ…B, तणि C D G J. भयि–भय C D K, भय B, भइ F, भूइ G, डर J. भोजन बार–भोजन वारि C J. वांस–वासि B D F, वंस K, वांसि G J. घाटवउ–घाटउ B, घाटूआ C, घाटुउ G, घाटूउ F, घाटू J. धरइ–धरि B, धरि C, धूरि G, धरि J. सूआर–सोआर C, सूआर B. पहिलु–पहिलुं C F, पहिलुं D J, पहिलु G, पहिलइ K. राइ–राई B J, राय D F G K. हूं–हुं D F, हु G, हुं K. अवगण्यउ–अवगण्यु B, अवगणिउ C G, अवगण्युं D, अवगुणिउ J, अवगण्यो K. माहरउ–माहरु G, माहरु C D J, माहरु B. केसव–केशव D F J. हण्यउ–हणिउ B C J, हण्युं D, हणु F, हणिउ G.

तेह घरणी घरि राषी राइ, ए बहु रोस न सहिणउ जाइ।
गूजरातिस्यूं मांडिसि कलहु, माहरइ साथि कटक मोकलउ ॥ २६
हुडी हींदू घालिसु रानि, एक मारूं एक झाल्हूं बानि।
घूनकार अम्ह साचूं जाणि, गूजराति लेईं आपूं प्राणि ॥ २७
ततषिण तूठउ असपति राय, तस आप्यु पंचांग पसाय।
दीया ऊतारा पाणी धान, पातिसाहि तेड्या परधान ॥ २८
भणी जालहुर सीषामण थई, चहूआणानइ पूछउ जई।
तूं ताहरउ भोगवि पाट, लसकर चालइ सूधी वाट ॥ २९
सुरताणनी वाणी सुणी ग्या प्रधान कान्हडदे भणी।
पातिसाहनी पहिरामणी उगराहइ सिंभरिनउ धणी ॥ ३०

---

२६ तेह–तस C D F J, तिहि K. घरणी घरि–घरघरणी C. राषी–रखाइ D. राइ–राय C F G J,...D. ए बहु–ए बडउ K. न सहिणउ जाइं–न सहिणु जाइ B F, न सहिणु जाय C J, न हीइ समाइ D, नही कहि माहि G. गूजराति–गूजरात B, गुजरात K. स्यूं–सुं C K, स्यं F, सू G, शूं J. मांडिसि–मांडुं C, माडिसि B, मांडिसु F, मांडु G, मांडसि J, मांडिस K. कलहु–किलु B F, किलउ K. माहरइ साथि–माहरि साथि B C, माहारइ साथइ D, माहारि साथि G. मोकलउ–मोकलु B C F G J, मोकलु D.

२७ हुडी–जइ G, नडी K. हींदू–हीदू B D F J K, हींदुं C, हीहनि G. घालिसु–घालुं C, घालूं D J, घालिस F, घालू G, घांलिसुं K. रानि–रांनि D J, राति G. एक–इक K मारूं–राषुं C, मारुं F, मारु G, मारउं K. एक–एकं F, इक K. झाल्हूं–साहुं C, झालुं F, झालू G, झांलु K. बानि–बानि G J, बान K. घूनकार–घूंनकार D, घुनकरि G, मीरां कहिउं J, घूंदकीर K. अम्ह–तुं C, तूं D, इम F G K, सवि J. साचूं–साचुं C F, साचु G, साचु K. जाणि–जांणि D G J K. गूजराति–गूजरात B F, गुजराति K. लेईं–लेइ G, ले K. आपूं–आपुं C F G K. प्राणि–प्रांणि D G J K.

२८ ततषिण–ततषणि B, ततक्षण C F, ततषण G, ततक्षणि J. तूठउ–तूठु B, तुठउ K. राय–राउ B D. तस D–सिं B, वली C,...F G K, तेह J. आप्यु–आपि B C, आपीउ G, आपउ हिव K. पसाय–पसाउ D F K, पसाइ G. दीया–दीइ B, थु C, थउ F, दीआ G, दिया K. ऊतारा–उतारा C G K. पाणी–पांणी D J. धान–धांन D J K. पातिसाहि तेड्या em–तेड्या पातसाहि B, पातसाहि तेड्या C F, पातसाहइ तिड्या D, पातस्याइ तेडा G, पातशाह तेड्या J, पातिसाह तेड्या K. परधान–प्रधान C, प्रधांन D, परिधान F, परधांन J K.

२९ भणी जालहुर–भणी जालहुरि B, भणी जालोर C, आलहुर भणी D, भणी जालहर F G, आलहर तणी J, भणी जालउर K. सीषामण–सीषामणि D K, सीषांमण G, सीषामण J. थई–दीइ B D, देई F, देइ G J, दई K. चहूआणानइ em–चाहूयाण B, चहूआणांनि C, चहूआंण D, चाहूआण F, चहूआणा G, चहूआंणनि J, चहूयांणानइ K. पूछउ जई–जइ इम पूछीइ B, पुछी जोईई D, इम पूछउ जई F, इम पूछइ जइ G, पूछु जई J. तूं–तुं C F, तु K G, तू D. ताहरउ–ताहरु B F G J, ताहरुं C. भोगवि–भोगवे D F G, भोगवजे C, भोगविजे K. iii quarter in B is तु तूं ताहरु भोगवि पाट, in J तूं तां भोगवि ताहरु पाट, in D तू भोगवे ताहरु पाट. चालइ–चालि B C G. सूधी–सीधी B J, वहिती C, सघली G.

३० सुरताणनी–सुलताननी D, सूरतांणनी G, सुरतांणनी K, तिणि सुरताणी J. वाणी–वात C, वांणी D G J. सुणी–जब सुणी C, सूणी G. ग्या–गया C D F G J. प्रधान–परधान B, प्रधांन D J K, परिधान F. कान्हडदे–काहनडदे D, कांन्हडदे F K. पातिसाहनी K–पातशाहनीं B, पातसाहनी C D F G, पातशाहनी J. पहिरामणी–पिहरांमणी D, पहिरांमणी J. उगराहइ K–उद्धारु B, अवधारु C F, उवधरावउ D, अवधारउ F, उवराविउ G, उवराव्यउ J. सिंभरिनउ–सिंभरना B J, सिंभरिना C, सिभरउं D, सइभरिना F, सइभरउ G, संभरीनउ K.

कहइ प्रधान, अवधारउ राय, सोरठ भणी तुरकांणउ जाइ ।
बीजी भूमि दोहिला घाट, पातसाह मागइ ए वाट ॥ ३१
सभा सिद्ध रा बोलइ मर्म, ए तां नही अह्मारउ धर्म ।
जिहां भाजइ गाम झालियइ बान, अबला तणा त्रोडियइ कान ॥ ३२
जिहां पीडीइ विप्र नइ गाय, तिहां वाट नवि आपइ राय ।
वल्या प्रधान, न सीधउं काज, हियइ घणी ऊपनी लाज ॥ ३३
वीनवीया जईनइ सुरताण, कान्हडदे नवि मानइ आण ।
चडी वात घणेरइ प्राणि, नीसासउ मेहलु सुरताणि ॥ ३४

॥ पवाडु ॥

[वडउ वीर विष्यात वदीतउ महिमुंद साहनु केडु ।
सूर धीर अनइ सपराणु पातसाहि तव तेडु ॥] ३५

---

३१ कहइ–कहीइ B, कहि C D F G J. प्रधान–प्रधांन J K. अवधारउ–उद्धारु B, अवधारु C D J, उवधार F, उद्धारइ G, अवधारउ K. राय–राइ B G. सोरठ भणी–भणी सुरठ B, सोरठि भणी D, भणी सोरठ G. तुरकांणउ–तरकाणूं B G, तुरकाणुं C, तुरकांणूं D, तरकाणं F, तुरकाणूं J. जाइ–आई C, जाय J. भूमि–भूंमि B, भोमि G J. दोहिला–दोहेला B, दोहिली G, दोहेलु J. पातसाह–पातसाहि C G, पातशाह J. मागइ ए–ए मागि B J, जु मागी C, मागइ आ D G, मांगइ ए K.

३२ G omits vs 32. सभा–सुभा F. सिद्ध–मध्य B, मांहि C, शुद्धि F, सहित J K. रा–राय C D F, राइ K. बोलइ–बोलि B J, बोल्यु C. मर्म–मरम C, मर्म्म D. ए तां–ए ता C F. नही–नहीं B. अह्मारउ–अह्मारु B C J, अहमारुं D. धर्म–घरम C, धर्म्म D. जिहां भाजइ–भाजिइ B, भांजि C, भाजई D, भाजइ F, भाजि J. गाम–गांम B J D. झालियइ–झालीइ B C, झालइ D. बान–बानि D F, बांन K. झालीइ बान–बांन झालीइ J. अबला तणा–जिहां अबलाना C, अबला तणी D, अबलां तणा F. त्रोडियइ–त्रोडीइ B F, त्रोडि C, त्रोडीइं D. कान–कांन D. iv qr in J is लूसि देश असुर झालीइ.

३३ पीडीइ–पीडीइं D, पीडिइं K. विप्र–ब्राह्मण J. नइ–नि B J. गाय–गाइ B J, गाई G K. नवि–न J. आपइ–आपि B C G J. प्रधान–प्रधांन D J K, परधान F. सीधउं em–सीधूं B J, सीधुं C D F, सीधु G, सीधउ K. हियइ–हईयडि घणी B, हईआमांहि C, हीइ वली D, हीआमाहि तु F, हइए घणी G, हीअडि J. ऊपनी–उपनी C D K.

३४ वीनवीया जईनइ–°नि B J, वीनवीउ तव जई C, वीनविया जईनइ D, वीनवीआ जइनइ G, वीनवियां आई K. सुरताण–सुरतांण C K, सूलतांन D, सरताण F, सूरताण G, सुरतांन J. कान्हडदे–कांहनडदे C D, कांहांनडदे G, कान्हडदे J. मानइ–मानि B, मांने D, मागि G, मांनि J. आण–आंण D J. चडी–चडी C J, चडिअ F. घणेरइ–घणेरि B J. प्राणि–प्रांणि C G J K. नीसासउ–नींसासु B, नीसासु C D F G J, तव नीसासउ K. मेहलु–मुंकिउ C, मेहलइ D, मेहइ F K, मूक्यु J. सुरताणि–सुलतांन D, सुरताण F, सुरतांणि G J, सुरतांण K. Note—F reverses ii and iii qrs : चडीअ...प्राणि is ii, and कान्हडदे... आण is iii qr.

३५ पवाडु–चालि B, पवाडुं D, वेलि ढाल F, चालिबंध G, ढाल पवाडानु J, ढाल पवाडानी अर्धस्पर्धु K. B G K omit vs 35. वडउ–वडु C D J. विष्यात em–विशात C, बष्यात D, विक्षात F J. वदीतउ–वदीतु C D, विदीतु F. महिमुंद साहनु केडु–महमूंद साहनु केडु D, महिमद साहनु केडु F, महिमूंद शाहनु केडु J. सूर धीर...तव तेडु C–अलषांन बलवंतु बंदउ महुलमांहि तेडावउ D, अलूअषान बलवंतु बंदउ सुहकि आणिलइ तेडउ F, अलषांन बलवंतु बांदु महलमांहि वे तेडु J.

अलूषान बलवंतउ बंदउ तास दीयुं फुरमाण ।
गूजराति ऊपरि दल नूंष्या, बीडउं दइ सुरताण ॥ ३६
माधव मुहतउ साथि मोकल्यउ पोसातु परधान ।
मोटा मलिक मीर मेलावि दीधा षोजा षान ॥ ३७
अलावदीन पातिसाह मोटउ, कान्हडदे चहूआण ।
गढ जालहुरि हूउ गढरोहउ, ते हूं करूं वषाण ॥ ३८
गूजराति सोरठ सोमईया वाहरि विसमूं वीतूं ।
भिडकिमाड राउलि हठ कीधउ, अलूषान दल जीतूं ॥ ३९
डहिली दोर साबाण सिराचा कटक तणा सिणगार ।
घडीयाजोणी सांढि पल्हाणी पूठि परठ्या भार ॥ ४०

---

३६ अलूषान–अलूषांन D G J K. बलवंतउ–बलवंतु B C D F G J. बंदउ G K–बांदु B, जाणी C F, जांणी D J. तास दीयुं em–तास दीउं B C J, तासु दीधउं $D I_2$ (ख), तास हऊउ G, तास दियुं K. फुरमाण–फरमान C, फरमांन D, फरमांण G J, फुरमाण K. गूजराति–गूजरात B F, गुजरात K. ऊपरि–उपरि C, उपर G. नूंष्या–नुंष्यां C J, न्युंषिउं D, न्यंष्या F, चाल्यां G, रुंध्यां K. बीडउं em–बीडिउं B, बीडुं C D, बीडूं F J, बीडउ G K. दइ–दि B C, दिइ D, दीउ G, दीऊं J. सुरताण–सुलतांन D, सूरताण G, सुरतांणि J, सुरतांण K.

३७ मुहतउ–महितु B C D F J, महीतु G. मोकल्यउ–मोकल्यु B C F G, मोकल्युं D, मोकलिउ J. पोसातु–पोसांता K. परधान–परिधान F, परधांन J K. मलिक मीर–मीर मलिक C D F J. मेलावि–मेलावइ D F K. दीधा षोजा–षोजा दीधा K. षान–षांन C D G J K

३८ अलावदीन–अलावदीण K. पातिसाह–पादशाह B, पातसाहज C, पातसाह D F G, ते साहिब J, पातिसा K. मोटउ–मोटु B C G F. कान्हडदे–काह्नडदे D, काहांनडदे G, कांन्हडदे J. चहूआण–चहूयाण B, चहूआंण D J, चहुआंण K. जालहुरि–जाल्हरि C, जालहुर D, जालहर F, जालहोरि G, जालुहरि J, जालोर K. हूउ–हउऊ B, हुउ K. गढरोहउ–गढरोहु B C D F G, रोहउं K. ते हूं–तेहनुं C, तेह D, तेहं F, ते हू G, ते हुं K. करूं–करुं C D J, करं F, करु G, करिस K. वषाण–वषांण D K.

३९ C adds foll two vss after vs 38 .

> देस सविहुं माहि तिलक शिरोमणि चिहुं षंडे सांभलीइ । दानि मानि विवेक विष्याति गूजराति सांभलीइ ॥
> अलावदीनि हरष आणिनि लेवा कीध सजाई । अलूषाननइ इम आयसुं षांण षाए तिहां जाई ॥

गूजराति–गूजरात B F, गुजराति K. सोरठ–सोरठि J. सोमईया–सोमईइ B, सोमईआ C F, सोमइआ G. वाहरि–आविहरि B, चाहरि C, वाहर F, वार G, बाहिरि J, बाहरि K. विसमूं–वसमुं C, विसमुं F, वसमु G, विसमु J, विसम K वीतूं–वीतुं C F, कीधु G, वीतु J, वदीतउ K. भिडकिमाड–भडकमाडि B, भडकमालि C, भडकमाड D, भिडकमाड F J, भडिकमाडि G. राउलि–राउल F G J, राउत D, रावल K. कीधउ–कीधुं B, कीधु C G J. अलूषान–अलूषांन D G J K. जीतूं–जीतुं C F, जीतु G J, जीतउ K.

४० डहिली–डहली D K. दोर–डोर K. साबाण–साबान B, सबाण C, सबांन D, साबांन J. सिराचा–सराचा C G, सराच D, शराचा F. सिणगार–सणगार C G, शणगार F J. घडीया–घडीआ C F J, घडी G. जोणी–जोअण B D, जोअणी J. सांढि–सांढि D F. पल्हाणी–पहलांणि D, पलाणी G K, पल्हांणी J. पूठि–पूठिं B, उपरि C F, पूठिइ D. परठ्या–परठिइ D, परिठ्या F, परठिउ G, परठिया J.

कोटई घणा घूघरा वाजइ, रइबारी असवार ।
पहिलइ ठमकि पेसरउ चाल्यु, घडीय न लाई वार ॥ ४१

फारकभाथी अनइ हबसी, बीहामणा बंगाल ।
पाला पलइ पटायत काहर, भोई नइ बलबाल ॥ ४२

रांध्यां धान चालता थाइ, भठीआरा तबाव ।
चाल्यां कटक पेसरा पूठि, मांहि मेछना छाप ॥ ४३

मदि माता मयगल सिणगारया, पूठि चड्या पूंतार ।
लीची पाषर नइ कठपंजर, घंटा रणझणकार ॥ ४४

ऊपरि चड्या न अंकुश मानइ, एहवा गज रोसाल ।
सवे सारसी करंता चालइ, जेहवा परवतमाल ॥ ४५

---

४१ कोटइं–कोटिं B, कोटि C G, कोटी D, कोटइ F, ऊटकोटि J. घणा–घण B J, तणी C, घणी D F G घूघरा–घूघरी B C D F G, घूघर J. वाजइ–वाजि B C G J i qr in J is: ऊटकोटि घूघर घण वाजि. रइबारी em–रइंबारी K, रबारी B C D F G J पहिलइ–पहिलि B C G J. ठमकि–मेहलाथि C, ठमकि J. पेसरउ–पेसरु B G J, पेसरूं C, पेसडु D चाल्यु–चालिउ B, चालि C J, चालिइ D, चालु G. घडीय–घडी B G J K, घडि D, घडीअ F. लाई–लाइ C G J, लागइ D. K omits vs 41 b.

४२ फारकभाथी–भारकभाथा B, फारकहाथी D J, पारकभाथी G. अनइ–अनि B J, अछइ C, नइ वली D, ... F. हबसी–. . F. बीहामणा–बीहामगां C, बीहामणा G. बंगाल–बगाल G. पलइ–वुलि B, पति C, पलि D J. पटायत–पटाई B, पटाइत C, पटाहित D, पटाइता G. काहर–काहल B, कहीइ C. भोई–भोइ B G, भाई D. नइ–नि B C J. बलबाल–बहूयाल B, वलवाल C, बिलिबाल D, बहूवाल G, बंबाल J. K omits vs 42 b.

४३ रांध्यां–रांध्या D, रांधां G, रंध्या K. धान–धांन D G K. चालता–चालतां B G J. थाइ–थाइं D K. भठीआरा–भठीयारा B, भाठिहरा K. तबाव तबाक B C D F G J. चाल्यां–पालं B, चाल्या D F. पेसरा–पेसरु B. पूठि–पूठिं B D J, पूंठि C. मांहि–माहि F G. मेछना–म्लेच्छना C, मलेछना D, म्लेछना J. K omits vs 43 b.

४४ मदि–मद J. मयगल–मेगल G, मइगल K. सिणगारया–सणगारया C, शणगारया F, सिणगार G, शणगारिया J. पूठि–पूंठि C. चड्या–चडि B, चढ्या C, चड्या G. पूंतार–पुंतार F J K, कुतार G. लीची–लीचां B, कीची D, लीधा K. नइ–नि B J. कठपंजर–कठपांजर G. घंटा–घटा G. रणझणकार–रणदणकार B J, रव झगकार D G K, रणुझणुकार F.

४५ चड्या–चडिया B, चढ्या C, चड्या J. न अंकुश मानइ–न अंकुश मानि B, अंकुश नवि मानइ C, न मानइ अंकस D, अंकश नवि मानइ F, न आंकुस मानि G, न मांनि अंकुश J, न अंकुस मांनइ K. एहवा–एहा F. सवे–सवि B G K, वे D, शवि F. सारसी–सरीसी D, पारसी G. करंता–करता C D J. चालइ–चालिइ B, चालि G J. जेहवा–जेहवी C D, जेही F. परवतमाल–पर्वतमाल G J K. B drops the last quarter of vs 45 and the first three quarters of vs 46.

घोडा तणी फोज जूजूई, तेह न लाभइ पार ।
ऊवट वाटि ऊपक्या चालइ, षान तणा तोषार ॥ ४६

बरगां ढोल नफेरी वाजइ, काहल नइ नीसाण ।
जिहां जिहां झाझां षड नइ पाणी, तिहां दियइ मेल्हाण ॥ ४७

आगलि थिका कुदाला चालइ, भली करेवा वाट ।
आरहिडा पाहण घण भांजी, कीधउ माधवि घाट ॥ ४८

आगलि थिकां वागडू साविज, वेडइं नाठां जाइ ।
विसमी भूमि लेई देसाउत, चिहूं दिसि धाडां धाइ ॥ ४९

दीधी वाट समरसी राउलि, आव्यां कटक बिनास ।
गूजराति बूंबडिया पहुता, ततषिण पडियउ त्रास ॥ ५०

---

४६ घोडा–घोडां G K. फोज जूजूई–फोज जूजई D, फोजू जोई F, जूजूइ फोज G, जूजूई फोजै K. न लाभइ पार–विचालीया पार C, न लाभि पार G J. ऊवट–ऊत्रटि C, उत्रट D वाटि–वाटिइ D, वाट G K. ऊपक्या–ऊपहागां C, ऊपहाणा F. चालइ–चालि C D G J. षान–षान B D J. तणा–तणां D.

४७ बरगां–बणगां B C, बरगा F, बरगू K. वाजइ–वाजिइ B, वाजि C D G J. काहल–कान्हल K, रण J. नइ–नि B C D, निं G, काहल J. नीसाण–निसांण D, नीसाण J, नींसांग K. जिहां जिहां–जिहां २ BCDG, जिहां J. झाझां–झाझा D K. षड नइ पाणी–षलसल पाणी B, षड नि पाणी C, षड न पांणी D, षडपाणी G, वीसि षड नि पाणी J, षडपांणी K. तिहां–तिहा २ B C D K. दियइ–दीइ B C F G J, करे D. मेल्हाण–मेहलांण D G, मेल्हांण J

४८ थिका–थका C G K, थी F. कुदाला–कुंदल D. चालइ–चालिइ B, चालि C D G J. भली–भलीइ D. करेवा–करावि B C G J, करावइ D F. आरहिडा–आरहडा B, आहीरडा C, आरहिडे D, आरहडी F, वज्र घाऊ J. पाहण घण भांजी–पाहणें घण भाजी D, पीहांगा घगसा C, पाहग घणि भांजी F, पाहण घेणे भाजइ G, पांहण घण भांजी K. कीधउ–कीनि B, कीधी C, कीधु F G J. माधवि–माधव B C D G J. K reads as iv qr : माधवि कीधी वाट.

४९ थिकां–थिका C, थकां G, थका K. वागडू–वागरु G, वागरू K. साविज–सावज B K. वेडइं–वेडि B F G J, वेगि C, वाटि D. नाठां–नाठा F G K, नाहाठां J. जाइ–जाय D, जांइ G, जाइं K. भूमि–भुमि D, भूइम G. लेई देसाउत–लीइ चिहूं दिसि B, दले वीसंता C, लई देसु ते D, देसु ते F, लोइ देसु ते G, लीइ देसह तह J. चिहूं दिसि–हुडी B, चिहूं दसि C, दह दसि D J, चिहं दसि F, दहू दसि G. धाडां–धाडा F, धाडां G. धाइ–जाय D, धाई K.

५० दीधी–देठी F. राउलि–रावलि K. आव्यां–आव्या B D F K. कटक–बटक G. बिनास em–विणासि B, एणि पाशि C, बनास D G, बनासि F J, वीनास K. गूजराति–गूजरात F, गूजराति मांहि C. बूंबडिया–बूंबडीउ B, बूंबीउ C, बूबीया D, बूबीउ F, बूंबीआ G J, बुंबडिया K. पहुता–पुहतु C, पुहुतु B, पहुतु F, पहोना G, पुहुता J. ततषिण–ततषणि B, ततक्षण C F, ततषिणि J, ततषण K. पडियउ K–पडीउ B D F G, पडिउ C.

ऊडी खेह थयूं अंधारूं, गयणि न सूझइ भाण ।
चाली दल मुहडासइ आव्यां, डमडमीयां नीसाण ॥ ५१
आव्या सुणी म्लेछ मूछाला, रणि राउतवट कीधी ।
बतड भणइ पहिला घाउ लेसूं, अन्नप्रतन्या कीधी ॥ ५२
आगइ अन्न वरांसउ बीतउ, हिवडां छल नवि छांडूं ।
असपतिनां दल साह्मउ चाल्यउ, लेई ऊघाडउं षांडूं ॥ ५३
दीठा तुरक रह्या रिण थोभी, पहिलूं कामा सारइ ।
चव्यउ रोसि रिण पेरण मांडइ, मारी माग दिवारइ ॥ ५४
घडी बिच्यारि घणउं दल थोभ्यउं, वीर वावरइ लोह ।
तुरक बचा मूंगल करकटीया, ऊपरि पव्या समोह ॥ ५५

---

५१ थयूं-थयुं C D G, थयं F, थयउ K. अंधारूं-अंधारं F G J, अंधारउ K. गयणि-गयण D K, गयन G. सूझइ-सूझि B C, सूझई D भाण-भांग D G J K. चाली-चालीअ F. दल-कटक B C. मुहडासइ em-मुढासि B C, मूहडासि D, मुहडास्यं F, मुढासइ G, मुहडासि J, मुडासइ K. आव्यां-आव्युं B, आव्या D F J K. डमडमीयां-डमडमीआं C G, ढमढममीया D, ढमढमीआ F J, ढमढमिया K. नीसाण-नीसांण C D G, नींसांण K.

५२ आव्या-आवा G, आ J. सुणी-अणी C, सुणीइ J. म्लेछ-मेछ B F G, म्लेच्छ C, मलेछ D, सवि मेलेछ J, ल्मेछ K. मूछाला-मूंछाला B C D, मुछाला G. रणि-रणी D, रिग K. राउतवट-राउतिवट F, रावतवट J K. बतड-बेतड D, राउत K. भणइ-भणि B C G J. पहिला-अम्हे C, साहमा D, साहमु J, पहिलउ K. घाउ-घा B, घाय G, घाइ K. लेसूं-लेसिउ D, लेस्यं F, लेसिउं J, लेस्यां K. अन्न-अंन F, अंन्य G, अंन J. प्रतन्या-प्रतिज्ञा B, प्रतिन्या D J, प्रतंन्या F, पत्यन्या G. कीधी-कीधी B D F J K.

५३ आगइ-आगि B C G. अन्न-अम्हे K वरांसउ-वरांसु B C, वसंसु D, वरसु F, विरांसु J. बीतउ-वीतु B C D F G J. हिवडां-हवि B C छल-वल C. नवि-न C. छांडूं-छाडु G, छांडुं C K. ii qr in D is: छयल भगइ नवि छाडउं; in F छयल भगइ नवि छांडं; in J छिल भणि नवि छांडूं. असपतिनां-असुपतिना C, असपतिना F J K, असपतीना G. साह्मउ-साहामु B, साहमु C D, साहांमु G, सांहमूं J, सांम्हउ K. चाल्यउ-चालुं B C, चालइ D, चाल्यु F, चायु G, चालिउं J. लेई-लेइ G K. ऊघाडउं em-ऊघाडूं B J, ऊघाडुं C, उघाडउं D, ऊघाडं F, ऊघाडु G, उघाडउ K. षांडूं-षाडुं C D G, षाडं F, षांडउ K.

५४ दीठा-राउत K. तुरक-तुर F, तरक G. रह्या-रहु D, रह्यउ F, रहिउ G, रहिया J. रिण-रणि B D F J, रण C G थोभी-थामी D. पहिलूं-पहिला B, पहिलुं C F, पिहिलुं D, पहिलं G, पहिलउ K. कामा-काम C, कामज K. सारइ-सारि B, समारि C, सारी D, सारि J. चव्यउ रोसि em-चडिउ रोसि B, रोस चव्या C, रोसि चडिउ D J, चव्यउ रोस F K, चडि रोसि G. रिण-रणि B D F, रण C G J. पेरण-पेसर B. मांडइ-मारु B, मांडि C G J, मांडई D, कीधु K. माग-मागइ F. दिवारइ-देवारि B C J, देवारइ D, दिवाक्यउ K.

५५ घडी-घडि D. बिच्यारि-बिच्यार C K, बच्यार G. घणउं em-घणूं B D J, घणुं C, घणं F, घणू G, घणउ K. थोभ्यउं em-थोभ्यूं B, थोभिउं C D J, थोभ्यं F, थोभिउ G, थोभ्यउ K. वावरइ-वावरि B C G, वावस्या K. तुरक-तरक C D G. बचा-बचां D. मूंगल-मुगल C, मुंगल G K. करकटीया-करहटीया D, करिकटीआ F, करकटीआ G J, करकडिया K. ऊपरि-ते ऊपरि J. पव्या-पडि B, पडिउ D, पव्यउ F, पव्यु J. समोह-समह K.

मारी म्लेच्छ पडंतउ दीठउ, रातउ वषाणिउ षानि ।
जयजयकार हूउ सरगापुरि बइसी गयउ विमानि ॥ ५६

धर्खां बांद मुहुडासूं भागूं, गामे घाली लाइ ।
गामि गामि लूसइ लूटायत, द्रूडी धाडां धाइ ॥ ५७

भागा देस काहानम चरोत्तर, बावननइ पेडार ।
गूजरातिनउ पोषरउ भाथउ, अजीय न आवइ पार ॥ ५८

चड्यां कटक दंडाहि दाहोत्तर, धाणधार धंधोलि ।
ऊडी वीवी वाउसू आव्या, पाटणि दीधी पोलि ॥ ५९

दीधां रषत जई दरवाजइ, सज्ज थया झूझार ।
माधव मुहतउ आगलि कीधउ, जाणइ मागनिसार ॥ ६०

---

५६ **मारी**–मारीय B, मारि K. **म्लेच्छ**–मेछ B F G, माल्छ D **पडंतउ**–पडंतु B C D J, पडंतइ F, पडीउतु G. **दीठउ**–दीठु B C. **रातउ**–राउल K. **वषाणिउ**–वषाण्यु B F, वषाणिउ D G, हणियउ K **षानि**–षानिं B, षानि D G K, राई J. **जयजय**–जय २ C D F G J K. **हूउ**–हुउ C K. **सरगापुरि**–स्वर्ग्गापुरि B, सरगापरि C, सरगापूरि G **बइसी**–बिसी B C J, बयसी G **गयउ**–गया B, गयु C G J, गयुं D, गउ F **विमानि**–विमांन D, विमानि G K J

५७ **धर्खां**–धख्या D F, धरीया G, धरी K, धरिया J. **बांद**–बान C D G, बान F, बंद K. **मुहुडासूं** B J–मुडासु C, मुहडीसु D, महडास F, मुहढासु G, मनि सासउ K. **भागूं**–भागु C, भागु D G, भागं F, भागउ K. **गामे**–गांमे D G J. **घाली**–घाती G, लाई J **लाइ**–लाई C, लाहि G, लाय J. **गामि गामि**–गामि २ B C, गमे २ D F, गामो गामि G, गमे गमे J, गामे २ K **लूसइ लूटायत** F–लूसि लूटाइ B, लूटायत लूसि C, लूसिइ लूटाइ D, लूंटि लूटायत G, लूसि लूसडीया J, लूटइ लूटाई K **द्रूडी**–द्रुडा B, दहु दसि C, दह दहि D, दह दसि F, लूंडा G, दह दिसि J **धाडां**–धाडा F K, धाडूं G **धाइ**–धाय F, धाई G.

५८ **देस**–देश J. **काहानम**-काहम C, काहनम D, काहम F, काहान G, कान्हम J, कान्ह K. **चरोत्तर**–चेरोतर B, चाडोत्तर C, चिडोत्तर D F, चडोतर G, चिरोत्तर J **नइ**–नि C D G J, माहि B. **पेडार** बहु मार B, पेडहार D F. **गूजरातिनउ** गूजरातनु B F, गूजरातिनु C D G J, गुजरातनउ K **पोषरउ**-पोषरु B F G J, पोषर D. **भाथउ**–भाठु B, भाठउ C, भाथु D G J. **अजीय**–अजी C K, हजीय D J, हिजीअ F, हजी G. **आवइ** आवि B C J, आविउ G **पार**–हार K Note–I_1 records the variants of the vs in foot-note but omits the vs in the text itself

५९ **चड्यां**–चढ्यां C, चड्या D K J, चड्यं F, चडां G. **दंडाहि**–दंडाह K, डंडाहि B C D G J. **दाहोत्तर**–दाहोतर B G, दहोत्तर D F K **धाणधार**–धाणधार J, धाराधर K. **धंधोलि**-धधालि D, धंधोलइ G, धंधोली K. **वीवी**–षेह C, ववी K. **वाउसू**–वायस B J, वायसू C, वासी D, वावसू F. **आव्या**–आव्यु F. **पाटणि**–पाटण B D G reads as 59b: पाटण ऊपरि करिउ पीआणू दीधी बारि पोलइ.

Note–In D vss 69 & 70 precede vs 59.

६० **दीधां**–दीधा D K. **रषत**–लस्कत D. **जई**–जइं जई F, जइ G. **दरवाजइ**–दरवाजि B C G, दरवाजा J. **सज्ज**–सज D G. **मुहतउ**–महितु B C G F J, महितें D. **कीधउ**–कीधु B C G J, कीधुं D. **जाणइ**–जाणि B C, जांणइ D K, जाणि J. **मागनिसार** em–मागनीसार B D, मारनिसार C, मारनीसार F J, मारपयसार G, मांरगनिसार K.

मेल्यउं नगर रह्या गढ बोभी, साह्रमा तीर विछूटइ ।
माधव भणइ कर्ण जा नासी, कांइ मरइ अणषूटइ ॥ ६१

पाडी थांहि कर्ण राउ नाठउ, पाली जाइ राणी ।
पाए नवी डाभसी पूचइ, रहीय न पीयइ पाणी ॥ ६२

किस्यां रूचफल राउ अवधारउ, राणी मनि संदेह ।
बीलां बोर कइर इंगोरां, माधवनां फल एह ॥ ६३

नाठउ कर्ण पछइ गढ मेल्यउ, भरया लीया भंडार ।
अलूषानि आवी छोडाव्या, वालि तणा लोकार ॥ ६४

एहवी वात हुई नवि होसइ, अणहलपुरह मझारि ।
जीणइ ठामि हूंतां देहरासर, बांगि दीयइ सिलारि ॥ ६५

अलूषानि पाटणगढ मेल्यउ, पूठइ कस्यउं वषाण ।
अलावदीन पातिसाह केरी, तु वरतावी आण ॥ ६६

---

६१ मेल्यउं em–मेल्यउ K, मेलूं B, मेल्युं C, भलइ D, मेल्यं F, मेलिउं G, मेल्यूं J. रह्या–रहउ F K, रहीया G. गढ–रण C, राय D, रणि F J, गढि G. साह्रमा–सांम्रा C, साहमा D, सामा F, साम्हा K. विछूटइ- वछूटि B C G, विछूटि J भणइ–भणि B C G J, भगई F कर्ण–करण C G J. नासी–नाशी D, न्हाशी K. कांइ–कां D, तूं कायि J, कसउ G मरइ–मरि B C G J. अणषूटइ A–अषूटि B J, विणषूटइ C G K, अषूटइ D. Note–Folio 3 in F (from vs 61 iv—vs 86) is missing.

Note—A MS commences from vs 62.

६२ पाडी–पाडीय B थांहि–कोट A G, थाणि B, पोलि C, छीडूं D J. कर्ण–करण A C G J. राउ–रा B G, राय C D J. नाठउ–नाठो B, नाहाठउ J, न्हाठउ K. पाली–पालीऊ C. जाइ–जाय D, जाइं K राणी–रांणी D J पाए नवी–पाए नेऊरी C, पाइ नवी G, पाए J डाभसी -डाभसिलाइं A, डाभक्रम ते J. पूचइ–पूचि B C J, पूछइ G रहीय–रही C D G J K न–नइं D. पीयइ–पीइ A B C J, पीइं D. पाणी–पांणी A D J.

६३ किस्यां–किसा A K, किशा D, कस्यां G, किसां J. रूच–रूंच B J, रूचं G. फल–फल्या D. राउ–राव C, राइ G K. अवधारउ–उधारि B J, अवधारु C, उधारु D, उधारइ G. राणी–रांणी A D J, राणीय C. संदेह–सदेह J. बीलां–बीली G J, बीला K. बोर–बोरि C कइर–कइ A, करण B, अनि C J, अन D. इंगोरां–हीगोरां B, इंगोरा C, इगोरा G, ईंगोरां J, ईंगोरा K. माधवनां माधव A, माधवना D K.

६४ नाठउ नाठु B C. कर्ण–करण B C G J. पछइ–पछि B C G. मेल्यउ–मेलिउ A D G J, मेल्यु B, मेलु C. भरया–भरीया A, भरीयां D, भरिया J. लीया–लूसाइ C, लूस्या G, लीआ J, लिया K. अलूषानि–अलूषांनि A D G J, अलूषांन K. छोडाव्या–छोडव्या G. वालि–वाल्लि A.

६५ एहवी–एहवीय B. वात .G. हुई–हूइ G, न हुई J. नवि–न D I J. होसइ–होसि B C J, हुसि D, कहीइ होसि G, होस्यइं K. अणहलपुरह–अणहिलपुर A, अणहलपुर B, अगहलपुर C D G, अणहिलपुर J. जीणइ–जेणि B D, जीणि C J, जेणइ G, जीणे K. ठामि–ठामि D J. हूंतां em–हुंता A, हतां B C G, हुंतूं D J, हुता K. देहरासर देरासर A K बांगि–बाग B C D G. दीयइ–दीइ A B D G J, देई C. सिलारि–सिलार B, सेलार C D, सेलारि G, सलार J, सिलार K.

६६ अलूषानि–अलूषांनि D G J, अलूषान K. मेल्यउ–मेलिउ A, लीधु B, बीठउं C, दिठउ D, बीठउ G J. पूठइ–पूठि A D J, पूंठि C, पोठि B, पणू G कस्यउं–करइ A, करूं B D, करुं C, करि G J. वषाण–वखाण D J K. पातिसाह em–पातिसाहा K, पातसाह A D G, पातशाह B J, पातसाहज C. तु–त A, तिहां C, सु G, तव K. वरतावी–वतावी G. आण–आण A D G J K.

भणी कटक ऊपड्यां असाउलि, गढ मांहि मेल्हिउं थाणउं ।
गूजराति मांहि गडअडइ, तहीय लगइ तुरकाणउं ॥ ६७
आसाउलि धुलकूं षंभाइति, सूरति नइ रानेर ।
बीजां नगर केतलां कहियइ, कांपइ चांपानेर ॥ ६८
तडीयां नगर सवे धंधोल्यां, दीठां सायरपूर ।
सोनां रूपां अनइ सावटू, काचां लीयां कपूर ॥ ६९
मारइ देस, फिरइ घण फोजइ, अनइ लूस्यइ धान ।
वालइ ढोरधार सपराणा, माणस झालइ बान ॥ ७०
गूजराति मांहि ताषति कीधी, सहूय समेटी लीधउं ।
षाजी सान षान सोमईया भणी पीआणउं दीधउं ॥ ७१

---

६७ **भणी**–भागी C, वली J. **ऊपड्यां**–ऊपडीयां A, ऊपड्यं B **असाउलि**–असाउल्लि A, साहण K. **मांहि**–माहि A, माही G, माहां J **मेल्हिउं**–मेहल्लूं B D, मेहलुं C, मेहल्यु G, मेहलिउं J, ल्यउ K **थाणउं** em–थांणउं A, थाणूं B G J, थाणु C, थांणूं D, थाणु K **गूजराति**–गूजरात A, गूजरात देस B, गूजराति देस C D J, गूजराति देसां G **मांहि**–माहि A B, माहे K **गडअडइ**–गढ जूनुं B, गडअडि C J, गडगडइ D, गढ अडि G, हीलोल्यू I, गडयडइ K. **तहीय लगइ**–तहीं लगि B, तिहीं लगि C, तहीं लगिइ D, तही लगि G, अति कीधू I, तहीअ लगि J, तहि लगइ K. **तुरकाणउं**–तुरकाणूं B J, तरकाणु C, तुरकांणूं D, तरकांणूं G, तुरकाणु K.

६८ **आसाउलि**–असाउलि B C D G J, आसेरनइ K **धुलकूं**–धुलकइ A, धुलकु C G, धुलकुं J, धोल्को K. **षंभाइति**–धंधूकइ A, षंभायत C J, षंभायति D, षंभाइत K. **सूरति** em–षंभाइत A, सुरति B D G, सूरत C J K. **नइ**–...A, नि B C G J, नइं D **रानेर**–रांनेर A J. **बीजां**–बीजा D, जीत्या J **केतलां**–केती संक्षा J. **कहियइ** em–कहियै K, कहीइ A B C G J, कहीइं D. **कांपइ**–कंपइ A, कंपि B J, कांपि C. **चांपानेर**–चंपानेर A, चांपानयर D, चांपानेर G J.

६९ **तडीयां**–तडीआं B G J, तडीया D. **धंधोल्यां**–धंधोला B D, धंधोलियां J. **दीठां**–दीठा G K. **सायरपूर**–सायपूर K. **सोनां रूपां**–सोना रूपा B, सोना रूपा D, सोनो रूपा J, सोना रुपा K. **अनइ**–अनि B C, नइं D, नइ G, रत्न J. **सावटू**–सावटु D G. **काचां लीयां**–कचोलीया B, काचा लीया C, काच लीया D, कांचां लीआं G, काचां लिया K. Note–In D vss 69, 70 precede vs 59, the vs order being 58, 69, 70, 59.

७० **मारइ**–मारि B C G J. **देस**–देश J. **फिरइ**–फिरि B J, फरि C D G. **घण**–रण C. **फोजइ**–फोजइं A C, फोजे B J, फोजि D, फोज G. **अनइ**–अनि B C J, अनइं D G. **लूस्यइ** em–लूस्यइं K, लूसाइ A C, लूसावि B G, लूसाय D, लूंसाइ J. **धान**–धान C D J K. **वालइ**–वालि B, वालि G J, वाजि C. **ढोर**–ढोल C. **धार**–धाइ A, चोर B, थोर G, गोर J, घणु C, थार I_1 (ख), अतिहि K. **सपराणा**–सपरांणा A G K, सपराणां D. **माणस**–अस्त्री J. **झालइ**–झालि B G, झाल्यां C, साहि J. **बान** B C–बांन A D G K, बांनि J.

७१ **गूजराति**–गूजरात A B J, गुजराति K. **मांहि**–माहि A G K. **ताषति कीधी**–आग वरतावी A, तषत न कीधी G. **सहूय**–सहू B C D G J K. i qr in J reads : रुडा रतन बांदि सवि कीधां. **समेटी**–सामेटी C, सांमटी D G, सांमेटी J. **लीधउं**–लीधूं B C G, लीधुं D K, लीधु G. **षाजी**–बाजी A, चढी G. **सान षान** em–षान सान A, सांन षान B, सान षान C D, षांन देव G, षांन सांन J, षांन सान K. **सोमईया**–सोमईआ B C, सोमइआ G. **पीआणउं**–पीयाणू B, पीआणु C, पीयाणुं D, पीआंणू G, पीआणू J, पयांणु K. **दीधउं**–दीधूं B, कीधू C J, कीधउं D, कीधू G, दीधुं K.

सोरठ मांहि मेगलपुर महूआ, वली ऊना नइ दाठा ।
पडी हाक नीसाण ध्रसूक्या, लोक दहोदिसि नाठा ॥ ७२

राषइ जीव दीव मांहि पइठा, वरतइ हालकलोल ।
तुरकां पासि दैव म म पाडिसि, वरि घाले द्रहबोल ॥ ७३

हुई हाक कोलाहल सुणीइ, दीसइ धूम विकराल ।
पडइ बूंबरिण काहल वाजइ, जाणे कोप्यउ काल ॥ ७४

षारिक द्राष नालीयर नीलां, फोफल अनइ षिजूरां ।
वारु वाड सेलडी केरा, वाडीनां केलिहरां ॥ ७५

आदां सूरण नइ पींडालू, वली पोसातां पान ।
कटक मांहि जु ताषति आवइ, कोइ न षाइ धान ॥ ७६

---

७२ मांहि–माहि G, मां J. मेगलपुर–मेलगपुर B G K, मूंगल C, मयगलपुर D, महिगलपुर J. महूआ–महूया B D, परवरीया C. ऊना–अनेरा C, उना D, ऊंना J, ऊनां K. नइ–नि B D G J,...C. दाठा–त्राठा C, डीठा G, डाठा J, दीठा K. पडी–पाडी D. नीसाण–नीसांण D G. ध्रसूक्या–ध्रसूकइ A C, ध्रसूक्यां G. दहोदिसि–दहोदसि B C, दहदिसे D, दहदसि G, दहुदसि J, दहोदस K. नाठा–नांठा K, नाहाठा J.

७३ राषइ A G K–राषि B D J, राष्या C जीव–जिव D. दीव–देव B. मांहि–माहि A G K. पइठा–पिठा B, पिसा C, पयठा D G. वरतइ–वरति B G, वरतिउ C, करता J. हालकलोल–हालकलोल A B C, हालकालोल J, हालकिलोल K तुरकां–तुरक B J, तरक D पासि–वसि C, पांसि K. दैव–देव B K. म म–म B C D G, तुंम J. पाडिसि–पाडिस A, पाडे B, पाडेसि C G, पाडसि D J. वरि–वयरि C, वर K. घाले–घाते G. द्रहबोल–द्रहिबोल B, द्रहबोलि C.

७४ हुई हाक–हुइ हाक A, हईआढक B, हीया द्रगि D, हइ ढगि G, हईया ध्रगि J. सुणीइ–वरतिउ C, सूणीइ G, सुणिई K. दीसइ–दीसई A, दीसि B C G. धूम विकराल–धू विकराल A, धूम वराल B, धूम विराल C D, धुम विराल G, धूंम विराल J, धुम विकराल K. पडइ–पाडि B J, पडि C G, पडे K. बूंबरिण–बूंबरण B C J, बूबरण D G, बुंबरिण K. वाजइ–वाजि B C, वजि J. जाणे–जांणे A G J. कोप्यउ em–कोप्यु B, कुपीउ A J D, पडीउ C, कंपीउ G, कोप्योयउ K. Note-D transposes ii and iv qrs; the order of qrs being i iv iii ii.

७५ षारिक–षारिकि B, षारकि C D, षारेकि G. नालीयर–नालेयर A, नालिकेरां B, नालकेर C, नालीअर G. अनइ–नि B G J. पांन C, नइ D. षिजूरां–षजूर A, षजूरां B, बीजोरां C D G J. वारु–वारु G, वारूं K. वाड–वाडा D, वाल K. केरा–केरां G K. वाडीनां–वांडी A, वाडी मांहि B, वाडीइ C, वाडीना D, वाडीमां J, वाडीनइ K. केलिहरां–वनफल नीलां A, बहु केलां B, नालिकेरां C, केलेहरा D, केलहिरां G.

७६ आदां–आदा C K J, आदू D. नइ–नि B C G J. पींडालू–पिंडालू A, पीडालु G J. पोसातां–पोसाता K. पान–पांन B C D G J. ii qr in C is केता कहुं अभिधान. कटक–कुटंब J. मांहि–माहि A G K, माँहि D. जु–जो B C G, दे K. ताषति–तीषति D, तां षांति G, ताषत K. आवइ–आवई A D, आवि B C G, आविइ J. कोइ–कोय C, केह A. षाइ–षाई K. धान–धांन A D G J.

सोरठ मांहि सहू को नाठउं, भरूआ देस लूसाइ ।
भाजइ नगर अभंग आगिलां, आडइ कोइ न थाइ ॥ ७७

कीधउं सूत्र ऊपडीयां साहण, घण नीसाण वजाव्यां ।
भांजी देस देवकइ पाटणि, दल देपंतां आव्यां ॥ ७८

नगरनिवेसि बारगइ दीधी, नवा सिराचा ऊभ्या ।
घोडा तणी पायगइ दीधी, तरूअरि मयगल थंभ्या ॥ ७९

दीधी पोलि हूउ गढरोहउ, कीधउं घणउं पराण ।
नगर मांहि पोसाता पायक, तेह न मूंकइ माण ॥ ८०

आवी पाखि सइंफलउं मांड्यउं, लीधा चउपट घाउ ।
सोरठीया राउत सपराणा, न दीइ पाछा पाउ ॥ ८१

---

७७ मांहि–माहि A G K. सहू–सहूइ G. को–कोइ K नाठउं–नाठूं B, नाठुं C, नाठवूं D I, नाहाठूं J, नाठउ K. भरूआ–भरीया A, भरीउ D I लूसाइ–लूसाइं K भाजइ–भाजि B C, भागइ D, भांजि J. नगर अभंग–नगर देस D I, अभंग नगर J आगिलां–आगिला A, आगला B, आगला C, आगलीया D, अगिलां G, आगलीआ I. आडइ–आडि B G J, आडो C, आडुं D, आडउ K. थाइ–आवइं A, थाइं C K.

७८ कीधउं–कीधूं B J, कीधुं C K, कीधु G. सूत्र–कूच B C J, सुत्र K, कूंच D, कूछ G. ऊपड्यां–ऊपडीयां A D, ऊपड्या K घण–कटकि A, घण B G, घगा C, घणूं D, घणं K नीसाण–नीसाण D G J, निसांण K. वजाव्यां–वजावां B, वजाव्या K भांजी–भाजि B, भाज्या C D J, भाजीइ G देस–देश J. देवकइ–देवकि B C G J. पाटणि पाटण D. दल–देल D, दाल G, दलि J देपंतां–दीपंतां D I_2, देपंति J. आव्यां–आवइ A, आव्या D

७९ निवेसि–निवेसिं B, निवेस D K, नवेस G, नवेसि J बारगइ–बागइ B I_2, बारगि C, नफेरी J. नवा–आंणी नवा साबाण A, घगा C G. सिराचा–शराचा B J, सराचा C G D ऊभ्या– . A घोडा–घोडां B D K. पायगइ–पाइगि B G, पाइगइ K, पायगि J, बारगि C दीधी–कीधी B D J. तरूअरि–तरूयरि B D, तरुअलि G, वली तरूअरि J, तरूअर K. मयगल–मेगल G, हयवर J, मइगल K थंभ्या–थंभा G, थूभ्या I_2, बंध्या J, बांध्या K.

८० दीधी–दीधीय B. पोलि–पउलि K. हूउ हौउ G, हऊआ J. गढरोहउ–गढरोहु B C D G, गढरोहा J. कीधउं–कीधूं B J, कीधुं C D K, कीधु G I_2 घणउं–घणूं B D J, घणुं C K, घणू G. पराण परीयांण D, पराण C G K J. मांहि–माहि A G, मा D. पोसाता–पोसता K. पायक–पायग G. तेह न–ते नवि A B. मूंकइ–मूंकि B G J, मूकि G, मुंकइ K माण–बाग D, माण G J K

८१ आवी–आवि C. पाखि–पखि D सइंफलउं em–साफलउं A, सूंफलूं B, सींफलुं C, सिइंफलउं D, सइफलूं G, सिंफलुं G, सइफलउ K. मांड्यउं em–मांड्यउ K, माडिउ A J, माड्यूं B, कीधुं C, कीधूं D, मांडिउ G. लीधा–कीधा A, आव्या G, लीधउ K. चउपट–चुपट B C G J, चउपटि K. घाउ–घाय C D G. सोरठीया–सोरठीयाठीया A, (a mislection), सोरठीआ B C G, सोरठिआ K. सपराणा–सपराणा A D G K. न दीइ–न दि ति B, न देइ C, न दीय D, न दि ते G, न दीई K. पाछा–पाछउ A, पाउ–पाय C D G J,

वाळा वाजा अनइ जेठूआ, चूडासमा मेळावइ ।
असपतिसेनसुमद्र ऊलटीयां, ऊपरि चांपी आवइ ॥ ८२

कटक मांहि हाथी पाषरीया, पटा दंतूसळि घाल्या ।
वीटिउं नगर तुरी हणहणीया, पोळि पाधरा चाल्या ॥ ८३

पाद्रि थिका ऊसरीया राउत, कांई न लाधउ लाग ।
दीधी पोळि फारकि चडीया, म्लेछइ मेल्हाउ माग ॥ ८४

असण ऊलळ्यां ढोल ध्रसूक्या, थरहर धरणी कांपी ।
कस्युं पराण ऊडव्या हाथी, तुरक चड्या गड चांपी ॥ ८५

वरती भेल देवकइ पाटणि, पाड्या पोळि पगार ।
नगर मांहि जु लंका लूसइ, षान तणा असवार ॥ ८६

---

८२ वाळा वाजा अनइ जेठूआ–वाजि वाजां अनि जुद हूयां B, वाल्या वाज अनि जेठूआ C, वाला वाजइ अनइ जेठ्या D, वाला वाजा अनि जेठुआ G, बाला वाघा नि जेठूया J, वाली वाग तुरक तुरंगम K. चूडासमा मेळावइ–सुहड सूंथ्या मेलावि B, आव्या समि मेलावि C, चूडासमा से आवइ D I, चुडासमा मेलावि G, चूडासमा मेलावि J, सबल सेन तिहां धाया K. असपति–असुपति C. सुमद्र A K–समुद्र B C D G, समूद्र J. ऊलटीयां–ऊलटीउं B J, ऊलटिउं C D, ऊलटउ G, ऊलटिआ K. ऊपरि–उपरि K. चांपी–चंपि B, चांपइ G, चांपिउं J. आवइ em–आवइं A, आवि B C G, जावइ D I, आविइ J, आया K.

८३ मांहि–माहि A F G K. पाषरीया–पाषरीआ G J K. दंतूसळि–दंतूसल G K. घाल्या–घाल्यां J. वीटिउं–वीटीउ A, वीव्युं B, वींटउं D, वीटउं E, वीठो K. नगर–नयर C. तुरी हणहणीया–पाषरी तुरीया B, तरी हणहणीया E, तूरी हणहणीआ G. पोळि–पोळिइ D, पोलिं G. पाधरा–पाधर K. चाल्या–चालिया E.
Note: E MS commences from vs 83 b.

८४ पाद्रि थिका–पाद्रकां A, पाद्र थका B C G, पाद्र थकी D, पाद्रि थका K. ऊसरीया–ऊसरिआ A, उसरीया B, ऊसरा C, उसरीआ G, उसरिया J K. राउत–रावत J K. कांई–किहिं C, कांइ D K, काइ G. लाधउ–लाधु B C D G J. फारकि em–फारकी B C D E, फारकी A, फारक G, फेरकी J, फारके K. चडीया–चडीआ A G, चडीआं B, चडीया C, चडिया K. म्लेछइ–म्लेछा A, मेछां B, मळेछे C, मलेछ D, म्लेछे E, मेछ G, म्लेछे J. मेल्हाउ–मेलिउ A, मेहलु B, मेहलिउ C E J, महल्यावी D, मेहल्यु G. माग–पाग C.

८५ असण–असन B, असुर C, कटक D J, असणि E, आसणि K. ऊलळ्यां–ऊलटइ A, ऊलटी B G, ऊलटीआ C, ऊलटे E K, ऊलटीया J. ध्रसूक्या–ध्रासकइ A, ध्रसूकि B C, ध्रसूके E, ध्रसुकि G, ध्रसूक्यां J. धरणी–धरती C D J K. कांपी–कंपइ A, कंपि B, कांपइ E. कस्युं–करी A, करिउं B E G, कस्या D, कीउं J. पराण–प्रांण C E, परांण G J K. ऊडव्या–उडव्या A C D E K, उठव्या B, अडाव्या J. तुरक–तरक E, तूरक G. चड्या–चडीया A, चड्या B C, चडिया E. गड–गडि A.

८६ वरती–फरती G. भेल–भीलि B, भेलि C G J. देवकइ–देवकि B C G J. पाड्या–पाडीया A, पाडी B, पाडि C, पड्यां J. पगार–पागार A. मांहि–माहि A E G. जु–जो C, ज्यू D, जब E,...J. लंका–लंका B. लूसइ–लूसाइ A D J, लूसि B C G, लूसइं K. षान–षांन B D E G J K. तणा–तणां D.

देव तणइ प्रासादि चिहुं दिसि राउति दीधा हाथ ।
करी स्नांन धरी सिरि तुलसी, सरण करउ सोमनाथ ॥ ८७

देव तणा मढवइ चउरासी, तेह पडाउ थाइ ।
वाजी ह्राक ऊडव्या हाथी, आव्या चउपट घाइ ॥ ८८

रणि वाउला दोट ऊछीना, वालति साहमा चाल्या ।
करकटीया हबसी पाषलि फेरी कुंडइ घाल्या ॥ ८९

रोसाला राउत रणि सूंझ्या, नडी नाद ऊतारयउ ।
अनरथ तणउ मूल जे हूंतउ माधव मुहतउ मारयउ ॥ ९०

किम्र गोहर सांई दिवराइ, अंगि एतली आहि ।
मारी म्लेछ मांकडा मूंगल, पछइ पड्या रिण माहि ॥ ९१

---

८७ F MS commences again from vs 87 तणइ-तणा A, तणि B C G J, तणई K. प्रासादिं-प्रासाद A, प्रसादि C, प्रासादिं E, प्रासदि K चिहुं दिसि A B J K-चिहूं पषि C, चिहु दसि D, चिहु सइं E, चिहंसइ F, चिहोसइ G राउति-राउते A C J, राउत D K. दीधा-दीधउ D E F, दीधु J, दीधो K. स्नांन-सनान B, स्नांन C, असनान F. धरी-सिरि J. सिरि-कंठि B, सिरि C, सरि D G, शर F, धरी J, सिर K. तुलसी-तलसि D, तलसी E. सरण-सरणि A D F G, शरणि B, शरण J. करउ-कीध A C J, करु B, करिउ D E G

८८ तणा-तणि C, तणे D J. मढवइ em-मढवी A B C F, सढवइ D, मढवे E, मुढवइ G, मंडपि J, मढया K. चउरासी-चुरासी B C D E F G J. तेह-तेहू A E G, तेहे C, तिहां J, ते K. पडाउ-पडीउ A C, पडाऊ B D F, ऊभा E, पड्याउ G, उपर ग्या K. थाइ-घाउ A, हाथ C K, थाइ D, थांई E. वाजी-वागी J. हाक-ढाक G. ऊडव्या-उडव्या A B C D E G J K आव्या-आव्य K चउपट-चउपटि A, चुपट B C D E F G J. घाइ-घाउ A J, घाव C D F G, घाइं E, हाथ K.

८९ रणि-रण G, रिणि K. वाउला-राउत A, राउल K दोट-देषि A, दोटि B, दोट C D J. ऊछीना-ऊछीना C D, ऊछीबी G, ऊछीना K. वालति-राउत A C, वलति B, चालति D, वालत F G, असपति J, वाजित्र K साहमा-साम्हा A K, साहामा B, साह्मा C F, साहमां G. चाल्या-वाल्या B, चालि C, चालइ D, कल्या E, चालां G, चांल्या K. करकटीया-करकटीए A, करिकटीए F, करकटीइ G, करकटीआ J. हबसी पाषलि-मूगल करि हबसी A, तां पाषलि फेरी B, हबसी पाषरीया C J, हबसी पाषरीए D, हाबसी पाषरे E, हाबसीए पाषलि F, हबसी पाषरा G, हबसीए पाषलि K फेरी कुंडइ-पाषलि फेरी A, हबसी कूंडि B, फेरी कुंडि C J, फेरी कंडूं E, फेरी कुंजर G. घाल्या-घाल्यां A, घालि C, घालइ D, वाल्या E.

९० राउत-राउल C, राउत्त E, राउत राउत G. रणि-रिण A K. सूंझ्या-सूझ्यां A, सूझ्या B, झुझ्या D F G, सूरा C, झुंझ्या J K नडी-नांगि B, नडि D नाद-नादि E. ऊतारयउ-ऊतार्यां A, ऊतारयु B, ऊतारिउ C, ऊतारिउं D, ऊतार्या G, ऊतारिया J, ऊतार्यो K. अनरथ-अनथ A, अनर्थ B. तणउ-...B, तणु C F, तणु D, तणूं E J, तणू G. मूल-मुल D. जे हूंतउ-जे हुंतउ A, बीजि दीहि जाणे B, जे कहीइं C D, बीजइ दी E, जे कहीइ F, बीजि दी G, जे हूंतु J. मुहतउ-महितु B C G J, मुहतु D, महिंतु E, महंतु F. मारयउ-मारिउ A C D E G J, मारु B, मार्यु F.

९१ किम्र-हवि किम्म J गोहर-गोहरि C E, को पिरि D, गोह F, गोइ रइ G, कटक J. सांई-साई D F J, सीह C, सांइ G. दिवराइ A-देवराइ B D G J, लेवाइ C, देवराईं E, दिवराव F. i qr in K is : अवरु सोरठिया सुभट संनाह्या. अंगि-अंगिगि G, पणि अंगि J, अंग K. एतली-एटली C, एतलि D. आहि-आंहि A C, आहि D, आंइ G. म्लेछ-मलेछ A C D, मेछ B F G J. मांकडा-मांकडी D, मांकडां F. मूंगल-मुंगल G K. पछइ-पछि B C G J. पड्या-पडीया A D, पडिउ C, रह्या D. रिण माहि-रण माहि B C J, रण माहे D, रण माहि E G, रणि माहि F.

जे पद नहीं ज्याग नइ तीरथि, घणइ दानि त्रैलोकि ।
सोमनाथनी चाडि मरंता, ते पुहुता सुरलोकि ॥ ९२
पडी मेल प्रासाद देवनइ, भांगां कूंची तालां ।
हलहल करी पोळि मांहि पइठा, लीयां ढोल कंसालां ॥ ९३
इंडे चड्या असुर आरहिडा, वेगि वावरइ घाण ।
पासा तणी पूतली भांजइ, भूमि पडइ पाहाण ॥ ९४
सांधिइ सांधि जूजूई कीधी, थर पाडेवा लागा ।
ऊपरि थिका हाथीया घोडा, घण तणे घाए भागा ॥ ९५
परठइ सांमि लागि लोहडानी, प्राण करेवा लागइ ।
हलहल करी विहुं पखि विलगइ, मोटी मूरति भांजइ ॥ ९६

---

९२ जे–ये A. पद–पदि F, फल J. नहीं–हुइ C, नही हूया D, नही F G J K. ज्याग नइ–याग नइ A, याग नि B C G, यीगा नइ D, यागनइं E, यागि नइ F, अठसठे J. तीरथि–तीरथ A B C D J, तीरथि E, तीरथइ G. घणइ–घणे A D G, घणि B, घणा C, हेम J. दानि–दान C K, दनि D, दानि G, रतन J. त्रैलोकि–त्रैलोक्यि B, त्रीलोकि D G, बे मूंठि J, त्रिलोकि K. चाडि–चाडिं B, चाडिइं D, चाडइ E, चाड F K. मरंता–मरंतां A, मरतां B C D, मरता E G. iii qr in J. देवकार्य देह एष. ते पुहुता–ते A, ते पोहोता B, ते पुहता C D G, तेह पुहता F, पुहुता ते J, ते पहुता K. सुरलोकि–सुरलोके A, परलोकि F, सरलोकि G, वैकुंठ J.

९३ पडी–पडीअ F. मेल–मीडि B, मेलि C J. प्रासाद–प्रासादि C B, प्राशाद K. देवनइ–देवनई A D E, देवनि B C G J. भांगां–भागां B C D E G, भागा J. कूंची–कूची B K, कुंची C D J, भोगल G. तालां–ताला D F J. हलहल–हलहल A, हल २ C D E K. करी–करि D, की G. मांहि–माहि A F, माहिइ E, मा G. पइठा–पिठा B C G, पयठा D. लीयां–लीया A D J, ल्या E, लीआ F, लीआं G. ढोल–ढोल E. कंसालां–कंसाल D J, कंसाला F.

९४ इंडे–...A, हीडि B, इंडे C E, इंडि D J, इंडे F, इडे G. चड्या–चडीआ A, चडी C. असुर–असुर G. आरहिडा–सवे आरडी A, आरोहज्या C, आरहडा D E F, आरहिड्या G, आरहिडां J. वेगि–वेगिं E. वावरइ–वावरि B C G J. घाण–घण C D, घणी E, घुंण F, घांण G K. पासा–प्रासाद C, पास D, पासां E, पोहण K. पूतली–पूंतली A. भांजइ–भांजीजइ A, भांजी B, भांजि C J, भागी E, भाजइ G, भांजई K. भूमि–भूंमि A, भूमि C, भूमइ K. पडइ–पडि B C J, पाडइ E, पडा G. पाहाण–पाषाण A B F J, पाहांण C, पाहण E, ते पाहाण G.

९५ सांधिइ सांधि–सांधिइ साधि A, संधि संधि B J, सांधि २ C K, सांधि २ D, सांधिइं सांधि E, सांधि सांधि F G. जूजूई–जूजूइ G, जुजूई K. थर–तरक E. पाडेवा–पाडवा D. थिका–थकां A F, थका C K, थया G. हाथीया घोडा–हाथीया घोडां A, ते घोडा हाथी C, जे हाथी घोडा D J, हाथीआ घोडां F, हाथीआ घोडा G, हाथी नै घोडा K. घण–घणइ F K. तणे–तणां F, तणि K. घाए–घाइ A E F G, घाय D, पाए J.

९६ परठइ–परठि B G J, परठी C, तकि परठइ D, प्ररठइ तकी K. सांमि–[illegible] K. [illegible]–[illegible] C,... D E, [illegible] F, [illegible] J. लोहडानी–लोहडी C J, लोहडानी G, लोहडी K. प्राण–प्रांण D E J, [illegible] F, प्रण G. लागइ A J–लागी B C, लागइं D, लागा E F G K. हलहल–[illegible] B, [illegible] E, [illegible] २ F, [illegible] G K. करी–कर E, करि D. विहुं–विहुं E, विहं F, बिहो G. पखि–परि A, [illegible] E, [illegible] C, [illegible] K. विलगइ–[illegible] B G, [illegible] C, [illegible] D E F. iii qr in J : [illegible] २ [illegible] [illegible] [illegible]. मोटी–[illegible] E F. भांजइ–भांजई A, भांजी B C, भांजइ F, भांजि J, भाजइ K.

विरुई वात वरतेवा लागी, कलियुग करइ विलास ।
पृथवी तणउं पीठ मेल्हीनइ, देव गया कविलास ॥ ९७

अलूखानि एहवुं फुरमायूं, मढ रहावउ सूनउ ।
ढीली भणी भूत चलावउ, तिहां करेस्युं चूनउ ॥ ९८

लोहडइ जडी फरक नइ रहिकल, वली अणाव्यां गाडां ।
सोमनाथनउं लिंग चडाव्यउं, आणी ऊडव्यां आडां ॥ ९९

काला भूंछ तेडीया भोई, गाडे लिंग चडाव्यउं ।
आगलि घणी जोतरी त्रीयल, ढीली भणी चलाव्यउं ॥ १००

---

९७ विरुई–विरुइ G, विरुई J. वरतेवा–वरतवा C D E G J K, वरितवा F. कलियुग–कुलयुग C D, कलयुगि J. करइ–करि B C J, करिउ G. विलास–विलासे C, कलास G. पृथवी–प्रथ्वी B F J, पृथ्वी C K, प्रथवी D E G. तणउं–तणूं B D E G J, तणु C F, तणउ K. पीठ–पीठुं C. मेल्हीनइ A F K–मेहलीनि B C J, मेहलीनइ D E, मेहलीनई G. देव गया–देवि लीउ B, देव गयु C, देवउल E, देव गउ F, दैव लीउ G, देव हवा J. कविलास–कैलास B D F G, कैलासे C, किवलास E, निरास J. J interpolates the foll vs after vs 97:
सोरठमां सेत्रुज गिरि मोटु महिमा अति पराणु । घणूं प्रांण असुरे तिहां कीधूं पणि किमहि न लेवाणु ॥

९८ अलूखानि–अलूषांनि D J, अलूषांनि E, अलूअलूअषानि F, अलूषांन G K. एहवुं–एहवउं A E, एहवूं B J, एहवं F. फुरमायूं–फुरमाउं A, फरमायुं C D G, फरमायूं E J, फरमायु F, फुरमायुं K. मढ–गढ A, मठ D J. रहावउ–हूउ हिव A, रहावु B D, रहावुं C G, रहाविउ E, रहाव्यु J. सूनउ–सूंनउ A E, सूनु B C D F J, सुंनु G. ढीली–ढिल्ली C, ढिली K. चलावउ–चलाउं A D, चलावु B F, चलावुं C G. iii qr in J is: सोमनाथ ढीलीयु चलावु. करेस्युं–करेसूं A B, करेसुं C, करेसिउं D E, करेस्यं F, करेसु G, करेसि J. चूनउ–चूनु B G J, चुनु C D.

९९ लोहडइ–लोहइ A, लोहडा B, लोडे C, लोहडे E, लोहडि G J. जडी–तणी B, जडि G, जड्या K. फरक–फिर A, फारक C K, फरकइ D, फलक I. नइ रहिकल–नइ त्रीयल A, अणावी B, नि रहिकल C J, रहकलि D, नई रहकल E. वली–वलि D. अणाव्यां–आव्या A, अणाव्या C F J, अणावु D I, आणाव्यां K. गाडां–गाडा C D F, गांडां G. सोमनाथनउं–सोमनाथनुं B C D F G, सोमनाथ E, सोमनाथनूं J, सोमनाथनउ K. लिंग–ल्यंग G. चडाव्यउं om–चलवउ A, चलावु B, चडाविउं C, चडावउं D, चलाविउं E, चालिवा F, चडावी G J, चडाव्यउ K. आणी–आंणी E G J, आणि K. ऊडव्यां–ऊभव्यां A, उंडा B, ऊडव्या D F, उडव्यां C G, उव्यां J, उडव्यं K. आडां–गाडां A, आडा D F, गाडं K.

१०० काला–काल E. भूंछ–भूछ C F G, भूत J, भीच K. तेडीया भोई–तेडीआ भोई B F, भोई तेडाव्या C, तेडीआ भोइ G, तेडीआं भोई J. गाडे–पाडे B, गांडे G. लिंग–ल्यंग G, लिग J. चडाव्यउं–चलावुं B, चडाविउं C E, चडावउ D, चलाव्यु F G, चडावु J, चडाव्याउ K. आगलि–रहिकल आगलि A, आगल K. घणी–घणा A, घणि B, आणी C, घणां J. जोतरी त्रीयल–जोतरी तरीयल B, तरीयल जोतरी C, जोतरी त्रयल F, जोतरी त्रीअल G, वृषभ जोतरीनि J, जोतरी त्रीअलि K. ढीली–ढीली C, ढीलीय F, ढिलि K. चलाव्यउं om–चलाविउं A, चलाव्यूं B, चलाव्युं C, चलावुं D, चलाविउ E, चलाव्यु F G, चलावु J, चलाव्यउ K.

आगइ रुद्र भणइ कोपानलि, दैत्य सवे तइं बाल्या ।
तइं पृथ्वी मांहि पुण्य वरताव्यां, देवलोकि भय टाल्या ॥ १०१
तइं बालिउ काम त्रिपुर विध्वंसिउ, पवनवेगि जिम तूल ।
पद्मनाभ पूछइ सोमईया, केथूं कस्यउं त्रिसूल ॥ १०२
बाल्यां गाम देस ऊजाड्या, घणां नगर विध्वंस्यां ।
सोरठ मांहि कोलाहल कीधउ, लोक तणां धन लूस्यां ॥ १०३
साहिया लोक बंभ नइ बालक, नारी वर्ण अढार ।
आले बाध्रे हालरां कीधां, बान न लाभइ पार ॥ १०४
बंदीपानुं साथि चलाव्युं, तुरक कस्या तसलीम ।
वाजी सान षान ऊतरीउ सोरठीयानी सीम ॥ १०५

---

१०१ आगइ-आगि B C G J. **रुद्र**-रुद्रि A F, रहिउ C, रौद्र D, रोद्रि J. **भणइ**-भणि B G J, भणु C, भणु E. **कोपानलि**-कोपानल D, कोपांनलि G. **दैत्य**-दैत E K. **सवे**-वंस A, शवे F. **तइं**-तइ A F K, तें B, तिं C J, तिई D, तिइ G. **बाल्या**-बाला B. **तइं**-तइ A F K, तिं B J,...C, तिई D, तिइ G. **पृथ्वी**-परथवी A, प्रथवि D, प्रथवी E G, प्रथ्वी F, प्रथिवी J. **मांहि**-माहि A E F G K. **पुण्य**-पुंण्य A, पुन्य G K. **वरताव्यां**-वर्त्तावां B, वरताव्या C, वरताविउं D E, वरताव्युं F. **देवलोकि**-दैवलोकि D, देवलोक G. **भय**-भइ K. **टाल्या**-टालीया A.

१०२ तइं-तइ A F K, तिं B C, ति D G J. **बालिउ**-बाल्यु B F, बलउ D, बलि J. **काम त्रिपुर**-त्रिपुर काम A, काक त्रिपुर D, कंस त्रिपुरि E, कामि त्रिपुर J. **विध्वंसिउ**-विध्वंसु B, विध्वंस्यु E, विध्वंस्यउ F K, विध्वसिउं G. **पवनवेगि जिम तूल**-दीसउ गति सूरि C, वचनवेगि जिम तूल D, पवनवेगि जिम तुल G, पवनवेग जिम तूल K. **पद्मनाभ**-पदमनाभ A C D G J, पद्मनाभि K. **पूछइ**-पूछिइ B, पूछि C J, भणइ F. **सोमईया**-सोमईआ B C F K,...E, सोमइआ G. **केथूं**-केथउं A D, केथू B G, केथुं C, केठे E, केथु K. **कस्यउं**-करिउं A, गयूं B G J, गयुं C, करुं D, करूं E, कर्युं F. **त्रिसूल**-त्रिसूत्र A, त्रिशूल B D F J, त्रसूल C.

१०३ बाल्यां-बाल्या A, बालां D, बाला F, ब्यल्या K. **गाम देस**-देस नगर A, गांम देस D G, नगर गांम E, गाम नगर देस F, गांम देश J. **ऊजाड्या**-ऊजाडीया A, ऊजाडिउ C D G, ऊजाड्यां E, उजाड्यु J, ऊजाड्यां K. **घणां**-घणा D, घण F. **नगर**-देस A, गाम B, नयर J K. **विध्वंस्यां**-विध्वंस्या A, विध्वंसां B, विध्वंसा D, विध्वंस्या F, विध्वंशां J. **मांहि**-माहि E F G K. **कोलाहल कीधउ**-कीधउ कोलाहल A, कीधु कोलाहल B, कोलाहल वरतिउ C, हालाहल कीधउ D, होलाहल कीधउ E, कीधुं होलाहं F, कीधु होलाहो G, होऊ हालकाल्लोल J. **तणां**-तणा A. **लूस्यां**-लूशां D, लझ्या F.

१०४ साहिया-स्याहीया A, साह्या B F J K, साह्यां C D, साहामा G. **लोक**-बांन C. **बंभ**-बभ G. **नइ**-नि B G J, नई E. **बालक**-बालिक J. **वर्ण**-वरण B C D. **बाध्रे**-बाध्र E, बाध्रि F G, बाधे K. **हालरां**-हालर C, हाल्सं E, हालरा F, बांध्यां J. **कीधां**-बांध्यां F, हालर J. **बान**-बांन A C G K, बांद B, बंदि J. **लाभइ**-लाभि B C J. **पार**-पान A.

१०५ बंदीपानुं-बंदीपांनुं A, बंदीपानूं D, बंदीपांणउं E, बंदीपानं F, बंदीपां G, बंदीपानूं J. **साथि**-साथ K. **चलाव्युं**-चलाविउं C D E, चलाव्यं F, चलावु G, चलाव्यूं J, चलाव्यु K. **तुरक**-तुरके C, तरक E J, तूरक G. **कस्या**-करा G, कर्यां K. **तसलीम**-तसलीमा D. **सान**-सांन A B G J K. **षान**-षांन A D E G J K, षान B. **ऊतरीउ**-ऊतरीया A B, ऊतरीआ F, ऊतरियाउ K. **सोरठीयानी**-सोरठीआनी C F G J. **सीम**-सींम B.

वाइ वाउ वेडि वय वालइ, तेह प्रति स्यूं करीइ।
तिणि परि तुरक तरवआ आवइ, कहउ किहां ऊगरीइ॥ १०६

जूनउ गढ गिरनार वुलीउ, काछ तणी भूइं चांपी।
कांथगेहडी अनइ पारकर, ठट्ठूं थरहर कांपि॥ १०७

अलूषानि आपणपूं दीठउं, कीधउ गर्व अपार।
वाट पाधरी मारू वांका, नावइ चींति लगार॥ १०८

आगइ पातिसाह अवगणीउ, कान्हडि वाट न आपी।
ते रोस हीया मांहि आणी, लेस्यूं सोनगिरि चांपी॥ १०९

---

१०६ वाइ वाउ–वाइ वाय A, वाउ वाइ B, वाजि वाय C, वइ वाउ E, वायु वाउ F, वाई वाउ K. वेडि–वेडिइ A, वडि E, वेडि वेडि G. वालइ–लागि B, वालि C J, वलइ G. तेह प्रति–तिहां प्रति C, तेह प्रतिं E, तेह प्रतइ K. स्यूं करीइ–सूं करीइ B E, सुं कहीइ C, सिउं करिइं D, स्यं करीइ F, सुं करीइ G, सूं कराइ J, सुं करियइ K. तिणि परि em–तीणइ परइ A, तेणी परिं B, तेणी परि C G, तिणिं परि D, तीणी परि E, तिण परि F, तिणी परि I, तीणि पुरि J, तीणी परइ K. तुरक–...B, तरक E. तरवआ–तरवरीया A G, तरवरी B, तुरवरी F, चरी G, तरवरीआ J, तरवरिया K. आवइ–आरइ A, आवि B, आवइं E,...C J K. कहउ किहां–कहुं किहां A, कहु किहां B D E, कहु किम तिहा C, कहु केम F, कहु किहां G, कुहु किहां J. ऊगरीइ–ऊगरियइ K.

१०७ जूनउ–जूनु B C D F G J, जूंनउ E, जुनउ K. गिरनार–गिरनारि A J, गिरिनार D E, गरिनारि G. वुलीउ–वालीउ C, सेत्रुंजु G, वउलियउ K. काछ–कछ B K, काच D I, काठी J. भूइं–भुइ A, भुअें B, भूमि C, भुंइं D J, भूइ F K. चांपी–चंपि B, चांपि C J, चांपइ D E, चंपइ F, चांपीं K. कांथगेहडी–कांथगहेडी A, कंथकोट गेहडी C, कंथागहडी D, काछगहडी E, कांथकेहडी F, काथरगेहडी G, काथगेहडी J. अनइ–अनि B,...C, अनइं E, नि G J. ठट्ठूं–थट्टूं A, ठट्ठुं C, ठट्ठू D, ठाट्टूं E, ठाठं F, ठठंउ G, ठट्ठु J. कांपि–कांपइ A, कंपि B J, कांपइ E, कंपइ F, बीहकि कापि G. K reads as 107 b: अवर देस केतला कहियइ सीरोही ते कांपी.

१०८ अलूषानि–आलूषानि A, अलूषांन B G K, अलुषांन D, अलूषानिं E, अलखभषानि F, अलूषांनि J. आपणपूं–आंपणपउं A, आपोपु C, आपणपुं D F K, आपणपु G. दीठउं–दीठउ A G, दीठूं B E, दीठउं D, दीठुं K. कीधउ–कीधु B C F G J, कीधुं D K. गर्व–गरव D J. मारू–मारु C G, मारम E, मोरु J. वांका–वाकां F, वांकां K. नावइ–नावि B C G J, नाव D, नापइ K. चींति–प्रीति A, चित्त C, चीत D J, चिंतइ F, चांत G, वाट K. लगार–लकार A, लिगार K.

१०९ आगइ–आंगइ A, आगि B G J, आगि एक C. पातिसाह–पातसाह A C D F, पातशाह B J, पातस्याह E, पातसाहा G. अवगणीउ–अवगुणीउ B C F J, अवगणिउ K. कान्हडि वाट–कांन्हडि वाट A J, काहानदि B, वाट कांहनडदे D, काहांनड वाट G, कांन्हड वाट K. न आपी–नापी D. ते–तेह D F J. रोस–रोह G, रीस K. हीया–हईआ B, हैया C, हीआ D F K, हईया E J, हइआ G. मांहि–माहि A E F G K, मांहिं D. आणी–आणु B F, आंणी D K, आणिउ E G J. लेस्यूं–लेसुं A, लेउं C, लिउं D, लेसिइ E, लुस स F, ल्योस G, लेवां J, ल्युं K. सोनगिरि–सोनगिर A C G, सोनिगिरि B, सोनिगिरि F, सोनिगिर K. चांपी–चांपि D.

अलूखानि एहवूं नवि जाण्युं, जे लागेस्यइ पाप।
दरि दरि नवि गोह प्रगटइ, किहां नीसरइ साप ॥ ११०

तीन्हा तेजी तुरक तारवइ, बिरद आपणां बोलइ।
वरगां बोल नीसाण ध्रसूकइ, डगमग डूंगर डोलइ ॥ १११

मारूआडि मांहि कटक पुहूतां, भली जाइगइ लीधी।
महल मांहि बइसीनइ मोटे मलिकि मसूरति कीधी ॥ ११२

करी मंत्र जालहुर कान्हड भणी प्रधान चलाव्यउ।
इसुं कहाव्युं–मांटी थाजे, अलूखान गढि आव्यउ ॥ ११३

---

११० अलूखानि–अलूखानि B, अलूषांनि D J, अलूषांनि E, अलूअषानि F, अलूषांन G K. एहवूं–एहवं A, एहवुं C D G K, एहवं F. नवि–न C. जाण्युं–जाण्यूं B, जाणिउं C, जांणिउं D E, जाण्यं F, जांणुंउं G, जांण्यु K. जे–जेइ A, गइ B. लागेस्यइ–लागेसइं A, लागसि B G, लागां छि C, लागां छइ D, लागेस्यइ F, लागेसि J. दरि दरि–दर दरि B, दरि २ C D G J, दरिइं दरिइं E, दरिइ दरिइ F, दर २ K. नवि गोह–गोह न B, गोहज किम C, सोह नवि G, नवि गोहज J, गोह कहीं नवि K. प्रगटइ–प्रगटि B C J, प्रगवि G. किहां–कही B G, किहिक C, किही D, किहांइ F. नीसरइ–नींसरि B, नीसरि C, नसरि G, नीसरसि J, नीसरस्यइ K.

१११ तीन्हा–तीना B D G, तीनां E, तीषां J. तेजी–ताजी A, तुरी C J K, तीर D, तरीय E. तुरक–तरक C E, तूरक G. तारवइ–वावरइ ए A, तारवि B C D J. बिरद–बिरुद J. आपणां–आपणी B, आपणूं D, आपणा F J K बोलइ–बोलि B C J, बोलइं D, बोलावइ E. वरगां–वगगां B C, वरंगां E J, वरगा F, वगगां G, वरगू K. नीसाण–नीसांण D E G, नींसांण K. ध्रसूकइ–ध्रसूक्या A, ध्रसूकि B C J, ध्रसूकि D G, ध्रसूके F. डगमग–टगमग B D E G, डिगमिग K. डूंगर–डूगर F G, डुंगर K. डोलइ–डोलि B C D G J.

११२ मारूआडि–मारुयाडि A B E, मारुआडि C G J. मांहि–माहि A E F G, मांहिं B, ते J. पुहूतां–पहूतां B J, पुहतां C D, पहुतां E, पहूता F, पहोतां G, पहुता K. जाइगइ–जाइगिइ B, जाइगि C, जायगइ D F, जायगि J, जाइग G, जाइगय K. महल मांहि–मुहोल मांहि B, माहोमाहि C, मुहल मांहिइ D, माहोमाहि E, माहलि मुहलि F, महल माहि G, महुल मांहि K. बइसीनइ–बिसीनि B J, बिसीनइ C, बेसिनइं D, बइसीनइं E, बइसी F, बिसेनि G, बयसीनइ K. मोटे–मोटेरे F. मलिकि–इसी A, मलिके C, मलकि D, मलिक E F K, गलिक G. मसूरति–विमासण A, ममतनि G.

११३ करी–करि D, करीय F, करीय K. मंत्र–मसूरति B C F. जालहुर–राउल A, जालहुरि B J, आल्लेरा C, जलहुरल्यां E, भणी F, जालहरी G, आल्लेरउ K. कान्हड–कांन्हडदे A, कानड D, कांन्हड E K, कान्हडदे F, कांनहड G, कानडदे J. भणी–भणीय A E F. प्रधान चलाव्यउ–प्रधान चलावइं A, चलाव्या B, मंत्रिप्रधान चलाव्यो C, प्रधांन चलाविउ D E, प्रधानमंत्रि चलाव्यु F, प्रधान चलाव्यु G, प्रधांन चलाव्या J, प्रियांण चलाव्याउ K. इसुं–...A, अस्यूं B, असुं C, असि D, असिउं E, इसां F, अम G, इसां J. कहाव्युं–कहाविउं छिप A, कहावुं B, कहाविउं C E, कहावी D, कहाव्यं F, कहाव्यूं J. मांटी–माटी F. थाजे–थाज्यो A, थाये C, थायो D, थाइ G. अलूखान–अलूखांन D E G, अलूअ F, अलूखानि J. गढि–गढ D K G. आव्यउ–आव्या B J, आव्यु C F, आविउ D E, आव्युं G.

माहरा दल साहमूं कुण मांडइ, देषि हमारी वात ।
आणी मुहिम देस बि जीता, सोरठ नइ गूजरात ॥ ११४

कीधा बंदि भूत मि तेरा, करी सजाई आवे ।
मांटी हुइ तउ घांटु बांधे, सोमनाथ मेहलावे ॥ ११५

लेई मेटि कइ मिलवा आवे, कइ पुरुषारथ दाषे ।
कइ ताहरूं भलपण जाणीसिइ घर आपणपूं राषे ॥ ११६

तिणि दिवसि हूउं सुपनंतर, हूंतइ प्रगट विहाणइ ।
पधारीयां गंगा नइ गौरी, कान्हडदे इम जाणइ ॥ ११७

पूछइ वात – राज कुणि दीधउं ? कान्ह भणइ–ईसानि ।
गौरी भणइ – ताहरउ स्वामी तुरके ग्रहीउ बानि ॥ ११८

---

११४ माहरा–महारा B, माहरां F, माहारा G. दल–देस J साहमूं–सांम्ह A, साहामूं B, साहमुं C D, कुण F, साहमु G, सांम्हउ K. कुण–कुंण C D, कूंण E, साम्हं F, कण J. मांडइ–आवइ A, मंडि B C J, मांडि G. हमारी–अम्हारी A C J, माहरी D. वात–बात G, वाते K. आणी मुहिम em–आणी महम A, आणी महिम B, अणी मुष C, अणि मुंहि D, अणि मुहिइ मइं E, आणी महमि F, आणी मुहि G, अणी मुहिमि J, आंणी महिम K. बि–मइ A, बे B, बेय मि C, मि D, बीजा E, देस बि F, बहू J. जीता–जातां D, लीधा E G. सोरठ–सोरठि D. नइ–नि B G J, नइं D E. गूजरात–गूजराति D G J, गुजरात K.

११५ कीधा–कीधां B F J K, कीआ G. बंदि भूत–भूत बदि B C D J, बंद भूत K. मि–मइ E F K. तेरा–ताहरां B J, तेरां E. करी–करीय A. सजाई–सजाइ G K. मांटी–माटी F G हुइ–हूं B, हुई E, होइ K. तउ–तु B C E F G J, तुं D. घांटु–घाटु A, घाटी C, घाटुं D, घांटउं E, घाटउ F K, घांटउ J. बांधे–बांधी B G, बंधे C D. सोमनाथ–सामनाथ F. मेहलावे–मूकावे A, छोडावे B J, मुंकावे C, मेहलाव्ये G, मेल्हावे K.

११६ लेई–लेइ C G K. मेटि–भेट C K. कइ–कि B C E G J, .K मिलवा–मलवा C D E, साहमु J, सलांमइ K. कइ–कि B C J. पुरुषारथ–पूरषारथ D, परषारथ E F G, पुरषारथ K. कइ–कि B C G J. ताहरूं–ताहारूं B, ताहरं C J K, ताहरं F, ताहारु G जाणीसिइ em–जाणेसूं A, जाणीसि B, जांणीसि C J, जांणीसिइ D E, जाणीसइ F, जांणीसइ G, जांणीस्यइ K. आपणपूं–आपणूं ज A, आपणूं B, आपणु C D, आपणं जि F, आपणू G, आपणपुं K.

११७ तिणि–तेणि B, तिणि जि C, तणि D, तीणइ E F, तेणी G, तीणि J, तीणंइ K. दिवसि–अवसरि A, देसि B, दिवस C, दवस G. हूउं–हुउं A, हवुं C, दिधुं D, हवउं E, हूउ G, दीधूं J, हूअउ K. सुपनंतर–सपनंतर C E, सपनांतर D G, स्वपनंतर F. A transposes as सुपनंतर हुउं. हूंतइ–हूउं A, हुंति B J, हुंति C, हुंतइ F K, हूतइ G. विहाणइ–विहाणउं A, विहाणि B C, विहांणइ D K, विहांणि G J. पधारीयां–पधारीया A, पधार्यां B C, पाउधारा D, पधारियां E J, पधार्या F, पधारां G, पधारीआ K. नइ–नि B G J, नइं E K. गौरी–गिवरी C, गोरी D F G J K. कान्हडदे–कांन्हडदे A E K, कांहांनडदे G. इम–इंम E, ईम J. जाणइ–जाणि B C, जांणइं D, जांणइ E K, जांणि G J.

११८ पूछइ–पूछि B C, पूछी D, पूछिं J. कुणि–कणि B C E, किणि तिणि D, किण F, कण G, कुण K. दीधउं–दीधूं B D J, दीधुं C F G, दीधउ K. कान्ह–कांन्हड A, कांन्ह E K, काहन D, कांहांन G. भणइ–भणि B C J, कहि G. ईसानि–एसानिं B, ईशानि C J, इसांनि D, ईशाणि E, ईशान F, इसानि G. गौरी–गंगा A B, गिवरि C, गोरि D, गग G, गोरी K. भणइ–भणि B G J, भणि जे C. ताहरउ–ताहरु B C D E J, ताहारउ G. स्वामी–स्वांमी D E J K. तुरके–तुरकि B, तेरा D, तरके E, तुरकि F, तरकइ G. ग्रहीउ–ग्रहीय B, ग्रहीयउ K. बानि–बांनि C D E J K, बनि G.

गंगा भणइ–ऊठि अजरामर, अजी विमासण कांइ।
ताहरा देस मांहि सोमईउ, असपति लीधइ जाइ॥ ११९
एक वार आगइ दैत्यथु रामइ रुद्र मूकाव्यउ।
बीजी वार बली वैरोचनि भगतिविशेष जणाव्यउ॥ १२०
लीजइ मोर त्रिहुं ऊडाणे, जाणइ कान्हडदेउ।
म म करि जेउ वीर–इम बोलइ गंगा गौरी बेउ॥ १२१

॥ राग रामगिरी ॥

बे अबला बोलइ इस्यूं जे असुर असंभम कीध।
चौद लोक स्वामी ब्रह्मा ते प्राणि पेषंतां लीध॥ १२२
॥ द्रूपद ॥ विलवइ बे सती कीजइ कंकण भंग।
उछइ नीरि जिम माछली तिम विरह दहइ अम्ह अंग॥
विलवइ बे सती॥ १२३

---

११९ गंगा–गौरी A B F, गोरी G भणइ–भणि B C G ऊठि–ऊठइ G. अजरामर–अजरांमर G. अजी–अजि D, हजी E G J. विमासण–विमासि B C G, विमासउ D K, विमासु F, विमांसण J. कांइ–कांई B J, कांई E, काइ F G. ताहरा–ताहारा G. देस–देश J मांहि–माहि A B E F, मा G. सोमईउ–देव सोमईउ B, सोमइउ G, सोमईअउ K. लीधइ–लीधि B, लीधि C G J, लीधई E. जाइ–जाइं B C, जाइ K.

१२० F reads as i qr: आगइ एक वार दैत्यथुउ आगइ–आगि B J,. C, आगंइ K. दैत्यथु–दैत्ये बांध्यउ A, दैत्य थिकु B, दैत्य ते जीतु C, दैत्यथी D, दैते E, देत्यथु G, दैत्य थिकी J, दैत्यइथ्युं K. रामइ–रामि B C F, रामि D J, रांमि E, राम G, रामइ K रुद्र–रूद्र C, रौद्र D. मूकाव्यउ–मूंकाव्यु B F J, मेहलाव्यु C G, मूंकाविउ D E, मूंकाव्यउ K. बली–लेई E. वैरोचनि–वैरोचन A B C G, वीरोचनि D K. भगतिविशेष–भगतविशेष B, भगतिवशेष E, भक्तिविसेष F, भगतवशेष G, भगवंतिसेष J, भगतिविसेष K. जणाव्यउ–जणाव्यउं A, जणाव्यु B C F G J, जणाविउ D E.

१२१ लीजइ–लीजि B C G J. त्रिहुं–त्रिहूं C, त्रहूं E, त्रिहू F, त्रिहू G, बिहु I₁I₂. ऊडाणे–ऊडांणे A. जाणइ–जाणइ A, जाणे B C D E F G, जाणि J, जाणे K. कान्हडदेउ–कान्हडदेय C E, काहनडदेउ D, कान्हडदे F, कांहांनडदेय G, कान्हडदेउ K. म म करि–मन करि A G J, म करे B C, मनि करि F. जेउ–जेव्हि F, जेव G. वीर इम बोलइ–इम बोलिइ तेहज B, वीर इम बोलि C, इंम बोलइ E, बीर इम बोलि G, वीर ईम बोलि J. गौरी–गवरी B, गिवरी C, गोरि D F G J K. बेउ–बेय C, बेअ G, बेऊ J.

१२२ राग रामगिरी–राग रामगिरि D, राग रांमगिरी E G J, रामगरी राग K. बे अबला–अबला बे K. बोलइ–बोलिइ B, बोलि C G J, बोलई D. इस्यूं जे em–इसिउं जे A, अस्यूं जी B, इसुं C, अस्यूं जे D, इसिउ जे E, इस्यं F, असूइ जे G, इशूं जे J, इसुं जे K. असुर–असुरु A, असुं C, सरि D, असुरिं E, असूर G, ईसरि J. कीध–कीद्ध C. चौद–चउद A, चऊद F, चैद G. लोक–लोकनु C, कला E. स्वामी–स्वांमी D E G J K. ब्रह्मा–ब्रह्मीउ C, ब्रह्मिउं D, ब्रह्मिया E, ब्रह्मु F, ब्रह्मिउ G J, ब्रह्मउ K. प्राणि–प्राण C, प्रांणि D E J, प्रांण G K. पेषंतां–पेषंता A F J, पेषतां B, पेषता C. लीध–लीद्ध C, लिद्ध J.

१२३ द्रूपद–...B C D F G. विलवइ–विलवि B G, इम विलवि C, विलवई D E. बे–बिइ J, बेई K. सती–सती रे B. कीजइ–कीजि B C G J, किजई D. कंकण–कांकण E. उछइ नीरि–ओछइ जलि A, तुछ नीर B G, उछि नीर C, तछ नीर E, तुछि नीर F, ऊछि नीरि J, उछइ नीर K. माछली–माछिली D F J. विरह–

जि को बंधन छोडवइ स्वामी तेह पातक छंडइ पूठि ।
वेदवचन अम्हे सांभल्यां तूं कान्हडदे ऊठि ॥
विलवइ बे सती ॥ १२४

छोडवि स्वामी अम्ह तणउ तूं मूंगल म्लेछ विहंडि ।
कीरति लइ कान्हड घणी तुझ नाम हूसइ नव षंडि ॥
विलवइ बे सती ॥ १२५

॥ पवाडु ॥

ऊठिउ वीर मोडीऊं आलस, कीधउ सुपनविचार ।
सोमचंद्र व्यासइ इम कहिउं, म्लेछ तणउ करि मार ॥ १२६

विरहु C, विरहिं D, विरहि G J **वहइ**–दइ A, दहि B D F J,...C, दही G. **अम्ह**– ...D J **अंग**–अंगि A C F G **विलवइ बे सती**–विलवि । आंचली । B, इम० C, आंचली: D, विलवइ बे सती कीजइ कंकण भंग E, विलइ बे सती G;...J, विलवंइ बेउ सती K.

G interpolates the foll vs in faulty Sanskrit after vs 123 :

एकत्र (एकत ?) कृतव (क्रतव.?) सर्वे समाप्तवरदक्षणा (°दक्षिणा· ?) ।
एकतो भयभीतस्य प्रांणनां (प्राणिन ?) प्रांणरक्षणा (प्राणरक्षणम् ?) ॥

१२४ **जि को**–कोई B, य को C, जे को D E G J, जइ कोइ K. **बंधन**–बधन G. **छोडवइ**–विछोडवइ A, छोडवि B J, छोडावि C, छोडाविइ D, न छोडवि G **स्वामी**–...B C D. **तेह**–ते B C **पातक**–पातग C, पातिग D F, पातिक G J. **छंडइ**–छांडइ A E, छंडि B D J, छांडि C, छंडिइ F, छाडि G. **पूठि**–पूंठि C D E, पुंठि F, दूरि G **वेदवचन**–देववचन B C **अम्हे**–अम I, अह्मो G. **सांभल्यां**–सांभल्यउं A, सांभला रे B, सांभल्युं D, सांभल्या F, सांभलउ G, सांभला I, सांभलुं J **तूं**–तुं A C J K, तु E, हवि तु G **कान्हडदे**–काहानडदे B, कान्हदे D, कांन्हडदे E J K, कानडदेउ G. **ऊठि**–उठि D. **विलवइ बे सती**–विलवइ बे सती० ॥ द्रूपद ॥ A; विल० B, इम० C, विलव० D, विलवइ बे० E; विलवि बे सती G, विलवि बि सती J, विलवइं बेऊ सती K.

G again interpolates after vs 124 the foll Sk verse, which is evidently the second half of the Sk vs following vs 123 .

स लोक (श्लोक· ?)। सप्ततजजनमार्जितं (सप्तजन्मार्जितं?) पापं मोचजन्मूज्यते (मोचयन्पूज्यते?)नरा (नरः ?) ॥

१२५ **छोडवि**–छोडावि C **स्वामी**–स्वामी D J K **तणउ**–तणु B C D E G J **तूं मूंगल**–तुं मूंगल A C, ते बल B, तुं मूगल D, मुंगल F, मुगल G, तुं K **म्लेछ**–मलेछ A C J, मेछ B E F G **विहंडि**–विहंड G. **लइ**–लि B G,...C, लगइ D, लगि J, लगंइ K. **कान्हड**–कान्हडदेव A, काहानड B, कान्हडदे C, कांन्हड F K, कांहांनड G. **घणी**–थंणी E. **तुझ**–तझ E, तुम G **नाम**–नाम D G J, नमि E. **हूसइ**–रहि B, हुसि C D, सइ E, हुसइ F, हसि G, रहइ I, लगि J, होसी K. **नव षंडि**–नव षंड B E, लगि J, होसी K. **विलवइ बे सती**–विलवइ बे सती कीजइ० A, विल० B, इम० C, विलव० D, विलवइ इंम बे सती० E; विलवि बे सती G, विलवि बि सती० J; विलवइं बेऊ सती K.

१२६ **पवाडु**–चउपई A E K, चुपै B, चुपई पवाडु C, चुपई F,. G, पवाडउ J. i qr in G is . आलस मोडी ऊठिउ. **ऊठिउ**–ऊठ्यु A, ऊठीउ F, ऊठ्यउ K. **मोडीऊं**–मोडु B, तव मोडी C, मोडीउं D F, मोडी J, मोडीनइ K. **आलस**–आलसू B. **कीधउ**–कीधु B C G J, किधु D. **सुपन**–स्वप्न B, सपन D E G. **विचार**–वचार G. **सोमचंद्र व्यासइ**–सोमचंड पासि B, सोमचंद व्यासि C, सोमचंद्र व्यासिं D J, सोमचंडा व्यासिइं E, सोमचंद्रि व्यासि F, सोमचंद्र व्यासि G, सोमचंद व्यास K. **इम**–इ E, ईम J. **कहिउं**–कहावि B, कहीउं F, कहीऊं J, कहिउं K. **म्लेछ**–मेछ B F G, मलेछ C J. **तणउ**–तणु B C D G J. **करि**–होसि C. **मार**–मांर A, मारे G.

सोमनाथनी चाड करेजे, वली छोडावे बान ।
असपतिना दल थिकउ तेतलइ गढि आव्यउ परधान ॥ १२७
सभा मांहि जई राउल मेव्या, दीधां आसन मान ।
कहइ परधान–कान्ह अवधारउ, इस्यूं कहाव्यउं षान ॥ १२८
मारी देस नेस ऊजाडिसु, तूं पणि करे पराण ।
गढ तलहटीय सरोवरि आवी, अम्हे देस्यूं मेल्हाण ॥ १२९
राउल भणइ–वीर आफणीइ आपणपूं न वषाणइ ।
जउ पुरुषारथ करीय दाषवइ, तउ सहू को इम जाणइ ॥ १३०
अलूषान एहवूं संभालउ, अम्हे परगणउं करेस्यूं ।
दिवस एकबिहुं मांहि जालवे, दलि आवी घाउ लेस्यूं ॥ १३१

---

१२७ सोमनाथनी–सोमनाथ D. **चाड**–वाहार B G I. **करेजे**–करजे C, वरेजे G. **बान**–बांन A C D E G J K **असपतिना**–असपतिनां J, असिपतिना K. **थिकउ** em–थकां A, थिकु B D E F J, थकी C K, थकु G. **तेतलइ**–तेतलइं A, तेतलि B C G J, तेतलेइ D, तरकनउ E. **आव्यउ**–आव्या A C, आविउ B D E, आव्यु F G J. **परधान**–परधांन A J K, प्रधान C, प्रधांन D E, परिधान F.

१२८ E drops out सभा...परधान. **सभा**–सुभा F K. **मांहि**–माहि A D F G K. **जई**–जईनई D, जै F, जइ G, जाईनंइ K. **राउल**–...K. **मेव्या**–भेव्यउ A, भेटिउं C, भेंव्या K. **दीधां**–दीधुं C, दीधा F K. **आसन**–आंसन G, आसण K. **मान**–मांन D G J K **कहइ**–कहई A, कहि B C D F G J. **परधान** em–प्रधांन A, प्रधान B C F, प्रधांन D G J K. **कान्ह**–कान्हड A, कांन्ह D K, कांहांन G. **अवधारउ**–अवधारु B C D J **इस्यूं**–इसूं A E, असुं C, इस्युं D G, इस्यं F, ईशूं J, इसुं K. **कहाव्यउं**–कहावि B G J, कहाविउ C D, कहावइ E, **कहाव्य** F, कहाव्युं K. **षान**–षानि A C F, षांन D E J K.

१२९ नेस–लेस A, सवे B C, नयर J, नगर K. **देस नेस**–नेस देस F. **ऊजाडिसु**–ऊजाडिस A D F, ऊजाडिसि B, ऊजाड्या C, ऊजाडसि J. **तूं**–तुं A C D F J K, तु G. **पणि**–परि G. **करे**–करिस A, कर जो G, करिजे K. **पराण**–प्रणाम C, परांण D G J, प्राण F, प्रांण K. **गढ**–गढि F. **तलहटीय**–तलहटीइं B, तलहटी C D E F G K, तलहटीं J. **सरोवरि आवी**–सरोवर पालिं B, सरोवर पालि C, सरोवर आवे K. **देस्यूं**–देसूं A, देसुं C, देस्युं D K, देसिउं E G, देस्यं F, देशूं J. **मेल्हाण**–मेहलाण B, मेल्हांण D K, मेहलांण E G.

१३० भणइ–भणि B J. **वीर**–ते वीर B. **आफणीइ**–आंपहणी A, नहीं जे B, आफणीइं D E J, आपहिणी F, आफणीयइ K. **आपणपूं**–आपणपुं C F G K, आपणपउं E. **न**–म A D, य B. **वषाणइ**–वषाणि A B C, वषांणि D, वषांणइ E G K, विषाणि J. **जउ**–जु A B C D E G J. **पुरुषारथ**–पुरषारथ A, परषारथ E F G. **करीय दाषवइ**–करी दाषवउ A, देषाडि B, करी दाषवि C G J, करी दाषवइ D K, करीअ दाषवइ F. **तउ सहू को**–सहूय त A, ते सहू को B, तु सहूइं C, तुं सहू को D, तु सहूइ को E G, तु सहू को F J, तउ सहू कोइ K. **इम**–साचूं A,...B E G, इंम्रि C. **जाणइ**–जाणि B C G, जांणि D J, जांणइ K.

१३१ अलूषान–अलूषाननि C, अलूषांननि D, अलूषांन E K, अलूअषान F. **एहवूं**–एहूं A, एहवुं C G K, ईम D, एहवं F. **संभालउ** em–संभाळे A C F, संभालु B, संभलावे D, सांभले E, सांभल्यो G. **अम्हे**–अम्हो E G K. **परगणउं**–परगणउ A, परगणु B, प्रगणु C, परगणूं D G J, पगरणउं E, परिगणं F, पगरवुं K. **करेस्यूं**–करेसिउं A, करस्यूं B, करेसुं C K, करेशूं E J, करिस्युं F. **एकबिहुं**–एकबिहू B, बिहुं-बिहूं C, एकबिहु D, एकबिहूं E, एकबिह F, एक G. **मांहि**–माहि A E F, माही G, मां J, माहे K. **जालवे**–जालवि B, जलवे E, आलिविजे F. **दलि**–दल F. **आवी**–आवे K. **घाउ**– घा B E F, दा C. **लेस्यूं**–लेसिउं A G J, देस्यूं B, देसूं C, लेसूं E, लेस्यं F, लेसुं K.

जई प्रधानि षान वीनविया, हींदू वेढि करेसइ ।
षान भणइ–सहूइ सज थाउ, ए अछबां दाउ देसइ ॥ १३२

करी सजाई दीयां दमामां, बीजइ दिवस विहाणइ ।
अलूषानना कटक तेतलइ, चाली गयां शिराणइ ॥ १३३

पाषलि कस्या काठगढ षाई, नहीय लिगारइ माग ।
घोडा हाथी रहइ पाषस्या, किम लहेसइ लाग ॥ १३४

जइत देवडउ लषण सेभटउ, लूणकरण बोलाव्या ।
साल्हु सोभतु बलवंत राउत, लसकर भणी चलाव्या ॥ १३५

सरषे घोडे साथि मोकल्या सातवीस असवार ।
दीधी सीष–जाई दल जोज्यो, तुरक केतलउ पार ॥ १३६

---

१३२ जई–जै F G J, जाइ K. प्रधानि–प्रधान B F, प्रधाने C, प्रधांनि D, प्रधांन E K. षान–इंम षांन D E, कान्ह F, इम षांन G, षांन J K. वीनविया–वीया B, वीनवीउ C, विनव्या D, वीनव्या E F J, वीनव्यां G, वीनव्यउ K. हींदू–हिंदू C, हीदू D F G J K वेढि–वेढ E. करेसइ–करेसि B C E F J, करेसिइ D, करेसिउं G, करेसी K. षान–षांन D E J K. भणइ–भणि B C G J. सहूइ–सहू A C, सहू को F, सुहुड J, सहूअइ K. सज–सझ A, सज्ज C K. ए अछबां–अछबा B, ए अचबा C, ए अछबा F. दाउ–दाउज A, दा C G, दाह D,...E. देसइ–देसि B C D G, वींटेसि E, देसी K. iv qr in J is: भंग पडावु देस.

१३३ करी–करीअ F. सजाई–सजाइ G, सज्जाई K. दीयां–हूया E, दीया F, दीआं G J, दीआ K. दमामां–दुदांमां A, दमांमां B, ददामां C, ददांमां D G, दनांमां E, दमामा F, दम्मांमा K. बीजइ–बीजि B C G J. दिवस–दिवसि E G J K. विहाणइ–वीहाणि B, विहाणि C G J, विहांणइ D K. अलूषानना–अलूषानतु A, अलूषांननां C E G J, अलूषांनना D K, अलूअषानना F तेतलइ–तेसलई A D E, तेतलि B C G J. चाली–आई A, चांपी E गयां–गयउं A, गया E F G J K. शिराणइ–सराणि B, सरांणि C G, सिरांणई D, शराणइ F, शराणि J, सविआंणइ K.

१३४ पाषलि–पाषणि B. कस्या–करी A C, करइ E, करिया J काठगढ–कटकगढ E. षाई–षाही B, षाइ G K. नहीय–नहीं B D E, नही C F G J K. लिगारइ–लगारि B C G J, लगारइ D E F, लगारई K. घोडा–घोडां D E G. रहइ em–रहि A B C D, रहिइ E, रह्या F K, रहिया G, रय J. पाषस्या–पाषरीया A J, पाषरीआ C, पाषर्यां D K, पाषरियां E. किम–कीम A, किम्म B, कवण E. लहेसइ–लहेसि B E J, लहिसइ F, लहेसु C, लाहसि D, लहेसिउं G, लहेस्यई K. लाग–माग E K.

१३५ जइत देवडउ–जइ देवडउ A, जेत देवड्ड B, जित देवडु C G, जयत देवड्ड D E J, जइत देवड्ड F. लषण सेभटउ–लषण सीभट्टु B, लषमण सेवट्टु C, लषण सेवट्टु D E G, लषमण देभट्टु J. लूणकरण–लूंणकरण A E K, लूंणकर्ण D, सूर चहूआण G. बोलाव्या–तेडाव्यौं D. E omits 135 b. साल्हु B C D F–साल्हउ A, श्रीगरणाए G, साहलदे J, साल्ह K सोभतु em–शोभतु B, सोलंकी A K, सोभाउत C, निसोभुतु D, सोभित F,...G, सोभायत J. बलवंत K–बलवंता A, जे B, अरसी C,...D J, च्यारि F, ब्रह्मि G. राउत A F J–राउक्ति B D K, राउल C G. लसकर–कटक C, लस्कर D J.

१३६ E omits i qr. सरषे–सरिषे F. मोकल्या–मोकल्यां A. सातवीस–बारह सइ K. जाई–जाइ B C E F K, जइ D G, दीधानि जाई J. दल–दलि D E F G. जोज्यो–जाणु B, जाणु D, जांणउ E, जाण्यु F, जाउ G, जोयो J. तुरक–कटक B C D E F G J K. केतलउ–केतोहो B, केतलु C D F G, केतलउ E, तुं J.

कटक मांहि परधान पुहुता, दीठउं दल मेल्हाण ।
हेजबनइ परदार नकीबे मांहि कीधउं जाण ॥ १३७

अलूषानि जूजूआ दिवार्या, तेह सविहुंनइ अनाम ।
सोनां रूपां अनइ सावटू, तीरी आप्या ग्राम ॥ १३८

अलूषानि एहवूं फुरमायुं, करउ विछेद म जेडउ ।
जे प्रधान कान्हडदे केरा, मुहलि माहिलइ तेडउ ॥ १३९

एक भणइ–कान्हडदे टाली, अवर न करूं प्रणाम ।
षान भणइ–आघा तेडावउ, वरि मन करउ सिलाम ॥ १४०

करी भेटि राउले प्रधाने, पूछइ षान भलाई ।
कटक तणी कान्हडदे आगलि किसी वात बोलाई ॥ १४१

---

१३७ मांहि–माहि A E F G. परधान–प्रधान C, प्रधान D E, परधांन J K. पुहुता–पहूता B D E F J, पुहता C, पहुता G K. दीठउं–दीठां A, दीठूं B, दीठुं D F, दीठउ G K, दीधूं J. मेल्हाण–मेहलांण E G J, मेल्हाण K. हेजबनइ–हेजबनि B D J, हेजबनइं E, हजबनइ F, हेजमनि G, फोजदार K. परदारनकीबे–पडदार मोकली K. मांहि–माहे A K, माही D, माहिइं E, माहि F, माही G. कीधउं–कीधूं B E J, कीधुं C F, किधूं D, कीधु G, कीधउ K. जाण–जांण E J K.

१३८ अलूषानि–अलूफा B, अलूषानि D, अलूषानिं E, अलूषान F, अलूषांन G K. जूजूआ–जूजूयां E, जूजूआं G. दिवार्या–दिवारीया A, देवार्या B D, अपाव्या C, दिवरव्या F, दिवाजा G, देवारिया J, देवार्यां K. तेह–तिहां A, ते B C D G J K, तीह F. सविहुंनइ–सविहुंनिं B, सविहूंनि C, सविहुं D J, सतनूं सिउं E, शविहंनइं F, सविहूनइ G अनाम–मांन A G K, मान B, अनाम C, नांम E J. सोनां रूपां–सोना रूपा B F J K, सोना रुपा G. अनइ–नि B G, अनि C J. तीरी आप्या–आप्या तीरी A B, आप्यां तीरी G, अनि देवारिया J. ग्राम–ग्राम E G K. I reverses the vs order as 139, 138.

१३९ अलूषानि–अलूषांनि C D G J, अलूषानिं E, अलूअषानि F, अलूषांन K. एहवूं–एहवउं A, एहवु B C G K, एहवं F. फुरमायुं–फुरमाउं A, फरमायुं C D, फरमायूं E J, फरमायं F, फरमायु G. करउ–करु B C D F G J K. विछेद–वछेद C E K, विछेदि F. जेडउ–जेड A, जेडु B D F G J, जेडुं C. प्रधान–परधांन A B, प्रधांन C D J K. कान्हडदे–कांन्हडदे A E K, काहानडदे B, कांहनडदे C, कांहांनडदे G. केरा–केरी D. मुहलि–मुहुलि B, मुहल C D, महुलि E, महलि F, मुहुल G J, महल K. माहिलइ–माहलइ A, माहिलि B, मांहि ले C J, आगिलइ D F, माहिलिइ E, आगलि G. तेडउ–तेडु B C D F G J.

१४० भणइ–भणि B C J. कान्हडदे–कांन्हदे A, काहामडदे B, कान्हडदे C K, कांहानडेदे G, अम्हे कान्हड D I₁ (ख). करूं–करां A, करुं C D J K, करउं E, करं F, करु G. प्रणाम–जुहार A, प्रणांम C D E J K, प्रांणाम G. षान–षांन B C D J K. भणइ–भणि B C J. आघा तेडावउ–आघेडा तेडउ A, आघा तेडावु B C D F G J. वरि–विरि B J,...F, वर K. मन–म B C D J, मत G K. करउ–करस्यु B, करेष C, करस्युं D, करु F G, करसिउ J. सिलाम em–सलम A B, सलांम C G K, सिलांम D J, सलाम F. Folio 5 in E stops at 140 b; folio 6 is missing in E.

१४१ करी–करीअ F. भेटि–भेट A B K. राउले–राले G, राउल J. प्रधाने–परधाने B, प्रधानि C D G J K. पूछइ–पूछि B C J, पूछई D. षान–षांन B C D G K. भलाई–भलाइ G K. कान्हडदे–कान्हडदि A, कांहनडदे C, कान्हदे D, कांहांनडदे G, कांन्हडदे K. किसी–किसि D, किसीअ F, कसी G, बोलाई–बोलाइ G K.

घउ अरदासि पासि तुम्ह दीधी, जे कान्हडदे राइ।
कहइ प्रधान – षान अवधारउ, तिहां सिलाम लिषाइ ॥ १४२
जउ वैस्वानर ताढउ थाइ, पश्चिम ऊगइ दीस।
नारायण टलतउ कान्हडदे कहि न नामइ सीस ॥ १४३
षान भणइ – कुणि कारणि आव्या, कहउ तुम्हारउं काज।
कहइ प्रधान – राउल आएसइ, कटक जोएस्यूं आज ॥ १४४
अलूषान आयसि पूंतारइ ततषिण गयवर गुडीया।
वालि तणा तेजी पषराव्या, मलिक मुहुल मांहि तेड्या ॥ १४५
तुरक बचा मूंगल करकटीया, तेहे मांडी हारि।
परधाने सामगिरी दीठी कटक तणी अपारि ॥ १४६

---

१४२ घउ–दिउ A C G, दिउं B, द्यु D, जे J अरदासि–अरदास B C D F G J K. पासि–पाश F, पास J. तुम्ह–तह्म C F, तम G जे–जे जे G. कान्हडदे–कान्हडदे A C K, कांहांनडदे G. राइ–राउ A J, राइं B D, राय C F K कहइ–कहि B C D F G J. प्रधान–प्रधान D G J K. षान–षान C D G J K. अवधारउ–अवधारु B C D F G J, अवधारो K. तिहां–तिंहा D F G सिलाम–सलाम A B, सलांम C G, सिलांम D, शलाम F, सिलाम जि J लिषाइ–लिषाई A, लषाई B, न लिषाइं C, लिषाई D, थाइ J.

१४३ जउ–जु B C D F G J. वैस्वानर–वैश्वानर B D J, विश्वानर C, वीस्वांनर G. ताढउ–टाढु B D G J, टाढउ C F. थाइ–थाय D, थाउ F, थाइं K पश्चिम–पस्चम G. ऊगइ–ऊगि B C J. नारायण–नारायणि C, नाराइण G. टलतउ कान्हडदे–कइ कांन्हड टलतुं A, टलतु हूं साचिं B, टलतुं कांन्हजी C, बलतुं कान्हजी D, टलतु कहि ना ढूलु F, टलतु ना ढूलु G, टलतूं कान्हडदे J, टलतउ कुणहीनइ K. कहि–कहइ A, हुंअ F, अवर J, कहयां K. न–...G. नामइ–नामूं B, नांमि C, नामं F, नामि G J, नांमां K.

१४४ षान–षांन B D G J K. भणइ–भणि B C G J, भणइं D. कुणि–कुण B K, किणि C, कुंण D, किण F, कुण G. कारणि–करणि B, कारण F. कहउ–कहु A B C F G, कहुं D, कुहु J. तुम्हारउं–तुम्हारूं B, तह्मारुं C F, तुम्हारुं D J, तह्मारूं G, तुम्हारउ K. कहइ–कहइं A, कहि B C D F G J. प्रधान–प्रधांन D G J K. राउल आएसइ–राउलि आइसूं B, राउल आएसि C F, राउल आदेसिं D, राउली आयसिइ G, राउलि आव्या J, राउलइ आइस K. जोएस्यूं em–जोएसूं A B, जोएसुं C, जोईइं D, जोइस्यं F, जोसि G, जोएवा J, जोइसु K.

१४५ i qr in J is : अलूषानि सांन तव कीधी. अलूषान–अलूषांन A, अलूषानि C, अलूषांनि D, अलूअषानि F. आयसि–आइस A, आइसु B, आयसूं C, आएसि F, आयस G K. पूंतारइ–पुंतारिं B, कूंतारा C, पुंतारे D F, कुतारे G, पुंतारैं K. ततषिण–ततक्षिण A, ततक्षणि B, ततक्षण C, ततषिणि J. गयवर–गयमर B C F G, गयंवर J. गुडीया–गुडीआ A B, गुड्या D, गूडीआ G, गुडिआ K. पषराव्या–पलणाव्या A G, पह्लणाव्या B, पाषरीआ J. मलिक–...A. मुहुल मांहि–मुहुल माहिलइ A, मुह्लोलमां B, मुहल मांहि C, मुहल माहि D F G, महुल मांहि K. तेड्या–तेडीया A.

१४६ तुरक–तरक B C G. बचा–बछा D. मूंगल–मुंगल C D F K, मुगल G. करकटीया–करिकटीआ F, करकटीआ G J K. तेहे–तेणे B C, तेहनी J. मांडी–माडी B. हारि–हार D. परधाने–परधांने A, प्रधाने B G, प्रधांने D J K, प्रधाने F. सामगिरी–सामग्री B, सांमगरी C, करी सामगिरी D, सामगरी G, कीधी सामगरी J, सामिगरी K. दीठी–...J. अपारि–अपार B C G, आपणि J.

कीधी सान षानि मूंगलनइ, सींगिणि परठ्यउ तीर ।
ताणी गयणि पंषिणी वीधी, पेषइ मोटा मीर ॥ १४७

तडंग समेति तेतलइ लषणइ राउति भइसु आहणिउ ।
कस्यउ विषंड घाइ षांडानइ, अलूषानि वषाणिउ ॥ १४८

पूछइ षान – कान्ह घरि केता ताहरी जमलि कहीजइ ।
लषणउ भणइ – सहस चउवीसां पूंठइबाज लहीजइ ॥ १४९

तूठउ षान भणइ – तूं हींदू मागि न करूं पसाउ ।
कहइ प्रधान – रीझ नवि लीजइ, लाजइ कान्हड राउ ॥ १५०

एक षांति पूरवउ अम्हारी, कटक चिहुं दिसि जोस्यूं ।
मन जाणिस्यु वरांसु वीतु, जे रातीवाहु देस्यूं ॥ १५१

---

१४७ सान–सांन C G J, सांज D **षानि**–षान B, षांनि C D G, षांन J K. **मूंगलनइ** em–मूंगलनइं A, मूंगलनि B J, मूंगलानि C, मुंगलनइं D, मुंगलनइ F K, मुंगलनि G **सींगिणि**–सीगणि A G, सींगणि B, ततक्षण C, सीगिणि F J, शींगणि K. **परठ्यउ**–परठउ A, परठु B, परिठिउ C, परठिउ D G J. **ताणी**–तांणी C D J K. **गयणि पंषिणी**–पंषिणि गयणिथी A, गयणि पंषणी B K, गयणि पंषिणि C. **वीधी**–वींधी B, वेधी C G K. **पेषइ**–पेषि B C G J, पेषइं D **मीर**–वीर J

१४८ तडंग–तडिग A, तणंग B C J, तणग F, तेण K. **समेति**–समेत B D J, सहित C, समेता G, समइ K. **तेतलइ**–तेतलि B C J, तेतलइं D. **लषणइ**–लषणि B C G, लषणइं D, राउति F, लषमणि J. **राउति**–राउतिं C, लषणइ F, राउत K. **भइसु**–भइसउ A, भिंसु B C, भयसु F, भिसु J, भइंसउ K. **आहणिउ**–हणीउ A, आहाणु B, आहण्यु D, आहण्यउ F, आंहाणिउ G, मारिउ J, आंहण्यउ K. **कस्यउ**–करिउ A B C G, कीउ K. **विषंड**–बिहाड A, बिसंध D, बिसंधि F, बिसं G. **घाइ**–घाय B C, घाउ F J, घाइ G. **षांडानइ**–षंडानइं A, षांडाने B J, षांडानि C G, षांडानइं D, षंडानइ F **अलूषानि**–अलूषांनि C D G J, अलूअषानि F, अलूषांन K. **वषाणिउ**–वषाणिउ A G J, वषांण्यु D, वषाण्यु F, वषाण्यउ K.

१४९ पूछइ–पूछि B C J. **षान**–षांन A B G K, खांन D **कान्ह**–कान्ह A K, कांहांन G. **घरि**–उर B, घर K. **केता**–केते C, केतला K. **ताहरी**–ताहारी B G, ताहरि D. **जमलि**–जामलि A D. **कहीजइ**–कहीइ A, कहीजि B C J **लषणउ**–लषणु B C F J, लषणुं D, लषण G. **भणइ**–भणि B C J. **सहस चउवीसां**–वीर चुवीसि B, सहस चुवीसां C, सहस चुवीसइ D, सहिस चुवीसा F, सहिस चुवीसइ G, सहिस चुवीसह J. **पूंठइबाज**–पूठिबाज A D F G, पूछ्या व्याज B, पूंठिबाज C, मूंथी चढता J, पूठंइबाज K **लहीजइ**–लहीजि B C, कीजि J.

१५० तूठउ–तूठु B D, तूठा K. **षान**–षांन C D J K, काहान G **भणइ**–भणिइ B, भणि C G J, भणइं D. **तूं**–तुं A D K, तुझ C, तूअ F, तु G. **हींदू**–हीदू A D G J, हीदूं B, हिंदू C,. .F. **मागि**–मांगि K. **करूं**–एक A, करू B, करुं C D G K, हं करुं F. **पसाउ**–पसाय B C F, पासाउ K **कहइ**–कहि A, भणि B, लषणु C, कहि D F J, काहि G. **प्रधान**–भणिं C, प्रधान D J K. **रीझ**–रीझइ D, री F **नवि**–किम C, वि G. **लीजइ**–लीजिइ B, लीजि G J **लाजइ**–लाजिइ B, लाजि J **कान्हड राउ**–कांन्हड राउ A K, कान्हड राय B F, कांन्हजी राय C, काहांनड राय G, कान्हडदेउ J.

१५१ पूरवउ–पूरु B, पूरवु D F G J, पूरवइ K. **अम्हारी**–हमारी K. **चिहुं**–चिहूं C, चिहं F, चहो G. **दिसि**–दषि B, दसि C F G, दिसिं D. **जोस्यूं**–जोसूं A, जोसुं C, जोस्युं D K, जोसं F, जोसिउं G, जोशूं J. iii qr in J is : मन जांणु तह्मे एह विरांसु. **मन**–मनि B G, म म C. **जाणिस्यु**–जाणिसु A, जाणेसु B, जांणेय C, जांणिसि D, जाणयो G, जांणस्युं K. **वरांसु**–वरांस A, वरासु F, विरासुं K. **वीतु**–वीतुं K. **जे**–...B, जोए C, जो G, जेह J. **रातीवाहु**–रातीवाहज A, रातिवा G, रातीवा F K, रतेवा J. **देस्यूं** em–देसूं A B, देसुं C, देस्युं D K, देसं F, देसिउं G, देशूं J.

अलूषानि जण साथि मोकल्या, देषाड्यूं मेल्हाण ।
घोडा हाथी ऊंट पोठीया, वेसर पूठि पल्हाण ॥ १५२

मलिक तणा जूजूआ मरातब, मांहि भला झूझार ।
दल जोयंतां दीस आथम्यउ, तुहि न आवइ पार ॥ १५३

बंदीवालू घणा सीदाता, दीठा पाडइ डाढि ।
दीसि अगासइ तावडि दाझइ, रातइ वाइ ताढि ॥ १५४

थानविछोह्यां बालक रोवइ, दीसइ सरषां दूष ।
आगइ एक टलवलइ तिरसइ, बीजी लागइ भूष ॥ १५५

एक मांदा, एक न सकइ ऊठी, एक अणूहाणा ऊघाडा ।
दाणा पांच लहइ नवि षावा, एक तणइ पाए लोहडां ॥ १५६

---

१५२ अलूषानि–अलूषांनि C D G J, अलूअषानि F, अलूषांन K. जण साथि–साथि C, अण साथिं D. मोकल्या–मोकल्यु B, मोकलीउ C. देषाड्यूं em–देषाडिउं A C, देषाडि B, देषाड्या D K, देषाड्यं F, देषाडु G, देषाडु J. मेल्हाण–मेल्हाण B, मेहलाण C G, मेल्हाण D K. ऊंट–ऊट A B, उंट C D K, उट F G. पोठीया–पोठीआ C F G J K, पोठिया D. वेसर–वेसरी D पूठी–पूंठि C, नि J. पल्हाण–पलाण A, पहलांण G, पलांण K.

१५३ तणा–तणां F. जूजूआ–जूजूया B D. मरातब–महाप्रर B, मुरातब K. मांहि–माहि A D F G. जोयंतां–जोयंता A C F, जोअंतां D G, जोतां J, जोअता K. दीस–दिवस B K, दीह C. आथम्यउ–आथमिउ B C, आथम्यु D, आथमु F, आथमउ G, आथम्या J, आथम्यो K. तुहि–तुहइ A, तुहू G, तउही K. आवइ–आवि B C G J.

१५४ बंदीवालू–बंदीवाला B J, बंदीवाल C D G, बंदीवाण F, बंदीवांण K. घणा–घणुं C, घणां G. सीदाता–सीदातां D G. दीठा–दीठां A G K. पाडइ–पाडि B C G J. डाढि–डाडि A B J K, डाढिं C, दाढि D, डाढी G. दीसि–दीसिइ A, दीसिं D, दीस F G, दिवस K. अगासइ–अगासि B C D G, देह ते J. तावडि दाझइ–दाझइ तावडि A, तावडि दाझिइ B, तावडि दाझि C G J, तावडि ताझइ D, तावडइ दाझइ K. रातइ em–राति A C F G J, रातिं B D, रातइं K. वाइ–वातइ D, वाय F, वाअइं K. ताढि–टाढि B C D F G J.

१५५ थान–थांन C D G J K. विछोह्यां–विछोह्या C F K, विछोयां G, विछोहिया J. बालक–बालिक G J. रोवइ–रोइ A B C F G, रोइं D, रोवि J. दीसइ–दीसि B C G J, दीसंइ K. सरषां–सरिषां B, सरसां C, सरषा F, सरषा G, सरीषां J, सरीषा K दूष–दुःख B, दुष C J K. आगइ–आगि B C J, आगलि G, आगइ K. टलवलइ–टलवलि B G J, टलवलंइ K. तिरसइ–तरसिइं B, तरसि C G J, तरसिं D, तरसइ F, तिरसंइ K. लागइ–लागि B G J, लागइ K

१५६ एक–...F, इक K. मांदा–मांदां A. एक–इक K. सकइ–सकि B C G J, सकइं D, सकंइ K. ऊठी–उठी G. एक–इक A K,...B G. अणूहाणा–अणुंहाणा A, अणूहाण B, अणुहांन C, अणूहांण D, अणूहांणा G K, अणूहांण J. ऊघाडा–ऊघाड्या D, उघाडां G. दाणा–दांणा A C D, दांणां G K. पांच–पंच C. लहइ नवि–न लहि B C J, लहि नवि F G. षावा–षावानि C. तणइ–तणे B D F G J, तणि C. पाए–पय A, पगि C, पाइ G K. लोहडां–लोहडा C, लोंहडा F, लोडां G.

एक जूजूआं हालरां कीधां, वाध्रइ बांध्यां आलइ ।
एक छोरू मायबापविछोह्यां, एक पाडीआ गालइ ॥ १५७

करी विछोह जूजूआं कीधां सवि नारी नइ नाह ।
बाल वृद्ध टलवलतां दीठां, कटकि ऊछली धाह ॥ १५८

एक भणइ-अम्हे जनमि आगिलइ हींड्यां किस्यूं अणूरूं ।
तुरकां पासि पाडीआ दैवि, वइरी दीधउं पूरूं ॥ १५९

कूडी साषि कइ अम्हे दीधी, कइ चडाव्यां आल ।
कइ जणणी ऊछरंगि रमंतां थान विछोह्यां बाल ॥ १६०

गाइ तणां कइ गोचर पेल्यां, कइ लोप्या आघाट ।
कइ अम्हे अई जंगलि मुघ लीधां, कइ किहां पाडी वाट ॥ १६१

---

१५७ एक-एकि A. जूजूआं-जूजूयां B D, जूजूआ C F. हालरां-हालरे C, हालरा F. कीधां-कीधा C F. वाध्रइ em-वाधइ A, वाध्रे B C F, वाध्रि D, वाधर G, वाधइं K. बांध्यां-बाधा A, बांध्या B D G K. आलइ-आले B C F, आलइं D, आलि G. ii qr in J is आले वाध्रे बांध्या एक-एकि A,...J. छोरू-छोरु J. मायबाप-मावाप A G. विछोह्यां-विछोह्या F K, वछोह्यिां G, विछोहिया J. एक-एकज C D. पाडीआ-पडीआ A K, पाडीया B, पडीया C D, पाडीआं G J. गालइ-गालीइ A, गाले B C F, गालि G J, मुहगालइ K.

१५८ करी-करिउ B D, करिया C, करि F, पडिउ G, कीउ J, कर्युं K. जूजूआं-जूजूया B, जूजूआ C D F K. कीधां-कीधा D C. सवि-नरवि F, .K. नइ नाह em-नरनाह A B F, नि नाह C D G J, नइ वलि नाह K. वृद्ध-वृधि A, व्रध G. टलवलतां-लवलता K. दीठां-दीसि C, दीठा F. कटकि-कटक G J. ऊछली-उछली C G.

१५९ भणइ-भणि B C G J. अम्हे-अह्मे B C D,.. F, मि J. जनमि-जन्मि B, जन्म C D, जनम F G K,...J. आगिलइ-आगलिइ B, आगलि C J, आगलइ G. हींड्यां-हींड्या B, हीड्या D, हीड्यां F K, हींडए G, कीधां J. किस्यूं-किसू A, कस्यूं C, कीस्यूं D, किस्यं F, कसिउं G, किस्यां J, किसुं K. अणूरूं-अर्णूरुं A, अणुरुं C, अणूरुं F, अणूरुं G, अणूरा J. तुरकां-तुरकह्यं A, तुरक B D G J, तुरका F. पाडीआ दैवि-पाडीया दैवि A D, पाडीया दैवि B, दैव कां पाड्यां C, पाडीआ गाले F, पाडीआं करमि G, पाडीआं दैवइं K. वइरी दीधउं-वइरी पूरउं दीधउं A, दीधूं विरी B, वियरी दीधूं C, वयरी दीधु D, दैवइ दीधुं F, दैव दीधूं G, विरी दीधां J, वयरी दीधुं K. पूरूं-...A, पूरुं C D F G K, पूरां J.

१६० कइ अम्हे-अह्मे कि B, अह्मे कि C J, कहि अह्म F G, अम्हे कई K. कइ-कि B C J. चडाव्यां-चडाव्या A D F, चढावुं B, चडाव्यां C. iii qr in J is : कि उछंगि जणणी रोवंता. कइ-कि B C. जणणी-जननी C, जिणणी D,...F, अह्मे G. ऊछरंगि-उछंगि B C F, उछंगि D, उछगि G. रमंतां-रमतां B C D, रडतां F G. थान-थांन D G J K, थानकि F. विछोह्यां-विछोहियां B J, विछोह्या F K, विछोह्यां G.

१६१ गाइ-गाय C D F J, मांइ G. तणां-तणा F J K. कइ-कि A B C, तु F, मि J. गोचर-गोचर D. पेल्यां-भांज्या B J, पेल्या F K. कइ-कि B C J. लोप्या-लोपाव्या F, लोपीआ G. आघाट-अघाट C, घाट F G. कइ अम्हे-अह्मे कि B, कि अह्मो C, कइ F, कि अह्मे G, कि मि J. अई जंगलि-जंगलि B F K, कई जंगल C, अइ जंगलि G. मुघ-मधु B D J K, मांहि C, मद F, मघ G. लीधां-लीधा A F, लीधुं B,...G. कइ किहां-कि कहीं B, अह्मो कि C, कहि कई D, कहि कहीं F, कि कहीं G J.

कइ अम्हे मायबाप नवि मान्या, वेदवचन ऊथाप्यां ।
कइ अम्हे एकादशी नवि कीधी, विप्रदान नवि आप्यां ॥ १६२

कइ अम्हे कुलआचार लोपीउ, कइ संमेडा लाया ।
कइ घरि आव्या अतिथ न पूज्या, तिरस्यां नीर न पायां ॥ १६३

कइ परनारीगमन आचर्‍यां, कीधां पातिक पंच ।
पाधां धान उलवइ बइसी, छोरू कीधां वंच ॥ १६४

भर्‍यां सरोवर पालि ऊसासी, पीपलि दीधा घाउ ।
देव तणा प्रासाद पडाव्या, कइ हरि लाउ पाउ ॥ १६५

लाष लूण तिल वुहरया वीक्या, कन्याविक्रय कीधा ।
सोम सूर कइ राहु गिलंतइ महादान को लीधां ॥ १६६

---

१६२ **कइ**–कि B C G J. **अम्हे**–अह्यो B **माय**–माइ A B,. F. **नवि**–न B K, वचन नवि F,…J. **मान्या**–मान्या D, मान्यां G, ऊवेप्या J. **वेद**–देव B C G **ऊथाप्यां**–ऊथाप्या F J K, उथाप्यां G. iii qr in J is. कि अह्मे विया किसी न मांनी. **कइ**–कि B C, कई D, एक F **अम्हे**–अह्यो B, कहि F. **एकादशी**–एकादसी C F G, पर्वतिथि D. **नवि**–न B C F K **विप्रदान**–विप्रदांन A C G, कइ रिषि दांन D, विप्रननइ दान F, कि कहि दांन J, कइ विप्रांदांन K. **नवि**–न B C D J K,.. G **आप्यां**–आप्या F, उथाप्यां G.

१६३ **कइ**–कि B C J. **अम्हे**–अम्हि A. **कुलआचार**–कुलाचार B C, कुलआचारज J **लोपीउ**–लोप्या B F, लोप्यु J, लोपियो K **कइ**–कि B C G J **कइ**–कि B C G, D J **आव्या**–आव्या A K **अतिथ**–अतीथ B C, जो अतिथ D, अतीन G, अथीथ J, अतिथि K. **तिरस्यां**–तरस्या B C, तरस्यां D G J, तरश्या F. **न**–नि K. **पायां**–पाया A B F K, पाया C.

१६४ B reverses the vs order as 165, 164. G reads as i qr. परनारी कइ गमन आचर्‍यां. **कइ**–कि B C J **परनारी**–परनारि C **आचर्‍यां**–आचरीया A, आचरीयां B C, आचरीआ F, आचरियां J. **कीधां**–कीधा F. **पातिक**–पातक A B C, पातिग D F **पाधां**–पाधा F. **धान**–धांन D G J K. **उलवइ बइसी**–उलवि बिसी B, राति अंधारइ C, रात्रि अधारइं D, उलवइ बयसी G, रात्रि अंधारी J. **छोरू**–छोरु C G, कइ छोरू K. **कीधां**–कीधी A, कीधा B C D F J K

१६५ **भर्‍यां**–भर्‍या A K, भरिया B, कि भरीयां C, कइ भर्यां D, भरीयां G. **सरोवर**–शरोवर C. **पालि ऊसासी**–ऊखेल्यां C, पालि उसारी G. **पीपलि**–पींपलि A K, कि घण B, तरुअरि C, तरुअर D, तरुअर J. **दीधा**–घालिउ B, दीधां K. **घाउ**–घाय C. **देव तणा**–देव तणां B K **प्रासाद**–प्रसाद C. **पडाव्या**–विणाख्या B, पडाव्यां D. **कइ**–कही B, कि C J, काइ G. **हरि**–…उ B, हर G **लाउ**–लगाड्या C, लागु D G, न लागु J, लायां K. **पाउ**–पाय C G. iv qr in A is : कइ वलि दीधी लाइ.

१६६ **लाष लूण**–लाष मींणं लूंण D, लाष F, लाष लवण K. **वुहरया**–वुहरीया A, वुहोरां B, वुहरा G, वुहरियां J, वहुर्‍या K. **वीक्या**–वीक्यां A B K, वेच्या C, वेच्यां J. **कन्या**–कहिना B, कंन्या D F J K. **विक्रय**–विकरय C, विग्रय G. **कीधा**–कीधां F J K, कीधु G **सोम सूर**–सांम सूर D. **कइ**–कि B J, के C. **राहु**–राह G J. **गिलंतइ**–गलंति B C J, रालंतइ D, मलंता G, गिलंतां K. **महादान को**–दांनप्रतिग्रह A, माहादान को B G, महादांन को J, महादांन के K. **लीधां**–लीधा A F.

कइ विश्वासघात अम्हे कीधा, कइ अवगुणीयां गात्र ।
कइ धन प्राणि पियारां झूंटी पामर पोष्यां गात्र ॥ १६७

जन्म लगइ जेहनां धन लीजइ, तेह चाडि संग्रामि ।
कइ आपणा प्राण ऊगार्‍या, रूंध्यउ मेह्ल्यउ स्वामि ॥ १६८

कइ अम्हे स्वामिद्रोह आचरीया, कीधां आसवपान ।
कइ अम्हे ब्रम्ह घात को कीधा, कइ पाड्या बंधान ॥ १६९

कइ अम्हे नीचसंग आचरियउ, कनक चोरीया कापी ।
तुरक तणइ बंधानइ पडीयां, कहउ अम्हे केहइ पापि ॥ १७०

---

१६७ कइ–कि B C J. विश्वासघात–विश्वासघायन B, वीसासघात C, वीस्वासघात D G, विस्वासघात F, विश्वाशघात K. अम्हे कीधा–आचरीया B, अम्हे कीधां C D J K, अह्मो कीधां F. कइ–कि B C J. अवगुणीयां–अवगुणीया B F J, अवगणीयां D K, अवगणीआं G E commences again from vs 167 b. कइ–कि B C J. धन–धनि J. प्राणि–प्राण B G, प्रांणि D E J K पियारां–पीयारूं B, पीआरां C G, परायां D J, पीयारा F, पारका K. झूंटी–लूसी F, लूटी J K पामर–पामरि A, पांमर C E G K, पाधरि F, पापि J. पोष्यां–पोष्या B D F. गात्र–पात्र A E K.

१६८ जन्म–जनम E F G J K. लगइ–लगि B C G J, लगंइ K. जेहनां–जेहना F. लीजइ–लीजिइ B, लीजि C G J, लीजई D, लीधां E. तेह–तेहनां A, ते B, जइ तेह E. चाडि संग्रामि–चाडि संग्रामि B, पाप बहूत A, चाड संग्रामि C G, चाडइ संग्रामि D, वाड संग्रामि E, चडइ संग्रामि K. कइ–के B, कि C G J. आपणा–आपणां A G, आपणु B, आपण E, आंपणा K. प्राण–...B, प्राण C D E J K. ऊगार्‍या–ऊगारीयां A, अगारि B, उगार्‍या C, उगारिया E J, ऊगार्‍यां F, ऊगारियां G. रूंध्यउ–रूंध्यु B, रुंधिउ C, रुधिउ D, कइ रूधउ E, रूधउ F, नाठ G, रूंधी J, रूध्यउ K. मेह्ल्यउ–मूंकिउ A, मेहल्यु B, मेहली C D E G, मूंकि J. स्वामि–स्वामी प्राणि B, स्वांमि C D E G J K.

१६९ कइ–कि B C J, केइ D. अम्हे–अह्मो B E. स्वामि–स्वामी B C, सांमि D E K. आचरीया–आणीउ C, आचरीउ D F J, आचरीऊं E, आचरियो K. कीधां आसव पान–कीधां आसव पांन D, कि कीधां सुरापान C, कीधा आसव पांन F, कीधां सरहांपांन G, कि कीधां विषपान J, कइ कीधां आसवपांन K. कइ–कि B C J. अम्हे–अह्मो B E, ...F. ब्रम्ह–ब्रह्म B C D E F K, तापस J. घात–हत्या J. को–के A, ...J. कीधा em–कीधी A B E G J, कीधुं C, कीधो D, कीधां F K. कइ–कि B J, कहि E K. पाड्या–पाडीयां A, पाडिया B, पाड्यां E, पांडां G. बंधान–बंधांन D, बंधानि F J K, बधान G. iv qr in C is : किं अम्ह केहि श्रापि.

१७० कइ–कि B J, किं C. अम्हे–अह्मो B E. नीच–नींच B. संग–संग संग D. आचरियउ em–आचरिया A, आचरीया B, आचरीउ C D E G J, आचरीआ F, आचरीयउ K. चोरीया–चोरीआ C E, चोरीआं D F G K, चोरीयां J. कापी–काप B, कापि D E F G K, आपि J. तुरक–तरक E. तणइ–तणि B C G J, तणई D. बंधानइ–बंधण A, बंधणि B, बंधांन C, बंधांनि D, बंधनि E J, बंधांनइ K. पडीयां–पाडीया B, पडीआ C F K, पाडीयां E, पाडीआ G, पाडीआं J. कहउ–कहु A B D G E, कुहु J. अम्हे–अम्ह B F. केहइ–केहिइ B, केहे E, केहि G J. पापि–पापिइं E. iv qr in C is : कि सोस्या ब्रह्मचारी.

जई प्रधानि जालहुरि कान्हड कटकस्वरूप जणाव्यउं ।
पाटण थिकउ देव सोमईउ ढीली भणी चलाव्यउ ॥ १८०

कटक सनाहु हाथी घोडा, साहण संष न पार ।
गूजराति सोरठीयां माणस, झाल्यां बान अपार ॥ १८१

करी प्रतन्या राउल कान्हडि–तउ जिमीसइ धान ।
मारी मलेछ देव सोमईउ अनइ छोडाविस बान ॥ १८२

लेष लिषाणा आयस दीधां, फिरइ दिशि ऊपह्लाणा ।
करी सजाई पुहर पाछिलइ, तेड्या राउत राणा ॥ १८३

---

१८० जई–जइ G प्रधानि–प्रधान A F G, प्रधाने C, प्रधांने D, प्रधांन E J K. जालहुरि em–जालोर A, जालहुरि गढि B, जालहुरु C, जालहुंरि D, जालहुरउ E, जालुहरु F, जालहरु G,...J, जालउरइ K. कान्हड–कान्हड A E K, कांहांड G, कान्हडदे राउल J कटकस्वरूप–कटक B, कटकसरूप C D K, कटकसरुप G. जणाव्यउं em–जांणाव्यउं A, जणावूं B, जणाविउं C E, जणाव्यु D F, जणाव्युं G, जणाव्यूं J, जणाव्यउ K. पाटण–पाटणि B D J. थिकउ–थकु A C, थकी B, थिकु D E G J, थकउ K सोमईउ–सोमइउ G. ढीली–ढिल्ली C, ढीलीअ F. भणी–भणीअ F चलाव्यउ em–मलाव्यउ A, चलावुं B, चलाव्यु C D F G J, चलाविउ E iv qr in K is· बांन थकउ छोडाव्यउं.

१८१ F MS ends at हाथीघोडा, 181 a. K omits vs 181. सनाहु–सनाहु A K, सन्नाह C, सैन्यनूं E, सनाहं F, सनाहूं J घोडा–घोडां A D E साहण–सांहण A, साहाण B. संष–संख A E, संष्य G, संषि J. न–नई E. गूजराति–गूजरात A B D E. सोरठीयां–सोरठीया B, सोरठीआं C D J, सोरठीआ G. माणस–मांणस A C E J, मांणश D. बान–बांन A C D E G, बांद J. iv qr in C is: बांन न लाभि पार, in D is बांन न लाभइ पार; in J is बांद न लाभि पार.

१८२ K omits vs 182. प्रतन्या–प्रतज्ञा A, प्रतिज्ञा B D, प्रतिन्या J कान्हडि em–कांन्हडि A, काहिंई B, कांहि C, काहिं D, कान्हइं E, काहांनि G, काह्नि J तउ–हिव तु B, हवि तु C D G J, हवइ तु E. जिमीसइ–जीमीसइ A, यमीइ B, जमीइ C G, जिमीइ D E J. धान–धान C D E J. मारी–सारी G. मलेछ–मेछ B G, म्लेच्छ C, म्लेछ D, अह्रो E. सोमईउ–सोमइउ G. अनइ–अनि B J, अठइ G, हवि C, अन D. छोडाविस–छोडावी B, छोडाविउं C, छोडीचुं D, छोडावउं E, छोडावु G, छोडाव्यूं J. बान–बांन A C D E G.

१८३ लेष–लोष G, लाप J. लिषाणा–लिषाणा A, लषांणां D, लिषणा E, लषांणा G, लाषे J, लेषाणां K. आयस–आइस A. दीधां–दीधा C D. फिरइ–फरि B C G J, फिरि C. दिशि–देस B, देसि C D G, देसे J, दिसि K. ऊपह्लाणा–ऊपलांणा A G, ऊपल्याणा B, ऊपलाणि C, ऊपलाणा E J, उपलांणा K. सजाई–सजाइ G. पुहर–पुहुरि B, पहुर E K. पाछिलइ–पाछलि B G. iii qr in C is: काह्नडदेनि जो वली वचनि; in D is कान्हडदेने जो वली वचने. in J is कांन्हडदेने उत्तम वचने. तेड्या–तेडीया A G, तेडिया E. राणा–रांणा A E G, रांणां K. iv qr in C is: मिल्याज राणो राणि: in D is मिल्याज राणो रायाणी; in J is मिलीआ राणोरांणि.

राजवंस छत्रीसइ मिलीया, षांडा लाष बिच्यारि ।
एक एक पाहइ सपराणा, जिहि भुजि नावइ हारि ॥ 	१८४

पाणीपंथा नइ षुरसाणी, एक तुरकी तुरंग ।
सूडापंथा नइ किहाडा, एक नीलडा सुरंग ॥ 	१८५

पंचवर्ण तेजी पाषरीया, कूंकूछोल पह्लाण ।
सोनां तणां सांकलां पाए, हणहणीया केकाण ॥ 	१८६

प्राणि षुरातलि धरणी षूंदइ, एक न मानइ साट ।
बारगिरी तेजी दिवराणा, चालइ ऊवट वाट ॥ 	१८७

सावलोह पाषर नइ चामर, घणी घूघरी घमकइ ।
पाणी तणी ढलकती छागल, नीचां फूमत मूंकइ ॥ 	१८८

---

१८४ राजवंस–राजवंश B J, राजविंश D, राजनंस K. **छत्रीसइ**–छत्रीसि B C G J. **मिलीया**–मिलीआ C D G J, मिलिआ K. **षांडा**–षांडां A J, घोडां B, पाला C. **बिच्यारि**–विच्यारि A D, विच्यार C, बिच्यार G. **पाहइ**–पाहि B G, पांहि C D J, पांहिइं E, पांहइ K **सपराणा**–सपरांणा A D E G J K. **जिहि**–जे B J K, जेह C D E. **भुजि**–भुजे A K, भवि B, भडि C, भूजि D E,...J. **नावइ**–नावि B C, नवि मांनि J, न आवइ K. iv qr in G is चालि ऊवट वाट.

१८५ पाणीपंथा–पांणीपंथा C D E J K. **नइ**–ते B, नि C J, नी D, अनइ E G **षुरसाणी**–षुरासाणी C D, षरसाणी E J, षुरसाणी G K **तुरकी**–तुरक्की B, तोरकी D G, तुरंकी E,...K **तुरंग**–तरंग E, तोरंग G. **सूडापंथा**–सूडापंथा A, सूडापंषी B J K. **नइ**–नि B C J, नइं E, अनइ G K **किहाडा**–कीहाडा J, षुरसांणी K. **नीलडा**–तोरकी K. **सुरंग**–तुरंग C K, सुरंगा D, सूरग G, रंगि I.

१८६ पंचवर्ण–पांचवरण A, एकवर्ण B, पंचवरण C G. **पाषरीया**–पाषरीआ C, पाषरिया K. **कूंकूछोल**–कूंकूल्षेल B J, कंकूल्षेल C G, कुंकुंलेले D, कंकूरोल E, कुंकूलोल K. **पह्लाण**–पह्ळाण A, पहलाण B, पल्हाण D, पलांह्ण G, पलांण K. **सोनां**–सोना B D E G J K. **तणां**–तणा G. **सांकलां**–सांकला D. **पाए**–पाऊ D G, पहिरियां E. **हणहणीया**–हणहणीआ G. **केकाण**–केकाण C D E G K, तोषार J.

१८७ प्राणि–पाण B, प्रांणि C E G J, पाणि D, प्राणइ K. **षुरातलि**–धरातलि B J, षुरा G, षरतलि K. **धरणी**–धरती C D E J K. **षूंदइ**–षुंदइ A D G, षूंदि B J, षुंदि C. **एक**–एकि E, इकि K. **मानइ**–मानि B G, मांनइ E K, मांनि J. **साट**–साढ E. **बारगिरी**–बारगरी B G J. **दिवराणा**–दिवरांणा A K, देवराणा B C, देवरांणा D G. **चालइ**–चालि B C J, चालइं D. **वाट**–वाटइ A.

१८८ सावलोह–सवाल्होह K **पाषर नइ चामर**–चामर नइ पाषर A, चामर नि पाषर B, पाषर नइं चामर D, पाषर नइं चांमर E, पाषर नइ चांमर G, पाषर निं चामर J. **घणी**–घणूं B, घणइ K. **घूघरी**–घूघूरी G. **घमकइ**–घलकिइ B, घलकि C D G J, घलकइ E, घलूकइ K. **पाणी**–पांणी E G J K. **ढलकती**–झलकती K. **छागल**–चागल D, छागलि K. **नीचां**–नींचां B, निचा K **फूमत**–फूंगत A, फुंमत C K, फुंमत D, फूंबत E, फूमतो G. **मूंकइ**–फरकि B, मूंकि C D J, लहिकि G, मुंकइ K.

अंगा दीप रेमाउलि पांडां, पेडो पटा कटारी ।
सींगणि जोड भली तरूयारी, लीजइ सार विसारी ॥ १८९

छत्रीसइ दंडायुध लीधां, पडणि पढ्यां तिणि वार ।
आस्यापुरी सकति कर जोडी, राउलि करीउ जुहार ॥ १९०

पूजा करी कुसम नइ चंदनि, एक राउत पाए लागइ ।
आस्यापुरी कान्ह जीपाडे, कही आसिका मागइ ॥ १९१

॥ अथ भडाउली ॥

राजा कान्हडदे तणइ कटकि पाछिलइ पुहरि कडाहि चडइ[1] । बाज पडइं[2] । सिंहथि बीडां[3] । प्रयाहि घोडा पडषता न सहइं[4] । थानांतरि वहिलां

१८९ अंगा–आंगा B D E J. रेमाउलि–रमाउलि B E J. पांडां–पांडा C G K, पाडां J. पटा–पाट K. सींगणि–सींगण B, सिंगणि C, सीगणि D G J K, सीगिंणि E. जोड–जोडि G, जोम्र I. भली–...J. तरूयारी–तरूयारिं B, तरुआरि C G, तरूयारे D, तरूयारि E, तरुआरिह मिसरी J, तरुआरि K. लीजइ–लीजि B C G J, लीज्यइ K. विसारी–वसारी B, विधारी C, वीसारी D

१९० छत्रीसइ–छत्रीसि B C G J. दंडायुध–दंडाउध A, डंडायुध D G J, दंडायध E लीधां–लीधा C. पडणि–पडण B C E G J K, पडणा D पढ्यां–पढीया A, पडिया C, पढ्या D G, पडियां E, पडि J, पाड्यां K. तिणि वार–तरुयारि A, तीणि वार B, तेणी वार C E, तिणि वारि D J. आस्यापुरी–आसापुरी A B K, आश्यापुरी D, आशापुरी E J, आसापूरी G. सकति–शक्ति A, शंकति B D J, शिकति E. कर जोडी–जिहां जुहारि D. राउलि–राउल C K, कान्हड J करीउ–करिउ B E G, करि C J, कथउ K. जुहार–जोहार J. iv qr in D is: राउ चड्या तिणि वारि

१९१ कुसम नइ चंदनि–कुसुम नि चंदन B, कुसम नि चंदन C, चंदन नि कुसमिं D, कसम नइं चंदनि E, कूसम नि चंदनि G, कुंकम नि चंदन J. एक राउत–एक राउल C, एकि राउत E. पाए–पाय D G, पाइ K. लागइ–लागि B C G J. आस्यापुरी–आसापुरी B, आश्यापुरी D, आशापुरी E J, आशापूरी G, आस्यापुर K. कान्ह–कान्ह E K, कांहांन G. जीपाडे–जीपाडे B, जीपावे K. iii qr in A is. कान्हड जीनइ आसापुरि देवे. कही–करी B, इम कही C, कहि D, इसी K. आसिका–आशिका B D E J. मागइ–मांगइ A K, मागि B C G J, मागइं D.

अथ भडाउली–अथ भिडाउली A G, अथ भड्डाउली वर्णनं C, भटाउली: D, भिडाउली E,...J, अथ भिडाउलि वर्णनं K.

1 कान्हडदे–कान्हडदे A, कान्हड D, कांहांनडदे G तणइ–तणि B C D G J. कटकि–कटइ A, कटक C, कटइ E G. पाछिलइ–पाछिलि B, पाछलि C D G. पुहरि–पुहुरि B, पहरि E, पुहर G, प्रहरि K. कडाहि–कडाहं C. चडइ–चडइं A, चडिइ B, चडि C, चडि D G.

2 बाज पडइं–...B C K, बीजडि D, बाज पडिइं E, जं पडि G.

3 सिंहथि em–संहथि A, सिंहत्थि B, स्वहस्ति C D G, सहिति E, स्वहस्त K. बीडां–...E, बीडा G.

4 प्रयाहि–प्रयाइ D, प्रयाहिं E, प्रवहि K. घोडा–घोडां A E, घोडां D K. पडषता–पडपतां E K, रुकत तिख्यां पडषतां G. न–नि C, नइ D. सहइ em–सहइं A, सहिइ B, सहिता C, सहि D G, सहिं E, सहिं K. J MS versifies ll 1–53 of the Bhaḍauli. J reads for ll 1–4:

राजा कान्हडदे तणि कटकि । कडाहि उतरि प्रहर त्रीजि ।
सांझ पडि चित्री सविकहिमी । स्वहथि बीडां दीजि ॥

सुषासण चाल्यां[5] ।

कंठलीया किस्या[6] । भंडार भरीया[7] । आलोचि आत्मानइ आव्या[8] ।
मंत्र सुहाडि हूई[9] । शेहथ सीषामण हूई[10] । गोत्रदेव्यानइ नैवेद्य नीपनां[11] ॥
सूरा सुभट पित्री तणे घरे घोडा पाठव्या[12] । छत्रीस वर्ण तणा
घोडा[13] । किस्या किस्या घोडा[14] । उजरा[15] । गहुरा[16] । कारा[17] ।

---

5 थानांतरि–थानांतर B, स्थानंतरि C, थानांतरि D E G K. वहिलां–विहलां A, पहिला B, वहिता C, वहिला D, वहिल्यां K. सुषासण–सुषासन B, सुखासनि C, सुषासनि D, सुषासणि E, सुरवासणां K. चाल्यां–पाला B, चाल्या C D, चालां G.

6 A reads as l 6 · कीसा लीया कंठा कंठा–कोठा C. लीया–रीआ C, लीयां E, लीआ G. किस्या–कीसा A, कासि C, कश्यां E, कशा G, कस्या K

7 भंडार–अहंकार A, भंडारी C. भरीया -भर्या B K, भिरया C, भरियां E

8 C omits l 8. आलोचि–आलोच B E G, आलोच्चिइं D. आत्मानइ–आत्मानि B D E G K. आव्या–आद्या E. G transposes ll. 8, 9, the order being 9, 8.
J reads for ll 5–8.

> सुषासणि चकडोल पालषी । राणी हरसवि बिसि ।
> सषी समांणी सरसा रंगि । भोगि कान्ह सवि लेसि ॥

9 मंत्र–मंत्रि C, मंत्री D. सुहाडि A E–महीडे B, मुडाधानि C, माहि डाहे D, सुहडि G, महा K. हूई–हई A,...B C D K, हइ G.

10 शेहथ–सेलुहुत B,...C, सेलहथ D, सेल्हत E, सेलतहत G, सिलहत K. सीषामण–सीषांमण C D E G, शीषामण K. हूई–हुई A C, वेइ G, देई K. After l 10 B adds : पडण पड्यां, G adds पडण पड्या.

11 देव्यानइ–देव्यानि A B C, देव्यानइं D E K. नैवेद्य–नैवय D, नीवेद E, नैवेद G, नैवोद्य K. नीपनां–नींपनां B. J reads for ll 9–11 :

> गुरु गोत्रजनि सवि देवता । पाय लागी चहूआंण ।

12 सूरा–सुरा C, सूर E, सूरां G. सुभट–सूभट D, सभट E, सूरा G. पित्री–क्षित्री B, क्षत्री C G,...K घरे–घरि E. घोडा–घोडा B E. पाठव्या–पाठव्यां A E.

13 B omits l 13. तणा–तणां D.

14 किस्या किस्या घोडा–किसा २ वर्ण तणा घोडा A, किस्या २ वर्णना घोडा पाठव्या B, ते केहा २ C,...D, किश्या घोडा E, कस्या २ G, किशा २ घोडा K. J reads for ll 12–14 :

> सूरा सुभट पित्री सवि तेडि । जेहमां अतिहि परांण ॥
> वर्ण छत्रीसि अश्वज आण्या । ते हवि कुण कुण कहीइ ।

15 उजरा–उजहा A, उज्झोहा B, ऊजरा C, उजरा घोडा D, ऊजहा१ E, उजूहा G, उकर १ K.

16-17 गहुरा कारा–गुहरा कारा B, कीरा गुकरा C, काला केहाडा हुवरा D, गहुरा २ कारा ३ E, गहवरा करा G, गुहरा २ कारी ३ K.

तोरका[18] । भारिजा[19] । सींधूया[20] । अहिवाणा[21] । पहिठाणा[22] । उत्तरदेसना ऊंदिरा[23] । कनूजदेसना कुलथा[24] । मध्यदेसना महूयडा[25] । देवगिरा[26] । देवगरा देषाऊ[27] । रुंबरा[28] । बेवाणा[29] । संभ्राणी[30] । पाणीपंथा[31] । ऊराहा[32] । शेराहा[33] । कालीकंठा[34] । किहाडा[35] । करडा[36] । करडागर[37] ।

---

18 तोरका–तारका A, तुरकी B, तारका ४ E, तोरकी ४ K.

19 भारिजा–भारिना ५ E, भारिजा ५ K.

20 सींधूया em–शींधूया A, सीधूया B D, सिंधूआ C, शींधूया ६ E, सीधूआ G, संधुया ६ K.

21 अहिवाणा–अहिठाणा B, अहिवांणा C, अहिवांणां D, अहिवांणा ७ E, अहिठांणा G, अहिवांणा ७ K.

22 पहिठाणा–पहिठांणा A, पइठाणा B,...D G, पहिठाणा ८ E K.

23 उत्तर–उतर A. देसना–देशना B, देशना ९ E, दसिना घोडा D. ऊंदिरा–उंदिरा B G, उद्धसा C, ऊंदिरा D, ऊंदिरा १० E, उदरीया ९ K.

24 कनूज–कनोज D G, कनूंज E, कनउज K. देसना–देशना B, देसना घोडा D, देसना ११ E कुलथा–कलथीया B, कलथा C, कलथा हासला घोडा D, कुलथा १२ E, कलथा G, कुलथीया १० K.
J reads for ll 15-24 :
उञरा अनि काला किहाडा । गुहर तुरकी सहू हाय ॥
भारिज सीधूया हींवाणा । पहिठाणा उत्तराही ।
घोडा ऊंदिरा कनूज देशना । कुलथ हांसला मध्याही ॥

25 मध्य–सध्य G. देसना–देशना B C E, देसना घोडा D. महूयडा–मल्हडा A G, मुहडा C, मल्हडा १३ E, महुडा ११ K.

26 देवगिरा–देविगिरा A, देवगिरी C, देविगिरा घोडा D, देविगिरा १४ E, देवगिरा १२ K.

27 देवगरा–देवगर A,...B C D G, देवगीरी१३ K. देषाऊ–...C D, देषाउ G, देषाऊ१५ E, देवगिराउ १४ K.

28 रुंबरा em–रुंबरं A E, शंबरा B, उरंबरा C, ...D, रुबरू G, रुंबर K.

29 बेवाणा–बेवाण A, पठाण B, . D, बेवाणा१६ E, बेचाण G, बेवाण १५ K.

30 संभ्राणी–संभ्राणीया B, संभांणा C, ...D, सभरांणी१७ षुरसाणी१८ E, सुभ्रणा G, संभ्राणी१६ K.

31 पाणीपंथा–...D, पांणीपंथा E G, पांणीपंथा१७ K

32 ऊराहा–ऊरुहा B,...D, ऊरहा E, उराहा G, उरीहा १८ K.

33 शेराहा–शिराहा B, सेरहा C,...D, सेराहा G, शोरहा १९ K.

34 कालीकंठा–कालीकांठी A E, गंगाजला D, कालीकंठि G, कालकंठा २० K.

35 किहाडा–कुहाडा B, C D, किहडा २१ K. J reads for ll 25-35 :
महुडा देवगिरि देवईया । रुंबर बेवाणा घोडा ।
सचाणी अनि पांणीपंथा । सेराहा उराहा ॥
सेराहा शरषला डाहलीया । हंसाला केकाणा ।

36 करडा– ...B, करडा G, करडा २२ K.

37 करडागर– ...C D, करडा २३ K.

नीलडा[38] । मवहडा[39] । हरीयडा[40] । शरेयंडा[41] । टूंककना[42] । येत्र षुरासाणी[43] । वाहडदेसना बोरीया[44] । लहिटूया[45] । गंगेटीया[46] । हंसजावर[47] । ऊडणभ्रमर[48] । ऊधर्सां फोरणां[49] । चपल चरण विस्तीर्ण[50] । शालिहोत्रि प्रतिष्ठा सिद्धा[51] । विशेष गति करइ[52] । मनस्यूं चालइ[53] । पवनस्यूं तरइ[54] । पाटीए पग देई ऊतरइ[55] । लक्षण मनि धरइ[56] ।

---

38 नीलडा– ...C D, नीलडा २४ K.

39 मवहडा–महूयडा B,...C D E, मुहडा G, महूडा २५ K.

40 हरीयडा–हरीडा A B G,...C D, हरियडा २६ K. In A ll 40–42 follow l 25; the order being 25, 40–42, 26. In C 41–42 follow l 33; order being 33, 41–42, 34.

41 शरेयंडा–खिचरडा B, सरषंडा C G,.. D, शरुषंडा २७ K.

42 टूंककना–घटकत्रा B, उंटकना C,...D, टुंककना E, टूककना G, हुंककंना २८ K

43 षुरासाणी–षरसाणी A, षुरसांणी D, षरसांणीना E, षरासाणी G, षुरसाणी K.

44 वाहड–वाह D. देसना–देशना B C E. बोरीया–बोरीआ A, बोरिया K.

45 लहिटूया–लहिटूआ A, हलझ्या B, लहिटुआ C, लहिलुया E, लायदेसना लहिटरिया K.

46 गंगेटीया–गंगेटी B, गंगेटूंआ C, गंगेटिया D,.. G, गंगापारना गंगेटिया K.

47 हंसजावर–हंसजादरा B K, हंसजाद घोडा D,...E.

48 ऊडणभ्रमर–ऊंडणभ्रमर A, उडणभ्रमर C K, ऊडणभ्रमरी D,...E, ऊडण पङ ते G.

49 ऊधर्सां–उद्रसा B, ऊद्रसा C,...D E, उध्वसां G, उधर्सां K. फोरणां–फारणां A, फोरडा B, फेराणा हांसला गंगाजला C,...D E, फीरणां G, फोरणा २९ हंसला ३० गंगाजल ३१ K.

50 चपल–चफल A, चपल ३२ K. चरण–वर्णं C G, चीरण D. विस्तीर्ण–विस्तीर्णः चरण A, वस्तीर्णं D, विस्तीर्णं ३३ K.

51 शालिहोत्रि–शात्रिहोत्रि A, शालिहोत्र B K, सालिहोत्र C, सालोहोत्र D, शाल्होत्रि E, साल्होत्र G. प्रतिष्ठा–प्रतिष्ठित B, प्रतिष्ठा C, प्रतिष्ट्या D, प्रतिष्ट K. सिद्धा em–शिद्धा A E,...B, सुद्ध C, सिद्ध D, सिद्धि G, विशिद्धा ३४ K.

52 विशेष–वशेष D, विसेष G. गति–गमन C, मति G. करइ–करइं A, करि B C D G, करइ ३५ K.

53 मनस्यूं–मनसूं A, मनसुं C, सनस्युं D, मनसिउं E, मनसिं G, मनुसुं K. चालइ–चालि B C G, चलइ D, चालइ ३६ K.

54 पवनस्यूं–पवनसूं A, पवनसुं C, पवनस्युं D, पवनसिउं E, मनसूं G, पवन जिम K. तरइ–तरइं A, तरिइ B, तरि C G, तिरइ K.

55 पाटीए–पाटि C, पाट D, पाटली K. पग–दगपग A, पग दग E, पर K. देई–देइ G, दे K. ऊतरइ–उतरइं A, उतरिइ B, उतरि C G, उतरेइ D, ऊतिरइ K. The order of ll in A B E G K is 49–54, 43–46, 55–58, 47, 48, 59. J reads for ll 36–53:

उर्धसा गंगाजल चपला । चारण छि विस्तीर्णा ॥
येत्र पुरा अनि षुरासांणी । वाहडा लहटा नि गंगेट ।
हंसआवूआ ऊडणभ्रमरा । सालिहोत्रप्रतिष्ट ॥

56 लक्षण–लषण B. मनि–मुनि B K, मुनि E, गति G. धरइ–धरइं A E, धरि B, C D omit l 54.

। समुद्र मांहि वस्या[57] । कसवटी कस्या[58] । ते घोडा पृथवी पुरतालइ[59] ॥ वाघवालीया च्यारि च्यारि विलगा छइ[60] । किरि जाणीइ आकाशि तणां गमन करशि[61] । अथवा पाताल तणां पाणी प्रगटावशि[62] ।

ते घोडा गंगोदकि स्नान कराव्या[63] । तेह तणि सिरि श्रीकमलि पूजा कीधी[64] । तेह तणी पूठि बावनाचंदन तणा हाथा दीधा[65] ।

तेह तणी पूठि पंचवर्ण पाषर ढाली[66] । किसी किसी पाषर[67] । रणपषर[68] ।

---

57 समुद्र–समुद्रइ E. मांहि–माहि A E G K, मांहिं B,...C. वस्या–वश्या D, वसा G, तिरइ K.

58 कसवटी–कसुटी B G, कसुटीइं C, कसोटी D, कसउटी E K.

59 घोडा–घोडे D K. पृथवी–पृथ्वी B C K, प्रथवी D E G. पुरतालइ–पुरत्तालइं A, पुरातालि पूंदि B, पुरतालि C G, पुरुतालि D, पुरातालइं K. J reads for ll 54-59 ·

जातिसुजाती अनि सुविसिद्धा । रद्धिवृद्धि कर सोह ।
श्रयकर्त्ता सुशोभितवर्णा । द्रष्टि ऊपजि मोह ॥

हवि भट्टाई ॥ वार्त्ता ॥ ते घोडा वीसि किशा । समूद्रमांहि वशा । कसुटीइं किशा ।

60 C D J omit ll 60-62. वाघवालीया–वाघावालीइं B, वाघवालिया E, वाघचालीआ G, वागवालीआ K च्यारि च्यारि–असवार B, च्यारि २ E G. विलगा–वलगा A B E G. छइ–छइं A, छि B G

61 किरि– ... B, करि E G K. जाणीइ–जाणे B, जांणीइ E, जाणियें K. आकाशि तणां–आकाश B, आकास G, आकाशनै K. गमन–गमत G. करशि em–करशिं A, करसि B G, करिसिं E, करिस्यै K.

62 अथवा– ... B G. पाताल–पातल E. तणां–तणू G. पाणी–पांणी E K. प्रगटावशि–प्रगटावसिइं A, प्रगट हुसि B, प्रगटावसि G, प्रगटावस्यै K

63 ते–तेह J. घोडा–घोडानइं E, घोडां J गंगोदकि–गंगोदकिं B, गंगोदकिं तणां E, गंगादकइ K. स्नान–स्नांन D E J कराव्या–कराव्या E.

64 तेह–तह E. तणि–नि A, तणे D E G K. सिरि em–भले A, .. B E G K, शिरि C, सरि D, शरि J श्रीकमलि–निरम कमलि करीनइ A, कमल C D J, श्रीकमल G, श्रीकमले K. पूजा कीधी–पूजाव्यां J.

65 तणी–तणि B J, तणे D, घोडा तणी G. पूठि–पूठिं B, पुंठि C, पूंठे D, पूंठिं E, पूठइ K. बावना–बावनां A, बावनना B, बावन E J, बावंना G. तणा–ना B, ... D. दीधा–निश्या E, निशा G.

66 तणी–घोडा तणें D. पूठि–पूठिं B D, पुंठि C, पूंठिं E, पूठइ K. पंचवर्ण–पंचवरण G. पाषर–पाषण G, पाषरि K. ढाली–ढली A, घाती D, पडी G, घाली K. J reads as 66 : कवी पातणी जटित विचित्राई कीधी ।

67 किसी किसी–किसी २ A E, किसी २ ते B, ते कसी २ C, कसी २ D G, किसी ते J, किशी किशी K. पाषर–...G

68 A transp. 68, 69. रणपषर –रणपष्यर B, रणवषर A C D E J,...K.

जीणपखर[69] । **गुडिपखर**[70] । **लोहपखर**[71] । **कातलीयाली पाषर**[72] ॥

तेह घोडा तणी पूठि पंचवर्ण पल्हाण पख्यां[73] । **किस्यां किस्यां पल्हाण**[74] । **कुली कुंकूरोल**[75] । **बोडीया नागफणा**[76] । **वाजती वज्राउली**[77] । **वेसरां बहिरषां**[78] । **थलथलारा गूंछां**[79] । **आहांस्यां ऊकडा**[80] । **पुहुली पातली पटाट**[81] । **ढलकती छागल**[82] । **पीतलहर पागडां**[83] ॥

तेहे घोडे किस्या किस्या चित्री चडीया[84] । **पंचवीस वरस ऊपहरा**[85] । **पंचास वरस मांहि**[86] । **लुघसंधानीक**[87] । **वीराधिवीर**[88] । **आकरणांत**

---

69 **जीणपखर**–जीणवषर A C D E, जीणपष्यर B

70 **गुडिपखर**–गुडिवषर A C D E J,...B, गुडीषषर K.

71 **लोहपखर**–लोहवषर A C J, लोहपष्यर B,.. E

72 **कातलीयाली**–कातलीआली C D G J, कातलीयारी E, कातलियानि K. **पाषर**–वषर A, पष्यर B, पषर K. Note–G MS ends at l 72; H MS commences immediately from l 73.

73 H MS starts from l 73. **तेह**–तेहज C, ते A B. **घोडा**–घोडां A J. **पूठि**–पूठिं B, पूंठि C D, पूंठि E, पूठइं पंचवर्ण पाषर घाली K. **पंचवर्ण**–पंचवर्णा K. **पल्हाण**–पल्लाण A, पहलांण D, पलाण H, पल्हांण J, पल्लांण K. **पख्यां**–पांख्यां B, मांडियां C, माख्या D, जडां H, मांख्यां । वैडूर्य मणे जड्यां J, पख्या K.

74 **किस्यां किस्यां**–किस्यां २ A C E, किस्यां २ ते B, किस्या २ D, किसा २ H, किशा २ J K. **पल्हाण**–...A H, पल्हाण C, पहलांण D, पल्लांण K.

75 **कुली**–कली B E,...C D J, कुलि H, कुंली K. **कुंकूरोल**–कूंकूलोल B J, कुंकोलोला C, कंकलोह पहलांण D, कंकूरोल E, कंकूलोल H, कुंकुंलोल K

76 **बोडीया**– ... A B E H, बोडीया J, बोडिआ K. **नागफणा**– ... A B E H, नागफणां D J.

77 **वाजती**–वाजनी A E, वजति B, वीजली J. **वज्राउली**–वज्राउली A H, वाजाउली B, वजाउलि C E, वजावली D.

78 **वेसरां**–वेसूरां A E,...B C D J, वेसुरां H. **बहिरषां**–वहिकां A E,...B C D J, वहूकां H, बहिरषा K.

79 **थलथलारा गूंछां**–छलथरा गूंछां A,...B C D J, थलथलारा गुंछा E, थलथलारा गुछा H, थलह गुंछा K. In H l 79 follows l 81.

80 **आहांस्यां ऊकडा**– . B C D J, आंहांस्यां ऊकड्यां E, अहांस ऊकडा H, रूबंतस्या ऊकटा K.

81 **पुहुली**–पिहुली A, कटी पुहली B, पुहवी C, पुहली D H, पहुली E K. **पातली**–.. B, पतली H. **पटाट**–पटाटि B, पटाढ E K

82 **ढलकती छागल**–झलकतां फूमत्त मूंक्यां B, ढलकती पांणीनी छागल D. J omits l 82.

83 **पीतलहर**–पीतलमइ A, पीतलमि C, पीतलहरां E, पीतलहरमइ K. **पागडां**–पागडां चमचमाट वाजि C, वाजतां पागडां D.

84 **तेहे**–तेणे C, तेह J, तिहि K. **किस्या किस्या**–किसा २ A H, किस्या २ B C E, किस्या २ D, किशा २ J. **चित्री**–क्षित्री B C, क्षत्री E H. K transposes as : चित्री किशा किशा. **चडीया**–चड्या B D J K, चढ्या C, चडिया E, चडा H.

85 **पंचवीस**–पचवीस H. **ऊपहरा**–ऊफरा B C E H, ऊपरें D, ऊपहिरा J, उपहरा K.

86 **मांहि**–माहि A E H K, मांहिल्या J.

87 **लुघसंधानीक**–लघ्यूसधानी H, लघुवइं संधानीक K. B C D E J omit l 87.

88 B C D J K omit l 88.

मूंछ[89] । नाभिप्रमाण कूंच[90] । उदार झूझार[91] । हईइ सुविचार[92] । थोडउं बोलइ[93] । मनसिउं तिरइ पवनसिउं चालइ[94] । कीर्त्ति विस्तरइ[95] । परनारीसहोदर[96] । संग्रामि सधर[97] । बोलावी मारइ[98] । मारी मरइ[99] । आपणा स्वामी तणूं काज करइ[100] । छत्रीसइ दंडायुध धरइ[101] । हथीयार वावरइ[102] । पच्यानइ शव भणी नमस्कार करइ[103] ॥

तेहे राउते चालते हूंते[104] । हस्ती गुडीया[105] । तुरी पाखरीया[106] । रथ जूता[107] ।

---

89 आकरणांत-आकर्णांत C D J, आकर्णांति E, आकरणांतक H. मूंछ-मुंच्छ C, मूंछि D, मुछ H, मुंछ K. B omits ll 89-91.

90 नाभिप्रमाण-नाभिप्रमांण D E J K. कूंच-कुंच A K, कुंछ C H, कुंचि D, कूंछ J.

91 उदार-ऊदार D K.

92 हईइ-हीइ A, हइइ H, हियइ K. सुविचार-सविचार E, सुवचार H. B C D E J omit l 92.

93 थोडउं-थोडुं C, थोडूं D E, थोडू H, घोडा J, थोडंउ K. बोलइ-बोलई A, बोलि C, बोलिं H, बोल्या J. B omits ll 93-96.

94 मनसिउं-मनसूं AE, मनसुं C H K. तिरइ-...A E, तरि C, तरइ D, चालि H. पवनसिउं-...A E. पवनसुं C H K. चालइ-चालई A, चालि C D, तरइ H J omits 94-95.

95 कीर्त्ति-कीरति C, कीत्ति K. विस्तरइ-विस्तरई A, विस्तारि C D, वस्तरि H.

96 परनारी-परनारि A, ते परनारी J.

97 संग्रामि-संग्रामे C, संग्रामिं E, संग्रांमि H, संग्राम K. सधर-महाधर J.

98 बोलावी-बोलावीज C. मारइ-मरइ A E, मारिंई B, मारि C D J.

99 मारी-मारीनि C, मारीनिइं D. मरइ-मरि C D H J, मारइ A B omits l 99.

100 The order of ll in H is 103, 101, 100 स्वामी तणूं-स्वामीनूं A, स्वामी तणुं C, स्वांमी तणूं D H J, स्वांमीनूं E, स्वामी तणा K. काज-कारिज D, कार्य E H J K. करइ-करई A, सारि C, करि D H J. B omits ll 100, 101.

101 छत्रीसइ-छत्रीस A H. दंडायुध-दंडाइध A, युद्ध D, दंडायध E, डंडायुध H K. धरइ-धरई A, वावरि C H, सरम करि D, वावरइ K. J omits ll 101-136.

102 B C D H K omit l 102.

103 पच्यानइ-पच्यानि C H,...B D, पच्यांनई E, पच्यांद्रइ K. शव भणी-शिव भणी A E K, सूर्य भणी B, शिवनइं D, सव भणी H. करइ-करई A, करि B C.

104 तेहे-तेह B C H, ते D, तिहि K. राउते-राउत C. हूंते-हुंते A, छाक्या B, थके C, थके हुंते D, थिके हूंते E, थके हूंते K,...H.

105 हस्ती-हस्ति E, हयि K. गुडीया em-गुड्या A B D K, गुंड्या C, गडिया E. H omits ll 105-107.

106 तुरी-तुरीय A, तरी E. पाखरीया-पाखऱ्या B D K, पाखरिया C E.

107 जूता-जोतऱ्या D

राउत चडीया[108] । सनाह लीधा[109] । किस्या किस्या सनाह[110] । अरहजीण[111] । जीवणसाल[112] । जीवरषी[113] । अंगरषी[114] । करांगी[115] । वज्रांगी[116] । लोहवद्धलुडि[117] । समस्त संनाह लीधा[118] । सज्जीभूत हुआ[119] । मुगट तणा शृंगार धडहडीया[120] । रत्नाउली झलकती[121] । मोजां कठी कसकशी[122] । राग रसउशी[123] । वाघ वज्राउली वाजी[124] । साहण फडहडा[125] । फेतकारनी फेणाउली[126] । असणि ऊडी[127] । रज रमीं[128] । अंधकार प्रवर्त्यउ रूप हारव्यउ[129] । सूर्य पेहि करी आछाद्यउ[130] ।

---

108 राउत–राउंत E, राउत्त K,…H. चडीया–चड्या B D H K, चढ्या C, चडिया E.

109 सनाह–सन्नाह B C, संनाह H K. लीधा–लीधां B E, कीधा H.

110 किस्या किस्या–किसा २ A, किस्या २ C D, किस्यां २ E, किशा किसा K. सनाह–सन्नाह C, सनाह K. B H omit l 110.

111–112 जरहजीण जीवणसाल–जरह जणसाल्या B, जरहि जीणसाल C, जरह जीणसाल D, जरहि जीर्ण जीवणसाल E, जरहिजीण जीणसाल H, जिरह १ जीणसाल २ K.

113 जीवरषी–जीवरषी ३ K.

114 अंगरषी–आंगरषी A, अंगरषी ४ K.

115 करांगी–…C D K, करावी H.

116 वज्रांगी–…C E, वज्राणी D, वज्रांषी ५ K

117 लोहवद्ध लुडि–लोहवद्ध गुडि B C, लोहबंध लुडि D, …E, लोहबध लुडि H, लोहबंध लुडि ६ K.

118 समस्त संनाह लीधा–समसंनाह A, समस्त सन्नाह B, समस्त सन्नाह लीधा C, समस्त सनाह लीधा D, समसनाह E, समस्त सनाह H.

119 सज्जीभूत–सज्जीभूत A, सजीभूत D E H. हुआ–हूया A E, हवा B, हौआ H. C omits l 119.

120 मुगट तणा–मुगटना A, मुगटनि B, मगटना E. शृंगार–सणगार B, श्रंगार E K.
धडहडीया–धडहड्या B D H K, धडहडिया E, धस्या रोसि धडहड्या C.

121 रत्नाउली–रणाउलि C. झलकती–झलकी B C D H K. E omits l 121.

122 मोजां कठी कसकशी–मोजडा तणी कसकसी B, मोजा कवी कसकसी E H, मोजडा कसक्यां K. C D omit l 122.

123 राग रसउशी–राग रसउसी E, रागयस असी H, राग रासाउली वसी K. B C D omit l 123.

124 वाघ वज्राउली–वाघ वाउली B, वाघ वजाउली E. वाजी–वागी B H,…E. C D omit l 124.

125 साहण–सांहण A, साहणना C, साहणना E, साहना H, संनाह साहणना K.
फडहडा–फडहडाट C, फडहड्या D, फडहडी H, फडहडी K

126 फेतकारनी–फेत्कारनी B. फेणाउली–फेनाउली B C, फेणीउली K

127 असणि–आसण B, असण C, आसणि H K. ऊडी–उडी C K.

128 रज रमीं–रज B, रज रमी C D, रज रमी रूपहार हुं H, रज रमां K.

129 प्रवर्त्यउ–प्रगट A, प्रवर्तुं B, प्रवर्त्तिउं C, पर्वतिउं D, प्रगटिउं E, प्रवर्त्यु H. रूप हारव्यउ–अंधकार प्रवर्तावह A,…B H, रूपहार हुं C, रूपहरे सुं D, रूप हारतु E.

130 सूर्य–सूर्यि A, सूर्यदेवता H. पेहि करी–पेहि B, पेहइ करी D, पेहिं करी E, पेह करी K. आछाद्यउ–छाहिउ B C, छाद्यु D, आछादिउ E H, आछयाउ K.

छत्रीस दंडायुध लीधां[131] । तेहे राउते चालते बंदीजन बिरदावली बोलइ छइ[132] । सूरा राउत चडीया[133] । हाथी हाथीयासूं[134] । घोडा घोडास्यूं[135] । पाला पालास्यूं[136] । षडग तणा षाटक[137] । षेडां तणा भाटक[138] । तरूआरि तणा झाटक[139] । धुनुष तणा धोंकार[140] । अणी तणा अंगार[141] । बाण तणी वृष्टि[142] । इसी सूरा राउत तणी सौर्यवृत्ति[143] ॥

---

131 H omits l 131 छत्रीस–छत्रीसि B. दंडायुध–दंडाउध A, डंडायुध D K, दंडायध E. लीधां–लीधा B K. In K l 132 follows l 136

132 तेहे–तिहि K, H राउते–राउत C,. .H. चालते–चालते छाके हूंते B, चाल । त D, चालरे K, . .H. बंदीजन–बदीजन D, अनेक बंदीजन H, K बिरदावली–बिरुदावली B, बरदावली D, बिरदाउली E, यय जय सबद H, बिदावली बंदीजन K बोलइ छइ–बोलि B, बोलते C, बोलइ D H.

133 C D E H omit ll 133–136 चडीया–चडिया B, चड्या K.

134 हाथी–हाथिए K. हाथीयासूं–हाथीस्यूं B, हाथी K.

135 घोडा–घोडउ A, घोडे K. घोडास्यूं–घोडासूं A, घोडा रथइ रथ K.

136 पाला पालास्यूं–पालउ पालासूं A, रथ रथस्यूं पाला पालास्यूं B, पालइ पालउ K.

137 षडग तणा–षडगना A E, षलषलता षाडानां H, ते षडग तणा J, षड्ग तणा K. षाटक–षटका A, षाटिका C, षडेग D, षाटिक H, झाटक K.

138 षेडां तणा–षेडाना A, षेडा तणा B C J, षेडा तणां D, षेडाना E H. भाटक–भटका A, भाटिका C, भटक D.

139 तरूयारि तणा–तरूयारिना A E, तरूआरि तणा D, तरूआरिना H, तरूआरि तणां J, तरुआर ताणा K. झाटक–झटका A, कटेक D. C omits l 139.

140 धुनुष तणा–धुनषना A, धनुष तणा B C J, धनष तणा D, धुनुषना E, धनुषना H, धनषना K. धोंकार–धौंकार D, धोयंकार D, धोषाकार H. The order of ll in H is 141, 140.

141 अणी तणा–अणीना A E H, अणीअ तणा J. अंगार–आगर A E.

142 बाण तणी–बाणनी A B, बांणतणी D H K, बाणनी E, पडछेदाना पडाउत बांण तणी C. K adds foll ll after 142 :

> अणीसर फूटइ सेल । देवता जोइं षेल । जोइ सग्रामं । गणनउ व्याप । नउ लषियइ बेटउ नइ बाप । त्रंबक वाजइ सान । ढोल ध्रसूकइ । डुंगर कंपइ । सहिजइ साम्हा धसइ ।

143 इसी–ईसी J, इसा K सूरा राउत तणी–सूरा राउतनी A K, सूरा राउतनी B E, राउत तणी C, सूरातनी D सौर्यवृत्ति–सूरिवृत्ति A, सौर्यवृत्तिः B, सौर्यवर्त्ति C, सूरवृत्ति D, सौर्यवत्रि E, सूर्यवृत्तिप्रवृति H, सूर्यवार्त्ता J, सूर्यव्रीत्ति K.
C adds foll l after 143 : राजाश्री कान्हडदे तणि कटकि इसी फोज प्रवर्त्ति.

॥ पवाडु ॥

आसापुरी आसिका आपी, त्रंबकि वाजी सान ।
ढोल भ्रसूकइ डूंगर कंपइ, चडीउ राउल कान्ह ॥ १९२
ऊपरि थिकां सांचरइ साहण, वेगि पुहुतां घांटी ।
नइ वाजी धमधमी धरणी, तरवरीयां तलहटी ॥ १९३
जइत देवडइ करी वीनती–बीडउं करउ पसाउ ।
राउल कान्ह प्रतापि तुम्हारइ अम्हे जई लेस्यूं घाउ ॥ १९४
मान्यउ बोल देई सीषामण इम कान्हडदे राइ ।
पइसी प्राणि असुर मारेज्यो, रषे हसारथ थाइ ॥ १९५
कटक ऊपडीयां करी दमामां, विढस्यइ जई तुरकांणइ ।
आव्या हेरू वात जणावी, छइ मेल्हाण सिराणइ ॥ १९६

---

१९२ पवाडु–चउपई A, चुपई B E, अथ पवाडु C, पवाडु D, . H, पवाडा J, चउपई । पवाडा ढाल K. **आसापुरी**–आस्यापुरी C D J, आशापुरी E, आशापुरीइ H, आसापुरा K **आसिका**–आशिका E J, असिका K. **त्रंबकि**–त्रंबक B J K. **वाजी**–वागी C **सान**–सान A E H J K. **भ्रसूकइ**–ध्रसूकि B C J, द्रसूकि D, द्रसूके H. **डूंगर**–डूगर A H J, डुंगर K **कंपइ** em–कांपइं A, कंपिइ B, डोलि C, कापि D H, कांपइ E, कंपि J, कंपइं K. **चडीउ**–चढीउ C, चडिउ E, चडिया K. **कान्ह**–कांन्ह A, काहन D, कांहांन H

१९३ थिकां–थकां A H, वंका B, थका C K, थिका D. **सांचरइ**–संचस्या B, साचस्या C K, सांचरि D, सांचरियां E J, सांचरा H. **साहण**–साहण A. **वेगि**–वेंगिं B E J, वेग K. **पुहुतां**–पहुतां A, पुहुता B, पुहता C D, पहूता E, पुहूता H, पहुता K **घांटी**–घाटी A K. **नइ**–न E **वाजी**–वाजीया A, वाजि B J, वागि C, वाजीउ E, वाजीआ H, वीजी K **धमधमी**–धमधमीआं D, धमधमि J, धमधमकी K. **धरणी**–धरती C, धरण E. **तरवरीयां**–तरवरीआ A H, तरवरीया B D E J, तरवरिया K. **तलहटी**–तलहट्टी B K, तलहिटी E.

१९४ जइत देवडइ–जित देवडि B H, जित देवडु C, जइत देवडु D, जइत, देवडइं E, जयत देवडि J, जइतदेवउइ K. **करी**–करि C, करइ D. **बीडउ**–बीडूं B, बीडुं C, बीडा D, बीडां E H J K. **करउ**–करु B C D H J. **पसाउ**–पसाय C H. **राउल**–रावल K **कान्ह**–कांन्ह A J, कान्हडदे B, काहन D, कांहांन H. **प्रतापि**–प्रसादि C, प्रशादि D, तणी J, प्रशाद K. **तुम्हारइ**–तह्मारि B H, तुह्मारि C D, तम्हारइं E, प्रतापि J. **अम्हे**–अहमे D, हमे J. **जई**–ज K, जइ H. **लेस्यूं**–लेसूं A E, लेसुं C K, लेसिउं D J, लेस्यु H **घाउ**–घाय C D.

१९५ मान्यउ em–मांनी A, मानिउ B, मान्यु C J, मानु D, मानिउं E, मान्यउ H K **देई**–दीइ C, देइ H. **सीषामण**–सीषांमणि D, सीषांमण H, सीषामणि K **इम**–इंम D E, ईम J **कान्हडदे**–काहनदे D, कांहांनडदे H. **राइ**–राय A C E K, राई B, राउ D J. **पइसी**–पिसी B C, किसी J **प्राणि**–प्रांणि C D H, सप्राणि करी J, प्राण K. **असुर**–असूर H **मारेज्यो**–मारेयो B D, मारयो H, मारज्यो K. **हसारथ**–हासारथ A K. **थाइ**–थाय D K.

१९६ ऊपडीयां–ऊपडियां B E, ऊपड्यां C H K, ऊपटा D, करी J. **करी**–ऊपड्यां J. **दमामां** em–दुदांमां A, दमांमां B K, ददामां C D, दनामां E, ददामा H, दमामा J **विढस्यइ जई**–जई विढस्यां A, वढसूं जई B, वढि जई C, वढसि जई D, वढशि जई E, वढसि जे H, वढशूं जई J, विढिसइ जैए K. **तुरकांणइ**–तुरकाणि B J, तरकाणि C, तुरकाणि D H, तरकांणइ E, तुरकाणइ K. **हेरू**–हेरी B H, हेरूए C, हरी J. **जणावी**–जाणावी A, जणावि D J, जणावी H. **छइ**–अछइ A H, छि B C J. **मेल्हाण**–मेहलांण C D H, मेल्हांण J, मेल्हंण K. **सिराणइ** em–सिरांणइ A K, सिराणि B J, शिराणि C, सपराण D, शिरांणइं E, शराणि H.

करी केडि तुरकांणा पूठि, ए जाएस्यइ दूरि ।
पूठि मिल्या तारव्या तेजी, जई आथिमतइ सूरि ॥ १९७

दीवी सहस बिच्यारि करावी, नइ वाजइ रिणकाल्ह ।
कटक थिकउं ऊगमणइ पासइ कीधउं झाकझमाल ॥ १९८

जांगी ढोल सातसइ वाजइ, बीहामणां नीसाण ।
मांटी सवे मूछि वल घालइ, कायर पडइ पराण ॥ १९९

करी बि फोज मालदे राउल, ग्यु आथमणइ पासइ ।
पइठां कटक काठगढ भांजी, चउकी रह्या ति नासइ ॥ २००

पडी भेल बुंबारव वरत्यु, हीदू कीधी हाक ।
ऊडी ऊंघ नइ एक दिसि मुहुड्या, काने पडीया ढाक ॥ २०१

---

१९७ **केडि**-केड K **तुरकांणा**-तरकाणा B, तुरकाणा C J, तरकाणू D, तरकाणा E, तूरकाणा H. **पूठि**-पूठिं B, पूंठि C D, पूंठिं E, पूठइ K. **ए**-ए तु C **जाएस्यइ**-जाएसि A, जासि C, जायसि D, जाएसिइ E. **दूरि**-कालि B. **पूठि**-पूंठि C, पूठिइं E. **मिल्या**-मिल्या A, मल्या H. **तारव्या**-तारवइ A H **तेजी**-ताजी D. **जई**-जईइ J, जइ H K **आथिमतइ**-आथिमतिइ A, आथमति C D J, आथिमति H, आथमतइ K. B omits vs 197 b

१९८ B omits 198 a. **सहस**-सहिस K **बिच्यारि**-बिच्यार C H K, बिचारि E. **नइ वाजइ**-वाजइ A, अनि वाजि C J, नइ वजाव्या D, अनइ वाजी E, जइ वाजइ K. **रिणकाल्ह** em-रिणरिणतूर A, रणकाल्ह C, रणकाहल D E J, रणकाहाल H, रिणकाल K **थिकउं** em-थकी A, तणि B C J, थकऊं D, थिका E, थिकुं H, थकुं K. **ऊगमणइ**-ऊगमणि B C D J, उगमणइ K. **पासइ**-पासि B C D J. **कीधउं**-कीधउ A, कीधु B H J, कीधुं C, किधु D **झाकझमाल**-झामझमाल K.

१९९ **जांगी**-जंगी B, जागी H **सातसइ**-सातसिं B, सातसिइ D सातसइं E, सातसि H J, सांतसैइ K. **वाजइ**-वाजिइ B, वाजि C J, वागा K **बीहामणां**-बीहामणा A D E, बीहामणा C J, वीहामणा H, वीहामणा K. **नीसाण**-नीसाण B, नीसाण D E H J **मांटी**-माटे B, माटी C K, मोटी E **सवे**-सर्व B, सवि C, शिवे E **मूछि**-मूछ B, मूंछे C, मूछि D, मूंछ E, मुछ H, मूंछि J, मुछ K **घालइ**-घालिइ B, घालि C H J. **पडइ**-पडि B C H J **पराण**-पराण A D E H K

२०० **बि**-बे D. **राउल**-राउत B, राउलि C D H K. **ग्यु**-गयु B C D H J, गिउ E, ग्युं K. **आथमणइ**-ऊगमणि B, आथमणि C H J, आतथमत्ति D, आथिमणइ E. **पासइ**-पासिइ B, पासि C D J. **पइठां**-पिठां B H J, पिठा C, पिट्ठ D, पइठ E, पइठा K **कटक**-केटकि D, कटकि E K. **काठगढ**-काठगड C. **भांजी**-षाई C, भाजई D. **चउकी**-चुकी B C L H, चूकी D, चुकि J. **रह्या**-रहीया A, रहिया B E, रहिया J. **ति**-ते B C D E H J. **नासइ** em-नासई A E, नासि B H J, नाशि C, नसेइ D. iv qr in K is **चउकीधी हाक** (cf vs 201 ii qr).

२०१ K omits vs 201 a. **भेल**-भेलि B E J. **बुंबारव**-बूबारव B, बंबारव D, बूंबारव E J. **वरत्यु**-वरतिउ B C E J, वरत्युं D **हीदू**-हींदूए B, हिंदूए C, हींदू D E, हीदूए J. **कीधी**-कीधु H. **हाक**-हाकि C. **ऊडी ऊंघ**-ऊठि तुरक B, उडी उंघ C, ऊडी ऊघ H K **नइ एक**-सवे B, तुरक C D K, नइं एक E, तरक H, तुरकनी J. **दिसि मुहुड्या**-दिस मोड्या A, दिशि मुहुड्या B, दस मोड्या C, दश मुहड्या D, दिशि मुहाडियां E, दस मांड्या H, आंषे J, दिसि मुहड्या K. **काने**-काने A D E H K, कांन J. **पडीया**-पडीउ B, पडीयां E, पडीआ H J, पडी K. **ढाक**-ढांक D.

गमे गमे दीसइ अजूयालां, म्लेछे छांडी छाक।
आपोपरि असमुहीया ऊठइ, कटकि पडीउ बलकाक॥ २०२

ऊंचे हाथि धाहि पोकारइ, बोलावइ किरतार।
आणीवार किम्हइ ऊवेलइ, करइ अम्हारी सार॥ २०३

जिरहजीण लिवराइ अवलां, आंगा सींगिणि बाण।
ऊतावलां घलाइ अवलां, तेजी पूठि पह्लाण॥ २०४

कीधी षबरि षान आगलि जई, एहवउं कहइ षवास।
फिरी वीटि दलि हीदू आव्या, लसकरि पडीउ त्रास॥ २०५

---

२०२ **गमे गमे**-गमे २ C J. **दीसइ अजूयालां**-अजूयाला दीसइ A, दीसि अजूयाला B, दीसि अजूआलां C H J, दीसइ अजूआलां D, देसै अजूआलां K. **म्लेछे**-मेछे B H, मलेछे C J **छांडी**-मांडी B, छांकी H. **छाक**-घात J. **आपोपरि**-आपोपिं B, आपोपि C, आपोपरइ K. **असमुहीया ऊठइ**-ऊठि दिशि मुहोध्या B, दिशि मुहध्या ऊठि C, ऊठइ असमुह्या D, ऊठइ असमुहिया E, ऊठइ असमोह्या H, ऊठि दिसिमुध्या J, उठइ असमाह्या K **कटकि**-कटक B J. **पडीउ**-पडिउं B, पडिउ C E, पड्यु D H, पड्यां J, पड्यउ K. **बलकाक**-बलिकाक B, बलबाक C H, बलकके D, बलकाकि E, बहू भात J, बुलबाक K.

२०३ **ऊंचे**-ऊचे A K, उंचे D. **हाथि**-हाथे B C D H J K. **धाहि**-धाह B D J, करी C, द्धाइ E, धाइ H K. **पोकारइ**-पुकारिइ B, पोकारि C J, पोकारइं D, पुकारइ K. **बोलावइ**-बोलावि B C H J, बोलावइं D. **किरतार**-करतार A K. **आणी**-आणी C D J, इणी K. **वार**-वारि J, वारइ K. **किम्हइ ऊवेलइ**-अम्ह ऊवेले A, कहि ऊगारे B, किह्नि ऊगारे C, किम्हि ऊवेले D, किमहि ऊवेले H, किम्हिइं ऊवेलि J, किमइ ऊवेले K. **करइ**-करे A C D E H, अकह K. **अम्हारी**-अह्मारी B C D E J, अमारी H. **सार**-सर K

२०४ **जिरहजीण**-जरहजीण B C D H J, जिरहजीणि E. **लिवराइ**-पहिराइ B, लेवराइ C H, लेवराइं D, लवराइं E, लेवरावां J, लिवराइं K. **अवलां**-अमला A, लागां J, अवला K. **आंगा**-अवली B, अंगा C K, आगा H. **सींगिणि**-शीगणि A K, सिंगणि C, सिगणि D, शीगिणि E, सीगण H, सीगिणि J. **बाण**-बांण D H J K, बांणी E. **ऊतावलां**-ऊतावलिं B, ऊतांवलि D, ऊतावलि H J. **घलाइ**-घाह्लइ A, घालि B H, देवराइ C, लेवराइं D, घलाइं E, घलाइं K. **अवलां**-अमलां A, अवला ते B, अवला K. **पूठि**-पूंठि C D, पूंठि E, पूठिय J, पूठइ H. **पह्लाण**-पह्लाण A, पह्लांण C D J, पहलांण E, पलांण H K.

२०५ **षबरि**-षबर A. **षान**-षांनजी D, षांन E H J K **आगलि जई**-आगलि D, आगलि जइ H K. **एहवउं**-एहवूं B D J, एहवु C H K. **कहइ**-कहि B C D H J, कहिइ E. **फिरी**-फेरी B J, फरी C E H. **वीटि**-वेढि B C J, विंटि D, वींटि E, वाटि H, वीट K. **हीदू**-हींदू B D E K, हिंदू C. C transposes as हिंदू दलि. **लसकरि**-लसकर B E J K, लस्करि C D. **पडीउ**-पडिउ C, पडीआ H, पडियउ K.

अलूषानि हाथी पषराव्या, पह्लणाव्या तोषार ।
हल हल करी भणी अजूयालां सांचरिया असवार ॥ २०६

आपपिराया विगति न लाभइ, दहु दिसि हींदू आवइ ।
बइठी मूठि म्लेछ मारंतां षांडाना घा फावइ ॥ २०७

तीन्हा तुरी ऊडवइ राउत, भला वावरइ भाला ।
माझिम राति म्लेछ मारंतां दह दिसि हींडइ भूला ॥ २०८

सपराणा सींगिणि गुण गाजइ, तीन्हा तीर विछूटइ ।
जरहजीण आंगा वीधीनइ अंगि सूंसरा फूटइ ॥ २०९

---

२०६ **अलूषानि**–अलूषानें D, अलूषानि E, अलूषांनि H J, अलूषान K. **पषराव्या**–पषराव्यां J, पाषराव्या K. **पह्लणाव्या**–पह्लाणीया A, पह्लाणा C, पल्हागाव्या D, पलणाव्या H K, पल्हणाव्या J. **तोषार**–तुषार D, तोषर K. **हल हल**–हल २ C D K **करी भणी**–भणी नि करि C, करी कीयां J. **अजूयालां**–अजूयाला A B, अजूआला C D J, अजूआला H, अजूआलइ K. **सांचरिया**–साचरीया B C, साचरीआं D, सचरीया E, साचरीआ H J, सचरिया K **असवार**–तोषार B C interpolates the foll vs after 206:

षुदा २ करी पोकारि हिंदू मारि घाय । मरि मलेछ रोम नि मूंगल कटक मांहि हलो थाइ ॥

२०७ **आपपिराया**–आप नि पर B, आपपीआरा C, आपणा पीआर D, आपपराया E J, आपापरा H, आपणपसी K. **विगति**–वगति C E, वेगति D, वीगति K. **न लाभइ**–न जाणिइ B, नवि लाभि H, न लाभि J. **दहु दिसि**–दह दिसि B K, दहो दसि C, दुह दसि D, दहु दसि E, दह दसि H J. **हींदू**–हींदू B C D. **आवइ**–आव्या B, आवि C J. **बइठी**–बिठी B C H J, पइठी E **मूठि**–मूठि C D E J, मुंठि H, मुठि K. **म्लेछ**–मलेछ A C J, मेछ B H **मारंतां**–मारता A J, मारंता K. **षांडाना**–षांडाना A E, षांडान K. **घा**–घाउ D, घाइ K. **फावइ**–फावई A, फाव्या B, फावि C H J. C interpolates the foll two vss after 207 :

एक ऊंघाला हडबडी ऊठि मूंकी सर्व ऊजाइ । इम करता जे साह्मा आवि भाला हईया मांहि षाई ॥
एक ऊठी जंगल मांहि जाइ पूंठि न जोए पाछूं । हिदूए कहिउं थुं अह्मे आवसुं ते तु थयुं साचुं ॥

२०८ **तीन्हा**–तीना B E H, तीन्हां C, तीन D, तीषा J. **तुरी**–तुरिय A K, तीर C. **ऊडवइ** em–ऊठवइ A K, उठवि B H, उडवि C J, ऊठवि D. **राउत**–हाथी C, राउत्त E **भला**–भलां K. **वावरइ**–वावरि B C H J, वावरई D. **भाला**–त्रिसूला C, भाला K **माझिम राति**–माझिम रातिं B D **म्लेछ**–मलेछ A J, मेछ B H, तुरक C. **मारंतां**–मारंता E K, मारीता H, मारता J. **दह दिसि**–दहो दिसि B, दहो दसि C, दुह दसि D E, दह दसि H J. **हींडइ**–हीदू A D J, हीडि B H, हिंदू C, हीटइ K

२०९ **सपराणा**–सपरांणा A E J, मपराणी C, सपारांणा H **सींगिणि**–सीगणि A J, सींगणि C, सीगिणि D, शीगिणि E, सीगुण K **गुण**–गण B D J. **गाजइ**–गाजि B C H, ताणि J. **तीन्हा**–सींन्हा A, तीहना B, तीना E H, तीणा J, तीषा K **तीर**–तुरी D. **विछूटइ**–वछूटिइ B, वछूटि C H, विछुटई D, विछूटि J, विछूटे K. **जरहजीण**–जरहजिण C, जरहिजीण D, जिरहजीणि E, जरहि H, जिरहजीण K. **आंगा**–आगा C, अंग K. **वीधीनइ**–वींधीनि B C, वीधीनइं D E, वीधीनि J. **सूंसरा**–सूंसरां B, सुंसुरा J. **फूटइ**–फूटि B C J, फुटइ D.
C interpolates the following verse after vs 209:

मोभर घाय पडि समरंगणि टोप करि चकचूर । फरसी तणे प्रहारे सबले असूरा मांहि सूर ॥

अंगोअंगि पटे अणीयाले प्राणइ पाषर फोडइ ।
षांडा तणे घाइ सपराणे सांधिइ सांधि विछोडइ ॥ २१०

रणि राउत वावरइ कटारी, लोह कटांकडि ऊडइ ।
तुरक तणा पाषरीया तेजी, ते तरूआरे गूडइ ॥ २११

माल तणी परि बाथे आवइ, प्राणइ विलगइ झूंटइ ।
गुडदा पाटू दोट वजावइ, भिडइ प्रहारे मोटइ ॥ २१२

ऊपरिथा पूंतार विछूटइ, भूतलि भाजइ पाउ ।
वाढी सूंढि ढोलीइ ढांचा, धरणि वलइ नीहाउ ॥ २१३

---

२१० **पटे**–पटा C D, पडे K **अणीयाले**–अणीयाला C, अणीआला D, अणीआले H J, अणिआले K. **प्राणइ**–प्राणि B, प्राणि C D H J, प्रांणिइं E. **पाषर**–पाषण B. **फोडइ**–फोडइं A D, फोडिइ B, फोडि C J. K omits vs 210 b. **षांडा**–षाडां B E. **तणे**–तणा C. **घाइ**–घाए B D, घाऊ C, घाये H, घाउ J. **सपराणे**–सपराणे A E, सरांणे C **सांधिइ सांधि**–साधि साधि A, सांधि सांधि B, संधि संधि J. **विछोडइ**–विछूटइं A, वछूटिइ B, वछोडि C, विछोडि J, वछोडइ H.

२११ K omits vs 211 a **रणि**–रिण A H. **राउत**–रावत J. **वावरइ**–वावरि B C H J, वावरइं D. **कटांकडि**–कटाकटि B J, कडाकडि C, कटाकट D, कटिकडि E, काटके H. **ऊडइ**–वाजइं A, वाजिइ B, ऊडि C J, वाजइ E, ऊजइ H. **तुरक**–तरकह E, तरक H. **पाषरीया तेजी**–पाषरीय तेजी B, तेजी पाषरीया C, जे पाषख्या तेजी D, पाषरिया तेजी E, तेजी पाषरीआ J, पाषख्या तेजी K. **ते तरूआरे**–ते तरवारे A, ते तरूयारिं B, तरूंआरे सुं C, ते तरूआरिं D, ते तरूयारे E, ते तरूआरि J. **गूडइ**–गूडइं A, भाजि B, गूडि C J, गुडइ D, गूईड H, गुड्या K C interpolates the following verse after 211:

सिंचाणा परि योध झडपि पाडि भूतलि मीरु । कड २ दंतकली करकी नि भडि अंगोअंगि धीर ॥

Note—Verse-order in J is 211 a, 212 b, 212 a, 211 b.

२१२ **आवइ**–आवि B H J, आवइं D. **प्राणइ**–प्राणि B, प्रांणि C D H J, प्रांणिइं E. **विलगइ**–वलगि B C, वल्गे H, विलगि J. **झूंटइ** em–झूंटे A C D E H, झूटिइ B, ऊडि J, झूटे K. **गुडदा**–गडदा B C D E H J. **पाटू**–पटा H. **दोट**–डोट B C D H, जोड J. **वजावइ**–वजाविइ B, वजावि C J. **भिडइ**–भड B, भडि C H, भडइं D, भेटि J. **मोटइ**–मोटे A C K, मोटि B J, मोटा D.

२१३ **ऊपरिथा**–ऊपरिथी A E, ऊपरि थका C, उपरिथा D, ऊपरि थिका J. **पूंतार**–पुंतार D J, कुंतार H, पुतार K. **विछूटइ**–विछुटि B J, वछूटि C, विछूटइं D, वछूटइ H. **भूतलि**–भूतल D. **भाजइ**–भाजि B C J, भांज H. **पाउ**–पाय C J. **वाढी सूंढि**–वाढी सूडि A, वाढी सूढि B, वाढी सुंढि C J, वाढइं सूंढि D, सुंढि H, वाढी झुंढि K. **ढोलीइ ढांचा**–ढोलीइ ढांचां A E, ढोलि ढींचाला B, ढाल तिहां ढावि C, ढालिइं ढांचा D, ढोळीनि ढांचां H, ढालीइ ढींचाला J, ढोलिय्इ ढांचा K. **वलइ**–ढलि B, वाल्इ D, वळेइ H, वलि J. **नीहाउ**–नीहउ B K. iv qr in C is : मरण परतीति आय.

भाजइ कंध पडइ रिण माथां, धगड तणां धड धाइ ।
माहोमांहि मारेवा लागा, विगति किसी न लहाइ ॥ २१४

हीदूए मारीथल कीधउ, पग मेल्हणउ न जाइ ।
लोही तणा प्रवाह ऊलटीया, दीसइ विहाणा मांहि ॥ २१५

दोर सिराचा फेरी पाडइ, डहिली तणा बंधाण ।
वाढी चंब जूजूआ कीधा, नइ छोडाव्यां वान ॥ २१६

घोडा हाथी ऊंट पोठीया, सवि ऊदाली लीधा ।
सादल सीह मलिक वि मोटा, बंदि जीवता कीधा ॥ २१७

अलूषान एकलउ नाठउ, जे हूंतउ सपराणउ ।
सादी मलिक ऊंबरउ मोटउ, ते रिणषेत्रि मराणउ ॥ २१८

---

२१४ भाजइ–भाजि B C J, भाजई D. **कंध**–षंध B, खंध C. **पडइ**–पडई A, पडि B C J. **रिण**–रणि B C D E J, रण H **माथां**–मांथा H. **धगड**–षडग D. **तणां**–तणा A E K **धाइ**–धाई C D, धांइं E, थाई K **माहोमांहि**–माहोमाहि A E, माहोमाहें D. **मारेवा**–विलगवा B, मारवा C E H. **लागा**–लागइ D. **विगति**–वगति H, विगत K. **किसी**–कसी B C H. **न**–नवि B C J K **लहाइ**–कहाइ A, जाणिइ B, चाहि C, ति लहीइ E, जणाइ H, लहीइ J, होइं K.

२१५ हीदूए–हिंदूए C, हींदूए D E, हीदूइ H **मारीथल**–मारीनइ थल A, मारी नि थल C. **कीधउ**–कीधु B J, कीधुं C D. **पग**–ए H. **मेल्हणउ**–मेल्हणु B, मेहलुणु C, मेल्हणु D, मेहलणउ E, मेहलणु H, मेहणु J, मेल्हणा K. **जाइ**–जाइं A K, जाय H **लोही**–लोह B. **ऊलटीया**–ऊंमटीया B, ऊंमटिया C, ऊलटिया E, उलव्या H K. **दीसइ**–दीसि B C J, दीसइ जिम E. **विहाणा**–वाहणा C, व्याहणा D, वांणा E, विहांणा H. **मांहि**–माहि A D E, मांहिं B.

२१६ सिराचा–सराचा C H, शराचा J, शिराचा K **पाडइ**–पाडि B C J, फाडइ E. **डहिली**–डहली A D. **तणा**–नां B E H K, डेराज C, ना D J. **बंधाण**–बधान C, बंधांन D E, बंधांण H, बंधान K. **चंब**–बंध A K, चर्म B, चांब H. **जूजूआ**–जूजूया B E, जूजूआं H J. **कीधा**–गाला B E H K, गालीं D, कीधा J. **नइ**–वली A, नि B, अनि C H J, अनंइ D, अनइ E. **छोडाव्यां**–मेहलाव्यां C, छोडाव्या D K, छोडावियां E, छोडावि H. **वान**–वांन A C D E H J K

२१७ घोडा–घोडां E J. **ऊंट**–ऊट A H K, अनइ E, अनि J. **पोठीया**–पोठीआ C D H, पोठिआ K. **सवि**–ते C D J, सवे K. **ऊदाली**–उदाली D H, ऊदा K. **लीधा**–लीधां A H J, लिधां D. **सादल सीह मलिक**–सादल सीह नीक A, सादूल सीह मलिक C D, सादिल सीह मलिक K. **वि मोटा**–बे मोटा A B C D E, नी बेटा J. **बंदि**–बंदी E J, बंद K. **कीधा**–कीधां J.

२१८ अलूषान–अलूषांन D E J K. **एकलउ**–एकलु ज B D J, एकलु C H, एकलु जि E, एकलउ जि K. **नाठउ**–नाठु B, नाठो C. **हूंतउ em**–हुंत A, हूतु B H, हूंतु C E J, हुंतु D, हूतउ K. **सपराणउ em**–सपरांणउ A, सपराणु B C J, सपराणुं D, सपरांणु E H, सपराणोउ K. **सादी**–सादल B, स्यादी E, मादी J. **मलिक**–मलीक K. **ऊंबरउ**–ऊबरउ A K, ऊंबरु B D J, उंबरु C. **मोटउ**–मोटु B C H, मोटुं D, मोटो K. **रिणषेत्रि**–रणषेत्रि B H, रणिषेत्र C J, रणिषेत्रि D E, रिणषेत्र K. **मराणउ em**–मरांणउ A E K, मराणु B C, मरांणु D J H.

एक नाठा जाइ दिसि मुहुव्या, ऊडी वीवी अपार ।
करस्यइ केडि मारेस्यइ हीदू, ऊवेले किरतार ॥ २१९

बीजइ दिन राउति रिण सोधिउं, दीठां पड्यां पल्हाण ।
हाथी तणी पांजरी भागी, धरणि ढल्या केकाण ॥ २२०

षेडां षांडां पड्यां जूजूआं, भाला सांगि कटारी ।
भागे कणशि पडी तरूयारि, म्लेछ मांकडा मारी ॥ २२१

कंध कबंध पड्या रणि दीसइ, कीधउ कचराबोह ।
सोमनाथ मूकाव्यउ राउलि, पछइ पषालियां लोह ॥ २२२

नवइ लाष बान मूकाव्यां, वरत्यउ जइजइकार ।
धन्य धन्य राउल कान्हडदे, कृष्ण तणउ अवतार ॥ २२३

---

२१९ एक–एकि E. नाठा–ना H, नाहाठा J. जाइ–जाई C K. दिसि मुहुव्या–दिसि मुहाडीया A, दिषि मुहुव्या B, दस मुहव्या C, दसि मुहव्या D, दिशि मुहडिया E, दसि माहव्या H, दिसि महाव्या K. ऊडी–ऊठी A C E. वीवी–चिति C, वीवीअ D, धाह H, ववी K करस्यइ–करसि B C D E H J. केडि–नि C. मारेस्यइ–मारेसईं A, मारसि B C H J, मारसइं D, मारेसि E. हीदू–हींदूं B, हींदू C D E H J. ऊवेले–ऊवेलि J. किरतार–करतार A H K.

२२० बीजइ–बीजि B C J, बिजइ D दिन–दिनि B C D E J, दइन H, दीन K. राउति–राउते B, राउत E H J K रिण–रण B C D E H, रणि J, रीण K. सोधिउं–सोधउं A, सोध्यूं B, सोध्या C K, सोध्या D J, सोमिउं H. दीठां–दीठा K पड्यां–पडीयां A, पडियां C E. पल्हाण–पलांण A, पराण C, पल्हांण D E, पहलांण H, मेल्हाण J, पलाण K भागी–भांजी C. धरणि–धरलि A, धरण K. ढल्या–ढलीया A, ढलिया E. केकाण–केकाण D E H.

२२१ षेडां षांडां–षेडा षाडां A C, षाडां षेडां B, षेड्यां षांडा D, षेडा षांडां K. पड्यां–पडीआ A, पडियां B E, पड्या C. जूजूआं–जूजूयां A B E, जूजूआ K. भाला–भालां K. सांगि–सींगिणि B, सींगणि C, सीगिणि D, मागि E, साग K. कटारी–कटारी A. कणशि–कणसे B D J, कणशे E, कसांण K. तरूयारि–तरूआरि पडी ते A, तरूआर्युं D, तरुआरि H, कटारी J, तरूआरइ K iii qr in C is: ऊंट भागा को विहूणा दीशि. म्लेछ–मलेछ A C, मेछ B H J, म्लैछ D. मांकडा–मांडा E.

२२२ कंध कबंध–काधबूध A, कंधरूंड B, कंपबंध C, कंधकबंधकंध E, कंधकंध K. पड्या–पडीया A, पडिया B E, पड्यां J. रणि–रिण A K. दीसइ–दीसि B C H J, दीसइं E. कीधउ–कीधु B C H J, कीधुं D. कचराबोह–चकाबोह K मूकाव्यउ–मूकाव्यु A, मूंकाव्यु B, मोकलाव्या C, मुंकाव्यु D, मूंकाविउ E, मेहलाव्यु H, मूंकव्यु J. राउलि–राउति B H. पछइ–पछिइ B, पछि C H J, पछे D. पषालियां–पषालिया सवि A, पषाल्या C K, पषाल्युं D, पषालिउ E J, पषाल्यां H.

२२३ नवइ–नवि B H J, नव C D. बान–बांन A E H J K, जू बांद C, जो बांन D. मूकाव्यां–मूंकाव्यां B E J, मुंकाव्या C, मुकाव्या K. वरत्यउ–वरत्यु A D H J, वरतिउ B C E. जइजइकार–जइ २ कार A, जय२कार B C D E J, ययजयकार H, जइजयकार K. धन्य धन्य–धन २ A C, धन धन B, धन २ D, धन्य २ E J, धन धन्य H. राउल–राउत B. कान्हडदे–श्री कान्हडदे A, कान्हीया C, कांन्हडदे D E K, कांहांनडदे H. कृष्ण–कान्ह D J, कन्ह E. तणउ–तणु B C D H, तणि J. अवतार–अवतारि J.

॥ चउपई ॥

चाहूआण कुलि पुण्य अपार, पुण्यइ म्लेच्छ करिउ संहार ।
पुण्यइ एक आरोगइ पान, पुण्यइ घरि सांपडइ निधान ॥ २२४

पुण्यइ हुइ सुकुलीणी नारि, पुण्यइ तेजी बाझइ बारि ।
पुण्यवंतनइ सहु को नमइ, पुण्यहीण नर भूला भमइ ॥ २२५

पुण्यइ रोग न आवइ अंगि, पुण्यइ पुरुष रमइ मनरंगि ।
पुण्यइ अंगि न आवइ रीस, पुण्यइ विप्र दीइ आसीस ॥ २२६

पुण्यइ वाह्लां नही वियोग, पुण्यइ हुइ सजन संयोग ।
पुण्यइ पहिरीइ वारू चीर, पुण्यइ हुइ फूटरां सरीर ॥ २२७

---

२२४ **चउपई**–चुपै B J, चुपई C, चुपई: D,.. E, चुपइ H. **चाहूआण**–चाहूयाण A B, चहूयाणां C, चहूआंण D, चाहूयांण E, चहूआणा H, चहूआण J, चहूआंणां K **कुलि**–कुलिं D, कलि D, कुल K. **पुण्य**–पुंण्य A, पुन्य H. **अपार**–अवतार A C E. **पुण्यइ**–पुन्यइ A, पुण्यि B, पुण्यि C J, पुण्यइं D, पणि E, पुंनइ H. **म्लेच्छ**–मलेछ A, मेछ B H, म्लेछ D E K, मलछ J **करिउ**–कीउ A, करि B, तणा C, करिउं D, कल्याउ K. **संहार**–सिंहार D After vs 224 a, B adds foll line · पुण्यविचार जे जाणि सहू इम संषेपिं प्राकृत कहूं. **पुण्यइ**–पुण्यि B, पुण्यि C J, पुण्यइं D E, पुंनइ H, पुण्यै K. **एक**–ए C. **आरोगइ**–आरोगि B C J, आरोगे D, अरोगि H, आरोग्यइ K **पान**–पान D E H J K **पुण्यइ**–पुंन्य A, पुण्यि B, पुण्यि D J, पुण्यइं E K, पुंन्यइ H. **सांपडइ**–संपजिइ B, सपडि C J, संपजई D, सपजइ E, पामि नवि H. **निधान**–निहाण C, निधांन D E J K.

२२५ **पुण्यइ**–पुण्यि B J, पुणि E, पुनइ H, पुण्यइं K. **हुइ**–घरि C, हुई D, होइ J K. **सुकुलीणी**–सुकलीणी A J, सुकुलुंणि D, सकलीणी E, सुंकलीणी H, सकुलीणी K **नारि**–नार D. **पुण्यइ**–पुणइ A, पुण्यि B J, पुण्यइं D E, पुनि H **तेजी**–रेवंत C D E J, तेजि H **बाझइ**–बाधि B C, बझे D, बाझि H J. **बारि**–बार A. **पुण्यवंतनइ**–पुन्यवंतनइ A, पुण्यवंतनि B, पुण्यवंतनइं D E, पुंन्यवंतनि H, पुण्यिवंतनि J. **सहु**–सहू B C D E J K, सहूइ H. **नमइ**–नमिइ B, नमि C H J, नमइं D **पुण्यहीण**–पुण्यहीन B J, पूण्यहीण D, पुन्यहीण H. **भूला**–भूलू D, भूलउ H, भूलु J. **भमइ**–भमइं A, भमिइ B, भमि C H J.

२२६ **पुण्यइ**–पुंन्यइ A, पुण्यि B, पुण्यइं D E, पुन्यइ H, पुण्यि J **आवइ**–लागइ A, आवि B C H J. **अंगि**–अंगिं E, रंगि J. **पुण्यइ**–पुण्यि B, पुन्यई C H, पुण्यइं D E, पुण्यि J. **पुरुष**–परष E H, पुरष K. **रमइ**–नमइ A H, रमि B C J, रमइं D K. **मनरंगि**–नवरंग C, नवरंगि D J K. **पुण्यइ**–पुंण्यइ A, पुण्यि B, पुण्यि C J, पुंण्ये D, पुण्यई E, पुन्यइ H, पुण्यैइ K. **अंगि**–अगें D. **आवइ**–आवि B H J **पुण्यइ**–पुण्य A, पुण्यि B, पुण्यइं D E, पुनि H, पुण्यि J. **विप्र**–सहू D, तापस J, विसन K. **दीइ**–दिइ J, दीयइ K.

२२७ **पुण्यइ**-पुंण्यइ A, पुण्यि B J, पुण्यई D E, पुन्यि H, पुण्यैई K. **वाह्लां**–वाल्हां A E K, वल्लभ C, वाहला H, वाल्हा J **नही**–नहीं B E, नहिं D **वियोग**–वयोग H **पुण्यइ**–पुण्यि B, पुन्यि C, पुण्यइं D E K, पुन्यइ H, पुण्यि J. **हुइ**–हु A, होइ J, होई K. **सजन**–साजण A, सुजन B, सजन C. **संयोग**–संज्योग A, संजोग K. **पुण्यइ**–पुण्यि B, पुन्यि C, पुंण्यइं D, पुण्यइं E K, पुनि H, पुण्यि J. **पहिरीइ**–पहिरइं D, पिहरीइ H, पहिरि J, पहिरियै K **वारू**–वारु C H. **पुण्यइ**–पुण्यि B J, पुण्यि C, पुण्यइं D E, पुण्यै K. **हुइ**–होइ J K. **फूटरां**–फूटरूं J, फूटरौं K. **सरीर**–शरीर B E J. H reads as iv qr: पुन्यवंत नवि पाला जाइ; which is evidently vs 228, iv qr.

पुण्यवंतनां दुसकृत टलइ, पुण्यवंतनइ चामर ढलइ ।
पुण्यवंत सिरि छत्र धराइ, पुण्यवंत नवि पाला जाइ ॥ २२८

पुण्यइ मयगल बाझइ बारि, पुण्यवंत भुज नावइ हारि ।
पुण्यइ हुइ नित नवला रंग, पुण्यइ सुणीइ वेणिमृदंग ॥ २२९

पुण्यइ सूईइ तलाई षाट, पुण्यइ कीरति बोलइ भाट ।
पुण्यइ घरि नवि षूटइ धान, पुण्यइ हुइ पुत्रसंतान ॥ २३०

पुण्यइ करी राय दीइ मान, पुण्यइ हुइ पाधरा प्रधान ।
पुण्यइ धरीइ सोनासार, पुण्यइ पहिरीइ मोतीहार ॥ २३१

पुण्यइ पामीइ विद्या वली, पुण्यइ हुइ कीरति ऊजली ।
पुण्यवंत घरि त्रिणि वार अट्ठोत्तरसउ मंगलचार ॥ २३२

---

२२८ C omits vs 228. **पुण्यवंतनां**–पूण्यवंतना D, पुण्यईवंत E, पुन्यवंतनां H, पुण्यवंतना K. **दुसकृत**–दु:कृत B D, नवि पाछा E, दूकृत H, दुकृत J K. **टलइ**–टलइं A, टलिइ B, टलि H J. **पुण्यवंतनइ**–पुंण्यवंतनइ A, पुण्यवंतनिं B, पुण्यवंतनइं D E, पुण्यवंत नर H, पुण्यवंतनि J **चामर**–चांमर D H J. **ढलइ**–ढलिइ B, ढलइं D, ढलि H J **पुण्यवंत**–पुन्यवंति H. **सिरि**–सिर A, शिरि B, सरि D, सर H, नि J. **धराइ**–धराय H J **पुण्यवंत**–पुंण्यवंत A, पुन्यवंत H **पाला**–नि:फल J. **जाइ**–जाइं A, जाय J.

२२९ **पुण्यइ**–पुंण्य A, पुण्यि B, पुण्यि C J, पुण्यइ D, पुण्यइं E, पुनइ H, पुण्यै K. **मयगल**–मिगल A, मेगल H **बाझइ**–बाझि B H J, बाजि C, बझइ D. **पुण्यवंत**–पुन्यवंत A H. **भुज**–...B, नइ C, नइं D, नि J. **नावइ**–नवि आवि B, नावि C H J. **पुण्यइ**–पुण्य A D, पुण्यि B J, पुण्यवंत C K, पुण्यइं E, पुन्यि H. **हुइ**–. .C, होइ J, हूइ K **नित**–नूत B, नितु C J,...D K, नत H. **नवला**–नवनवला A, नवा B H, नव २ C, नवनवा D, नव E. **रंग**–रांग B. **पुण्यइ**–पुण्यइं A E K, पुण्यि B J, पुण्यि C, पुण्यइ D, पुंनि H. **सुणीइ**–घरि C, सुणीइं D, सणीइ E, सूंणीइ H, होइ J, सुणियै K. **वेणि**–वेणु A, वाजि C, वीण E, वेणा H, चोषा K

२३० **पुण्यइ**–पुण्यइं A, पुण्यि B C, पुण्य D, पुन्यि H, पुण्यि J, पुण्यैं K. **सूईइ**–सूईय A, सूइ B E, सुंइं H, सूई J, सूअइ K. **तलाई**–तलाइ H, तुलाइ K. **षाट**–षाटि C. **पुण्यइ**–पुण्यिइं B, पुन्यि C, पुण्यइं D E, पुन्यिइ H, पुण्यि J. **बोलइ**–बोलि B H J, बोलइं D. D transp as बोलइं कीरति. **पुण्यइ**–पुण्य A, पुण्यि B, पुंन्यइ C, पुणइ D, पुण्यइं E K, पुन्यइ H, पुण्यि J. **घरि नवि**–नवि घरि H. **षूटइ**–षूटइं A, षूटि B H, षुटइ D, षूटिइ J, षूटे K. **धान**–धन्न B, धांन D E H J K. **पुण्यइ**–पुण्य A, पुण्यि B J, पुण्यि C, पुण्यइं E, पुनि H, पुण्यै K. **हुइ**–हुइं D, होइ J, होइं K. **पुत्रसंतान**–पुत्रसतांन A H, पूत्रसंतांन J.

२३१ **पुण्यइ**–पुण्य A, पुण्यि B, पुण्यइं D E, पुन्यि H, पुण्यि J, पुण्यैं K. **करी**–...E J. **राय**–रा B, य H, राइ K. **दीइ**–दीइं A, दीए D, तणउं हुइ E, दि H, दै K. **मान**–मांन A D H, बहूमांन J. **पुण्यइ**–पुन्यइ A, पुण्यि B J, पुण्यइं E, पुंन्यइ H, पुण्यैं K. **हुइ**–हुइं D, करी J, काजत K. **पाधरा**–पांमीइ J, सरइ K. **प्रधान**–प्रधांन D E H K, निधान J. **पुण्यइ**–पुण्यि B J, पुण्यइं E, पुनि H, पुण्यैं K. **धरीइ**–धरिइ D, घरि होयै K. **सोनासार**–सोनांसार D E K. **पुण्यइ**–पुण्य A, पुण्यि B, पुण्यइं D E, पुनि H, पुण्यि J. **पहिरीइ**–पहिरीइं D, पहिरियै K. C omits vs 231

२३२ **पुण्यइ**–पुण्यि B J, पुन्यि C, पुंण्यइ D, पुण्यइं E, पुनि H, पुण्यै K. **पामीइ**–पामइ C, पांमीइ E J, पांमियै K. **पुण्यइ**–पुन्य A, पुण्यि B J, पुंन्यइं C, पुण्यइं E, पुन्यइ H, पुण्य K. **हुइ**–होइ J, हुइं K. **कीरति**–कीर्त्ति C. **पुण्यवंत**–पुन्यवंत C H, पुण्यवंतनि J. **त्रिणि**–त्रिण्हि A, त्रणि B C, त्रिण्हिइ E, त्रहूइ H, तिण्हइ K. **वार**–बार E. **अट्ठोत्तरसउ**–अठोतरसु A H, अट्ठोत्तरसु B, अठोत्तरसु C D J, अठोतरसउ E. **चार**–च्यार C, च्यारि J.

पुण्यइ मुषि कूडउं नवि चवइ, पुण्यवंत पृथवी भोगवइ।
पुण्यइ पुण्य करइ आदरी, नितु दीवाली पुण्यइ करी॥ २३३

जे जे आण्या वानर वीर, पुण्यइ पाथर तरीया नीर।
पुण्यइ अणयुगतूं संभवइ, रामि राक्षस हणीया सवइ॥ २३४

कूरव कूड न सीधउं काज, पुण्यइ पांडव पाम्या राज।
पुण्यप्रसंसा पुहुवि करी, पद्मनाभ पंडित विस्तरी॥ २३५

कान्हडदेनइ पुण्यइ करी, जगि जय दीधउ आसापुरी।
वल्यां कटक आणंदिउं सहू, कीरति बोलइ बंदिण बहू॥ २३६

---

२३३ **पुण्यइ**–पुंण्यइं A, पुण्यि B C J, पुण्यइं D E, पुनि H. **मुषि**–मुखि A B, सिष्य D, ससि J. **पुण्यइ मुषि**–पुण्यवंत K. **कूडउं नवि**–न कूडउं A, कडूउ नवि B, कूडुं नवि C, नवि कूडउं D, न कूडुं E, न कूडू H, नवि कुडूं J, कूडउ नवि K. **चवइ**–चवइं A, चविइ B, चवि C J, चढि H. **पुण्यवंत**–पुन्यइ C, पुन्यवंत H, पुण्यइं K. **पृथवी**–पृथिवी B, पुहवी C, प्रथ्वी D, प्रथवी E H J, शुवंत पृथ्वी K. **भोगवइ**–भोगविइ B, ते भोगवइ C, भोगवइं D, भोगवि H J. **पुण्यइ**–पुंण्य A, पुण्यि B J, पुन्यि C, पुण्यइ D, पुण्यइं E K, पुणि H. **पुण्य**–पुन्य C, पूण्य D, पून्य H. **करइ**–करी A, करु C, करि H, करीइ J, कथा K. B reads as iii qr : पुण्यि पूर्वकथा सांभली. **नितु**–नित A E H K. **पुण्यइ**–पुण्यइं A E K, पुण्यि B, पुन्यि C, पुन्यइ H, पुण्यि J.

२३४ **जे जे**–ये ये C. **आण्या**–आव्या D, आंणिया E, आंण्या J K. **वानर**–वांनर A C H J, वांनइ E. **वीर**–वीरि H. i qr in B is जे जे बावन आण्या वीर; in K is जे जे आंण्या बावन वीर. **पुण्यइ**–पुन्यइ A, पुण्यि B J, पुन्यि C, पुण्यइं E, पुनइ H. **पाथर**–पत्थर B, पाथरि J. **तरीया**–तरीयां A D, तरीआं H, तरीआ J, तिरिआ K. **नीर**–नीरि A J. **पुण्यइ**–पुंन्य A, पुण्यि B, पुण्यि C J, पुण्यइं D E, पुनइ H. **अणयुगतूं**–अणयुगतुं A K, अणगमतूं B, जणयुगतुं C, अणयूगतुं H. **संभवइ**–न संभवइ B, सभवि C H J, संभवइं D. **रामि**–रामिं B, रांमिइं D, रांमिं E, रामि J, राम K. **राक्षस**–राषस E, रावण H, राष्यस K. **हणीया**–मार्या B C D K, हणीआ H, मारिया J **सवइ**–सवइं A, सवि B C H, सवे E J K.

२३५ **कूरव**–कुरव A, कूबर B C, कोरव D, कौरवि H, कुंरव J, कौरव K. **कूड**–कूडी D, कूंड E, कूड H. **सीधउं**–सीधूं B D E J, सीधुं C, सीधु H, सीधो K. **काज**–सज K. **पुण्यइ**–पुन्यइ A, पुण्यि B J, पुंण्यि C, पुण्यइं E K, पुनि H. **पांडव**–पांडवि A, पाडव K. **पाम्या**–पांम्यउं A, पांम्या C H, पांमिया E, पांम्यउ K. **पुण्य**–पुन्य A H, पुण्यि C, पुंण्य D, पुण्यइं E, पुण्यि J. **प्रसंसा**–प्रशंसा K. **पुहुवि**–पुहवि A C H, पुहुविं B, पुहविइं D, पुहुविइं E, पुहवइ K. **करी**–करि D. **पद्मनाभ**–पदमनाभ A H J, पदमनाभि K. **पंडित**–पंडिति B.

२३६ **कान्हडदेनइ**–काहडदेनि B C, काहनडदेनइ D, कान्हडदेनइ E, कान्हडदेनि J, कांहांनडदेनि H. **पुण्यइ**–पुण्यि B C J, पुण्यइं E, पुन्यि H. **जगि**–युगि B, युधि H. **जय**–जस A, जयज H. C transp as जय जग. **दीधउ**–दीधु B C D H, दीधो K. **आसापुरी**–आसापुरी ॥ चउपई ॥ A, आशापुरी B E J, आस्यापुरी C, आस्यापुरी D. **वल्यां**–वलिउं E. **आणंदिउं**–आणंदिउ A, आनंदिउं B, आणंद्यु D, आंणंद्यूं H, आणंदि J, आणंद्या K. **सहू**–सहूं C, बहू J. **बोलइ**–बोलि B C H J, बंदणि E. **बंदिण**–बंदी C, बंदणि D, बोलइ E, बदणि H. **बहू**–वहू D, सहू J, बहु K.

नगर भणी सांचरीउ राउ, ततषिण वलिउ नीसाणे घाउ।
मेव्या रुद्र न लाईं षेव, नगर भणी पधराव्या देव ॥ २३७
जीतउ कान्ह वात इम सुणी, नगरलोक घइ वद्धामणी।
मदनमेरि भूंगल भरहरइ, वर्ण अढारइ जय जय करइ ॥ २३८
सवि तलीयातोरण झलहलइ, नगर मांहि गूडी ऊछलइ।
फल्या मनोरथ पूगी आस, ठामि ठामि दिवराइ रास ॥ २३९
नारी करइ लूणलूछणां, नगर मांहि मांड्यां पेषणां।
मारगि नवां पाथर्यां चीर, फूल पगर परिमल अबीर ॥ २४०
पद्मनाभ कवि इणि परि भणइ, आव्या राय नगर आपणइ।
बीजा छइ जे राणा राय, आपापणे आवासे जाइ ॥ २४१

---

२३७ सांचरीउ–सांभरीया C, सांचरीया D, संचरीया E, सांचरीआ H J, संचरियो K. **राउ**–राय C D. **ततषिण**–तताक्षिण A, ततषणि B, ततक्षण C E, ततषिंण D, ततषिणि J. **वलिउ**–वल्या C D J K, वलीउ H. **नीसाणे**–नीसांणे A E H K, नींसाणे B, निसाणे C. **घाउ**–घाय C D. **मेव्या**–मेटीया A, मेटिउ B, मेटिया C E. **रुद्र**–रूद्र H J. **न लाईं**–न आव्या A, न लागी C, नालीइ H, वलता J. **षेव**–सेव E. **पधराव्या**–पधारीया A, पधार्या K.

२३८ जीतउ–जीतु A, जीतुं D, जीतूं E, जीवु H, जीत्यु J. **कान्ह**–कांन्हि A E, कांहां H, कांन्ह J. **वात**–घात D. **इम**–इंम D E, ईम J. **सुणी**–सणी E, सूणी H. **नगरलोक**–नगर D. **घइ**–दि B H, दीइ C, दिं D, दिइ E J, दे K. **वद्धामणी**–वधावणी A, वधामणी C, वधांमणी D E J K, वद्धांमणी H. **मदनमेरि**–मदनमेर C D E J K, मृदंगमेर H. **भूंगल**–भुंगल D K, भूगल H. **भरहरइ**–भरहरइं A, भरभरिइ B, भरहरि C H J. **वर्ण**–वरण C, वर्ण्ण J. **अढारइ**–अढार C K, अढार ते J, अढारि H. **जय जय**–जय २ A C D H J, जइ २ K. **करइ**–करइं A, करिइ B, करि C H J.

२३९ सवि तलीया तोरण–तलीया तोरण सवि B C, सवी तलीया तोरण D, सवि तलीयां तोरण E, सवि तलीआ तोरण H, तलीआ तोरण सवि J, सवि तलियां तोरण K. **झलहलइ**–झलहलइं A, झलहलिइ B, झलहलि C H J. **मांहि**–माहि E K. **गूडी**–गूंडी J. **ऊछलइ**–ऊछलइं A, उछलि B H J, उछलि C. **पूगी**–पूरी C. **ठामि ठामि**–ठामि २ B H K, ठांमि २ C D E J. **दिवराइ**–देवरावि B J, देवराइं C D K, देवरांइ E, देवराइ H.

२४० करइ–करि B C H J, करइं D. **लूणलूछणां**–लूणलूंछणां A B, लूंणलूंछणां C D E J, लूंणलूछणां H, ल्हाणलूछणा K. **मांहि**–माहि E H K. **मांड्यां**–मांडइ A, माड्यां C, मांड्या D K, मंडाइ E. **पेषणां**–पेषणा K. **पाथर्यां**–पाथरीया A, पथराइ C, पाथरीइ D, पथरीइ E, पाथरियां J. **पगर**–पगरनइं D, पगरनि J. **परिमल**–परीमल J. iii and iv qrs in H are : फूलपगर परिमल अबीर चूअचंदन लाइ सरीर.

२४१ पद्मनाभ–पदमनाभ A C, पदमनाभि E, पद्मनाभि K. **कवि**–पंडित A,...C, कहि H. **इणि परि**–इम A, एणी परि B H, इंणी परि C, इंणि परिं D, इंणी परि E J. **भणइ**–भणिइ B J, भणि C. **राय**–राए D, नगर K. **नगर**–नगरि A B H, निज घरि J, राय K. **आपणइ**–आपणइं A, आपणि B C H J. **छइ**–छि B C J, छइं D. **जे**–ये C. C transp as ये छि. **राणा**–रांणा A E, राणो B D, राण H. **आपापणे**–आपआपणि B, आपापणि C, आपआपणे D J. **आवासे**–घरे सहू A, घरि सहू B, आवासें D, मंदिरि सहू J. **जाइ**–जाय C D E J.

पांडव दीइ चासणी षाण, वालि लेई बांध्या केकाण ।
सविकहि हियइ हरष न माय, माहिलइ मुहलि पधारीया राय ॥ २४२

॥ राग धन्यासी, धुल ॥

मांडवि मिलिय सुहासणी, सषी उढणि नवरंग घाट कि ॥
जीतउं सहीय वधामणूं ए ॥ २४३

हियडइ हरष अपार कि, सषी बोलइ मालदे वीर कि ॥
जीतउं सहीय वधामणूं ए ॥ आंचली ॥ २४४

हार निगोदर बहिरषा, सषी नेउर रणझणकार कि ॥
जीतउं० ॥ २४५

---

२४२ **पांडव**–पांडवनि B, षांड J. **दीइ**–दिइं A, दीधी B, दि D, देइ J, दियइ K. **चासणी**–चासणी नइ A K, चासणी B C E, चासणी नई D, वासणी नइ H, चासणीय J. **षाण**–षान C, षांण D E H K, केकांण J. **वालि लेई**–वालि ले A, वालिं लेई B C, बालि लेई D, चालि लेइ H, बालइ लेइ K. **बांध्या**–बांध्यां C. **केकाण**–केकांण D E H J K. **सविकहि**–सविकह A B, सविकि C, सविकहिइ E, सविकहिनइ K. **हियइ**–हीयडइ A, हईयडि B, हीइ C, हईइं D, हैइ E, हइइ H, हीअडि J. **न माय**–न माइ A B K, नवि माय C. **माहिलइ**–माहलि B, माहिलीं D, माहिल H. **मुहलि**–मुहुलि B, मुहलिं D, महुलि E,...H. **माहिलइ मुहलि**–मुहल मांहि C, महुल मांहिलि J, महुलि २ K. **पधारीया**–पधारा B, पधार्‍या C H J K, पधारइं D, पधारिया E. **राय**–राउ A K, काहानडराय H.

२४३ E MS stops at राग धन्यासी धुल C MS omits the entire song, i.e. vs 243–249. **राग धन्यासी, धुल**–राग धवल धन्यासी B J, राग धन्यासी धुलः D, राग धन्यासी H, राग धन्यांसी K. **मांडवि**–माडविइं A. **मिलिय**–मिलीइं A, मिलि B H, मिलइं D, मिलइ K. **सुहासणी**–सुहासणि मिली A, सुहासणी H, सोहासणीए J. **सषी**–सषि A, सखी B,...K. **उढणि नवरंग**–नवरंग उढणि B, ऊंढणि नवरंग D, उढणि नवरंगि J, उढण नवरंग K. **कि**–के H. **जीतउं**–जीतुं A K, जीतु B H J, जंतु D. **सहीय**–सही D H J, सहीअ K. **वधामणूं**–वधामणुं A, वधामणी B, वधामणूं H J, वधांमणुं K. **ए**–...D, इ H.

२४४ **हियडइ**–हीयडइ A, हईयडलि B, हईयडलइ D, हइअडि H, हईडलि J. **हरष**–हर्ष D, म्हरष K. **अपार कि**–न माइ कि D K, न माय H, न माय तु J. ii qr in A is जीतउं मालदे वीर कि; in B is सषी बोलि मालदे वीर कि. D H J K omit ii qr **जीतउं सहीय वधामणूं ए ॥ आंचली ॥**–जीतउ सही वधामणउं ए A, जीतुं सही B, चीतुं सहीय० ॥ आंचलीः ॥ D,...H, जीतु सहीय वधांमणूं ए J, जीतु सही वधांमणुं ए K.

२४५ **निगोदर**–नगोदर H. **बहिरषा**–राषडीए J. **सषी**–...J. **नेउर**–नेउरना A, नेउरे D, नेउरीए J. **रणझणकार**–झमकार A J, रूणझूणकार K. **कि**–किइ A,...H, तु J. **जीतउं**–जीतुं० A, जीतु B D J,...H, जी K.

ग्राट करु करि कनकमइ, सषी मोतीयडे पूरु चुक कि ॥
जीतउं० ॥ २४६

तिलक करु कुंकुम तणां, सषी तिणि रंगि राउ वधावु कि ॥
जीतउं० ॥ २४७

असुर दली घरि आवीउ, सषी शंकर छोडीउ बंध कि ॥
जीतउं० ॥ २४८

कान्हडदे जीवे घणूं, सषी बेलिइ मालदे वीर कि ॥
जीतउं० ॥ २४९

॥ चउपई ॥

सरसां संबल नइ पहिरणां, पाछां बान चलाव्यां घणां ।
अबला विप्र दीइ आसीस, कान्हड जीवउ कोडि वरीस ॥ २५०
सोमनाथ आराधइ कान्ह, नितु नितु पंचामृति सनान ।
पूजा तणा सोल उपचार, चंदन कुसम तिलक शृंगार ॥ २५१

---

२४६ ग्राट-प्राट K करु करि-करि A, करूं करि B, करीय ते J, करी करि K. कनकमइ-रलीयामणउ A, कनकमि B, कनकमइ ए D, कनकमि ए J, कनकमै K. सषी-सखी B,.. J मोतीयडे-मोतीडे A B D H, मोतीअडे K. पूरु-पूरूं B, पूरुं K. चुक-चउक K. जीतउं-जीतुं० A, जीतु B J, जीजुं D,...H, जीतुं सही० K.

२४७ करु-कुसम A, करूं B, करुं D H, करु रे J, करी K कुंकुम-कुंकम A D K, कंकू H. तणां-तणूं B, तणूं ए J, तणा K. सषी-सखी B,. .J. तिणि रंगि-तीणि रंगि A, रंगि B, तेणि रंगि D, नवरंगि K. वधावु em-वधाविउ A, वधाव B H J, वधावि D, वधावइ K. कि-कइ H. जीतउं-जीतु० A B J, जीतुं D,...H, जीतउ K.

२४८ असुर-असूर H. दली-भंजी H. आवीउ-आवीया J, आविया K. सषी-सखी B,...J, शषी K. शंकर-संकर A H, तरकश J. छोडीउ-छोडवु B, छोड्यु J, छोड्यउ K. बंध-बंदि A, बध H. जीतउं-जीतुं० A, जीतु० B, जीतुं D, जी० J,. .H, जीतु सही K.

२४९ कान्हडदे-कांन्हडदे A J, काहनडदे D, काहांनडदे H. घणूं-वरस सु A, घणू H, घणूं ए J, घणुं K. बेलिइ-बोलइ A, बेलनइ H, बंधव J, बोल्इं नइ K. ii qr in B is सखी पूरजो आशापुरी आस कि. जीतउं-सषी नवषंडि नाम रहावीउ कि । जीतु० । A, जीतु० B J K, जीतुं D,...H

२५० चउपई-चुपै B J,...C, चूपई. D, चुपइ H. सरसां-सरसा J, सारसां H. संबल-संइबल A, सबल H, शंबल J, बंतवल K. नइ-नि B C H J, नइं D. पाछां-पाछलि J, पाछा K. बान-बांद C J, बांन D K. विप्र-जन J. दीइ-दि H, तिहां दि J, दियइ K. कान्हड-कान्हडदे A, कांहांनड H, कान्हडदे J. जीवउ-जीवे B C H J K, प्रतपे D. वरीस-वरिस C. B interpolates the following line between 250 a and 250 b: माणस तणा वर्ण अढार पसूयां तणा न जाणूं पार ।

२५१ आराधइ-आराधि B C H J. कान्ह-कान्ह A, काहान B, कांहांन H J. नितु नितु-नित २ A B H K. पंचामृति-पंचांमृति A, पंचामृत B C J K, पंचामृतें D, पंचाष्टत H. सनान-सनान A C D K, करि सनांन J, संतान H. तणा-तणां D. उपचार-अपचार A H, ऊपचार C. कुसम-कुसुम B C. कुसम तिलक-तिलक कुंकम D, तिलक कुसम J K. शृंगार-सिणगार B, शणगार C, सणगार J, श्रंगार K.

नितु नितु पूजा हुइ नवनवी, सहू जुहारइ भगति सवी ।
नवे षंडि कीरति विस्तरी, कान्हड़ि वात असंभम करी ॥ २५२
नरकपात ऊवेलइ जेउ, मोटा संकट छोडिउ तेउ ।
मूरति पांच एक लिंगथी, छठी तास जमलि को नथी ॥ २५३
सोरठ भणी पधराव्यउ लिंग, एक भाग वागडि लोहसिंग ।
आबू ऊपरि थाहर भली, मूरति एक तिहां मोकली ॥ २५४
मूरति एक जालहुर मांहि, तिहां प्रासाद कराव्यु राइ ।
देउल एक सइंवाडी मांहि, पांच ठामि शंकर पूजाइ ॥ २५५
पांच लिंग जे पूजा करइ, गर्भवासि ते नवि अवतरइ ।
पद्मनाभ पंडित इम कही, पहिला षंड समापति हूई ॥ २५६

---

२५२ **नितु नितु**–नित २ B, नित्य C, नितु २ D J, नतनित H, नित नित K. **हुइ–होइ** J K, हुइ H. **नवनवी–**निरमली C. **सहू–**सहु D K. **जुहारइ**–जुहारि B C, जोहारि J. **भगति–**भक्ति A, भगतिं B D, भगतइ K. **सवी–मिली** C, करी D. **नवे षंडि–**नव षंडे B C K, नवे षंडे D H J. **कान्हड़ि–**कांन्हड़ि A, कान्हड C K, कांन्हड D, कांहांनड H, कान्हि J. **असंभम**–ससंभम H

२५३ **नरकपात–**तरकपातक B H, नगरपात C, तुरकां पासि K. **ऊवेलइ**–ऊवेलिउ B, कपावि C, ऊवेलि H J. **जेउ–**जेह B D, तेह C, जेय H, जेअ K. **मोटा–**मोटां B H J **छोडिउ**–छूटि B, छोडि C H J, छोड्या K. **तेउ**–तेह B D, देह C, तेय H, तेऊ J, जेउ K. **मूरति**–मूंरति K. **पांच**–पंच B. **लिंगथी–**ल्यंगथी H, लिगथी K. **तास जमलि**–जमलि तास B, तास जामलि C D H. **नथी**–नही A.

२५४ **सोरठ**–सुरठ D, सूरठ H. **पधराव्यउ**–पधराव्या A B, पधराव्युं C H J, पवराव्यु D. **लिंग**–लिं C, ल्यंग H. **एक**–एग J. **वागडि**–वागडि मोकल्यउ A, डि B, वागड C, वागेडि D. **लोहसिंग**–लोहिसींगि B, लोहसग C, लोहसींग H J K **ऊपरि**–ऊपरिं D. **थाहर**–थाहरि C. **मूरति एक**–एक महूरति J. **तिहां**–ठांमि C, तिंहां D. J gives thc foll vs order. 255 a, 254 a; 254 b, 255 b.

२५५ **मूरति**–महूरति J. **जालहुर**–जालोर A, जालोहर B, जालहर H, जाल्हुर J, जालोरह K. **मांहि–**मझारि A, माहि B, माहिं K. **तिहां–**तिंहा D. **प्रासाद**–प्रसाद B C D J. **कराव्यु**–करावि B, कराविउ C H, कराव्यउ K. **राइ** em–राय A B C D J K, राउ H. **देउल**–देऊल C, दउल H. **एक सइं**–एक छइ सइं A, एक सि B, एक सु C J, एक सउ D, असाउलि H, एक छइ K. **मांहि**–माहि A. **पांच**–पंच B, ए पांच C. **ठामि–**ठांमि B C D H J. **शंकर**–संकर H. **पूजाइ**–पूजाय H.

२५६ **पांच**–पांचे C D K, पांचि J **लिंग**–लिंगे C, लिंगेंई D, ल्यंग H, लंगे K. **जे**–...C J K. **करइ**–करिइ B, करि C H J. **गर्भवासि**–गरभवासि A H **अवतरइ**–विस्तरिइ B, अवतरि C H J. A B D H K omit 256 b. C reads as 256 b: पदमनाभि वात ईम कही पहिला षंड समापति हूई; J reads as प्रथमनाभ पंडित ईम कहि प्रथम षंड समापति कहि

Note—The colophons of the first *khaṇḍa* are:

इति प्रथम षंड समाप्तः ॥ A B; इति श्री कांहडदेकथायां प्रथमषंडमध्ये गुजराति सोरठ द्विवेश बंद नवलाष सोमईउ देव लेई गढि जालहुर पासि शिरांणि दल आव्यां कान्हडदे जीत्या अधिकारे प्रथम षंडः । C; इति कान्हडदे चतुर्थषंड प्रथमषंड समाप्तः । D ; इति प्रथमषंडः । H ; इति श्री प्रथमषंड समाप्तः ॥ J ; इति श्री कान्हडदे चउपई प्रथमषंड समाप्तः ॥ १ ॥ K.

द्वितीय खंड

॥ चउपई ॥

बीजा षंड तणउ प्रारंभ बोलइ पद्मनाभ कवि बंभ ।
राजरिद्धि उच्छव नवनवा, साचइ न्यायि लोक पालिवा ॥ १
जे जे तुरक नासी ऊवल्या, एक ठामि जई जंगलि मिल्या ।
एक ऊघाडा वस्त्रविहीण, क्षुधा करी एक थाइ षीण ॥ २
एक घूमंता जाइ घाइ, एक डोली ऊपाड्या जाइ ।
एक तणइ मुषि टोईइ नीर, पाला पुलइ ऊंबरा मीर ॥ ३
रानि रुलंतां थया दिन घणा, ढीली नयरि गया ऊगणा ।
अलूषान अंधारूं करी, वस्त्र एक मुषि अंतरि धरी ॥ ४
इसउ वेष नवि भावइ भलउ, नगर मांहि पइठउ एकलउ ।
भागां तणी वात इम सुणी, ठामि ठामि रोइ तुरकणी ॥ ५

---

१ A adds before vs 1 ' बीजा खंडनु प्रारंभ लिषीइ छइ ॥. H adds ॐ नमो गुणपतये नमः । All MSS omit the name of the metre. **बीजा**–वीजा J **तणउ**–तणु B C D H J. **प्रारंभ**–आरंभ D H K. **बोलइ**–बोलि B C J **पद्मनाभ**–पदमनाभ A C H, पद्मनामि K. **रिद्धि**–ऋद्धि A B C, रिधि D K, रधि H. **उच्छव**–उछव A B H K, उत्सव C **नवनवा**–नवनवा A. **साचइ**–साचि B C J, साचा D. **न्यायि**–न्याइ A, नाइ B, न्याय D H, न्याइं J, लोक K. **लोक**–न्याय K. **पालिवा**–पालिवा A, पालवा B C D H J.

२ **जे जे**–ये ये C. **तुरक**–तरक H. **नासी**–नाहासी J, नासि K. **ऊवल्या**–उवल्या K. **एक**–एकि B. **ठामि**–ठांमि B C D H J. **जई**–ते A, . C, जे H, जइ K. **मिल्या**–मल्या H. B J transp as जंगलि जई. **ऊघाडा**–उघाडा D. **विहीण**–विहीन B J, वहीन C H **क्षुधा**–भूषि C J, भूषइं D, क्षधा H. **करी**–कारी B. C transp as एक भूषि करी. **थाइ**–थया B C J, थाइं K **षीण**–खीण B, दीन C.

३ **एक**–इक K. **घूमंता**–घूमता B, घूंमता C, घूमता D. **जाइ**–जाइं A, जोइ C J, जांइं K. **घाइ**–घाय C D H J. **एक**–इक K. **डोली**–डोलीए B, डोलइ C, डोलीइं J. **ऊपाड्या**–ऊपाडीया A, पाड्या B, ऊपाडि H, ऊपाडी J. C transp as ऊपाड्या डोलइ. **जाइ**–जाय C D H. **तणइ**–तणि B C H J, तणे K. **मुषि**–मषि H, मुष K. **टोईइ**–टोइ B C D H J, टोइं K. **पुलइ**–पुलि B, पलि C J, पलइं D, पलइ H. **ऊंबरा**–ऊबरा A, ऊमरा B, उंबरा C H, उंबरां D.

४ **रानि**–रांनि A D J K. **रुलंतां**–रलंता B C D J, रलता H, रुलंत K. **थया**–थ्या D. **घणा**–घणां D. **ढीली**–ढिली C, ढली H, ढिली K. **नयरि**–नइर A, नगरि C D K, भणी J. **गया**–गा B J. **ऊगणा**–वूगण्या B, उघणा C, उगणा D, ऊघण गया J, आसना K. **अलूषान**–अलूषानि A, अलूषांन D H K, अलूषांनि J. **अंधारूं**–अंधारुं C, अंधारु H, अंधारो K. **मुषि**–मुख B C, मुषिं D. **अंतरि**–अंतर B H J.

५ **इसउ**–इसु A H, असु B, असिउ C, अस्युं D, इशु J. **वेष**–वेस C. **भावइ**–भावि B C H J. **भलउ**–भलु B C D H J, भलुइ K. **नगर**–नयर B. **मांहि**–माहि A B H K. **पइठउ**–पिठु B, पिठउ C J, पइठुं D, पयठउ H. **एकलउ**–एकलु B C H J, एकलुं D. **भागां**–भागा C J K, सागी D. **तणी**–कटक B H. **इम**–इंम D. **सुणी**–सुंणी D H. **ठामि ठामि**–ठामि २ B H, ठांमि २ C J, ठांम २ D, ठांमि ठांमि K. **रोइ**–रोवि J, रोइं K. **तुरकणी**–तुरकांणी D, तरकणी H.

टोले टोले पडइ करांषि, नीर प्रवाह वहइ जिम आंषि ।
एक फाडइ पहिरण सूंथणी, पाए नेउरी भांजइ घणी ॥ ६

एक नांषइ एकाउलि हार, एक ऊतारइ सवि सिणगार ।
ताणइ वीणि विछोडइ दोर, एक लूस्या दिसइ बंदोर ॥ ७

एक नवि रहइ पुहर नइ घडी, एक आलोटइ आडी पडी ।
थ्युं विषवाद पान नइ फूलि, एक रोआवि मुहुगि मूलि ॥ ८

एक तणा बांधव भरतार, एक तणा फूटरा कुमार ।
जे जे हता रिणवाउला, एक तणा मास्या माउला ॥ ९

अलूषाननइ द्यइ सवि शाप, एक तणा रणि मारिया बाप ।
सांथविसाहणे पडीया वाट, नगर मांहि दिवराणां हाट ॥ १०

---

६ **टोले टोले**–ढोले ढोले A, टोले २ C H, टोल्हं २ D, टाले टोले J, टोलो टोले K. **पडइ**–पडइं A D, पीटि B, पडि C H, करि J, फिरइं K. **करांषि**–करंषि B J, कराषि C K, षरांकि D. **प्रवाह वहइ**–प्रवाहइं A, प्रवाह वहि B C H J, प्रवाह वही D **जिम**–ते C, निज J. **आंषि**–अषि B J K. **फाडइ**–फाडि B C H J, फाडइं D. **पहिरण**–पहिरणि B C D J, पहिरि H. **सूंथणी**–सषिणी B, सूथणी D, सुथणी H. iii qr in B is : एक पहिरणि फाडि संषिणी. **पाए**–वाटि B. **नेउरी**–नेउर D J K. **भांजइ**–भाजिइ B, वाजि C, भाजइं D, भाजि H, भाजि J, भांजइ K.

७ **एक**–एकि A H K. **नांषइ** em–नांषइं A, नाषि B, नाषि C H J, लाषइ D, न्हांषइ K. **ऊतारइ**–ऊतारि B C H J, उतारइ K. **सवि**–सिव A **सिणगार**–शणगार C, सणगार H, शृंगार J. **ताणइ**–ताणि B, ताणी C, ताणइं D, ताणि H J, ताणइ K. **वीणि**–वेणि C, विणि D, वीण K. **विछोडइ**–विछोडिइ A, विछोडि B C, विछोडिं D, वछोडइ H, छाडि J. **दोर**–दोरि A H K, एक दोर J. **लूस्या दीसइ**–भणि लूसा B, लूस्या दीसि C, भणि लूशा H, भणइ लूस्यां K. **बंदोर**–बंदोरि D K. iv qr in J is : एक नांषि आभरणह मोरि. A omits iv qr.

८ A omits i, ii and iii qrs. **एक नवि**–एकनइ K **रहइ** em–रहि B C H J, रहइं D, विरह K. **पुहर**–पुहोर B, पुहुर J, पहुर K **नइ**–नि B H J, ने K. **आलोटइ**–आलेटि B J, आलोटइं D, आलोटि H, आलेटइ K. **आडी पडी**–पुहोर नि घडी B, आडी पडि H, आडि चडी J. **थ्यु**–थिउ B, थयु C J, थु H, थ्यउ K. **विषवाद**–विषाद K, विष J. **पान**–पान D H K. **नइ**–नि B C, इ H, समूलि J. **फूलि**–फूल B C D H,...J. **रोआवि**–रोयावइं A, रोवि ते J, रोआवइ K. **मुहुगि** em–मुहुगे A, मुंहुंगि B, मुंषि C, मुहगि D, मुह थइ H, मघह J, महगइ K.

९ **बांधव**–बंधव C D J, वंधव K. **कुमार**–कमार H. **जे जे हता**–जे हता त A, ये ये हता C, जे जे हूता त J, जे जे हंता K. **रिण**–रणि B C D, रण H, रणा J, रिणं K. **वाउला**–वावउला K. **मास्या**–मारिया A H J.

१० **अलूषाननइ** em–अलूषाननइं A, अलूषाननि B, अलूषाननि C J, अलूषांननिं D, अलूषांनानि H, अलूषांननइ K. **द्यइ**–दि B C D H, दिइ J. **शाप**–श्राप A C K, स्याप D, आप H **तणा**–तणां B J. **रणि**–मरणिइ A, वली C, तिहां J, रिण K. **मारिया**–मास्या C D K, मारीआ H C transp as मास्या वली; D transp as मास्या रणि. **सांथविसाहणे**–साथविसांहणे A, साथविसाणे B, सांथवसाणे C, साथविसाहणे D K, साथवसाणे H, साथविसाणे J. **पडीया**–पडीआ D H, पाडी K. **वाट**–त्रास A. **मांहि**–माहि A H K. **दिवराणां** em–दिवरांणां A J, देवराणा B D H, देवराणां C, देवराणा K.

एकइ एकि सुणीजइ सगइ, चाली वात पातिसाह लगइ ।
आव्या जे जीवता निदानि, ते तेडी पूछ्या सुलतानि ॥ ११

अलूषान एवड्डु भडवाउ, किम चहूआणे दीधउ दाउ ।
बोलइ तुरक घामणइ सादि, आगलि रह्या करइ फिरीयादि ॥ १२

वचन अवधारउ असपति राइ, जे जे वीतुं लसकर मांहि ।
षोजन सीदा मारीया षान, नवइ लाष छोडाव्यां बान ॥ १३

मास्या षोहर षास षवास, सैद मुलाणे लीधा घास ।
बंद गुलाम सवे तिणि वार, समरंगणि पाड्या परदार ॥ १४

हण्या हवसी षांडाधार, मूगल बचा न लाभइ पार ।
हाथी सवे ऊदाली लीया, तेजी ताषति छंडावीया ॥ १५

---

११ एकइ एकि–एक एक B, एकएकणि C, एकाएकिं D, एकाएक H K, एकाएकि J. **सुणीजइ**–सणीजि B D, सणसर C, सणिजइ H, सुणीजि J, सुणीजै K. **सगइ**–सगई A, सगि B J, चगि C, सग्गि D, गइ H. **चाली**–बोली B, चली H **पातिसाह**–पातसाह A B C D H, पातशाह J. **लगइ**–लगई A, लगिइ B, लगि C D H J. **जीवता**–जीवित D. **निदानि**–निदान C, निदानि H J. **पूछ्या**–पूछिया B. **सुलतानि**–सुरताण B, सुरताणि C, सूरतांणि D, सरताणि H, सुलतानि J, सुरिताण K.

१२ अलूषान–अलूषांन A D H K, अलूषानि B. **एवड्डु**–एवड A, एवडउ K. **भडवाउ**–भडवाय B C D, भडबाल H, भडिवाउ K. **चहूआणे**–चहूयाणे A B, चहूआणे C K, चहूयाणे D **दीधउ**–दीधु B H J, दीधा C. **दाउ**–दाय B, घाय C, दाह D, घाल H, दाऊ J. **बोलइ**–बोलि B C H J. **तुरक**–तरक B H. **घामणइ** em-दयामणइ A, दयामणि B D J, दयांमणि C, यामणि H, दइमाणस K **रह्या**–थका A, रहिया B, रहा H, गहीआ J. **करइ**–करिइ B, करि C H J. **फिरीयादि**–फरीआदि B C H J, फरियादि D K.

१३ अवधारउ–अवधारु B C D H J. **राइ**–राउ A J, राय B C D H. **जे जे वीतुं**–एक जीवंतु B, ये ये वीतुं C, जे जीवतु D J, जे जीवीतु H, जे जीवतउ K. **लसकर**–लस्कर C D, छि लस्कर J. **मांहि**–माहि A H, मंहि K. **षोजन**–षोजान C, षोजा D, मांन J, षोजनि K. **सीदा**–सादी A, सदा B, सीद्या H, रहीत ते J, इयंदा K. **मारीया**–मारिया B J, मास्या C D K. **षान**–षांन C H J, षांनि D. **नवइ लाष**–नव नव लाष A, नवि लाष B J, नव लाष C D. **छोडाव्यां**–छोडाव्या B D. **बान**–बांन A B J K.

१४ मास्या–मारी A D, मीरां B C H J. **षोहर षास**–षोर षान B, षोजा षास C, षोर षार D, षोषर षास H, षासा J. **सैद**–सैयद C, सइद H K, सेद J. **मुलाणे**–मलांणे C J, मलाणे D, मुलांणे H, मुल्लांणा K. **लीधा**–लीधां K. **घास**–षास H. **बंद**–बांद D, वंद K. **गुलाम**–गुलांम C D J. **सवे**–सवि H. **तिणि वार**–तिणि वारि A B J, तेणी वार C, तेणि वार H. **समरंगणि**–समरंगिणि C. **पाड्या**–पाडीया A, पडिया B, मास्या D. **परदार**–पुंतार C, दरबार K.

१५ हण्या–हणीया A. **षांडाधार**–षांडाधारि A H, षाडानी धार D. **मूगल**–मूंगल B, मुंगल C, मुगल H K. **बचा**–बचां D. **न**–नवि C. **लाभइ**–लाभि B H J. **सवे**–सवि C J, सर्व D, दलि H. **ऊदाली**–उदाली H. **लीया**–लिया K, लीआ H. **तेजी**–तेजि D. **छंडावीया**–छंडाविया A K, छोडावीआ H, छंडावीयां J.

ऊदाली लीधां हथीयार, षान तणा लूस्या भंडार।
जिह ऊपरि वाल्हिमनइ हेज, पातसाहना बे भाणेज ॥ १६

सादल सीह मलिक जे हता, प्राणइ बंदि कस्या जीवता।
दीठउं इस्यूं अम्हारइ नेत्रि, सादी मलिक पडिउ रिणषेत्रि ॥ १७

वात वात छेहि करइ सलाम, केता मलिक न जाणउं नाम।
एकमना मारइ रजपूत, हीदूनउ छोडाव्यउ भूत ॥ १८

सुणी वात रणि कीधउ रोल, पातसाहि नांष्यउ तंबोल।
सुरताणी घोडा हाथीया, कान्हडदे ऊदाली लीया ॥ १९

मीर मलिक मास्या रिण मांहि, इसी वात देसाउरि जाइ।
ढीली नवि बइसइ दीवाण, बाहरि मुहल न दीइ सुरताण ॥ २०

---

१६ **ऊदाली**–ऊधाली K **लीधां**–लीधा BK. **हथीयार**–हथीआर C H J, हथियार K. **षान**–षांन B D H J. **तणा**–तणां A. **लूस्या**–लसिआ A, लूसिया B, लुश्या D, लूव्या K. **भंडार**–तोषार C. **जिह**–जेह B D H J K, जे C. **वाल्हिमनइ**–वाल्हिउ मन A, वाह्लपण B, वाल्या मन C, वाहा मनि D, वाहाल मन H, वाह्लां मन J. **हेज**–जेह B. **पातसाहना**–पातिसाहना K. **बे**–बि B C D, वि H, जे K. **भाणेज**–भांणेज D K. iv qr in J is: मारिया पातशाह भांणेज

१७ **सादल सीह**–सादूल सीह C, सादिल सीह K **मलिक**–सबल B. **हता**–हुंतउ A. **प्राणइ** em–प्राणिइं A, प्राणि B, प्रांणि C D H J, प्रांणइ K. **बंदि**–बंधि C **कस्या**–करउ A, करिया B H J. **जीवता**–जीवतउ A, जीवतां B. **दीठउं**–दीठु B, दीठउ C H, दीटूं J, दीठुं K **इस्यूं**–इसूं A, इसु C, असुं D, असुउ H, इशूं J, इसुं K. **अम्हारइ**–अह्मारि B J, आपणि C, अहमारे D, अमारि H. **नेत्रि**–नेत्र A H K. **सादी**–सादि D. **मलिक**–मिलक K. **पडिउ**–पडीउ J, पड्यो K. **रिणषेत्रि**–रणषेत्रि B C H, रणिषेत्रि D J, रिणषेत्र K.

१८ **वात वात**–वाति वात A, वात २ C D J. **छेहि**–छेह A D J, च्छेहि C, छेह H, छे K. **करइ**–करि B C D H J. **सलाम**–सलांम A D H, प्रणाम J, सिलाम K. **जाणउं**–जाण्यूं B, जाणुं C K, जांणू D, जाणू H, जाणूं J. **नाम**–पार A, नाम B D H J, ताम C **एकमना**–एकमने B, एकमनां J **मारइ**–मास्या B, मारि C H J. **हीदूनउ**–हीदूं तणु B, हिंदूनुं C, हीदूंनूं D, हीदु तणु H, हीदूनूं J. **छोडाव्यउ**–छोडाव्यु B, छोडाव्युं C, छोडावुं D, छोडाव्यिउ H, छोडाव्यूं J, छंडाव्यउ K **भूत**–भुत D

१९ **सुणी**–सुणि C. **रणि**–रिण A K, मनि B **कीधउ**–कीधु B C H J. **पातसाहि**–पातस्याहि C, पातशाह J, पातिसाह K. **नांष्यउ**–नाष्यु B C, नाषिउं D, नाषिउ H, नांषि J **सुरताणी**–सुरतांणी A K, सुलताणी C, सलतानी D, सूरतांणी H, सुलतांनी J. **हाथीया**–हाथीआ J H, हाथिआ K. **कान्हडदे**–कांन्हडदे A K, काह्नडदेइ C, काह्नडदे D, कोहांनडदे H. **ऊदाली**–उदाली C H **लीया**–लीयां D, लीआ H, लिया K.

२० **मास्या**–मारीया A D, मारी B, मारीआ H. **रिण**–रण B C H J, रणि D. **मांहि**–माहि A H K, मांहिं D. **इसी**–असी C **जाइ**–जाय C H. **ढीली**–डिल्लीइ C, ढिली K. **नवि**–न C, न वि D. **बइसइ**–बिसि B, बसि C, बिइस D, बयसी H, बिसइ J, बइयसइ K **दीवाण**–सुरतांण C, दीव्यांणि H, दीवाणि J, दीवांण K. **बाहरि**–बाहिरि J, बाहिर K. **मुहल**–मुहुल B, महुल K. **न दीइ**–नहि C, न दिइ D, न दइ K. **सुरताण**–सुरतांण H, सुरतान J, सुरितांण K.

अलूषानि विसणाडिउं काज, कटक मरावी आव्यउ आज ।
करइ वात इम सारूं राज, अलूषानि जो आणी लाज ॥ २१

इसी वात बोलइ परधान, रषे मुहल मांहि आवइ षान ।
अलूषानि विणसाडिउं काम, पातसाहनूं लूण हराम ॥ २२

[अलूषाननउ जाणी दोस, पातसाह मनि आणिउ रोस ॥] २३

॥ पवाडु ॥

पातिसाह मनि वात विमासी नाहर मलिक बोलाव्यउ ।
साथि थिकउ भोजलु षांडाधर मुहल आगिलइ आव्यउ ॥ २४

करी मसूरति देई सीषामण, नामजाद ल्यउ साथि ।
मारूआडि ऊपरि सुरताणइ बीडउं आप्यउं हाथि ॥ २५

---

२१ अलूषानि–अलूषांन C K, अलूषांनि D H J विणसाडिउं–वगसाड्यूं B, वणसाडिउं C, वणसाडुं D, वणसाडिं H, विणसाड्या K काज–राज H. कटक–करक H. आव्यउ–आव्यु B C, आविउ D H J. करइ–करि B C J, वरइ H इम–अह्म B, ईंम D. सारूं–सारू B, सारु H, सारुं J राज–काज H. अलूषानि–अलूषांनि A D H, अलूषाननि J, अलूषान K जो–जु B H,...J, मनि K. आणी–अणावी A, आंणी D H K, आवी J.

२२ इसी–असी B, ईसी J. बोलइ–बोलई A, बोलि B C H J. परधान–परधांन C H J K, प्रधांन D. मुहल–मुहुल B J, महल H, महुल K. मांहि–मांहिं B, महि K. आवइ–आवि B C H J. षान–षांन A D H J K. अलूषानि–अलूषानि D H, अलूषांन K. विणसाडिउं–वणसाड्यूं B, वनसाडिउं C, वणसाडिउ D, वणसाडिउं H, विणसाड्यां K. काम–कांम A D H J K. पातसाहनूं–पातसाहनुं B C H, पातसाहनु D, पातशाहनूं J, पातिसाहनउ K. लूण–लूंण D. हराम–हराम A C D H J.

२३ अलूषाननउ em–अलूषाननूं A, अलूषाननु B, अलूषांनि D, अलूषांननु H J, अलूषांननउ K. जाणी–जांणी A H J K, मनि जांणी D. पातसाह–पातसाहि B, पातसाहनु H, पातशाह J, पातिसांह K. आणिउ–धरीउ A, आंणिउ D J, आणी H, अंणी K C omits vs 23.

२४ पवाडु–ढाल A B, पवाडुः D, पवाडा ढाल H, रास ढाल पवाडानी K. पातिसाह–पातसाह A B C D H J. मनि वात–हवि मनि C. विमासी–विमांसी J, वमासी H नाहर–नाहार B, नाह H. मलिक–षांन J. बोलाव्यउ–बोलाविउ B D, तेडाविउ C, लोलाव्यु H J, बोलायउ K. साथि–साच्छ A. थिकउ–थकउ A, थकु B C, थिकुं D, थिकु H J. भोजलु–भोजलउ A, भोजल K. षांडाधर–षंडाधार A, षंडाधर K. मुहल आगिलइ–महल माहि A, मुहोलि आगलि B, मुहल मांहि C D, मुहल आगलि H, मुहुल मांहि J, मुहुल आगिलइ K. आव्यउ–बोलाव्यउ A, आव्यु B, ते आविउ C, तेडाविउ D, विउ H, अपावु J.

२५ मसूरति–मशूरति A J, मसुरति K. देई–देइ H. सीषामण–सीषामणि D K, सीषांमण H J. नामजाद–नामजद D, नांमजाद H J. ल्यउ–लउ A, लिउ B D, दल C, ल्यु H, लीउ J. साथि–साथ D, साथइ K. मारूआडि–मारुयाडि B, मारुआडि H. सुरताणइ em–सुरतारि A, दल गुंध्यां B, सुलतानि C, सुरतांणि D, सरतांणि H, सुरताणि J, सुरतांणइ K. बीडउं–बीडूं B J, बीडुं C, बीडु H K. आप्यउं–आप्यूं B, उडउ D, आपिउ H, आप्युं J, आप्यु K. हाथि–हाथ D K.

मोटा मलिक सवे तेडाव्या, साहण करउ सजाई ।
सोनगिरासूं विग्रह मांडउ, मारूआडि मांहि जाई ॥ २६

पाणी धान चलावउ साथइ, सोबति वाहु अपार ।
आपआपणा मरातब लेज्यो, मांहि भला झूझार ॥ २७

नामजाद मयगल मदमाता, ल्यउ साहण सपराणूं ।
साथि घणूं पायदल पालउं, वेगि दीउ पियाणउं ॥ २८

करी कूच जाई नइ लेज्यो मारूआडिनूं पासूं ।
पातिसाह एहवूं मुषि बोलइ, वली रषे हुइ हासूं ॥ २९

करस्यूं काम विछेदइ जाई अम्ह आयस परमाण ।
नाहर मलिक पातिसाह केरउं सिरि कीधउं फुरमाण ॥ ३०

---

२६ **तेडाव्या**–तेड्याव्या K. **करउ**–करु B C J, करू D. **सजाई**–सजाइ H. **सोनगिरासूं**–सोनिगिरिसूं A, सोनगिरिसुं C, सोनगिरांसुंउं D, सोनगिरासिउ H, सोनगिराशूं J, सोनगरांसुं K **मांडउ**–माड्ड B, मांडुं C, मांडिउ H, मांड्डु J **मारूआडि**–मारिआडि A, मारूयाडि B, मारुआडि C H. **मांहि**–मांहा J, माहे H, माहि K. **जाई**–जाइ H.

२७ **पाणी**–पांणि D, पांणी J **धान**–धांन A D H J. **चलावउ**–चलावु B H J, चलाव्यां C D. **साथइ**–साथि A C J, साथिं B **सोबति**–सोभति D **वाहु**–वहइ A K, वहि C D J, हवि H. **आपआपणा**–आपांपणां A, आपापणा D K **लेज्यो**–लेजे B, लेई C, लेयो D H J **मांहि**–माहि A C K, माही H.

२८ **नामजाद**–हरमदाद C, नामजाद D H, नांमजाद J **मयगल**–मूगल A, नि मयगल C J, नइ मयगल D K, मेगल H. **मदमाता**–मदि माता B, माता C D J K. **ल्यउ**–लिउ B H, लीऊं C, लिउं D, लीउ J, ल्यो K. **साहण**–सांहण A D **सपराणूं**–सपराणां A, सपराणुं C, सपरांणूं D H, सपराणा J K. **साथि**–साथिं B. **घणूं**–घणुं C, घणा K, घणू H **पायदल**–पाइदल B, पायकदल K. **पालउं**–लेजे B, पालुं C, पालू H, पालूं J, पाला K. iii qr in A is साथि वेगि लीउ घण पालउं **वेगि**–वेगिं B J, वगि C, वेगइ K. **दीउ**–दीधउं A, दीउं B C D, दियइ K. **पियाणउं**–पीयाणूं B J, पीआणुं C, पीयांणूं D, पीआणू H, पयाणा K.

२९ **करी**–करीय A J **कूच**–चूक A, कूड B D J, कूछ H, कूंच K **जाई नइ**–जाई नि B, नि जोई C J, न जाई D, जाइ नि H. **लेज्यो**–जोयो A, लेजे B, लेयो C D J, लज्यो K. **मारूआडिनूं**–मारूयाडिनूं B D, मारुआडिनुं C H, मारूअडिनु K **पासूं**–पासुं C K, पासउं D, पांसू H **पातिसाह**–पातसाह A B C D H, पातशाह J **एहवूं**–एहवउं A, इम C, एहवुं D K. **मुषि**–मुखि B, मषि H. C transp as मुषि इम. **बोलइ**–बोलि B C H J. **वली**–वलि D. **रषे**–राषे A. C transp as रषे वली. **हुइ**–थाइ C. **हासूं**–हासुं C H K, हासउं D

३० **करस्यूं**–करसउ A C, करसिउ D, करस्युं H K, करशूं J **काम**–कांम D J. **विछेदइ**–विछेदइं A, विछेदि B D J, वछेदि H. **जाई**–जाइ H. **अम्ह**–अह्म B D H. **आयस**–आइस B K, आएस D. **परमाण**–फुरमाण A, परमांण D, फरमांन H, फरमांण J, फुरमाण K. **नाहर**–नाह H. **पातिसाह**–पातसाह A B D H, पातशाह J. **केरउं** om–केरउ A K, केड्डु B, केरूं D, केरु H, केरुं J. **सिरि**–सिर A K, सरि H, शरि J. **कीधउं**–कीधू B, किधुं D, कीधु H, लीधूं J, कीधउ K. **फुरमाण**–फुरमांण A, फरमांण D J, फरमांन H. C omits vs 30.

हल हल करी कटक सामहणी, भलूं महूरत लीधउं ।
करी सिलाम वलिउं सहू पाछउं, पछइ पियाणउं दीधउं ॥ ३१

पातिसाहनी आण न मानइ, हीदू करइ पराण ।
सामतसी राउलनु बेटउ कान्हडदे चहूआण ॥ ३२

जालहुर गढ विसमउ अछइ, लेस्यूं प्राणि मारी ।
कइ तलहटीइ घोरि जई पइसूं, पणि नवि आवउं हारी ॥ ३३

बोलइ बोल मलिक सपराणा, भिडतां किम्हइ न भाजइ ।
कीधउं कूच ऊपडीयां साहण, ढोल भ्रसूकइ वाजइ ॥ ३४

भागां झाड बीड थिउं पाधर, कादव कीधां पाणी ।
डूंगर तणां सिषर जिम चालइ, तिम हाथी सुरताणी ॥ ३५

---

३१ हल हल–हल २ A B C D J K. **सामहणी**–सामग्री B, सांमग्री C, सांमंग्री D, सामगरी H, सांमगरी J, सांमहणी K. **भलूं**–भलुं C D K. **महूरत**–मुहुरत D H. **लीधउं**–लीधूं B, लीधुं C H K, कीधूं D J. **सिलाम**–सलाम B C, सलांम D H J, सिलांम K. **वलिउं**–वल्यूं B, वलूं C, वालिउं D, वलि H, वल्यउ K. **पाछउं**–पाछूं B, पाछुं C, पाछउ H K. **पछइ**–पछि B C H J, पछइं D **पियाणउं**–पीयाणूं B J, पीआणुं C, पीयाणुं D, पीआणू H, पआणउ K. **दीधउं**–दीधूं B, कीधूं D J, कीधुं H, दीधउ K.

३२ पातिसाहनी–पातसाहनी A B C D H, पातशाहनी J. **आण**–आंण D H J K. **मानइ**–मानि B C, मांनइ D K, मांनि H J **हीदू**–हीइ B, हिंदू C **करइ**–करि B C H J. **पराण**–परांण A C D H J K. **सामतसी**–सांमतसीह A, सामतसीह B H, सामंतसी C, सामंतसी J. **राउलनु**–राउतनु H, राउलनो K **बेटउ**–बेटु B. **कान्हडदे**–कांन्हडदे A, कान्हडदे B C, काहनडे D, दीदू करि H **चहूआण**–चहूयाण A, चहूआंण C H, चहूयांण D, चहुआंण K

३३ जालहुर–जालोर A, जालहोर C, जाहालुहरु H, सोनगिरु J, जालउर K. **विसमउ**–विसमु B D J, वसमु C H. **अछइ**–अछइं A, अछिइ B, अच्छि C, दीसइ D, छि पणि H, अछि J. **लेस्यूं**–लेसू A, लेसुं C, लेसिउं D, लेसिउ H, पणि लेशूं J, पणि लेस्युं K. **प्राणि**–प्राणिं B, प्रांणि D, पराणि J, प्राणइ K **कइ**–कि B C J, कई D. **तलहटीइ** em–तलहटीइं B J, तलहटी A C D K, तलहिटी H. **घोरि जई**–घोरिं B, गोहरि जई C, जई गोहर जि D, कोरि जइ H, तुरबत J, घोर जई K **पइसूं**–पिसूं B, पिसुं C H, पयसिउ D, करसिउं J, पइसुं K. **पणि**–अह्मे C, किइ C. **आवउं**–आवूं B J, आवुं C H K, आव्युं D.

३४ बोलइ–बोलि B C H J. **मलिक**–मीर K. **सपराणा**–सपरांणा A H K. **भिडतां**–भिडता A H, भडतां B, भडता C, पडतां D. **किम्हइ**–किह्मि B, किह्मि C, किमइ D K, किमही H, किमहि J. **भाजइ**–भाजि B C H J, भाइ K. **कीधउं** em–कीधु A, कीधूं B D J, कीधुं C, कीधउ K. **कूच**–कूछ A, कूज B, कूंच D, कुछ H. **ऊपडीयां**–ऊपडिया B, ऊपड्यां C D, ऊपडीआ H, उपड्या J, ऊपड्यो K. **भ्रसूकइ**–भ्रसूकइं A, दमामा B, भ्रसूकि C, द्रसूकइ D, ददामा H, भ्रसूके J K. **वाजइ**–वाजइं A, वाजि B C H J.

३५ थिउं–थयुं C, थयु H, क्यउ K. **कादव**–कादम K. **कीधां**–कीधा B H K, कीधूं D. **पाणी**–पांणी D J. **डूंगर**–डूगर A, डुगर C H, डुंगर K. **तणां**–तणा C H K. **सिषर**–शिखर B, सषर C H, शिषर J K. **जिम**–तिम D. **चालइ**–चालिइ B, चालि D H J. **सुरताणी**–सरताणी D, सुपराणी H, सुरतांणी J.

तुरक तणा देस ऊतरीया, वाजंते नीसाणे ।
बुली वाटघाट गिरिकंदर, कटक गयां समीयाणे ॥ ३६
रीसाविउ राउल भत्रीजउ, तही लगइ छइ थाणइ ।
सांतल सीह तणी परि गाजइ, सबल बीर समीयाणइ ॥ ३७
जाणी वात देसि दल आव्यां, बूंबिबूंब सुणीजइ ।
सांतल भणइ करउ मेलावउ, जाई चुपट घाउ लीजइ ॥ ३८
जोई वाट राउल कान्हडदे, अजी नगरि को नावइ ।
कटक भणी तउ वाहरि चडीअइ, जउ सांतल तेडावइ ॥ ३९
षित्री तणउं तेज सपराणउं, सांतल करइ वाहार ।
गमे गमे मेलावा आवइ, जेह भला झूझार ॥ ४०

---

३६ J reverses the verse-order as 36, 35 तुरक-तरक B D, तरकूं H, तुरकां K. तणा-तणां A D. ऊतरीया-ऊतारीया A, जइ भागा H, ऊतरिया K. वाजंते-वाजीते C, वाजते D K, वाजंतां J. नीसाणे-नींसाणे B, नीसांणे C D H K. बुली-बोली D, विउली I_1 (ख), वुलीय J, वउलीK वाटघाट-घाट J. गिरिकंदर-गिरकंदर A, गिरिकिंदर C, गिरकिंभर D, गिरिहि कंदर J, गिरकिंदिर K. कटक-तुरक J. गयां-गया B D J K. समीयाणे-समीआंणे C H, समीयांणे D, समीयाणि J.

३७ रीसाविउ-रीसाव्यउ A K, रींसाणु C, रीसाव्यु J. राउल-राउत J. भत्रीजउ-भात्रीजउ A, भत्रीजु B C H J. तही-तहीं B, तिहि C, तहि D, तिही H, तहीय J लगइ-लगिं B D, लगि C H J. छइ-छि B C H J. थाणइ em-समीयाणइं A, थाणिइ B, थांणि C D H, थाणि J, थाणइ K. सांतल-सातल A, सातलसी J, सातिल K तणी-मल्ल तणी D,.. J, तणी तणी H गाजइ-गाजिइ B, गाजि C H J,...D. बीर-सींह B, वीस K. समीयाणइ em-समीयाणइं A, सेवाणे B, समीआणि C, समीयांणि D, सइवांणइ H, सपरांणि J, सइवाणी K. In C vs 37 precedes vs 36.

३८ जाणी-जांणी D H J K. देसि-देस D H J K. दल-दलि D J K आव्यां-आव्या D K. बूंबिबूंब-बूंबिबूब A, बूंबिबूब B, बूंबिबुंब C, बुंबई बूब D, बुंबारव H, बुंबिबुब K सुणीजइ-सुणीजिइ B, सुंणीजि C, सणीजि D, सूणीजि H, सुणीजि J. सांतल-सातल A B, सांतलसीह J, सातिल K. भणइ-भणि B C H, कहि J. करउ-करूं B, करु CDHJ. मेलावउ-मेलावु B C H J जाई-जई BCDJ, जइ HK. चुपट घाउ-चउप A, चुपट घाउ B, चउपट घाउ C D, चुपट घा H, चुपट घाए J, चउपटि घाउ K. लीजइ-लीजिइ B, लीजि C, लेसिउं D, लीजि H J, लीज्यइ K.

३९ जोई-जोइ B D H. राउल-राउ C D J, राउरल K. कान्हडदे-कांन्हडदे A K, काहडदे B C, कांहांनडदे H. अजी-हजी D H J. नगरि-नगर D,. J, नगरी K. को-कोइ J. नावइ-नावई A, न आवि B J, नावि C H, नाविउ D भणी-तणी J. तउ-तउं A, तु B H J, जु C, तुं D. वाहरि-वाहरि A J, वाहारि H, वाहर K. चडीअइ-चडीइ A J, चढीइ C, चडीउ H. जउ-जु B C H J, जुं D. सांतल-सातल A K, सांतलसी J. तेडावइ-तेडावि B C H, तेडावइं D, आवि J.

४० षित्री-क्षित्री A B C, षित्रि D, क्षत्री H. तणउं-तणूं B J, तणुं C D, तणू H, तणउ K. सपराणउं-सपराणूं B D J, सामहूं C, सपरांणू H, सपरांणउं K. ii qr in K is: सवे तेडाव्या इसार. करइ-करि B C H J. वाहार-बिहाउ A, विचार C, विहार D J, वहार H. गमे गमे-गांमि गांमि B, गमे २ C J, गमा २ D, गमे गामे K. आवइ-आवई A, आवि B C H J. जेह-जे A, जेअ K. झूझार-जूझार C.

करी सजाई सहू सांचरिउं, पाषरीया तोषार ।
जरहजीण टोप रंगाउलि, वली लीयां हथीयार ॥ ४१

नाहर मलिक तणइ दलि मिलीया मंजोहरि चहूआण ।
हूऊं जाण जे हींदू आव्या, षलभलीउं मेल्हाण ॥ ४२

भिड्यां कटक रिण काहल वाजइ, वाहइ षांडाधार ।
सांतलसीहि सांफलउं जीतूं, मारिया म्लेछ अपार ॥ ४३

नाहर मलिक ऊसरीउ पाछउ, हूई असंभम वात ।
तुरक तणा ऊदाली लीधा तेजी सइ छ-सात ॥ ४४

मारी मलिक अवाला कीधा, मचकोडिउं तुरकाणउं ।
द्रुडी नइ छंडाव्या थाहर, वेडि गया विहाणउं ॥ ४५

---

४१ **सजाई**–सजाइ H. **सहू**–सहु D. **सांचरिउं**–साचरीउं B J, संचस्याउ K. **पाषरीया**–पाषरिया A K, षाषरीया B, पाषरीआ H **जरहजीण**–जरहिसी H, जिरहजीण K **टोप**–नइ टोप A K, कुली C, कोठा D J, कोठला H. **रंगाउलि**–रगाउलि B J. **लीयां**–लीया B, लियां D, लीआं H, लीआ J, लिया K. **हथीयार**–हथीआर C H J, हथियार K

४२ **नाहर**–नाहार C, मल्या J. **मलिक**–मलि माहरि J, मिलक K. **तणइ**–तणि B C D H J. **दलि**–...J. **मिलीया**–मिलीयां A, मिलीआ C, मलीया D, मलीआ H, मिलिआ K. **मंजोहरि**–इम बोलइ A, इम जोइ B, इम जोयुं K. **चहूआण**–चहूयाण A B, चहूआण C K, चहुआण D, चहूयाण J. **हूऊं**–हवुं B J, हूइं C, हूउ D K, हूउं H. **जाण**–जाण D J K, करी C. **जे**–नि C. **हींदू**–हीदू A H J K, हीदूं B, हिंदू C. **षलभलीउं**–षलहूलीउं C, षलभलीया D, षिलवलीउं H, षलभलीआ J, षलभलिया K. **मेल्हाण**–मेल्हाण A D K, मेहलाण B, मेहलांण C H.

४३ **भिड्यां**–भडिया B, भड्यां C H, चड्यां D, चढ्या J. **रिण**–रणि B, रण C D H J. **वाजइ**–वाजिइ B, वाजि C H, वजि J. **वाहइ**–वाहि B H, भाजि C J, भाजइ D. **षांडाधार**–षंडाधार C J K. **सांतलसीहि**–सातल्सीह A, सातल्सींहि C, सांतल्सीह H, सातिलसीह K. **सांफलउं**–सूंफल्यूं B, सफलुं C, सइंफलूं D, सइफल H, सुंफलूं J, सांफलउ K. **जीतूं**–जीतुं A C, जीत्यूं B, जीतू H, जीतउ K. **मारिया**–मारी B, मार्या C D J K. **म्लेछ**–मलेछ A, मेछ B H, म्लेच्छ C, मेलेछ J.

४४ **नाहर**–नाहरि H. **ऊसरीउ**–उसर्यु B, उसरिउ C D J, उसरीउ H, उंसस्याउ K. **पाछउ**–पाछु B C J, पाछइ K. **तणा**–तणां A. **ऊदाली**–उदाली C, ऊदालीआ H, हाथी ऊदाल्या K. **लीधा**–लीधां A, ली B,... H, लिया K. **तेजी**–तेनी B, हाथी C. **सइ**–सि B C H J. **छ सात**–छइसात D, सात K.

४५ **मलिक**–तुरक B. **अवाला**–अचाला A, नि अघलु B, अवेक्षा C J, अवला K. **कीधा**–कीधूं B, कीधा H. **मचकोडिउं**–मचकोड्यूं B, मचकोड्युं C J, मचकोडिउ H, मचकोड्यंउ K. **तुरकाणउं**–तुरकाणूं B J, तुरकाणुं C, तरकांणूं H, तुरकाणुं K. **द्रुडी**–द्रुउडी C, टुडी H, भांजी K. **नइ**–नि B C H J. **छंडाव्या**–छंडाविया A, छोडाव्या B, छंडाव्युं C. **थाहर**–हाथी A B. **वेडि**–वेडिं B J, वेगि C, वेडइ K. **गया**–गयां A H. **विहाणउं** em–हूउं विहांणउं A, विहाणिइ B, समीआणे C, विहांणू H, विहाणूं J, वीहांणइ K. D omits vs 45.

घोडा सवि जाल्हुरि मोकल्या, सरसां संबल देय ।
सांतलसीहि सांफलूं जीतूं, हरष्यउ कान्हडदेअ ॥ ४६
वली मलिक सुंडीनइ आवइ, देषु कस्यउं अम्हारुं ।
एक वार वरांसउ वीतउ, वली अम्हे किम हारुं ॥ ४७
समीआणे गढरोहउ कीधउ, सांतल न करइ जाण ।
बीजे राउते तेडाव्या कान्हडदे चहूआण ॥ ४८
सवा लाष षांडायत सरसु, पाषरीए केकाणे ।
समीआणे राउल कान्हडदे आव्यु छडे पीयाणे ॥ ४९
एकइ गमइ ऊतरीउ सांतल, घणु मेलावउ लेय ।
बीजइ गमइ कटकि जई विलगु, राउल कान्हडदेअ ॥ ५०

---

४६ **घोडा**–घोडां A J, थोडा H. **सवि**–सवे B **जाल्हुरि**–जालोरि A, जालहुरि B, जालोहरि D, जालोहर H, सोनगिरि J, जालोर K. **मोकल्या**–मोकलीया A, मोकलिया B, मोकल्या J **सरसां**–सरसा B C D J **संबल**–संबलि A, सं ..B, सीबल D, शंबल J. **देय** em–देई A, उ B, लेय C, देउ D J, देअ H, लेई K **सांतलसीहि**–सातलसीह A, सांतलसीहिं C, सातलसीहइं D, सांतलसीह H, सातिलसीह K. **सांफलूं**–सूंफल्यूं B, सफलू C, सइंफलुं D, सइफलू H, सुंफलूं J, साफलउ K. **जीतूं**–जीतुं A D H, जीत्यूं B, जीतु K. **हरष्यउ**–हरषि A, हरषिउ B D H J, हरष्यु C **कान्हडदेअ**–कान्हडदेई A, कान्हडदेउ B, कान्हडदेय C, काहन्हडदेउ D, कांहांनडदेअ H, कांन्हडदेउ J, कान्हडदेव K.

४७ **सुंडीनइ** em–सूंडीनइं A, सूंडी B, सुंडीनि C D H J, सुंढीनइ K. **आवइ**–व्या B, आव्या C D H J K. **देषु**–देषि A, देवे C K, देषुं D **कस्यउं अम्हारुं** em–अम्हांरउं काम A, करूं हमारूं B, करिउं अम्हारुं C, करउं हमारुं D, करि अह्मारुं H, कीऊं अह्मारुं J, कर्युं अम्हारुं K **वरांसउ**–वरासु B C D H, विरांसु J. **वीतउ**–वीत A, वीतु B C D H J. **वली**–.. J. **अम्हे**–अह्मे B C J, अह्मो H. **किम**–नवि A H, किमहि नवि J. **हारुं**–हारूं A B.

४८ **समीआणे**–सइवाणे A K, सैवाणि B, समीयाणइ D, समीआणे J **गढरोहउ**–गढरोह A, गढरोहु B C H, गढिरोहुं D, गढराहु J. **कीधउ**–कीधु B C H J, कीधुं D **सांतल**–सातल A, सांतलि B, सातिल K. **न**–...B, नइ D **करइ**–कीधूं B, करि C H J. **जाण**–जाण A D H J K **तेडाव्या**–राउ तेडाव्या C, ते तेडाव्या D J, तडाविउ H. **कान्हडदे**–कान्हडदे A J, काह्नडदे B C, कांहानडदे H. **चहूआण**–चहूयाण A B, चहूआंण C H K, चहूयांण D.

४९ **षांडायत**–दंडायत B, षंडायत D K, षांजयत H. **सरसु**–सरिसु C J, सरीसु D, सरिसा K. **पाषरीए**–पाषरिया K. **केकाणे**–केकाण A, किकांण C H J, केकाणें D, केकांणे K. **समीआणे**–सइवाणे A, सेवाणे B, समीयाणइ D, समीआंणे H, समीयाणि J, सयवाणे K **राउल**–...A **कान्हडदे**–कांन्हडदे A J K, काह्नडदे B C, कांहांनडदे H. **आव्यु**–आव्युं D, आविउ H, आव्या K. **पीयाणे**–पीयाणे जाणे A, पीआणे C, पीयाणे D, पीआंणे H, पयांणे K.

५० **एकइ** em–एकइं A, एकि B H, एक C D J. **गमइ**–गमा A, गमि B H J, गमे C, गमें D. **ऊतरीउ**–ऊतर्या B, उतरीउ C, ऊतरिउं D, ऊतरयउ K. **सांतल**–सातल A, सातिल K. **घणु**–घुण A, घणूं H, घणउ J K. **मेलावउ**–मेलावु B C D J, मेलावुं H. **लेय** em–मांडी A, लेउ B J, लेई C K, लेअ D H. **बीजइ**–बीजि B C H J. **गमइ**–गमि B C H J. **कटकि जई**–कटकि A, जई कटक B, कटक जई C, कटकि जै H, कटक जे K. **विलगु**–वलगु B C H, विलगुं K. **कान्हडदेअ**–कांन्हडदेउ A J K, काह्नडदेउ B, कान्हडदेय C, कांहानडदेअ H.

गमे गमे मारेवा लागा, मलिक सवे विचि कीधा।
अंगोअंगि बिहुं दलि साम्हा मलिकि ऊथला दीधा॥ ५१

सींगिणि गुण सपराणा गाजइ, साम्हा आवइ तीर।
ऊड्यां लोह वीज जिम झबकइ, भिडइ ति मोटा मीर॥ ५२

बिहुं गमे बलवंता हींदू, वूठी एकजि धार।
बीजा मलिक केतला कहीयइ, मारिउ मलिक नाहार॥ ५३

राउत मांहि घणउ सपराणउ, सींधल कुलि सपराण।
भलउ भिडिउ रिण साम्हउ चाल्यउ, सुहडइ छांड्या प्राण॥ ५४

आज लगइ सहू को जाणइ, समरंगणि सपराणउ।
भिडकमाड भोजलु षंडाधर, ते रिणषेत्रि मराणउ॥ ५५

---

५१ गमे गमे–गमे २ B C D J, गमे H, ठामे ठामे K. विचि-वचि C J, वचे D, वच H. सवे विचि–आकोकीक B. कीधा–कीधां K. अंगोअंगि–अंन्योअन्य H. बिहुं–बहु B, बेहू C H J. दलि–दल B C H J K. साम्हा–सांम्हा A, साहमु B, साह्मा C D, साहमा H, साहमा J. मलिकि-मलिक A B J K, मलिके C, तरक H. ऊथला–ऊत्थला A, ऊथल D, उथला H. दीधा–दीधा D, लीधा H.

५२ सींगिणि–शीगणि A, सींगणि B C K, सीगणि H, सीगिणि J गुण–गण B D, गणि C. सपराणा–सपरांणा A H J K, सपाराणा D. गाजइ–गाजिइ B, गाजि C J, गाजई D. साम्हा–साम्हा A, साहवा B, साह्मा C D, साहामा H, साहमा J. आवइ–आवि B C H J, आवइं D ऊड्यां–ऊडीया A, ऊडिइ B, ऊड्या C, उड्या D, उडियां H. झबकइ–झबकिइ B, झलकि C, झलकइ D, झबकि H, झबूकि J. भिडइ–भडि B C J, भडई D, तडि H. ति–ते C J, त D. मीर–वीर H.

५३ बिहुं–सबिहुं D, बिहू H. हींदू–हिंदू C, हीदू D H J. वूठी–वूही A, वाही K. एकजि–एकज B C D H, रुधिरज J. कहीयइ em–कहीइ A B D H, कहीइं C, संघार्ति J, कहीयइं K. मारिउ–मार्‍यु D J, मरिउ H, मार्‍यउ K. मलिक–मलि A, मलिकज J. नाहार–नीहार B, नाहारा D, नाहर K

५४ राउत–राउ H. मांहि–माहि K. घणउ em–घणउं A, घणूं B H J, घणुं C D, घणा K. सपराणउ–सपराणा B, सपराणुं C, संपराणुं D, सूप्रमांण H, सपराणु J, सपरांणा K. सींधल-सीधल B C D J K, शींधल H. कुलि–मलिक B, वंश H. सपराण em–सपरांणउ A, प्रमाण B, सपरांण C D J K, प्रमांण H. भलउ–भलु B C D H J, भिलू K. भिडिउ–भडिउ B, भडी C H J, भिडी D K. रिण-रणि B C D, रण H J. साम्हउ–साम्हउं A, साहमु B H, सांह्यु C, साह्यु D, सांहमु J, साम्हउ K. चाल्यउ–चाली A B, चाल्यु C D, चालिउ H J. C transp as सांह्यु रणि चाल्यु; D as साह्यु रणि चाल्यु. सुहडइ-सुहडे A, सुहोडि B, सुहडि C, सोहडि H, सुहुडि J. छांड्या–छांडीया A, छंड्या B K, छांड्युं D, छाड्यां H, छांड्यु J. प्राण–प्रांण C D H J.

५५ आज–आजि B H. लगइ–लगि B C H J. सहू–सहु A, सहूइ D. को–कोई K. जाणइ–जाणिइ B, जाणि C, जोणि H, जांणि J, जांणइ K. सपराणउ–सपराणु B C, सपरांणुं D K, सपरांणु H J. भिडकमाड–भडकमाड B, भडकमाल C, भिडकिमाड K. भोजलु–भोजलउ A, भोचलु H, भोजल K. षंडाधर–षांडाधर B C H. रिणषेत्रि–रणषेत्रि B D, रणषेत्र C H, रणिषेत्रि J, रिणषेत्र K. मराणउ–मराणु B, मराणुं C, मरांणुं D, मरांणु H J, मरांणउ K.

जीता तणी वधावी वाजी, मीर मलिक सवि मार्‍या ।
भागां कटक राय चहूआणे, तउ जाल्हुरि पधार्‍या ॥ ५६
जाणी वात सांढीउ आव्यु, जे हुंता सपराणा ।
नाहर मलिक भोजलु पंडाधर, बे रिणषेत्रि मराणा ॥ ५७
इसी वात सांभली सुरताणि, जे चहूआणे जीतुं ।
नाहर मलिक तिसी परि कीधी, अलूषान जे वीतूं ॥ ५८
वारइ वारइ हारि सांभली ततषिण हूउ हराण ।
किसी बलाइ ऊठी तुरकांणइ, इम बोलइ सुरताण ॥ ५९
षानज्यांह नइ मलिक इमादल, मलिक नेब ए च्यारि ।
कमालदीन मलिक तेडाव्या, ततषिण मुहल मझारि ॥ ६०
माहिलइ महलि मसूरति बइसी, वात करेवा लागा ।
जे जे मलिक कटक लेई जाई, ते चहूआणे भागा ॥ ६१

---

५६ **जीता**–जीत्या B **वधावी**–वधावणी A, वधाई K **वाजी**–आवी A C. **सवि**–सवे तिहां A, सवे D H. **मार्‍या**–मारिया B, मार्‍यां K **भागां**–भागा B K, भाज्यां J. **राय**–रायि A, राउ H. **चहूआणे**–चहूयाणे A B, चाहूयांण D, काहांनडदे H, चहूआंणा K. **तउ**–तु B C H, तुं D, पछि J, तव K. **जाल्हुरि**–जालोरि A, जाल्हुरि B D H J, जालोर K. **पधार्‍या**–पधारीया A, पधारिया J.

५७ **जाणी**–जांणी A D J K. **सांढीउ**–सांढिया K. **आव्यु**–आविउ B, आव्याउ K. **जे**–ये C. **हुंता**–हूतु B H, हुंता D, हुतु H. **सपराणा**–सपराणा A D J K, सपराणु B, सपरांणु H. **मलिक**–मीलिक K. **भोजलु**–भोजलउ A, भोज D J, भोजल K **पंडाधर**–षाडाधर B C H J. **बे**–ते B C J. **रिणषेत्रि**–रणषेत्रि B, रणिषेत्र C, रणक्षेत्रि D, रणषेत्र H, रणिषेत्रि J, रिणषेत्र K. **मराणा**–मराणा A K, मराणां D, मरांणु J.

५८ **इसी**–असी C **सांभली**–सांभलि A, जाणी B, जाणी H **सुरताणि**–सुरतांणि B, सुरतानि C, सुरतांणि D H, सुरताणे J, सुरतांणइ K. **जे**–ये C **चहूआणे**–चहूयाणे A B, चहूआंणे C H K, चहुआंणे D. **जीतुं**–जीतूं J, जीतु H **मलिक**–मलिकि D, मीलक K **तिसी**–तिशी A, तणी C, सी H **अलूषान**–अलूषानि B, अलूषांननि C, अलूषांन D H K, जे अलूषांननि J. **जे**–ये C,.. J, जीम K. **वीतूं**–वीतु K, वीतुं C D H.

५९ **वारइ वारइ**–वारइं २ A, वारोवारि B, वारि २ C J, बारइ २ D, वारि H, वारइ वारै K. **हारि**–ते हारि J, हार H. **सांभली**–सांभलीइ C. **ततषिण**–ततक्षण A C, ततषिणि B J **हूउ**–हुइ B, हूउं D, हवु J, हुउ K **हराण**–सपराणु C, हेरांण D, हरांण H J K **किसी**–सी B H, क्या D **बलाइ**–बला B J, वातज C, बलाहि D H. **ऊठी**–पडी A, हुई C. **तुरकांणइ**–तुरकाणिइ B, तुरकाणि C, तरकांणि H, तुरकांणि J. **इम**–इंम D, ईम J. **बोलइ**–बोलि B C H J. **सुरताण**–सुरतांण D J

६० **षानज्यांह** cm–षांनजांह A, षांनजिहां B D J, षानयांहां C, षांनज्यांह H, षांनज्याह K. **नइ**–...B, नि C D H J. **मलिक**–मलक C, मलइक H, मिलक K **इमादल**–इंमादल A, ऊंमादल C, अमादल D J, मादल K. **मलिक**–मलि C, मिलिक K. **नेब ए च्यारि**–वली बिच्यारि A, नेब ए च्यारिइ B, नेब ए च्यार H. **कमालदीन**–कमालदी B, कमादीन H **मलिक**–मिलक K **तेडाव्या**–तेडाविउ B C, तेडाव्यु D, तेडावु J, तेडाव्याउ K. **ततषिण**–ततक्षण A, ततषिणि B J, ततक्षिण D. **मुहल**–महल A H, मुहुल B J, महुल K.

६१ **माहिलइ**–मुहुल B, माहिलि C D H, मांहिलि J. **महलि**–मुहलि C, चुकि B D H J, चसकि K. **मसूरति**–मसुरंति H. **बइसी**–बइठा A, वीधी B, कीधी C, बइसि D, बिसी J. **जे जे**–ये ये C. **मलिक**–[illegible] J. **कटक**–कट H. **लेई**–ले K, लेइ H. **आई**–गया C, जाए D. **चहूआणे**–चहूयांणे A, चहूआणे B, चहूआंणे C D H, चहुआंणे K.

पातिसाह मूछइ वल घाली विसमा बोल्या बोल ।
जे को माहरी आण न मानइ, चूकइ ठाम निटोल ॥ ६२

गौड चौड गाजणउ कनूजउ, मरहठ मइं वसि कीधा ।
लाड देस नइ सिंधु सवालष, गूजर सोरठ लीधा ॥ ६३

मइं लीधा मालव चंदेरी, मांडव सारंगपुर ।
रिणथंभोर चीडोत्र भला गढ, वली लीउ नागुर ॥ ६४

मि पूरव दिसि जमणापुर मथुरां, वली ति अंतरवेध ।
मइं काकपुर भोजपुर उडीसा, प्राणइ चांपी लीध ॥ ६५

पूरव सागर लगइ कटक लेई, आगइ दीउं पीआणूं ।
मइ द्रुडी राय देस छंडाव्या, तिहां अम्हारउं थाणूं ॥ ६६

---

६२ **पातिसाह**–पातसाहि A B C, पातसाह D H, पातशाह J. **मूछइ**–मूछइं A, मूंछ B, मूंछे C K, मुछे D, मुछ H, मूंछि J. **घाली**–घाती A H. **बोल्या बोल**–बोलज बोल्या A **जे को**–य को C, जे कोइ H. **माहरी**–माहिरी A, माहारी D H. **आण**–आंण D J K. **मानइ**–मानि B C, मानई D, मानि H J, मांनइ K. B transp as आण न मानि माहरी, H transp as आण न माहारी मानि. **चूकइ**–चूकि B H J, ते चूकि C, ते चुकई D. **ठाम**–प्राण C, ठांम D, आण J. **निटोल**–न टोल H.

६३ D omits vs 63. **गौडचौड**–गोडचोड K, गौडचैड H. **गाजणउ**–गाजणू B J, गाजणु नइं C, गाजणु H. **कनूजउ**–कनूजु B, कनूज C, कंनोजु H, कनुजु K **मइं**–मंइ A, मि B J, मिं C, मइ H K. **वसि**–वस C, वशि J. **लाड**–लाट K. **देस**–देश B. **नइ**–मइ A, नि B H J. **सिंधु**–सिंध A, सिंधू C, सधू H, सिधु J,...K. **सवालष**–सवालाष C, सवालषि J. **गूजर**–गुजरात C, गुजरु K.

६४ **मइं** em–मइ A, मिं B C, मंई D, मि J. **लीधा**–लीधां D J **मालव**–मांडव A. **चंदेरी**–नई चंडेरी D. **मांडव**–माल्व A. **सारंगपुर**–सारिंगपुर B J, सांरंगपुर K. **रिणथंभोर**–मइ रिणथंभोर नइ A, रणथंभर B D, मि चित्रोड C, मइ रणथंभर H, मि चीत्रुड J. **चीत्रोड**–चोडोत्र A, चीत्रुड B, रणथंभुर C, रणथंभर J. **भला**–लीधा C, मेलिउ J. **गढ**–.. A C J. **वली**–गढ J, वलि K. **लीउ**–लीधुं C, लीउं H, लीधु J, लीयो K. **नागुर**–नागोर A K, नागुहर H.

६५ **मि**–मिइं B, मिं C, मंई D, मइ K. **पूरव**–पूर्व D. **दिसि**–दिशि B, दिसिं D, दसि H. **जमणापुर**–जिमणपुर B D, जिमणापुर C, यमणंपुर H, यमुनां J **मथुरां**–मधूरुं B, मथूरां C H, मथुरा K. **वली**–वलि K. **ति**–ते C D J,.. K. **मइं**–मिं B, मि C J, मइ H K. **काकपुर**–काकुपुर A. **भोजपुर**–भोज C, भोजपर H. **उडीसा**–ऊंडीसा A, ऊडीसा B, डीसा D J, उडीसां K. **प्राणइ**–प्रांणि C D H J, चापी B. **चांपी**–पूरव B. **लीध**–लीधा A H J K, लीद्ध C.

६६ **पूरव**–पूर्व K, मि पूरव H. **लगइ**–...C J, लेगइ H. **कटक**–कटकज J. **लेई**–लेइ H K. i qr in B is: सागर लेई मइ तुरक केई. **आगइ**–आगइं A D, आगि B C H J. **दीउं**–दीऊं A J, मि दीउं B, दीधुं वली C, दिधुं K. **पीआणूं**–पिआणुं A, पीयाणूं B, पीआणुं C, पीयांणुं D, पीआंणू H, पयाणुं K. **मइ**–...B, मिं C, मि J. **द्रुडी**–द्रुडी A, द्रुब्या B, द्रुठकी C, टुडी H. **राय**–हींदू B. **देस**–...A, देश J. **छंडाव्या**–छोडाव्या K. **अम्हारउं**–अह्मारुं B J, अह्मारुं C D, अह्मारु H, अह्मारउ K. **थाणूं**–थांणउं A, थाणुं C, थांणुं D K, थाणू H.

हींदूस्थानी अनइ पंडूआ, वली जालंधर लीधा ।
मइं कासमीर कामरू हिमाचल, गौड लगइ वसि कीधा ॥ ६७

षुरासाण मइं षुरतलि षूंधउ, प्राणि लीउं निधान ।
मइं मारी मूंगल दल भांज्यां, लीउं ऊच मुलताण ॥ ६८

चीण भोट दंडूर देसपति ढीली ऊलग ल्यावइ ।
ढोरसुमुद्र लगइ मोडोधा अम्ह घरि दंड ले आवइ ॥ ६९

कलवगुंद्र नइ आनागूंदी, बेदर देस तिलंग ।
वुहुरइ सान पान जिहां पहिरीइ, वाणी बोलइ चंग ॥ ७०

एहवी भूमि विषम मइं चांपी, षांडा प्राणइ लीधी ।
देवगिरि जे राउत रामदे, तिणइ बेटी दीधी ॥ ७१

---

६७ **हींदूस्थानी** em–हींदूथानी A, हीदूस्थानी B J K, हिंदूस्थानी C, हींदूस्थांनी D, मइ हींदूथांनी H. **अनइ**–नि B, अनइं D, अनि J H. **पंडूआ**–पंडूया A, पाडूया B, पंडीआ C, पूंडूआ H, पाडूया J, पाडुआ K. **लीधा**–लीधउ A, लीध B D, लीधु H **मइं**–मइ A H K, मि B C J. **कासमीर**–कास्मीर B C D. **कामरू**–कामरु C, कांमरू J. **हिमाचल**–हेमाचल D J **गौड**–चौड D, चूल I, गोढ J, गोट K. **लगइ**–लगि B C J, लगइं D K, लगिरि J. **वसि**–वस C **कीधा**–कीध B D. H omits vss 67 b to 78 i qr.

६८ **षुरासाण**–षुरासाण A C J. **मइं**–मइ A K, नि B, षरं C, मि J. **षुरतलि**–षुरातलि A, षुरातलिम C. **षूंधउ**–षुंधउ A, षूंदूं B, षूंदिउ C, षुंधु D, षूंधूं J **प्राणि**–प्राणि D J, प्रांणइ K **लीउं**–लीऊं J, लियुं K. **निधान**–धनधान A, निधांन D J K. **मइं**–मइ A, मिं B, मि C J **मूंगल**–मूंगलनां A B, मुंगल D K. **भांज्यां**–भागां A D, आव्या C, भांज्या J, भाजी K **लीउं**-लीउ C, लीऊं J, लियो K. **ऊच**–ऊंच C D, उच K. **मुलताण** em–मुलतांण A, मुलतान B C, मूलताण D, मूलतांन J, मुलताणि K.

६९ **चीण**–चींण A. **दंडूर**–डूगर A, लटिउ B, दडूर C, डूंगर J. **देसपति**–देसप्रति C, देशपति J, दशपति K. **ढीली**–ढील्ली C, ढिली K. **ऊलग**–उलग A K **ल्यावइ**–आवइ A, आवि B C, ल्यावि J. **ढोरसुमुद्र**–पूरव सुमुद्र A, ढोरसमुद्र C D K, ढोरसमूद्र J **लगइ**–लगि B C J. **मोडोधा**–मुडुधा B D J, मुडाधा C. **अम्ह**–अह्म B C D **दंड**–पेसक C, दंडा D, डंड J. **ले आवइ** em–ले आवइं A, लेई आवि B J, लावि C, लई आवइ D, पठावइ K.

७० C omits vs 70 **कलवगुंद्र**–कलवरउं B, कलवरगुं D, केलवरगुड J, कलवरग K. **नइ**–...B, अनइ D, अनि J **आनागूंदी**–आनागूदी A, उंनागूंदी B, अलवरगूंदी J, आनागुंदी K. **बेदर देस**–बेदर देश D J K. **तिलंग**–तिलंगा B, तलिंग D **वुहुरइ** em–वहुरइ A H K, वुहुरि B, वुहरिं D, वुहरि J. **सान पान**–सोनां पान B, सान पांन D J, सान पान K. **जिहां**–जिंहा D **पहिरीइ**–पहिरीइं A, वुहोरि B, पहिरइं D, पहिरि J, पहिरइ K. **वाणी**–वाणी D J. **बोलइ**–बोलि B J.

७१ **एहवी**–एह्वी A D K. **भूमि**–भूमिं B, भोमि J. **विषम मइं**–विषमइ A, विषम मिं B J, विषम मि C, विषम मइ K. **चांपी**–थापी C **षांडा**–षांडां A B. **प्राणइ** em–प्राणि A B, प्रांणि C D J, प्रांणइ K. **लीधी**–लीधां B K, लीधा C **देवगिरि**–देवगिर A, देवगिरु B D, देवगिरी C. **जे राउत**–जे राउ A, जे राउल B, रजपूत C, राउत D, जो राउत K. **तिणइ**–तेणि B C, तेणइं D, तीणि J, तींणइ A.

ऊडणभमरा माहि जे विसमा दरीया भीतरि बेट।
सिंघलदीप तणउ जे राजा हाथी पूरइ भेट ॥ ७२

कूची कलहथ जावामंदिर, हरमज विसमा ठाम।
तेह तणा माल अम्ह घरि आवइ, ते अम्ह करइ सिलाम ॥ ७३

सेतबंध रामेस्वर सुणीइ, वानरि बांधी पाज।
वरतइ आण तिहां जण माहरा, इसूं अम्हारूं राज ॥ ७४

विषम दुर्ग मइं सवि पालटीया भरतषंडि भडवाउ।
जालहुर गढ विसमउ सुणीइ चाहूआणनउ ठाउ ॥ ७५

आगइ वार बिच्यारि हराव्या, तुरकि न लाधउ लाग।
मोटे राजि लाज अम्ह आवी, एहवु हईइ वइराग ॥ ७६

---

७२ C omits vs 72. **ऊडणभमरा**–ऊडणभमर B D, उंडणभमर J, उडणभमर K. **माहि जे**–माहि A, मिंभ B, माइंभ D, माहिम J. **विसमा**–विसमां D J **दरीया**–दुरीया D, दरीयां J, दरिया K. **भीतरि**–भींतरि K. ii qr in B is: ऊंची भीतरि षेह. **सिंघलदीप**–सींहलदीप A, सीगलद्वीप B, **सीघलद्वीप** D, सींगलद्वीप J. **तणउ**–तणु B D J. जे–ते B. **पूरइ**–करि तें B, पूरि J. **भेट**–भेटि J.

७३ **कूची** em–**कुची** A, कुंची B, कूंची C D, ऊच K. **कलहथ**–कलहत्थ A J, कलथम C, **कुलहथ** K. **जावामंदिर**–जावामिदिर A, लाषामंदिर C, जावामंदिरि J, जावामंदिर K. **हरमज**–हिरमज D. **विसमा**–विसमां A, लीधा C, वसमां H. **ठाम**–ठोम B D H J K, ताम C. **अह्म घरि**–घरि A D, मुझ घरि C, व घरि H. **आवइ**–आवइं A, आवि B C H J ते–तेह C. **अम्ह**–अह्म घरि B, अह्म C D J. **करइ**–करि B C H J. **सिलाम** em–**बिलाम** A, सलाम B C, सलांम D H, सिलांम J K.

७४ **सेतबंध**–श्वेतबंध B, स्वेतबंध C J K, सेत्रबंध H. **रामेस्वर**––रामेसर A, रामेश्वर B J. **सुणीइ**–सूणीइ H, सुणियइं K. **वानरि**–वांनरि A H J, वानरे B, वानर C, बांनरि K **बांधी**–बांधि D. **वरतइ**–वरति B C H J. **आण**–आण C D H J K. **माहरा**–माहारा B, माहरी K. **इसूं**–इस्युं C D, इसुं H K, इशूं J. **अम्हारूं**–अह्मारूं B, अह्मारुं C D J, अह्मारु H, अम्हारो K.

७५ **विषम**–विष H. दुर्ग–दुरग A, दुर्म्र B D H K, देस C. **मइं**–मइ A K, मिं B, मि C H J. **सवि**–सवे H K. **पालटीया**–पाल्टीआ J, पालव्या H K. **भरतषंडि**–भरतषंड C D J, भरथषंड K. **भडवाउ**–भडवाय A C, भडिवाउ K. **जालहुर**–जालोर A, जालहुरउ H, जालउर K. **विसमउ**–विसमु B C D H J, विसमो K. **सुणीइ**–सुणीइं D, सुणियइं K. **चाहूआणनउ**–चाहुयानूं A, चाहूयाणनु B, चहूआणानु C, चहुआणनु D, चहूआणातू H, चहूआंणनु J, चहुआंणउनउ K. **ठाउ**–ठाय B C, ठाम A.

७६ **आगइ**–आगि B C H J. **बिच्यारि**–बिवार B J, बेय C, त्रिच्यार H, विच्यार K. **तुरकि**–तुगके B, तुरके C D K. **लाधउ**–लाधु B C D H, लहिउ J. **मोटे**–मोटि C, घणे J, मोटउ K. **राजि**–राजे B, राज K. **लाज अह्म**–लाज A, अह्म लाजज J. **आवी**–आवि B H, लागी J. **एहवु हईइ**–एहवइ हुइ A, हईइ थयु B, एम बोलि हईइ C, एहवुं हईइ D, एह हीइ H, एह हुइं K. **वइराग**–विराग B C H J, वयराग D.

आणि वार जालहुरि जईनइ, तेज अम्हारउं दाषूं ।
कइ सोनगिरि पालटूं प्राणि, कइ अम्हे आयुध नाषूं ॥ ७७

पातिसाहि जउ करी प्रतिज्ञा, नइ दीधउं फुरमाण ।
पाटण हूंतु षान तेडावउ, इम बोलइ सुरताण ॥ ७८

कासीद तेडी छडे पीआणे, पाटण भणी चलाव्यउ ।
थाणदार जउ साम्हउ आवी, सिरि फुरमाण चडाव्यउं ॥ ७९

वांचिउ लेष सजाई कीधी, तेडाव्या सोनार ।
सोना तणउं कराव्यूं मंदिर, वारू पोलि पगार ॥ ८०

बावन मण सोना तिणि लागा, षानि सरीसउ लीधउं ।
ढीली नगरि जईनइ भेटइ पातिसाहनइ दीधउं ॥ ८१

---

७७ आणी–आणी D H J. **वार**–वारि B J. **जालहुरि**–जालुरि A, जालहरि H, जालुहुरि J, जालउरइं K. **जईनइ**–जईइ B J, जाईनइं D, जइनि H, जाई K. **तेज**–तेजी H. **अम्हारउं**–अह्मारूं B, अह्मारुं C D J, अह्मारु H, अम्हारुं K. **दाषूं**–दाषु B H, दाषुं C D K, दाषू J. **कइ**–कि B J, कि जई C, कटि H **सोनगिरि**–सोनगिर B, सोनगिर H K **पालटूं**–पालटुं C D K, पालटु H **प्राणि**–प्राणिं B,.. C, प्राणि D H, पराणि J, प्राणइ K. **कइ अम्हे**–कइ A, कि अह्मे B C J, कइ अह्म K **आयुध**–आयध सवि A, आउध K. **नाषूं** em–छांडूं A, नांषूं B J, नाषुं C H K, नाषुं D.

७८ पातिसाहि–पातसाह A, पातसाहि B C H, पातशाह J, पातिसह K. **जउ**–जु B C D H J. **करी**–करीय A, करि D **प्रतिज्ञा**–प्रतज्ञा A, प्रतन्या C H K **नइ**–नि B, अनि C H J, अनइं D **दीधउं**–दीधूं B, दीउं C, दिउं D, दीधुं H K, हवूं J. **फुरमाण**–फुरमाण A, फरमाण C D J, फरमान H. **पाटण**–पाटणि J, पाटणं K. **हूंतु**–हूंउ A, थकु C, हुंतु D, हूतु H, हूंता J, थकउ K. **षान**–षान B D H J K. **तेडावउ**–तेडावुं B, तेडावु C H J, तेडाव्यु D, तेडाव्यउ K. **बोलइ**–बोलि B C H J. **सुरताण**–सुरताण C D H K, सुरतांन J.

७९ कासीद–कासद B C H, काशिद D, काशद J. **तेडी**–तेड्या C, तेडि D, षड्यउ K. **पीआणे**–पीयाणे A B, पीआंणे C H, पीयांणे D, पिआणे K. **चलाव्यउ**–चलाविउ B, चलाव्या C, चलाव्यु D, चलावु H, चलाव्यु J. **थाणदार**–थांणदार C D J K. **जउ**–जु B C H J, ज्युं D, तव K. **साम्हउ** em–सांम्हउ A, साह्मु B H, साह्मु C, साह्मुं D, साह्मु J, साम्हइ K **सिरि**–शिर A H, शरि J, सिर K. **फुरमाण**–फुरमांण C D J K, फरमांण H. **चडाव्यउं** em–चडाव्यूं A, चडाविउं B, चढाव्यां C, चडाव्यु D, चडावुंउ H, चडाव्युं J, चडाव्यउ K.

८० वांचिउ–वंच्यु A, वांची C, वांच्यु D, वाची K **सजाई**–सजाइ H. **कीधी**–किधी D. **तेडाव्या**–तेडाव्यु C. **सोना तणउं**–सोना तणूं B J, सोना तणुं C K, सोना तणु D, सोना तणू H. **कराव्यूं**–कराव्युं C K, करावइं D, कराविउ H. **वारू**–वारु C H. **पोलि**–पेलि K.

८१ बावन–बावन्न सइं C, बांवन H **सोना**–सोनां H. **तिणि**–तिण A, तेणि C D. **लागा**–लागां H J. **षानि**–षांनि A D J, षांनिं B, षांन H K. **सरीसउ**–सरसुं C, सरिसुं D, ससु H, सरीसूं J, सरीसुं K. **लीधउं** em–लीधउ A, लीधूं B J, लीधुं C D H K. **ढीली**–ढीलि C, ढिली K. **नगरि**–नयरि B, नगर J. **जईनइ**–जईनि B C J, जईनइं D, जइ H, जइनइ K. **भेटइ**–भेटिइ B, भेट्यु C, भेटे D, भेटि H, भेटिउ J. **पातिसाहनइ**–पातसाहनइ A, पातसाहनिं B, पातसाह मान C, पातशाह भल D, पातसाह H, पातशाहनि J. **दीधउं**–दीधूं B D J, अपूरव मलणू कीधुं H, दीधुं K.

चिहुं गमे ऊपल्हाणा षाया, पातिसाह फुरमाणि ।
राणा राय मलिक मुडोधा, षान बोलावी आणइ ॥ ८२
गमे गमे सहूइ दलि आव्यउं, चडी चाल्यउ सुरताण ।
जिहां मुकाम दीइ तिहां रूंधइ, सात कोस मेल्हाण ॥ ८३
हाथी सहस बिच्यारि पाषरीया, घंटा घूघरमाल ।
पाए सांकलां करइ षलूका, कुंभस्थल सुविसाल ॥ ८४
श्रावण मासि ऊनया दीसइ जेहवा काला मेह ।
गयवर ठाठ चालंता दीसइ, जोतां नावइ छेह ॥ ८५
सालिहोत्र जेहनी कसुटी, तेहवा कोडि केकाण ।
गढ जालहुर भणी सांचरीउ साव दलइ सुरताण ॥ ८६

---

८२ चिहुं-चिहो H. गमे-गमइं D. ऊपल्हाणा-ऊपलाणा A, ऊपलाणां D, उपलाणा H, ऊपलाणा J, पलांणा K. षाया-फेरुआ J. पातिसाह-पातसाहि A, पातसाह B C D H, पातशाह J. फुरमाणि-फुरमाण A, फुरिमाणि C, फरमांणि D H J राणा-रांणा A J K C transp as रायराणा; K as रायरांणा. मलिक-मलिल H. मुडोधा-मुड्डधा B D J, मुडाधा C, मोडोधा K. षान-षान A C D H K, पांन J. बोलावी-बोलव्या K. आणइ-आणइं A, आणि B C, आंणि D H J, अंणि K.

८३ गमे गमे-गमे २ B C D J सहूइ-सहू C H J, सहूइं K. दलि-दल B C H J, दलमां D. आव्यउं-आविउं B, आव्युं C D K, आव्यूं J. चडी-चढी B C J, चडि K. चाल्यउ-चालिउ A, चाल्यु D, चाल्या J. सुरताण-सुरतांण J K, सूरताण H. जिहां-यहा C. मुकाम-मुकांम D H J K. दीइ-दिइ J, द्यइ K. तिहां-तिहां D, तिहा H, तिहं K. रूंधइ-रूधाइं A, रूंधिइ B, रुंधि C, रूधि H, रूंधि J. सात-सात सात H. कोस-कोश D. मेल्हाण-मेह्लाण B, मेल्हांण D J, मेहमेहलांण H.

८४ सहस-सहिस B K. बिच्यारि-बिच्यार C H J K. पाषरीया-पाषरिया B, पाषख्या H D, पाथरीआ J. घूघरमाल-घुघरमाल A, घाघरमाल B, घूघरमांल K. पाए सांकलां-पय साकडी B, पाए सांकल H J. करइ षलूका-षलकइं A, करि षलूका B J, करि षलकता C, षरा षलूकइ K. कुंभस्थल-कुभस्थल H K. सुविसाल-सविसाल A, सुविशाल B C D J, विसाल H.

८५ ऊनया-ऊंनया C J K, उंनया H. दीसइ-दीसइं A, दीसिइ B, दीसि C H. जेहवा-जेह्वा A D, येहवा C. काला-काली A B. मेह-मेहा D, मेघ J. गयवर-गइवर A, गयमर B, गइमर H, गयंवर J, गमे गमे K. ठाठ-थाट A, ठाठि B, थाट K. चालंता-चालता A, चालता C, चालती J. दीसइ-दीसिइ B J, दीसि C H, दीसइं D. जोतां-जोता C, जातां J. नावइ-नावि B C H J. In K vs 86 precedes 85.

८६ सालिहोत्र-साल्होत्र A, शालिहोत्र B, सालिहत्र H. जेहनी-जेहे B. कसुटी-कसटी A, कसुटीए B, कसवटी K. तेहवा-...B, तेह्वा D K, तिशा H. केकाण-केकांण C D H K. गढ-गढि C. जालहुर-जालोर A, जालहुरि C, जाल्हर H, जाल्हुर J, जालउर K. सांचरीउ-सांचरियां A, सांचरिउं C, सांचर्यां J, सांचरिया K. साव-एहवि C, सवे D. दलइ-दलि B, दलि C D H J, दली K. सुरताण-सुरतांण C J, सूरतांण H, सुरितांण K.

भोई मेहर अनइ ठाठीया, चालइ काहर कमाणी ।
च्यारि सहस साथइ सांचरीया वहइ पषाली पाणी ॥　　८७

त्रीस सहस कटकीया वाणीया साथइ वस्तु चलावइ ।
गाडे चडी चालती घाणी घांची पेडत आवइ ॥　　८८

मोची गांछा नइ सतूआरा, साथइ चालइ माली ।
दरजी बावर ऊड चालीया, च्यारि सहस तंबोली ॥　　८९

बगनीघडा कावडि चालइ, भाठी वहइ षमार ।
पांच सहस चालइ भठीयारा, घाटघडा लोहार ॥　　९०

सवे सिलावट सांचरइ साथि, छोह वहइ चूनारा ।
चालइ वुहरा कागलकूटा, हीर तणा तूनारा ॥　　९१

---

८७ **भोई**-भोइ H. **अनइ**-नि B H, अनि C J, नइ K. **ठाठीया**-ठाठरीया B, ठाठीआ C, ठाठीआं H, भठिआरा K. **चालइ**-चालिइ B, चालि C H J. **काहर**-कहर A, काहार B C. **कमाणी**-कमांणी C H, कमांण J. **च्यारि**-च्यार C K, बार H. **सहस**-सहिस K. **साथइ**-कारीगर साथि A, साथिं B, साथि C H J. **सांचरीया**-सांचरिया A, साचरीआ H, संचरिआ K. **वहइ**-वहि B C H J. **पषाली**-पषालीया A, पषाले H J K. **पाणी**-पांणी A C D J K.

८८ **त्रीस**-वीस B. **सहस**-सहिस B K. **कटकीया**-कटकइं K, कटकीआ H. **वाणीया**-वांणीया C, वांणीआ H K. **साथइ**-साथि A C H J, साथिं B, साथिइ D **वस्तु**-वस्त्र A K, वस्तर H. **चलावइ**-चलावि B C H J. **चडी**-चढी C **चालती**-चालंती A **घाणी**-घांणी C D J K. **घांची**-घाची B. **पेडत**-पेडता B D, पेर्डतां C. **आवइ**-आवइं A, आविइ B, आवि C H J.

८९ **गांछा**-गांछीं K. **नइ**-नि B, अनि C H J, अनइ K **सतूआरा**-सत्थूयारा A, सतूयारा B, सथूआरा H, कतूआरी K. **साथइ**-साथि A C H J, साथिं B D **चालइ**-चालि B C H J, चालइ सांथइ चाल A. **बावर**-नाचणि K. **ऊड**-उंटे B, ऊंट J, छीपा K. **चालीया**-चडीया B, चालीआ H, चालीआं J, चाल्या K. **च्यारि**-च्यार C H, च्यारीं D. **सहस**-सहिस H. **तंबोली**-ते बोली H, तंबोली K.

९० **बगनीघडा**-बदनीघडा C H, बगनीघोडा D. **कावडि**-कावडे A, कावडिं B D, कावेडि H. **चालइ**-चालिइ B, चलावि C, चालइं D, चालि H J. **भाठी**-भाठा K. **वहइ**-वहि A B C D H, चडि J. **षमार**-घुमार A. **पांच**-चौद H. **सहस**-सहिस B K. **चालइ**-वहि B, चालि C H, चालेइ D, चालिं J. **भठीयारा**-भठीआरा C H J, भठिआरा K. **घाटघडा**-घाटहिडा H, घाडघडि J. **लोहार**-सोनार B.

९१ **सिलावट**-सलावट B C H, सलाट J, सिलवट K. **सांचरइ**-सांचरि B H J, चालि C, सांचरइं D, संचरइ K. **साथि**-साथिं B D. C transp as साथि चालि; K as साथि सचरइ. **छोह**-अनि छोह B. **वहइ**-वहि B C H, वहइं D. **चूनारा**-चूनार B, चूंनारा C, चूनारि K. **चालइ**-चालइं A, चालि B C H J. **वुहरा**-वुहुरा नि B, वोहरा D, वुहुरा H J, वहुरा K. **हीर**-हीरां K. **तणा**-तणां D, तणि J. **तूनारा**-तूंनारा A C D, तूनार B K, तूंनार J.

लाष बिच्यारि वाणिजू चालइ, बार लाष उलगाणा ।
करकटीया हबसी भाथाइत, फरसीधर सपराणा ॥ ९२

दल चालंतां धरणी कांपइ, सेष न झालइ भार ।
सायर तणां पूर ऊलटीयां, जेहवां रेलणहार ॥ ९३

---

९२ **बिच्यारि**–विच्यारि D, बिच्यार H, विच्यार K. **वाणिजू**–वांणजू A, वाणजू B, वांहिडि C, वाहणि D, वांणिजू J K. **चालइ**–चालई A, चालिइ B, चालि D H J. C transp as चालि वांहिडि. **बार लाष**–बार सहस C J, साठि लाष H, असी लाष K. **उलगाणा**–उणगांणा A, उंलगाणा B H J, उलगांणा C K, उलगाणां D. **करकटीया**–कटकटीया D, करकटीआ H, कनडा K. **भाथाइत**–भाथायत C, भथाइत D, भथायत H J, अनइ भथाइत K. **फरसीधर**–फरसी वहइ A, फरसी धरइ K **सपराणा**–सपरांणा A C H K, सपरांणां D.
After vs 92 H interpolates the foll vss:

वजीर मलिक सवि एणी परि बोलि चलु मेरि भाथ । पातसाहा सॅषँ कांम बहुतेरे चलु कटकीइ जाइ ॥
सबदवेध सीधूआ बोलवु कनोजा करबाणी । जस देषि सहू थरहरि धूजि इम बोलीइ सूरताणी ॥
हबसी पतन नेजा वाजो टोप धरि सो रोमी । काबरचीतर काबिल आया घण हथीआरे रोमी ॥
षलकपहरि काबली आया मोटा मोगर साथि । टूकडे टूकडे पाछे न बुडइ घाउ घीइ बहू भाथि ॥
इछू वीछू इणि परि बोलि बोलावु मीर सांजी । बडी फोज तां तीसकी कहीइ भला रेवंत छइ ताजी ॥
ताजू राजू छोग छोगाला मीर अबूजी साथीं । तरकस बंधी पीर जी कहीइ माहि महिमुदीआं भाथी ॥
अगा रंगाउलि टाटर टोपीं जीवरषी सनाह । बगतर पहिरि बषन आया बयरीआंके सिर घाउ ॥
भाते बंधि चमरज सोहि मांकडीइ मुछालु । करडी आषि बराह न दीसि असवारी वेढालु ॥
पारकरी संधूआ कहीजि षुरसांणी केकौंण । महुडा नील अनि मांकडा सबार ताजी सपरांणा ॥
टूके कांने भूगरभेला ते काबरा किहाडा होइ । मफडद अतिहि पतंगीआ ते पुहुला चंचल सोइ ॥
कालूआ कीसोरा कहीजि ताजी उंमा हीसार । रेवंत दीसि रलीआंमणा मल्या संष न पार ॥
अलची षल्ची अनंइ कनोजा सरव दीसि मीर सादी । बांधी वाहणि जे कुडी मल्या पंचाइण वादी ॥
षल्ची षत्र वड्ड षलषलीइ भजबलि बाधु ठाठ । पहली फोज आपणी चलावु जे जालहरनी वाटि ॥
ताम सुतुं मस अनि तिलवटु सावदीन मीर वूटउ ॥

बिमणां झूझ अंगि आगला मिमता दीसि मुगला । रोमी हबसी सीदा रांन मीर मलिक नि षोजा षांन ॥
षाइ भांगि मद पीइ सलार आपआपणु न जांणि पार । बोली गयर वयर पारसी नेजा झबकि जिम आरसी ॥
बोडां माथां चित्रा पाय जांणे वन माहि बुक्या वाघ । जाडी गडदन नांनी अषि गगनि भमंता मारि पंषि ॥
नाषि तीर कोस भुंइ वहि तेहनि मुषि कुण ऊभु रहि । जरहिजीण पूरां संजोह अंगि घणू ऊपाडिउं लोह ॥
मोटा मलिक तस्युं भडइ तीरतीतारे रोटी चडइ । मारि मीरक करि घण घाय भागसिला दो अंधा थाइ ॥
चालिउ दल मुलतांनी ठाठ न गणि ऊवट न गणि वाट । चालि दल पातसाह तणू नदीनीर षुटवइ घणूं ॥
षुरतालि धरती षडहडि लादि सवागज धरती चडि । गांम सीम जु जाणू वाट तु जालहुर बांधिउ ठाठ ॥
सरली सुढि दीपता ह्स्ती तणा सणगार । कोटिइ घूघर घमघमि घंटारव टणकार ॥
मातां मयगल मतगयंद सिगलदीप तणा सोरंग । अतलीबल आ रोणि अपार एहवा मलीआ लाष अढार ॥
तेहनी पाषर तणी भली पयरि कनक दंतूसाल जडीआं सयरि । अंबाडी नेजा सहत सनाह रवि छायु सेन चाल्युं जाय ॥
साथिथी नादि गोला चालि लइ लइ मक्षमु बाइ । गामगामना सीमा सेढि भली मेहली हवाइ ॥

९३ **चालंतां**–चालंता H. **धरणी**–धरती H. **कांपइ**–कांपई A D, कंपिइ B, कांपि C H J. **सेष**–सेस B D K. **झालइ**–झालि B C H J, झीलइ I. **सायर तणां**–सायरना B, सायर तणा K. **पूर**–नीर H. **ऊलटीयां**–झलहलीयां A B, झलहलीआं H, ऊलटीआं J, ऊलटियां K. **जेहवां**–जेहवा B H, जांणे C D J K.

बरगां ढोल नफेरी वाजइ साथइ सहस अढार ।
जांगी ढोल नीसाण भ्रसूकइ, सुणीइ जोयण बार ॥ ९४

पडइ त्रास भडवाय तुरकनइ, देस दहोदिसि नाठा ।
घणा दिवस दल मारगि चाली मारूआडि मांहि पइठा ॥ ९५

झाझां नीर सरोवर मोटां, दीठां वारू ठाम ।
पहिलां दल समीयाणे आव्यां, कीधउं पाद्रि मुकाम ॥ ९६

असपति राय इसूं मुषि बोलइ, आ गढ लीजइ धुरि ।
पाडी मेलि मेल्हीइ थाणूं, तउ जईइ जालहुरि ॥ ९७

लोक सवे नासी गढि चडीया, तुरके तलहटी रूंधी ।
गढ ऊपलिउं राहवणूं वारू, भली सजाई कीधी ॥ ९८

---

९४ **बरगां**–बणगां B C, बरंगा D, बरंगां J, बरगु K. **ढोल**–ढुंढि B. **वाजइ**–वाजि B C H J. **साथइ**–साथिं B D J, साथि C H. **सहस**–सहिस B K. **जांगी**–जागी H. **नीसाण**–नींसाण B, नीसांण C D H, नींणां K. **भ्रसूकइ**–भ्रसूकिइ B, भ्रसूकि C J, भ्रसुकइ D, द्रसूक्या H. **सुणीइ**–सुंणीइ C, सूणीइ H, सुणिइं K. **जोयण**–जोअण H K.

९५ **पडइ**–भडि B, पडि C H J. **त्रास**–त्रासि B. **भडवाय**–भडवाइ A C, भडवाउ D, भडिवाउ K. **तुरकनइ**–तरकनइ A, तुरकने B D J, तुरकांने C, तरकने H. **देस**–देसह A,...J. **दहोदिसि**–दहदिसि A, दसोदसि B, दहोदसि C D, दहुदसि H J, दहुंदिसि K. **नाठा**–नाठां B, नाहाठां आइ J. **घणा**–घणां B, घणी J. **दिवस**–दिवसि J. **दल**–माहि H, दलि K. **मारगि**–साथिं B. **चाली**–चालिया A. **मारूआडि**–मारूयाडि B, मारुआडि H. **मांहि**–माहि A H. **पइठा**–पिठा B C, पयठा H.

९६ **झाझां**–झाझा B. **सरोवर**–सरोवरि H. **मोटां**–मोटा C, दीठां H. **दीठां**–मोटां H, वारू J. **वारू**–उत्तम J, वारु H. **ठाम**–ठांम B H J K. ii qr in C D is: वारू जो वली ठांम. **पहिलां**–पहिलुं B. **समीयाणे**–सइंवाणे A, सेवाणि B, समीआंणे C, समीयाणें D, सिवाणइ H, समिअंणे K. **आव्यां**–आव्या D. **कीधउं**–कीधूं B J, कीधुं C, किधुं D, कीधुं H, कीधउ K. **पाद्रि**–पाडि B. **मुकाम**–मुंकांम C, मुकांम D H J K.

९७ **इसूं**–इस्यूं B, इसुं C, इस्युं D, स्यु H, इशूं J, इसइ K. **मुषि**–मुखि B. **बोलइ**–बोलिइ B, बोलि H J. **आ**–ए K. **गढ**–गिढ H. **लीजइ**–लीजि B C J, लीज्यइ K. **धुरि**–धूरि K. **पाडी**–पाडीइ C. **मेलि**–मेल D H J K. **मेल्हीइ**–मेहलीइ B D H J, मेल्हीइं C, मेल्हिइं K. **थाणूं**–थाणुं A C K, थांणुं D. **तउ**–पछि B, तु C D H J. **जईइ**–जइइ H, जईयइ K. **जालहुरि**–जालोरि A, जाल्होरि B, जालहुरउरि H, कालहरि J.

९८ **नासी**–नासीनासी H, नाहासी J. **गढि**–गढ D, गिरि J. **चडीया**–चढीया B C, चडिया D, चडीआ H J, चडिआ K. **तुरके**–तुरकें D, तुरकि H. **तलहटी**–तलहटि A, तलहिटी H. **रूंधी**–रूसी A, रुंधी C D K, रुधी H. **ऊपलिउं**–ऊपरि लीउ A, ऊपरिलि B, ऊपरि C, ऊपल्युं D, उपल्यिउ H, ऊपलु K. **राहवणूं** om–राहवणउं A, रहावण B, रहावणुं C, रहवाणुं D, रावण H, रहिठाणज J, राहणु K. **वारू**–वारुं C. **सजाई**–सजाइ H.

साठि वरस वावरतां पुहुचइ धान तणा कोठार ।
समीयाणे सांतल सपराणउ, मांहि भला झूझार ॥ ९९

सूका चड चिणानी पूली, कोरडि कडब अपार ।
पांच सहस सांतलनी वालि बांध्या चरइ तोखार ॥ १००

काठी लूण वरस सु पुहुचइ, ऊपरि भली सजाई ।
पहिलइ पुहरि बिपुहरे सांझइ, साद पडइ भूंजाई ॥ १०१

पाणी भरियां सरोवर ऊपरि, नीठइ नहीय लगार ।
जउ आकासि मेघ उलीचइ, तुहि न आवइ पार ॥ १०२

गिरि ऊपरि गढथाहर विसमी, विसमा पोलि पगार ।
ऊंचा कोठा घणी फारकी, वली ति विसमा मार ॥ १०३

---

९९ साठि–सठि H. वरस–वस H. पुहुचइ em–पुहचइ A D, पुहुचि B H J, पुहचि C, पहुचइ K. धान–कण B C D H, धांन J. L MS commences from vs 99 ii qr. समीयाणे–सैवाणे B, समीआंणे C J, समीयांणे D, सइवाणइ H, सयवांणे K. सांतल–सातल A H K L. सपराणउ–सपरांणउ A K, सपराणु B, सपरांणु C H J, सपरांणू D, सपराणो L. मांहि–मांहे D, माहि H L, माहे K. झूझार–झूझारि K L.

१०० सूका–सुकां C, सूकां D H J. चड–चडनइ A, कड C. चिणानी–चेणानी C, चणानी D, चीणानी H, चिणांनी K, तणीनी L. पूली–पुली D. कोरडि–कोरड L. कडब–करड A. अपार–अपारइं L. पांच–त्रणि H. सहस–सहिस B K, सहस्र C. सांतलनी–सातलनी A L, शांतलनी C, सातलना K. वालि–वालिं B D, वालइ K, वालइ L. बांध्या–बाधा A. चरइ–चरि B C H J, चरइं D. तोखार–तुखारइं L.

१०१ सु–...A, सउ K L. पुहुचइ em–पुहचइ A L, पुहुचिइ B, पुहचि C, पुचि H, पुहुचि J, पहुचइ K. सजाई–सजाइ H. पहिलइ–पहिलि B C H J, पहिलई D L. पुहरि–पुहुरि B H J, पहुरि K, पुहर L. बिपुहरे–बिपहर नइ A, बिपहुरे B, साद पडातु C, बिपुहुरे D, बिपुहुर नि J, बिहुं पुहरे L. सांझइ–सांझि B C H J, सांझइं D. साद–...C, सादि L. पडइ–पडई A, पडि B C, पाडि H, पडिइ J. D K transp as पडइ साद; H transp as पाडि साद. भूंजाई–भूजाई A, भुंजाई B C D, भूंजाइ H, भुजाई K L.

१०२ पाणी–पांणी C D J K. भरियां–भरीया A, भर्यां C D, भरीउ H, भर्या K L. सरोवर–शरोवर C. नीठइ–नीठि B C H J, निठइ K. नहीय–नहीं B, नही C K L, नहीइं D, नहीअ H J. लगार–लगारि J, लिगार K, लगारिइ L. जउ–जु B C H J, जुं D, जो L. आकासि–आकाशि A B, आकाश D J, आकास K L. मेघ–मेह D L, मेग H. उलीचइ–उलींचीइ A, उलेचि B J, उलेचइ C, ऊलीचइइं D, ऊलीचि H, अउलीचइ K. तुहि–तही A, तुहु H, तउ ही K, तुहे L. न–नइ D,...H K. आवइ–लाभइ A, आवि B J, नावि H, नावइ K. पार–पारइ L.

१०३ गिरि–गढ A B, गिर H L. ऊपरि–उपरि H. गढ थाहर–वलि विसमी A, गिरि थाहर B, गढ विसमु J. विसमी–थाहर A, विसमु J. विसमा–विसमी C D H. पगार–पागार A, पगारि L. iii qr in K is ऊंचा कोट रंग अउ दीसइ. ऊंचा–ऊचा A H, उंचा C. फारकी–मांडणी J. वली–वलीय A, वलती K. ति–...K L. विसमा–विसमी K. मार–वार K, झूझार L.

चडी त्रिकलसइ सांतलि जोयूं, दीठउं दल सुरताणी ।
गढ तलहटीइ सरोवर पालि हाथी बांध्या आणी ॥ १०४
ठामि ठामि साबाण सिराचा, डहिली नइ एक चोई ।
ऊंचे थांभे बारगइ दीधी, तेह तणी परि जोई ॥ १०५
अलंब नेजा घणा मरातब, जोतां पार न आवइ ।
सांतलनइ मनि साहण देषी मोटउं अचिरज भावइ ॥ १०६
कटक तणी सामगरी दीठी, सांतलि करिउं वषाण ।
धन्य धन्य दिन आज अम्हारउ, जे आव्यउ सुरताण ॥ १०७
कोठइ कोठइ कर्‍यां रषोपां, मोटा गडा चडाव्या ।
चाहूआणि चिहुं पासे भींति भला यंत्र मंडाव्या ॥ १०८

---

१०४ **चडी**–चढी B C L **त्रिकलसइ**–त्रिकलसि B, त्रिकलसिं C, त्रिकलसइं D L, त्रिकल्से J **सांतलि**–सातल A, शांतलि C, सांतल H, सातिल K. **जोयूं**–जोउं A, जोयुं C D K, जायुं H, जोवइ L. **दीठउं**–दीठू B, दीठूं J, दीठउ L. **सुरताणी**–सुलताणी A, सुरताण C D K, सूरताणी H, शुरिताण L. **तलहटीइ**–तलहटीय A, तलहटी C D J K L, तलहिटी H. **सरोवर**–सारोवर H, सरोवरि L. **पालि**–पाषलि A, पालिं B D, पालइ K, पालिइं L. **बांध्या**–बाधा A, बाध्या L. **आणी**–आणी A C D H J K.

१०५ **ठामि ठामि**–ठामि २ B H L, ठामि २ C D J K **साबाण**–साबांण C H, साबांन J. **सिराचा**–शिराचा B L, सराचा C D H, शराचा J. **डहिली**–डहली A K, डहि B, डिहिली J, डहल L. **नइ**–नि C H J,...L. **एक**–इक K, कसते L. **चोई**–चोइ B H, छोई C D J, सोई L **ऊंचे**–उंचे C, ऊचे H, तेय L. **थांभे**–ठांभि C, थांभि K, थंभ L. **बारगइ**–बारगि B C J, बरगइ H, बारगिरी L. **दीधी**–दीसिइ B, दीठी D, दीधा L. **परि**–पणि A, परिं C. **जोई**–जोइ B H L, जाइं K.

१०६ **अलंब**–ऊंचा C D J, आलंब H. **नेजा घणा**–नेजा घणां A, घणा नेजा C D J, तेज घाण L. **मरातब**–मुरातब A, मराताब L. **जोतां**–जोता C L. **आवइ**–आवइं A, आवि B C H J. **सांतलनइ**–सातलनइ A K, सांतलनि B H J, शांतलकि C. **साहण**–सांहण A J K, पाहण B. **मोटउं**–मोटूं B J, मोटुं C H K, मोटो L. **अचिरज**–अचरिज C K, अचिरित D, अचइरत H, अचरज L. **भावइ**–भावि B C H J.

१०७ **तणी**–नी L. **सामगरी**–सांमगिरी A, सांमग्री B, सामग्री D H L, सजाई J, सांमगरी K. **सांतलि**–सातलि A, सांतल B H J, सातल L. **करिउं**–कीउं A, करि B J, कर्‍युं D, करिउ H, कर्‍यउ K, कर्‍योउ L. **वषाण**–वषांण C D H K, वखाण L. **धन्य धन्य**–धन A, धन धन B, धन २ C J L, धन्न २ D, ध्यन ध्यन H, धन्य २ K. **दिन**–दीह A. **आज**–एहूउ A, आजूनु C. **अम्हारउ**–अह्मारु B D J,...C, अमाहरइ H, अम्हारो L. **जे**–जोता C, जो L. **आव्यउ** em–आव्य A, आविउ B, आव्यु C D, आव्या J, आव्याउ K, व्यो L. **सुरताण**–अलावदीन सुरताण C, सुरतांण D, सूरतांण H, सुरतांन J, सुरितांण K, शुरिताण L.

१०८ **कोठइ कोठइ**–कोठइ २ A D, षोटां B, कोठि २ C H L, कोठि J, कोटइ कोट K. **कर्‍यां**–कीउं A, करियां B, कर्‍या C, करीआं H, कीआं J, होइ L. **रषोपां**–रषोपू A, रषोपा C L, रषोपां अनोपम J. **मोटा**–मोटां B. **चडाव्या** चढाव्या C L. **चाहूआणि** em–चाहूयाणि A, चहूयाणिं B, चहूआंणे C, चाहूआण D, चिहूआंणे H, चाहूआंणि J, चाहुआंणे K, चाहुआण L. **चिहुं**–हू H. **पासे**–पाशे L. **भींति**–भींते A, उपरि भींतिं B, भीते D H K L, भीति J. **मंडाव्या**–चडाव्या A.

ऊतावली ढीकुली ऊपरि पासे मांडी मूंकी ।
आपापणे ठामि सहूइ नित राति जागइ चउकी ॥ १०९
ऊपरि थिका ऊतरइ हींदू, विलगइ रातीवाहि ।
दीहइ वली सइंफलूं मांडइ, आवइ चउपट घाइ ॥ ११०
नित नित सूंडीनइ गढि आवइ सव दलइ सुरताण ।
नित भिडइ रोसाला राउत, नइ सांतल चहूआण ॥ १११
हीदू तुरक पडइ पोसाता, नित नित वेढि ऊतारइ ।
नितु ऊठवइ एकमना राउत, रोसि चड्या रणि मारइ ॥ ११२
वानर तणी परि झडपीनइ एक चडइ गढि धाई ।
माझिम राति कोट ऊपरिथी आवइ कटकि हवाई ॥ ११३

---

१०९ **ढीकुली**–ढीकली B D H J L, ढिंकली C **ऊपरि**–पाषलि B. **पासे**–पासेइ L. **मांडी**–माडी L. **मूंकी**–मुकी H, मुंकी K, मूकी L **आपापणे**–आपआपणे B J L, आंपापणे K. **ठामि**–सठामि A, ठामिं B, ठामे C D H, ठांमे J K. **सहूइ**–...C, सहु K, सहू L **नित**–.. B, नित्यि C, नितु D, मत H, नितु २ J, निति K. **राति**–रातिं B, रातिइ D L, रहि J, रातइं K. **जागइ**–जागि B H, जाइ C D, तिहां J, जाइं K, जागो L. **चउकी**–चुकी B D H J.

११० **थिका**–थकां A, थका C K L, थिका J. **ऊतरइ**–ऊतरि B H J, ते ऊपरि C, ते ऊतरइं D, उतरइ L. **हींदू**–हीदूं D, हीदू H J L. **विलगइ**–वलगिइ B, वलगि C H J, वलगइं D, लागइ L. **रातीवाहि**–रातीवाइ B, रातीवाइं C, रातीवाए D, रति वाहइ H, रातीवाय K, रातीवाह L. **दीहइ**–दीहि A C H, दीहिं B, दीहइं D, दीहे L. **सइंफलूं** em -सांफलूं A, सूंफलुं B, सिंफलूं C, सइफलु D, सिफलू H, सिफलूं J, सांफलउ K, सइफलो L. **मांडइ**–मांडिइ B, मांडि C J, माडि H, माडइं L **आवइ**–आवि B C H J. **चउपट**–चुपट B H J, चूपट D, चोपठि K, चोपटि L. **घाइ** em–घाए A C D J, घाइं B, घाय H L, घाउ K.

१११ **नित नित**–नित २ B H K L, नितु २ C D J. **सूंडीनइ**–सूडीनइ A L, सव सूंडीनि B, सुंडीनि C, सूंडिनइं D, सूडीनि H, सुंडी J, सुंडीनइ K. **गढि**–. B, दलि J, गढ L. **आवइ**–आवि B C H, आविइ J. **दलइ**–दलिं B, दलि C D H J, दली K, देलिइ L **सुरताण**–सुरतांण C D J, सूरताणि H, सुरिताण K, शुरिताण L. **नित**–नितु २ B J, नित्य C, नितु D, भला H, नित २ K L. **भिडइ**–भिडइं A, भडि B H J, भडइ C D. **रोसाला राउत**–राउत रोसाला B. **नइ**–नि B, अस्या C, इस्या D, अनि H, ईम J **सांतल**–सातल A L, शांतल C, सीतल J, सातिल K. **चहूआण**–चहूयाण A, चहूआंण C J, चिहूआणि H, चहुआंण K, चहुआण L.

११२ **हीदू**–हींदू B, हिंदू C. **तुरक**–...C, तरक H. **पडइ**–पडि B C H J, पडइं D. **पोसाता**–पोसाता माहि C, पोसांता K **नित नित**–नितु A C D J, नित २ B K, नित L. **वेढि**–वाढ B J, वाढी C L, वाढे D, वाट H. **ऊतारइ**–ऊतारेई A, ऊतारि B C H J, उतारि L ii–iv qrs in K are : नित २ ऊठि विहांणइ । सातिल राऊ सपराणउ बोलइ हीयइं हर्ष ते आंणइ ॥ **नितु**–नित A B H L. **ऊठवइ**–ऊठि B H, उत्सवि C, ऊठवि J, उठवइ L. **एकमना**–एकमनां J, इकमना L. **रोसि**–रोस H L. **चड्या**–चडीया A, चडियां B, चड्या C L. **रणि**–रिण A L, रण H, ते J. **मारइ**–मारइं A, मारिइ B, मारि C H J.

११३ **वानर**–वांनर C H J K. **परि**–परइ K, परिइ L. **झडपीनइ**–झडप देईनिइ B, योध झडपीनि C J, जो झडपीनइं D, झडीनइ H, ते झडपइं L. **चडइ**–चढि B C J, चडइं D, चडि H. **गढि**–गाढि D, गढ L. **धाई**–धाइ C H, जाई D. **राति**–रातइ L. **कोट**–कोटि L. **ऊपरिथी**–ऊपरि थईनइ A, ऊपरथी H. **आवइ**–आवि B C H J, आवई D. **कटकि**–कटक B H J K L. **हवाई**–हवाइ H.

ऊपरि थकी ढीकुली ढालइ, लोढीगडा विछूटइ ।
हाथी घोडउं आडइ आवइ, तेह मरइ अणषूटइ ॥ ११४

ईणि परि जालवइ हींदू, हठि चडीउ सुरताण ।
वरस सात कस्यउ गढरोहउ, छंडाव्यउ चहूआण ॥ ११५

गढ ऊपरि नितु हुइ पेषणां, सुणीइ वेणि मृदंग ।
नितु उछव नितु पाउल नाचइ, नितु नितु नवला रंग ॥ ११६

चडी त्रिकलसइ सांतल बइसइ, बिहुं पषि चामर ढालइ ।
कटक मांहि सिंघासणि बइठउ पातिसाह निहालइ ॥ ११७

---

११४ **ऊपरि थकी**–ऊपरिथी B D, उपरि थकी H K, ऊपरि थिकी J. **ढीकुली**–ढींकली B K L, ढिंकली C, **ढीकली** D H J. **ढालइ**–ढालिइ B, ढालि C H J, ढालइं L. **लोढीगडा**–लोटीगडां B, लोहीगडा C, **लोढीगडु** D, टालिगडु J, नालइ गोल K. **विछूटइ**–वछूटि B C H, वछूटइ D, विछूटि J. **हाथी घोडउं**–हाथीघोडा B K L, **हाथीघोडु** C D H, हाथीघोडां J. **आडइ** em–आगि A, मांणस B, आडि C H·J, आडु D, आडा K L. **आवइ**–लागिइ B, आवि C H J, आवइं L. **तेह**–तेउ A H, तेय C L, ते D K. **मरइ**–मरिइ B, **मरि** C H J. **अणषूटइ**–विणषूटिइ B, विणषूटइ C D, विणषूटि H J, अषूटइं L.

Note—The verse-order in H is 126–130, 116–125, 114, 115.

११५ **ईणि परि**–एणि परि A, ईणी परिं B, इंणी परि ता C, इणि परिइ H, इण परि K, इणइ परिइ नित L. **जालवइ**–जालवइं A, जालवि B C H J, जालवइं ज D. **हींदू**–हींदू B, हिंदू C, हीदू D J K. **हठि**–हेठि J, **हठ** K. **चडीउ**–चढिउ C, चड्यूं D, चडिउ H, थिकु J, चडिव्यउ K, चडियो L. **सुरताण**–सुरतांण C K, सूरतांण D H, सुरतांन J, शुरिताणइ L. **वरस**–वर H. **सात**–वीरस A, एकवीस C, वीस H K, **वीस** J. **कस्यउ** em–कीधउ A, करिउ B, करुं C, कर्यूं D, करूं H L,...J, कस्यउं K. **गढरोहउ**–गढरोहु A B C H, **गढरोहूं** D, गढरोहु हूउ J, गढरूहो L. **छंडाव्यउ**–छंडाव्यु A J, छंडाविउ B, छंडावं C, छंडाव्युं D, **छंडावु** H, छंडावूं L. **चहूआण**–चहूयाण A B, चहूआंण D H K, चाहूआणइ L

११६ **नितु**–नित २ A, नितं K, होइ L. **हुइ**–होइ B J, सुणीइं C, हुइं K, नित L. **पेषणां**–पेषणा L. C transp as: पेषणां सुणीइं. **सुणीइ**–वाजि C, सुंणीइ D, सूणीइ H, सुणिइं K, शुणीय L. **वेणि**–वेणु A, वेण H K, नित L. **मृदंग**–मृंदंग L. **नितु**–नित A, ते J, निति K L. **उछव**–ऊत्सव C, उच्छव D. **नितु**–नित A L, निति K. **पाउल**–पात्र C J, पात्रज D, बाला L. **नाचइ**–नाचइं A, नाचिइ B L, नचावि C, नाचि H, नाचवि J. **नितु नितु**–नित नित A K, नितु २ B C, नितु D H J, नित L. **नवला**–नव २ B, नवनवा C D H J L.

११७ **चडी**–चढी C J L. **त्रिकलसइ**–त्रिकलसिइ B, त्रिकलसि C, चिकलसि H, त्रिकलसे J. **सांतल**–सातल A L, सातिल K. **बइसइ**–बिसिइ B J, बिसि C H, बयसइ D, बइठो L. **बिहुं**–विहुं D, **बिहो** H, नितु बिहुं J, चिहु K, बिहु L. **पषि**–पखि C,...J, पेषि K. **चामर**–चमर B H J, चांमर C. **ढालइ**–ढलयिइ B, ढालि C, ढलीइ H, ढलावि J. **मांहि**–माहि A H K. **सिंघासणि**–सिंहासनि B J, **सिंहासनें** D, **सिंहासन** H, **स्यंघासणि** K, सिहांसण L. **बइठउ**–बिठु B, बिठो C, बइठु D, बयठउ H, **बिठउ** J, **बयठउ** K. C transp as पातंसाह सिंघासणि बिठो. **पातिसाह**–पातसाह A B D H, पातंसाह C, **पातसाह** J, मित पातिसाहि L. **निहालइ**–निहालिइ B, तिहां निहालि C H, निहालि J, मनिहालइ K.

पडइ साद सारही तेडाणा, बोलइ असपति राउ ।
गढ ऊपल्यूं पेषणूं जे भांजइ आपूं बहुत पसाउ ॥ ११८

मलिक अमादल केरउ बंदउ, नाम हबाबु मीर ।
पाटउ बांधी जउ सर नांषइ, तुहि न चूकइ तीर ॥ ११९

सीगिणि तणां बि कोसां मेली प्राणि तीर विछूटउ ।
हस्तक धरि सोलहीनइ वाज्यु, अंगि सूंसरउ फूटउ ॥ १२०

पडी धरातलि ऊसर भागूं, रोसि चडयउ चहूआण ।
सांतल भणइ सारही तेडउ, जेह न चूकइ बाण ॥ १२१

---

११८ **पडइ**–पडि B H J L, पाडी C. **साद**–साट B, सादइ L. **तेडाणा**–तेडाविया B, केरा H, तेडाणां K, तेडो L. **बोलइ**–बोलि B C H J, बोलई D, वोलइ K. **राउ**–राय B C. **ऊपल्यूं**–ऊपरिलूं A, ऊपलिउं B, ऊपरितुं C, ऊपल्युं D, उपल्युं H, ऊपलुं K, ऊपरि जे L. **पेषणूं**–पेषणउं A, पेषणुं C, पेषणउ K, पेषणो L. **जे भांजइ**–जे भाजिइ B, भाजि C, भाजइ D, जे भाजि H, भाजु J, भांजइ K, बांजइ L. **आपूं**–तस आपुं A C, आपुं D K, अपु H, तिह आपुं L. **बहुत**–बहूत C, बुहत D, बहत H, वहूत J, बुहुत L. **पसाउ**–पसाय B C.

११९ **मलिक अमादल**–मादल्न मलिक A, मलिक ऊमादल B, मलिक उंमादल C, मलकि इमादल H, मलिक मादल K, मिलक मादर L **केरउ**–केरूं B, केरु C D J, तणु H, केरउं L. **बंदउ**–बंदु A,...B, बंदू D, बेटु J. **नाम**–नांमिं B, नामि C L, नांमि J. **हबाबु**–हबाप A, हवाबु H, तेह षुंन J, हबाषो K, हमाउ L. **मीर**–हमीर A, जे मीर B. B omits vs 119 b. iii qr in A is: जउ पाडउं तउ बंधी सिर नांषइ. **पाटउ**–पाटु C D, जु पाटु H, जो पाटउ L. **बांधी**–बाधीनइ L. **जउ**–जु C D J,...H L. **सर**–शर D J. **नांषइ**–नांषि C H J, नाषइ K L. **तुहि**–तहूं A, तुही D, तउही K, तोही L. **चूकइ** em–चूकूं A, चूकि C H J, चुकइ D, चूकई L. **तीर**–नीर D.

१२० **सीगिणि**–शीगणि A H, सींगणि B, सिगणि C, सीगणि J K, सीगण L. **तणां**–तणा K. **बि कोसां**–बि कोसा A, बे कोसां B D, बि फोसां H, बे कोसा K L **मेली**–मेलिया B, मेल्यां H, मेल्या L. **प्राणि**–प्राणिं B, प्राणि C D J, प्रांण H, प्राणइ K, प्राणिइ L. **तीर**–बाण B L, बांण H. **विछूटउ**–विछूटूं B, वछूटउं C, विछुटु D, वछूटि H, विछूटि J, विछूटइ K L. **हस्तक धरि**–हस्तक धरी B, हस्त करि धरी C, हस्ति करी धरी D, हाते उपरि J, हस्ति करि धरी K, हस्तक धर L. **सोलहीनइ**–सोल्हीइ A, सोल्ही B H L, सोल्हीनि C, पात्र नाचतो J. **वाज्यु**–वागूं B, वागु C, वाजइ D, वाजु H,...J, वाज्युं K, वाया L. **अंगि**–अंग L. **सूंसरउ**–सूंसरू B, सूंसरु C, सूंसरुं D, सुंसरु H, सुंसरां J, सुंसर K, शुंसरा L. **फूटउ**–फूटूं B, फुटुं D, फूटि J, फूटइ K, फूटेइ L.

१२१ **पडी**–पडीय A, पडि D. **धरातलि**–धरा L. **ऊसर**–उसर B C D J K, उछर H, तसर L. **भागूं**–भागु C D H, जु भागु J, भागउ K L. **रोसि**–रोस K L. **चडयउ**–चडीउ A, चडिउ B J, चडिउ C, चड्यूं D, चडु H, चड्या L. **चहूआण**–चहूयाण A B, चहुआंण D, चहूआंण H J, सुतांण K, चहुआण L. **सांतल भणइ** em–सातल भणइ A L, सातल भणि B, राउत सातलइ C, सांतलइं D, सांतल भणि H, सांतलि J, सातिल भणइ K. **तेडउ**–तेडु B H, तेडिउ C J, जो तेड्युं D, तेडो L. **जेह**–जेउ A, जूउ B, तेह C J, जेम D H, जे L. **चूकइ**–चूकि B C H J. **बाण**–ठांण B, बांण C D J, ठाण H, ठाणि L.

रामसीह राउत रोसालउ ततषिण मागइ बीडउं ।
सांतलसीह प्रतापि तुम्हारइ म्लेछां थाहर फेडउं ॥ १२२

लीउं बाण सींगिणि गुण परठिउ, नाषंतां गुण गाज्यउ ।
मीर हबाषा कंध विछोडी बीलष षाटइ वाज्यउ ॥ १२३

दीठउ तुरक पडिउ सुरताणइ, ततषिण छांडिउं ठाण ।
मरण तणइ भइ सहू को बीहइ, वली आवेस्यइ बाण ॥ १२४

तुरक चडी गढ साहमा आवइ ऊठवणी असवार ।
साम्हा सींगिणि तीर विछूटइ, निरता वहइ नलीयार ॥ १२५

---

१२२ रामसीह-रामसी B L, रांमसीउ H, रांमसीह J K. **राउत**-राउल L. **रोसालउ**-रोसालु B C D J. **ततषिण**-ततक्षिण A, ततषणि B L, ततक्षण C, ततषिणि J. **मागइ**-मागि B C H J, मागइ K. **बीडउं**-बीडूं B J, बीडुं C, बिडूं D, वीडुं H, बीडउ K, बीडो L. **सांतलसीह**-सातल तणइ A L, सांतल तणि B H, सांतलसींह D, सातिल्सीह K. **प्रतापि**-प्रतापिं B, प्रसादि C D, प्रसार्दि J, प्रशाद K. **तुम्हारइ**-मारीनइ A, मारी B, तह्मारि C, तुम्हारि D J, माढीनइ H, मारिनइं L. J transp as तुह्मारि प्रसार्दि **म्लेछां**-मलेछां A, मेछह B, म्लेच्छ C D, मेछा H, मलेछ J, म्लेछइ L **थाहर**-इहांथी C, इहांथु D, ईहाथी J. **फेडउं**-फेडूं B J, फेडुं C D H, फेडउ K, फेडु L.

१२३ लीउं-लीउ B H, लीयुं D, लीऊं J, लीयउ K, लीयो L **बाण**-बांण D J K. **सींगिणि**-सींगणि A B, सिंगणि C, सीगणि H J K, सीगण L. **गुण**-करि A B, गण D. **परठिउ**-परठीउ A, परठ्यउ K, परठ्यउं L. **नाषंतां**-नांषतां A B, नांषतां C, लाषंता D, नाषंता L. **गुण**-गण B D. **गाज्यउ**-गाज्यु A D, गाजिइ B, गाजिउ C, मायु H, गाजि J, गाज्यो L **हबाषा**-हबाषा A, हबाषु B C H, षुननूं J, हबाबनउ L. **कंध**-षंध B C, कांध L. **विछोडी**-विछूटी A, विछंडी B, बि छाडी H, विछूटइ L **बीलष**-बीयक B, बीलकि J, बीलषउ K, बाणज L. **षाटइ**-डाकइ A, षार्टि B C D, षाटिइ H, षाटि J, घाटइ K. **वाज्यउ**-वाजिउ A, वाग्रु B C, वाज्यु D H, वाजि J, वाज्यो L.

१२४ दीठउ-वीठु B D. **तुरक**-तक H. **पडिउ**-पडइ A, पड्युं D, पड्यउ K. **सुरताणइ** em-सुरतांणइं A, सुरताणिइं B, सुरतांणि C J, सुरतार्णि D, सुंरताणि H, सुर्तणइ K, शुरिताणइ L. **ततषिण**-ततक्षिण A, ततषिणि B J, ततक्षण C, ततषिंण D **छांडिउं**-छोडीउं A, छंडि B, छांडिउ C, छाड्युं D, छंडिउ J, छांड्यउ K, छांड्योउ L. **ठाण**-ठांम A K, ठाण B C H J, प्राण L. **मरण**-मग H. **तणइ**-तणि B J, तणा D, तणी H, तणे K. **भइ**-भुइं B, भय C J K L, भुंइ D, भूइ H **सहू को**-सहूइ A C D, सहू H. **बीहइ**-बीहि B H J. **वली**-वाली D,. J, वलि K **आवेस्यइ** em-आवसि A H J, विसेषइ C, आवेसि D, आवेसे K, आवसी L **बाण**-बांण A C D H, ए बांण J, बाणइ L J transp as आवसि वली.

१२५ तुरक-तरक H. **चडी**-चढी B C, चड्या K **गढ**-गढि A **साहमा**-साम्हा A, साहमा D, साहामा H, साम्हा L. **आवइ**-आविइ B, आवि C H J, आवइं L **ऊठवणी**-उठवणी A C J. **असवार**-असवारइं L. **साम्हा**-साहामा B H, साहमा C J, साह्मा D, साम्ही K **सींगिणि**-सींगणि A K, सिंगणि C, सिंगिणी D, सीगणि H J, सांगण L **विछूटइ**-विछूटइं A, विछूटिइ B, वछूटइ C, वछूटि H, विछूटि J. **निरता**-नरता C. **वहइ**-वहि B, वि C H J, वी L. **नलीयार**-नलीआर D H, नुतीयार J, नलियार K, नलआर L.

ऊपरि थिकूं ढीबज धाइ, झाडबीड सहू भांजइ ।
हाड गूड मुष करइ काचरां, पडतउ पाहण वाजइ ॥ १२६

आगिवर्ण ऊडंता आवइ नालइ नांष्या गोला ।
भूका करइ मीति भांजीनइ, तणषा काढइ डोला ॥ १२७

यंत्र मगरवी गोला नांषइ, द्रू सांधि सूत्रहार ।
जिहां पडइ तिहां तरूअर भांजइ, पडतउ करइ संहार ॥ १२८

पडइ त्रास भटकीयां विछूटइ, नइ घूघूइ निफात ।
वीज तणी परि झलकती दीसइ, जेहवी उलकापात ॥ १२९

---

१२६ ऊपरि–ऊंपरि B थिकूं–थकूं A, थकी ते C, थिकुं D H J, थका K, थकी L ढीबज–ढीबजउ A, ढीबजु B, ढींबज C, ढीमजु H, ढींबज K, दीवजो L. धाइ–धाइं A K, ढालि C, ढालइ D, आवि H, थाइ L. झाडबीड–अंगोअंगि B, झाड C D, कीडबीड K. सहू–. B, सघलांइ C, सहूइ D J, सवि H, सहु K L भांजइ–भाजिइ B L, भाजि C H, भांजि J, भाजइ K. हाडगूड–झाडगूड A, हांडडूड K. मुष–मुख B C, मुषि D, सवि J,.. L. करइ–करिइ B, करि C H J, करइं L काचरां–काचर B, कान्चिरा J, कांचरां K, काचरइ L. पडतउ–पडतां B C L, पडतुं D, पडतु H J, पडता K. पाहण–पाहणे J. वाजइ–वाजिइ B, वाजि C H, वांजि J.

१२७ आगिवर्ण–अगनिवर्णि A, आगइंवर्ण D, आगवरण L. ऊडंता–ऊडंतां B K, ऊडता H, उडंतां L. आवइ–आविइ B, दीसि C J, दीसइ D K, आवि H, वाजइं L नालइ–नालिं B D, नालि C J, नाले H, नाल्इं K. नांष्या–नांषि C, नाष्या D, नांष्या H, नाषइ K L गोला–गाला L भूका–मूकिउ B, भूला L. करइ–करिइ B, करि C H J. मीति–मींति C L, भींत D K, मीत H J भांजीनइ em–भाजीनइं A, भाजीनि B C H, भाजीनइ D K, भाजीनि J, भाजीनइं L तणषा–ततक्षण C, तिणका K, तिणषा L. काढइ–काढइं A, नाषि B, काढि C H J. डोला–ढोल D, गोली H.

१२८ मगरवी–मगरचा B, मगरावे D, मगरवै H, मगरबी K. गोला–नाषइं L. नांषइ–वाजइं A, नांषिइ B, नांषि C H J, नांषइं D, नाषै K, गोला L. ii qr in A is: सहू थाइ सित षंड. द्रू–द्रु J, घात K. सांधि–साधि B L, साधि C, सांधइं D, सा बांधि H, रचइ K सूत्रहार–सथूयार B, सूतार C, सूत्रधार D, सुहतार H, सूथारि L. जिहां–जिहा L. पडइ–पडि B C H J तिहां–तिहा L तरूअर–तरूयर A B, तरुअर H, तरुअरि L. भांजइ–भाजिइ B, भाजि C H, भांजि J, भाजइ K पडतउ–पडत A, फरतु B, पडतु C D J, फिरतु H, फिरितो L. करइ–हुइ A H, करिइ B, करि C J, करइं L. संहार–सिंहार A C D, संघार B, संघारि L.

१२९ पडइ–पडि B C J, पदइ D, पाडइ L. त्रास–...A, त्रात्र B भटकीयां–त्राटकीया A, भटकीया B, भटकीआ H, फटकीयां J, भटकियां K, भटकिया L. विछूटइ–ऊडइ A, मेहाइ B, वछूटि C, विछुटइ D, मेहलाइ H, विछूटि J, मेल्हइ L. नइ–नि B, अनइ C D,...H, अनि J, वलि L. घूघूइ–घूंघूइ A, घूघूनइ D, घूघूइं K, घूमइ L. निफात–वात C, नफात H, नफाति J L. झलकती–झलकति A J, झलकत C D, झलत K, झलकंती L. दीसइ–दीसइं A, दीसि B C H, दीसिइ J. जेहवी em–जेही A, जेहवु B, जांणि C D J, जेहवा H L, जाणि K. उलकापात–उल्कापात B H K, अल्कापात D, ऊलकापात J, उलकापाति L.

घणे दिहाडे छांडी जासइ, तुरके जोयूं पडषी ।
मारूए सुरताणी साहण कीधउं षाषाविलषी ॥ १३०
बे कर जोडी करी वीनती, आसापुरी अवधारि ।
सांतल भणइ भांजि तुं संकट, असुर सवे सिंहारि ॥ १३१
हूउ पसाउ अंबिका तूठी, दीठउं प्रत्यक्ष रूप ।
बांह धरी दलि जई देषाडिउं, नीद्रिइ पउढ्यउ भूप ॥ १३२
दीठां नयण त्रिणि मुष पांचइ, कपिल जटा सुविसाल ।
रूंडमाल दीठी करि तुंबा, दीठउं ब्रह्मकपाल ॥ १३३
जटामुगट मांहि गंगा दीठी, अंगि भसमीअ धूल ।
वाघचंब पांगुरणे दीठां, दीठउं वली त्रिसूल ॥ १३४

---

१३० **घणे**-घडे B. **दिहाडे**-दीहाडे C D. **छांडी**-छंडी B, छाडी L. **जासइ**-जासि B C H J, जासिं D, जासी K, जासिइं L. **तुरके**-तुरकिं D **जोयूं**-जोउं A, जाणिउं B, जोयुं C D K, जोयु H, जाण्यउ L. **पडषी**-प्राणिइ L. **मारूए**-मारिए C, मारुए H J, मारूंइ L. **सुरताणी**-सुरतांणी A C D K, सूरतांणी H, सल्तांणी J, शुरताणी L. **साहण**-साहण A. **कीधउं**-कीधूं B D J, कीधुं C K, कीधु H, कीधउ L. **षाषाविलषी**-षांषावलषी B, षाषावलषी C H, षाषावीषी D, षाषावीषी J, षाथोरोषी K, षांषलवाषल L.

१३१ **बे कर**-कर B, बि कर J, बे करि L. **करी**-करूं A, करू H, करइ L **आसापुरी**-आसापुरि A B, आस्यापुरी C L, आशापुरी D J, आशापूरी H. **अवधारि**-अवधारउ H. **सांतल**-सातल A, सातिल K, सातलि L. **भणइ**-भणि B C H J, भणइं D. **भांजि**-भाजि B C, भंजि H. **तुं**-तु B D H. **असुर**-असूर D H, असुरनि J. **सवे**-करि J. **सिंहारि**-सिहारि A, सहारि B, सिंहारि C, सहारउ H, संघार J, संहार L.

१३२ **हूउ**-हऊउ B, हुउ D K, हवु J, हुउं L **पसाउ**-पसाय B C K **तूठी**-तूंठी L. **दीठउं**-दीधू B, दीठुं D K, दीउं H, दीठूं J, दीठउ L. **प्रत्यक्ष**-परतषि C, प्रतक्ष D H L, परतिक्ष J, प्रतष्य K. **बांह**-बाहि B, बांहि C J, बाहा H **धरी**-धरीनइं L **दलि**-दल B C K L, जि J. **जई**-जै A D, जइ H, दल J. **देषाडिउं**-देषाडुं D K, देषाडु J, देषाल्याउ L **नीद्रिइ**-नींद्रिं B, निद्राइं C, नींद्रिं D, नीद्र H, नीद्रि J, नीदइ K, निद्रां L. **पउढ्यउ**-पुढ्यउ A, पुहुढ्यु B, पुढिउ C D J, पुढउ H, पउढिउ L.

१३३ In H vs 135 precedes vs 133. **दीठां**-दीठा B C L. **नयण**-नयन B D H. **त्रिणि**-त्रणि C H J, तृणे L B transp as त्रिणि नयन; H transp as त्रणि नयन; K as त्रिणि नयण; L as तृणे नयण L. **मुष**-मुख B C, मूष H. **पांचइ**-पंच A, पंकज B K, पांचि C H J, पांचिइ L. **कपिल**-किपल L. **जटा**-जटी H **सुविसाल**-सुविशाल B C D J, सूविसाल H, शुविसाल L. **रूंडमाल**-मुंडमाल B D, रंडमाला C, मुडमाल H, रंडमाल J, गुरजमाल K. **दीठी**-...B, दीठा K, दीठा L. **करि**-गलि B. **तुंबा**-तुंबा दीठां B, तुबां H, तुंबी J, तुंबां K L **दीठउं**-दीठां A B, दीठुं D, दीठउ H K, दीठूं J, दीठा L. **ब्रह्मकपाल**-ब्रह्मकपाल A C D J K.

१३४ **जटामुगट**-जटामुकुट B J, जटांमुगट C, जटामूगट D, जटामुकट K. **मांहि**-मांहिं B, माहि H K. **अंगि**-अंगज C, अंसि D I_1 (ख), अंग ति K. **भसमीअ**-भसमी A, भस्मअ B, परडिउं C, भस्मुं D, भसमअ H K. **धूल**-धूलि A B D, धूंसि C, धुल H, लूथ L. **वाघचंब**-वाघचर्म B L, व्याघ्रचर्म J. **पांगुरणे**-पांगरणि B C, पांगरण D J, पांगरणे H, पागुरणा L. **दीठां**-दीठा C, दीठी H, दीसइ L. **दीठउं**-दीठउ A, दीठूं B J, दीठुं D K, दीठु H, दीठो L. **त्रिसूल**-मघ त्रिशूल A, त्रिशूल B J, त्रिशूलः D, त्रसूल H. iii qr in K is: तीक्सूआ आसमि तिणि केरइ.

॥ दूहा ॥

चित्ति चमक्यउ चिंतवइ, रंगि रहिउ सिर नामि ।
पदमनाभ पंडित तणउ, सांतलि दीठउ स्वामि ॥ १३५

॥ पवाडु ॥

रुद्र रूपि सुरताण अवतरिउ, किम घालीजइ घाउ ।
हियइ वात विमासी सांतलि पाछउ दीधउ पाउ ॥ १३६
वली विमासी पासइ हुंतउ, गुर्ज लीउं अहिनाण ।
विण संकेत कहीइ केतलइ, नही मानइ सुरताण ॥ १३७
आसापुरी तणे पाए लागी, गढि आव्यउ चहूआण ।
सकल सरूप जाणीउं सांतलि, तुहि न मूंकइ माण ॥ १३८

---

१३५ In H vs 135 precedes vs 133, and the order of the *caraṇas* is 135 b, 135 a. **दूहा**–...A, दूहु D H J, श्लोक L. **चित्ति**–चिति A, चित्त C J K, चींति D, च्यंति H, चित L. **चमक्यउ**–चमक्य A, चमक्किउ B, चमिकिउ C, चमक्युं D, चमकिउ H J, चमकी L. **चिंतवइ**–चक्कविइ B, चींतवि C, चीतवइ D K, चक्कवि H, चीतवि J. **रंगि**–रगि H, रंग K **रहिउ**–रह्यु A, रहीउ H, रह्यउ K L. **सिर**–शिरि A, सुर B J, शिर C. **नामि**–नांमि D J K L, तांनि H. **पदमनाभ**–पद्मनाभ B D, पदमनाभि K, पद्मनाभि L. **तणउ**–भणिइ B, भणि C J, भणइ D L, तणु H. **सांतलि**–सातल A, सांतल J, सातिल K. **दीठउ**–दीठु B D H. **स्वामि**–स्वांमि D H J.

१३६ **पवाडु**–श्लोक A, चुपै B, पवाडु : D,...H, पवाडा ढाल K, पावाडो L. **रुद्र**–रूद्र L. **रूपि**–रुपि H, रूप K L. **सुरताण**–सुरतांण D K, सूरतांण H, सुरतांन J, शुरिताण L. **अवतरिउ**–अवतरीउ A, अवतर्युं D, अवरुउ H, अवतर्यउं K, अवतर्यउ L **घालीजइ**–घलीजइ A, घालीजि B H, घालीइ C J, घालीइं D, घालीयइ K. **घाउ**–घाय B C. **हियइ**–एही A, हैइ B, हईइ C D, हइइ H, हे J, हीयइ L. **विमासी**–विमांसी J, इसी विमासी L. **सांतलि**–सातलि A, सातिल K, सातल L. **पाछउ**–पाछु B D, पाछा K,...L. **दीधउ**–दीधु B D J, दीउ H, दीधा K, दीठउ L. **पाउ**–पाय B C L, पाउ ॥ चउपई ॥ A.

१३७ **विमासी**–विमासि B, विमासीनि C, हैइ विमांसी J. **पासइ हुंतउ**–पासइ हतउ A, पासि हूंतु B, पासाथु C, पासाथुं D, पातसाह हूतु H, पासिथु J, पासा हुंतउ K, पासइ हुंती L. **गुर्ज**–गर्ज A H, गुरज B K, गुरुज J, गुर्ज्ज L. **लीउं**–लीउ B C H J, लीयु D, लियो K, लीयो L. **अहिनाण**–सहिनांण D, अहिनाण H J K. **संकेत**–संकेति L. **कहीइ**–कहि A B, कहिं D, कहइ H L, कहे J, किहं K. **केतलइ**–केतलिइ B, केतलि C H, केतले J, केतला K L. **नही**–नहीं A B. **मानइ**–मांनइ A D H K L, मानि B, मांनि J. **सुरताण**–सुरतांण C H K, सुरतांन J, शुरिताण L.

१३८ **आसापुरी**–आशापुरि B, आस्यापुरी C H L, आशापुरी D J. **पाए**–पाय A D H K, पय J. **लागी**–लागु L. **आव्यउ**–आविउ B, आव्यु C D H J, आव्यो L. **चहूआण**–चहूयाण A B, चहूआंण D H J K, चहुआण L. **सरूप**–स्वरूप B C J, सरुपि H. **जाणीउं**–जांणीउं D, जांणिउं J, जाणियउ K, जाणीयो L. **सांतलि**–सातलि A H, शांतलि C, सातिल K, सातल L. **तुहि**–तहु A, तूहि D, तउही K, तोही L. **मूंकइ**–मूंकइं A D, मूंकि B C J, मूकि H, मूकइ K. **माण**–मांण A D J K.

कहइ प्रधान एक परि कीजइ, अवधारउ सुरताण ।
गढ ऊपरि छइ एक सरोवर, तिणइ करउ विनाण ॥ १३९
लाष बिच्यारि गूणि नइ त्रापड, ढीली थकां अणाव्यां ।
कोट तणी भीति ते छानां, लेई राति मंडाव्यां ॥ १४०
पापी तणी वात सी कीज्यइ, जेहे विणासी गाइ ।
गूणि ऊपरि यंत्र मंडावी, लेई नांषी जल मांहि ॥ १४१

॥ चउपई ॥

थयुं प्रभात तव तुरणी नारि, गई सरोवरि पाणीहारि ।
आगइ आछउं हूतुं निरवर्ण, दीठउं पाणी लोहीवर्ण ॥ १४२
गाइ तणां मस्तक जलि तरइ, कांठइ कोइ न दांतण करइ ।
पाणी मांहि दोष एवडउ, पाणीहारि भरइ नवि घडउ ॥ १४३

---

१३९ **कहइ**–कहि B C D H J **प्रधान**–प्रधान D K. **कीजइ**–कीजिइ B, कीजि H J, कीज्यइ K. **अवधारउ**–अवधारु B C D J, अवधारो L **सुरताण**–सुलताण A, सुरतांण D K, सूरतांण H, सुरतान J, शुरिताण L **ऊपरि**–ऊपिरि L. **छइ**–छि B H J **तिणइ**–तीणिइ A, तिहा B, तेणि C, तेणिं D, तेणइ H, तिणि J, तीणई K **करउ**–करु B D H, कीजइ C, करिउ J, करो L. **विनाण**–विनांण D J, वनांण H, वनाणइ L.

१४० C D omit vs 140. **बिच्यारि**–बिच्यार H K, बिचारि L. **गूणि** em–गुंणि A H, गूंणि B J, गूण K L. **नइ**–. B J, नि H. **त्रापड**–त्रापडा B, त्रापडां J, त्रपडा K, तापड L. **ढीली**–ढिली K. **थकां**–थिका B H J, थकी K L **अणाव्यां**–अणावउ A, अणाव्या K, अणावो L. **भीति**–भीतिं B, भींत K. **छानां**–छांनां A, छाना B J L, छाना H, छानइ K. **लेई**–लेइ H L. **राति**–यंत्र B, रातिं H, गढहि J, राति L. **मंडाव्यां**–मंडाव्या B H, चडाव्यां J, मंडाव्य K, मंडावउ L

१४१ **पापी तणी**–पाणी तणी A, पापीआ तणी C. **वात सी**–वात किम A B H, सी वात C, सी वातज D. **कीज्यइ**–कहीइं A, कीजिइ B, करीजि C, कीजइ D, कीजि H J, कहीयइ L. **जेहे**–तेणे C, तिहां J, जेह K L. **विणासी**–विणासि K. **गाइ**–गाइं C, गाय D H, गाम L **गूणि**–गुण C K, गुणीं D, गुणि H, गूण L. **ऊपरि**–ऊपरिं D, उपरि ता H, ऊपरि तिणि J, उपरि K. C transp as ऊपरि गुण. **यंत्र**–ते यंत्र L. **मंडावी**–चब्यावी K, मंडाव्या L **लेई**–ले A, लेइ H, ते L. **नांषी**–नाषी L. **जल**–...J. **मांहि**–माहि H K L.

१४२ **चउपई**–चुपै B J, चुपई C D, चुपइ H, चउपही K, चोपई L. **थयुं**–थउं A, थिउ B, थयु H J, थ्यु K, थयो L. **प्रभात**–प्रभाति H L. **तव**–चर L. **तुरणी**–तणी H, तरुणी J K. **नारि**–नारिं B. **गई**–गइ H L. **सरोवरि**–सरोवर C H K L **पाणीहारि**–पाणीहारिं B, पाणीहारि D J K. **आगइ**–आगि B C H J. **आछउं**–आछूं B J, आछुं D, अंबू H, आछउ K L. **हूतुं**–हुतुं A, हतूं B, हतुं C D H, हूंतूं J, हतउ K, हुंतो L. **निरवर्ण**–नीरवर्ण C, निवर्ण D H J, निवार्ण K, निर्मल L. **दीठउं**–दीठूं B J, दीठुं D, दीठउ K L. **पाणी**–पांणी K. **लोहीवर्ण**–लोहीवरणं A, लोइवर्ण H

१४३ **गाइ**–गाय D J L. **तणां**–तणा L. **मस्तक जलि**–मस्त जलि A, जल मस्तकि B, मस्तक जव C, जल मस्तक H, मस्तक जल J K L. **तरइ**–तरइं A, तरिइ B, तरि C H J, तिरइ K L. **कांठइ**–काढि B, कांठि C H J. **कोइ न**–नवि को C, को नवि D H J K. **दांतण**–दातण B H. **करइ**–करइं A, करिइ B, करि C H J. **पाणी**–पांणी D J K **मांहि**–माहि A D H K L. **दोष**–देषि C. **एवडउ**–एवडु B C D J, एवडुं H, एवडो L. **पाणीहारि**–पांणीहारि D J K, ते पणिहार L. **भरइ**–भरि B C J, न H, नवि L. **नवि**–भरि H, भरइ L. **घडउ**–घडु B C D H J.

पालि आवी जोइ लोक, हईइ आणइ अतिइ घण सोक ।
पाणी विश्व तणउ आधार, पाणी सविहुं जीवाडणहार ॥ १४४
जे हुइ मोटा राणा राइ, तेहे जल विण षिण न रहाइ ।
सांतल इसुं विमासी करी, तेडी पूछी अंतेउरी ॥ १४५
राणी भणइ विमासउ किस्यूं, अम्हे सवे जमहरि पइसिस्यूं ।
हीदू तणइ मानीइ गाइ, तेह तणउं लोही जल माहि ॥ १४६
जीवतव्यनी आस्या टली, ए पाणी नही पीजइ पली ।
राणी वात विमासी घणी, लिष्या लेष कान्हडदे भणी ॥ १४७
चाहूआणनउं गिरूउं राज, रूडउं अम्हे भवाडिउं आज ।
राणी बोल इसउ ऊचरिउ, इम जाणेज्यो जमहर करिउ ॥ १४८

१४४ पालि–पालि B D J, पालइ K L. आवी–आवइ L. जोइ–जोइं D K, जोवइ L. हईइ–हीइ A H, हईडइं D, हियइ K, हीयइ L. आणइ–आणि B, आंणी D, आंणि H J, आंणइ K, आणी L. अतिइ घण–एवडु B D H J, अति घण C, एवडउ K, एवडो L. C transp as अति घण आणइ. सोक–शोक B C D J L. पाणी–पांणी A D H J K. विश्व–विस्व H K L. तणउ–तणु B C D H J. आधार–आधारि L. पाणी–पांणी J K. सविहुं–होइ B L, जीव C, हुइ D H, कहीइ J, हुंई K. जीवाडणहार–जीवाधार A, जीवाडनहारि L.

१४५ जे हुइ–जेहे B K, जे होइ C J L, जेह D. मोटा–मोटा छइं D. राणा–राणा A H K. राइ–राय A B C D H J K. तेहे–तेणि C, तेह D, तेणे J, ते L. विण–विंण D. षिण–षिणु C, पिण D, पणि L. न–नवि L. रहाइ–रहाइं A, रहिवाइ B, रहिवाय C J. सांतल–सातल A L, सातल्लीय C, सांतलि D, सातलि H, सातलसीह J, सातिल K. इसुं–इस्यूं B,. .C J, इसी D H K, इसउं L. विमासी–विमांसी B, विमासण C D H K, विमांसण J. तेडी–तेडे K.

१४६ राणी–रांणी A D H J K. भणइ–भणि B C H J. विमासउ–विमासइ A, विमांसु B J, विमासु C H, विमासुई D किस्यूं em–किसूं A B, कसुं C, कस्युं D, कसिउ H, किशूं J, किसुं K, किसउं L. अम्हे सवे–अम्हे सवेहुं A, सवे अम्हो B, अम्हे सर्वे C, अह्म सवे J. जमहरि–जमहर D K L. पइसिस्यूं–पइसस्यूं A D, पिससूं B, पिससुं C, पयससु H, पिससिऊं J, पइसिसुं K, पइससिउं L. हीदू–हींदू B K, हिंदू C, हींदूं D. तणइ–तणि B C H J, तणीइ L. मानीइ–मांनीइ D J, जे मानि H, मानिइं K, मानीयइ L. गाइ–गाय D L. तणउं em–तणा A, तणूं B J, तणुं C D, तणू H, तणउ K L. माहि–मांहि B C J, मांहिं L.

१४७ जीवतव्यनी–जीवितव्यनी B D, जीव्यतव्यनी J L. आस्या–आश्या A D, आशा B J. ए–एह B. पाणी–पांणी C D H J K. नही–नहीं B D, न C, पीजि J, नवि K. पीजइ–पीजि B C, पीजइं D, नही J. पली–वली A C D H L. iii qr in J is. वात विमासी राणी तणी. राणी–रांणी A D K, राणीए C. विमासी–विमासि B. लिष्या–लष्या C H, नाष्या L. लेष–लेख C. कान्हडदे–कांन्हडदे A J K, कान्हडदे B C D, कांहांनडदे H.

१४८ चाहूआणनउं em–चाहूयाणनूं A, चहूयाणनुं B, चहूआणानुं C, अहुआंणनूं D, चहूआंणानु H, चाहूआणनूं J, चाहुआंणनउ K, चाहूआणनउ L. गिरूउं–गरुउं A, गर्यूं B, गिरुउ H, गिरूऊं J, गिरूउ K L. रूडउं–रूडूं B J, रुडुं C, रूडुं D K, रूडू H, रूडो L अम्हे–अमे H, अह्मे J. भवाडिउं–भवाड्यूं B, भवाडुं C, भजाडुं D, भवाडूं J, भवडु K, भवाडउं L राणी–रांणी A H K, राणीए C, रांणीए D, रांणीइं J. बोल इसउ–इस बोल A, बोलि इसिउ B, वचन इसिउं C, इस्युं बोल D, इसिउ बोल H, इसिउ बोल J, इसउ बोल K, इसउं बोल L. ऊचरिउ–ऊचरीउ A, ऊचरिउं C, उचर्यू D, उच्चरइ H, उचरिउ J, उचरउ K, उचरउं L. इम जाणेज्यो–इम जाणज्यो B, जाणुं अम्हे C, इम जाणेज्यो D, इम जाणेयो H, ईम जाणेजे J, इम ज्याणेज्यो K, इम जाणिजो जे L. करिउ–करिउं A, करुं C, करि H, करउ K, करुं L.

कान्हडदेनी घरणी हती, तेह भणी लिषी वीनती ।
ऊमादे नइ कमलादेवि, जइतलदे नइ भावलदेवि ॥ १४९
इस्यूं कहिउं अम्ह वीतूं जेह, हवइ वीचस्यइ कालि तह्म तेह ।
अम्हस्यूं प्रीति आणेज्यो घणी, आणइ जमारइ मोकलावणी ॥ १५०
इसूं कही नवि लाई वार, राणी सवि कस्या सिणगार ।
चंदनकाठ आणीउ घणउ, तिहां परिवार मिलिउ तेह तणउ ॥ १५१
साहस प्रभावि एतली आहि, राणी पइठी जमहर माहि ।
राम राम वाणी उच्चरइ, सजन लोक सवि आंसू भिरइ ॥ १५२

---

१४९ कान्हडदेनी–कांन्हडदेनी A J, कान्हडदेनि C, कांहानडदेनी H, कान्हडदेनइं L. घरणी–घरणि D, घरुणी H, घणी J. लिषी–लषी B D H J, सुं लिखी C. ऊमादे–उमादे B J, ऊंमादे D. नइ–...B, नि C D J. कमलादेवि–कमलादे जेउ B, कमलादेय C L, कमलादेउ D J K. जइतलदे–जितलदे C, जयतलदे D J, जइतलद K, जयतलदेय L. नइ–नि C J,...D K. भावलदेवि–भावलदेय C L, भावलदे बेउ D K, भावलदेउ J. iv qr in B is: भावलदे नामलदे बेउ. H omits 149 b.

१५० इस्यूं–इसूं A, असुं C, इस्युं D, असिउ H, इशूं J, इसुं K, इसउं L. कहिउं–कहिउ H, कह्यउ K, किहिउ L. अम्ह–अह्म C J, अम्हि K, अम्हे L. वीतूं–वीतुं A C D K, वीतु H L जेह–जेय A L, जेउ B K, जेऊ D. हवइ–हवि B C H J, हिवइ L. वीचस्यइ–वीचसि B C H J, वीचिसि D, वीचीस्यइं K, वीचसी L. कालि तह्म तेह–कान्हडदेय A, कालि तम्ह तेउ B, कालि तुम्ह तेउ D, कालि तम तेह H, कालि तुह्म तेह J, कालिह तुम्हे देव K, कान्हडदेय L. अम्हस्यूं–अम्हसूं A, अह्मनि B, अह्मसुं C K, अह्म H, अह्म सिउं J, अम्हा L. आणेज्यो–आंणेज्यो A K, आंणयो C J, आणेयो H, आणजो L. आणइ–आंणइ A K, एणि B, आणि C D H, आंणि J, इणइ L. जमारइ–जमहरि B, जमारि C, जंवारि H J, जनम छइ L. मोकलावणी–मोकलामणी B C, मोकलांमणी D H J.

१५१ इसूं–इस्यूं B D, असुं C, इसिउ H, इशूं J, इसुं K, इसउं L. कही–कहीनइ A J, भणी B H. लाई–लागी C, लाइ H K. राणी–रांणि D, रांणी J K. सवि कस्या–कीधा सवि A, सविहुं करिउ B, सवे कस्या C K, सवे करीआ H, सवि कीया J, सवे कीयो L. सिणगार–शणगार B C, शिणगार D, सणगार H, शृंगार J, संगारि L. चंदनकाठ–सुकडि काठ A. आणीउ–अणाव्या A, अणावी C, आंणीउं H, आंणीउ J, आंणियउ K, आणाव्योउ L. घणउ–घणा A, घणु B C D J, घणू H तिहां–सवि B, तिंहां D, तेह J, तिह L. परिवार–परिवारि L. मिलिउ–मिली A, मलिउ C H, मिल्यु D, मिल्यउ K L. तेह तणउ–तिह तणा A, तेह तणु B C D H J. J adds following vss after vs 151:

॥ दूहा ॥ आपआपणे प्रीउ तणे कांमिनि लग्गउ पाय । स्वामी दोसज अम्ह तणा षमयो करीय पसाय ॥
राणी सांतलसीहनी वली २ नांमि सीस । वियोग म करसिउ क तमै षमयो अह्मची रीस ॥

१५२ In J vs 153 precedes vs 152. प्रभावि–प्रवाहि H, प्रमाणइ K, प्रमाण L. एतली–एतलि D, सवि J. आहि–आहि D, मिली J. राणी–राणी A D K. पइठी–पिठी B C H,...J, पयठी L. जमहर माहि–पावक माहि B H K, पावक माहि C D L, जमहर किद्ध J. राम राम–रांम राम A, राम २ B L, राम २ D, रांम रांम H J K. वाणी–वांणी A D K, गुषि J, वचन L. उच्चरइ–उचरइं A, उचरिइ B, ऊचरि C H, उचरी J, ऊचरइ L. सजन–सुजन C, श्वजन L. लोक सवि–लोकनि B, लोक सहू C L, लोकने D H, लोकनइ K. आंसू–आसू B H, आसु C, आसुं K. भिरइ–झरइ A, पिरिइ B, परि C, पिरहि H, iv qr in J reads: अजि ज्वाला सवि लिद्ध.

॥ दूहा ॥

जल विण को जीवइ नही, जल जीवन जग मांहि ।
पदमनाभ पंडित भणइ, जल विण षिण न रहाइ ॥ १५३

॥ राग सिंधूडउ ॥

सात वरसनइ माजनइ, गोरीडां दल घण घाइ ।
गढपति गढरोहइ पडिउ, चउपटमल्ल चहूआण माहि ॥
॥ द्रूपद ॥ समीयाणे सुरताणी साहण आवीयां ए ॥ १५४
कुंयरि कोडाली बेटडी, वली मेलावउ कवण वलामणि ।
भाईलि मेद देषाडीउ, सरोवरि करिउ विणास ।
एह पाणी नवि पीजीइ, असुरां हवि पूगी आस ॥
समीयाणे० ॥ १५५

---

१५३ **दूहा**–श्लोक A,...B J. H omits vs 153. i qr in J is : जल विना किम जीवीइ. **जल**–पाणी L. **विण**–विणे L. **जीवइ**–जीवि B. **नही**–नहीं D. **जीवन**–जीवण C. **जग मांहि**–जग माहि A L, युग माहि K. **पदमनाभ**–पद्मनाभ B D, पदमनाभि K L. **पंडित**–पंडित्त D. **भणइ**–भणिइ B, भणइं D, भणि J. **जल**–जलि L. **विण**–विणु C. **षिण**–क्षिण A, षिणु C J. **रहाइ**–रहाइं A, रहिवाइ B, रहिवाय C, रहावाय J.

१५४ C omits the entire song, i.e. vss 154-158. **सिंधूडउ**–सींधूउ B H, सिंधूउं D, सीधूउ J, सिंधुउं K, सिंधूडउं L **वरसनइ**–वरसनि B J, मासनि H. **माजनइ**–माजनि B, साजनइ D, माझनि H, सातलि J. **गोरीडां**–गोरीडा B J, गोरीडी K, गोरडी L. **दल**–दलि A D J K. **घण**–...J L. **घाइ**–घाइं A, घाउ B J, घाय H, घंघाइ L. **गढरोहइ**–गढरोही B, गढरोहु J, गढरोहउ K, गढरोहो L. **पडिउ**–रहिउ रे B, भड्य D, भडिउ H, कीउ J, कस्यउ K, करयौ L. **चउपटमल्ल**–चउपमल्ल A, चुपटमल्ल B, चुपटमल D J, चुपटिमल H, चउपटमल K, चउपटिमल L, **चहूआण**–चहूयाण A B, चहूआण H, चहुआंणा K. **माहि**–...B D L, मांहि H J. **द्रूपद**–. .B D H J L. **समीयाणे**–सइवांणे A, सेवाणे B, समीआंण D, सइवाणणे H, सविआंणइ K. **सुरताणी**–सुरतांणी D H K, शुरिताणी L. **साहण**–साहण A, दल L. **आवीयां**–आवीया B J, आवीआं D, आवव्यां H, आवियां K, आवीयो L. **ए**–...B, रे K, आकणी L.

१५५ **कुंयरि**–कुयरि A, कूंयरि B J, कूअरी H, कुंअरि K, कुंअर L. **कोडाली**–कोटडी H, बेडाली J. **बेटडी**–छूटडी B D H K, चूटडी J, छूटली L. **मेलावउ**–वुलावु B, मेलावु D H J, सेलावउ L. **कवण**–कमण D H K. **वलामणि**–डुला भणि B, वलामणि । समीआणे० आचलीः D, वलामणि ॥ द्रूपद J. **भाईलि**–भाइल B, भाइलि D K, भइलइ H, भोयल L. **मेद**–मेदे L **देषाडीउ**–देषाडिउ D, देषाडियउ K, दिषाल्यियो ए L. **सरोवरि**–सरुवरि B, सरोवरें D, सरोवर K, सरोवरा L. **करिउ**–कीउं A, कीउ J, कस्यउ K. **विणास**–वणास H. K omits 155 C. **एह**–ए B D H J L. **पाणी**–पांणी D J. **नवि**–नहीं B, नही L. **पीजीइ**–पीजीइं A, पीजिसइ ए D, पीजसि H, पीजिसि J, पीजस्यइं L. **असुरां**–असुर B, असूरे D H J, असुरह L. **हवि**–हिव B D, हइ L. **पूगी**–पुगी D K. **समीयाणे**–सइवांणे० A, सेवा B, समी० D,...H, सविआणे K, समीयाणि शुरिताणी दल आवीया L.

जल विण षिण किम जीवीइ, जे जल जीवन जग माहि।
जिणि दिनि जल नवि पामीइ, तिणि दिनि देहडी कुरमाइ ॥
समीयाणे० ॥ १५६

पिंड प्राण हुइ प्राहुणा, दोइ दिवस पांच कइ सात।
सांतल कहइ सुणि सुंदरी, हिव हुई ति सचराचरि वात ॥
समीयाणे० ॥ १५७

सांतल तणी अंतेउरी, नारिंगदे निरवाणि।
पावकि प्रेमादे चडी, सइं दलि सुणीउं सुरताणि ॥
समीयाणे० ॥ १५८

॥ चउपई ॥

अवधि एतलइ पहुतउ काल, ग्यउ आकाशि धूम विकराल।
सातल भणइ गुरज मोकलउ, पातिसाह कहसि हुं भलउ ॥ १५९

---

१५६ **विण**–विणिइ L **षिण**–क्षिण A L. **किम**– D, नवि J **जीवीइ**–जीवीइं A, जीविइं K, जीवियइ L. **जे**–...B H L, दे D J. **जीवन**–जिवन D. **जग**–जुग H, युग K. **माहि**–माहि B H J L. **जिणि**–जिण A K, जीणि B, जेणि H, जिणइ L. **दिनि**–दिनिं D, दिन H K L. **पामीइ**–पांमीइं A D, पामीइ J, पांमइं K, पामीयइ L. **तिणि**–तीणइं A, तेणइ D, तिण H K. **दिनि**–दिनि रे A, दिनी D, दिन रे H L, दिन K. **देहडी**–देहडली K. **कुरमाइ**–कुरमाइ B L, करमाइ D, करमाय H, कुरमाय J, कुमलाइ K. **समीयाणे**–सइवांणे A, सेवाणे० B, समी० D,...H, सविया K

१५७ **पिंड**–पडिं A, प्यंड H, पिड K, पिंडइ L. **प्राण**–प्रांण D H J K. **हुइ**–हुइं A D K, हि H, होइ J. **प्राहुणा**–परहुंणा D, प्राहूंणा H, परहुणु J, परहुणा K. **दोइ**–दे A B J, दो D,.. L. **पांच**–पंच L. **कइ**–कि B H J, कई D. **सात**–सांत D, साति L **सांतल**–सातल B L, सातिल K **कहइ**–कहि B D H J **सुणि**–सूंणि D, सूणू H, सुणु J, शुणउ L **सुंदरी**–सूंदरी A B, सूदरी H, सूंदरी दे J, शुंदरी L. **हिव**–हवि D H J,...L **हुई** ति–हुईनी A, होइ B, हुइ ती D, हूइ ति H, J, हुइंली K, होसी L. **सचराचरि**–देसाउरि D K, सूचराचरि H, देसाउरि होइ J, सघले L. **समीयाणे**–सइवाणे० A, सेवाणे B, समी० D,...H, सिवियं K.

१५८ **सांतल तणी**–सातलनी A, सें सातनी B, सातिल तणी K, सातल तणी L. **अंतेउरी**–अंतेउरी दे J. **नारिंगदे**–रांणी नारिंगदे D, नारंगदे H, राणी नारिगदे J, राणीनदे K. **निरवाणि**–निरवांण D, निरवांणि H J K. **पावकि**–पूर्वकि B, पावकी D, पावक L. **प्रेमादे**–प्रेमादे J, प्रेमदा H. **चडी**–चढी रे B, चडि H, चढी J, वडी L. **सइं दलि**–सइ दलि A, सि मुखि B, सि दलि H, दीसि दलि J, सइ दल L. **सुणीउं**–सुणी B D K, सूणीउं H, ..J, शुणी L. **सुरताणि**–सूरतांण H, सुरतांण J, सुरताणि K, शुरिताणि L. **समीयाणे**–...A H, सेवाणे B, समी० D, सवियां० K.

१५९ **चउपई**–चुपै B J, चुपई C, चूपई D,. H, चोपई L **अवधि**–अविधि H, अवध L. **एतलइ पहुतउ**–एतलि पुहुतु B, पुहती एतलि C, पुहतु एतु D, एतल पुहुतु H, पुहुतु एतलि J, पहुतु एतलइ K, एतलइ पुहूती L. **काल**–कालि C K **ग्यउ**–गिउ B, गयु C, गइं D L, गौ H, गै J, गयउ K. **आकाशि धूम**–धूम्र आकरु C, आकासि धूम H, आकाश धूंम J, आवाश धूम K, आकास धूम L. **विकराल**–विराल D, बिसराल H. **सातल भणइ**–सांतल भणि B C H J, सातली भ D, सातिल भणइ K. **गुरज**–गरज C, गुजी D, गर्जे H. **मोकलउ**–मोकलुं B, मोकलु C D H J, मोकलो K, मोकलउं L **पातिसाह**–पातसाह A B C D, पातशाह J, पातिसाहि L. **कहसि**–सि B, कहिसि C D J, कहिस H, कहसी K, कहिस्यइ L. **हुं**–हूं B C J, हु H. **भलउ**–सभलउ A, भलु B C H J, भलुं D.

इम आणे साचइ अहिनाणि, मइ नवि मारिउ निश्चइ जाणि।
पातिसाहि इम कहावी वात, सांतलनइ आपउं गूजरात॥ १६०
जु अम्ह आवी सांतल मिलइ, मरण तणउ भय निश्चइ टलइ।
आपुं प्राण नवि मूकूं माण, लाजइ साथ तणी चहूआण॥ १६१
लोक उतारीया करी उपाय, राउत सवे पडाऊ थाइ।
पहिलूं पूज्या सालिग्राम, हईइ धरिउं रामनूं नाम॥ १६२
करी सनान ऊगव्या वाल, कंठि धरी तुलसीनी माल।
राउत सवे एकमना थया, चाली कटक तोरकइ गया॥ १६३
कटक मांहि तेजी पाषरीया, हाथी आणी साम्हा धरीया।
आव्यउ पातिसाह सइं दलइ, हींदू तुरक बे टोले मिलइ॥ १६४

---

१६० **इम**–ईंम D. **आणे**–जांणे A D H K, जाणि J **साचइ**–साचि B H J, साचुं C, सहूअ L. **अहिनाणि**–अहिनाण C, अहिनांणि H J K, सहिनाण L. **मइ**–मिं C, मइं D, मि J, म L. **नवि**–निवि L. **मारिउ**–मारिउं D, मारयउ K L. **निश्चइ जाणि**–निश्चि जाणि A, निश्चि जांणि B D, निसि जाणि C, निश्चउ जाणइ H, निस्चइं आणि J, निश्चइ जांणि K **पातिसाहि**–पातसाहि A D, पातशाह B J, पातसाहिं C, पातसाह H, पातिसाह K. **इम**–. .C J L, ईंम D. **सांतलनइ**–सातलनइ A, सांतलनि B C, सांतलनइं D, सातलनि H, सांतलनिं J, सातिलनइ K, सातलइनइ L. **आपउं**–आपूं B J, आपुं C D K, आपू H, अरपु L. **गूजरात**–गुजराति C L, गूजराति H, गुजरात K.

१६१ **जु**–जउ K, जइ L. **अम्ह**–अम्हनि A, अह्म H, मुह्म L. **सांतल**–सातल A H, सातिल K L. **मिलइ**–मिलइं A L, मिलिइ B, मलि C H. **तणउ**–तणु B C D H,.. J. **भय**–भय तु J. **निश्चइ**–निश्चइं A, निश्च B, निश्चि C D, निश्चय H, निस्चइं J, सेहनइ L. **टलइ**–टलइं A, टलिइ B, टलि C H. **आपुं**–आपूं B D J, आपू H, आपु L **प्राण**–थान B, प्रांण D J. **नवि**–न B D H J K L. **मूकूं**–मूंकूं B J, मूंकुं D L, मूकू H, मुंकुं K. **माण**–मांण D J K. **लाजइ**–लाजि B H J, लाज L **साथ**–साथि B, साक J. **चहूआण**–चहूयाण A B, बाहूण D, चहूआंण H J, चाहूण I_1(ख), चहुआंण K C reads as 161 b: पातसाह भणी कहाव्युं सार मिलिसुं षांडे ऊघाडी धार.

१६२ **उतारीया**–ऊतरिया B, ऊताऱ्या C D J, ऊतारीआ H, ऊतऱ्या K L. **उपाय**–ऊपाय C D, उपाइ K, पसाउं L. **पडाऊ थाइ**–पडाऊ थाइं A, पच्च्या उछाय C, पडाऊ थाय D, पडाउ थाय J, पडिया उथाह K, कऱ्या सनान L. **पहिलूं**–पहिलुं C, पहिली K, पहिलउ L. **पूज्या**–पूजी A, पूजा H. **सालिग्राम**–शालिग्राम B K, सालिग्रांम H J. **हईइ**–हीइ A, हैयडि B, हइई D, हैइ H, हीअडि J, हीइं K, मुष L. **धरिउं**–धर्युं D, धरिउ H, धऱ्यो K, उचरइ L. **रामनूं**–रामनुं B H, रांमनुं C D, रांमनूं J, रांमनउ K, तिहा हरिनउं L. **नाम**–नांम B D J.

१६३ **करी**–करीय L. **सनान**–सनांन A D H J, स्नान C. **ऊगव्या**–ऊगवीया B, ऊगवीआ C D J. **वाल**–चालिलि L. **कंठि**–कंठ K L. **धरी**–ठवी B, धरि D. **तुलसीनी**–तलसीनी D, तुलसीनी K. **एकमना**–इकमना L. **चाली**–चालि D, वली H. **कटक**–कटकि B D H, चुपट J. **तोरकइ**–तुरकइ A, तुरकनि B, तुरक मांहि C, तोरके H K, धाए J, भ्रह समइं L. **गया**–गयां L.

१६४ **कटक**–...L. **मांहि**–माहि A D, मांहिं B, मांहे L. **तेजी**–तेजी ते L. **पाषरीया**–पाषऱ्या B C D K, पाषरीआ H, पाषरिया J. **हाथी आणी**–हाथी आंणी A H J, तिहां हाथी C D. **साम्हा**–सांम्हा A, साह्मा B H, साह्मा जई C, जो साह्मा D, साहमा J, साह्मा K. **धरीया**–धरिया B J, धऱ्या C D K, धरीआ H. **आव्यउ**–आविउ B D, आव्यु C J, अव्यु H, आव्यो L. **पातिसाह**–पातसाह A B C D H J, पातिसाहि L. **सइं**–सइ

ऊब्यां लोह न लाभइ पार, राउत भला करइ हथीयार।
जिस्यूं युद्ध रावण नइ राम, जिसउं देव असुर संग्राम॥ १६५
हींदू सवे एकमना भिडइ, पोसाता पायक रिण पडइ।
त्रिणि पुहर दल साम्हउ भिड्यउ, घणे घाए सांतल रिण पड्यउ॥१६६
साहस प्रभावि एतली आहि, राउत भिडी रह्या रिण माहि।
सांतल तणउं रुधिर सुरताणि वांधउं वीरायतन वषाणि॥ १६७
पदमनाभ पंडिति मति कही, बीजा षंड समापति हूई॥ १६८

A H, सिं B, सि J. दलइ–दलिइं A B D, दलि C J. हींदू–हीदू A H J L, हिंदू C. तुरक–तरक C H. बे–बि H J. टोळे–मोटा A L, टोडे D, टोलि H J, लोहे K. मिलइ–भिडइं A L, मिलिइ B, मलि C, मिलइं D, मिलि H J.

१६५ ऊब्यां–ऊडियां A, ऊडिया B, ऊब्यू D, ऊब्याउ K, ऊब्यो L. लाभइ–लाभि B C H J. पार–पारि L. भला–भलां C, भंलां H. करइ–करि B C H J, करइं D. हथीयार–हथीआर C H J, हथियार K, हथियारि L. जिस्यूं–जिसूं A, जिसुं C H, जिस्युं D, यसिया J, जिसउ K, जिसउं L. युद्ध–युध A C D L, जूध H, जुद्ध K. रावण नइ–रामण नइ A L, रावण नि B C D H J, रावण नै K. राम–रांम A D H J K. जिसउं–जिसु B, तिसुं C, जिम D J, जिसिउं H, तिसउ K. देव असुर–देवासुरि A, युध असुरां C, वासुदेव असुर D J, देवासुर H, जिम वासुदेव I1(ख), असुर सातिल K, देव अशुरा L. संग्राम–सग्रामि A, संग्रांम D H.

१६६ हीदू–हींदू B D, हिंदु C. सवे–सवि D H J K, सवइ L. भिडइ–भडिइ B, भडि C, भडइं D, भडइ H, भिडि J, भिडइं L. पोसाता–पोसंता K, पातिसाहि L. रिण–रणि B C D, रण H. पडइ–पडइं A, पडिइ B, पडि C H, पुडइं L. ii qr in J is: पायक सवि पोसाता पडि. L omits vs 166 b. त्रिणि–त्रिण A, त्रणि C H. पुहर–पहुर A, पुहुर J, प्रहर K साम्हउ em–सांम्हा A, साहमु B D H, सांमु C, सांहमूं J, सांम्हउ K. भिड्यउ–भिड्यां A, भिडिउ B, भडिउ C, भड्यु D, भडुउं H, भिडउं J. घणे–घणि C, घणा J. घाए–घाइ B K, घाय D, योघशुं J. सांतल–सातिल K. रिण–रणि B C D, रण H, ...J. पड्यउ–पडिउ A B C J, पड्यु D, पडिउं H.

१६७ साहस–साहण H. प्रभावि–प्रभाविं B D, प्रभावइ K, प्रभाविइ L. आहि–आंहि D. भिडी–भडी B C D H J. रह्या–रहीया A, रहिया B H J. रिण–रण B C D H J माहि–मांहि B C D J L. सांतल–सातल A, साति K. तणउं–तणु B, तणुं C D, तणूं H J, तणउ K, रह्यउ L. रुधिर–रुधिर L. सुरताणि–सुलतानि B, सुल्ताणि C, सुरताणि D J, सूरताणि H, सुरताण K, शुरिताणि L. वांधउं–पदवी B, वांदिउं C H J, वांधुं D, वांधउ K, वंधउ L. वीरायतन–वीरातन A C, राउत तणूं B, वीरायत H I1(ख), वीररायतनि J, वीररायतन L. वषाणि–वषाण B, षांणि D, निखाणि H, विषाणि K. C interpolates the following line after vs 167. सती सइ च्यार पांचज हुई असुरानि तिहां जयतज भई.

१६८ पदमनाभ–पद्मनाभ B D, पद्मनाभि K L. पंडिति–पंडित B C H J K L, पंडित्त D. मति–इम C K. कही–कहइ K. बीजा–बीजो K L. षंड–खंड C J, पंड K. समापति–समाप्ति A, समापत L. हूई–हुई D, थइ हुइ H, हुई K.

Note—The colophons of the second *khaṇḍa* are:

इति द्वितीय षंड समाप्तः॥ A;......B, इति श्री कान्हडदे द्वितीय खंड समाप्तः द्वितीयमध्ये अलावदीन पातसाहि नाहर मलिक मोकल्या ते समीआणे गढरोहु करिउ सांतलसी चहूंआण भडी भागु पातसाहि समीआणो गढ लीधु बीजि षंडि १५८ गाथा॥ C; इति कान्हडदे चतुर्थषंड द्वितिय षंड स्मात्तं॥२॥ D; अति दूतीअ षंड समापत॥ H; इति श्री द्वितीय षंड समाप्तः॥ J; इति द्विती षंड समापतः। K; इति राजा श्री कान्हडदे द्वितीय षंड समाप्तः। L.

तृतीय खंड

॥ चउपई ॥

त्रीजा षंड तणउ प्रारंभ, बोलइ पद्मनाभ कवि बंभ।
समीयाणे चडीउ सुरताण, जिहां हूंतउ सांतल चहूआण ॥ १

लीधउ गढ आणीउ अभिमान, कान्हड भणी मोकल्या प्रधान।
पातसाहि एहवूं कहावीउं, एक दुरग मइं प्राणइ लीउ ॥ २

कइ अम्ह आवी करइ सिलाम, कइ प्राणइ छंडाविसुं ठाम।
ग्या प्रधान सिरि धरीय पसाउ, जई भेटिउ सिंभरिनउ राउ ॥ ३

---

१ **चउपई**–...A B C D H J L. **त्रीजा**–त्रीजउ L. **षंड**–खंड C, पंड K. **तणउ**–तणु B C H J, तणुं D. **प्रारंभ**–आरंभ D K, आरंभण L. **बोलइ**–बोलि B C H J. **पद्मनाभ**–पद्मनाभि A, पदमनाभ C H J, पदमनाभि K. **समीयाणे**–सैवाणे B, समीआणे C, समीयाणे D, समीआंणे H, समिआणे K. **चडीउ**–चढीउ C J, चड्यउ K, चढिउ L. **सुरताण**–सूरतांण H, सुरतांण J K, शुरिताणि L. **जिहां**–जिंहा D, यांहां J, जिहा L. **हूंतउ** em–हूंत A, हूतु B, हतु C D H, हूंतु J, हुतउ K, हुंतो L. **सांतल**–सातल A L, सातिल K. **चहूआण**–चहूयाण A B, चहूआंण H J, चहुआंण K, चहुआण L.

२ **लीधउ**–लीधु B C H J, लीधुं D. **आणीउ** em–आंणीउ A, आणि B, आणिउ C H, आंण्यु D, आंणिउं J, आंण्यउ K, आण्यउ L. **अभिमान**–अभिमांन A C D H J K. **कान्हड**–कांन्हडदे A, कान्ह B C L, कांहांन H J, कांन्ह K. **मोकल्या**–मोकलिउ B, मोकल्यु D, पाठव्या H, मूक्यउ K. **प्रधान**–प्रधांन D H, परधांन J K. **पातसाहि**–पातसाह A B H, पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहिइ L. **एहवूं**–एहूं A, एहवुं B C H J, एहवउं K L. **कहावीउं**–कहावीउ A, काहावीउं B, कहाविउं C D, मु कहाविउं H, कहावीऊं J, कहा-विउं K, कहिउं L. **एक दुरग**–एक दुर्ग B D K L, ए गढ C, एक दूर्ग H, प्राणि दुर्ग J. **मइं**–मइ A L, मिं B, मिअ C, मि H J. **प्राणइ**–प्राणिं B, पराणि C, प्रांणि D, प्राणि H, आ J, प्रांणइ K. **लीउ**–लीउं D H, लियउ K, लीयो L.

३ **कइ**–कि B C J. **अम्ह**–अम्हि L. **करइ**–करे A B D H J, सरे C, करउ L. **सिलाम**–सलाम B C L, सिलांम D J K, सलांम H. **कइ**– कि B C J. **प्राणइ**–प्राणि A B C, प्रांणि D H J, प्रांणइ K. **छंडाविसुं**–छंडाविउं A, छंडावुं B L, छंडाव्योस C, छंडाविउ H, छंडाविसि J, छंडाविस K. **ठाम**–ठांम B J, ठामि L. **ग्या**–गया B C D H J K L. **प्रधान**–प्रधांन D H J K. **सिरि**–मनि B, शिरि C, सरि D H, शर J, सिर K, शिर L. **धरीय**–धरी B J K L, करिउ C D, धरीआ H. **पसाउ**–पसाय C H, फरमांण J. **जई**–जइ H K. **भेटिउ**–भेटिउं H, भेट्यउ K. **सिंभरिनउ**–सांभरिनउ A, संभरिनु B, सिंभरिनु C, सींभरनुं D, संभर H, सोना-गिरि J, संभरिनउ K. **राउ**–राय B C, न्माउ H, कांहान J. iv qr in L is: कान्हडदे राउ दीधउ मान.

आव्या सुरताणी परधान, सभा सहित राइ दीधूं मान ।
तव प्रधान पूछ्या चहूआण, किस्यूं वचन कहाव्यूं सुरताण ॥ ४
इस्यूं प्रधान कहइ तिणि समइ, सुरताणी दल कुण आंगमइ ।
जास तणउ भूतलि भडवाय, जिणि वसि कीधा राणा राय ॥ ५

॥ दूहा ॥

पद्मनाभ पंडित भणइ, जिह तूठउ जगदीस ।
तास तडोवडि हुइ किसी, अंगि म आणउ रीस ॥ ६

॥ चउपई ॥

जास तणइ तेजी लष आठ, जास तणइ घरि गयवर थाट ।
जास तणइ नवनिधि भंडारि, जेह भिडतां नवि आवइ हारि ॥ ७

---

४ **सुरताणी**–सुरतांणी D J, सूरतांणी H. **परधान**–प्रधांन A D H, प्रधान C, परधांन J K **सभा**–सभां H, शुभा K. **सहित**-मांहि A, सिद्ध D, सध H **राइ**–राईं B C, राय D J K **दीधूं**–दीउं A, दीधु C D, दीनु H, दीधां K. **मान**–मांन A D H J. 4a in L is· शुभा सहित राउ दीधीउ मान पूछ्या राउत घाली सान. **प्रधान**–प्रधानि B, प्रधांन D H J K **पूछ्या**–पूछइ A, पूछिया B, पूछि J **चहूआण**–चहूयाण A B, चहूआणि C J, चहूआंण D H, चहुआंण K. **किस्यूं वचन**–किसूं वचन A, वचन किस्यूं B, किसिउं वचन C, किस्युं वचन D, कसि H, किशुं बचन J, किसुं वचन K, किसउं वचन L. **कहाव्यूं**–कहाविउं A H L, कहावुं B, काहाविउं C, कहाव्युं D, बोल्या J, कहाव्यउ K. **सुरताण**–शुरताण A, सुरताणि C, सुरताणि D, कहु सूरतांण H, सुरितांण K, शुरिताण L.

५ **इस्यूं**–इसूं A, असुं C, इस्युं D, इसुउ H, वलतूं J, इसुं K. **प्रधान**–प्रधांन D H J K. **कहइ**–कहई A, कहि B C D H J, कह्यउ K. **तिणि**–तीणइ A, तेणि B C D. **समइ**-समइं A, समिइ B, समि C H J. **सुरताणी**–सुलताणी A, सुरतांणी C D K, सूरताणी H, सुलतांणी J **दल कुण**–कुण दल A, दल कुंण B D. **आंगमइ**–आंगमइं A, अंगीमि B, आगमि C, अगमइं D, आगमि H J. 5a in L reads: इसिउ वचन कहइ प्रधान शुरिताणि दल षोजा षान. **जास**–जस C, जाशु L. **तणउ**–तणु B C H, तणुं D, तणि J. **भूतलि**-भूतलें D. **भडवाय**–भडवाउ D H, भडिवाउ K L. **जिणि**–जिण A, जीणि B, जेणि C D. **वसि**–सेव C, आंण J, वशि L. **कीधा**–कराव्या C, मनाव्या J **राणा राय**–राय C J, रांणां राउ D, रांणो राय H, रांणा राउ K C interpolates the following verse after vs 5:
जेहनी आण मानि देवेंद्र जेह बलि धूजइ ताराचंद्र । रायरांणा सवि सेवा करि मेघाडंबर छत्रज धरि ॥

६ C D J omit vs 6. **दूहा**- ..H. **पद्मनाभ**–पदमनाभ H, पदमनाभि K, पद्मनाभि L. **भणइ**–कहइं A, भणिइ B, भणि H. **जिह**–जिहि A, जेह B H. **तूठउ**–तूठु B, रूठउ K. **तास**–ताशु L. **तडोवडि**–तडोवड L. **हुइ**–को H, हुइं K. **किसी**–भिही H, किसुं K. **आणउ**–आणु B H

७ **चउपई**–हिव चउपई A, चुपै B,...C D H J, चौपई L. **जास**–तास A B L, जासु D. **तणइ**–तणि B C H J, तणई L. **लष आठ**–आठ लाष D, लक्ष आठ H L. **तणइ**–तणि B C H J, तणिइ D, तणइं L. **घरि**–.. C D H J K L. **गयवर**–गयमर B H, गयंवरना C J, गीमरनु D, गइवर घरि K, गइवरि घरिं L. **थाट**–ठाठ B C D H J, घाटि L. **जास**–जासु D K, जाशु L. **तणइ**–तणि B C H J, तणिइ L. **नव**–निव A. **निधि**–नधि D H. **भंडारि**–भंडार A B C D H J, भंडरि K, भडांर L. **जेह**–जे C H,...J. **भिडतां**–भडतां B C, भडंतां D H, भडतां जेह J, भिडंतां L. **नवि आवइ**–नावइ वलि A, नवि आवि B C, नावइ D K, नावि H, न आवि J. **हारि**–हरि K, हार L.

C interpolates the following additional verse after 7:
जेहनि द्रव्यतणी नही मणा कटकि योध संग्रामि घणा । हाथी अश्व ऊंट नही पार असपति रायरायां साधार ॥

तेह सरिसु हठ नवि मांडीइ, कीजइ मेल बेढि छांडीइ ।
एहवूं वचन कहिउं सुरताणि, मइं समीयाणउ लीधउ प्राणि ॥ ८
तीणिइ परि सोनिगिरि ल्योस, हिव मन भणिसि माहरु दोस ।
बोलइ राउ सुणउ प्रधान, थोडइ बलि मोटउं अभिमान ॥ ९
सांतलि सुरताणी दल दलिउं, सात वरस समीयाणे रलिउं ।
पातसाहनइ एवडी आहि, पल बावरिउं सहस पल माहि ॥ १०
सरवरि जल पीधउं पोपटइ, जोड मान केतलउं घटइ ।
कान्ह बोल मुषि बोलइ इस्यूं, समीयाणइ पुरषारथ किस्यूं ॥ ११

---

८ **तेह**–तिह A, ते B D **सरिसु**–सरिसूं D, सरि H, सरीसु J, सरिसउ K. **हठ**–वेढि J, नवि L. **नवि**–हठि L. **मांडीइ**–मांडीइं C D, मंडीइ H, माडियइ K, माडीयइ L. **कीजइ**–कीजि B C H J. **मेल**–मेलि L. **बेढि**–हठ A, हठि L. **छांडीइ**–छांडीइं C D, छडीइ H, छाडियइ K, छांडीयइ L. **एहवूं**–एह A, एहवुं B C H, एहवु D, एह्वा K, इसिउ L. **वचन**–वच D. **कहिउ**–कहूं B, कहुं D, वहिउं H, कह्या K, कहिउ L. **सुरताणि**–सुरतांणि C D J, सूरताणि H, सुरतंणि K, सुरिताणि L. **मइं**–मइ A H K,...B C, मि J. **समीयाणउ**–सैवाणा गढ B, समीआणु C, समीयाणुं D, संइवाणा H, समीयाणूं J. **लीधउ**–लीधा B H, लीधु C, लीधुं D, लीधूं J, लीधो K. **प्राणि**–सपराणि C, प्रांणि D J K, पराणि H. iv qr in L is. एक गढ लीधउ सबलइ प्राण.

९ **तीणिइ** em–तीणीइं A, तीण B, तेणी C H J, तेणि D, तीणइ K, तिणि L. **परि**–परिं B, परिहुं L. **सोनिगिरि**–सोनगिरु B J, सोनगिरि C D, सोनगिर H, सोनिगर K, सोनगरि L. **ल्योस**–लेसोस A, हूं लोसि B, लेस D K, लोस I_1 (ख), लेसि J, लेशु L. **हिव**–हवि C H, हिवइ D K. **मन**–मनिम A, म B C, मनमे D, ईम J, मत K, मर्मे L. **भणिसि**–भणिसु A, भणसि B D J, भणेसि C K, भणिसुं H, कहिस L. **माहरु**–को अम्ह A, अह्मारु B, तमाहरु H, माहरो K, अम्हारो L **दोस**–दोसि J. **बोलइ**–बोल्यु B J, बोलिउ C D, बोलि H, बोलुं K, बोल्या L. **राउ**–राय B D J. **सुणउ**–सुणु B C, सणुं D, सुणु H, सुणि हो J, सुणइ K, कहिइ L. **प्रधान**–परधान B, परधांन D H J K, परिधान L **थोडइ**–थोडइं A, थोडि B H, थोडुं C D, थोडूं J, थोलइ L. **बलि**–दलि A, दल D C J, बोलि H. **मोटउं**–मोटूं B, मोटुं C J, मोटु H, मोटउ K, मोटइ L. **अभिमान**–अभिमांन A D H J K.

C interpolates following two vss after 9 :
असपति राइं बोलिउं सुं टुल समीआणे लीधे सुं बुल । जु आवसि इहां दल मिली तु आवर्जन करसुं वली ॥
बोलि बीजी वार प्रधान कान्हडदे मुंकु अभिमान । सातलसीहिं करी घण मारि नेटि सांतलनि हूई हारि ॥

१० **सांतलि**–सातलि A C, सातले D, सांतल H, सातिल K, सातल L. **सुरताणी**–सुरताणी C J, सूरताणी H, सुलतांणी K, शुरिताणी L. **दलिउं**–दमिउं A, दलिउ B C D H L, दल्यउ K **वरस**–मास H. **समीयाणे**–सिवांणे A, सेवाणे B, समीआणे C, समीयाणे D, समीआंणि H, समीआणे K. **रलिउं**–लीउं A, रलिउ B C D, भलिउ H, रल्यउ K, रुलिउ L **पातसाहनइ**–पातसाहनीं B, पातसाहनी C, पातसाहनइं D, पातशाहनि H J, पातिसहनइ K, पातिसाहनी L. **एवडी**–एहवी H. **बावरिउं**–वावरुं D, मावस्थउ K, वावरिउ L. **सहस**–सहिस K, **पल**–पुल A. **माहि**–माहिं B, माहि D J L.

११ **सरवरि**–सरोवरि B H K, सरोवर C J L. **पीधउं**–पीधूं B J, पीधू C, पीधु H, पीधुं K, पीधउ L. **पोपटइ**–पोपटि B C J. **जोड**–जोउं A C, जूउ B, तु ते J, जो K, जोवउ L. **मान**–मांन A C H, सरोवर J, अनुमांन K. **केतलउं**–केतलुं B, कहु केतुं C, कहइ केतूं D, केतलु H, केतूं J, केतलुं K, ते केतलउ L. **घटइ**–घटिइ B, घटि C H J. **कान्ह**–कान्ह A, कान्हडदे B L, काहन D, काहांन H. **बोल**–...B, बोलि H. **मुषि**–मुखि B, मुष L. **बोलइ**–बोलि B C H J. **इस्यूं**–इसूं A, इसिउ C, इसिउं D H L, इशु J, इसुं K. **समीयाणइ**–सिवांणि A, सेवाणि B, समीआणे C, समीयांणे D, समीआणि H, समीयाणि J, समीयाणे L. **पुरषारथ**–पुरुषारथ B C J, परषारथ H. **किस्यूं**–किसूं A, कसिउं C, किसिउं D, कसिउ H, किशु J, किसुं K, किसु L.

जउ आवसइ पातसाह वली, तउ आवर्जन करिसूं भली।
जउ गढि नावइ करीय पराण, तु सूयर भक्ष करइ सुरताण ॥ १२
कान्हडदे बोलिउ हठि चडी, वल्या प्रधान न लाई घडी।
तव प्रधान अवगुणना हूई, पातसाह जुहारिउ जई ॥ १३
आगलि रही करि अरदास, चाहूआण राउ लीलविलास।
जउ सायर वडवानल समइ, तउ कान्हड तुरकांनइ नमइ ॥ १४
कान्हडदेवि कही परि घणी, किसी वात समीयाणा तणी।
केहउ गर्व तुम्हे मनि धरउ, सात वरसि लीधउ डूंगरउ ॥ १५

---

१२ **जउ**–जु B D H J, जो L. **आवसइ**–आवसि B, आवसिइ D, आवासि H, आवि J, आवस्यइ K, आवइ L. **पातसाह**–पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L. **तउ**–तु B D H J. **आवर्जन**–आवर्जन A D, आवरजन B H K. **करिसूं**–करस्यूं B, करसिउं D H, करशूं J, करिस्युं K, करिसउं L. **भली**–मिली J, वली K L. C reads as 12 a : एहना गुण हुं तु मुखि भणुं आहां आवि तु मांटीपणुं. **जउ**–जु B C H J, जइ L. **गढि**–...D, गढ K. **नावइ**–न आवि B, नावि C J, आवि H. **करीय**–करी B C D J K L. **पराण**–पराण D J K. **तु**–...K L. **सूयर**–सुयर D, सहर H, सूअर K, सूवर L. **भक्ष करइ**–षाइ A, भख करि B, भक्ष करि C H J, भष्य करि D. **सुरताण**–सुरतांण C J, सूरनाण H, सुरिताण K, शुरिताणि L.

१३ **कान्हडदे**–कान्हडदे A J, काहनडदे D, कांहानडदे H **बोलिउ**–बोलइ A, बोलिउं D, बोल्युं H, बोल्यउ K, बोल्यो L. **हठि**–हठ A C K, हठे B. B transposes as हठे बोलिउ. **चडी**–चढी L. **प्रधान**–प्रधांन D H J K. **न**–नवि D, लागी J. **लाई**–लाइ A, लागी C D H K, नावि J. **तव**–तु B H, तउ L. **प्रधान**–प्रधांन H J K, प्रधाने L. **अवगुणना**–अवगणना A H, अवगुणता D, अठगुणी K, अवगुण L. **हूई**–हीइ A, होइ B J, हुई D, सही K, नही L. **पातसाह**–पातशाह J, पातिसाहनइ K, पातिसाह L. **जुहारिउ**–जुहारी A, जुहारि B, जुहार्या J, वातज K **जई**–जीइ A, जोइ B, जइ H, कही K, जइ L.

१४ **आगलि**–आगल L. **रही**–जई A. **करि**–करी A D H K, करइ L. **अरदास**–अरदासि A K. **चाहूआण**–चाहूयाण A, चहूयाण B D, चहूआंण C J K, चहूआंणां H, चाहुआण L. **राउ**–रा B, राय C D J K. **लीलविलास**–लीलविलास A, लीलविलाश C, लीलवीलास K. iii qr in J is : जु सूरय ऊगि पस्यिमि. **जउ**–जइ A K, जु B C H, जू D, जो L. **वडवानल**–वडवांनल A **समइ**–समिइ B, समि C D. **तउ**–तोई A, तुहि B, तु C D J, तुए H. **कान्हड**–कान्हड A C, काहान B, कांहांन H, कान्ह K, कान्हडई L. **तुरकांनइ नमइ**–तुरकां न नमइ A, न तुरकह नमिइ B, तुरकांनि नमि C, तुरकनइं नमें D, तरककू नमइ H, तुरकनि नमि J, तुरकानइ नमइ L. C interpolates the following two verses after 14 :
सूर्यकांत जु हुइ सांम मेरु महीधर छंडि ठाम। जु विस्वानर टाठउ थाइ तु कांन्हडजी लागि पाय ॥
पातसाही ताहरी परिमांण जु कान्हडजी मानि आण। कान्हजीना गुण केता भणुं हवि जाणीसि बल तुम्ह तणुं ॥

१५ **कान्हडदेवि**–कांन्हडदेवि A, कसी कान्हडदे B, कांन्हडदेई C, काहनडदे D, कांहान तणी J, कांहानडदेवि H, कान्हडदे L. **कही परि**–परि कही B, कहीइ परि D, परि कहीइ J. **किसी**–कसी H. **समीयाणा**–सेवाणा B, समीआणा C H J, समीआंणा K. **केहउ**–केहु A B C, कीहुं D, तेह H, कहु J, किस्यउ L. **गर्व**–गरव H J. **तुम्हे**–तह्मे B H, तहमे D, किसिउ J. **मनि**–म म H. **धरउ**–धरु B C D J, धरयउ L. **सात**–सत्त B, साते D. **वरसि**–वरस B, वरसे C D J K L, माहसे H. **लीधउ**–लीधु A B C H J, लीधूं D, लीधो L. **डूंगरउ**–डूंगरु B C J, डुंगर D, डुंगरु H, डुंगरउ K, डूगरो L.

सांतलसीह हुंतउ झूझार, तिणइ कटक करिउ सिंघार।
कान्हडदेनउ किसउ वषाण, हठि चडीउ हाकइ सुरताण ॥ १६

हूं चालवूं बुद्धि आपणी, जालोरउ गढ नाषूं षणी।
सूर ऊगंतइ दीवउ जिसउ, साम्हा गुरड भुयंगम किसउ ॥ १७

साम्हा सीह किसी गजमाल, झंपइ दव जिम वर्षाकाल।
सेन तणी परि वालूं दोट, मारी प्राणि पालटूं कोट ॥ १८

साव दलइ चालिउ सुरताण, बार सहस वाज्यां नीसाण।
चाल्यां कटक दुदामां करी, षेह तणी दीसइ डामरी ॥ १९

---

१६ **सांतलसीह**–सातलसीह A C L, सांतलसी J, सांतिलसीह K. **हूंतउ**–हुंतउ A, हतु B C D J, हुतु H, हतउ K, हुतो L. **झूझार**–अति झुझार J, झूझारि L. **तिणइ**–तीणइ A, तिणिई B, तेणि C, तिणिइ D, तिणि H J, तिण L. **कटक**–कटकि A. **करिउ**–कीउ A B, कीधउ D L, कस्यउ K. **सिंघार**–सिंहार A B C, संहार H, संघार J, संघार K L. **कान्हडदेनउ**–कांन्हंडदेनिइ A, कान्हडदेनुं B, कांन्हडदेनुं C, काहनडदेनु D, कांहानडदेनु H, कान्हडदेनु J, कान्हडदेनउ K. **किसउ**–किसूं A B, करुं C, किसु D K, कसउं H, किशुं J. **वषाण**–वषांण C D J K, वखाण L. **हठि**–हठइ D, हठ H K. **चडीउ**–चडिउ B J, चढिउ C, चडी D, चडियउ K, चढियो L. **हाकइ**–छिइ किसु B, हाकि C H J. **सुरताण**–सुरतांण C D J K, सूरतांण H, शुरितांण L.

१७ **हूं**–हुं A D, हू H, हु K L. **चालवूं** em–चालाविस A, चालुं B D, चाल्वुं C H, चलावूं J, चालुवु K, चालवंउ L. **बुद्धि**–बुधि D H K L. **आपणी**–आंपणी D. **जालोरउ**–जालेहर B, जालहुर C D, गढ जालहुरउ H, जालुहुर J, गढ जालउर K, जालेरो L. **गढ**–...C H K. **नाषूं**–नाषिस A, नांषूं B, नाषुं C D L, नाषु H, नांषुं K. **षणी**–षिणी K. **ऊगंतइ**–ऊगमइ B, ऊगति C J, ऊगमतइ D, ऊगमति H, ऊगतइ L. **दीवउ**–दीवु A B H J, दाठउं K, दीठउ L. **जिसउ**–किसु B, कसिउ C, इसिउ D, जासिउं H, जिसिउ J, किसउ L. B omits iv qr. **साम्हा**–सांम्हा A, साहमु C D J, साहामा H, सांम्हउ K, साही L. **गुरड**–गरुड C, गुरुड D H J. **भुयंगम**–भूअंगम H, भोयंगम J. **किसउ**–तिसउ C, तिसिउ D, तसिउ H, जिसिउ J.

१८ **साम्हा**–सांम्हा A, साहामा B, साहमा C D, साहा H, साहंमा J, सीह L. **सीह**–आगिइ L. **किसी**–जसी I_1, कसी H. **झंपइ**–झंपिउ A, झांपि B, झंपि C H J, झपइ K. **दव**–दिवस L. **जिम**–यम C H, शमि J. **वर्षाकाल**–वर्षाकालि D, बरषाकाल H K. **सेन**–सेत A, शेन H, सीह J, सेष K. **परि**–परिं C. **वालूं**–वाल्हुं B C, वाल्हु D L, वालू H, चालुं K. **दोट**–डोट B J, मोट C. **मारी**–मारि D. **प्राणि**–प्राणि C J, पांणि D, प्राण K, पाण L. **पालटूं**–पालटुं A L, पालटउं B, छंडावुं C K, छंडावु D, पालटुं H, छंडावूं J. **कोट**–कोटि L.

१९ **दलइ**–दलि B, दलि C D H, दलिउ J. **चालिउ**–चालु A, चालुउ H,...J, चाल्यो K. **सुरताण**–सुरतान B, सुरतांण C D J, सूरतांण H, सुरितांण K, शुरितांण L. **बार**–साठि K. **वाज्यां**–वागां B H J, वागा C, वाजइ D, वाज्या L. **नीसाण**–नीसांण D H J, नींसांण K. **चाल्यां**–चाल्या C D L. **कटक**–गटक A. **दुदामां**–दमांमां B J, दमांमा C K, ददामा D, ददामां H, दुमामा L. **षेह**–छेह C. **दीसइ**–दसी B D J K, चाली C, दीसि H. **डामरी**–डांमरी A C H J K.

गमे गमे घण धाडां धाइ, नाठा लोक दहोदिसि जाइ।
चालइ एक पाधरइ फेरि, कटक पुहुतां बाहडमेरि॥ २०

जाण्यउं राउ घणउ अम्हे नडीउ, मारू देस घणु ऊजडिउ।
जई त्रागालउ आविउ हेरि, पड्यउ हाथ तव बाहडमेरि॥ २१

पातसाहि दीधउं फुरमाण, लूसी नगर दीउं मेल्हाण।
ब्राह्मण सहिस पंचतालीस, पृथिवी देव अवतरीया जैस॥ २२

भणवा तणउ न आणइ पेद, अंग सहित छइ च्यारइ वेद।
ब्राह्मण तणां भलां आचरण, जिहां वरतइ आठइ व्याकरण॥ २३

---

२० **गमे गमे**–गमे २ B D L. **घण**–भड B C D H J L. **धाडां**–धाडा C K L. **धाइ**–जाइ A, धाय C H J. **नाठा**–नाठां B, नाठा J, न्हाठा L. **दहोदिसि**–दहोदशि C, दुह दसि D, दह दसि H, दहु दिसि J, दह दिशि L. **जाइ**–जाय C J **चालइ**–चालिइ B, चाल्यां C H, चालि J, चाल K, चालए L. **एक**–कटक H, इक K. **पाधरइ फेरि**–पाधरा फेर A B, पाधरि फेरि C, पाधरा फेरि H J, पाधारइ फेर K. **कटक**–वेगि H. **पुहुतां**–पुहतां A, पुहुता B L, पुहतां C, पुहतुं D, पुहता H, पहुता J, पहुता K. **बाहडमेरि**–बाहरमेरि A, बाहडमेर B D K, बाहडरमेरि H, चांपानेरि J.

२१ B L omit vs 21. In K vs 22 precedes 21 **जाण्यउं**-जांणउ A, जांणु C, जाणइ D, जाणिउं H, जाण्यूं J, जांण्यउं K. **राउ**–राय D H J K. **घणउ अम्हे**–घणउ अम्ह A, अम्हे घणुं C, अम्हे घण D, घणू अम्ह H, अम्हे घणूं J, घणउं अम्हे K. **नडीउ**–नडिउ C D H नड्यु J, नड्यउ K. **मारू**–मारु C H. **देस**–देश C J. **घणु**–घणुं C D, घणू H, घणूं J, घणउ K. **ऊजडिउ**–उजडिउ D, ऊजडिउं H, ऊजड्यउ K. K interpolates मारू देस घणउं अम्हे नड्यउ between qrs i and ii **जई**–जे D, जइ H K, जे J. **त्रागालउ**–त्रागालु C H, गालुं D, त्रिगालु J, त्रिगालउ K. **आविउ**–आव्यु A H, आव्यउ K. **हेरि**–आहेर D. **पड्यउ**–पडीउ A, पडिउ C H, पाडिउ D, पड्यु J. **बाहडमेरि**–बाहडमेर D K.

२२ **पातसाहि**–पातसाह B D H K, पातशाहनूं J, पातिसाहि L. **दीधउं**–दीधूं B, दीधुं C D H, हवूं J, दीधु K, दीधउ L. **फुरमाण**–फुरमांण D K, फरमाण H J, फुरिमाण L. **लूसी**–लूशीयां A, लूंश्या D, लूस्यां J. **नगर**–नगरी D **दीउं**–दीउ C, दीऊं J, देयुं K, दिउ L. **मेल्हाण**–मेहलाण B, मेल्हाण C J, मल्हांण D, मेहलाण H. **ब्राह्मण**–ब्राह्मण A B K, ब्राह्मण C, ब्राह्मण D, महास्थान J, बाह्मण L. **सहिस**–सहस A C D H,...J, सहस ते L. **पंचतालीस**–पंचतालीस तेय B, पंचतालीस थई C D, पचितालीस H, पंचतालीसि थई J, पचतालीस L. **पृथिवी**–पृथ्वी A, प्रथवी D H K, प्रथीवी J, प्रथम L. **देव**–वेद A, देवि C. **अवतरीया**–अवतरिया B H J, अवतर्या C D K. **जैस**–जेह B, जई C D J, जगीस H, ईस K L.

२३ **भणवा**–भणईवा D, भणइ K. **तणउ**–तणा B, तणु C D H J, वात K, तणो L. **न**–नइ K. **आणइ**–आवि B, आणि C H J, आवइ D, आयउ K. **पेद**–छेह J, द्वेष L. **अंग**–अर्थ C, अंगे D. **सहित**–सहीत D, सहत H. **छइ**–छि B, मुखि C, मूखें D, नि J, मुष K. **च्यारइ**–च्यारि B H J. **वेद**–वेदि L. **ब्राह्मण**–ब्रह्मणां A, ब्रांह्मण C J, ब्राह्मण D K, विप्र H, ब्राम्हण L. **तणां**–...A, तणि B, तणा C D H L. **भलां**–चालि B, भला C D L, वारु H. **आचरण**–आचारि B, आचर्ण C, आवर्ण D. **वरतइ आठइ**–आठि वरति C, वर्तइ बेठा D, वरति आठि H J. **व्याकरण**–व्याकर्ण C D H. iv qr in B is: शास्त्र [illegible] छि संसारि; iv qr in L is: ते मुष भला समृत व्याकरण.

भिन्नमालनूं किस्यूं वषाण, विद्या चउद अढार पुराण।
आयुर्वेद भरह संगीत, ज्योतिष पिंगल विषय विनीत ॥ २४

बाजी नाटक विद्या घणी, ब्रह्मपुरी चहूआणा तणी।
श्रीमालीनां गिरुआं गोत्र, घरि घरि अवसथ अग्निहोत्र ॥ २५

स्मृतिविचारना जाणइ मर्म, नितु नितु आचरीइ षट्कर्म।
इंद्रादिक देवनउ विभाग, भिन्नमालि नितु कीजइ ज्याग ॥ २६

भेव्यां पातिक जाइ नासि, धोती ऊगाइ आगासि।
साजां त्रंबालू छइ हाथि, सष्य भणंता जाइ साथि ॥ २७

---

२४ भिन्नमालनूं em–भीनमाल्नू A J, भीनमालनुं B C, भीन्नमालनु D, भीनमालनु H, भिन्नमालनुं K, भिन्नमालनउ L **किस्यूं**–कहुं A, कस्यूं B, कसिउं C, किसुं D K, कसिउ H, किहूं J, कहुं L **वषाण**–वषांण C D J, वीषाण H, वपाणि L **विद्या**–वद्या H. **चउद**–चौद B C D J, चेद H, चवद K, चउंद L **अढार**–तणूं J. **पुराण**–पुराण C D H K, निधान J पुराणि L **आयुर्वेद**–आयुवेद नट D, आयूर्वेद H, आयुवेद L **ज्योतिष**–द्योतिप B, योतिक C, यातकि D, योतिप H J, जोतिक L. **पिंगल**–प्यंगल H, वैद्यक J. **विषय**–विधि B, भरह D, विप्र K, नइ L **विनीत**–वनीत H, राजनीत L

२५ बाजी–विजया A, बीजी B L, बीजा C, पाजी H, वाजी J **नाटक**–नाटिक C D H J **विद्या**–वृंदा B, वीद्या D, वद्य H. **ब्रह्मपुरी**–ब्रंम्हपुरी A, ब्रह्मपुरी B, ब्रह्मपुरी C, ब्रेह्मपुरी D, ब्रमपुरि H, ब्राह्मणपुरी K **चहूआणा**–चहूयाणा A, चहूयाण B, चहूआणह C, चहुआणह D, चहूआणां H, चहूआणह J, चहुआंणां K, चहुयाणा L **श्रीमालीनां**–श्रीमालीना C D **गिरुआं**–गरूआ A, गिरुया B, गिरूया C, गिरूआ D, गिरूआ J K, गरुआ L. **घरि घरि**–घरि २ A C D J K L **अवसथ**–अवशक A, आवसत B, अवस्य हुइ C, अवेसथि D, आवस्थीनइ H, आवसिक J, आवश्यक K, उछवनइ L. **अग्निहोत्र**–अग्निकहोत्र A, अगनहोत्र H, अग्नहोत्र L

२६ स्मृति–सम्रत D, स्मृत्य H, स्मृत K, सम्रुति L **विचारना**–विचारनूं A, विचारनु B D H J, विचारनउ K, विचारि L **जाणइ**–जाणि B C, जांणइ D K, जाणिइ H, जाणि J, जाणीयइ L. **नितु नितु**–नितु २ A B D J, नित्य २ C, नित नित H, नित २ K L. **आचरीइ**–आदरीइ B, आचरि C, आचरीइं D, आचरियइ K, आचरिय L. **षट्कर्म**–षट कर्म C J, षट कर्म्म D K, षट्‌ कर्म L **इंद्रादिक**–इद्रादिक H, यंद्रादिक L. **देवनउ**–देवनु B D H J, नु प्रथम C **विभाग**–भाग J. **भिन्नमालि**–भींनमालि A, भिन्नमाल B K, भीनमालि C, भीन्नमाल D, भिनमाल H, भीनमाल J, भीन्नमाल L **नितु**–नित A H K L, नित्य C. **कीजइ**–कीजि B C H J. **ज्याग**–याग B C H J L.

२७ भेव्यां–भेटीयां A, भोटां B, भेटि C, भेटें D, भेटियां H, भेव्या J L. **पातिक**–पातक A, पातिग D **जाइ**–जाइं K. **नासि**–नाश B J, नाशि L. **धोती ऊगाइ**–धीती ऊगाइ A, ऊगाइ धोतीया B, धोती ऊगवि ते C, धोतिऊं ऊगाइ D, ऊगाइ धोती H L, धोवती ऊगाइं K. **आगासि**–आकाशे B, आकाशि C K, आकासि D, आंगासि H, आकाश J, आगास L **साजां**–झाझा A, साहि B, माज्या C, म्माज्या D, साज्यां H, मांज्यां J, साजा L. **त्रंबालू**–त्राबालूयां B, त्राबू C, तंबालू K. **छइ**– B, छि पणि C, सइं D, छि H, सि J. **सष्य**–शिष्य B C, सस्य D J L, सस्या K. **भणंता**–मणंता J. **जाइ**–जाइ A, आवि B C, जाइं K, जायइ L.

सहस अठ्यासी आगइ सख्या, जाणे वली तेहजि अवतख्या ।
लिषमी तणउं इसूं वरदान, एह घरि षूटइ नही निधान ॥ २८
भिन्नमालि श्रीमाली वसइ, पद्मनाभ पुहविइ वर्णवइ ।
भांषरियइ ते करिउं वषाण, हियइ वात धरइ सुरताण ॥ २९
गोरी मलिक दीउं फुरमाण, रूडउ भायलु आगेवाण ।
साम्ही रातिइ आगलि थयउ, भिन्नमालि आव्यउ बूंबीउ ॥ ३०
फेरिउ वीर पाडीउ त्रास, विप्र विछेदि करज्यो नास ।
कीजइ होम दोहीइ गाइ, तउ नासीजइ व्याहणा माहि ॥ ३१

---

२८ सहस-सहस्र B, सहिस K. आगइ-आगि B C J, आगे D, आगइं L. सख्या-सरिया B J, सरीया H, सख्यां L. जाणे-जांणे A C H J K, जि गुण D. वली-वलि D तेहजि-ते B, तेहज C H K L, तेहे D, तेह J L transp as तेहज वली अवतख्या-अवतरिया B J, अवतरीया H, अवतख्या L. लिषमी-लिक्ष्मी A, लषिमी B, लक्ष्मी C D J, लक्ष्मीमी H तणउं-तणां B, तणुं C K, तणु D, तणू H, तणूं J, तणउ L. इसूं-इस्यां B, असुं C, इसुं D K, इसिउ H, ए J, इसउ L वरदान-वरदांन A H J K, वरदांण D एह-तीहां A,. B, इहां H, जिहां K, तिणइ L घरि-. . B. षूटइ-छूटि B, षूटइं D, षुटि H, षूटि J. नही-नहीं कहींइ B, नहि D, नहीअ J. निधान-धांन A, धान B, निधांन C H J K, नीधांन D.

२९ भिन्नमालि-भिंनमालि A, सुखवासिं B, भीनमाल C H J, भीन्नमाल D, भिन्नमाल L. श्रीमाली-भिन्नमालि B, श्रीमालीं K,...L. वसइ-वसइं A L, वसि B J, बिसणि C. पद्मनाभ-पदमनाभ C J, पदमनाभि K. पुहविइ-पुहवि A C, पंडित B H J, पहुवइ K, पुहवे L वर्णवइ-वर्णवइं A, वर्णविइ B, ईम भणि C, वर्णवि H J. भांषरियइ-भाषरीइ A C, भाषरीए B, भाषरीइं D, भाषरीइ H, भांषरीय J, भाषरिउ L. ते-तिहां B, त J करिउं-कहं B D, कस्युं J, कस्यउं K, करु L वषाण-वषाणि C, वषांण D J K, वखाणि L. हियइ-हीइ A, हुई B, हईइ C, हीडइ D, हइइ H, हईडि J, हीयइ L. वात-वात ए B. धरइ-धरि B, धरी C D H J L. सुरताण-सुरताण A D K, सुरिताण B, सुरतांणि C, सरतांणि H, सुरतांनि J, शुरिताण L.

३० गोरी-गौरी B, गोहरी J. मलिक-मलिकनइ A, मिलक L. दीउं-दीउ H, दीऊं J, दियउ K, दीयो L. फुरमाण-फुरमांण A D K, फुरिमाण B L, फरमाण H J. रूडउ em-रूदउ A, रल B, रूडु C D J, रूल H, रूलु K, सल्हो L. भायलु em-भायल A C, भावलिइ B, भाईलुं D, भाइल H, भाईलु J, भायिलउ K, भावलिउ L. आगेवाण-आघेवाण B, आंगेवाण C, आगेवाण D K, आगेवांणि H, अगेवांणि J, अगिवाण L. साम्ही-साहामी B, साह्मी C K, साहसी D, हांसमी H, साहमी J. रातिइ-राति A C H J, रातिं B, राउत D, रातइ K. आगलि-आगि H, साम्हो L. थयउ-थउ A, थयु B C H J, थयुं D, थयो L. भिन्नमालि-भिंन-मालि A, भीनमालि B D H J, भींनमालि C, भिन्नमालइ K, भीनमाल L आव्यउ-आविउ B D H, आव्यु C J, आव्योउ L. बूंबीउ-बूबीउ A, बुंबीउ H, बुंबियउ K, बूबीयो L.

३१ फेरिउ-फेरवउ A, फिरिउं B, फेरिउं C, फेरवा D, फिरी K. वीर-वीर A B C D L, वीट K. पाडीउ-पाडियउ K, पाडियो L. विप्र-विप्र D विछेदि-विछेद A, विच्छेदि C, वेगि D, वछेदि H, विछेदइ K. करज्यो-करेज्यों A, करयो B C H J, करजो D K, कराव्यउ L. नास-नाश B K, नावास D, नासि L. कीजइ-कीजि B, दीजि C H J, दीनइ D. होम-हाम D. दोहीइ-दोहीजि J, दोहियइं K, आपीये L. गाइ-गाइ D, गाय H J, गाम L. तउ-तु B C D H J. नासीजइ-नासीइ ज A, नासीइ B D, नासीजि H J, नासीउयइ K. व्याहणा-व्यांहणा A, विहाणा B H K, वांणा C, वाहाणा D, व्याहाणा L. माहि-मांहि C J.

आव्या तुरक पाड्डूउं करिउं, सूतुं नगरि सहू को धरिउं ।
गोरी मलिक घणेरी हाम, ताषति करी लगाडिउं गाम ॥ ३२

वल्यां कटक नइ ऊग्यउ भाण, गढ जालहुरि हूउं तु जाण ।
कान्हडदे राउल इम भणइ, हवइ ऊगरइ किसिउं आपणइ ॥ ३३

पातिसाहनी जोउ वात, देहरासरि कीधउ उपघात ।
ब्राह्मण जई मूकावउं आज, जीवी किस्यूं करेवउं काज ॥ ३४

हिव आपणनइ आवइ षोडि, वेगि मसाहणी घोडां छोडि ।
साल्हउ सोभउ अति बलवंत, लषणउ सेभटउ अति जइवंत ॥ ३५

---

३२ आव्या–आव्य K, आव्यउ L तुरक–असूर H. पाडूउं–पाहूउ B L, पाडूउं C D H, आषाडुं K. करिउं–कीउं A, करिउ B H L, करि D J, कर्युं K सूतुं–सूतुं C D, सूति H, सूनूं J, सूतइ K, सूतउ L. नगरि–नगर B C D J L सहू–सहु K को–ते L. धरिउं–धरि D, धरिउ H, करि J, धर्युं K, धरथउं L. गोरी–गौरी B, गोहरी J मलिक–मिलक घणेरी–घणेरि D हाम–हांम C D H J K. ताषति–ताषनि H, भार्षति K, ताषित L. लगाडिउं–लिगाडउं A, लगाडि H, लगाड्यं J, लगाड्यउ K, लगाडिउ L. गाम–गांम D H J.

३३ वल्यां–वलिउं B, वल्योउ L. नइ–नि B C H J, नइं D. ऊग्यउ–ऊगिउ B D H, ऊग्यु C J, उग्यउ K. भाण–भांण A C J K गढ–गढि A. जालहुरि–जालोरि A, जालुहरि C, जालोरइ K, जारोल L. हूउं–हवुं B, तु हवूं J, हूउ K L. तु–त A, ते D, तां H,.. J K, छइं L. जाण–जांण C D H J K, जाणि L. कान्हडदे–कांन्हड A, काह्नडदे B, कांह्नडदे C J, काहानडदे H. इम–ईम J. भणइ–भणिइ B, भणि C J, भणई L. हवइ–हव A, हिम B, हवि C H J, हिव K L ऊगरइ–ऊंगरइ A, ऊगरिउं B C H, ऊगरि J, ऊगर्युं K, ऊगरयउ L. किसिउं–स्यउं A, कसुं C, कसिउं D H, किशूं J, किसुं K, किसउ L. J transp as किशूं ऊगरि. आपणइ–आपणइं A D, आपणिइ B L, आपणि C H J

३४ पातिसाहनी–पातसाहनी A C D, पातशाहनी B J, पातिसाहिनी L जोउ–जउए D, जोउए I, जोऊ J, जोवउ L. देहरासरि–देन्हासरि A, देहरासर B J L, मुझ देहरासरि C, देहरासरें D, देरासर K. कीधउ–कीधु B C J, कीधी D. उपघात–घात C, अपघात K ब्राह्मण–ब्राहाण A D K, ब्रांह्मण C J. जई–जइ जु न B, नि C J, नइं D K, नही H. मूकावउं–मूंकावुं B, मुंकावुं C, मूंकावउ D, मूकावु H, मूंकाव्यूं J, मूकावुं K. जीवी–जीवीइ A, हवि D, जीवीनि J. किस्यूं–किसूं A, किसुं C, कसिउं D H, शूं J, किसु K, किसिउ L. करेवउं–करेवूं B, करीसि C, छइं जीवीइ D, करेसि H, कीजि J, करीस्यइ K, किरेवउ L. काज–आज A, कज K.

३५ हिव–हवि B C D H J, हवइ K. आपण–आंपण A. नइ–नि B H J, पुं C. आवइ–आवि B C H J. वेगि–वेगि J, वेग L. मसाहणी–मसाणी A H J L, मसाणी D K. घोडां–साहण B H, घोडा C J K, साहिण L. छोडि–छेडि K, जोडि L. साल्हउ–साल्हु B C, साहलो D, भादलु H, सालु J, साहण L. सोभउ–सोभित A, सोभतु B, भोलु C, सोभ D, सोभु J, सोभति L. अति–अनि B, घनु C J, धनुं D, तिहां K, तूं L. बलवंत–बलवंति L. लषणउ–लाषण B, लषण H K L. सेभटउ–सीभटु B, सेवटु H. जइवंत–बलवंत B, थयवंत H, जयवंत K L. iv qr in C is: अजु अमु अनि जयवंत; in D is. घोडा लेई तिहां पुहुत; in J is: घोडा छोडी आव्या रेवंत.

महिप जइत देवडउ वषाणि, ए राउत सपराणा जाणि ।
एह तणउं बल जाणइ राय, ततषिण बीडां करइ पसाय ॥ ३६
राउल भणइ महिप मन जेडि, राजवंस छत्रीसइ तेडि ।
चाहूआण राय आयस दीइ, सवे वाघेला बोलावीइ ॥ ३७
सोलंकी राठउड प्रमार, जाणे झलहलमल्ल झूझार ।
बलवंता वारड नइ हूण, तेह तणइ मुषि मांडइ कूण ॥ ३८
चाउडा हरीयड डोडीया, वेगि करी रायंगणि गया ।
जयवंता यादव वीहल्ल, नर निकुंभ गिरूया गोहिल्ल ॥ ३९
तउ श्रीगिरणइ वांची वही, सवे बारगिरी तेजी लहइ ।
चाचउ सुहड सल्ल रहीउत, चउरासीया तेड्या सेलहुत ॥ ४०

---

३६ **महिप**–महिष L **जइत**–जित B C D, जयत H J, जयति L. **देवडउ**–देवड्डु B C D J, देवड्डुं H, देवडो L. J transp as देवड्डु जयत, L transp as देवडो जयति **वषाणि**–वषांणि D H. **सपराणा**–सपराणा A C D H, सपराणु B, सपरांणा K, सपराजाणा L. **जाणि**–जाइण H, जाणि J K. **एह**–इहा K **तणउं**–तणूं B, तणुं C, तणा D J, तणउ K L **जाणइ**–जाणि B C, जाणइ D H K, जांणि J. **राय**–राइ K L **ततषिण**–ततक्षण A C, ततपणि B, ततषिणि J, तर्तक्षिण K **बीडां**–बीडूं B C, बीटा D H K L, **करइ**–करउ A, करिइ B, करिउं C, करि H, कीया J, करैं K, हूउ L **पसाय**–पसाइ A, पसाउ J K L

३७ In H vs 38 precedes vs 37 **राउल**–राउत D J, राउलि L **भणइ**–भणि B C H J **मन**–मम C, न D, म J, मंनि L **राजवंस**–राजवंश B J K, राजकुली C **छत्रीसइ**–छत्रीसि B C H J, छत्रीसी D. **चाहूआण**–अनि चहूयाण B, चहूआण C J K, चहुयाण D, चहूआणा H **राय**–राउ A L, रा H **आयस**–आइस K. **दीइ**–दीयइ K L. **सवे**–सवि A H **बोलावीइ**–बोलावीइं D, बोलावियइ K, बोलावी लावीयइ L.

३८ **राठउड**–राठोड A, राठुड B D, राठड H **प्रमार**–परमार B C D H J, पमार K L. **जाणे**–जाणे A C, जाले B, जोंणे H, जाणि J. **झलहल**–झलहलता C D J, झलमहल H, कलह L. **मल्ल**–मल B H K,.. C D J **झूझार**–झूझारि L **वारड**–वारुट B, वाह K, बोरट L **नइ**–नि B C, हम J, भइं L **हूण**–वि हूयग B, हूंण C D H, कूण J, हुंणि L **तेह**–तोह D **तणइ**–तणि B C H J, तणे K **मुषि**–मुखि B, मुंषि C **मांडइ**–माडि B C H, मंडइ D, पिसि J. **कूण**–कुंण A D, कुण B C H, कूंण J.

३९ **हरीयड**–हरीयड नड A, हरियड B, हरीआ C, हरीअड D H, हरिआडा K, हरियाडा L. **डोडीया**–डोडीआ A C D H J, डोडिया K L. **वेगि**–वेगि C J, वेग K. **रायंगणि**–रंयंगणि A, राउ आगलि C, राउ अंगणि D K, राय अंगणि H, रा अगणि J, राउ अगण L. **जयवंता**–जियवंता C, जइवंता H. **यादव**–जादव H, सांषुला K. **वीहल्ल**–वीहल B H L, वीहुल D, वीहला K. **निकुंभ**–सवे A, निकुभ H, तिकुंभ K, कछवाहा L **गिरूया**–सपराणा A, रुडा C, गिरुआ H, गिरूआ J, गरूआ K L **गोहिल्ल**–गूहिल्ल A, गोहिल B H K L, गोहल्ल J.

४० **तउ**–तु B C D H J K L **श्रीगिरणइ**–श्रीगिरनइ A, श्रीगरणि B H J, श्रीगरणा C, श्रीगरणें D, श्रीगिरनी L K transp as श्रीगिरणइ तु **वांची**–काढि C, काढी D J K, वाची L **वही**–वहिइ B **सवे**–सवि B H, सेवे C **बारगिरी**–बारगीरी D, बारगरी H, बारगिरि J, बारगिर K **तेजी**–तेजि D, ते तेजी L. **लहइ** em–लहइं A, लहि B, लही C D H J K L. **चाचउ**–चाचु B C D H J, आव्या L. **सुहड**–सुहुड H, सहुड J, शुहड L. **सल्ल**–डुल्ल B, भलु C D J, सल H, सवे L **रहीउत**–रहाउते A, रहीत B, राउत C L, राउत्त J K **चउरासीया**–चुरासीया B, चुरासी C D J, चुरासीआ H, चउरास्या L **तेड्या**–तेडि A H, तेडिया B. **सेलहुत**–सेलहथ A, सेलहत्थ B L, सलुहत्त C, सेलुहल D, सेलहत H, सेल्हत K.

लूंढउ नइ रीछाउत पतु, अरसी मेर विजयसी सतु ।
त्रिणिसइ साठि गंगाजल तुरी, ए राउत चडीया पाषरी ॥ ४१
धांधुलोत्र सोमउ सुविचार, जेसल लषमण झूझणहार ।
इग्यारइ सइ किहाडा तुरी, ए राउत आप्या पाषरी ॥ ४२
मूलराज नइ मारू जाणि, अरजन वीहल वली वषाणि ।
बापल महीडउ मांटी भला, एक सहस दीधा चांपला ॥ ४३
धुंघलीउ नरसू बेयसी, करमणीउ माल्हण लूणसी ।
पन्नरसइ पाषरीया चंग, एह दीधा काल्लूआ तुरंग ॥ ४४
सोमाउत पांचउ अडवाल, लूणकरण जगसी जगमाल ।
एह राउत आपीया सुरंग, एक सहस नीलडा तुरंग ॥ ४५

४१ लूंढउ-लूंटइ A, लाहू B, लुंभु C, लुढउ D H, लीढउ J, लूढ K, लूदू L. नइ-नि B H J, नइं D. रीछाउत-रींछाउत B L, रीछेउ H, रींछाउत K, रीसालु J. पतु-पुत्र A, पनु C, पतुं D, पुतू K. अरसी-हरसी B, असी अजसी C, अजेसी D. मेर विजयसी-मेर वजेसी A, मेरु विजसी B J, मेरु विजयसी C, मेरु विजेसी D, मेर वर्जसा H, मेर विजइसी K, मेरि शिशिवे L सतु- C, पनु D. त्रिणिसइ-त्रीससिं B, त्रिणि C, त्रिणसइं D, त्रिहूसि H, त्रिणिमि J, त्रिणसइ K, त्रिहुसइ L. साठि-साठ C. तुरी-तुरि A ए राउत-तेहे राउत A D, एह राउत J. चडीया-चडिया B, चढीआ C, चढ्या D J, चडीआ H, चडि आव्या K, चढ्या L. पाषरी-षडी K.

४२ J L omit vs 42 धांधुलोत्र-धाधल्त B, धाधत्र C, धांधलुत्र D H, धांधलोत्र K. सोमउ-सेतु B, सोमु C D H सुविचार-सविचार B H जेसल-जेसु B C. लषमण-लषणा K झूझणहार-अति झूझार C D इग्यारइ सइ-इग्यारसि B, अग्यार सहस C, अग्यारसइं D, अग्यारसिइं H. ए राउत-एहे राउत C D, माण सहित H. आप्या-चडीया B, चढ्या C, चढ्या D, पइ H, चडी आव्या K. पाषरी-षडी K.

४३ मूलराज-मूलराजा H, मोलिराज L नइ-नि B H J, नइं D. मारू-मारु L. जाणि-जाणि D J K. अरजन-जीतु B, अर्जन C D J, अर्जने L वीहल-कालु C, छीह K. वषाणि-वषाणि C D H J K. बापल-बावल B, बारउ C D J, बापड H, बापिल K. महीडउ-हींदू B, बाघु C, वापु D J, महीडा H, महियलि K, महीडो L. मांटी-माटी C D L भला-भल्ला A, भलु B, भलउ L एक सहस-एक सहिस B K, त्रिणि सहस C, एह महस D, पन्नरइ सइ L. दीधा-दीधु B चांपला-चापल्ला A, चापलु B, चापला C D.

४४ धुंघलीउ-घूघलीउ C J, घुघलीउ D, घोघरीउ H, घूघर K, घूघलीयो L. नरसू-नरसु B C H J, नरसुत D, लीबउ K, नरसिय L बेयसी-बेइसा A, विजसी B, बेयसी C J, बे इस्या D H, वेजसी I, नइ षेतसी K, षेतसी L. करमणीउ-करमसीउ A, धर्मणीउ B, करमण C, कर्मणी H, करमणियउ K, कर्मणीयो L. माल्हण-आल्हण A L, कालु नइ C, आहलण H. लूणसी-लूणसी A, लूंणसा D H J, लुंणसी K. पन्नरसइ-पंनरहसइ A, पन्नरसिं B, पनरसि C, पनरसइं D, एक सहस H, पनसि J, पनरइसइ K, नरइसा L पाषरीया-पाषरीआ H, पाषरिया K L एह-इहा A B K, एहे C, एहा H दीधा-दीया A काल्लूआ-काल्लूया A B, कालुआ D, काल्वा K तुरग-तुंरंग A, तोरंग B, तोरिंग J.

४५ In B vs 46 precedes vs 45 H omits vs 45. सोमाउत-सोमाईत B, मेघ सोमाउत J. पांचउ-पांचइ A K, पाचमु B, पाचु C D J अडवाल-अडपाल B, डवाल J, अवाल L. लूणकरण-लूंणकर्ण C D, लूंणकरण J, लुंणकरण K, लूणकर्ण L जगमाल-अडमाल B, रिणमाल L. एह-इहां A, बलि B, ए D, इया K. राउत- . B. आपीया-आप्या B L, फूटरा C, आसु D, आपीआ J, आपिय K, सुरंग-ते सारंग B, सुचंग C D, सोरिग J, शुचंग L. एक सहस-त्रिणि सहस C, एक सहिस B K.

मेघउ लोलु नइ देवाइत, मूलराज महीयडउ जइत ।
वालि मांहि जे तेजी भला, एक सहस दीधा हांसला ॥ ४६
आल्हणसी वीरु सोमसी, सामंत नइ सहडु भीमसी ।
साल्हू महिपउ नइ महिपाल, वीरम वली म्लेछनउ काल ।
दीधां पाषर पूठि पल्हाण, पन्नरसइ बोरीया केकाण ॥ ४७
देवसीह भोजउ भड बेउ, अणतउ धडसी तेजउ जेउ ।
एक सहस पल्हाणा कीध, एह हरीयडा तेजी दीध ॥ ४८
गुहिलुत्र कान्ह नइ भाण, मुंजा धारा करूं वषाण ।
देववंस जे तेजी हूआ, पन्नरसइ दीधा जांबूआ ॥ ४९

---

४६ C omits vs 46. मेघउ-मेघ A B H, मेघु D J, सातल L. लोलु-सोम A B H, लग K, सोमाइतइ L. नइ-नि B H,...D J L. देवाइत-देवाईत B D J, देवाइन K. मूलराज-मूलराजनि B H J, मूजु राजु D, सूलराय K. महीयडउ-महीउ B J, महीआ D, महीडु H, महियड नै K. जइत-जइवंत A, जीत B, उत D, राउत J, जयत K, जयवंत L वालि-वाल K L मांहि-माहि D H K L भला-भला A. एक सहस-एक सहिस B K, एक सहसा L. दीधा-दीधा D हांसला-हांसला A, चापला D, चांपला J.

४७ C omits vs 47 a. The order in D is 47c, 48a, 47a, 47b. आल्हणसी-आलणसी H, आल्हण L. वीरु-वारू B J, वीरउ K, वीरो नउ L सामंत-सामंत A, सामंतु B, सांतल H, सामतसी K, सामल L. नइ-.. B K, गुणु D, नु H, गु J. सहडु-सबल B D J K L, सकतु H. साल्हू-सालु B, साल्हु C D, साहलु H J, साल्हउ K, साल्ह L. महिपउ-महिप B H L, महिपु C J, महिपुं D. नइ-अनि B, नि C J, अनइ H L महिपाल-महीपाल C D H J. वीरम-रणिमल C. वली-सोमउ A, वीर J. म्लेछनउ-मलेछह A, मेछनु B H, मलेच्छनु C, म्लेछनु D, मलेछनु J दीधां-दीधा B K, C, दीधी D L. पाषर-पाषरीआ C पूठि-पुंठि C पल्हाण-पलाण A L, पल्हाण C D J, पहलांण H, पलांण K. पन्नरसइ-पंनरसइ A, पंनरसिं B, पनरसि C J, पनरसिंइं D, एक सहहस H, पनरहसइ K, पन्नरइसइ L बोरीया-बोरीआ H, बोरिआ K. केकाण-केकांण D H J K.

४८ देवसीह-देवसीउ B. भोजउ-भोजु B C D H J, भोजो L बेउ-बेय C D H, भलु J. अणतउ-अणतु B H, अनंत C, अणंतु D, आणो L. धडसी-कडसी B तेजउ-धारु B, तेजु C D H, तेजो L. जेउ-जेअ A H, तेय C D, तेउ K ii qr in J is धडसीह जी ति एकलु. एक सहस-एक सहिस B K, त्रिणि सहस C. पल्हाणा-सपलाणा A K, पल्हांण्या C, पहलाणा H, पहण्या J, उपलाणा L. कीध-वीध B, किधइ L. एह-इहां A, एक B, एहे C, इह L हरीयडा-हरीयाडा A, हरीडा H, हरियडा K, हरियाडा L.

४९ i qr in C is हींगोल मूंगल नि वली भांण गुहिलुत्र-गिहिलोत्रा A, गहिलुंउत D, गहिलुत्र H, गहिलु J, गहिलउत्र K, गहिलोतु L कान्ह-कांन्हड A, कुहिउ B, कान्हु D, काहांनु H, कांन्हडदे J, कूंभो L. नइ-बेहू B, नि D J, नइं L भाण-भांण A C D J K, भला B, भांणं H. मुंजा-भोजा A, मूंजा C, मुजा H, मांजा J, मूजा K, मूधा L धारा-धारी D, धार J. करूं-करुं A C D K, वलू H. वषाण-वषांण D J, वषांणू H, वखाणि L. ii qr in B is: मूला राजा बे निर्मला. देववंस-देववंश B J, देववंशी C. जे-...H, ते J. हूआ-हूया B, हुआ D, हौआ J. पन्नरसइ-पनरहसइ A, पंनरासें B, पन्नरसि C, पनरसइं D, एक सहस H, पनरसि J, पनरसइ K, पन्नरइसइ L. जांबूआ-जांबूया A C, जाबुंआ K.

पातल पूनराज रिणमल्ल, सामंतसीह नइ साहणमल्ल ।
एक सहस कुलथवना तुरी, एह राउत आप्या पाषरी ॥ ५०

वाहड बूजड नइ हम्मीर, सींघल भट्ट भीमउ वीर ।
जीण धरी साहणता गया, एक सहस सेराहा दीया ॥ ५१

झांझण नइ पातु पडिहार, धीरउ वीकउ सांतल सार ।
पाणीपंथा पूठि पल्हाण, एक सहस दीधा केकाण ॥ ५२

पूनउ भारमल्ल भुज प्राणि, मूंजु राजु वली वषाणि ।
वाहर समइ कोपि धडहड्या, ए काछेले तेजी चड्या ॥ ५३

---

५० **पातल**–पातल्ल A, पांतल H, पातिल K **पून**–पूंनउ A, पूजु B, पुंन C, पुनन H, मल J, पुनू K, नइ L. **राज**–रात A, राणु B, जा J, राजो L **रिणमल्ल**–रणमल्ल B D, रणिमल C, रणमल H, झांझणमल्ल J. **सामंतसीह**–सांमंतसीह A L, सामतसीह B H, सागु C, सांगु D J, सामतसी K. **नइ**–नि B H, चागु C, वांगु D, चांगु J, अनइ L. **साहणमल्ल**–सहसमल्ल A B, साहसमल H, सहिसमल्ल K, सहसमल्लि L. **एक सहस**–एक सहिस B K, एक सहसे L **कुलथवना**–भुगवन्ना B, कलथवन्ना C, कलरावना H, कुलथना J, कलथवंना K. **एह राउत**–ए राउत D K.

५१ C omits vs 51 a. **बाहड**–चाहड A B K, वाहड D, चाहल H **बूजड**–बजु A, बजूड D, बूजु J, बजू H L, बाहड K **नइ**–नि B J **हम्मीर**–हमीर A H J, हंमीर D, तेह हमीर L **सींघल**–सिद्धि B, सिंघल D, सीघल H, शंघल J, सीघउ K **भट्ट**–भलावु B, भाट्टु D, भागुवु H, भादु J, भलउ नइ K, भामो L. **भीमउ**–भीमु B D J, भावो L B omits vs 51 b. **जीण**–जाक C J L, जके D, वाघ H. **साहण**–साण D, साहण J, साण K, सासण L **ता**–हिंथा C, हिथा D, त्रां J, हत K, दित L **एक सहस**–त्रिणि सहस C, एक सहिस K. **सेराहा**–सेराही C J, सीरोहा K, सेराहइ L **दीया**–दीआ H, दिया K.

५२ C omits vs 52 a. **नइ पातु**–नइ पात A, नि पातु B H J, पातु नि D, नइ पातो K, नइं पातो L. **पडिहार**–पडीहार B, पडीआर H J, पडियार L. **धीरउ**–धीर A, धीरु B L, धीरुं D, धीलउ J, झाझउ K. **वीकउ**–वीकम A, वीकु B, वीरु D, वीरउ H, वीलउ J. **सांतल सार**–सातल सार A, सातलु सार B, सातिल सार K, सामल सार L. **पाणी**–पांणी A B H J, पाणि D K. **पूठि**–पुंठि C, पूंठि D. **पल्हाण**–पलाण A K, पल्हांण C D J, पहालांण H, पल्याणा L. **एक सहस**–एक सहिस B K, पंनरसि C. **दीधा**–दीधां B. **केकाण**–केकांण B C D H K.

५३ C omits vs 53a. **पूनउ**–पूनड A B, पुंनु D, पुंनड H, पूनु J, पुनउ K, पूनो L. **भारमल्ल**–भारमल A H J L. **प्राणि**–प्रांणि K, प्राण L **मूंजु**–मूलु B J, मुजु D, मुंजउ H, मूंजा K, मूज L. **राजु**–राय D, रासल H, रायमल I, रासिल J, राइ K, राज L. **वली**–सिवउ A, सल्वली D, सल्ल K, वळी करू L. **वषाणि**–वषांणि D H J K, वषांण L. **वाहर**–वाहड D, वाहार H, सेवे L. **समइ**–समि B H J, सूर C, समइं D, राउत L. **कोपि**–कोप H, कोपिइ L. **धडहड्या**–धडहडीया A, धडहडियां B, धडहडइ D. **ए**–ते B, एके C L, एक D J K, एह H. **काछेले**–काछोणे B, काबोल C, काछेलि J, काछयल L. **तेजी**–तुरंगमि D. **चड्या**–चडियां B, चढ्या L.

लाषणसी साल्हउ धारसी, धारउ मूंजिग नइ पदमसी ।
एकाएकि नाम जूजूआ, इहां आप्या तेजी सिंधूआ ॥ ५४

मेरउ तेजउ नइ सामंत, बारहीउ गोल्हण बलवंत ।
एह आगिला बुद्धिबल प्राणि, सवि चडीया करडइ केकाणि ॥ ५५

सूरउ वीजल लींबउ भणूं, कडूया षीमा मांटीपणूं ।
पूठिइ पंचवर्ण पल्हाण, एह आप्या अबरस केकाण ॥ ५६

वीरउ भडसी नइ मोषसी, कुंअरपाल लोलउ षेतसी ।
पवनवेगि जे चालइ चंग, ईहां दीधा तोरकी तुरंग ॥ ५७

---

५४ C omits vs 54 a. **लाषणसी**–लाषण J. **साल्हउ**–साल्ह B L, साल्हु D, माहालु H, साहलंन J. **धारउ**–धारु B D H J, धारू L. **मूंजिग**–मूजिग B K, मूंजि D, मुजिग H, पूजु J, मृज L **नइ**–नि B J, नई D, अनइ L. **पदमसी**–पदमसि D **एकाएकि**–एकएक B, एकएका H, कविता कहइ K, एक २ L. **नाम**–नामिं B, नामि C, नाम D J, नामइ L. **जूजूआ**–जूजूया A, जूजूया B D, जूजूआ H J K **इहां**–ईहा B, ए C, एह D J L, तिहा K. **सिंधूआ**–सिधूया A, सींधूया B, सीधूया D, सीधूआ H, जूजूया J, जूजूआ K, सिधूआ L.

५५ C omits vs 55 a **मेरउ तेजउ**–मेरु तेजु B D H J, अमरो तेजो L **नइ**–नि B H J, नइं D. **सामंत**–सामंत A K. **बारहीउ**–बरहउ A, बारही K, बारहठीयो L. **गोल्हण**–गेह्लण B, गोहण H, लोहण J, गोलण L. **बलवंत**–अति बलवंत A, जयवंत D J K **एह**–ए B L, C D J. **आगिला**–आगइ A, आगलि C, आगला D, आगली J, अगइ L **बुद्धिबल**–बलवंता A, बुंदि बलनि C, सवि बुधिबल D, बलबूधि H, बुद्धिबलह J, बुधि K, बलबुधि L **प्राणि**–प्राणि C D, प्रमाणि H, प्रमाणि J K. **सवि**–सवे C J,...D. **चडीया**–चढ्या C, चडिआ सघला D, चडीआ H J K, चढिया L **करडइ**–करडे A C H, करडि B J, करड D. **केकाणि**–केकाणि A D J, केकाण C H K, केकाण L.

५६ B C K omit vs 56 **सूरउ**–सूरु D J, सीरो L **वीजल**–वीजड A D. **लींबउ**–लींबु D, लीबु H, कडूउ J, लीबो L. **भणूं**–भणउं A, भणुं D, भणू H. **कडूया**–कडूया A, कडूआ D H, कडूउ L. **षीमा**–षीमो L. **मांटी**–माटी D L. **पणूं**–भल्ला A, घणुं D. **पूठिइ**–पूंठिइं D, पूठि H, पूठि J. **पंचवर्ण**–पंचर्ण A **पल्हाण**–पलाण A L, पल्हांण D J, केको पहलांण H **एह**–ईहा A D, ए H. **आप्या**–आरव्या H. **अबरस**–अबस D, आबरस H, हबस I, अबलष J. **केकाण**–केकांण D H J

५७ C omits vs 57 a. **वीरउ**–वीरु B H, धीरुं D, धीरु J, वीरो L. **भडसी**–लडसी J. **नइ**–नि B J. **मोषसी**–षीमसी J, माषसी K. **कुंअरपाल**–कुरपाल A, कूंयरपाल B, कुंरपाल D K, कुअरपाल H, कुंमरपाल J, कुमरपाल L. **लोलउ**–लोलु A B D H, लालु J, षेतउ L **षेतसी**–षोषसी B, लषमसी J, लोहसी L. **पवनवेगि**–पवनवेगे D, पवनवेग K. **जे**–ये C,...K L. **चालइ**–चालि B C H J, चालइ ते K L. **ईहां**–इहा B, एहे C, एह D H J L, तिहां K. **दीधा**–आप्या A. **तोरकी**–तोरका A, तुरकी B J L, करडूआ C. **तुरंग**–तोरंग B H, तोरिंग J, तुंरंग L.

जइतकरण पूनउ जगमाल, दूदउ धडसी दुरजनसाल ।
षुरासाणि षिति षूंदइ प्राणि, तिस्या तुरंगम आप्या आणि ॥ ५८

कुंभउ करणउ सापु नइ फणउ, फणगर अदउ कर्णदे भणउ ।
मालु वींछीं अरजन जाणि, वीसु देभु वलीय वषाणि ॥ ५९

चाचु मांडण राघव हभु, राणु शाणउ कडूउ नभउ ।
हापु हरदास नइ सगर, सूरु मूलराज नइ फणगर ॥ ६०

हरराज देभउ नइ विजपाल, रामु रीछउ नइ नरपाल ।
सादउ दूदउ नइ सिवदास, मलकू सादूल नइ हरदास ॥ ६१

---

५८ C omits vss 58–65 **जइतकरण**–जितकरण B, जईतकर्ण D, जइतकाण H, जयतकरण J L **पूनउ**–पूंनउ A, पूनु B H J, पूंनु D, पूनो K L. **जगमाल**–जगमाल्ल A. **दूदउ**–हीदू B, दूदु D H J, दूदो K L. **धडसी**–घडसी A D K L, उधट H **दुरजनसाल**–अरजनमाल A, दुर्जनसाल B, दुर्जनेसाल D, दूजणसाल H, अर्जुनसाल J, दूरजनसाल K, दुर्ज्जनसाल L **पुरासाणि**–षुरसाणि A B, षुरसाण H, षुरसाणी K, षुरासाणी L. **षिति**–ध्रति A, क्षिति H, षति K, षित L **षूंदइ**–षूदइ A, षूंदि B J, षुंदइ D K, षुंदि H, षूदं L. **प्राणि**–प्रांणि D H J, प्राण L **तिस्या**–तिसा A H K L, इस्या D, इशा J **तुरंगम**–तुरग H **आप्या**–आपीआ H, सुंप्या L. **आणि**–आणि D H J K.

५९ **कुंभउ करणउ**–कुंभु करण B, कुंभकर्ण D, कुभु करणु H, कुंभकरण J K, कुंनउं करणउ L. **सापु नइ**–सापउ A, नि सापु B, सापु H, सापु नि J, सीपउ नइ K, सांषउ L. **फणउ**–फणु A B H J, फणुं D, फलउ K. **फणगर**–फरष H **अदउ**–अदू B, अदु D J, अड्ड H, उदइ K, अदो L **कर्णदे**–करणदे A B K, करदे H. **भणउ**–भलउ A K, भट्ट B, भलु D J, भणु H. **मालु**–वालु B, मालउ K, मालो L. **वींछीं**–वीछी B H L, वींछी D K, वछी J. **अरजन**–अर्जुन B J, अर्जन D, उर्ज्जन K. **जाणि**–जाणि D H J K. **वीसु**–वासु H J, वास K, वीसल L. **देभु**–देपु D J, देव K, देते L **वलीय**–वली B D H J K L. **वषाणि**–वषाणि D H J K.

६० **चाचु**–वाछउ J, चाचउ K, चाचो L. **मांडण**–माडण L **हभु**–जाणि A, हनु H, भलु J, इरदास K, हेव L. **राणु**–राणु A H, राणउ J K, राणो L. **शाणउ**–जोलउ A, राजु B, श्याणु D, जालु H, शाणउ J, जालप K, राजन L **कडूउ**–कान्हउ कडूउ A, कडुउं D, रामजी L. **नभउ**–नभउ प्राणि A, नभु B H, नभू D, नलउ J, जिणदास K, देव L **हापु**–देपु H, हालू K, हापो L **हरदास**– .L **नइ सगर**–नवघण सिवउ A, नि सगर B, अनइ सगर D, अनि सागर H, नि सारिंग J, नइं डूंगरसी जाणि L. iv qr in A is वीरम अजउ वीकु साग चापु गजु; in L is रिणमल्ल नइ रिउंपाल वषाणि. After iv qr A interpolates सीहु सिंघ नइ वणवीर (cf vs 62 iii qr) **सूरु**–मूलो K **मूलराज**–मूलु B, सूर K, नइ L. **नइ**–नि B J,...H, अनइ वलि K. **फणगर**–फणरंग J, अगर K.

६१ **हरराज**–हींदू राजु B, हराज D H J, हीरीराज K, जयल L **देभउ** em–वीभउ A, देभु B D H J, देवउ K, देभलउ L. **नइ**–.. B H K L, नि J. **विजपाल**–विजयपाल A L, जिपाल B, वजपाल H J, विजइपाल K. **रामु**–रांमु A H, रामो K, रामो L. **रीछउ**–रींछु B, रीछु D J, रीछो K, रूपो L **नइ**–नि B D H J, नै K. **नरपाल**–रिणपाल A **सादउ**–सूदउ A, सादू B D, सादु H J, सादो L **दूदउ**–दूदु B D H J, दूदो L. **नइ**–नि B H J, नइं L. **सिवदास**–शिवदास B L, शवदास H J. **मलकू**–मलिक A, मेलु D, मेल्ग J, मिलक K L. **सादूल**–मादल A, सादूलु H, सालदू J, सादल L. **नइ**–नि B J,...H, अनइ K. **हरदास**–ब्रह्मदास D, हरिदास L.

नउघण सिवउ वीरउ अजु, वांकउ सांगउ चांपउ गजउ ।
सीहु मूलग नइ वणवीर, देपउ केल्हउ नइ रणधीर ॥ ६२

राजु वीरमदे देवसी, लषमु उदयसिंघ षेतसी ।
गांगु गाजण नइ समरसी, लालु लाषु नइ वइरसी ॥ ६३

सोभउ सुहडउ सल्ल कर्णदे, वीकमु मुट्ठू कुरपालदे ।
कुम्भउ झांझण सलषुसिंघ, जागु धरणिग नइ नरसिंघ ॥ ६४

गांगउ गाजण नइ रामदे, छांछउ वाछउ नइ भीमदे ।
मोकल भादउ राजधर भीम, वेलाउत पेथउ नइ षीम ॥ ६५

---

६२ L omits vs 62 a **नउघण**–नवघण A, नुघण B D H J **सिवउ**–सी A, सादु B, शिवु D H, शवु J. **वीरउ**– .A, वीरम B, वीर D H, वीर J. **अजु**–अज A, अतु B, आजू D, नि अजु H J, नइ अजो K. **वांकउ**–...A, वाकु B D, वीकु H. **सांगउ**–सांग A, चापु B J, सागु D H **चांपउ**–जागउ A, सागु B, चांपु D H, सांगु J, गायउ K **गजउ**–सजु B, जगु D H, गजु J A interpolates iii qr of vs 62 after iv qr of vs 60. **सीहु**–शवु J, सीहो K L **मूलग**–सिंघ A D, शघु H, शंघु J, सींघो K L. **नइ**–नि B D J, नइं L. **देपउ**–देवउ A, देल्हु B, देपु D J, दानु H, देपो L. **केल्हउ**–केल्हु B, केलु D, केहलु H, केल्हण K, केल्हो L **नइ**–नि B D J

६३ L omits vss 63-64 **राजु**–राजउ J, राजो K **वीरमदे**–वीरमनि D **देवसी**–देवशी A **लषमु**–अमउ K. **उदयसिंघ**–अदुसिह B, उदुसिघ D, उदयशंघ H, उदटसघ K **गांगु**–गागु H, गागउ K **गाजण**–गाजण D, गागउ K **नइ**–नि B D J, H **समरसी**–सग्मसी B **लालु**–लोलु B H J, लोलुं D, लोलो K. **लाषु**–भोजु B H, लूंभु D, लूभु J, लुभो K. नइ–नि B D H J **वइरसी**–राजसी B D J K, रामसी H.

६४ सोभउ–सोभु B D H J. **सुहडउ**–सहड A, सुहड B, सोहड H, सोहडु D J. **सल्ल**–मल्ल B, जेसल H, सल J, सल्ह K **कर्णदे**–करणदेव A, करणदे B H, कणदे D, कणदेउ J **वीकमु**–वीकम B D H, वीकण J, वीकमदे K. **मुट्ठू**–मोट्ठ B, मट्ठ D, भाडुनि H, मड्ड I, मटउ J,...K. **कुरपालदे**–कुमरपालदे A, कुयरपालदे B D, कुंरपालदे H, कूंरपालदेउ J J omits vs 64 b. **कुम्भउ**–रूडु B, कुम्भु D, कुंभु H, कउम्भु K. **झांझण**–झाझण K **सलषु**–नि लषु B, सलषण K **सिंघ**–सिवउ A, सिंह B, संघ H K. **जागु**–जोग A, जोगु B H, जोगउ K. **धरणिग**–धनु A, धरणग B. **नइ**–. .A, नि B. **नरसिंघ**–धरणिग A, नरसिंह B, नरसंघ H, धरणिग नइ नरस्यंघ K.

६५ J L omit vs 65a. **गांगउ**–गाणु A, गांगु B, मागु D, गरडु H. **गाजण**–मांडण D. **नइ**–नि B D **छांछउ वाछउ**–छांछड वाछड A, छाजउ नाकर वछु B, छांछु वाछु D, छांछउ चांछु H. **नइ**–...B, नि D H. **भादउ**–भादु B J, हांसु D, भाद L. **राजधर**–राजभड L, पालु J. **भीम**–धीर J. **वेलाउत**–वेलाउत्र A, वेलाउल B H, वेलु भादु J, वेलो चेलो K, वेलाउलि L. **पेथउ**–नि मेधु B, पेथु D, पथु H, पालु J, पाथ K, पेथो L. **नइ**–...B J, नि D H, ते L. **षीम**–रीम D, वीर J, सीम L.

वली विजेसी ऊदउ जाणि, धीरउ नइ हरिपाल वषाणि ।
पद्मनाभ नवि जाणइ पार, राउत सवे सबल झूझार ॥ ६६

तुरी षुरातल धरणी षणइ, अनोपम हेषारव हणहणइ ।
वायवेगि चालइ केकाण, पूठइ पंचवर्ण पल्हाण ॥ ६७

तेजवंत नवि मानइ साट, वाहर चालइ ऊवट वाट ।
दल दीपंतां घणा असवार, पायदल तणउ न जाणउं पार ॥ ६८

मलिक सवे भांजेज्यो मिडी, हुई सीष दल चाल्यां चडी ।
ढोल ध्रसूकइ धरा धूजंति, चाली कटक गयां रेवंति ॥ ६९

---

६६ C omits vs 66 a **वली**–वजी L **विजेसी**–विजसी B, वेंजेसी D, वेगडु J, देवसी K, वजेसी L **ऊदउ**–ऊदु B D H, दृदु J, ऊठउ L **जाणि**–जांणि A D H J K. **धीरउ नइ**–वनु धनु B, हीरु नि D, धीरु नि J, धीरो नइ K **हरिपाल**–हरपाल A B D H J, हरिपालि L **वषाणि**–वषाणि B H J, वषाणीं D. L interpolates the following vs after 66a
कटक तणउ नवि लाभइ पारि राणउ राण मिल्या झूझारि । सहू मिल्यो पालउ परिवारि सवा लाष मिल्या असवारि ॥
J omits vs 66 b **पद्मनाभ**–पदमनाभ A C H, पदमनाभि K, पद्मनाभि L **जाणइ**–जाणि B, जांणि C H, जाणइ D, लाभइ K **सवे सबल**–सबल सवे B, सवे वल C.

६७ J omits vs 67 a. **तुरी**–तुरीय A, तूरी H, भरी K. **षुरातल**–सवे षुरा A, षूंतलि B, धरातलि C D K, षरातलि H **धरणी**–धरणि A D, धरण B. **षणइ**–प्राणि B, षणि C H, षिणइ K. **अनोपम**–अनोपमि C, अनुप D **हेषारव**–हेषारवि C, हीषारव H, हिषारव K **हणहणइ**–हणहाणि B, हणहणि C H **वायवेगि**–वहिवेगि B, वायुविगें D, वायूवेगि H, वायवेग K **चालइ**–चालि B C H J. **केकाण**–केकाण C D H J K **पूठइ**–पूठि A H, पूठिं B J, पूंठि C, पूंठिइं D. **पंचवर्ण**–पंचवरण A B, पांचवरण K. **पल्हाण**–पलाण A L, पल्हाण C D J, पहलाण H, पलांण K.

६८ **तेजवंत**–तेजवंति L **नवि**–न J L. **मानइ**–मानइ A C K L, मानि B, मांनि H J. **साट**–साटइ L. **वाहर**–बाहरि A, वाहरि C, बाहरं L. **चालइ**–चालि B C H J **दीपंतां**–दीपतु B D, दीपतुं C, दीपंतूं J, दीपता K, दीपतो L **पायदल**–वाटि दल B, पाइदल H K, पइदल L **तणउ**–तणु B C H J, तणुं D. **जाणउं**–जाणूं B J, जाणुं C K, जांणूं D, जाणि H, लाभइ L

६९ **मलिक**–मिलक L. **सवे**–सवि L. **भांजेज्यो**–भांजज्यो A, भाजेज्यो B, भंजेवा C, भांजेव D, भांजेवा J, भांजिस्यां L. **मिडी**–भडी B C D H J **हुई**–होइ B, हूई C L, हूइ H. **सीष**–संष B **चाल्यां**–चालियां B, चाल्या C L, चालां H. **चडी**–चढी C L. K reads 69a as : मल्लिक हींदू दीसइ पार तेह तणइ किम आवइ हार. **ध्रसूकइ**–ध्रसूके B D H K, ध्रसूकि C J. **धरा**–धरणी धर A, धर C D H, धरणि J, धरण L. **धूजंति**–धूजंत C. **कटक**–कटकि C, **गयां**–गया A B C H J K L. **रेवंति**–रेवंति A, रेवंत C, रेवंति D, रणवंति H, राउत L.

कीधउ कूच पीयाणइ नवइ, आव्यां कटक धाणसे सवइ ।
बिहु पहुरे रिणकाहल देई, कटक तोरकइ विलगा जई ॥ ७०
मलिक नेब बलवंत अपार, आगइ भड सांचरिउ शिकारि ।
तीणि वेलां दीधउ दाउ, घूडलीइ जई लीधउ घाउ ॥ ७१

॥ पवाडु ॥

हाजी मलिक मलिक भड ताजन, वलीय मलिक साबाज ।
मलिक बूबनु मलिक कबीरु, मलिक सरक अबूराज ॥ ७२
करी हाक हीदू दल साम्हउ, ऊठिउ मलिक रसीद ।
मीर ऊंबरा आठ सुरताणी, फोजइ मलिक फरीद ॥ ७३

---

७० कीधउ–कीधू B C D J, कीधु H **कूच**–कुच C, कूट H **पीयाणइ**–पीयाणूं B, पीयाणे C D L, पीआणि H, पीआणां J, पयाणा K **नवइ**–नविइ B, नवे C D, नवि H, सवे J, तणउ K **आव्यां**–आव्या B D L. **धाणसे**–धाणसे C J, धाण H, कोलाहल K. A transp as . धाणसे कटक **सवइ**–सवि B H, सवे C D J, सुणइ K, रवइ L C omits vs 70 b **बिहु**–बिहु B J K, बि D **पहुरे**–पहुरि B D, पोरे H, पुहुरे J, पहुर K, पुहरे L **रिण**–रण B D H J **देई**–देइ H K, देय L **कटक तोरकइ**–तरकिइ कटक B, कटक तोरके D, कटकि तोरक H, कटक तुरकि J, कटक तोरगइ K, कटक तुरके L. **विलगा**–वलगा B, वलगा D H J **जई**–जे D, जइ H, जेअ K, तेय L.

७१ मलिक–सबल K. **नेब**–के D, ते H, मलिक L **बलवत**–बलिवंत A K **अपार**–अपारि C D. **आगइ**–आगि B C J, आगइं D **भड**–भिडइ L **सांचरिउ**–साचरिउं A, सात्चुरो B, साचरिउ C, साचव्यु D, सांचरीउं H, सोचव्याउ K, साचिव्या L **शिकारि**–सकरिइ B, सकारि C, सकार H, शकारि J, सिकार K, शिकार L **तीणि**–तेणी B C J, तेणि D, तिणि H L, तीणट K. **वेला**–वेला इम A, वेला B K, वेलाइ C, वेला दल H, वेला तिहा L. **दीधउ**–दीधा B, दीधु C D H **दाउ**–दाह D **घूडलीइ**–घूड आ B, घूंदली C, घूडलीआं H, घूडलीयु J, साम्हा K, रोस चढी L **जई**–जै A, जाइ C, दल H, जाई K, नइ L **लीधउ**–लीधा B, लीधु C D, दीधु H J, लीधा K, दीधउ L

७२ पवाडु–ढाल A,. B H K L, पवाडु D **हाजी**–हाजीअ J. **मलिक**–मिलिक L **मलिक**–...J, वडा L **भड ताजन**–भडताज B K, भडतांन C, भटंता जे जन J **वलीय**–अनि वली B, चालि C, वली D H L, वलीअ J, अनइ वली K **मलिक**–मिलक L **साबाज**–साहाबाज B, सबाज C, साबाज चालि चालिबंध H, सहिबाज K, वली हबाज L. **मलिक**–मिलक L **बूबनु**–बबूनु A, बूबनि B J, बुंबुनि C, बूंबनइ K, कबूबु L. **मलिक**–नलक L. **कबीरु**–कबीर B K L **मलिक**–मिलक L **सरक अबूराज**–आबूराज साबूराज A, सआजुराजु-मीर B, स आबूराज H, शरक अजूराज J, राउ नइ मलिक हबीर ॥ पवाडा ढाल ॥ K. IV qr in L is : मिल्क आसापुर जेय करीर.

७३ B omits 73 a. In L 73 b precedes 73 a. **करी**–कीधी H,...L. **हाक**–हाकक C, हाकइ L. **हीदू**–हिंदू C, हीदूं D, ऊठिउ हीदू J, हींदू K. **दल**–दलि C J **साम्हउ**–आव्या C, साहामु D, साहांमु H,.. J, सांम्हा K, सामुहा L. **ऊठिउ**–ऊठीउ A, उठिउ C, उठ्यो K, ऊठ्या L. **मलिक**–मिलक L. **रसीद**–रशीद A, सरसीद C, हमीद J K, सवे धसमस्यां L **मीर**–मीरू A,. K. **ऊंबरा**–ऊबरा H. **आठ**–आव A, आवि B, आनिइ L. **सुरताणी**–सुरसुताणी A, मुरताणी C D J K, सूरतांणी H, शुरिताण L. **फोजइ**–घोजु B, फोजि C H J, फोजइं D, फोज L. **मलिक**–मिलक L. **फरीद**–करी साबाणि L. After vs 73 L adds the following line : होय हक्ष नइ बिहू दल जुडइ पद्मनाभि पंडित इम भणइं ॥ पवाडउ ॥

जरहजीण जीवरषी आंगा, ऊघाडां हथीयार ।
तुरी पाषरीया गयवर गुडीया, आव्या झूझणहार ॥ ७४

लोहडां तणी काटकडि ऊडी, यंत्रि पुहतउ सूर ।
समरंगणि नीसांण ध्रसूक्यां, रणकाहल रणतूर ॥ ७५

पहिली तुरक तणी ऊठवणी, रणि वाउला विछूटा ।
घोडे साट देई हींदूनी फोज मांहि जई फूटा ॥ ७६

विलगइ वयरि देव दैत्य नइ, वात करंतां वार ।
कीधा घाउ भुजाबलि प्राणि, वेगि वल्या असवार ॥ ७७

बीजी ऊठवणी हींदूनी, तेजी दीधा साट ।
मारी नइ मचकोड्या मूंगल, म्लेछ मेल्हाव्या वाट ॥ ७८

---

७४ जरहजीण-जरहजीह C, जरहिजीण D H, जिरहजीण K. **आंगा**-आगा C, अगा H J **ऊघाडां**-ऊघाडा D K L **हथीयार**-हथीआर C D H J, हथियार K L **तुरी**-तुरीय A, तूरी H, तुरीअ J, तुरिय L. **पाषरीया**-पाषर्‍या D K L, पाषरीआ H J **गयवर**-गयमर B D, गइमर H, गइरव L. **गुडीया**-गुडीआ C J, गुडिया K L. **आव्या**-आव्या A.

७५ C omits vs 75 **लोहडां**-लोह D L, लोढा H, लोहडा J, लोहंडा K **तणी**-तणा D. **काटकडि**-कटाकटि B L, काकाटिक D, काठकडि H, काटिक J **ऊडी**-ऊडि B D J, ऊडइ L, ऊठी K. **यंत्रि**-यंत्र A, लोहडा यंत्र B, यंति H, जंत्र L **पुहतउ**-बहु पुर B, पुहतु D, पुहता H, पहुता J, पहुतउ K, पुहतु L. **सूर**- . B, सूरि L **समरंगणि**-अमरंगणि H, सीगणि नि J **नीसांण**- नीसाण B L, नीसाण K. **ध्रसूक्यां**-ध्रसूकि B, ध्रसूक्या K, ध्रसूकइ L. **रणकाहल**-काहलनि J, रिणकाहल K L. **रण**-रिण A K L. **तूर**-तुर D, तूरि L.

७६ J omits vs 76 **तुरक**-तरक H **तणी**-ती D **ऊठवणी**-उठवणी B, ऊठवणि D, ऊठबणी K. **रणि**-रिण K L **वाउला**-राउला C D, बाउला L **विछूटा**-वछूटा B C, विछुटा D, वछ्टा H, विछूटइं L. **घोडे**-घोडा L. **साट**-साटे D, साटि L. **देई**-देइ D H, देईनइ L. **हींदूनी** em-हीदूंनी A, हींदूनि B, नि हिंदू C, हींदूनइं D, हीदूनी H, हींदू K, हीदूं L **फोज**-फोजे A, तोरकी फोज K, तुरकी फोजि L. **मांहि**-माहि B H K L, मांही D. **जई फूटा**-फूटा A, विछूटा B, ते फूटा H, पयठा K, फूटइं L.

७७ C omits vs 77. **विलगइ**-वलगइ A, वलगि B H J, विलगइं D **वयरि**-वयर A H, विरि B, वइरि J, पैर K, दैत्य L. **देव दैत्य**-देव दैत A, दैत्य देव D, देव दैत्या K, देव दैता L. **नइ**-निं B, नि H J. **करंतां**-करंता A K L. **कीधा**-कीधा J K, कीधउ L **भुजाबलि**-भूजाबलि D, भूज्यावल H, भुजाबल K. **प्राणि**-प्राणिं B, प्राणि D H J, प्राणइ K. **वेगि**-वेगिं J. **वल्या**-वलिया B. **असवार**-सवार J.

७८ बीजी-बीजी जे D. **ऊठवणी**-उठवणी C H, ऊठिवणी D. **हींदूनी**-हीदूनी A, हिंदूनी C D, हीदू तणी H, दे हीदू L. **तेजी**-तेहे A. **दीधा साट**-दीधी साट A D J, दीधा घाउ B, दीधा साटि L. **नइ**-नि B H J, नइं D, इम K **मचकोड्या**-मचकोडीया A, मचकोडिया B, मचकोडा H. **मूंगल**-मुंगल D K, मुगल H, मूगल L. **म्लेछ**-मलेछ A J, मेछ B H, म्लेच्छे C, **मेल्हाव्या**-मेल्हावा B, मेहली C, मंहालाव्या H, मेहलाव्या J, मेल्हावी K L. **वाट**-माग B.

गयवर थाट बेसरा हीदू षलदल भाले षांडइ ।
वालइ वइरी घाउ सपराणा, ते रण पेरण मांडइ ॥ ७९

वीरहाक वाजी गयणंगणि, सींगिणिना गुण गाजइ ।
भाला अणीय कणस तरुयारइ, ऊछीना घाउ वाजइ ॥ ८०

वीज तणी परि लोह झबूकइ, थरहर कायर कांपइ ।
पाछउ पाय न मूंकइ पायक, भूमि आगिली चांपइ ॥ ८१

हींदू करइ वेढि सपराणी, भिडतां लाधउ लाग ।
मारी कटक अवालूं कीधूं, म्लेछ मेल्हाव्या माग ॥ ८२

असुरां पूठइ एक भड धाया, एक पइठा मेल्हाणि ।
मारी म्लेछ भींछ बलवंता, बान छोडाव्यां प्राणि ॥ ८३

---

७९ i qr in L is : मारइ म्लेछ सघारइ हीदू. **गयवर**–गयमर B D H, गयंवर C J, गइवर K. **थाट**–घाट A, थट्ट B, ठाठे C, ठाठ D H, ठाठि J. **बेसरा**–वेसरि B, बिसि C, बिसइ D, बेसरि H, बिसिइ J, सवे लिया K. **हीदू**–हींदू B D, हिंदू C. **षलदल**–खलभल C, षलभल D J, परदल K, लष्यदल L. **भाले**–भाजि B, भांजइ K L. **षांडइ**–षंडि B, षांडि C H J, लेई षाडइं D, षाडइं L **वालइ**–वालि B J, वाजि C, वालइं D, चालि H. **वइरी**–विर B, घाय C, वयर D H K L, घाउ J **घाउ**–दाउ J. **सपराणा**–सपराणा A C D J K, सपराणे H **ते**–जे K. **रण**–रिणि A, रणि C D J, रिग K L. **पेरण**–पेरणि C, माहिज K. **मांडइ**–मंडि B, माडि C H J, माडइ L.

८० **वाजी**–वाजि B C, वीजी H, वाली J **गयणंगणि**–समरंगणि B, गयणंगण L **सींगिणिना**–सींगणिना C K, सीगिणिना D, सीगणिना H J, सीगणना L **गुण**–गण D J. **गाजइ**–गाजइं A, गाजिइ B, गाजि C H J. **भाला**–भला A, भला K. **अणीय कणस**–अणी कटारी B, अणी कसण C K L, अणी कणस D, अणी कणस H J **तरुयारइ**–तरूआरिइ A, तरूयारि B, तरूआरे C D J, तरुआरि H, तरूआरइ K, तरवारइ L. **ऊछीना**–उछीना C K L. **घाउ**–घा B, घाय C L. **वाजइ**–वाजिइ B, वाजि C H J, वाजइं D.

८१ **झबूकइ**–झबूकिइ B, झबूकि C J, झबुकइ D, झबूकइं L **कांपइ**–कंपइ A D, कंपिइ B, कापि C, कंपि H J, कापिइं L. **पाछउ**–पाछा B C K, पाछु D. **पाय**–पडि B, पाउ H K. **न**–के B **मूंकइ**–मूंकि B C J, मुंकइं D, मूकि H, मूकइ K L. **पायक**–पाउ न B. B transp as के पाउ न मूंकि **भूमि**–भूमि B D J. **आगिली**–आगली C H, आगिलि D, लागली L **चांपइ**–चंपि B J, चापि C, चापि H, चापइ L.

८२ **हींदू**–हीदू A H, हिंदू C, हींदू K **करइ**–करि B C H J, करे D. C transp as वेढि करि. **सपराणी**–सपराणी A D H J K, सपराणा C, सपराणा L **भिडतां**–भडिता A, भडतां B C D H J, भिड पाता L. **लाधउ**–लाधु B C D H J. K reads iii qr as असुरा पूठइ एक भड धाया (cf vs 83 i qr) **अवालूं** em–अवालू A, निरालूं B, आकलुं C, आवाले D, अवाला H, अवेलूं J, निरालो L. **कीधूं**–कीधु A, कीधुं C D, कीधां H, कीधउ L **म्लेछ**–मेछ B H, मलेछे C, मलेछ J, म्लेछ्छ K. **मेल्हाव्या**–वीधु C, मेहलाव्या H J, मेल्हाउ K, मील्हाव्यउ L. **माग**–वाट A.

८३ **असुरां**–असुर B, असूरां H, असुरा J, असुरां L. **पूठइ**–पूठिं A B, पूंठि C, पूठि D H J. **एक**–रक H. **भड**–सुभट C D J. **धाया**–थया C. **एक**–इक L. **पइठा**–पडिया B, पिठा C J, पयठा D H. **मेल्हाणि**–मेल्हाणि C K, महलाणि H, मेहलाणे J, मेल्हाण L. **मारी**–मारया J. **म्लेछ**–मेछ B H, मलेच्छ C, मलेछ J. **भींछ**–भूछ B, मीछ D H J L. **बलवंता**–बलवता H. **बान** बांन A D H J K, बांद C L. **छोडाव्यां**–छोडावि H, छोडाव्या J, मेल्हाव्या K, छोडावी L. **प्राणि**–प्राणिं B, प्राणि C H J, प्राणइ K.

सपराणा सुरताणी बंदा आठ मूलगा पाड्या ।
कीधी केडि असुर ऊगरता, ते सवि रानि भमाड्या ॥ ८४

छोडीयां बान सांचख्या पाछा, लूसाविउं मेल्हाण ।
विसमे ठामि वालही बांध्या छोडाव्या केकाण ॥ ८५

बगतर तास लीयां ऊदाली, पड्यउ षजानइ हाथ ।
तरकस तीर चीर हथियारइ, लूसइ सघलउ साथ ॥ ८६

बि सइं हाथी रुलिया सुरताणी, ऊदाल्यां नीसाण ।
वाजी सान वल्या सवि हींदू, तु मेहल्युं मेल्हाण ॥ ८७

---

८४ सपराणा–सपरांणा A C H. सुरताणी–सरताणी B, सूलतानी D, सूरतांणी H, सुरतांणी J K, शुरिताणी L. आठ–आव K. मूलगा–मूलिगा A पाड्या–मराणा A, पडिया B, पाडा H, पडाव्या J कीधी–कीधा K. केडि–केड K असुर–असुरांह A, असुरां B, असूर H, ऊसर K, घणा अशुरा L ऊगरता–पूठि A, पूठिं B, उगरता C, ऊगता D, पूठिइ L. रानि–रानि A C D H J, रान K, राति L. भमाड्या–भमाडीया A, भमाडिया B.

८५ छोडीयां–छोडिया B, छोड्यां C, छांड्या D, छोड्या H J, छोड्या K, छोडावी L बान–बांन A B D H, बाद L. सांचख्या–साचरीया A, साचरइं D, साचरीआ H, सांचरिया J, संचख्या K, साचरिया L. पाछा–गांछा H, पाछा K लूसाविउं–लूसावि B C, लूसाव्यूं D H J, ल्हूसाव्युं K, लूसाव्या L. मेल्हाण–मेहल्याण C, मेल्हाण D K, मेहलांण K, मेल्हाणं L. विसमे–विसमि B, विसमी H J ठामि–ठांमि B, ठामे D K, ..J. वालही–विलही A, वाहालही B, वालिं D, चालही H, वालि J, वालहि K, बालही L बांध्या–बाधिया A, बाधी B, वांधा K, बाध्या L. छोडाव्या–छोड्याव्या L केकाण–केकाण A D H K, काछाहीया केकाण J. C reads as 85 b. बद्ध सेजवाला गरथना लीधा बद्ध लीधा केकाण

८६ बगतर–बान A, बान B K, बानजर H, बांदि L. तास–सवे A B K, सवि L. लीयां ऊदाली–ऊदाली लीया A, ऊदाली लीधा B, लीयां ऊतारी C, लीया ऊदाली D, ऊदाली लीधा H K, उदालि लीधा L. पड्यउ–पडिउ B C H, पड्युं D, पडीऊ J, पड्यु K षजानइ–षजीनि B, षजानि C H J, षजानइं D, षजानो L A reads as ii qr· गरथ षजांना लूसी लीया तरकस–तुरक C, तरगस L. तीर–...A, थया C, तीरह L चीर– A C, सार B हथियारइ–हथीयार मेल्हाव्या A, हथीयार B, हाथीया विहूणा C, हथीयारे D, हथीआरे H J, हथियारा L. लूसइ–भरिउ A, लूसि B C J, लटि H सघलउ–सगलउ A, सघलु B C D H J, सघलो K L.

८७ बि सइं–दसइ A, दस B H L, सि बेय C, बि सिं J, दल K. हाथी–हाथीउ H, सघला K. C transp as हाथी सि बेय. रुलिया–रुलीया A, लीया B L, रोलीया D, रलीआ H, रोल्या J. सुरताणी–सूरताणी D, सुरतांणी C K, सूरतांणी H, शुरिताणी L. ऊदाल्यां–ऊदाल्या C, ऊल्यां H, ऊदाल्या L. नीसाण–नीसांण A C D H K, नींसाण B. सान–सान A C H J, नीसांण D. वल्या–वलिया B, वल्यां H, वल्यउं L. सवि–...J. हींदू–हींदू B D K, हिंदू C. तु–तउ K, तोय L. मेहल्युं–मेल्हूं A, मेहलिउं B C, मेल्हुं D, मेहलुं H, मेहल्यूं J, मेल्हु K, बीयइ L. मेल्हाण–मेल्हांण C D, मेहलांण H J.

महिपउ जइत देवडउ पहिलउ, कटक राउलां धुरि ।
आगलि करी पायदल ताषति, वेगि गया जालहुरि ॥ ८८
तिणइ दिवसि अमावस हूंती, षूडलीइं तिणि कालि ।
लषण सेभटउ साल्हउ सोभित, रह्या सरोवर पालि ॥ ८९
आंगा जरहजीण ऊतार्‌यां, सीतल छाया लीधी ।
तेजी तणां पल्हाण हलाव्यां, षाण चासणी दीधी ॥ ९०
मार्‌या म्लेछ सइंफलउं जीतुं, अंगि हूउं अभिमान ।
हाथे डाभ ऊतारी कोटइ, कीधां नीर सनान ॥ ९१

॥ दूहा ॥

पद्मनाभ पंडित भणइ, जेह कुलि जे आचार ।
लोप न कीजइ तेह तणु, मरण न बीजी वार ॥ ९२

---

८८ **महिपउ**-महिपु A H, महिप B C J L, महिप D **जइत**-जित B C, देउडु J, जयत L **देवडउ**-देवडु A B D H, देवडा C, राउत J, देवडो L **पहिलउ**-पहिला A B D H, पहिलुं C, पहिलु J **राउलां**-राउला B D, एकठुं C, राउतला H, राउल J, राउलो K, करि लीधउ L **धुरि**-धुरिं B, कीधुं C, धूरि D H, घइरि J, धुरे L. **आगलि**-आगल L **करी**-धरी J, थकी L **पायदल**-पायदलि J **ताषति**-ताषतिं D, तोषति J, साषति L. **वेगि**-वेगें D, वेगिं J **जालहुरि**-जालोरि A K, जालुहोरि B, जाल्हुरि D, जालुहरि J, जालोरे L. C reads iv qr as · जातहोरि जई सवि दीधू

८९ **तिणइ** em-तीणइ A, तेणि B H, तिणि C J K, तेणइं D, तिणिइ L **दिवसि**-दिवस L **अमावस**-अमावास्या C D J, अमावसि H, अमावास्या K **हूंती**-हुंती A K L, होती C, हुंति D, हूती H **षूडलीइं**-पिंड लीया B, षूंदलीइ C, षूडलिइं D, षूडलीउं H, दर्भ लीया J, राउ सारइ K, षूट थिया L. **तिणि**-तिण A, तिणें D **कालि**-कालइ A, कालि B, काले D, काल L **लषण**-लषणु C, लखम J **सेभटउ**-सेनडु B, सेवटु C H, सेवटू D, देवडु J, सेवटउ L **साल्हउ**-साल्हु A B C D, माहलु H, सालहु J, सह्व K **सोभित**-सोभत B, सोभायत C, सोभाउत D, सोभु J, सुशोभित K **रह्या**-रहिया B H, ए रहीया C, ते रहीआ J, ऊतरिया L. **सरोवर**-सरि L **पालि**-पालिं B, पाल L.

९० **आंगा**-आगा L. **जरहजीण**-जीण जरह C, जरहि जीण D H, जिरह जीण K **ऊतार्‌यां**-उतारीयां A, ऊतारिया B, ऊतर्‌या C, ऊतारीया H, ऊतारिया J, ऊतार्‌या K L **सीतल**-शीतलि K, सीतलि L. **तणां**-तणा A L. **पल्हाण**-पलांण A, पल्हाण D J, पहल्लाण H, पलाण L. **हलाव्यां**-हलाव्या K L **षाण**-षांण A C D J. **चासणी**-वासणी H **दीधी**-लीधी H

९१ **मार्‌या**-मारी J. **म्लेछ**-मेछ B H, म्लेच्छ C, मलेछ J. **सइंफलउं** em-सांफलूं A, सुंफली B, सिंफलुं C, सइफलुं D K, सीफलू H, सिंफलूं J, सइफलउ L. **जीतुं**-जीत्यूं B, जीतूं J, जीतु L. **हूउं**-हूयुं B, हूउ D L, हऊउ H, हवूं J, हुउ K **अभिमान**-अभिमान C D H J K. **हाथे**-हाथिं B, हाथिइ L. **ऊतारी**-ऊतरी C H J K L, उतरी D. **कोटइ**-कोटिं B, कोटि C, कोठिं D, कोटिइ H L, वीटी J, काटइ K. **कीधां**-कीधा L. **सनान**-सनांन A D H J K.

९२ **दूहा**-दुहु: D,...H J. **पद्मनाभ**-पदमनाभ C H, पदमनाभि K, पद्मनाभि L **भणइ**-भणिइ B, भणि J, भणइं L. **जेह**-जेहु A, जे C. **कुलि**-कुलइ A **जे**-जेह D, होइ C **आचार**-आचारि L. **लोप**-लोपइ D. **न**-म L. **कीजइ**-कीजिइ B, कीजइं D, कीजि H J, कीज्यइ K. **तणु**-तणउ A, नु C, नुं D, तणां K, तणी L, **मरण**-मरि B. **बीजी**-वीजी K.

॥ पवाडु ॥

जे नीसाण तोरकां तिहां सिरि पांडवि घाउ वजाविउ ।
विसर वाजंतां वेगि सुणी करि मलिक नेब तिहां आविउ ॥ ९३
तुरी सहस छत्रीस पाषरीया, साथि हाथी त्रीस ।
मलिक नेब बलिवंतउ बंदउ, आव्यु आणी रीस ॥ ९४
दीठउं कटक बलि ऊतारया, अछबां हीदू आव्या ।
आठ मलिक मूलिगा मराणा, लोक सवे मेल्हाव्या ॥ ९५
रुंड मुंड रडवडइ रिणंगणि, लोही तणा प्रवाह ।
ऊभे हाथि असुर पोकारइ, पाषलि पाडइ धाह ॥ ९६
आव्यउ मलिक सरोवरि देषइ, हीदू करइ सनान ।
फेरी वीटि ऊडव्या हाथी, कीधां बाण संधाण ॥ ९७

---

९३ **पवाडु**–चउपई A, चुपै B, पवाडु C, पवाडु D,. H J, पवाडा ढाल K, ढाल पवाडाकी L. **जे**–जेह H. **नीसाण**–नींसांण A, नीसाण B, नीसांण D H K, नासता J, नीसाणि L **तोरकां**–तुरका B, तुरकना तेजी J, तोरकना K, तुरकी L. तिहा–ते D J, तेह H. **सिरि**–सर B D, सरि H J, शरि L **पांडवि**–पाडवि B, पाडूउ D, पडुहु J, पडि L. **घाउ**– . D J **वजाविउ**–वजाविउं B, वजाव्यु D J, वजायउ K, वजायो L. iii qr in B is : वाजा सिहरि सुणी वेगि, iii qr in L is ते सवि वाजता शुणिय वेगि करि. **विसर**–पिसरि H, विसरि K **वाजंतां**–वाजंता D, वाजतां J. **वेगि**–वेग K **सुणी**–सुंणि D, सूणी H. H transp as सूणी वेगि **करि**–करी J. **आविउ**–अव्यु A, आव्यु D H J, आयउ K, आयो L C reads as vs 93 :

तुरका ये नीसाणज होतां सरोवर पालि वजावि । इणि अवसरि मलिक नेब जु कटक लेई तिहां आवि ॥

९४ **तुरी**–तुरीय L **सहस**–सहिस K, मइ L **छत्रीस**–चुवीस H, कत्रीस L **पाषरीया**–पाषरिया B H J, पाषरया D K L **साथि**–साथिं B D, साथइ K, साथंइ L **त्रीस**–छत्रीस B, सि त्रीस C, सहस H, कत्रीस L H omits vs 94 b. **बलिवंतउ**–बलवंतु B C D J, बलिवंतउं L. **बंदउ**–बादु B, बंदु C D J. **आव्यु**–आविउ B, आव्युं D, आव्या J, आव्यउ K, आव्योउ L. **आणी**–आणी J K.

९५ C reads vs 95 a as . दीठा तुरक आवता साहमा पूछ्या वयण विचारी **दीठउं**–दीठुं B D J K, दीठउ H L. **बलि**–सबल B K, बलइ D H, लेई L **ऊतारया**–ऊतारी A L, ऊतरीउ B, ऊतारा H, ऊतरिया J, ऊतारइं K ii qr in L is कटकिइ रिण सोधाव्या. **अछबां**–अथवा H, अछबा J. **हीदू**–हींदू B H. **आव्या**–आव्यउ A. **आठ मलिक**–मलिक आठ C, आठ मिलक K L **मूलिगा**–मूलगा B C D H J K L. **मराणा**–मरांणा A K, मारया C, तराणा H, मारी J. **सवे**–सवि D. **मेल्हाव्या**–मेलाव्या B, मेहलाव्या H J. iv qr in C is: हिंदूए बंधि बिसारी.

९६ **रुंड**–रंड B J, रूंड C L. **मुंड**–मुड H, मंड J. **रडवडइ**–रडवडइं A L, रडवडि B J, रमि C, रडइ H, रडवडिया K. **रिणंगणि**–रणंगणि B H J, समरंगणि C, रणगणि D, राणागिणि K, रिणंगण L. **लोही**–लोहू B. **ऊभे**–ऊभु C. **हाथि**–हाथे B C H J K, हाथई D, हाथ L **असुर**–असूर H, अशुर L. **पोकारइ**–पोकारइं A D, पुकारिइ B, पोकारि C H J, पुकारइ K. **पाषलि**–पाषल L **पाडइ**–पाडि B C H J.

९७ **आव्यउ**–आविउ B, आव्यु C D J, अविउ H, आव्यो L. **मलिक**–एक B, मिलक L. **सरोवरि**–सरोवर B C H K L. **देषइ**–देषी B H L, देषि C J. **हीदू**–हींदू A B, हिंदू C, हीदूं D, हीदू J K L. **करइ**–करइं A, करि B C H J. **सनान**–सनान A D H J K L. **फेरी**–फेरि B. **वीटि**–वेटि B, विंटिउं C, विटि D, वाट H, वीव्या J, वीट K. **ऊडव्या**–उठव्या B L, उडव्या D J. **कीधां**–करीयां B, कीधा C, करिया H, कीध K, कया L. **बाण**–बाण C D H K. **संधाण**–सधांण H J, संधान K L.

पेडां तणी ठाठरी मांडी, धुरि हबसी आव्या ।
करी हाक बूंबारव वरत्यउ, तउ हीदू बोलाव्या ॥ ९८
ऊठ्या सुहड सवे सूंडीनइ, नीर गलंतां चीर ।
घोडा लगइ न जावा लाभइ, वेझां वींधीइ वीर ॥ ९९
धाया सुहड भाले फूटंते, लोह अंगमइ प्राणइ ।
वाजइ घाउ अंगि ऊघाडे, तउ चडीया केकाणइ ॥ १००
एक सुहड ऊठइ एकमना, झालइ अंगि प्रहार ।
भाला अणी कणस तरूआरइ, वाजइ षांडाधार ॥ १०१
एकवीस ऊथिला सपराणा लषण सेभटइ दीधा ।
साल्हइ सोभित अति सपराणे घाउ घणासुं लीधा ॥ १०२

---

९८ **पेडां**-घोडा B C, पेडा H J L **मांडी**-बाधी H J, बाधी L **धुरि**-पहिलूं B, धुरि जो C D, ध्ररि H, धुरि तिहां J **हबसी**-हबसी घण A ii qr in L is तुरक सवे तिहा आव्या. **करी**-करीय L. **बूंबारव**-बुंवारव C D K L, बुबारव H. **वरत्यउ**-वरत्यु A D, वरतिउ B C J, वरत्यिउ H, वरत्यो L **तउ**-तु B C D H J, तो L. **हीदू**-हैदू B, हींदू C D K

९९ **ऊठ्या**-आव्या A, उठिया C H. **सुहड**-सुहुड B J, शुहड L. **सूंडीनइ**-सूडीनि B, सूंडीनि C, सुडीनि D, सुंहुंडीनि J, सुंडीनइ K, सूडीनइं L. **नीर**-नीरि D J. **गलंतां**-गलंति B, नीगलंता C, गलंता D H K, गलता J. **चीर**-चीरि B. **घोडा**-घोडा A H. **लगइ**-लगि B C H J, लगइं D **न**-नवि J. **जावा**-लाव्या B. **लाभइ**-लाभिइ B, लाभि C H J, पामइ L **वेझां**-वेगिइं B, वेझिं C, वेझइ D H, वेझि J, वेझे K, वेझ L. **वींधीइ**-वींधइ A, आहाणि B, वीधि C J, विंधीइ D I_1 (ख), आंहांणइ H, वीध्या K, हणायइ L. **वीर**-तीर C L.

१०० **धाया**-धाइ B **सुहड**-भल B, सुभट C D, भड H J K, भला L **भाले**-भड L. **फूटंते**-फुटंते C, फूटंतै K, झूटंते L. **लोह**-लोल C, लोहि J, लोही L **अंगमइ**-अगमि B L, आंगमी C, अगमी D K, आगमी H, अगनी J. **प्राणइ**-प्राणि A B, प्राणि C D H J, प्राणइ K. **वाजइ**-वाजि B C, वाजइं D, भाजि H, वाजि J. **घाउ**-घाऊ C, घाय J, घाउ L. **अंगि**-अग B C K, अगें D **ऊघाडे**-प्रहारे C, ऊघाडा H, उघाडइं L. **तउ**-त A, तु B C H J, तु D, तो L **चडीया**-चडिया B D K, चढीउ H, चढीया C, चढिया L. **केकाणइ**-केकाणि A B J, केकाण C, केकाण D, केकांणि H, केकाणे K.

१०१ **सुहड**-सहड A H, सुहुड J, शुहड L. **ऊठइ**-ऊठिया B, ऊठि C H J. **एकमना**-एकमंना D, इकमना K, इकमंनां L **झालइ**-झालइं A, झालि B H J, झलकि C, झालिइं D. **अंगि**-अंगिं D, अंग L. **प्रहार**-प्रहारे C. **भाला**-भाला A, भला H, भला K. **अणी**-अंग L. **कणस**-कसण A B C K L. **तरूआरइ**-तरूयारि A, तरूयारिं B, तरूआरे C D J, तरुआरि H, तरूवारइ L. **वाजइ**-वाजिइ B, वाजि C H J, वाजइं D. **षांडाधार**-षांडाधारे C, षांडाधार D, षंडाधारइ L.

१०२ **ऊथिला**-उथिला A, ऊथला B C D J, ऊथल्या H, ऊथ K, ऊथली L. **सपराणा**-सपरांणा A, प्रांणि D, पराणि H J, परांणइ K, पराणइ L **लषण**-लषणि C, लखमण J. **सेभटइ**-सेभटि B, सेवटि C, सेवटी D, सेवटु H, सेइ J, सेवटिइ L. **दीधा**-लीधा C, दीधां D. **साल्हइ**-साल्ह B K L, साल्हु C, साल्हिं D, साहालि H, साल्हि J. **सोभित**-सोमत B, सोभायत C, सोमेइत D, सोभइ H, सोभि J, सोभ K, सोभतउ L. **अति**-नइ A,...D, तुत H, तिहां K, ते L. **सपराणे**-सपराणि B, सपराणु C, सपराणा D L, सपरांणि H, सपरांणा J K. **घाउ**-घाय B C J. **घणासुं**-घणासु A, घाणासूं B, घणोसिउं D, घणीसूं H, घणेशूं J, घणांसुं K, घणेरा L. **लीधा**-दीधा C L.

साल्हु सोभतु ते समरंगणि, लषण सेभटउ बीजउ ।
रिणवटि रहिउ अजेसी माल्हण, मांहि मूलिगउ त्रीजउ ॥ १०३
च्यारि सहस राउत रिण रहिया, मारी फेडिउ ठाउ ।
करिवा सुद्धि न को ऊगरीउ, जई जणावइ राउ ॥ १०४

॥ चउपई ॥

मलिकइ लोही लषणा तणउं, लेई निलाडि कीउं वांदणउं ।
कीधी वली प्रसंसा घणी, धन्य धन्य माता तुझ तणी ॥ १०५
हीदू तुरक नही को इसउ, रिणि राउतवटि लषणउ जिसउ ।
जे समरंगणि साम्हा मरइ, तेह सुर सिद्ध वंदणा करइ ॥ १०६

---

१०३ **साल्हु**–साल्ह A K L, साहलु D H J. **सोभतु**–सोहित A, सोभायत C, सोभाइत D, सोभुतु H, सोभु J, शेभटउ K, सोभतउ L. **ते**–नइ A,. .B C D, त्रणि H, ए L. **समरंगणि**–सपरांणउ A, समरंगिणि D, मरंगणि H, सपराणा L **लषण**–लाषण B, लषणु C, लषमण J. **सेभटउ**-सेभट्ठ B, सेवट्ठ C D H, सेवड्ड J, सेभटउं K. **बीजउ**–बीजु B C D H J **रिणवटि**–रणवटि B C D H J, रिणवट K, रिणवटइ L. **रहिउ**–रहीया A, रहु D, रहिउं H, रहिया J, रह्या K, रह्यउ L. **अजेसी**–जेमु B, अजिसी C, अजयसी J, अजैसी K. **माल्हण**–मोल्हण B, महलण D I_1(ख), माहालण H, मल्हण L. **मांहि**–माहि A H K. **मूलिगउ**-मूलगु B H J, मूंगल C, मुलगुं D, मूलगउ K, मूलगो L **त्रीजउ**–त्रीजु B D H J, बीजु C, त्रीजो L

१०४ L omits vs 104. **च्यारि**–च्यार C. **सहस**–सहिस B K, सहस्र C. D transp as रण राउत. **राउत**–रावत J. **रिण**–रणि B C H J, रण D **रहिया**–रहीया A B D, रहीआ C, चढीआ H. **फेडिउ**–**फेडिया** B, फेड्ड C, फेडेउ D, फेरिउ H, फेड्यउ K. **ठाउ**–ठाय B C D, वाउ K **करिवा**–कारवा B, करवा C H J, करूवा D, करेवा K **सुद्धि**–शुद्धि A, सुद्ध B, सद्धि D, सधि H, सिधि J, सुधि K D transp as सद्धि करूवा ; J as सिधि करवा. **न को**–के न D, को नवि J, कोई न K. **ऊगरीउ**–ऊगरिउ A, ऊगरु D, ऊगरीउं H, ऊगरियउ K **जई**–जि को A H, जे जई C, जेह J, ज को K. **जणावइ**–जणावि B C H J, जणावई D. **राउ**–राय B C D H.

१०५ **चउपई**–चउपही A, चुपै B J, चुपई C, चूपई D,.. H, चोपइ L. **मलिकइ** em–**मलिकिइ** A, **मलिकिं** B, मलिकि C, मलिक D H J K, मिलक L. **लोही**–लोहि D **लषणा**–लेषणा B, लषणां H J. **तणउं**–तणूं B D J, तणुं C, नुं H, तणउ K L **लेई**–लई D, लेइ H. **निलाडि**–निलागि B, ललाटें D, ललाटि H J, ललाट K, निलाट L. **कीउं**–कीधूं B, करिउं C H, कीधउं D, कीऊं J, कर्यउ K, करइ L. **वांदणउं**–वांदणूं B D J, वांदणुं C, वंदणूं H, वांदणउ K **कीधी**–कीधा L. **वली**– B. **प्रसंसा**–प्रससा कीधी B, प्रशंसा J, प्रसंशां K. **धन्य धन्य**–धन २ B C D, ध्यन ध्यन H, धन्य २ J L, धन्यं धंन्य K. **तुझ**–वली तुझ B, तूह D, जे तुझ H, तूंह J, तेह K, तुम्ह L. **तणी**–तणीं K.

१०६ **हीदू**–हींदू B D K, हिंदू C **तुरक**–तरक D. **नही को**–नहीं एकू B, कोय नही C. **इसउ**–इसु A, तिसु B, इसिउ C L, एस्यो D, सूरा H, इशु J. **रिणि**–रणवटि B, रणि C D H J, रिण K L. **राउतवटि**–राउत B, राउतवट D H, रावतवट K, राउत ते L **लषणउ**–लाषण B, लषणा C K L, लषणां D, लषणु H, लषमण J. **जिसउ**–तिसु B, जिसु C, जसिउ D, जसु H, जिशु J, जिसउं L. **समरंगणि**–सरंगणि D, समरंगण L. **साम्हा**–सांम्हा A K, साहमा B C D J, साहामा H. **मरइ**–मरिइ B, मरि C J, मरइं D L, मरिं H. **तेह**–तिहां A, ते D H L, तेहनइ K. **सुर सिद्ध**–रुधिरधिर C, सरवेउ सिर D, सरि सूध H, सवेउ सुर I, सवि सूरासुर J, सुरसिव K, शुर सरग L. **वंदणा**–वंदना B, वंदन C, वंदण D J K, वंदणां H, वांदणा L. **करइ**–करइं A D, करिइ B, करि J.

पद्मनाभ ऊचरइ प्रमाण, माणस वंदइ किसउं वषाण ।
वल्यु मलिक नवि कीधी जेडि, हीदू वली करेसि केडि ॥ १०७

पातसाह आगलि परि सुणी, गयउ रबारी वद्धामणी ।
पहिला हीदू आव्या जिसइ, मलिक नेब नवि जमलउ तिसइ ॥ १०८

सरोवरि विसरि सुण्यां नीसाण, पछइ मलिकनइ हूऊं जाण ।
छोड्यां बान सुणी परि नवी, आव्यउ मलिक तुरी तारवी ॥ १०९

हूई वेढि सरोवर तिणि वार, राउति भलां कीयां हथियार ।
चउपट घाइ एकमना भिड्या, लषणउ नइ साल्हउ रिण पड्या ॥ ११०

---

१०७ **पद्मनाभ**-पद्मनाभ पंडित A B, पद्मनाभ C H J, पद्मनाभि K, पद्मनाभि L. **उच्चरइ**-ऊचिरइ A, भणिइ B, ऊचरि C J, उचरइ H L **प्रमाण**-प्रगाम A, B, पुराण D, प्रमांण H, पुराण J. **माणस**-मांनवतुं C, मांण D, मांणस H J **वंदइ**-वादिउं B, C, वंदिउ D, वंदि H J, बंदइ K, व्यंजइ L. **किसउं**-किसूं A, किसिउं B, कसिउं करुं C, कसिउं D, कसिउ H, किशूं J, किसुं K **वषाण**-वपाणि B, वषाणि D, वषाण H K, वखाणि L **वल्यु**-वली B L, वलिउ C, वत्या D J, वलि H, वत्यउ K **मलिक** मलक D, मिलक L. **नवि**-न B. **कीधी**-कीधा L. **जेडि**-जेड A K, केडि B. **हीदू**-हीइ B, हींदू C **करेसि**-करेइ सिइ D, करेस्यइ K, करेसी L. **केडि**-जेडि J, केड K.

१०८ **पातसाह**-पातशाह J, पातिसह K, पातिसाहि L **परि**-पुर D. **सुणी**-सुंणी C, सुंणि D, सूणी H, शुणी L. **गयउ**-गयु A B C H J, गयुं D, गयो L **वद्धामणी**-वधावणी A, वधामणी C L, वधांमणी D H J K. **पहिला**-पहिलो L **हीदू**-हींदूं B, हिदू C D **जिसइ**-जिसी B, जसिं C, जसिंइ D, जसि H, जिसिइ J. **नेब**-नेव B, नबेज D, नेवज I_1 (ख) **नवि जमलउ**-नवि जमलु B, नमिउ ते C, नमणुं D, न जमलु H, ना मल्यु I_1 (ख), न जमिलीउ J, नवि मिलियो K, जव जमलो L **तिसइ**-तिसइं A, तिसिइ B I_1(ख), तसिं C, तिसें D, तसि H, तिसि J.

१०९ **सरोवरि**-सुरोवर B, सूरवरि D, सरोवर L **विसरि**-तिहा A, परसिरि B, ससुर C, वसर D, सरसर H, मलिक J, सिरि L. **सुण्यां**-शुणीया A, सुंण्या C, सुंण्या D , सुण्या H K, शुण्या L. **नीसाण**-नीसाण A C J, नींसांण B, नीसांणि D, नीसासांण H, नीसाण K, नीमाणि L **पछइ**-पछि B C J, पाछइ K **मलिकनइ**-मलिक नेब B, मलिक नइं D, असुरनि J, मिलकनइ L **हूऊं**-हूयुं B, हूउं C D, हऊ H, हूउ K L **जाण**-जांण C D J K, अंजाण H, जाणि L. **छोड्यां**-छोड्या A H, छोडिया B, छोडाव्या C, छोडी K L. **बान**-बांन A D H J, वान L **सुणी परि**-सुणु परि C J, सुपरि D, निशुणी परि L **नवी**-नवि D **आव्यउ**-आविउ B H, आव्यु C J, आव्या D, आव्यो K L **मलिक**-नेब B, मिलक L. **तुरी**-तेजी C J, तूरी H. **तारवी**-तावरी L.

११० A transp as वेढि हूई. **हूई**-हुइ H. **सरोवर**-सरवर A, सूरवर D, सरोवरि K. **तिणि**-तिण A, तिणे B, तेणी C, तेह J **वार**-वारि H J K. **राउति**-राउत C D J K L **भलां**-भला A B D K L. **कीयां**-करियां B H, करि C, करइं D, करिं J, करइ K, कस्या L **हथियार**-हथीयार B, हथीआर C D H J. **चउपट**-चउपट्ट A, चुपट B C D J, चुपटि H, चउपटि L **घाइ**-घाय C D, घाउ J K, घायइ L. **एकमना**-एकमना B J, इकमनां L. **भिड्या**-भिडीया A, भडियां B, भड्या C D J, भडिया H. **लषणउ**-लषणु B D, लषमण C, लषण H, लषमणु J **नइ**-नि B C,.. J, नइं L. **साल्हउ**-साल्हु B C D, साहुलु J, साल्हो L. C transp as साल्हु नि लषमण. **रिण**-रणि B C D J. **पड्या**-पडीया A, पडिया B. H interpolates foll line after vs 110 ; मलिक नेब एवड जस लीउ बीजु नवि को पाछु गयु ।

मलिक नेब जीतउ संग्राम, पातसाहनइ करिउ सिलाम ।
तउ आणंदिउ असपति राउ, तसु आप्यउ पंचांग पसाउ ॥ १११

हूई वात जालहुर माहि, सुद्धि पूछइ सोनिगिरु राइ ।
जीतइ फलइ न आव्या वही, राय भणइ कां सारउं रही ॥ ११२

दूहवण राय धरइ तिणि वार, व्यास भणइ नवि टलइ हुणहार ।
श्रीमालीनी चाडइ मूआ, देवलोकि ते राउत हूआ ॥ ११३

बेटउ महिप देवडा तणइ, कांधिल माइ प्रतिइ इम भणइ ।
भोजन वारि कांसीआ तणउ, त्राट प्रहार म वालिसि घणउ ॥ ११४

---

१११ **मलिक**–मलक D. **नेब**–नेबइं C, नबेज D, ते थि H. **जीतउ**–जीतुं A D H, जीतु B J L. **संग्राम**–संग्रांम D, संग्रामि J. **पातसाह**–पातिसाह H, पातशाह J, पातिमाहि L. **नइ**–निं B, नि C H J, नइं K, छइ L. **करिउ**–करइ A, करुं D, कीऊं J, कह्यउ K, कह्यउं L **सिलाम**–सलाम A B C L, सलांम D, संग्रांम J, सिलाम K. **तउ**–तु B C H J, तुं D, तव K, तो L. **आणंदिउ**–आणंद्यउ K L. **राउ**–राय C D, राउं L. **तसु**–. A B K, तस C **आप्यउ**–आपि B, आपु C, आपिउ D, आपीउ H, आ॑ग्यु J, आप्यउ तव K, आप्यउं L **पसाउ**–पसाय B C, पशाउ K

११२ **हूई**–हुई A C D, हूइ H, हूईय L **जालहुर**–जालोरइ A, जालोहर B, जाल्हुर C, जालुहुर J, जालउर K, जालउरह L **माहि**–माहि C D H J. **सुद्धि**–शुद्धि B, सघि D H, सिधि J, सुंधि K, शुधि L. **पूछइ**–पूछि B C H J, पूछइं L **सोनिगिरु**–सोनगिरउ A, सोनगिरु B, सोनगिरि C, सोनगिरु D J, सोनगिरिउ H, सोनिगिर K, सेनिगिरो L. **राइ** em–राउ A K, राय B C D J L, राउं H. **जीतइ**–जीति B C H J. **फलइ**–फलि B, सिंफलि C, सइंफलइ D K, फलिसि J, फलइं L **वही**–तही L. **राय**–राउ A. **भणइ**–भणि B C H J, भणइं D. **कां सारउं**–को सारउं A, कहि सारूं B, का मारिउं C, कां सारुं D, कां सारिषुं H, **कां** सार्खुं J, कइ हाख्या K, वरास्या L **रही**–सही A C H K.

११३ D J omit vs 113. **राय**–राइ B. **धरइ**–भणइ A, धरी B H, धरि C. C transp as धरि राय, K L transp as धरइ राय **तिणि**–तिण A, तेणि C, तेणी H, ति L. **वार**–वारि H. **भणइ**–भणि B C H. **टलइ**–टलि B H, टालण C, टंलइ K **हुणहार**–हूंण्हार A, हणार B, हार C, हणीहार H, हुउणहार L **श्रीमालीनी**–व्रह्मगाइनी H **चाडइ**–चाडिं B, चाडि C H, चाडिइ L. **मूआ**–मूंया A, मूया B. **देवलोकि**–देवलौव H, देवलोक L. **ते**–तीह K. **हूआ**–हूया B, हौआ H.

११४ **बेटउ**–बेटु A B H, बेटइ D. **देवडा**–देवडी D. **तणइ**–तणि B C H J, तणउ L. **कांधिल माइ**–तात B, कांधिल C D J, काधिल ध्याय H, कांधिल माय L **प्रतिइ**- प्रतिं वात B, प्रतिज्ञा जो C, प्रतिइं तेउ D, प्रति ते J, प्रतइं K. **इम**–ईणी परि H. **भणइ**–भणिइ B, भणि C J. L omits vs 114 b. **वारि**–वार D H K. **कांसीआ**–कांसीआं A, कांसीया B, कासीया C, कसीया D, काशिआ K. **तणउ**–तणउं A, तणि B, तणु C, तणूं D, तणू H. **त्राट**–त्राटि B K. **प्रहार**–प्रहारि A, सप्रहार B, प्रवाह C. **म वालिसि**–म लिशि A, म वाले C D, स चालिसि H, म वलि K. **घणउ**–घणउं A, घणूं B D, घणु C, घणू H. J reads 114 b as: भोय अंग्न करशूं, करतलि शत्रु मारी करशूं, त्राटलि.

नासीनइ ऊगारिउ आप, लोह तणइ भइ वीहइ बाप ।
तव लाजिउ महिपउ देवडउ, किम सांसहइ बोल एवडउ ॥ ११५

तउ महिपइ मोकलाव्या राय, चढीउ कटक राडद्रह जाइ ।
मलिक सरूप बिहुं सइ साथि, महिपइ हणिउ आपणइ हाथि ॥ ११६

महिपा साथि पड्या पंचास, तेह हूउ अमरापुरि वास ।
हियइ रोस पातसाहि धरिउ, गढ जालहुर भणी सांचरिउ ॥ ११७

जास तणउं सीताई नाम, आगलि ऊभी करइ सिलाम ।
जाती स्रमरण काकरुत लहूं, शुकन सरूप विमासी कहूं ॥ ११८

---

११५ L omits i qr **नइ**–नि B C J, नइं D **ऊगारिउ**–ऊगार्यूं A, ऊगारिउं B, ऊमाड्या D, ऊगरिउं H, ऊगरयू J, ऊगरयउ K. **लोह**–लोही J, हीया L **तणइ**–तणि B C, तणे J K L. **भइ**–भिइ B, भइं C, भय D J K L, भूइ H. **बीहइ**–बीहि B C, बीहू J **बाप**–वाप H, आप L **लाजिउ**–लाजु C, लाजीउ H, वलीउ J, लाज्यउ K **महिपउ**–महिप B D J, महिपु C H **देवडउ**–देवडु B C D H. **किम**–किंम D. **सांसहइ**–सहासि B, सांसहू C, सामहं D सांसहीइ H J, सांमहुं K **एवडउ**–एवडु B C D H J L reads 115 b as · तव लाज्यो महिपो शुणि आप । तव धायो महिप देवडउ किम सासेइ बोल एवडउ ॥

११६ **तउ**–त A, तु B H J, तव C, तुं D **महिपइ**–महिपि B J, महिपिं C, महिपिइं D, महिपो L. C transp as. महिपिं तव **मोकलाव्या**–मोकलावी A K, मोकलाविउ D, मोकलाव्यउ H, मोकलाव्यो L. **चढीउ**–चढी C J, चढी D K, चढीउं H, भिड्यउ L **कटक**–कटकि B H **राडद्रह**–रड्डद्रि B, नि भ्रुडी C, नि द्रोडी D, राद्रद्रह H, नि द्रुडि J, राड्डद्रइ K **जाइ**–जाय B C, माहि H, J **मलिक**–मिलि B, मिलक L. **सरूप**–सरुप H, स्वरूप J **बिहुं सइ**–बि ससि B, बिहुं सि D J, बिहो सइ H, बिहु सइ L. **साथि**–साथइ H, साथ K. K omits iv qr. **महिपइ**–महिप B J, महिपि C, महिपति D, महिम H, महिपइं L. **हणिउ**–हणीउ A, हिणिउ H, हण्यु J, हण्यउं L **आपणइ**–आंपणइ A. आपणि B C H J. **हाथि**–हाथ L.

११७ i qr in K is पड्या पंचास महिपा साथि **महिपा**–महिप B, महपा H **साथि**–साथइ L. **पड्या**–पडीया A, पडिया B **पंचास**–पचास H. **तेह**–तिहांनि A, तिहा C H L, ते J, तिया K. **हूउ**–हऊउ B, हूआ D, हौउ H, हुउ K. **अमरापुरि**–अमरापुर D After ii qr K interpolates the following line : जई तिहां करइ लीलविलास **हियइ**–हीइ A D, हईयडि B, हईइ C J, हइइ H, हीयइ L **पातसाहि**–पात्तसाह D, पातशाह J, पतिसाहइ K, पातिसाहि L **धरिउ**–धरीउ A, धरि J, धर्यउ K, धर्यउं L. **जालहुर**–जालोर A K L, जालहुरि B, जाल्हुर C, जालहर H **सांचरिउ**–साचरिउं D H, सांचरि J, संचर्यउ K, सांचर्यउं L.

११८ **जास**–जासु J **तणउं**–तणी B, तणुं C K, तणूं D, तणू H, तणि J, तणउ L. **सीताई**–सीतांइमां H, शीताई K. **नाम**–नांम D H J K. **आगलि**–आगइ A, आगलि L **करइ**–करि B C H J. **सिलाम** em–प्रणाम A, सीलाम B, सलांम C H D, सिलाम J K, सलाम L. **जाती**–जांती K. **समरण**–समरि A H, समर B, समरणि C, स्मरणि D. **काकरुत**–काकरत B, काकरुत C, काकरुंत D, काकरूत H K L, कागरुत J. **लहूं**–लहुं A, लहुं C D, लहू H J, हुं लहुं K. **शुकन**–शकन B D, सुकन C, शकुन H, सकुन K. **सरूप**–स्वरूप B K, शाक J, रूप L. **विमासी**–विचारी B J L. **कहूं**–कहुं A C D K L.

नवि अवतारि देव अवतर्‍या, जीणइ असुर सवे संहर्‍या ।
चाहूआण कुलि दसमी वार, आदि पुरुष लीधउ अवतार ॥ ११९
पंष सहित बालइ निज अंग, जउ दीवइ जइ पडइ पतंग ।
जउ चाली जाइसि सुरताण, सही कान्हडदे लेस्यइ प्राण ॥ १२०
बोल न मांन्यउ असपति राइ, गढ जालहुर भणी दल जाइ ।
तिणि अवसरि बइठी उछंगि, कुंयरी वात करइ मनरंगि ॥ १२१
आम तात सांभलि अरदास, वीरमदे छइ लीलविलास ।
रूप वेष वय सरीषइ भावि, कान्हकुंयर मुझनि परणावि ॥ १२२
बोल्यउ पातिसाह परि करी, गहिली वात म करि कुंअरी ।
ताहरइ मनि कूडउ उछाह, हीदू तुरक नही वीवाह ॥ १२३

---

११९ नवि-नवे A D H J, नव K L अवतारि-अवितारि B, अवतारे D J K. अवतर्‍या-अवतरिया B J, अवतरीआ H, अवतर्‍यो L. जीणइ-तेणि B, जेणि C H, जणि D, जिणि अवसरे J, जीणइं K, जिणइ L असुर-असुरु A, असूर H, अशुर L सवे-सवि J D transp as सवे असुर; J transp as सवि असुर. संहर्‍या-संहरियां B, सिंहर्‍या C, संहार्‍या K चाहूआण em-चाहूयाण A, चहूयाण B, चहूआणां C H, चाहुआण D K, चहूआणि J, चाहुआण L कुलि-कुल L दसमी-दशमी D J K वार-वारि J. आदि-आविउ H. पुरुष-पुरष A D L, पुरुषि C, पुष J. लीधउ-लीधु B C H J, लीधउं D. अवतार-अवतारि H L.

१२० पंष-पंच L. बालइ em-बालिउ A, बालि B H, जु बालि C, जु बालइं D, जु बोलि J, जइ बालइ K, बोलइ निज L निज- ..C D J K. अंग-अगि A. जउ-जईनि B, जु C D H, जिम J दीवइ-दीपक A, दीवि B C H, दिवडि D, दीवडि J. जइ-जिम A,...B D, जई C J, जउं L. पडइ-पडि B C D H J. जउ-जु B C H J. जाइसि-जासुं A, जासि B C H J, जाइससि D, जासे L. सुरताण-सुलताण A, सूरताण D, सूरतांण H, सरताण J, सुरताण K, शुरिताणि L कान्हडदे-कांन्हडदे A J, कांहांनडदे H, कन्हडदे L. लेस्यइ-लेसइ A, लेसि B C H J, लेसिइं D, लेसी L प्राण-प्राणि A, प्राण C J, प्राणि D H.

१२१ मांन्यउ-मान्य A, मानि B, मानि C, मानइ D, मांनिउ H J, मान्यउ K L. राइ-राउ A, राय B C D H J K. जालहुर-जालोर A, जाल्होर C, जालहु D, जालहर H, जालउर K L. दल-ते C. जाइ-जाय C J. तिणि-तिण A, तेणि D, तेणी H. अवसरि-अवसर ति L. बइठी-बिसी B, बिठी C H J, बिइठी D, बइयठी K. उछंगि-ऊत्संग C, उछांगि D, उछरंगि H, ऊछंगि J, उअगि K. कुंयरी-कुमरी C D J, कूअरी H, कुअरि K L. वात-वाति L. करइ-कहि B, कहइ C, करि J. मन-मनि A H L. रंगि-रंग C.

१२२ आम-अह्म B, आम J. सांभलि-संभलि K L. अरदास-अरदासि A, अरुदासि D. वीरमदे-कुंअर वीरम C. छइ-छि B J,...C, विरमदे D. रूप वेष-रूपि J, रुपवेष H, रूपवेस L. वय-वि B, बे C, वइ D, छि J, देवी L. सरीषइ-सरिषि B, सरषि C, सरीषू D, सरिषइ H K, सरीषि J, सरसइ L. भावि-भवि D, भांवि L. कान्ह कुंयर-कांन्हतु कुंयर A, कान्ह कूंयर B, कांहन कुयर C, काहन कुमर D, कांहान कुअर H, कांन्हडदे J, कान्हकुर K, कान्ह कुमर L. मुझनि-मह्मस्यूं B, मुंझनइ C, मुझनइ D L, मझ सिउं H, मह्मनि J, मुझसुं K. परणावि-परणाव L.

१२३ बोल्यउ-बोलइ A, बोलिउ B D J, बोलि C, बालि H, बोल्याउ K, बोल्यो L. पातिसाह-सातसाह A, पातसाह B C D H, पातशाह J, पातिसाहि L. करी-करि C D H. गहिली-गिहिली H. म-...B J L. करि-करी J, करइ L. कुंअरी-कुंयरी A C, कूंयरी B, कुंयरि D, कुअरी H L, कूंअरी J. ताहरइ-ताहरि B C J, ताहारि H. कूडउ-एवडी B, कूडु C H J, कुडउ K, ए कुडी L. उछाह-आहि B L, उत्साह C. हीदू-हींदू A, हींदू B D, हिंदू C, हींदूं K. तुरक-तरक H. नही-नंही B, नुहि C J, न हुउ D, वीवाह-वी D.

नयरि योगिनि मुसलमान, जे साहजादा मोटा षान ।
ताहरइ चिंति गमइ वर जेह, करउं वीवाह अणावउं तेह ॥ १२४

कुंयरी भणइ तात तुम्हे सुणउ, हीदू तुरक आंतरउ घणउ ।
भोग पुरंदर हीदू एक, हीदू जाणइ वचन विवेक ॥ १२५

हीदू भोजन भाव अढार, हीदू तणा भला सिणगार ।
तुरक कोई वर नवि सांसहूं, वरि हूं तात कुंआरी रहूं ॥ १२६

कइ कुंयर वीरमदे वरूं, आम तात कइ निश्चइ मरूं ।
कुंयरी बोल कहिउ ए जिसइ, गोल्हण साह तेडाविउ तिसइ ॥ १२७

---

१२४ **नयरि**–नयर B C D J. **योगिनी**–योग्य छि B, जोगिनी D, जोगनी H, योगनी K L. **मुसलमान**–मुसल्मान A D H, मुशलमान B, मुसल्मान C, मुसुलतान J, मुशलमान K, मोटा षान L. **जे**–ये C, D J. **साहजादा**–साहिजादा A, शाहा जी B, स्याहयादा C, साहाजादा नइं D, साहाजादा H, साह्यादा नि J. **षान**–षान A C H J. ii qr in L is मीर मिलक जे इछा मानि **ताहरइ**–ताहरि B C D H, ताहरी J. **चिंति**–मनि C, चीति D H, चीत K, चित्त L. **गमइ**–वसि B, गमि C, गमिउ D H, आवि J. **जेह**–जेउ A, जेअ H, जह K, जेय L **करउं**–करूं B D J, करुं C, करू H **अणावउं**–आणवुं B, अणावुं C K, अणावि D, अणावू H, अणावी J, अणावउ L **तेह**–तेउ J, तेय L

१२५ **कुंयरी**–कूयरी A, कुंमरी C, कुमरी D J, कुअरी H K, कुंअर L. **भणइ**–भणिइ B, भणि H, कहि J **तात**–वात H L. **तुम्हे**–तम्हे B H J, अम्ह L **सुणउ**–सुणु B C H J, सणुं D, शुणउं L. **हीदू**–हींदू A B D, हिंदू C. **तुरक**–तुरुक C, तरक D, तूरके H. **आंतरउ**–आतरु B, जो अतर C, छइ अतर D K, अंतर H **घणउ**–घणु B C H, घणुं D, घणउं L ii qr in J is हीदू सरिषु को मन गणु. **पुरंदर**–पुरुदर K. **हीदू**–हींदू B D, हिदू C. B transp as : हींदू भोग पुरंदर एक. **हीदू**–हिंदू C, हींदू D K **जाणइ**–जाणइ A D, जाणि B, जाणि C J. **विवेक**–ववेक D, विवेकि L

१२६ **हीदू**–हींदू B, हिदू C, हींदु जाणइ D. **भाव**–भोजन भाव D, भार H, भावइ K, भक्ष L. **अढार**–अपार C, आहार L. **हीदू**–हिदू C D, हीदू K **तणा**–तणि J. **सिणगार**–शृगार A, सणगार C, शिणगार D, शणगार J, शृंगारि L **तुरक**–तुरका A, असूर H, तुरका L **कोई**–को B C J, कोइ D K,.. L **वर**–परि B. C J transp as · तुरक वर को. **सांसहूं**–सासहुं A K L, साहि B. **हूं**–हुं A K L,...B. **तात**–तात L. **कुंआरी**–कुंयारी A B, कुंमारी D, कूंआरी J, कुआरी H L **रहूं**–रहुं A C K, रहि B, रहू H.

१२७ **कइ**–कि B C, कहि D J, कहइ K. **कुंयर**–हूं वर C, कुंयरि D, कुमरी J, कुंअरी K, कुअर L. **वीरमदे**–वीरमनि C, वीरदे D. **वरूं**–वरुं C D K, वरु H L. **आम**–आंम C, कि आम J. **कइ**–कि B, हुं C, केइ D, हूं J. **निश्चइ**–निश्चि B C, निश्चं D, निश्चइं H, निस्यइं J. **मरूं**–मरुं C K L, मरू D, म करुं H. **कुंयरी**–कूंयरीइं C, कुमरी D J, कुअरी H K L. **बोल**–बोल इ A. **कहिउ**–कहिउं A, कहीउ D J, कह्यउ K. D transp as ए कहीउ, L transp as ए कहिउ. **जिसइ**–जिसिउ B, जिसिं C, जसिइ D, जासइ H, जिसि J. **गोल्हण**–गोहलण D, गोलण H L, गेल्हण J. **साह**–साहि B L, साहा D. **तेडाविउ**–तिडावउ A, तेडावु C, तेडाव्यु J, तेडाव्यउ K, तेडाव्यो L. **तिसइ**–तिस्यु B, तिसिं C, तसिइं D, तसिइ H, तिसि J, तसइ L.

पातिसाह बोलइ परि घणी, वेगि जाउ कान्हडदे भणी ।
कुंअरी अम्हारी वर ताहरउ, कान्ह विछेदइ वीवाह ज करउ ॥ १२८

जउ कान्डदे बोल मानसइ, तउ देस्युं जे मुषि मागस्यइ ।
गोल्हण साह जाल्हुरि गयउ, जई वेगि राउल भेटीउ ॥ १२९

सभा मांहि सहू को सुणइ, गोल्हण साह इणी परि भणइ ।
पातिसाहनी बेटी जेउ, ते वर मागइ वीरमदेउ ॥ १३०

जासइ कटक आपणइ ठामि, गूजराति आपसइ अनामि ।
करि वीवाह मनि आणी रुली, छपन कोडि घन देसइ वली ॥ १३१

---

१२८ **पातिसाह**–पातसाह A B H, पातसाहिं C, पातशाह J, पातिसाहि L. **बोलइ**–बोलि B H,. .C D J. **परि**–परि कीधी C D, परि कही J H transp as परि बोलि. **वेगि**–विगि L. **जाउ**–जा H J. **कान्हडदे**–कांन्हडदे A C J K, काहांनडदे H, कान्हदे D. **भणी**–भणि D. A repeats the ii qr. **कुंअरी**–कुयरि A, कूयरि B, कुंमरि C, कूंयारी D, कुअरी H, कुमरी J, कुंअरि K, कुंअर L. **ताहरउ**–ताहरुं A, ताहरु B C D J. **कान्ह**–कांन्ह A K, काहनड D, काहान H, कांहान J. **विछेदइ**–विछेदिं B, वछेदि C D H, विछेदि J L, विछेद K. **वीवाह ज**–वीहवा B वीवाह C H J, विवाह D. **करउ**–करिउ B, करु C H J L, करूं D, करूउ K.

१२९ **जउ**–जा B, जु C D H, जो L. **कान्हडदे**–काहानड B, काहनडदे D, कांहांन H, कान्हडदे J, कांन्हड K, कान्हइ L. **बोल**–बोलिउं H, बोल्यु J, बोल्यउ K L. **मानसइ** em–मांनसइं A, मानसिइ B, मानसि C D, मांनसि H J, मांनिस्यइ K, मानसे L. **तउ**–तं A D, ते B J, तु C H, तिउ L. **देस्युं**–देसूं A, देसिउं B C H, देशूं J, देईसइ L **जे**–. A, जं D, जु H. **मुषि**–मुखि B C, मुष L. **मागस्यइ** em–मांगइ तिसूं A, मागसि B C H J, मागस्ये D, मांगस्यइ K, मांगसी L. After 129 a A interpolates following lines: गोल्हण साह इण परि भणइ पातसाहनी बेटी येउ । ते वर माहि सहू को सुणइ ॥ **गोल्हण**–गोलण D L, झोहालण H, गेल्हण J. **साह**–साहि B. **जाल्हुरि**–जालोरि A, जालोहरि B D, जाल्हरि H, जालुहुरि J, जालउरइ K, जालउरह L **गयउ**–गयु B C J, गयुं D, गव्यु H, गयो L. **जई**–जै A C, जे H. **वेगि**–विगइ A, वेग K. L transp as वेगि जई. **भेटीउ**–भेटीयु C, भेटिउ D H, भेटियउ K.

१३० **सभा**–सूभा H, सुभा K, शुभा L. **मांहि**–माहि A K. **सहू**–सहु D K, सहूइ H, सहूं L. **को**–कोई B K, को यम C. **सुणइ**–सुणिइ B, सुणि D J, सूणि H, शुणइ L. **गोल्हण**–तिम गोह्लण C, गोहलण D, गोहालण H, गेल्हण J, गोलण L **साह**–सह K. **इणी**–इण A, ईणी B D, एणी H, ते ईणी J. **भणइ**–भणिइ B, भणइं C, भणि J. **पातिसाहनी**–पातसाहनी A B C D H, पातशाहनी J, पातिसाहिनी L. **जेउ**–जेह C H, जेय D L. iv qr in B reads: वीरमदे परणावु तेह. **ते**–तेय L. **मागइ**–मागि D J, मांगइ K L. **वीरमदेउ**–वीरमदेय C L, वीरमदे D, वीरमदेअ H.

१३१ **जासइ**–जासि B C H J, जासिं D, जास्यइ K, जासे L. **आपणइ**–आपणि B D H J. **ठामि**–ठांमि B C J. **गूजराति**–गूजरात A B, गुजराति C J L, गुजरात K. **आपसइ**–आपसि B C H J, आपसिइ D, आपस्यइ K, आपसी L. **अनामि**–अनाम A, अनांमि H J, इनांमि L. **करि**–करी D H, करु B. **वीवाह**–वीवा L. **आणी**–आणे A, आणि C, आणु D, आपणि H, आंणी J, आंणे K, आपणइ L. **रुली**–रली D H K. **छपन**–छप्पन B D, छप्पज C. **देसइ**–देसि B H J, देशि C, देसिइ D, देस्यइं K, देसी L.

बोलिउ वीरमदे मनि इसी, पातिसाहि परि मांडी इसी ।
पातिसाहनउ इस्यउ निवेस, इणि परि मांडी लीजइ देस ॥ १३२
नवि देस्युं वेवाही मान, नही आवइ तुरकांणइ जान ।
मेरु सिषर जउ त्रूटी पडइ, चाहूआण चउरी नवि चडइ॥ १३३
हाथेवालइ हाथ नवि धरूं, नही बइसूं जिमण माहिरूं ।
चाहूआणनउं कुल निकलंक, जिस्यउ पूनिम तणउ मयंक ॥ १३४
सूरिज तणइ वंसि हुं आज, वडा पुरुषनि नांणूं लाज ।
गोल्हण तुं मनि झंषिसि आल, हिव लाजइ माहरूं मुहुसाल॥ १३५

---

१३२ बोलिउ–बोल्इ A, बोलि C, बोल्यउ K L. **पातिसाहि**–पातसाह A D H, पातसाहि B C, पातशाह J, पातिसाह K **इसी**–तिसी L, कसी H **पातिसाह**–पातसाह A D H, पातशाह J, पातिसह K, पातिसाहि L. **नउ**–नु B C D J **इस्यउ**–इसु A B, इसिउ C D H, स्यउ J, एह K, इसउ L. **निवेस**–निवेसि L, नवेसि H. **इणि**–ए A B H K, एह C, एणि D, इह J. **लीजइ**–लीधा A B H L, लीजि J, लीज्यइ K. **देस**–देश B J, देशि L.

१३३ नवि–धन K, नवइ L. **देस्युं**–देसइ A, देसि B, देसुं C, देस H L, देशूं J, देशोइ K. **वेवाही**–वेवाइ H, वेह्राइ K, वीवाही L. **मान**–नाम A, मान C D H J K, नामि L **नही**–नहीं B, नवि L **आवइ**–आवि B C H J. **तुरकांणइ**–तुरकाणा B, तुरकाणि C, तुरकाणि H J, तुरकाणइ L **जान**–जांन A C H J K. **मेरु**–मेर A H K L. **सिषर**–सिहर A, शिखर C, सषिर D, सषर H, शषरि J, शिषर K **जउ**–जु B C H J, ...D, जइ K, जो L. **त्रूटी**–त्रुटी D, तूटी L. D transp as त्रुटी जउ **पडइ**–पडिइ B, पडि H. **चाहूआण**–चाहूयाण A, तु चहूयाण B, चहूआंण C H J, चाहुआंण K, चाहुआण L. **चउरी**–चोरी B, चुरीइ C, चुरी D H J. B transp as नवि चोरी. **चडइ**–चडिइ B, चडि C J, चढइं L.

१३४ हाथेवालइ–हाथि हाथ A, हथेवालि B, हाथेवालि C H J, हाथेवालु D, हथि लेवउ L **हाथ**–मेलि A, हाथि D H L. **धरूं**–धरुं C D K, धरिउ H, धरू L **नही**–नवि B, नहि D **बइसूं**–बिसि B H, बिसुं C, बेइसि D, बिसूं J, वंस K, बइसउ L **जिमण**–नमणा C, नाहण D, नमणू H, नमणि J, नमणउ K, जीमण L. **माहिरूं**–माहरूं A B, माहिरुं C, माहरुं D J K, माहारु H, माहरू L **चाहूआणनउं**–चाहूयाण A, चाहूयाणनुं B, चहूआणा नि C, चाहूआणनूं D, चहूआणनू H, चहूआणनूं J, चहूआणनउ K, चाहुआणनउ L. **कुल**–छि C. **जिस्यउ**–जिसउ A, जिस्यु B, जिसिउ C, जिस्यु ज D, जसिउ H, जिस्यउ होइ J, जेसउ K, जिसउ होइ L. **पूनिम**–पुनिम H, पूर्णमा L. **तणउ**–तणु B D H, आसोई C, ह J,...L.

१३५ सूरिज–सूर्य B C D J L, सूरजि H **तणइ**–तणु B,...C, तणि J H **वंसि**–वंश B, वंशी C, वंशि D K, वसि H, वंस L. B transp as सूर्य वंश तणु. **हुं**–हूं B J, हुआ C, हु D, हू H, होइ L. **वडा**–वडां A H J K. **पुरुषनि**–पुरषनि A, पुरुषनी C J, पुरुष नही D K, पुरुष न H, पुरष नही L. **नांणूं**–आविइ B, आंणु C, आंणुं D K, आंणू H, आणूं J, आणउं L. **गोल्हण**–गोहलण C H, गेल्हण J. **तुं**–तुझे C, तु H L, तूं J. **मनि**–मन B H J, म C, मम K, ममि L. **झंषिसि**–झंषु C, जंपसि J, झंषिस L. **हिव**–हवि B C J, हविइ D. B transp as माहरूं लाजिइ; H transp as माहारु लाजसि, L transp as माहरउं लाजइ. **लाजइ**–लाजिइ B, लाजि C J, लाजसि H. **माहरूं**–माहरुं C D J, माहारु H, माहरउ K, माहरउं L. **मुहुसाल**–मुहसाल A D, मूंसाल C K L, मुसाल H.

कुंयर घणी मनि आणइ रीस, लाजइ राजकुली छत्रीस ।
एकवीस जे पृथवी राज, तिहां नीर ऊतरइ आज ॥ १३६

लाजइ राजगोत्र अहिठाण, लाजइ चाचिगदे चहूआण ।
हूं तां नही विटालूं आप, हिव लाजइ कान्हडदे बाप ॥ १३७

गोल्हण तुं मनि निश्चउ जाणि, इसी वात नवि सुणी पुराणि ।
कूंअरि वात विमासी कही, आगइ हूई न होसइ नही ॥ १३८

अमृत हाथ थकूं किम ढोलीइ, भवइ भव सु किम बोलीइ ।
गोल्हण वात विमासी जोइ, षूटइ काल मरइ सहू कोइ ॥ १३९

जनम मरणना अक्षर मांहि, आघी पाछी घडी न थाइ ।
चाहूआण नवि मूंकइ माण, रूठउ किस्यूं करइ सुरताण ॥ १४०

---

१३६ **कुंयर**–कुअरि C, कुअर H, कूंअर J, कुंअर K, घणी कुमर L **घणी**– L **आणइ**–आणी B C H L, आणी J K. **लाजइ**–लाजिइ B, लाजि C H J **एकवीस**–एकवीर C, एकवीसइ K. **जे**–. A L, जी K. **पृथवीराज**–पृथ्वी वीराज A, पृथिवी राज B, प्रथवी राज D H J, पृथ्वीनउ राज L. **तिहां**–तीह B, तेह C H J, तेहु D, तेहइ K, तिहानंउ L. **ऊतरइ**–ऊतारिउं A C, ऊतारि B, ऊतरि H, ऊतारूं J, उतारउं K.

१३७ **लाजइ**–लाजि B C H J **राजगोत्र**–राजागोत्र A, गोत्रराज L. **अहिठाण**–अहिठाण A D H J K. **लाजइ**–लाजिइ B, लाजि C H J **चाचिगदे**–चाचगदे B C H J L **चहूआण**–चाहूयाण A, चहूयाण B, चहूआंण D H J, चहुआंण K, चहुआण L. **हूं**–हुं A L, हू H **तां**–ता C H, तुं L. **नही**–नह B, नहीं D K. **विटालूं**–विटालुं B K, वटालुं C D, वटालूं H, विटालउं L. **हिव**–हविं B, हवि C H J, हविइ D, हवइ K **लाजइ**–लाजिइ B, लाजि C H J, लाजइं L **कान्हडदे**–कान्हदे A, काहनडदे D, कांहांनडदे H, कांन्हडदे K.

१३८ **गोल्हण**–गोलण L, गोहोलण H **तुं**–तूं J **मनि**–मन J K. **निश्चउ**–निसचउ A, निश्चु B, निश्चल C D, निस्यु J, निश्चइ K. **जाणि**–जांणि D J K. **इसी**–इसि D **नवि**– .A L. **सुणी**–शुणीइ A, सुणीइ C J, सूणी H, शुणीयइ L. **पुराणि**–प्राणि A, पुराणि C, पूराणि H, पुरांणि J K, पुराण L. **कूंअरि**–कूयरि A, कुंयरि B, कुंअरि C K, कुंयर D, कूअरि H, कुंअर L. **वात**–चीत D. **विमासी**–वमासी H, वर्णवी J. **कही**–कहीं B. **आगइ**–आगि B C H, आगिइ D, नवि J. **हूई**–हूउं A, हौउ H, होइ J. **न**–नि H J. **होसइ**–होसि B C D H J, होस्य K. **नही**–नहीं B, वली H. L reads iv qr as: इसी वात तव बोलइ रही.

१३९ **हाथ**–हाथि B C D J. **थकूं**–थिकुं B D J, थकुं C K, नु H, सिउं L. **किम**–नहीं B,...C, नवि H L. **ढोलीइ**–ढोलीइं D, ढोलियइं K, ढोलीयइ L. **भवइ**–भवि A B D H L, आ भव C, एकि भवि J, भवइं K. **भव**–भवि A H L, भलु C, सो भव J **सु**–सूं B,...C D J, कुल H, सुं K, किसउ L. **किम**–नहीं B,... J, आप L. **बोलीइ**–नोलीइ A, बोलियइ K, बोलीयइ L. **गोल्हण**–गोहलण H, गोलण K L. **विमासी**–विमासि D, विमांसी J. **जोइ**–जोय C J. **षूटइ**–षूटि B C H, षूटिइ J. **काल**–कलिं B, कालि C D H J. **मरइ**–मरिइ B, मरि C J. **सहू**–सवि L **कोइ**–कोय C J, कोई H.

१४० **जनम**–जन्म B C D L. **मरणना**–मरणनां K. **अक्षर**–अष्यार K, आंक्षर L. **मांहि**–माहि A D. **घडी**–घडीअ J, वात L. **न**–नवि D. **थाइ**–थाइं C, जाइ D K, थाय J. **चाहूआण**–चाहूयाण A, चहूयाण B, चहूआंण C H, चहूआण J, चाहूआंण K, चाहुआण L. **मूंकइ**–मूकइ A L, मूंकि B J, मुंकइ C, मुकि H. **माण**–मांण C D H J K. **रूठउ**–रूठिउ B, रुठउ C, रूठउं D, रूठि J. **किस्यूं**–किशूं A, किसूं B, किसुं C K, कसिउ H, किशुं J, किसउं L. **करइ**–करसइ A, करशु B, करि C H J, करई L. **सुरताण**–सुरतांण C D J K, सूरतांण H, शुरिताण L.

मूंग कोरी मांहि रहइ सदैव, कर्म न छूटइ तउही जीव।
कीधां कर्म सहू पामसइ, पांचमि सिरजि छठि नवि हुसइ॥ १४१
आवी लाज हूउं अपमान, बोल न मान्यउं वलिउ प्रधान।
कटक मांहि जई कीधउं जाण, गोल्हण तेडाविउ सुरताणि॥ १४२
गोल्हण भणइ पातिसाह सुणउ, मानइ नही बोल आपणउ।
साम दाम विधि च्यारि उपाय, मइं संभाल्यउ सइंभरिनउ राय॥१४३
मइं बोलीया बोल गंभीर, राय भणइ तुम्हे पूछउ वीर।
लोभ तणी परि मइं सवि कही, वीरम बोल सांभलइ नही॥ १४४

---

१४१ **मूंग**-मुंग A,.. B, मुग C, मग D H J, मूग K. **कोरी**-कारेउ A, कोरीनइ L. **मांहि**-माहिइ A, माहि B D H K. **रहइ**-रहि B D J, पिसीइ C, रह K, पसीयइ L. **सदैव**-...C L, सदीव J, सदेव K. **कर्म**-करम J K. **छूटइ**-छूटि B C H J, छुटइ D. **तउही**-तेहू A H, तेहि B, तुहि C, तेहु D, तोहि J. **जीव**-जीइ C. L reads ii qr as: कीधा कर्म ते नवि छूटयइ **कीधां**-कीधा L. **कर्म**-करम H J K. **सहू**-सहूं L. **पामसइ**-पामिसइ A, पामसिइ B L, पामसि C, पांमसि D H J, पांमसइ K. **पांचमि**-पांचिम H, पांचम L. **सिरजी**-शिरजी A, सरजी C H J. **छठि**-छट्ठि B C D **नवि**-किम C J K, कि D. **हुसइ**-हुसि B D, हसि H, होसि J, हुस्यइ K, हुसिइ L.

१४२ **आवी**-आंवी L. **लाज**-लाल B. **हूउं**-हूउ B K, हुउं D, हऊउं H, होऊ J, हूउ L. **अपमान**-उपमांन A D, अभिमान B, उपमान C I₁ (ख), अपमांन H K. **मान्यउं**-मांन्यूं A, मानु B, मांनिउ C, मान्युं D, मांन्युउं H, मांन्यु J, मांन्यउ K, मान्यो L **वलिउ**-वल्या C, वल्यु D H, वल्यउ K, वल्यो L. **प्रधान**-प्रधांन H J K. **मांहि**-माहि A K L. **जई**-जइ H, जीई L. **कीधउं**-कीधूं B J, कीधुं C D H K, कीधा L. **जाण**-जांण C D H J K, जाणि L. **गोल्हण**-गोहलण H, गिलण L **तेडाविउ**-तेडाव्यु D J, तेडाव्यउ K, तेडी पूछ्या L. **सुरताणि**-सुराताणि B, सुरतांण D K, सूरतांणि H, सरतांणि J, शुरिताणि L.

१४३ **गोल्हण**-गोह्रण B, गोहलण C H. **भणइ**-भणि B C H J, भइ D, कहइ L. **पातिसाह**-पातसाह A D H, पातशाह J, पातिसाहि L. **सुणउ**-सुणु B C H J, सुंणुं D, शुणउं L. **मानइ**-मांनइ A K L, मानि B, मान्यु C, मांनि H J. **नही**-नहीं B. **आपणउ**-आंपणउ A K, आपणु B H J, आपणुं C D, आपणउं L. **सामदाम**-सांमदांम A J K, सामदान B, स्यांमदांम C, सांमदांन H, सामदा L. **विधि**-वधि H, विध L. **च्यारि**-त्रिणि C D, च्यार H, च्यारइ K L. **उपाय**-उपाइ D, प्रकार J, पाउ L. **मइं**-मइ A D H K, मिं B, मि C J, मीइ L. **संभाल्यउ** em-संभाल्युं A, सांभलिउं B, सांभल्या C, संभाल्यु D, संभलाविउं H, संभारिउ J, सांभाल्यउ K, संभाल्यउं L. **सइंभरिनउ**-सोनगिरा A, सिंभरि B C J, सइंभर D, सइभरि H K, सिइभरिनउ L. **राय**-राउ A H, राइ D L, वारि J.

१४४ **मइं**-मिं B, मि C H J, मइ K L. **बोलीया**-बोल्या छइ A, बोलिया B, बोलीआ H K, बोल्या J, बोल्यउ L. **भणइ**-भणि B C H J. **तुम्हे**-तह्मे B, तह्म H, जई J, तुम्ह K, तुम्हि L. **पूछउ**-पूछिउ B, पूछु C D, पुछे H, पूछ्यउ K **तणी**-तणि J. **मइं**-मइ A K L, मिं B C, मि H J. **सवि**-वसि H. H transp as वसि मि; J transp as सवि मि; L transp as सवि मइ. **कही**-कहीं B. iv qr in C reads: कुंयर वीरम ते नवि लही. **वीरम**-वीरमदे D K L, वीरमदेई J. **सांभलइ**-सांसहि B, सांसह H, सोसहि I, मांन्यु J, सांसइ L. **नही**-नहीं B.

भय आपणउ चिंति नवि धरइ, चाहूआण वीवाह नवि करइ ।
इसी वात बोलइ परधान, मछरीक मोटउं अभिमान ॥ १४५
हईइ रोस पातिसाहि धरिउ, चाहूआणसूं हठ आदरिउ ।
दल ऊपड्यां राउद्रह थयां, जांगी ढोल दमामां दीयां ॥ १४६
बापडुद्रि आव्यउ सुरताण, बीजइ दिनि गोअलि मेल्हाण ।
तरुअर छांहि निरमला नीर, आव्यां दल सुंदरला तीर ॥ १४७
करी वालि बांध्या केकाण, पालइ दीधां मयगल ठाण ।
ठामि ठामि फोज राहवी, भला काठगढ षाई नवी ॥ १४८

---

१४५ भय-बोल A, भु B H, कहिउ L आपणउ-आंपणउ A K, आपणु B C H J, आपणुं D, आपणउं L. चिंति-चिंति A, चित्ति C, चंति H, चींति K, चत्ति L. धरइ-धरिइ B, धरि H J. चाहूआण-चाहूयाण A, चहूआण C, चहूआंण H J, चाहुआण L. वीवाह-जो वीवाह C, विह्वा D. नवि-नही A, नहि D. करइ-करिइ B, करि H J. इसी-असी C, इसीय L. बोलइ-बोलि B C H, क्ही J. परधान-परधांन A C H K, प्रधांन D, परधानि J, परिधान L. मोटउं-मोटूं A, मोटु B C H, मोटुं D, मोटउ J K L. अभिमान-अभिमांन A D H J K L.

१४६ हईइ-हीइ A, हैइ B, हईइं D, हइइ H, हियइ K, हीयइ L. पातिसाहि-पातसाहि A C H, पातसाहिं B, पातसाह D, पातशाह J, पतिसाहइ K. धरिउ-धरीउ A, धर्युं D, धरयउ K L. चाहूआणसूं-चाहूयाण शुं A, चहूयाण सूं B, चहूआणासुं C, चहूआंणस्युं D, चहूआंणसुं H, चहूआंणशुं J, चाहूआंणसुं K, चाहुआणसु L हठ-हठि L. आदरिउ-आदर्यु D, आदरिउं H, आदरयउ K L After 146 a H interpolates the following two lines: बोलि वात धरी अभिमांन काफर सेती बेइमांन । रवा नही मुह देषि घडी भिस्त न पावि सूणि पुंगडी ॥. ऊपड्यां-ऊपडीयां A, ऊपडियां B, ऊपड्या L. राउद्रह-राउद्रहा A, रडुद्रि B, राद्रडि C, राडुद्रह J, राउध्रह K. थयां-थकां A, थया C, थीयां D, गयां K, गया L. ढोल-ढोली D. दमामां-दुदांमां A, दमांमा B J, दमांमा C K, ददांमां H, दुंमांमां L. दीयां-दीया A L, दीआ C, दीआं J, दिया K.

१४७ बापडुद्रि-बापडत्रइ A, बापडुडि C, आप रडुद्रि I, बापडुद्र J, बापडिद्र K, राउद्रह L. आव्यउ-आव्यु A J, आविउ B H. सुरताण-सुरतांण C K, सूरतांण H, सरतांण J, शुरिताण L. बीजइ-बीजि B C D H J. दिनि-दिन D H J K,...L. गोअलि-गोलि B J, गोले C D H K, गोवल दीया L. मेल्हाण-मेह्राण B, मेहलाण C, मेहलांण D H, मेल्हांण J. तरुअर-तरुवर A, तरूयरि B, तरुअर C H, तरुय J. छांहि-छाया B, छांहनइ C, छांहनि D, छाहि H, छांह K, छाह L. निरमला-निरमलइ A, निर्मल B D, निरमल C H J. नीर-नीरि A J. आव्यां दल-आंबा वाडी B, आव्या दल L. सुंदरला-सूंदरला A, सुंदर B, सिंदला C, सुदरला H, सदरलां J, ते शुरला L. तीर-तीरि A H, वीर C.

१४८ वालि-वालिं D, वांल K, लेई करवाल L. बांध्या-बाधा A, बांध्यां D J, भाग्या L. केकाण-केकांण C D H K. पालइ-पाषलि A, पालिं B D, पालि C H J. दीधां-दीयां A, दीधा C K L, दीठा D. मयगल-मेगल A H, मइगल L. ठाण-मेल्हाण A, ठांण D H J K. ठामि ठामि-ठामि २ A L, ठांमि ठांमि B C J, ठांमि २ D K. फोज-भुंई B, फांज K. राहवी-रहावी A H, रहावीउ J, ते सरी L. भला-भल H. काठगढ-कटक गढि B. षाई-षाही B, थाइ H. नवी-करी L,

असपतिदल नवि लाभइ पार, पाषलि फिरतां कोस अढार ।
पातसाही दल दीठउं जिसइ, राउलि गढ सिणगारिउ तिसइ ॥१४९
पट्टकूल मेघवन्नां कर्‌यां, कोठइ कोठइ बिमणां धर्‌यां ।
रत्नजडित चंद्रूआ थिकां, दीसइ मोतीनां झूंबषां ॥ १५०
ऊपरि वली त्रिकलसां घणां, झकलत दीसइ सोना तणां ।
तारा तणां किरणसूं मिलइ, कोसीसे दीवा झलहलइ ॥ १५१
गीत गान सांभलीइ घणां, कोठइ कोठइ हुइ पेषणां ।
को वर्णवी न जाणइ मान, जेहवुं इंद्र तणउं विमान ॥ १५२

॥ राग अंदोला धन्यासी ॥

लंक त्रिकूट सिरीषडउ रे, गोरीअडे गढ दीठ ।
कनकसकोमल फूदडी ए, विचि विचि रतन बईठ ॥ १५३

---

१४९ असपति–असपतिनां B. नवि–न B लाभइ–लाभि B C J, लभि H पाषलि–पाषलें D, पाषल L. फिरतां–फिरता C H L, फरतां D. कोस–कोश C पातसाही–पातसाहि A, पातसाह B H, पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाही L. दीठउं–दीठूं B J, दीठां C, दीठुं D K, दीठउ H L जिसइ–जिसिइ B J, जिसि C, जिसइं D, जसइइं H. राउलि–राउल H J L सिणगारिउ–सिणगारूं B, सणगारिउ C, सिणगार्‌यु D, शणगारिउ J, सिणगार्‌यउ K, सिणिगार्‌यउ L. तिसइ–तिसिइ B, तिसि C J, तसिइ H, सतिसेइ L.

१५० पट्टकूल-पटकूल D H L. मेघवन्नां–मेघवना B D J, मेघवन्ना C, मेघवंता H, मेघवंन्ना K, मेघवंना L. कर्‌यां–करियां B J, कर्‌या C K, करिया H, धर्‌या L कोठइ कोठइ–कोठि २ B, कोठे २ C L, कोठिइं २ D, कोठकोठि H, कोठि कोठि J. बिमणां–साहमा B, बिमणा C K, बमणां D, बइसणां I₁, बमणा L धर्‌यां–धरियां B J, धर्‌या C K L, कर्‌यां I₂. रत्नजडित–रत्नजटित B, रतनजडित C H, रतनजटित J, रत्नजडति L. चंद्रूआ–चिहुं पासि B, चंद्रूया C, चंद्रुआ D, चद्रूआ L थिकां–थिका A, थका C H L, जव्या J. दीसइ–दीसइं A D, दीसि B C H J. मोतीनां–मोतीना H, मोती J. झूंबषां–झूबषां A B, झूंबका C L, झूंबरकां D, झूबकां H, झूंमण पव्या J.

१५१ त्रिकलसां–त्रिकलसा C L. घणां–घणा C L झलकत–झलकति B K. दीसइ–दीसि B C H J. सोना–सोनां B D K. तणां–तणा C, घणां K तारा–सूर्य K. तणां–तणा C H, तणे J. किरणसूं–किरणस्यूं B D, किरणसुं C, करणसुउ H, किरणशूं J, किरणांसु K. मिलइ–मिलिइ B, मिलि C J, मलि H. कोसीसे–कोसीसि B. दीवा–दीवा K. झलहलइ–झलहलिइ B, झलहलि H J. ii–iv qrs in L are ठामि २ हुइ पेषण । कोसीसे ते दीवा बलइ । ऊपरि थकी ध्वजा ऊछलइ ॥

१५२ गान–गान A B D H J K. सांभलीइ–साभलीइं D, साभलियइ K. कोठइ कोठइ–कोठइ २ A, कोठि २ B D, कोठे २ C, कोठि कोठि H J. हुइ–हुई B, नितु हुइ C, हुंइं D, होइ J, हूइ K. को–कोइ D, कवि J. वर्णवी–वर्णवा B, वर्णवावी J. जाणइ–जाणि B J, जांणि C H, जाणइ D K. मान–मांन D H J. जेहवुं–जेहुं A, जेहवू H, जेहवूं J, जेहवउ हुइ K. इंद्र–इद्र H K. तणउं–तणूं B J, तणुं C D, तणू H, तणउ K. विमान–विमांन A D H J. L omits 152 a (cf ii qr of vs 151 in L), and reads as 152 b: सो वर्णवान न जाणइ मान । जेहवउं इंद्र तणउं विमान ॥. H interpolates the following line after vs 152: जसिउ मेरउ पइ कैलास देव इद्रनु जिसिउ निवास ।

१५३ राग–गीत । राग A B J K. अंदोला–धवल H, अंदोसा J, अदोल K. धन्यासी–...J, धन्यासी ऊपरि अंदोला गीत L. लंक–लंकि B. त्रिकूट–त्रिरं B, त्रकूट H. सिरीषडउ–सिरीषडउ A, सरीषड्डु B D, सरीषडां ए

तरल त्रिकलसां झलहलइ रे, धज धरीइ विसाल ।
रचीइ चंद्रूआ चउफला ए, मांहि मोतीयडे जाल ॥ १५४
पंचवर्ण पटउलडां ए, रचीइ परीयछि चंग ।
धवल धउलहर पेषीइ ए, विचि विचि चित्र सुरंग ॥ १५५
पंचशब्द हुइ पेषणां ए, नाचइ नाटिकपात्र ।
गीतसंगीत सलूणडां ए, सुणीइ स्वर सात ॥ १५६
कान्हमेरि कोठा घणा ए, दीसइ दीपकमाल ।
चाहूआण चामर ढलइ ए, कान्हडदे कुलपाल ॥ १५७

॥ चउपई ॥

पातसाह मनि अचिरज भयउ, कमालदीन तेडी पूछीयउ ।
आगइ श्रृष्टि सुणीइ बि वार, वली श्रृष्टि सी त्रीजी वार ॥ १५८

H, सिरीषइ J, सरीषइं K, सरीषो रे L **गोरीअडे**–गोरीय B, गोरीवडे D, गोरडीए H, गोरीयडे J L. **दीठ**–दीठउ L **फूलडी ए**–फूलडी ए A, फुटडी रे B, फूटडी रे D, कूठडां रे J, मुंदडी ए K, सीयल L **विचि विचि**–वचि २ B, विचि २ D K L, वचि H, स्वइ रे J. **रतन**–रत्न B D J. **बईठ**–बइठ B H K, बइठउं L. C MS omits the entire song, i e vss 153-157.

१५४ **तरल**–कनक D J, निरमल K. **त्रिकलसां**–त्रिकिलसा A, त्रिकलसा L. **झलहलइ रे**–झलहलि ऐ B, झलहलि रे J, झलहलइ L **धरीइ**–धरीय A, धराइ B, धरीअ H, करी K, फरइरइ L. **विसाल**–विशाल B J, सुविशाल D. **रचीइ**–रचीया B, रचीय D L, रची H, रचिइं K. **चंद्रूआ**–चंद्रूया B, चंद्रुआ D K, चद्रोआ L. **चउफला**–चुफला A B H, चुंफला D **मांहि**–माहि A H K. **मोतीयडे**–मोतीअडे A, मोतीयडा B, मोतिडे D, मोतीडां H, मोतिअडे K.

१५५ **पंचवर्ण**–पंचवरण H. **पटउलडां ए** em–पटोलडां A, पटुलडा ए B K, पटुलडां ए D, पटुलडइ ए H, पट्टउलडां ए J, पटउलडा ए L. **रचीइ**–पठी A, रचीय D, रची H, रचिइं K, रची ते L. **परीयछि**–परीयचि B D, परीअचि H, परीइचि J, परियछं K, परियछ L. **चंग**–चंप H. **धवल**–धुला D, धवलां J. **धउलहर**–धलहर A H, धुलहर B, धवलहर D J, धोल्हर K. **पेषीइ**–झबझबि H, पेषिइं K, पेषीयइ L. **ए**–रे H J. **विचि विचि**–विचि २ B D J K, देषी L, वचि H. **चित्र**–विचत्र A L, विचित्र K, त्रीत्र H. **सुरंग**–सुचंग D K, सूचंग H, सोचंग J, शुरंग L.

१५६ **पंचशब्द**–पंचसबद H J L. **हुइ**–हुई D, हु H, होइ J **पेषणां**–पेषणा H K L. **ए**–रे H,.. L. **नाचइ**–नाचि B H J **नाटिक**–नाटक A K. **सलूणडां** em–सलडां A, सोहामणा B, सलूणडां D H, सलूणडा J, सलूणडा K, रसालडा L. **ए**–रे H. **सुणीइ**–सूणीइ H, सुणियइं K, शुणीयइ L. **स्वर**–जे स्वर B, सस्वर D, सरूइ J, ते सवि L. **सात**–साद D, सांनत H, सादि J L.

१५७ **कान्हमेरि**–कान्हडमेर A, कहुमेरि B, कान्हमेर D, कांहांनमोर H, कनकमेरि L. **कोठा**–कोठां B. **घणा**–घणां B. **दीसइ**–दीसि B H J, दीसे D. **चाहूआण**–चाहूयाण A, चहूयाणनिं B, चहूआंण H J, चहुआणां K, चाहुआण L. **चामर**–चांमर H J **ढलइ**–ढलि B H J. **ए**–रे J. **कान्हडदे**–कान्हड A, कांहांनडे H, कान्हडेद K, कान्हडने L. **कुलपाल**–कूंरपाल D, कूरपाल H, कुंअरपाल J, कुंअरपाल K, सविशाल L.

१५८ **चउपई**–हिव चउपइ कहीइ छइ A, चुपै B J,.. C, चुपईः D, चुपइ H, चोपही L. **पातसाह**–पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L. **अचिरज**–अचरिज C K, अचिरत D H, अचरजि L. **भयउ**–भउ A, भयु B C D H J, भयो L. **कमालदीन**–कमालदी B, कामलदे L. **पूछीयउ** em–पूछीउ

बंदइ इसी करी अरदास, इणि गढि राउलनउ छइ वास।
विसमउ गढ विसमा झूझार, ऊपरि विसमा पोलि पगार॥ १५९
इसउ बोल जव बंदइ कहिउ, पातसाहि सिर कंपाविउ।
मालदेव नइ वीरमदेउ, रातीवाहि ऊतरिया बेउ॥ १६०
षाई बूरि घणे विनाणि, काठ तणउ गढ भांजिउ प्राणि।
एकइ रातिइ तुरकां तणा मूगल बचा बारसइ हण्या॥ १६१
निति काठगढ षाई करइ, रातीवाहि निति ऊतरइ।
दीहइ तुरक करइ जेतलूं, नितु हींदू भांजइ तेतलूं॥ १६२

A B H J, पुछीयुं D, पूछियउ K, पूछियो L. आगइ–आगि B C H J. श्रष्टि–सृष्टि B C, श्रेष्ट H L. सुणीइ–सुणी B C, श्रुणिइ D, सूणी H, शुणी L. बि वार–बि च्यारि B, बे वार C, बी चार D, विचार K, बे वारि L. बली–नवी B H L, वलि K. श्रष्टि–सृष्टि B C, श्रेष्टि D K, श्रेष्ट L. सी–ए A, सुं C,...H, को L.

१५९ बंदइ–बंदु A, बंदि B C H J, वंदइ K L. इसी–असी B H, सी J. करी–करइ A, कही L. अरदास–अरदासि A, उरदास D. इणि–इण A, ईणि B J, इंणि C, ईणइ D, एणि H, इणइ K. राउलनउ–राउल तणउ A, राउलनु B D H J. छइ वास–निवास A, छि वास B, ए वास C, वास J K विसमउ–विसमु B C D, विसमि H J, विसमुउ L. गढ–गढि J H. विसमा–विसमु C. झूझार–जूझार C, झूझारि L. ऊपरि–उपरि C. विसमा–विसमी D. पोलि–पउलि L. पगार–पागार A, पगारि L.

१६० इसउ–इसु A H, इसिउ B C, इस्युं D, इशु J, इसउं L बोल–वोल K. H MS ends here. जव–तव J. बंदइ–बंदि B C J, वंदइ K. कहिउ–कह्युं D, करिउ J, कहाउ K, कहिउं L. पातसाहि–पातसाह B D, पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L. सिर–षिर C, सर D, शर J, सिरि K. कंपाविउ–कंपाव्यु B, कंपावीउं C, कंपावीउ D J, कंपावियउ K, कंपावियो L मालदेव–मालदेउ C, मालदे D, मालदेय L. नइ–नि B C J. वीरमदेउ–वीरमदेव A K, वीरमदे B, वीरमदेय L. रातीवाहि em–रातीराहि A, रातीवाइ B K, रातीवाईं C, रातिंवाइ D, रतेवाउ J, रातीवाहइ L. ऊतरिया–उताया A J, उतया C, उतया D K L. बेउ–बेय B L, बेऊ J, बेव K.

१६१ षाई–काढी L. बूरी–तरी J, छुरी L. घणे–घणि B C, घणउ L. विनाणि–विंनाणि A, विनाणि C, पराणि J, विनांणि K, विनाण L. तणउ–तणि B, तणु C D,...J. गढ–गढि B. भांजिउ–भांज्यु D, भांजीउ J, भांज्यउ K, भांज्यो L. प्राणि–प्रांणि C D K, विनाणि J L omits 145 b. एकइ–एक A C, एकिं B, एकइं D, एकि J. रातिइ–रातिमां A, रातिं B D, राति C J, रातइं K. तुरकां–तुरकह B J, तुरकज C D. तणा–तणां B D J. मूगल–मूंगल B J, मुगल C K, मुंगल D. बचा–.. B, बच्या J. बारसइ–बारइ सइ A, रसि B, बारसि C, बारसिं J, बारहसइं K हण्या–हण्यां D

१६२ निति–नित A K, नितु D. करइ–करिइ B, करि C, करइं D, षणि J. रातीवाहि–रातीवाइं C, रातीवाइ D, रातेवाई J, रातीवाहइ K. निति–नितिइ A, नितु B C D, नित K. ऊतरइ–ऊतरिइ B, उतरि C, ऊतरि J. दीहइ–दीहं A, दीहिं B, दीहि C J, दीहइं D. तुरक–तरइ A. करइ–रलिइ B, करि C, रलइं D K, रलि J. जेतलूं–जेतलुं C D K नितु–नित A K. हींदू–हीदू A J. भांजइ–भांजि B J, भाजि C, भांजइं D, भंजइ K. तेतलूं–तेतलुं C D K. L reads as vs 162: एकइ रातिइ तुरक नितु वेहुं भिडइ। रातीवाहइ भांजइं बेउ। काठगढ भांजइं दिन २ तेउ॥

तुरके हींदू नवि आंगम्या, सात दिहाडा ईणि परि गम्या ।
पातसाह ईणि परि भणइ, कथन सवे सीताई सुणइ ॥ १६३

आधी राति देवकीनंद, स्वपन मांहि दीठा गोविंद ।
शंष चक्र छइ करि हरि तणइ, पीलां पट्टकूल पहिरणइ ॥ १६४

माथइ मोरपीछनी धडी, काने लोलि रत्नसूं जडी ।
देव तणउं सामलूं सरीर, कटि मेषला शब्द गंभीर ॥ १६५

चित्त मांहि हिव निश्चय धरिउ, साचउ बोल हूउ ताहरउ ।
कान्हडदेवि भगति आदरी, ततषिण तूठी आसापुरी ॥ १६६

कोलाहल सांभल्यउ अपार, कटक मांहि वूठउ अंगार ।
[कटक मांहि सहू दषीऊं हूऊं, घोडूं माणस विलषूं थयूं ॥] १६७

---

१६३ हीदू–हींदू B D, हिंदू C. आंगम्या–आंगम्यां L. दिहाडा–दीहाडा A D, वरस K. ईणि–इणि B L, इणी C, ईणीं D, ईणी J K पातसाह–पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L ईणि–राणी A K L, राणी B, इणी C, ईणी J परि–प्रति A B K L भणइ–भणिइ B, भणि J. कथन–कत्थन A. सुणइ–सुणिइ B, सुणि J, शुणइ L

१६४ आधी राति–आधा रातइ K. देवकीनंद–देवकिनंद D, केवकीनंद L स्वपन–स्वप्न A B C, सपन D, शुपन L. मांहि–.. A, माहिं B, मज्झि C, माहि K. दीठा–देषइ A, आव्या C, दीठउ J L, दीठ K. गोविंद–गोव्यंद J, गोविद K L. शंष–शंख C, संष L. चक्र–चक L छइ–छि B C, अछि J. करि हरि–हरि करि B, हरि J तणइ–तणिइ B, तणइं C L, तणि J पीलां–पीला B C L, पीली D. पट्टकूल–पटकूल A L. पहिरणइ–पहिरणिइ B, पहिरणि C J, छइं पहिरणइ L.

१६५ माथइ–माथि B C J पीछनी–पिंछनी A, पिछनी B, पिच्छनी C, पींछनी K. धडी–छडी L. काने–कांने A C D K. लोलि–लोलि A, लोल C D K, लालि J, कुंडल L. रत्नसूं–रत्न सिउं C, रतनसूं J, रतनसुं K, हीरे L. B transp as रत्न लोलिसुं. तणउं–तणूं B J, तणुं C D, तणउ K, देह L. सामलूं–सामलुं C, सांमलउं D, सांमलूं J, सामलउ K, श्यामवर्ण L. सरीर–शरीर B C D J. कटि मेषला–कटिहि मेषला C, कटी मेषला D K, कटि मेखला J, कट मेषला L शब्द–शबद J, सबद L. गंभीर–गींभीर A J.

१६६ चित्त–चित्ति B, चित D, चिति K. मांहि–माहि A L. हिव–हीइ A, हिवि B, हवि C J, न हीवे D, मनि K. निश्चय–निश्चउ A, निश्चि B, नसि D, निस्यु J, संका K. धरिउ–धरुं C D, धरु J, धरउ K, धरउं L. साचउ–साचे B, साचु C J, सांचूं D, सांचूं L. बोल–साचउ बोल A हूउ–...A, सवे B, सहू C, हुसि J, हुंउ L. ताहरउ–ताहरु B D J L, ताहरुं C, ताहरउ K. कान्हडदेवि–कांन्हडदेवि A, कान्हडदे D L, कांन्हडदे K. भगति–भक्ति A B C L. ततषिण–तताक्षिण A, ततषिणि B D J, ततक्षण C, ततषिण L. तूठी–तुठी D. आसापुरी–आशापुरी B J, आस्यापुरी C L, आश्यापुरी D.

१६७ सांभल्यउ–सांभलिउ A B, सांभल्यु C, सांमल्यूं D, सांभलि J. अपार–अपारि L. मांहि–...A, माहि D K. वूठउ–छूटु B, वूठो C, वूठा J, छूटा L. अंगार–अंगारि L. A B K omit vs 167 b. मांहि सहू–सहू ते D. दषीऊं em–दषीउं D, दुषीऊं J. हूऊं–हूउं D, थयूं J. घोडूं–घोडा D. माणस em–मांणस D J. थयूं em–थयुं D, हूऊं J. C reads as 167 b : मांणस घोडा नइ हाथीआ तेह सवे मलि विलषा थया; L reads as 167 b : देवचरित्र नवि कहणउ जाइ अकस्मात कोलाहल थाइ.

॥ दूहा ॥

पुण्य तणउं ए पारखूं, जे दिन रूडइ जाइ ।
पदमनाभ पंडित भणइ, तउ सुर किंकर थाइ ॥ १६८
हय गय सुहड सारथ सवि, जउ मदि माता होइ ।
नीर पवन पावक तणी झड नवि झालइ तोइ ॥ १६९

॥ चउपई ॥

उलकापात हूउ विकराल, विषम धूम धूंधूइ विराल ।
वलिउं कटक छांडिउं मेल्हाण, ढीली भणी चाल्यउ सुरताण ॥ १७०
सोनगिरि जु छांड्यु घाट, वली मोकलिउ गोल्हण भाट ।
भाट भणइ राउल इम जाणि, वीरमदे तेडिउ सुरताणि ॥ १७१
वीवाह तणी न करसि वात, करी मेल देसइ गूजरात ।
कान्हडदे अवगुणना करी, गोल्हण साह आविउ ऊतरी ॥ १७२

---

१६८ **दूहा**–दुहा D, दूह K **पुण्य**–पुंण्य A, पून्य L **तणउ**-तणूं B J, तणुं C D K **ए**–जे L. **पारखूं**–पारखुं A, पारिखुं C K, पारख्यो L. जे–जउ A. **रूडइ**–रूडा B, रुडि C, रूडइं D, रूडु J, रूड L. **जाइ**–जाइं C, जाय J. **पदमनाम**–पद्मनाम B J, पदमनाभि K, पद्मनाभि L. **भणइ**–भणिइ B, भणि J, भणइं L. **तउ**–तु B,...J K, तुअ C, तसु D, ता L **सुर**–सुर ते J, सुरनर K, उरि L. **थाइ**–थाई D, थाय J.

१६९ D omits vs 169. **सुहड**–.. L **सारथ**–समरथ A B, समर्थ C, मछ J, साहण L. **सवि**–सवे A, वर तुरी L. **जउ**–जु B C J, जो L. **मदि माता**–मदि मत्ता J K **नीर**–नीरि L. **पावक**–पातिक L. **झड**–झडि C L **झालइ**–लाइ B, झालि C J, लागइ K **तोइ**–तोर B, कोइ C, तोय L.

१७० **चउपई**–चुपै B C J, चुपई D, चोपई L. **उलकापात**–ऊलकापात C, उल्कापात K. **हूउ**–हऊउ B, हूउं K. **विकराल**–विकरालि L. **धूम**–धूंम्र C,. L **धूंधूइ**–धूंधूंइ B, धुंधूंइं D, धूधूइ J, धूंधमइ L **विराल**–अपार A D, वराल B, विसराल K **वलिउं**–वलतुं D, वल्यूं J, वल्यउ K, चाल्या L **कटक**–तुरक L. **छांडिउं**–छोडीउं A, मेल्हिउं B, छांडइ D, छाडिउ J, छंड्यउ K, छाड्यां L. **मेल्हाण**–मेहलांण C D, मेल्हांण J K. **ढीली**–डिल्ली C. **चाल्यउ**–चालिउ B, गयु C D J, गयउ K, चाल्यउं L. **सुरताण**–सुरताण C J, सुरतान D, सुरितांण K, शुरिताणि L

१७१ **सोनगिरि**–सोनगिरु B C, सोनगिर K, सोनगिरा L **जु**–नउ K, नो L. **छांड्यु**–छंडिउ B, छांडउ C, छांडिउ D J, छंड्यउ K, छांड्यउ L **घाट**–सुरताणि A, घाट D. **मोकलिउ गोल्हण**–गोल्हण मोकलिउ B, मोकलिउ वीजड C D, मोकला वीजड J, मोकल्यउ बीजड K, मोकुल्यउ गोल्हण L. **भाट**–भाटि L. **भाट**–भट्ट A, भाटि L. **भणइ**–भणि B C J. **राउल**–राउलि L **इम**–ईम J. **जाणि**–जाणि C J K. **वीरमदे**–वीरमदेनइ A, वीरम कुंयर C. **तेडिउ**–तेडउ A, तेडि J, तेड्यउ K, तडइ L **सुरताणि**–सुरताण A, सुरतांणि C, सूरतांण D, सुरतांन J, सुरिताणि K, शुरिताण L.

१७२ **वीवाह**–वीहवा B, विहवा D. **न**–म A,...C. **करसि**–करिशि A, करेसि C, करसी K, करजे L. **करी**–करि D, करीय L. **मेल**–मेलि L. **देसइ**–देस B, देशि C, देसि D J, देस्यइं K, देसी L. **गूजरात**–गूजराति J, गुजरात K, गुजराति L. C interpolates after 172 a the foll line : एह वात कान्हड सांभली बापबेटउ विमासि वली. **कान्हडदे**–काहनडदे D, कांन्हडदे J, कान्हड वेगि L. **अवगुणना**–अवहेलणा A, अवगणना B, अवगणी K, अवगणनां L. **गोल्हण**–गोहलण C D. **साह**–भाट A, भाटि L. **आविउ**–आव्यु A J, आव्या K, आव्यउं L. **ऊतरी**–सांचरी A, उतरी C K L.

छडे पीयाणे पाछउ वलिउ, कटक जई वालहीइ मिलिउ ।
तिहां थिकां साहण ऊपडी सूंद्रडीइ आव्यां सवि चडी ॥ १७३

चाल्यउ सहू दीयूं फुरमाण, बीजइ दिवसि गढइ मेल्हाण ।
तिणि अवसरि कान्हडदे राय शकति तणइ जई लागउ पाय ॥ १७४

तुझ वीनवूं आदि योगिनी, पाछां कटक आणि तूं अनी ।
हमीररायनी परि आदरूं, नाम अम्हारउं ऊपरि करउं ॥ १७५

शकति भणइ जउ गढथां चडी, जासइ कटक हिवइ चउकडी ।
आशापुरी कही परि घणी, जासइ कटक मेडता भणी ॥ १७६

---

१७३ B omits 173 a. **पीयाणे**-पीआणे C, पीयांणे D, पीआंणे J, पियाणं K, पीयाणेउ L. **पाछउ**-पाछु C. **वलिउ**-वल्यउ K L. **कटक**-कटकि C. **जई**-जइ A B J K, जाईनइं L. **वालहीइ** em-वाल्हीं A B, वालीइ C, वालीहीइ D, वालहीइं J, वालहियइ K, वेगो L. **मिलिउ**-मिल्यउ K, मिल्यउं L. **तिहां**-तिंहा D, तिहा L **थिका**-थका A, थिका C, थका K, थकउ L. **साहण**-साहण A D **ऊपडी**-उपडी C, ऊपड्या J. **सूंद्रडीइ**-सूंद्रडी A, सूंद्रडीइं B, रुंद्रडीइं C, सुंद्रडीइं J, सूद्रडीइ K, मुद्रडीय L. **आव्यां**-आव्या B D K L. **सवि**-...B, सवे L. **चडी**-चढी J. A reads as iv qr सवि सूंद्रडी आव्या चडी ; D as सूंद्रडीइ सवि आव्या चडी, L as सवे मुद्रडीय आव्या चडी.

१७४ **चाल्यउ**-चालउ A, चाल्यूं B J, चालिउं C, वलिउं D, चाल्यउ K, चाल्या L. **सहू**-सहूं B, सहुइ D. **दीयूं**-दीऊं A, हूउं C, हुउं D, ह्वूं J, हूउ K, दिया L. **फुरमाण**-फरमाण D J, फुरमाणि L. **बीजइ**-बीजि B C J. **दिवसि**-दिवस A L, दिवसिइं D. **गढइ**-गुढइ A,.. B, गढि C J, गढ D, गढ जाय L. **मेल्हाण**-मेहलाण C D, मेल्हाण J K. **तिणि**-तीगि B, तिणिं D, तीणइ K. **अवसरि**-दिवसि B C **कान्हडदे**-कान्हदे A, काहनडदे D, कांन्हडदे J K **राय**-राउ A B, राइ K L **शकति**-शक्ति A D, सगति B, सकति L. **तणइ**-तणि B J, तणे C. **जई**-जै A, जइ K, जाइ L. **लागउ**-लाउ B, लागु C D J L. **पाय**-पाइ K L.

१७५ Dhruva's fragment, E MS, commences again from vs 175 a. **तुझ**-तइ A, तिं B, तुं D J, तोइ K **वीनवूं**-वीनव्यउं A, बीनव्यूं B, विनवुं C, वीनवुं K, वीनवउं L **आदि**-आदिं D, अदि L. **योगिनी**-जोगिनी A, जोगनि K, योगनी L. **पाछा**-पाछा A E K L, पाछूं B. **कटक**-कटिक E. **आणि तूं**-आणि तु A, तु आव्यां C, आगि नि तुं D, आगिया तूं E, आप्या शा J, आणि तु K, तुं आणे L. **अनी**-अजी C, अनि D, भणी J. **हमीररायनी**-हम्मीररायनी B, हमिररायनी D, राउ हम्मीर तस E. **आदरूं**-आवरु B C, हुं आदरुं D, आदरुं J K. **नाम**-नाम D, नामि L. **अम्हारउं**-तम्हारूं B, अह्मारुं C E J, अम्हारउ K, अम्हारुं D, अह्मारू L. **करउं**-करु B C J, करुं D K, करूं E.

१७६ **शकति**-शक्ति A B, सकति C. **भणइ**-भणि B J. **जउ**-जाउ B,...C D J, तुं E, जि K, ते L. **गढथां**-गढि B, गढथा C, चुढा थ्यां D, गढि जा E, मुढाथा J, गाढा L. K L omits iv qr. **चडी**-चढी C E J, वडी L. **जासइ**-जासि B C E J. **कटक**-कटिक E. **हिवइ**-हिव B, हवि C D J, विहाणइ E. C transp as हवि कटक. **चउकडी**-चिहुं घडी B, चुकडी C E J, चूकडी D. K L omit iii qr. **आशापुरी**-आस्यापुरी C E, आश्यापुरि D. **कही**-कहि C, करी D, करीइ J. **परि**-अति D, ते J. **जासइ**-जासि B C J, जाशिइ D, जासी E, ज्यासइं K, जासिइ L. **कटक**-कटिक E. **मेडता**-मेरता E.

तिहां फेरणूं करज्यो जई, पाछां कटक आवस्यइ सही ।
मालदेवनइ आयस दीउं, सारूं कटक राउलूं लीउं ॥ १७७

आव्यां कटक पूनलइ वही, आठ फोज जूजूई रही ।
एकइ मालदेव जई रहिउ, बीजीइ वीरमदे गहगहिउ ॥ १७८

त्रीजीइ अणतउ सीसोदीउ, जइत वाघेलउ चउथी रहिउ ।
कटक तणउ महिमा एवडउ, फोजि पांचमी जइत देवडउ ॥ १७९

लूणकरण माल्हण छइ सही, छट्ठी फोजइ जइमल जई रही ।
सोभित देवडउ फोजि सातमी, सहिजपाल फोजइ आठमी ॥ १८०

---

१७७ **फेरणूं**–फेरण A, फेरणां B, फेरणुं C K, पेरणू D, फेरइ L **करज्यो**–करयो A B J, करेज्यो C, करिजू D, तुरकनइ L. **जई**–जैई A, वही E, सही J. **पाछां कटक**–कटक पाछा A, पाछूं कटिक E, पछी कटक ते J, पाछा कटक L. **आवस्यइ**–आवइ A, आवसि B, आवेसि C, आवशिइं D, जासि J, आविसिइ L. **मालदेवनइ**–मालदेवनिं B, मालदेयनि C, मालदेवनइं D, मालदेवनि J, मालदेयनइ L. **आयस**–आइस K. **दीउं**–दीउ C J, दीऊं E, दियुं K, दीयउं L. **सारूं**–सारउं A, सारुं C, मारुं K, सारो L. **कटक**–कटिक D. **राउलूं**–राउलं A, राउलुं B, साथि K, राउलो L. **लीउं**–दीउं C, लीऊं E, लीउ J, मोकल्युं K, लीयो L.

१७८ **आव्यां**–आवियां E, आव्या D L. **कटक**–कटिक E. **पूनलइ**–पूनुली B, पुंनिनि C, पूंनलूं D, पूंनिगिरि E, सुंतलुं J, पूनगिर K, पूनलउ L. **वही**–कही J. **आठ**–आठइ K. **फोज**–भोज A. **जूजूई**–जूजुई K, हुई L. **रही**–थई E, जूजूई L. **एकइ**–एकि B C D J, एकइं E L. **मालदेव**–मालदेउ C, मालदव K, मालदेय L. **जई**–जउ A, जइ C. **रहिउ**–रहिउं A, रहि B J K, रही E, रह्यउं L **बीजीइ**–बीजी A B C K L, बीजइ E, बीजि J. **गहगहिउ** em–गहगहीउ A, गहिगहि B, गहिगहिउ C, गहगहइ D K, गहिगहिइ E J, गहगह्यउ L.

१७९ **त्रीजीइ**–त्रीजी A C J K L, त्रीजु B, त्रीजि E. **अणतउ**–अणतो B, अणत C D, आणंद E, अणंतु J, आणंत L. **सीसोदीउ**–सीसुदीउ B, सीसोलीउ J, सीसोदियउ K, सीसउंदीयो L. **जइत वाघेलउ**–जित वाघेलु B, जयत देवड C, जयत वाघेलु D J, जयत वाघेलउ E, जयत वाघलो L. **चउथी**–चुथी B E J, चुथीइ C, चूथी D, चउथइं L. **रहिउ**–गयु C, रह्यउ K L. D omits vs 179 b and 180 a. **कटक**–कटिक E. **तणउ**–तणु B C, सेणि L. **महिमा एवडउ**–महिमा एवडु B C, महिम देवडउ E, महिपउं देवडउं L. **फोजि**–रहिउ A,...B C K L. **पांचमी**–पाचमीइ B C E, पांचमी फोजइ K, पांचमीय L. **जइत देवडउ**–जित देवडु B, जितु देवडु C, जयतो देवडउ L. J reads as 179 b and 180 a: पाचमी फोजि देवडु कहिउ फोज छठी राठउडज लहिउ.

१८० **लूणकरण**–दाणकरण B, लूंणकरण C K, लूणकर्ण E. **माल्हण**–माहलण C. **छइ**–छि B C. **छट्ठी**–छठी A K L, छट्ठइ E. **फोजइ**–फोज A B, फोजि L. **जइमल जई**–जमलि जे A, जमलि जई B, यम C, जइमलनी E, जइमलउ जइ K, ते जमली L. **सोभित देवडउ**–सोततदेव B, सोभुत देवडु C, सोभित देवडु D, सोभो रावत J. **फोजि**–दुडु B, छि C, छइं D, ये E, फोज J, जइत L. **सातमी**–पाचमी D. **सहिजपाल**–सहजपाल A, महिपाल C, सहितपाल D, साजपाल J. **फोजइ**–फोजि A, फोज B C D J K L. **आठमी**–अट्ठमी D,

पुहर पाछिलइ ग्या संचरी, वीटीउ षान पाषलि फिरी ।
त्रिणि सहस मारीया अईयार, पइठा कटक न लाई वार ॥ १८१

घोडा लीधा नव हजार, तापति तणउ न जाणउं पार ।
समसषान नइ पुंजा हता, हींदूए झाल्या जीवता ॥ १८२

राजडीउ भाथाइत जेउ, नइ केल्हण रइबारी बेउ ।
राउल भणी गया परि सुणी, वेगइ मागइ वधामणी ॥ १८३

भली वात सहू को सुणइ, किणि परि जीतउ राउल भणइ ।
कही वात राउल अवधारि, चउकडीइ ग्या हेरू च्यारि ॥ १८४

---

१८१ पुहर–पोहरि B, पुहुर E J, पहुर K L. पाछिलइ–पाछलि B C E, पाछलिइ D, पाछिलि J, पाछलइ L. ग्या–पोलि C, अम्यारसि E, गया J, ग्या K. संचरी–साचरी C, सांचरी D L. वीटीउ–वीटिया B E, वींटिउ C, वीटउ D, वीटिउ J, वीव्यउ K, वेव्या L. षान–षांन A B C J K, षानने L. पाषलि–पाषलिइं D, पाषलि गढ J, पाषल L. फिरी–फरी E. त्रिणि–त्रणि D E, त्रीस J, तृण L. सहस–सहिस B E. मारीया–मारिया B J, मार्‍या C D K L, मारिआ E अईयार–ईयार A J, असवार C, अईआर D, एआर K, ईआर E. L transposes 181 iv qr and 182 i qr. पइठा–पिठां B, पिठा C D, कटकि J. कटक–कनक D, कटिक E, पिठा J, कटकि K. लाई–लाइ L C transp iii and iv qrs as: पिठा कटक न लाई वार त्रिणि सहस मार्‍या असवार.

१८२ घोडा–घोडां A J K. लीधा–लीधां J K. D transp as लीधा घोडा; J K transp as लीधां घोडां. नव–नवइ A, नवि B. तापति–तापित L. तणउ–तणु B C J, तणुं D. जाणउं–जाणूं B E J, लाभि C, जांणूं D, जांणुं K, जाणउ L. समसषान नइ em–समसषान A, समसषांन नि B J, समसुंषांन नि C, समसषांन नइ D K, समसषान नि E, समसषाननां L. पुंजा–षोजा B D E J K L, फोजि C. हता–हती C. हींदूए–हीदूए A J L, हिंदूए C. झाल्या–झालिया B E, झाली C. जीवता–जीवती C.

१८३ राजडीउ–राजाडीउ E, राजडीयो L. भाथाइत–भाथायत A, भादाउत B, भथाउत C, पाथइत D, भथायत E J. जेउ–जेय C L, मेउ E. नइ केल्हण–केल्हण नि B, केलणीउ C, नेइ केहलणुं D, केलण राय E, नि कील्हण J, केल्हण L. रइबारी–रबारी A B C D E J L. बेउ–बेय C, तेउ J, बीजउ जेय L. गया–गई E. परि सुणी–पुर सुणी D, वधामणी E, परि शुणी L. वेगइ–वेगि A C, वेगिं B J, वेगिई D, वेगिइ L. मागइ–मागि B C J, मांगइ K L. वधामणी–वधावणी A; वद्धामणी B, वधामणी D J K. E omits iv qr.

१८४ भली–चाली J, मीली L. सहू–सहूइ A. को–कोई B E K. सुणइ–सुणि B J, सुंणि C, सुणइ D K, हुणी E, शुणइ L. A interpolates after i qr. नव हजार तेजी हणहणइ. किणि–किण A K, किणी C, केणि D, केणी E. जीतउ–जीतूं B, जीतुं C D, जीतु E J L राउल–रायल E. भणइ–भणिइ B, भणि C J. E interpolates after ii qr: राउल प्रतापइ तह्म तणइ. कही–कहीय B C D J K, केही E, कहइ L. अवधारि–अवधारी A, अवधार L. चउकडीइ em–चुकडीइं A B J, चुकडीइ C E, चूकडी D, चउकडियइं K, चउकडीए L. ग्या–गया B C D L, गयां J. हेरू–हेरु C, हेरा J. च्यारि–च्यार C D.

सहेट पूनलू बोली छतइ, पातसाह तहींइ मेडतइ।
सरिसा वीस सहस असवार, समसषान आवीउ शिकारि॥ १८५

मोकलाणि सरोवरि हुतउ, हरम सहित आण्यउ जीवतउ।
साहमु राउल मांडहीइ गयउ, मालदेव सिर नामी रह्यउ॥ १८६

आवी राउ जुहारइ सहू, कीरति बोलइ बंदिण बहू।
कान्हडदेइ इसी परि करी, राउतनइ सवि आप्या तुरी॥ १८७

एहवुं आयस लहइ प्रधान, ऊदलपुरि ऊतारउ षान।
सरिसा एक सहस भाथाल, राजडीउ मेल्हिउ रषवाल॥ १८८

---

१८५ सहेट–सहढ B, सुहड C, सहट D L, सहस J पूनलू–पूनोली B, पुंनलि C, पूनलि D, पुनिलु E, पुंनलु J, पूनलुं K, पूतलो L. बोली–बोलइ E, बोल्यो L छतइ–छतिइ B, छति C D J, छतु E, छतिमइ L. पातसाह–पातस्याह E, पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L तहींइ–तईट A, त्याहरि C, हतु D, ते E, तहीइं J, तहियइ K, गयो L. मेडतइ–मेडतिइ B, मेडति C J, मेडतइ D, मेरुतइ हतु E सरिसा–सरिस्यु B, सरसा C D K, सिरसा E, सहस L. सहस–सहिस B K. समसषान–समसपान A B D J K, गमसूषान C, समसषानि E, शहसषान L आवीउ–आवउं A, आव्या C J L, आवीउं D, आव्यु E, आव्यउ K. शिकारि em–शिकार A, सकार B, सकारि C D, हकारि E, शकारि J, सिकारि K, सिकार L.

१८६ मोकलाणि–मोकलीनइ A, मोकल्या नइं D I_1 (ख), मोकलाणइ E, मोकालानि J, मोकलांण K, मोकललीनइ L. सरोवरि–सरोवर E L. हुतउ–हतु B C D E J, हतउ K, हुंतउं L आण्यउ em–आण्यु A, आणिउ B E, आण्यु C, साहिउं D, आणिउ J, आण्यउ K, आण्यो L जीवतउ–जीवतु B C E J, जीवतुं D साहमु–सामूं A, साहमु J, साल्हउ K, साम्हउ L राउल–राउ A, राउत B. मांडहीइ–माडइ A, माडही B, मांडहीइं C, माडी D, माडवीइ E, माडहीं K, माउही L गयउ–गयु B C D E J, गयो L. मालदेव–मालदेय C L. सिर–सर B, शिर C L, सिरि E K, शर J. नामी–माडी B, नामी K L. रह्यउ–रहिउ A B C D J.

१८७ आवी–सहूउं L. राउ–राय B, राउलि C, राउल D J, को आवि L जुहारइ–जुहारि B, जुहारिउं C E, जोहारि J, जुहारिउ L. सहू–सहु D, सहूं E L. बोलइ–बोलिइ B E, बोलि C J, बोलइं D. बंदिण–बंदीजन C, बंदणि D, बंदण L. बहू–बहूं E कान्हडदेइ–कान्हडदेवि A J, कान्हडदेइं B, कान्हडदेवि C K, काहनडदेइ D, कान्हडदेय L. इसी–असी D, भली E, सी J. राउतनइ–राउतनिं B, राउतनि C J, राउतनइं K, राउत L. सवि–शत J, सवेनइ L.

१८८ एहवुं–एहवउं A, एहवा C, एहवूं E, एहवु J, एहवउ L. आयस–आइस B K, आयुस E. लहइ–लहि B E J, लही C, लह K. प्रधान–परधांन C, प्रधान D J K, परिधान L. ऊदलपुरि–ऊदलपुरि A, ऊदलिपुरि C, ऊतरपुर D, ऊदिलपुरि E, उदलपरि J, ऊदल तुम्हे K. ऊतारउ–ऊतरिया B, ऊतरीआ C, ऊतारुं D J, ऊतारिउं E, ऊतारउं L षान–षांन A C D J K सरिसा–सरसु A K, सरिसु B J, सरसा C, सरसुं D, सरसो L. सहस–सरस B, सहस C, सह J, सहिस K. भाथाल–भातथाइल A, असवार C, संभालि K. राजडीउ–राजमाणस E, राजडीयु J, राजडिली K, राजडीयो L. मेल्हिउ–मेहलिउ C D J, मेल्हां E, मेल्हाउ K, मेल्यउ L.

एक सहस पायकस्यूं गयउ, वली सकथूउ जमलउ रह्यउ ।
दिवस एक तिहां अवलंबीउ, सुरताणी दलि गयउ बूंबीउ ॥ १८९

समसषान मोकलइ हतउ, हरम सहित साहिउ जीवतउ ।
हीदू वात असंभम करी, बीवी लीला सरसी धरी ॥ १९०

त्रिणि सहस मारिया अईयार, घोडा लीधा नव हजार ।
वीरमदे दलि आव्यउ चडी, मोटा मलिक भांजीया भिडी ॥ १९१

एहवी वात पातसाह सुणइ, षुंजा लाडण ईणि परि भणइ ।
आम तात अरदास अवधारि, भव आगिला तणइ भरतारि ॥ १९२

---

१८९ **सहस**-सहिस B K. **पायक**-पाइक E. **स्यूं**-सूं A, मुं C K, सिउं D E, शूं J, शुं L. **गयउ**-गउं A, गयु B D E J, थयु C, गयो L. **सकथूउ**-सकथिउ B, सगथूउ C, सकथुउ D, सथूउ E, सकथूं J, सकतियउ K, सकलउ L **जमलउ**-जिमलु B, यलु C, जमलु D, यिमणउ E, जमणु J, जमलउं L. **रह्यउ**-रहिउ A E J, रहिउं D, रह्यउं L **दिवस एक**-एक दिवस C, देवस एक E. **तिहां**-...B. **अवलंबीउ**-विलंबीउ C, अविलबिउ J, अवलंबियउ K, अवलबीयो L **सुरताणी**-सुरताणी D J K, सरिताणी E, शुरिताणी L. **दलि**-...B, दल E K L **गयउ**-आविउ B, गयु C J, गयूं D, गिउ E, ग्यउ K, गयो L. **बूंबीउ**-बूंबूउ A J, बूंबियउ K, बूबयो L.

१९० **समसषान**-समसषान A B D J K, समसूंषांन C, समसषान नइ E **मोकलइ**-मोकलिउ B L, मोकलु C, मोकलीउ D, मोकलुइ E, मोकलि J, मोकलियउ K **हतउ**-हतु B C D E J, हयो L. **सहित**-समेत E **साहिउ**-ग्रहीउ C, साहिउं D, ग्रहिउ E J, ग्रह्यउ K, धरयउ L. **जीवतउ**-जीवतु B C J L, जीवतू D. **हीदू**-हींदूए B, हिंदूए C **बीबी**-बूबू B D L, वूंत्रा J. **लीला**-लीला K, अला L.

१९१ **त्रिणि**-त्रिण A, त्रणि E, त्रण L. **सहस**-सहिस B E K **मारिया**-मारीया A, मार्या C D L, मारिआ E, मार्यो K **अईयार**-ईयार A, असवार C, अईआर D, ईआर E, ऐआर K. **घोडा**-घोडां A J. **लीधा**-लीधां A J. **नव**-नवि B E **दलि**-नवि C, दलिं D, वली E, दल L **आव्यउ**-आव्यु A C J, आविउ B D, आव्यिउ E, आव्यउं L. **चडी**-चडि D, चढी J L. **मलिक**-मिलिक K, मिलक L. **भांजीया**-मारिया रणि B, ते भंजि C, भांजवा D, रणि भांजिया E, भाजेवा J, भाज्या तिणि K, भाजीया L. **भिडी**-भणी B, भडी C D E J.

१९२ **एहवी**-एह्वी A E K. **वात**-वाति L **पातसाह**-पातसाहि A, पातस्याहि E, पातशाहिइ J, पातिसाह K, पातिसाहि L. **सुणइ**-सुणी A D J, सुणि B, सुंणि C, शुणी L After i qr E interpolates foll: झाल गई मस्तक भणी. **षुंजा**-षोजा A C, षुजी D, षोजा E, जो K. **लाडण**-लाडणि B, लाड D, लाडन L. **ईणि**-इण A, इणी B C K, ईणी D E. **परि**-परिं D. **भणइ**-भणी A D, भणिइ B, भणि C J, भणइं L. E interpolates after ii qr foll. एक वात सुलतान जा श्रुणइ. **आम**-आंम E. **अरदास**-अरदासि A E, अरुदासि D. **अवधारि**-अवधारी K, अवधार L **भव**-ए भव C, भवि L. **आगिला**-आगल्या C D J, आगला E. **तणइ**-तणउ A, तणु B C E, तणिइं D, तणि J. **भरतारि**-भरतार A C, भरथारि D, भरथार E.

धर्‍यां बहिनि बहिनेवी बेउ, ग्यउ जीवतां जालहुरि लेउ ।
सवि अहिनाण आगिलां कही हुं मूंकावी आविसि सही ॥ १९३
पातसाह बेटी प्रति भणइ, किम भरतार वीरम तुम्ह तणइ ।
जाती समरण भेद सवि लहइ, ते वृतांत पिता प्रति कहइ ॥ १९४
पहिलउ बापलरा सुत एह सिंघराज जाणीजइ जेह ।
हुं जइचंद तणी कुंअरी सुरजनदे नामि अवतरी ॥ १९५
बिहुं वेवाही मनि उछाह, नयर योगिनी करिउ वीवाह ।
अंतरवेध छइ रूयडउ देश, तिहां करिउ मइं अगनिप्रवेश ।
सतीधर्म साचउ अभिमान, अंतरवेध हूउं अवधान ॥ १९६

---

१९३ **धर्‍यां**–माहस्या A, धरी B, धरिआ E, धस्या K L **बहिनि**–बहिन A, बिहिनि C, बहनि D, बान J. **बहिनेवी**–बनेवी C, बहनेवी D K, बिहिनेवी E, बन्हेवी J **बेउ**–जेउ B D E K L, दोय C, तेउ J. **ग्यउ**–ग्यो B, जु C E, गयुं D, गयु J, ग्यु K, गयो L. **जीवतां**–जीवतुं D, जीवंता E, जीवतु J L, जीवता K. **जालहुरि**–जालोरह A L, जालोहोरि B, जाल्हुर C, जालहुरिइ D, लावूं E, जालउरइ K **लेउ**–लेअ A, बेउ B E, लेय C, जेऊ J, तेउ L **सवि**–सवे B. **अहिनाण**–अहिनाण C D E J K, सहिनाण L. **आगिलां**–आगिल्यां B, आगल्यां C D E, आगिला J, आपणा L **कही**–कहि K. **हुं**–हूं B E J, कहउ L. **मूंकावी**–मूंकाविस A, मुंकावी C, मूकावी E L, मूकाविस K. **आविसि**–आवूं A, आवुं C, आविसुं D, आवसि E, आविस K, आवउं L.

१९४ **पातसाह**–पातस्याह E, पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L. **बेटी**–बेटि D. **प्रति**–प्रतिं D. **भणइ**–भणिइ B, भणइं D, भणि J, भणंइ L. **भरतार**–भरथार D, भरतारि L **वीरम**–वीरमदे A J, वीर B K. **तुम्ह**–...C, तझ E, तुझ J K L. **तणइ**–तणिइ B, तणि C J. **समरण**–समर A, समरि B E K, समरणि C, स्मरण D. **भेद**–भेदि D L. **लहइ**–कहइ A, लहिइ B E, लहि C J, लहेइ D, लह K, लहू L. **ते**–तु B J, पूर्व C, तुं D, ए E, एह K. **वृतांत**–वृत्तात A B C, वरतात D, वत्तांत E, वृतंत K, विरतांत L. **कहइ**–भणइ A, कहिइ B E, कहि J, कहइं L.

१९५ **पहिलउ**–कहिउं B, पहिलु C K, पहिलुं D E, पहिलूं J. **बापलरा सुत**–बाप लषमसी A, बांपलराय सुत B, बां तरस्यत C, राय सुत बापल E, बापला राइ शुत L **एह**–एय A, देउ C, एउ E, एअ K. **सिंघराज**–शंघराणी A, सिंहराज B D, सघराज C K, ते घरि जे L **जाणीजइ**–हुं हूंती A, जाणीजि B J, जांणीजि C, जांणीजई D, जांणीजइ K, जाणिजइ L. **जेह**–तेउ A C, एह B, जेउ E, तेह J, जेअ K **हुं**–हूं B D J, ...C, हू E. **जइचंद**–जिचंद B, जयचंद राय C, जयचंद D J, जयवंत E K, जयविंत L. **तणी**–तिणी E. **कुंअरी**–कुंयरी A B, कुंयरी C D. **सुरजनदे**–सुरजनते A, सरजणदे C, सरजनदे D, सिरीआदे E, सुरजनादे J, शुरजन L. **नामि**–मांनइ A, नांमि C, नांमिइ E, नांमिइ हुं L.

१९६ **बिहुं**–बेहू B, बिहूं C L, बिहु D, बहु E, बिहू J. **वेवाही**–वीवाह A E L. **मनि**–हूउ A, मनि हूउ B, मन C D, हूऊउ E, मांनियउ K. **उछाह**–उछाहि A, उच्छाह C. **नयर**–नयरि A, नगर E. **योगिनी**–जोगीनीपुर D, योगिनीपरि J, ज्योगनी K, योगनी L. **करिउ**–कीउ A J,. D, कस्यउ K. **अंतरवेध**–अंतरवेद B C, अंतरि वेध L. **छइ**–...B C E K L, छेइ D, छि J. **रूयडउ**–रूयडु B E, रूअडु C, रुडुं D, रुअडु J, रूअडउ K, रूवडा L. **देश**–देस A E J K L. **करिउ**–करि B, करु D, कीधु E, कीउ J, कस्यउ K, करिउं L. **मइं**–मि A, मिइं B, अम्हे D. **अगनिप्रवेश**–अग्निप्रवेस A L, अग्निप्रवेश B C. **सती**–सिती E. **धर्म**–धरम C D. **साचउ**–साचूं B, साचुं C, आचरिउ D, साचा E, साचु J, साचो L. **अभिमान**–अविधान C, अभिरांम D, अहिनांण E, अभिमांन J K L. **अंतरवेध**–अंतर्वेद B, अंतर्वेध D J, अंतवेध E, अंतरवेधि L. **हूउं**–हूउ A B, हूंउं D, साचूं E, देसधर्म L. **अवधान**–अविद्यान A, अवसान B, अभिधान C, अवधांन D J, ते ठांण E, समान L.

कासीपति घरि बीजी वार, वीर तणउ केल्हण अवतार।
अजयपालनी कुंतादेउ, ढीलीइ परणाव्यां बेउ।
अंतरवेध रूयडउ देश, तिहां करिउ मि अग्निप्रवेश॥ १९७
वासुदेव घरि त्रीजी वार, वीरमदे लीधउ अवतार।
महंगराय तणी कुंअरी हुं मयणा नामइ अवतरी॥ १९८
माणिकराय घरि चउथी वार महीपाल लीधउ अवतार।
योगादे घरि हूं कुंअरी सरूपदे नामइ अवतरी॥ १९९
पृथ्वीराय पांचमी वार देवराज लीधउ अवतार।
जइतलनइ घरि हुं कुंअरी नामि करी सहिजू अवतरी॥ २००

---

१९७ L omits vs 197. **कासीपति**–कासीप्रति D, कामीपति J, काशीपति K. **घरि**–...B. **वीर तणउ**–वीर तणु B C E J K, विरमदे D. **केल्हण**–केलण C, कहलण D, कील्हण E J, कीधउ K. **अजयपालनी**–अजिपालनी C, अजइपालनी K. **कुंता**–कूंता D E. **देउ**–देवि A E, देइ B, देऊ J. **ढीलीइ**–ढीलीइं B J, डिल्लीइ C, ढिलीइ K. **परणाव्यां**–परणाविउ B, परणावी E, परणाव्या J K. **बेउ**–बेय B, बेऊ J. **अंतरवेध**–अतर्वेद B, अतर्वेध D **रूयडउ**–रूयडु B, रूअडु C, छे रूडु D, छि रुअडु J, रूअडउ K **देश**–देस A K. **करिउ**–कीउ A J, करिउं D, करयउ K **मि**–मिं B, अह्मे D, मइ K. **अग्नि**–अगनि J K. **प्रवेश**–प्रवेस A C L. E omits 197 c.

१९८ **वासुदेव**–वासदेव E K, वाशुदेव L **घरि**–धुरि L. **त्रीजी**–बीजी A B, त्रिजी D **लीधउ**–घरि वली B, वली लीउ C, लीधु D E, लीउ J, लीयउ K, बीजउ L. **अवतार**–अवतारि L K omits 198 b. **महंगराय**–महुधा राय A, मयग राय B, महेद्र राय C, महिग D, मुहुरा देवि E, मिहिग राणी J, मंहंग राय L. **कुंअरी**–कूयरी A, कुंयरी B D, कूंयरी E, कूंअरी J. **हुं**–...B C E, हूं D, हु L. **मयणा**–सरूपदे B E, माल्हणदे C, मीणा D J, मयण L **नामइ**–नामि B, नामि C J, नामे D, नामइ E, नामिइ L. **अवतरी**–अवतरी L. B interpolates after 198 b. बेउ वेवाही मनि उछाह। न। अ। तिहा।. [न appears to stand for नयरि. वीवाह, अं for अतरवेध...देस, तिहा for तिहां...प्रवेस]

१९९ C omits 199 b and gives 199 a after 201 b. K omits 199 a. **माणिकराय**–माणिकरायनि B, माणिकरा C, माणिक्यराय E, माणिकराय J. **चउथी**–चुथी B E J, सातमी C, चोथि D. **महीपाल**–महीपालि तिणि B, देवराज D J, महिपाल C. **लीधउ**–कीधउ A, लीधु B C E J, लीधुं D. **अवतार**–अवतारि L. **योगादे**–जोगादे B D K, हूं योगादे E, योगदेव J. D J transp 199 b and 200 b. **हूं कुंअरी**–कुयरि वरी A, हुं कुंयरी B, हूं कुंयरि D, अवतरी E, हूं कूंअरी J **सरूपदे**–सहसादे E, सरूपादे J. **नामइ**–नामि B, नामिइ D L, नांमइं E, नांमि J, नामइ K. B interpolates after 199 b: बेहु॰ नय॰ अंत॰ तिहा॰.

२०० **पृथ्वीराय**–पृथिवीराय B, पृथवीराज C, प्रथविराज D, प्रथ्वीराय E, प्रथवीरजइ J, पृथ्वीराजि K, प्रथ्वीराइ L. **पांचमी**–पंचमी B, लीधु E. **वार**–वारि A D L, अवतार E. **देवराज**–देवराजि C, महीपाल D J, देवराज राय E. **लीधउ**–लीधु B C D J, पाचमी E. **अवतार**–वार E, अवतारि L. L reads as iii qr: हु जयदेव तणी कुअरी. **जइतलनइ**–जयतदेवनइ A, जिदेवनि B, जयराय C, जयतलदे D, जयतलनि J. **हुं कुंअरी**–कूयरी A, हूं कुंयरी B, हूं कुंअरी C, हुं कुंयरी D, कूंअरी E, हूं कूंअरी J, हु कुंअरी K. **नामि करी सहिजू**–सहजू नामि करी A, नामिं सहिजूं हूं B, नामि करी सहिज C, नामिं सहिजू करी E, नामि करी सहिजू J, नांमइं करि सहिजू K, सहिजू नामि करि L. **अवतरी**–कूयरी B. B interpolates after 200 b: बेहु॰ नय॰ अंत॰ तिहां॰.

सोमेसर घरि छट्ठी वार पृथ्वीराज लीधउ अवतार ।
पाल्हणनइ घरि हुं कुंअरी पदमावती नामइ अवतरी ॥ २०१

तिणि अवतारि पाप आदरिउं, गाइ विणासी कामण करिउं ।
साधिउ मंत्र गर्भि गाइनइ, चित्ति विकार हूउ रायनइ ॥ २०२

राय वसि कीधउ लोपी लाज, हण्या प्रधान नीगम्यउं राज ।
घाघरि नदी तीरि राय सुणिउ साहावदीन सुरताणइ हणिउ ॥ २०३

सतीधर्मि करि राउ उधरिउ, अगनिप्रवेश अजोध्या करिउ ।
तेह पुण्य नवि लाभइ पार, मोटइ कुलि लाधउ अवतार ॥२०४

---

२०१ L omits vs 201 **सोमेसर**-सोमसिरि B, सोमेस्वर C, सोमसरि D, सोमदेव J, सोमेसरि K. **छट्ठी**-छठी A E J K **पृथ्वीराज**-पृथवीराज B C, प्रथवीराज D J **लीधउ**-लीउ B, लीधु C D J, लीधुउ E. **पाल्हणनइ**-चाहूयाणनइ A, पाल्हणनि B J, माहलणनि C, पाहलणनइं D **घरि**-वरि A. **हुं**-...A, हूं B C E J. **कुंअरी**-कूयरी A, कूंयरी B E, कुंयरि D **पदमावती**-पद्मावती B, पदमा E **नामइ**-नामि B, नामि C J, नामिइ D, तिणि नामइ E, नामइं K. **अवतरी**-कूंयरी B After 201 b C interpolates vs 199 a.

२०२ **तिणि**-तिण A, तेणि B, तेणइ E. **अवतारि**-अवसरि D E J K **आदरिउं**-मइ किरीउं A, आचरिउं B, आदरं D, आदरिउ E, आयस्यउ K, आचरिउ L. **गाइ**-गाइं C, गाय D J L. **विणासी**-वीणासी D. **कामण**-कांमण A E J K. **करिउं**-करीउ A, करं D, करिउ E, कस्यउ K. **साधिउ**-साधिउं D, साध्यु सा K, साध्यउ L. **गर्भि**-गर्भ A B J L, गरभि C, गब्भ D, ग्रभ E **गाइनइ**-गाइनिइ B, गाइनि C, गायनइं D, नइ गाइ E, गायनि J, रायनइ K, गायनइ L **चित्ति**-चित A D, चित्त E, चिंत J. **विकार**-विचार E, विकराल L. **हूउ**-थयु B, हुउं D, हुउ K L. **रायनइ**-रायनि A C J, रायनिइ B, रायनइं D, राय मन मांहि E, राइनइ L.

२०३ J omits 203 a. **राय**-रा C E, राउ K. **वसि**-वशि B E L. **कीधउ**-कीधु B C, कीधुं D, कीधो K. **लोपी लाज**-ते लोकपाल L. **हण्या**-जाणी L. **प्रधान**-प्रधान A D J K L **नीगम्यउं**-नीगम्यउ A, नीगमूं B, नीगमिउं C, नीगमिउं D, नइ नीगमूं E, नीगम्या K. in qr in L. राजा राय राणी रूसणउ. **घाघरि**-घांघरि A, घाघर B C D J. **तीरि**-तीर C D K, तटि E, नदी नर J. **राय**-रा C K, राइ J. **सुणिउ**-सुण्यु C, सणिउ D, सुणउ E, सुण्यउ J K. E transp as घाघरि राय नदी तटि सुणउ. **साहावदीन**-साहवदीन A J, साहवेदी C, सावदिन D, साहाबदीन K, साहदीन L. **सुरताणइ**-सुरतांणइ A, सुलतानि B, सुरताणि C, सुरताणिइ D, सुरताणइं E, सरताणि J, सुरिताणी L. **हणिउ**-हण्यु C, सुणिउ J, हण्यउ K, हण्यो L.

२०४ **सती**-सतीरा A, ती B, सती E. **धर्मि**-धर्म A B, धरमि C, धर्म्म D, धर्मइ L. **करि**-किसइ A,... B C D J L, मइ K. **राउ**-...A, राय B D E J, रा K, राइ L. **उधरिउ**-अवतारि A, उद्धरिउ B, उद्धरिउ C, उधसिउ D, उधस्यउ K, कस्यउ L. **अगनि**-अग्नि B C E, अग्न L. **प्रवेश**-प्रवेस A, प्रवेशि L. **अजोध्या**-अयोध्या A B, अयोध्याइं C, अय्योध्या D, अयोध्या E J, अज्योध्या L. **करिउ**-कस्यउ K. **तेह**-तेहि B, तेहज L. **पुण्य**-पुंण्य A, पुन्य L. **नवि**-न E L. **लाभइ**-लाभि B C J, लाभइं L. **पार**-पारि L. **मोटइ**-मोटि B C J, मोटे D, मोटो L. **लाधउ**-कीधउ A, लाधु B C, ली D, लीधु E J, लीधउ L. **अवतार**-अवतारि L.

[आम तात बिहुं पापि करी तुरक तणइ कुलि हुं अवतरी ।]
कान्हडदे घरि सातमी वार, वीरमदे लीधउ अवतार।
आम तात बेटी ताहरी, हुं षोजा लाडण अवतरी ॥ २०५

॥ दूहा ॥

पदमनाभ पंडित भणइ, जनमंतरि जे रीति ।
जाति हूई जूजूई, पूठि न छांडइ प्रीति ॥ २०६

॥ चउपई ॥

बेटी भणइ अवधारउ तात, संवत तेर अठसठइ वात ।
षष्टी दिवसि मास वैशाष, ते गुरुवार ऊजलइ पाष ॥ २०७
तिणइ दिवसि वेढि मांडिसइ, वीरमदेव प्राण छांडिसइ ।
मस्तक तणउ अम्हारु नाह, जमली रही कराविसु दाह ॥ २०८

---

२०५ D omits 205 (a b c). आम–आम C E बिहुं–चिहुं B J K L, हूं C, चिहूं E. पापि–पापे A K, पापिं B, पापिइ L तुरक–तरक E. तणइ–तणि B C, तणइं K. कुलि–घरि A B, षरि L. हुं–हूं B C, हु E, हु L कान्हडदे–कान्हड तणइ A, कान्हड तणि B, कान्ह E, काह्रानड J, कान्हड K. घरि–घरि हूं E. लीधउ–लीउ A, वली B, लाधु C, लीधु E, लीयो L. अवतार–अवतारि L. J omits vs 205 c. आम–आंम E हुं–हूं B,...C, हू E. षोजा लाडण–षुंदालम घरि A D, षोजा लाडण नांमि C, षोजां लडण K. अवतरी–अतरी E.

२०६ दूहा–दुहा. D. पदमनाभ–पद्मनाभ B E, पदमनाभि K L. भणइ–भणिइ B, भणि J. जनमंतरि–जम्मंतरि B, जन्मातर C, जन्मंतरि E, जनमंतरी K, जनमंरति L जे–एह B. रीति–रीत A. जाति–जातिज D K, जीव E, जात L. हूई–हूई छइ A, हुइ पणि B, हुइ जु C, हुई D, अवतरिइं E, होइ J, हुंई K, पणि हुइ L. जूजूई–जूजुई D L, जूजूआ E I_2. पूठि–पणि पूंठि C. छांडइ–छाडि B, छंडि C, छांडु D, छार्डि J, छंडइ K. प्रीति–प्रीत A, प्रिति D, प्रीती K.

२०७ चउपई–...A, चुपै B J, चुपई C, चोपई . D, चु ॥ E, चोपई L. भणइ–भणि B J. अवधारउ–अवधारु B C D E J, अवधारू L. तात–वात B संवत–सर्वत D. अठसठइ–अठसट्ठि B, अठसठा C, अठसठिइ D E, अठसठि J. वात–वाति L. षष्टी–छठि E. दिवसि–दिवस A C D, दिवशि E, मास L. मास–मासि E K, दिवस L वैशाष–वैशाषि E, वैसाषि K ते–...C, से I गुरुवार–गुरुवारि A. ऊजलइ–ऊजलि B D J, ऊजलु C, अजूआलइ E, ऊजालइ K, ऊजल L पाष–पाषि A D K, पाखि E.

२०८ तिणइ–तेणि B, तीणि C, तिणि D J, तीणइ E K, तिणेइ L. दिवसि–दिवशि E, दीवसि K, दिवस L. वेढि–वेढे D, मह्मवेद K, वेढि L मांडिसइ em–मंडिसइ A, मांडसिइ B, मांडसि C D E, मंडेसि J, मांडिस्यइ K, मांडसे L. वीरमदेव–वीरमदे B C D E L, वीरमदेउ K. प्राण–प्रांण C D E J K, प्राणि L. छांडिसइ–छांडसइं A, छांडसि B C, छंडसि D, छांडसिइ E, छंडेसि J, छांडिस्यइ K, छांडसइ L. E omits 208 b मस्तक–मस्तुक C, मस्तकिं D. तणउ–तणा B, तणुं C D, तणूं J. अम्हारु–अम्हांरूं A, अह्मारा B J, अति म्रारा C, अम्हारो L. नाह–नाम A, नेह C. जमली–जन मिली A, जिमली B, जमल K. रही–एही A, रही J. कराविसु–कराविस A K, कटाव्योस C, कराबिसि J, करावीस L. दाह–विदाह A, देह C.

जेठ मासि मुझ एवडी आहि, जई झंपाविसु जमना माहि।
सूरिजवंश आठमी वार, वीरमदे लेसइ अवतार ॥ २०९

यादववंश वली अवतरूं, भर्तुभक्ति हूं साची करूं।
सती धर्म साचउ आदरूं, थानकभ्रष्ट थिकउ उद्धरूं ॥ २१०

बेटी वचन ऊचरइ इसूं, देवलोक अम्हि बे पामिसूं।
देवलोकथा नुमी वार, प्रथवीइ नही हुइ अवतार ॥ २११

पूछइ बोल पातसाह इसिउ, जनम आगिलउ माहरउ किसिउ।
साचउं वचन माइ तुम्हे भणु, किसउ जनम कान्हडदे तणउ ॥ २१२

---

२०९ A omits 209 a. जेठ-जेष्ट B, येठ C, जेठि L. मासि-मास L. मुझ-मझ B, ज D. एवडी-एवड B. जई-जइ K झंपाविसु-झंपावुं B, झंपाव्योस C, झंपाविसि J, झंपाविस L जमना-यमुना B C J K, यमना D, यमनां E माहि-मांहि C E J L. सूरिज-सूर्य B C E K, सूरज L वंश-वंस A L, वंशी C. आठमी-वली आठमी B, आथमणी L. लेसइ-हुसिइ B, लेशि C, लेसि D E J, लेश्यइ K, लेसी L. अवतार-अवतारि L.

२१० यादव-जादव L. वंश-वंस A L, वंशी C. वली-बली K, लीया L. अवतरूं-अवतरिउ A B, अवतरुं C K, अवतिरुउ E, अवतारि L भर्तु-भर्तृ A B E J, भर्तु C, भर्त्ता D K, पित्री L. भक्ति-भगति C D E, भर्कि K. हूं- D J, तेणइ E, हुं K L. साची-भलेरि D, साचु E, भलेरी J. करूं-करुं C D K, करिउ E सती-सिती E धर्म-धर्म्म D. साचउ-साचु B C E J, साचूं D. आदरूं-आदरउं A, आदरुं C K, आदरिउ E. थानक-स्थान A B C, थांनिक E, स्थांन J, स्थानक K, थान L. भ्रष्ट-भृष्ठ A B C E J K, भिष्ट L थिकउ-थकु A, थिकु B, काया C, थिकां E J, थका K L उद्धरूं-ऊधरूं A, ऊद्धरुं C, धरूं D, उधरु E, उधरूं J L, ऊद्धरुं K.

२११ बेटी-बंदा C. ऊचरइ em-ऊचिरइ A, ऊचरि B, ऊचरुं C, उचरिइ D J, उचरइ E, उच्चरइ K, इशुं L. इसूं-इस्यूं B, असुं C, इसिउं D E, इशुं J, इसुं K, मनि धरूं L देवलोक-देवलोकि A C K. ii qr in L is देवलोक बेहू अवतरइ अम्हि बे-अह्ने बि B J, अह्ने C, वली अह्ने D, ए अम्हि E, अम्हे बे K. पामिसूं-पामसुं B, पांमस्यु C, पांमिस्युं D, पामिसिउं E, पांमशूं J, पांमिसुं K. देवलोक-. L. था-थी A C K, थका L. नुमी-नवमी A E K, बीजी B L. वार-बार L प्रथवीइ em-पृथ्वी A E K, पृथिवी B, पृथवीइं C, प्रथवी D, प्रथवीइं J, प्रथ्वी L. नही-नहीं B, हि D. हुइ-होइ J L, हुइं K. अवतार-अवतारि L.

२१२ पूछइ-पूछि B J, पूछिउ C पातसाह-पातशाह B J, पातसाहि C, पातश्याह E, पातिसाह K, पातिसाहि L. इसिउ-इसूं A, इसिउं D L, इशु J, इसुं K. जनम-जन्म B C D E L. आगिलउ-आगलि B, आगलिउ C E J, आगिलिउ D, आगिलुं K, आगलउ L. माहरउ-माहरु C E J, माहरुं D K, माहारो L. B transp as माहरु आगलि. किसिउ-किसउ A, किसु C K, किसिउं D, किशु J, किसउं L. साचउं-साचूं B D J, साचुं C E, साचउ K, सांचो L. माइ-मात D, माय J L. तुम्हे-तुम्हि A, तह्मे B J, अह्म D, तह्म E, तुह्म L. भणु-भणिउं A, भणुं D, भणउ K L. किसउ-कइसु A, किसु B C, किसुं D, कहिसु E, किशु J, किसउं L. जनम-वचन A, जन्म B L, जमाहरुं D, जंन्म E. कान्हडदे-कांन्हडदे A E J K, कांन्हडते B, काहनडदे D. तणउ-तणउं A L, तणु B C E J, तणुं D.

कूंयरी भणइ तात अवधारि, हुंतउ कान्ह देव अवतारि।
आम तात माने अहिनाण, तहींइ असुर हूतु सुरताण ॥ २१३

कलियुगि मांहि कान्ह चहूआण, तुं ते अलावदीन सुरताण।
पूछइ पातसाह कूंयरी, कलियुग मांहि कान्ह सिइं करी ॥ २१४

हूं अवतरीउ दानव भणी, बेटी भणइ वात छइ घणी।
आगइ तारा दीधु शाप, विण अपराधि वालिनुं पाप ॥ २१५

बीजु वली न लाई ताल, थोडइ वयरि हणिउ शिशिपाल।
त्रीजुं ईश्वरनुं वरदान, तुरक तणु छोडिसि बंधाण ॥ २१६

---

२१३ **कूंयरी**–कुंयरी B D, कुमरी C J L, कुमरि E, कुंअरी K **भणइ**–भणिइ B, भणि C J. **हुंतउ**–हूंतु B D E J, हुंतु C, हुतउ K, हूउत् L **कान्ह देव**–कान्हडदे A E, कान्हडदे B C J L, कांहनडदे D. **अवतारि**–अवतार B C D J **आम**–आम E J. **माने**–जाणे A, माने C K **अहिनाण**–अहिनाण C D E J K L. iv qr in A is अमुर तणउ तही हूतउ ठाण. **तहींइ**–तहींइं C J, तहीइ D, तेही E, तहियइ K, तीजइ L **असुर**–अशुर L **हूतु**–हतु C, हता D K, हूउ E L, हूंतु J. **सुरताण**–सुरतांण C K, परमांण E, मुरतांन J, मुरितांण L.

२१४ **कलि**–कुल C, कल E J. **युगि**–युग B E J K L, जग D. **मांहि**– .C. **कान्ह**–कांन्ह A D, कान्हड B, कान्हडदे C, काहन E, काहान J **चहूआण**–चहूयाण B, चहूआण D E K, चहुआण L. **तुं**–तूं J, तुम्ह L. **ते**–. .A L, तु D J. **अलावदीन**–अलावदीण A. **सुरताण**–सलताण A, मुरताण C D K, सरतांण E, शुरिताणि L. **पूछइ**–पूछि B C J. **पातसाह**–पातशाह J, पातस्याह E, पातिमाहि L E transp as पातस्याह पूछइ **कूंयरी**–कूयरी A, कुंअरी C J K, कुंयरि D, कूंअरी L **कलियुग**–कल्युग B E J, कुल्युग C. **मांहि**–माहि A K. **कान्ह**–कान्ह A, कइ नि C, काहन D, कांन्हनि E, काहान J. **सिइं**–सइ A, सा B, सुं C, सं D, शं J, शि K, जिउं L.

२१५ **हूं**–हुं K L. A omits vs 215 **अवतरीउ**–अवतरियउ K, अवतरीयो L. **दानव**–दांनव A E J, दांणव C, दाणव K, कान्ह ते L. **भणी**–भणइ A, भणिइ B, भणि J. **वात**–वात L **छइ**–छि B C, सि J, छइं L. **आगइ**–आगि B C J **तारा**–भवांतरि C, ताहरु D **दीधु**–दीधा D, दीधउ L. **शाप**–श्राप C E J K, साप D. **विण**–विणा C, वणि D, वण E **अपराधि**–अपराधि B, पराध्रि C, अपराधिइं D, अपराध E J K, अपराधिइ L. **वालिनुं**–वालिन B, वाछिनु C, विणासिउ E, चालितुं J, विणास्यउ K, चालतउ L. **पाप**–बाप C E K.

२१६ A omits vs 216. **बीजु**–बीजी B C, बीजूं J, बीजुं K, बीजो L. **वली**–कांई B. **ताल**–वार B, चाल D, वचाल L. **थोडइ**–थोडि B C J. **वयरि**–विरि B, विहरि C, वयर D K L, विरह J. **हणिउ**–हण्यु C J, हण्यउ K L. **शिशिपाल**–शशुपाल C J, ससिपाल D, शशिपाल E. **त्रीजुं**–त्रीजिइ B, त्रिजि C, त्रीजउं D, त्रीजु J, त्रीजउ L. **ईश्वरनुं**–ईस्वरनुं C K, ईश्वरनि J, ईश्वरनउ L. **वरदान**–वरदांन C D E J K. **तुरक**–तरकां E, तारा C. **तणु**–तणूं B, तणुं C, तणां D, तणि J, तणउ K L. **छोडिसि**–छोडिसुं C K, छोड्यां D, छोडि J, छोडिस L. **बंधाण**–बंधान B J, बंधांन D, बंधांण E, बान K.

शिव मूंकाविउ त्रीजी वार, तेह भणी कलियुगि अवतार ।
कहइ सुरताण कान्हडदे राय, कांइ अवतरिउ जालहुर मांहि ॥ २१७

बेटी वात संभालइ धणी, मुगतिषेत्र आठमूं भणी ।
वली वात पूछइ सुरताण, देवलोकि जासइ चहूआण ॥ २१८

कलियुग मांहि सत्य षूटसइ, अम्हे दैत्य किणि परि छूटसइ ।
पातसाह प्रति बेटी भणइ, तुम्हे भगत छउ ईस्वर तणइ ॥ २१९

एह जनम पूठइ सुरताण, शिवगण मांहि पामसउ ठाण ।
पाछउ बोल पूछीउ वालि, होसइ मरण केतलइ कालि ॥ २२०

---

२१७ A omits i-iii qrs. **शिव**-सिव D, शव J. **मूंकाविउ**-मुंकिउ हूं C, मुंकाव्यु E, मूंकाव्यु J, मूकाव्यउ K, मूकाविउ L. **त्रीजी**-बीजी E. **कलियुगि**-कलियुग B E L, कुलियुगि C, कलयुगि D J, कलिजुग K. **अवतार**-अवतारि L. **कहइ**-कहि B C E J, कान्ह L. **सुरताण**-सुलतान B, सुरताण C J K, सलतान D, सरतांण E, प्रधान L. **कान्हडदे**-कांन्हडदे A E J, कान्हदे B, काहनडदे D, कान्हणदे L. **राय**-राउ D L. **कांइ**-कां B C D, कांई E, कायं J, कान्ह K, जाय L. **अवतरिउ**-अवतरीउ A B J, अवतर्यउ K, अवतरियो L. **जालहुर**-जालोर A, जाल्होर C, जालिहिर E, जालउरह K, जालोरह L. **मांहि**-माहि A K L, मझारि E.

२१८ **बेटी**-बेटि D **संभालइ**-सांभलि B J, संभालि C, सांभलइ D, सांभरइ E, सभलियइ K. **मुगति**-मुक्त D, किल L **षेत्र**-षेत्रि C **आठमूं**-आठमूं ए A, आठमा C D J, आठमुं E K, आठमु L. **पूछइ**-पूछि B J, पूंछि C, बोलइ E. **सुरताण**-सूलतान D, सरितांण E, मुरतान J, सुरताण K, शुरिताणि L. **देवलोकि**-देवलोक L. **जासइ**-जासि B D J, जास्यइ C, जाश्यइं K, जासे L. **चहूआण**-चहूयाण A B, चहूआंण D E J K, चहुआण L.

२१९ **कलियुग**-कुल्युग C D, कल्युग J. **मांहि**-माहि A K L. **सत्य**-सत्त B, सत C L, ए E, शत्य K. **षूटसइ** em-षूटसइं A, षूटसिइ B L, षूटसि C J, पुटसि D, छूटसि E, षूटिस्यइं K. **अम्हे**-अह्मो C D, तुम्ह L. **दैत्य**-दित्य D, देवलोक L. **किणि**-किण A, केणी B E, किणइ K, किणी L. **परि**-परिं A. **छूटसइ**-छूटसूंइ A, छूटसि B J, कीजीसि C, छूटसिउं E, छूटिस्यइ K, हुसिइ L. **पातसाह**-पातस्याह E, पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L **प्रति बेटी**-बेटी प्रति B J **भणइ**-भणि B J, भाणइ L. **तुम्हे**-तम्हे A B J, तुम्ह K, अम्हे L. **भगत**-भक्ति A, भगति D L, भक्त E J, मूरति K. **छउ**-छु A B E, छउं D, छइ L. **ईस्वर**-ईश्वर B C J. **तणइ**-तणिइ B, तणि C J, तणी K L.

२२० **जनम**-जन्म B C E L, जन D. **पूठइ**-पूठि A J L, पूठिं B, पूंठि C, पूठेंइ D, पूठिइं E. **सुरताण**-सुरतांण D, सरितांण E, सुरतान J, सुरिताण K, शुरिताणि L. **शिवगण**-सवगुण B, शवगुण D, सिवगुण E L, शवगण J, षिवगुण K. **मांहि**-माहि A K L, माहे D. **पामसउ**-पामसु B C, पामसिइ D, पांमिसि E, पामिसि J, पांमिस्यउ K, पाउ L. **ठाण**-ठांण A C D E, अहिठाण J **पाछउ**-पाछु B E, पहिलउ L. **पूछीउ**-पूछीउं A, पूछिउ E, पूछियो K, पूछिउ L. **वालि**-वली A, वाल L. **होसइ**-हुशइ A, हसि B, होसि C D J, होषी K, होसिइ L. **केतलइ**-केटलि B, केतलि C J. **कालि**-कालें D, काळ L.

जउ जालहुरि पीयाणउं करइ, सतावीस दिवसि तूं मरइ।
सवि आगिलां वयर वालिवा, लइ अवतार वली तूं नवा॥ २२१

ढीली जाइ तु मरण ज अछइ आठ मास कान्हडदे पछइ।
हईइ कान्ह सांभरइ सही, छूटइ पाप अवतरइ नही॥ २२२

साचूं भणि हुइ जेतलूं, गढ जालहुरि आय केतलूं।
सात वरस को नही आंगमइ, जासइ दुर्ग वरस आठमइ॥ २२३

सीताई प्रति राजा भणइ, हविइ जाईइ ठामि आपणइ।
बेटी भणइ काम छइ घणउं, मुष जोइसुं कान्हडदे तणउं॥ २२४

---

२२१ जउ-जु B C E J, जो D L. जालहुरि-जालोरि A, जालहुर C D, जालउरि K, जालउर L. पीयाणउं-पीयाणूं B, पीआणु C, पीयाणूं D, पीआणुं E, पीआणू J, पीआंणउ K, पीयाणउ L. करइ-करु B, करि C J, करिउ E सतावीस-सत्तावीस B J, सत्यावीसमि C, सातवीस E, सतावीसमै K. दिवसि-दिवसे A, दिवस B C K, दिवशि D,.. L. तूं-तुं A C, तु B E,. D, तोहि L. मरइ-मरु B E, मरि C D J, आगलि मरइ L. सवि-सिव E, शिव L आगिलां-आगिला B, आगल्या C, आगल्यां D, आगलां E, आगिल्या J, आगला L. वयर-वैर A C K, विर B वालिवा-वाल्वा B C D. लइ-लिउ B L, वली C, लीउं E, लेसि J, लिं K. वली-लीइ C. अवतार-अघतार D. तूं-तउं A E,...B, तुं C D K. नवा-पालिवा B, जो नवा D.

२२२ ढीली-ढीलीइ B, डिल्लीइं C, ढीलीइं J. जाइ-गई C, जाकइ E, अइ K. तु-त A, ते C, तुं D K, ...E, तो L. मरण ज-मरण A B C, मरण तोहि L. C transp as मरण ते अछइ-छिइ B, अछि C, छि J, अछइं L. आठ मास-छठि मासि J, अठ मास L. कान्हडदे-काहनड ते B, काहनडदे D, कान्हडदे J. पछइ-पछइं A L, पछिइ B, पछि C J. हईइ-हीइ A, हैयडि B, हवि C, हईय E, हियइ K, रहीयइ L. कान्ह-कांन्ह A C E K, कांहांन J. सांभरइ-सभारि B, सांभलसि C, साभरसि J, सांभरिस K, सइभरिनउं L. छूटइ-छूटि B C J, पूठइ K. पाप-पापि B E. अवतरइ-अवतारइ A, अवतरूं B E, अवतरीइ C, अवतरि J, अवतरणउ L. नही-नही B

२२३ साचूं-साचुं A C D, साचु B E, साचइ K, साचो L. भणि-भणे A, भण्यइं K, भणइ L. हुइ-हु A, हुइआ D, होइ J L, हुंई K. जेतलूं-जेतलुं B C D K, जेतलु E, जेतलउं L. गढ-गढि A. जालहुरि-जालोरि A, जालुहर C, जाल्हुर J, जालउरि K, जालउर L. आय-आयि D, आउ E, आयुं K. केतलूं-केतलुं C D K, केतलु E, केतलो L. वरस-वरसि J. को-तुं E. नही-नहीं B E. आंगमइ-अंगमइ A, आंगमि B C J, अंगमइं E, आगमइं L. जासइ-जास B, जासि C J, जासे D L, जास्यइ K. दुर्ग-दुरग A, दुर्ग B D E J K L, दुरंग C. वरस-वरिस B, वरसि K. आठमइ-आठमि B C J.

२२४ सीताई-षीताई C K. भणइ-भणि B C J, भणइं L. हविइ-हवि A C, हिवई D, अहवि J, हवइ K, हिव L. जाईइ-जईइ A, जाइ B, जाईय E, जाइयइ K, जाईजई L. ठामि-ठांमि B D E K, थानकि C, ठाम J. आपणइ-आपणि B C J, आंपणइ K. भणइ-कहइ A, भणिइ B, भणि C J, भणिउं E. काम-कर्म B, कांम D J K, एकम E. छइ-छि B C J. घणउं-घणूं B D J, घणुं C E, घणउ K L. मुष-मुख B C. जोइसुं-जोवसूं A, जोएसूं B, जोसुं C, जोस्यूं D, जोइसि E, जोशूं J, जोसिइ L. कान्हडदे-कांन्हडदे A E J K, कान्हड B. तणउं-तणूं B J, तणुं C D, तणु E, तणउ K.

भेटि करेवा हूं आकुली, वीर तणउं मुष जोइसूं वली ।
करूं सनान कुंडि जावालि, षूटइ पाप केतलइ कालि ।
धरियां बहिन बहिनेवी जेउ, जई जालहुरि छोडावउं तेउ ॥ २२५

सातबीस दीधी पालषी, बापइ साथि मोकली सषी ।
चाली कुंयरी हूई विदाइ, समसषान ल्यावउं गढि जाई ॥ २२६

कमले आवी कुंयरी सुणी, गयउ रबारी वद्धामणी ।
कूडी वात कुणइ ए कही, कुंयर वीरमदे मानइ नही ॥ २२७

दीइ सीषामण साम्हउ जाइ, बीजड भाट मोकलिउ राइ ।
ऊतारी सुंदरला तीर, आव्या तिहां राय नइ वीर ॥ २२८

---

२२५ भेटि–भेट D E J K, भेटे L. हूं–छइ D L, छुं E K, छि J. तणउं–तणूं B J, तणुं C E, तणु D, तणउ K L. मुष–मुख B C. जोइसूं–जोइसि B D, जोयसु C, जोसिउं E, जोशूं J, जोइस K, जोसिउ L. करूं–करुं C D K. सनान–सनान A D K L, स्नान C. कुंडि–कुंड C E L, हू D J, कुड K. जावालि–जमाल L. षूटइ–छूटूं B, षूटि C J, छूटउं E, छूटं L. केतलइ–केतला B, केतलि C J कालि–काल B. A reads as iv qr: पाप सहूइ तिहा पषालि. धरिया–धस्या C K, धस्या L. बहिन–बहिनि C, बहनि D, बिहिनि E, बांन J, बंहिन K. बहिनेवी–बह्नेवी C, बिहिनेवी E, बिन्हेवी J. जेउ–जेह C, जोय J, जेअ K जई–जइ A. जालहुरि–जालोरि A, जालुहरि C, जालोर K L. छाडावउ–छंडावसु A, छोडावु B C E, छोडवुं D, छोडावूं J, छंडावुं K. तेउ–बेउ A, तेह C, बेउं D, तेअ E, तोय J, तेय K.

२२६ सात–साठ L. दीधी–मोकली J. बापइ–बापि A B C J, बापि D, बापइं E, वाप L. साथि–साथि B, सा C, साथ L. मोकली–मोकलि D, दीधी J, मोकलावी L सर्षा–सखी B चाली–वली C. कुंयरी–कुंयरि B, कुमरी C, कूंमरि E, कूंअरि J, कुंअरी K, कुम्मर L. हूई–हुई A, हुइ B, हईइ C, हूं J, हुइं K. विदाइ–इम थाइं C, वधाइ D, वदाइ E, वदाय J समसषान–समसषान A E J K, समसषानि B, समसूंषांन C, समसषांन D ल्यावउ–चालिउ B, लावु C, ल्यावुं D, लावूं E, ल्यावूं J, ल्यावउ K, ल्याऊं L. गढि–गढ A C D J K E transp as: गढी लावूं जाई–जाइ B D E K, जाइं C L, जाय J.

२२७ कमले–कुमरि C, कुंमरि D, किमले E, मलिकि J. आवी–आवसि E. कुंयरी–कुंयरि B, कुमरी C E L, कुंअरी J K. सुणी–घणी E, सुंणी D, शुणी L. गयउ–गयु A C E, गिउ B, गयुं D, गयो L. वद्धामणी–वद्धावणी A, वधामणी C K L, वधामणी तणी D, वधामणी E J. कूडी–कुडी C कुणइ–कुणि A, कुणिं B J, किणि C, कुणीकइ K, कुण L. ए–.. K. कही–कही B, वही J कुंयर–कूंयर B, कुंअर C K, कुम्मर E L, कूंअरी J. मानइ–मानइ A E K, मानि B J, मनि C, मानइं D. नही–नहीं B.

२२८ दीइ–देई C, दि D E, दिइ J, दीयइ K, दिउ L. सीषामण–सीषावण A, सीषांमण C D E J साम्हउ–सांम्हउ A K, साहामु B, साहमु C J, साहामु D, सांह्मु E. जाइ–जाइं C, जाय J. बीजड–बीजड A C D K. मोकलिउ–मोकलीउ A D, मोकल्यु J, मोकल्यउ K L. राइ–राय A B D J L. ऊतारी–ऊतारीय A, दल ऊतारी C, ऊतारा आप्या E, ऊतारि J. सुंदरला–सूंदरला A, संदरला B, सइंदला C, नगरि E, सुरीनि J, शुदरला L. तीर–तीरि A J. D J transp as: तिहां आव्या. राय–राइ K. नइ–नि B C J, नइं L.

जव साहमी ऊठी कूंयरी, ततषिण आडी परीयछ धरी ।
बोलइ वात कूंयरी घणी, वीती छइ जमारा तणी ॥ २२९

॥ दूहा ॥

पदमनाभ पंडित भणइ, प्रीति परीक्षा एह ।
अंग बिहुं जण उल्हसइ, नरनारी नवनेह ॥ २३०

॥ चउपई ॥

वीर भणइ ए साचूं सही, पणि मुष ताहरूं जोइसि नही ।
तइंस्यूं नही परणूं छइ रोस, बीजूं जे मागिस ते घोस ॥ २३१

॥ राग शिषरी ॥

एक पनुती हो बगलडी जी, तेहचा प्रेम अपार ।
प्रिय पोषइ पावसि चडी जी, सुष लीजइ संसारि ॥ २३२

---

२२९ जव–जब D. साहमी–साम्ही A K, साहामी B, सांहमी D J, साह्मी E, साम्ही L. ऊठी–आवी B. कूंयरी–कुंअरी C K, कुंयरी D, कूंअरी J, कूअरी L. ततषिण–ततक्षण A C, ततषणि B, ततषिणि J. आडी–आडि D K. परीयछ–परीयच्छि B, परीअच्छि C E J, परिअच्छि D, परियछ K B transp as: परीयच्छि आडी. धरी–धरि D. बोलइ–बोलि B C J, बोलइ D. कूंयरी em–कुंयरी A D, कुंयरि B, कुंअरी C K, कूयरी E, कूंअरी J, कूअरी L घणी–अति घणी B. वीती–वात B, C, चिंता E, वीतक K. छइ–छइ जे A, छि B J, अछि वींनती C, अछइ K. जमारा–जंमारा A, जंवारा B D J, जिमहर C, यमराजा E.

२३० पदमनाम–पद्मनाभ B E, पदमनाभि K, पद्मनाभि L. पंडित–पंडित्त D. भणइ–भणि B J, भणइं L. प्रीति–पीरति B, प्रीत K परीक्षा–पुरुषा B, परिक्षा D, परीष्या J, परिक्ष्या L. एह–एउ J. अंग–अंगि B C E J. बिहुं–बेहू B, बिहूं C, बिहूंनां E. जण–...E. उल्हसइ–उल्हसि B J, उहलसइ E, उल्हस्या K.

२३१ चउपई–...A, चुपै B J, चुपई C E, चूपई D, चोपई K. वीर–वीरम L भणइ–भणि B J. साचूं–साचउं A, साचुं C D K. पणि–...A, पणिं D, पिणि K मुष–मुख B C, मुषि L. ताहरूं–ताहरु A, ताहरुं C D J K, जोसिउं L. जोइसि–जाइसूं A, जोयस C, जोइस D K, ताहरउ L नही–नहीं B E. तइंस्यूं–तइसूं A, तूंसूं B, तुसुं C, तुं स्यूं D, तझनइं E, तूं सिउं J, तईसुं K, तुझनइ L नही–नहीं B. परणूं–परणुं C, परणइ K, परणू L. छइ–छि B C J, छ E. रोस–रेसि E, रीस L. बीजूं–बीजुं C D, बीजउ K, बीजउं L. जे–जइ A, जं D L. मागिस–मागिसु A, मागेसि B, मागसि C E, मागिसि J, मांगिस K. ते–तं D L. घोस–देसु A, देसि B E, दोस J, घोसि K, देशि L.

२३२ राग–रागं K. शिषरी–सिषरी A, सषरी B, विराडी गीत C, शिषरी गीत D, देशाष E, शरि गीत J, शिष्री गीतं K, शकरी L. पनुती–पंनुती A, पुनुती E, पनउती K, वनउ L हो–...B C E J K, होइ L. बगलडी–बगलो L. जी–रे B,...C. तेहचा–तेहज A, तेहवा B K, तिहां ते E, तेहछुं L. अपार–अपारि A L. प्रिय–प्रीय A L, पीउ B, प्रीयुं D, प्रीअ E. पोषइ–पेषउ A, पेषि B, पोषि E J, पेषइ L. पावसि–पावस C. चडी–चड्यु J, चकी L. After iii qr A interpolates तेहज प्रेम अपारि; E interpolates तेहनइ प्रेम अपार; K interpolates तेहना प्रेम अपार हो. सुष–प्रियडा सुष K, जे शुष L. लीजइ–लीजि B J, लीइ D, लीज्यै K, केय L. संसारि–संसार D. iv qr in C is तेम चडी संसारि.

॥ द्रूपद ॥ कइ मइ मनमथ दूहविउ जी, कइ हूं निरगुण नारि ।
प्रीयु परदेसणि वीनवइ जी, आपइ आप संभारि ॥ २३३
कइ मइ मनमथ दूहविउ जी ॥

दिवस दोहिलइ नीगमूं जी, रयणि घणेरी थाइ ।
विरह वेदन माहरी कहिनि कहूं जी, प्रीयु विण रहिणु न जाइ ॥
कइ मइ मनमथ दूहविउ जी ॥ २३४

जउ जलहीणी माछली जी, जीवइ नही जग मांहि ।
कंत विहूणी कामिनी जी, तिम तिम षीणी थाइ ॥
कइ मइ मनमथ दूहविउ जी ॥ २३५

॥ चउपई ॥

कुंयरी भणइ राय अवधारि, बीजां मागिसि वानां च्यारि ।
सादल सीह मलिक जे सखा, सोमनाथ छूटंतइ धखा ॥ २३६

---

२३३ **द्रूपद**–.. A B C D E J K L **कइ**–कि B C J, कसड नी E. **मइ**–. A E, म B J, मि C, मइं D, मन्मथ L. **मनमथ**–मिनमथ A, मन्मथ D, मनि J, मइं L **दूहविउ**–दूहविउं A, दूहवीउ B, दूहव्यु C, दूहव्यू D, दूहव्यउ K L. **जी**–...D **कइ**–कि B C J, कहइ E **हूं**–हुं B D K, छउं L **निरगुण**–निरगुणि C, निर्गुण D, निरगण J, निगुण K. **नारि**–नारि ॥ द्रूपद ॥ E **प्रीयु**–प्रीय A L, प्रीउ B C, प्रिय K. **परदेसणि**–परदेसि D J. **वीनवइ**–वीनवि B E J, वीनवुं C, विनवड D, वीनवइऊ K **आपइ**–आपि B C D J, आपइं E K, आपिइ L. **आप**–आस B, आपइ E, आपि L **संभारि**–संभारिजी A, संभरि K. **कइ मइ मनमथ दूहविउ जी**–...B C E L, कइ मइं॰ D, कि मन॰ J, हो प्रीयडा सुष॰ K

२३४ **दोहिलइ**–दोहेल A, दोहिलि B, दोहिला D J, दोहिलुं K, दुहेल L. **नीगमूं**–हूं नीगमूं A, नींगमू B, नींगमुं C, हुं नीगमू D, नीगमुं E K L **रयणि**–रयण A K, रयणी E, राति L **घणेरी**–घणेरडी A E, घणेरणी B. **थाइ**–थाई C, थाय J. **विरह**–विरहिं B, विरहइ K **वेदन**–वीनती B, वेदना C E. **माहरी**–माहरीजी C D J K,. .E. **कहिनि** em–कहनइ A, B C D J K L, कहि E. **कहूंजी**–कहुंजी A L, करूजी B, ..C D J K. **प्रीयु**–प्रीय A C L, प्रिय B K **विण**–विणुं C. **रहिणु**–रहुण A, रहिणुं C, रहण D, रयणि E, रहिण J K, रयण L. **जाइ**–जाइं A, जाय J. **कइ मइ मनमथ दूहविउ जी**–...B C E L, कई मई॰ D, कि मि॰ J, हो प्रियडा सुष लीज्यइ॰ K

२३५ **जउ**–ज A, जिम B, जु C E J, जू D, किम L **जलहीणी**–जल विण L. **माछली जी**–माछली A, माछिली जी B C E J, रहइ माछली जी L. **जीवइ**–होजे जीव A, जीवि B J, किम जीवइ C, तु जीव E. L omits ii qr. **नही** em–...A C D, नहीं B, न E, ते J, जउ K. **जग**–...A, युग D K. **मांहि**–माहि A, मांहि जाइ D. **कंत**–कंथ J, तिम कंत L. **विहूणी**–विहुंणी D, विहूंणी E, विहुणी L. **कामिनी**–कांमिनी A D J, कामनी K, नारि L. iv qr in L is राजेस्वर दिवस दुहेलउं जाइ. J interpolates the refrain कि म॰ after iii qr. **तिम तिम**–तिम B, क्षणि क्षण C, तिम ते E, तिम २ J K. **षीणी**–विलखाणी B, हीणी C, षिणी २ K. **थाइ**–थाय J **कइ मइ मनमथ दूहविउ जी**–...B C E L, कई मई॰ D, कि म॰ J, हो प्रियडा सुष लीज्यइ ससारि K.

२३६ **चउपई**–चुपै B J, चु॰ C E, चोपइ L. **कुंयरी**–कुयरी A, कुंअरी C K, कमरी E, कुमरी J L. **भणइ**–भणि B C J. **राय**–राउल C, राउ E. **अवधारि**–अवधारे L **बीजां**–बीज्यां B, बीजा D L. **मागिसि**–मागिस A, माग्योस C, मागसि E, वानां J, मंगसि K, मांगिस L. **वानां**–वांनां B D E, मागिसि J, वांना K वाना L. **च्यारि**–च्यार C, चारि E. **सादल**–सादूल C, सादिल K, साद L. **मलिक**–मिलक L. **जे**–से J, बे L. **सखा**–सखां A, सरियां B, सरिउ C, सरिया E, J, धखा L. **छूटंतइ**–छूटंति B C, चूंटइंतइ D, छूटंतां E, छूटिति J, छूटंतइ L. **धखा**–धरिया B E J, धरिउ C, धखां L.

पातसाहनइ आवइ पोढि, समसषान नइ पुंजा छोडि।
सुरताणी दल आवइ जेय, रातीवाहि म मारिस तेय॥ २३७

जनम आगिलइ कामण करिउं, तेह पाप जाएज्यो परहुं।
पातसाह बोल्यउं पालिस्यइ, वीर भणइ तउ साचउं हुस्यइ॥ २३८

देउल तणउ न भाजइ रंग, देसि अम्हारइ न करइ भंग।
पीडइ नही विप्र नइ गाइ, सत्य वचन तउ पालइ राइ॥ २३९

पातिसाह टलतउ जे सहू, देसि कटक मोकलज्यो बहू।
साषि कीउ ऊगमतउ भाण, कुंयरी करिउ बोल परमाण॥ २४०

---

२३७ **पातसाह**–ते साह E, पातशाह J, पातिसाह K, पाति L. **नइ**–निं B, नइं D K, तइ E, नि J, नी L **आवइ**–आवि B C J, आवी E, एहवी L. **समसषान**–समसषान A B D K, समसूंषांन C. **नइ**–ते B, नइं D E, नि J. **पुंजा**–षोजा B D J K L, वीवी C, जणावइ E. **सुरताणी**–सरणीइ D J, सरतांणी E, सुरतांणी K, शुरिताणी L. **दल**–दलि K. **आवइ**–आवि B C, आविउ J, आव्याउ L. **जेय**–जेअ A, जेउ B J, जेह C K, जेइ D **रातीवाहि**–रातीवाइ B D, रातीवाइं C, रातीवाह L. **म**–मं L. **मारिस**–मारिसि B C D E J. **तेय**–तेअ A, तेउ B D J, तेह C K, जेय L.

२३८ **जनम**–जन्म A, जे मिं B. **आगिलइ**–आरंगिलइ A, आगि B, आगलि C E J, आगलइ L. **कामण**–कामण A C J K. **करिउं**–कीरउं A, करुउ K, करिउ L **तेह**–ते D E L, तेउ K **पाप**–पसाउ L. **जाएज्यो**–जाइजो A, जाज्यो C, जाइ यम E, जाएयो J K, जाइ जउ L **परहुं**–पहरू B, हवि परुं C, परहउं E, परूं J, परुं K, पहुं L. **पातसाह** पातस्याह E, पातशाह J, पातिसाह K, पातिसाहि L **बोल्यउं**–बोलीउं A, बोलिउं B E, बोल C, बोल्युं D, बोल्यूं J, बोल्यउ K **पालिस्यइ**–पालसइं A, पालसिइ B E, पालसि C J, पालिसइ D, पालसे L. **वीर**–विरम D, वीरम K L **भणइ**–भणि B J, भणइं L. **तउ**–तु B E, ते C J L,...D, तुं K. **साचउं**–साचुं B C, साचूं D J, साचू E, साचउ K L **हुस्यइ**–हुसइं A, हसिइ B D, हसइं C, हसि J, हसिइं L.

२३९ **देउल**–देव L. **तणउ**–तणु B C E J, तणुं D. **न**–नवि A C **भाजइ**–भंजसि B, भाजि C J. **रंग**–रंगि L. **देसि**–देस B E K, देशि C, देश J, दिस L **अम्हारइ**–अह्मारु B E, अमारि C, अह्मारि J, तुम्हारइ L. **न करइ**–आवइ A, न करि B J, करि नवि C, न कर D. **पीडइ**–पीडीइ A, पीडि B C J. **नही**–नहीं B. **नइ**–नि B J, नइं K. **गाइ**–गाय B D J K L. **सत्य**–सित्य E तउ–इसूं A, तु B D J, तव C, जु E, तुं L. **पालइ**–पालउ A, पालि B L, आप्युं C, आपइ D K, आपि J. **राइ**–राउ A, राय B C D E J.

२४० **पातिसाह**–पातसाह A B C D, पातस्याह E, पातशाह J, पातिसाहि L. **टलतउ**–टल्तुं A D, वल्तूं B, जु टल्तुं E, टलतू J. जे–ये C, E. **सहू**–सहूं E, सहु K. **देसि**–देस A B, देशि C, देश J, देशिइ L. **कटक**–कटिक E, कष्टक L **मोकलज्यो**–मोकल्यो B C E, मोकयो J, मोकलिज्यो K, सोकल्से L. **बहू**–सहु K. **साषि**–साषी C **कीउ**–करूं B, करिउ C D, करूंय E, कीऊ J, करुउ K, करुं L. **ऊगमतउ**–गयणंगणि A B E, ऊगमतु C, ऊगमंतु D, ऊगमणु J. गयणंगण L **भाण**–भांण A C D J K. **कुंयरी**–कूंयरी B, कुंअरीइं C, कुमरी E L, कूंअरी J, कूअरी K. **करिउ**–कीउ A J, करिइ E, करुउ K, करीउ L. **परमाण**–परिमाण A L, प्रमाण B C, परमांण D J K, प्रमांण E.

तु कुंयरी बोली इणि परि सुणी, अम्ह इछा गढ जोवा तणी ।
दीइ सीषामण राउल कान्ह, साथइ मोकलीया परधान ॥ २४१

॥ अथ भडाउली ॥

श्रीनगर जालहुर तणी रचना[1] । गढ मढ मंदिर पोलि पगार[2] । अट्टालीयां मालीयां टोडडे त्रिकलसां गगनचुंबित कोसीसां[3] । सातषणां धवलगृह[4] । रम्य प्रवेश[5] ।

सूकडीया गवाक्ष[6] । मलयागिरी जाली[7] । कृष्णागिरी थांभली[8] ।

---

२४१ तु- ..C K L कुंयरी-कुंअरी C, कमरी E, कूंअरी J, कुंअरीं K, कूअरी L. बोली-बोल C, बोलइ E, बोलि J, बोल्यउ L. इणि परि-परि A B D J, इंणी परि C, ते परि K. सुणी-सुंणी C, शुणी L. अम्ह-...D E इछा-इछा छइ A, ईच्छा C, ईछा J. जोवा-जोया C. तणी-भणी J. दीइ-दि B C E, दुं D, दीउ J, दउ K, देय L. सीषामण-सीष तव C, सीषामण D E J, सीषामणि K. कान्ह-कांन्ह A C D K, काहान J. साथइ-साथिं B C, साथि D E J, साथ L. मोकलीया-मोकलीआ C E J, मोकलिया K, मोकल्या L. परधान-प्रधान A, परधांन C D J, प्रधान E, प्रधान L

J omits the भडाउली. अथ भडाउली-अथ भिडाउली A, अथ श्री नगर जाल्हुर वर्णनं C, अथ नगरवर्णनः D, अथ गढ जालुहरनी भडाउली E, अथ भिडाउलि चालि । नगर जालउर वर्णन । K, अथ भटावली गढ वर्णनं L

1 श्री-...D. नगर-नगुर L. जालहुर-जालोर A L, जालोहोर B, जालुहर C, जालुहर E. तणी-नी B E L, तणां D. रचना-...D, वाचना E

2 पोलि-पोलिं D पगार-पाकार A J, प्राकार C D.

3 अट्टालीयां-अटालीया B, अट्टाल C, अटाली E, अटालियां K, अटालिया L. मालीयां-मालीया A B L, मालिआं E, मालिया K टोडडे-तोडिला A, टोडाटोडली षोलीषडकी माढमतवालणा C, टोडाटोडी D, टोडडी E L, टोडां K त्रिकलसां-त्रिकलसा A, त्रिकलांसां तोरण C, तृकलसा घणा L. गगन-गगनि C E,...L. चुंबित-चंबित A, झूंबती C, चुबित E, लंबित K, सोमित L. कोसीसां-कोसीसा C, कोशीसां D E, कोसी L.

4 सातषणां-सातषूणा A, सातषणी B, सात लाष C, सातषवणां D, सातषिणा L. धवलगृह-रम्य धवलग्रह C, धवलग्रह D E, धवलहर L

5 रम्य-राज्ञ L प्रवेश-प्रदेश A B D, घरवेस C, प्राशाद K, प्रवेस L.

6 सूकडीया-सूकडिआलां B, सुकडीया D, सुकडीआं E, सूकडियां K, सूकडिया L. गवाक्ष-गवाष्य C, गवाष D, गुवाष्य E, आवास L.

7 मलयागिरी-मलियागरी A, मालीयागरी B, मिलीयागरीना C, मलियागिरिनी E, मलीयागिरनी L. जाली-लाष C.

8 कृष्णागिरी-कृष्णागरी A B, कृष्णागर तणां C, कृष्णागर D, कृष्णांगचीनी E, किसागरनी L. थांभली-ग्रह C, स्थंभ L.

मणिबद्ध काचबद्ध भूमि[9] । उराउरी वलभी[10] । पगथीयारां चउकीसर चूनालूआं[11] । शतभूमिका सहस्रभूमिका सभानी रचना[12] ।

महाराजाधिराज श्री कान्हडदे सभा पूरी बइठउ छइ[13] । सिंहासनि पाउ परठिउ छइ[14] । मेघवना उलच बांध्या छइ[15] । परीयछ ढली छइ[16] । केतकीना गंध गहगहीया छइ[17] । सोरंभना सोड सांचरिया छइ[18] । सभा मांहि सेरी मेल्हाणी छइ[19] । जाइ वेली वालउ पाडलना परिमल पंचवर्ण

9 मणिबद्ध-मणिबध्य B, मणिबंध स्तंभ C, मांणिक्यबंध D, मणिबुध E, सोभित मणिबध L. काचबद्ध-काचबांध्या B, कांचनबद्ध C, काचबंध D, काचबुध E, काचबध L. भूमि-भूमी B, भूमिका L. After 9 L adds foll.

थांमइ २ पूतली नाटिक करइ छइं । पणि ते आवास केहवा छइं । एकवीस भूमिकाना आवास । सहस्र भूमिकाना आवास । इकवीस सहश्र घरि ठकुरालांनां गढ मांहि वसइ छइ । बत्रीस सहश्र घरि विवहारीयानां वसइ छइ । चउरासी चउहटा नगर माहि सोभिता छइं । बे सइ प्रासादि नगर माहि छइं । ऊपरि डंडकलस ध्वजा ऊछलइ। राजा श्री कान्हडदेना रोग सोग ते धजा अपहरइ छइ। अनइ कान्हडदे प्रमुष सर्व चोरारासीया नइ विवहारिया तेहनइ मागिलिक्य करती छइं ।.

10 L omits ll 10-11 उराउरी-उरीऊरा A, उराउर B, उरडाउरी C, पगथिआं E, उरां K. वलभी-षडकी C, भलां E, वलीमी K

11 पगथीयारां-गपथीया B, पगथीआरां C D E, पगथिआरां K. चउकीसर em-चुकासुर A, चुक B,...C, चूकासरि D, चुकीसर E, चउकीसरि K चूनालूआं-चूनालूआ A, चूनालूया B,.. C, भलांनालूंआं E.

12 शत-शित A, सात B,...C. भूमिका-भूमिक B,...C, भूंमिका E सहस्र-सहश्र D E,...K. भूमिका-भूमिक B, भुमिका D, भूमि E,...K. सभानी-सभासुभानी A, सुभानी K. l 12 in L reads: हिवइ राजा श्री कान्हडदेनी सभानी रचना । ते सभा केहवी छइ ।.

13 महाराजाधिराज-माहाराजाधिराज D. श्री कान्हडदे-श्री कांन्हडदेउ A, कान्हडदे B K L, काहनडदे D, राउ श्री कान्हडदे E. सभा-शभा K. पूरी-पुरि D, पूरित E. बइठउ-बिठु B, बेहठो D, बइठो E. छइ-छिइ B, छि C, छइं L. A transp as. छइ बइठउ.

14 K omits ll 14-15 and adds instead पाछइ चांमर ढालइं छइ. D omits ll 14-15. सिंहासनि-सिंहासन B C, सहासन ऊपरि E, सिघासण L. पाउ-...B E. परठिउ-परिठ्यउ A, परठूं B, बइठो E. छइ-छि B C, छइं L.

15 मेघवना-...D, मेघवनां L. उलच-ऊलेच B, उल्लोच C, चंद्रूआ E L. बांध्या-बांध्यां A C L, बांधिआ E. छइ-छिइ B, छि C.

16 K omits l 16. परीयछ-परीयचि B C, परियंचि D, परीअचि E, भींते परियछ L. ढली-ढाली B, आढी C, बांधी L. छइ-छि B, धरी छि C.

17 केतकीना-केतकीनां K, केतुकी L. गंध-वास A. गहगहीया-गहिगहिया B, गहगहि C, गहिगह्या D K, महिमया E, गह २ L. छइ-छिइ B, छि D, छंइ L. E interpolates l 22 after l 17.

18 सोरंभना-सुरंभना B, सुरमिना E, शुरंभनां L. सोड-सुड B, सहल C, सोरिम E, भोग L. सांचरिया-संचरिया B E, विस्तरि C, सावस्था D, संचस्था K L. छइ-छइं A, छिइ B.

19 सभा-सभां L. मांहि-माहि A. सेरी-सारंम C, सेरि D, सयरि E, गमनआगमन सेरी L. मेल्हाणी-मेल्हांणी A D K, पुष्प C, मेहलाणी E, मेल्ही L. छइ-छि B D,...C, छे L.

पुष्फजातिना प्रकर पाथरिया छइ[20] । गुल्लालना गंध गहगहीया छइ[21] । पडीयां कपूर पाए चंपाइ छइ[22] । घोडा वहीआलइ घालीया छइ[23] । हाथीयानी सारसी आगलि कानि पडिउं कांइ नथी संभलातुं[24] । पंचशब्द वाजित्र वाजइ छइ[25] । गल्यां पीतल रतांजणी तणां पषावज धौंकार करइ छइ[26] । नृत्यकी पात्र नृत्य करइ छइ[27] । ततवितत घनशुषिर पंचवर्ण वाजित्र वाजइ छइ[28] । पंचवर्ण छत्र धरियां छइ[29] । चामर व्यिंजन बिहुं पषि हुइ छइ[30] । अमात्य प्रधान सामंत मंडलीक मुकुटवर्द्धन श्रीगरणा

---

20 **वेलि**–वेल D L, वेउल K **वालउ**–. B, वालु C E, वालु कंद मचकंद दमणु मरूउ D, चांपा L. **पाडलना परिमल**–पाडल चंपक C, पाउल मोगरो सेवंती महमहइ छइ L **पंच**–अनेक पंच L. **वर्ण**–.. B. **पुष्फ**–पुस्फ A, पुप्फ K, फूल L. **जातिना**–जातिंना A, तेहना L **प्रकर**–प्रकार A D, पगर C L, प्राकार K. **पाथरिया**–पाठस्या A, पथराइं C, पाथस्या D K, रच्या L. **छइ**–छिइ B, छि C D, छे L

21 C K omit l 21. **गुल्लालना**–गुलाल B, गुलालना D, कृष्णागरनी E, गुलालना L. **गंध**–गंधि B E, गंधराग D. **गहगहीया**–गहिगहिया B E, गहिगह्या D, महमह्या L **छइ**–छि B D,...L

22 C K omit l 22. **पडीयां**–पडिया B E, पड्यां D, पड्या L **कपूर**–कपुर D, कपूर नइ कस्तूरीका L. **पाए**–पगे B D E, पग नीचइ L **चंपाइ**–चापीइ A E, चांपीय D, चंपाय L **छइ**–छि B D, छै L.

23 **घोडा**–घोडां A, घोडानी L **वहीआलइ**–वहीयालि B, वहीआलीइ C, वालही D, विहालई E, वालि K, ल्हाशि L, **घालीया** em–घलीया A, घाल्या B, फिरइं C, झाल्या D, घाला E, हिषारव करइ K, हणहणइ L. **छइ**–छि B C D, छैं L.

24 **हाथीयानी**–हाथीआनी C E, हाथिआनी K **सारसी**–सारसी करड छै L. **आगलि**–सब्द L. **कानि**–कांनि A C D K, कांने B E, कान L. **पडिउं**–पडिया E, पड्यउं K, पडिउ L. **कांइ**–...B L, कांई E K. **नथी संभलातुं**–नत्थी साभलीतु A, साभलीइ नहीं B, सभालातुं नथी C, नथी सांभल्तु D, सांभलीइ नही E, साभलिय नही L.

25 **पंच**–पांच A. **शब्द**–सबद C, शिब्द E, शब्दि K, सब्द L **वाजइ**–वाजि B D, वाजे D. **छइ**–छिइ B, छइं D K

26 D E omit l 26 **गल्यां**–गल्या B. **पीतल रतांजणी तणां पषावज**–पीतल रतांजणी तणां नीसाण A, पीतलहरना मादलनो B, पीतलि तथा रतांजणी तणा पषावज K. **धौंकार**–धेंकार A K. **करइ छइ**–करइं छइं A, वाजिइ छि B C reads मल्लप्रतिमल्लसुं वाद करि छइ मृदंग तणा धोंकार सब्द वाजि छि, L reads रतांजणीना पषावज धौकार करइ छै । ढोंल ध्रसूकइ । रिणकाहलानां कलकलाट । नफेरी नइ सरणाईना तडतडाट हूई रह्या छइ ।.

27 D omits l 27 **नृत्यकी**–निरतकीया L **पात्र**–...B C. **नृत्य**–नित्यं E, नृत्यगति K, निरत L. **करइ**–करि B C E **छइ**–छिइ B, छै L

28 D E omit l 28. C reads as l 28 भट्ट सात्रविवाद करि छइ नीसाणनिर्घोष गाजि छि. **तत**–तंति K, ...L. **वितत**–वित A, विसम K, ...L **घनशुषिर**–घनशिषर A, घनविशेष करीयां K, भांति २ नां L **पंचवर्ण**–पंचशब्द B, पाच शब्द K, L **वाजइ**–वाजि B, वाजइं K L. **छइ**–छइं A, छि B, छै L.

29 **धरियां**–धस्यां A C, धस्या D K, धरावइ L. **छइ**–छिइ B, छि C D, छै L.

30 **चामर**–चांमर C D, निर E **व्यिंजन**–विंजमान A, व्यंजन C E, वंजन D, . L. **बिहुं**–...C, बहु E. **पषि**–पखि A, पासिं B, ...C D, पषइ L. **हुइ**–करि C, ढलइ L. **छइ**–छइं A, छि B C, छै L, K omits l 30.

वइगरणा धर्मादिकरणा मसाहणी टावरी बारहीया पुरुष बइठा छइ[31] ।

॥ चउपई ॥

कोठा नइ कोसीसां घणां, गुष बार मढ मतवारणां ।
वली धवलहर जोयां चडी, रतनजडित बइठी फूदडी ॥ २४२

राजलोक जोया कुंयरी, जिहां कान्हडनी अंतेउरी ।
कूंयरि करइ केतलउं वषाण, जोया पंचवर्ण केकाण ॥ २४३

---

31 **अमात्य**–आतमा D, ...L. **प्रधान सामंत मंडलीक**–मंडली प्रधान सामंत B, ...C, प्रधांन सामंत मंडलीक D, प्रधान मंडलीक E, सामंत प्रधान मंडलिक K, सामंत प्रधान मंडलीक L. **मुकुटवर्द्धन**–मुकुटप्रधान B, . C K, मुकटवर्द्धन D, मुडाधा E, मउडाधा मुगटवर्द्धन L. **श्रीगरणा**–श्रीगुरुणा D, सइगरणा L. **वइगरणा**–विगरणा B, वयगरणा D E. D transp as : श्रीगुरुणा वयगरणा मुकुटवर्द्धन. **धर्मादिकरणा**– B E, अगलेहा C, अगलेह D, मउडउधा अंगरक्षक K, कोठारी भंडारी L. **मसाहणी**–मसाहणी A, मसाणी B, मम्माणी C K, साहण E **टावरी**–टाउरी E, पटवारी कोठारी K, करी L. **बारहीया**–बारही A, वाराह B, बाहरि C, वराहीआ E, बारहिआ K, बारहीय L. **पुरुष**–पुरष A L, परघो आवी C, एवंवधि परघु D, परघउ K **बइठा**–बिठा B, बइठो C, वयठु D, बिइठा E, बयठउ K. **छइ**–छि B C, छइ. D. After l 31 C adds इसी सभा राजा श्री कान्हडदे तणी जाणवी; E adds इति श्री जालहुर गढनी शोभा जाणिवी. L adds after l 31 foll:

छत्रीसइ राजकुली बइठी छइ । तेहानां नामि जाणिवा । शशिवंस गोहिल । १ परमार २ कैमधुज ३ राठउड ४ चहुआण ५ सीसउदिया ६ सोलंकी ७ देवडा ८ चंद्रवत ९ सांषुला १० यादव ११ महूयडा १२ डोडीया १३ पडिहार १४ कछवाहा १५ मोरीया १६ मकुवाणा १७ बोराडा १८ हुणि १९ गउडि २० झाला २१ भाटी २२ सिधल २३ सिंदा २४ वींदा २५ दाहिमा २६ चाऊडा २७ चंदेला २८ पहियणा २९ ज्यावडा ३० सूरिमा ३१ वाला ३२ वाघेला ३३ डाभीया ३३ (?) सोनगिरा ३४ तुंअरि ३५ हाडा ३६ एहवी जे राजकुली ते राजाश्री कान्हडदेनी सभा मांहि बइठी छइं ॥

२४२ **चउपई**–हिव चउपई A, चुपै B, चुपई C E,.. J, चौपई L E reads as 242 a :कोसीसा नइ कोठा घणा गढ मढ मंदिर मतवारणा; L reads गढ जालउर कोसीसा घणा, गऊषि जालीया ते नहि मणा. **कोठा**–काठे D **नइ**–नि B C J, छइं D. **कोसीसां**–कोसीसा C **घणां**–घणा C. **गुष**–गुष्य D, गउष K. **बार**–मार A, मरम B, गुवाष्य D, वा J. **मढ**–नि B, . J. **मतवारणां**–मतवालणां C, मंषबारणी J, **वली**–. .D. **धवलहर**–धउलहर A L, धवलग्रह C, धवल्हरे D, धुलहर E. **जोयां**–ठोयां B, जोया C L, ते जाइ D, जोयूं J, जोयुं K. **चडी**–चढी J L. **रतनजडित**–रत्नजटित B, रत्नजडित्त D. E reads as iv qr : बइठी पूतली रतने जडी. **बइठी**–बिठी B, दीठी C J K, दिठां D. **फूदडी**–पूतली A K L, भूमिहरि D, सुंदरी J.

२४३ **जोया**–दीठउं C, जोयउं D, जोयां J, जोयुं K. **कुंयरी**–कुमरी C, कूंअरी E J, कुअरी K, कुंवरी L, **कान्हडनी**–कांन्हडनी A, काहाननि B, कान्हडदेनी C, काहनडनी D, कान्हनी E K, काहाननी छि J, कान्हडनी L. **कुंयरि**–कूयरि A, कुंअरीइं C, कुंयरीं D, कूंभरी J, कहिनइ कुंअरि K, कूंअर L. E transp as : करि कुमरि. **करइ**–करि B J, करिउं C,...K. **केतलउं**–केतलूं A J, केटलुं B, केतलुं C D, केतलउ K. D transp as केतलुं करइ; J transp as केतलूं करि. **वषाण**–वषांण A D E K, वषाणि L, **जोया**–जोयां J, **केकाण**–केकांण A C D K, कैकाण B, केकाणि L.

[राजरिद्धि दीठी निरमली, राय तणूं सिंहासन वली ।]
जोया राजसभा परिवार, जोया राय तणा भंडार ।
जोई वाडी जोई वावि, कुंयरी जोवा गई तलावि ॥ २४४

देउल देव जोया सवि फिरी, नगरलोक दीठां कुंयरी ।
गढ ऊपरि कुंयरि तिणि कालि, करइ सनान कुंडि जावालि ॥ २४५

कुंयरी जोवा आवी भणी, राउलि दीधी पहिरामणी ।
सोमनाथ छूटंतइ लीया, हाथी राउलि पाछा दीया ॥ २४६

जे जे मलिक राइ झालीया, ते कुंअरीनइ पाछा आलीया ।
आगेवाण दाषवइ वाट, साथि मोकल्यउ बीजड भाट ॥ २४७

सहू साथ बुलावी करी कटक भणी चाली कुंयरी ।
तु जहिमती हुउ सुरताण, पाछउ वलिउ दीउं फुरमाण ॥ २४८

---

२४४ C D J K interpolate राजरिद्धि.. वली before 244 a A B E L omit it. रिद्धि–ऋद्धि C, रद्धि D, रिधि K. तणूं–तणुं C, तणउ K सिंहासन–सिंहासन D, सिंहासण K. जोया–जोई C, जोयां J, जोयो K. सभा–तणा B, सुभा E, सभा J, शुभा L परिवार–तिणि वार L जोया–जोयु C. राय–द्रव्य B, राज C J L, धांन E तणा–तणु C, तणां D, घणा L. भंडार–कोठार E, परिवार L वावि–वाव L. कुंयरी–कुंयरि A B, कुमरी C E, कुंमरी J, कुंअरि K, कूंअर L. जोवा–जोइवा A K गई–गइ D L. तलावि–तलाव C E L.

२४५ देउलदेव–देवल देव D K, देव देहरां E, देवलदेहरा L. जोया–जोयां A, ते जोया J, जोइया K. सवि–.. B D E J K L फिरी–फरी C D लोक–लोकि C J दीठां–दीठी C J, दीठउं D, दीठा E L कुंयरी–कूंयरी B E, कुंअरी C K L, कुअरी J ऊपरि–ऊपरिं D. कुंयरि–ते A, कूंयरि B, कुमरी C, कुमरि E, कुंअरि J K, कुअर L. तिणि–त्रिणइ A, तेणि C, तणि D, तेणइ E. करइ–करिउं B, करि C J L. सनान–सनांन A C E J K L. कुंडि–कुंड B C E J, L. जावालि–जावाल C, जाइवालि K, जवालइ मालि L.

२४६ कुंयरी–कूयर A, कुंयरी B, कुंअरी C, कुंयरि D, कुमरी E, कुंमरी J, कुंअरि K, कुंमर L. जोवा–जोइवा A. आवी–आव्या D J, आवइं E. C transp as आवी जोवा भणी–घणी E L. राउलि–राउल L. दीधी–कीधी B. पहिरामणी–पहिरावणी A L, पहिरामणी D E, वधांमणी J. सोमनाथ–सोमनांथ B, सोमनाथि L. छूटंतइ–छूटंति B C J, छूटतइ D, छूटंता E. लीया–लीधा A, लीआ E, मुआ K. हाथी–ते B, हाथि D K. राउलि–राउत L. दीया–दीआ C E, दिया K.

२४७ जे जे–ये ये E. मलिक–मलक D, कुमर L राइ–रायि A, राइं B C E J, राय D K L. झालीया–झालीआ E J, झालिया K L. ते कुंअरीनइ–कुयरीनइ A, कुंयरीनि B, ते कुमरीनइ C, ते कुंमरीनइं D, कमरीनइं E, ते कुंअरीनि J, कुमरीनइ ते L. पाछा–सवि L. आलीया–अलीया A, दीआ C, दीयां D, आलीआ E, दीया J, आलिआ K, सउंपीया L. आगेवाण–आगेवांण A C J K, आगइवांण D, आगलि वांणी E. दाषवइ–देषाडि B, देषाडण C, देषाडइ D, देखवि J, हुइ दाषइ L. साथि–साथिं B C. मोकल्यउ–मोकलिउ A B D, मोकलु C, मोकल्या J, मोकलियो K. बीजड–बीजेड A E, बीजल B, बीजड C D J K L. भाट–भाटि L.

दल मेडता थकां ऊपड्यां, तु हरसुरि आईनइ पड्यां ।
वहि पालषी ऊतावली, कुंयरी जई सइंभरि मिली ॥ २४९
चालि चालि ऊतावलि करी, ग्यां आंबेर कटक सांचरी ।
चाल्यां कटक दमामां दीयां, बीजइ दिनि बाहदरपुरि गयां ॥ २५०
मदनमेरि वाज्यां नीसाण, तु ढीली पुहुतउ सुरताण ।
पदमनाभ पंडित मति कही, त्रीजा षंड समापति हुई ॥ २५१

२४८ सहू–सहूइ E, सहूई K, सवि L. साथ–बलीउं A B C, वलिउं D J, साथि E, साथिइ L. जुहावी–सजाई A E, जुहार ज B, वोलावी D, वउलावुं K, वलावी L. कटक–कटिक E. भणी–तणी B. कुंयरी–कुंअरी C L, कूंयरी E, कूंअरी J, कुअरी K. तु–त A D, तो L. जहिमती–जहीमती A, जो जैमति C, जिहमति D, जहमती E L, हिजमती K. हुउ–हूउ B C, हूंउ D, थयु E, है K, हुउं L. सुरताण–शुरताण A, सुरतांण C E K, सुरतांणी D, शुरिताण L. iii qr in J is: हरषवंत होऊ सरतांण. पाछउ–पाला A, पाछा B, पाछु C D. वलिउ–वलीया A, वलियां B, वली E J K, वल्यो L. दीउं–दीआं E, दीऊं J, दीधउ K, हुउ L. फुरमाण–मेल्हांण C J K, मेहलांण D, फरेमांण E, फुरिमाण L.

२४९ मेडता–मेरुतां E, मेडतां J. थकां–थिकां B J, थिकुं D, थआ E, थका K, थकी L. ऊपड्यां–ऊपडीयां A, ऊपडिउ D, ऊपडिया E, ऊपड्या L. हरसुरि–हरसरि A, हरसूरि D, हरिसुर J, हरसोरई K. आईं–जई A C, जाइ K. नइ–नि B C J, नइं D, ...E K L पड्यां–चड्यां A C, पडियां B, चडीउं D, पडिया E. ii qr in L is: तिहां सहू जायइ दडवड्या. वहि–वहइ A, वहिल K. पालषी–पालखि D. ऊतावली–ऊतावलि A, उतावली D L. A omits iv qr. कुंयरी–कुवरि A D, कुंयरि B, कुंअरी C, कुमरी E L, कुअरि J, कुंअरि K. जई–जईनइ A, जाई B, जाइनइ L. सइंभरि–सांभरि A, सेंभरि B, सिंभरि C, सींभरि D, सिभरि नि J, सइभरि K. मिली–मली B E.

२५० चालि चालि–चाली चालि A, चालि २ B D E J K, चालि चालइ L. ऊतावलि–उतावली D, ऊतावली L. करी–...L. ग्यां–गयां A J, गया D L, ग्या K. आंबेर–अंबेरि B C, आंबिर D, अंबेरे E, वेनि J, अबेर K, आंबेसरि L. कटक–कटिक E. सांचरी–सांचरीं C, सचरी E J K. चाल्यां–चाल्या C L, चालियां E, च्याल्यां K. कटक–कटिक E. दमामां–दमांमा B E, दमांमा C, दुंमांमा L. दीयां–दीआ C, दीआं E, करी L. बीजइ–बीजिइ B, बीजि C J. दिनि–दिन A K L, दीनें D. बाहदरपुरि–बाहादरिपुरि B, बाहडपुर D, बाहुडपुरि E, बाहादरपुरि J, बहादरपुरि K, बाहडपुरि L. गयां–गया C D, गई L.

२५१ मदनमेरि–मदनमेर D E J. वाज्यां–वायां C J, वागां D, वाज्या L. नीसाण–नीसाण B, नीसांण D E, नींसांण K, नीसाणि L. तु–तुं D, तउ K. ढीली–डिल्लीइं C, ढल्ली E, ढिली K. पुहुतउ–पुहतउ A, पुहुतु B E, पुहता C, पहुतुं D, पहोतु J, पहुतउ K, पहुतो L. सुरताण–सुरतांण C E J K, सुरतांन D, शुरिताणि L. E interpolates after 251 a: करी सनांन नइ ऊभा रहिया आपापणे घरे सहू गया; K interpolates: करी सलांम नइ ऊभा रह्या आपापणे घरे सहु गया. पदमनाभ–पदमनाभि K. पंडित–वांणी C. मति–इम C K. त्रीजा–त्रीजो K. षंड–खंड C. समापति–समाप्ति E. हुई–हूई C, हुउ K. L reads as 251 b: त्रितीयं षड ए पूरी थाइ कान्हडदे पवाडो कहवाइ. A B D J omit vs 251 b.

The respective colophons are: इति तृतीय समाप्त खंड ॥ समाप्त ॥ A; इति तृतीय षंडः ॥ B; इति श्रीकान्हडदे तृतीयखंड संपूर्ण तृतीय षंड मध्ये बाहडमेर भीनमालभंग पातसाह जालुहरि आगम मुंगलभम पातसाह ढीलीचलन समसूषान हरमसहित बंदिकरण श्रीताई गढि आगलय बंद-छोडनं वीवाहवातकरणं षंड ३ गाथा २३९ ॥ C; इति कान्हडदे तृतियषंड संपूर्ण ३ ॥ D; ॥छ॥ इति श्री सोनिगिरावंशे श्रीकृष्णचरित्रे तृतीयषंड ॥ श्री ॥ E; इति श्री तृतीयषंड समाप्तः ॥ J; ॥ छ ॥ K; इति राजा श्री कान्हडदे त्रितीय खर्ग समाप्त ॥ L.

चतुर्थ खंड

॥ चउपई ॥

चउथा षंड तणउ आरंभ, बोलइ पदमनाभ कवि बंभ ।
संतोष्यउ सजन संयोग, तउ पातिसाह थयउ आरोग ॥ १
सरिउं काज मनि पूगी रली, पातसाहनइ बेटी मिली ।
ततषिण पूछिउं असपति राइ, किम तइं मलिक छोडाव्या माइ ॥ २
बोल बापनउ हईइ धरी, सकल सरूप कहिउं कुंअरी ।
कान्हडदे छइ जीणइ ठाय, ते जालहुर किसुं छइ माय ॥ ३
एहवुं वचन पातिसाहि कहिउं, कुंअरी पीरोजा आयस दीउं ।
गढनी वात पिरोजउ भणइ, सावधान थिउ राजा सुणइ ॥ ४

---

१ **चउपई**–...E J K L. **चउथा**–चुथा B D E J, उचाथा L. **तणउ**–तणु B C D J, तणो E. **आरंभ**–प्रारंभ A B C, आरंभं L. **बोलइ**–बोलि B C J, बोलेइ D, बोलइं L. **पदमनाभ**–पद्मनाभ B, पदमनाभि E K, पद्मनाभिं L. **संतोष्यउ**–संतोष्य A, सतोष्यिउ B, सनोषि C, सतोषिउं D, संतोष्या ते E, सतोष्यु J, संतोष्यो L. **सजन**–स्वजन B, सुज्जन C, सज्जन K, राजा L. **संयोग**–सयोगि D E K, समागि J, संतोष L. **तउ**–त A, तु B C J, तुं D,. .E. **पातिसाह**–पातसाह A B C D, पातस्याहनि E, पातशाह J, पातिसाहि L. **थयउ**–थिउ A B, थयु C E J, हुउ D, थयउ K, थयो L. **आरोग**–आरोगि A J E, आरोग्य C, आर्सिंग D.

२ **सरिउं**–सरिऊं E, सरिउ J, कर्युं K, सर्युउ L. **मनि**–मन D J. **रली**–रुली C E. **पातसाहनइ**–पातसाहनिं B, पातसाहनि C, पातशाहनी J, पातिसाहिनी L. **मिली**–मली E. **ततषिण**–तताक्षिण A E, ततषिणि B J, ततक्षण D, ततष्यण K **पूछिउं**–पूछि B C J, पूछइ D E L, पूछ्यउ K. **राइ**–राय B C D E J K, राउं L. **तइं**–तइ A K L, तिं B,...C, ति D J. **मलिक**–मिलक L. **छोडाव्या**–छेडाव्यु J, छोड्याव्या K. **माइ** em–माई A, माय B C D E K L, जाय J.

३ In D vs 4 precedes vs 3 E omits vs 3. **बोल**–बोल्इ L. **बापनउ**–बापतु B, बापनु C D J, बापन L. **हईइ**–हीइ A, हैइ B, हईडइ D, हीअडि J, हियडइ K, हीअड L **सरूप**–स्वरूप B C J. **कहिउं**–कहि C L, कह्यउं K. **कुंअरी**–कूयरी A, कूंयरी B, कुंयरी D, सुंदरी J, कुअरी L. **कान्हडदे**–कांन्हडदे A J, कान्हड तणि B, काहनडदे D. **छइ**–छि B C J, छइं K. **जीणइ**–. A, जे B, जेणि C, जेणइ D, मोटि J, जिणइ L. **ठाय**–ठामि A, ठाउ B, ठाइ K, ठामि L. **ते**–जे A. **जालहुर**–जालोर A, जालहुरि B, जाल्लुर C, जालउर K. **किसुं**–किसूं A, किस्यूं B, कसिउ C, किसु D, किशूं J, किसउ K. **छइ**–छि B J, **माय**–माइ A K. iv qr in L is: जे छोडाव्या ते कहुं तांम.

४ **एहवुं**–एहूं A, एहवूं E J, एहवउ L. **पातिसाहि**–पातसाह A, पातसाहि B C, पातसाहिइं D, पातस्याह E, पतिसा J, पातिसाहइ K. **कहिउं**–कहुं C, कहिइ E, कह्यउ K, कहिउ L. **कुंअरी**–कूयरी A, कुंयरी B, कुंयरिं D, कुमरि E, कूंअरी J L, कुंअरि K. **पीरोजा**–पीरजो D, पीराजा E, पीरोजानइ K, राजा L. **आयस**–आइस A. **दीउं**–लहिउं D, दीइ E, दीऊं J, दियउ K, दीयो L. **गढनी**–कटकनी B, कटिकनी E, गढकी L. **पिरोजउ**–पीरोजु B J, पीरोजा C D L, राजा E, पीरोजउ K. **भणइ**–भणिइ B, भणि C J. **सावधान**–सावधांन E, सावधांन J K. **थिउ राजा**–थयु राजा C, पातसाह D, सुल्तांन E, थिकु राजा J, थई असपति K. **सुणइ**–सुणिइ B, सुणि C J, सूणइ D, सांभलिइ E, सुणइ L L interpolates foll vs after vs 4:

कणियाचल जगि जाणइ ठाम । देवलोक जाणि अभिराम ।
गढ मढ मंदिर पउलि पगारि । वाडी वनफल घणा आकारि ॥

॥ दूहा ॥

कणयाचल जगि जाणीइ, ठाम तणउं जावालि ।
तहीं लगइ जगि जालहुर, जण जंपइ इणि कालि ॥ ५

विषम दुर्ग सुणीइ घणा, इसिउ नही आसेर ।
जिसउ जालहुर जाणीइ, तिसउ नही ग्वालेर ॥ ६

चित्रकूट तिसउ नही, तिसु नही चांपानेर ।
जिसउ जालहुर जाणीइ, तिसउ नही भांमेर ॥ ७

मांडवगढ तिसउ नही, तिसउ नही सालेर ।
जिसउ जालहुर जाणीइ, तिसउ नही मूलेर ॥ ८

---

५ दूहा–दूहा· D. कणयाचल–कणयाचलि K, कणियाचलि L. जगि–जुगि A. जाणीइ–जांणीइ C E J, जांणीइं D, जांणियै K, जाणियइ L. ठाम–ठामि A L, ठांम C D J K, ठांमि E. तणउं–तणी B, तणा C, तणुं D, तणइ E, तणु J, तणउ K L. जाबालि–जावाल A. तहीं–तही A D L, तेह B, तिहां C, तईय E. लगइ–लगि B C E J, लगिं D, लगइं K, लगेए L. B transp as जालहुर जगि. जालहुर–जाल्हर A K, जालुहुर E, जालउहर L. जण–जन D K, ते L. जंपइ–जंपि B C J. इणि–इण A, एणि B, अयकार D I_1 (ख), एणइ E, ईणि J, तिणि L. कालि–...D I_1 (ख).

६ विषम–विषर्म E. दुर्ग em–दुर्ग्र A B E J K L, दुरग C, दूरग D. सुणीइ–सुंणीइ C, आगइ D, सुण्या J, जगि K, शुणीयइ L. घणा–घणु C, जांणियै K. इसिउ–तिसूं A, जिसिउ B, इसु C, असिउ D, इशूं J, इसो K, अइसा L. नही–नहीं B. आसेर–आसरे A, आसोर B, आरेस E, आसेरि J, आसमाण L. जिसउ–जिसूं A, जिस्यु B, जसु C, जेसिउ D, जिसु E, जिशु J, जिसो K. जालहुर–जालहर A, गढ जाल्होर B, जालुहर गढ C, जालुहुर E, जालोर K, जालउहर L. जाणीइ–छि B, जाणीई C, जांणिइं D, जांणीइ E J, जांणियै K, जगि जाणीयइ L. तिसउ–तिसु A, तिस्यु B D, तिशु J, तिसो K. नही–नहीं B E. ग्वालेर–साल्हेर B, भांमेर C, गुवाल्रेर E.

७ चित्रकूट–चित्रकोट C E K, चित्रकोठ D, चित्रकूटि L. तिसउ–तिसूं A, तिस्यु B, तिसु C E, तिसिउ D, तिशु J, तिसवउ K. नही–नहीं B. तिसु–तिसूं A, तिस्यु B D, तिशु J, तिसो K, तिसउ L. नही–नहीं B, नइ L. चांपानेर–चंपानेर A, चापानेर B E J, चापाने D, चापेनर K, चंपानेरि L. जिसउ–जिसूं A, जिस्यु B, जसु C, जसिउ D, जिसु E, जिशु J, जिसो K. जालहुर–जालोर A K, जालहोर B, जाल्हर C, जालुहुर E, जालउहर L. B transp as जाल्होर जिस्यु. जाणीइ–जाणिइं D, जांणीइ E J, जगि जांणियै K, जाणीयइ L. तिसउ–तिसूं A, तिस्यु B, तिसु C E, तसिउ D, तिशु J. नही–नहि C भांमेर–भंमेर A E, मोल्हेर B, गुआलेर C, भाभेर D, संभेर K, एकूनेर L.

८ B omits vs 8. मांडव–मांडप A, मंडव E, वंधव L. तिसउ–तिसु C E, तिस्युं D, तिशु J, तिसवउ K, ए तिसउ L. तिसउ–तिसु C, तस्यु D, तिसिउ E, तिशु J. सालेर–मूलेर D K, महुलेर J. iii qr in L is : जालउर सरिषो को नही. जिसउ–जिसो A, जसु C, जस्युं D, यसिउ E, जिशु J. जालहुर–जालोर A, जालुहर C E, जालोर गढ K. जाणीइ–जाणीइं D, जांणीइ E, जांणियै K. तिसउ–तिसूं A, तिशु C E, तिस्युं D, तिशु J, तिसो K. मूलेर–रानेर D, मुसलेर E, रांनेर J, जेसलमेर K.

॥ चउपई ॥

वसइ नगर गिरि ऊपरि घणउं, किसूं वर्णवउं तलहटी तणउं ।
वेद पुराण शास्त्र अभ्यसइ, इस्या विप्र तिणि नयरी वसइ ॥ ९

विद्या वाद विनोद अपार, विनय विवेक लहइ सुविचार ।
राजवंश वसइ छत्रीस, छिन्नू गुण लक्षण बत्रीस ॥ १०

चाहूआण राउ तिणि ठाइ, अबला विप्र मानीइ गाइ ।
छत्रीसइ दंडायुध धरइ, हीण कर्म को नवि आचरइ ॥ ११

च्यारि वर्ण उत्तम जाणीया, विवहारीया वसइ वाणीया ।
वुहरइ वीकइ चालइ न्याय, देसाउरि करइ विवसाय ॥ १२

---

९ **चउपई**-चुपै B J, चु० C, चुपई D E, चोपई L **वसइ**-वसि B C E J **गिरि**-गिर A, गढ B, गि K **घणउं**-घणु B, घणु C, घणूं D E J, घणउ K L **किसूं**-रूडु B, सु C, स्यूं D किसिउ E, शू J, किसउ K, सिउं L **वर्णवउं**-लोक B, वरणवुं C, वर्णवूं D J, वर्णन E, वण K, वर्णवु L **तलहटी**-तलहट्टी K **तणउं**-तणु B, तणुं C D E, तणूं J, तणउ K **वेद**-वेदि L **पुराण**-पुराण C D E J K, पुराणि L **शास्त्र**-सहिस B, सास्त्र C, स्याश्र L **अभ्यसइ**-अभ्यसई A, अभ्यसिइ B, अभ्यासइ D, अभ्यसि J J reads as IV qr ईशानगिरि विप्र ते वसि **इस्या**-इसां A, इशा K, इसा L **तिणि**-तेणें B, तेणी C, तिहां D, तेणि E **नयरी**-नगरी B E, वासि D, नयरइं K, नगरिइ L **वसइ**-वसइ A D, वसिइ B E, वसि C

१० In L vs 11 precedes vs 10 **वाद**-वेद B **विनोद**-विनोदि L **अपार**-अपारि L **लहइ**-विनोद B, लहि C J, लहिइ E **सुविचार**-विचार B, आचार J, शुविचार L **वंश**-वंस A C L **वसइ**-वसि B C J, वसइ D E reads as IV qr लक्षण गुण जाणइ बत्रीस **छिन्नू**-छिंनुं A, छनू B C, छनुं D, छनूं J, छनउ D **गुण**-गण K

११ **चाहूआण** em-चाहूयाण A, चहूआण B, चहूआण C J, चाहुआण D L, चाहूआंण E K **राउ**-राजा B C D E K L, राय J **तिणि**-तिहि A, तेणि B C, तेणइ D E, नउ L **ठाइ**-ठाय C D E J L **मानीइ**-मांनीइ C D E J, मानियइ K, मानीय L **गाइ**-गाय C D L **छत्रीसइ**-छत्रीसि B C J **दंडायुध**-डडायुध E, डंडायुध J, डंडाउधि L **धरइ**-धरिइ B धरि C J **हीण**-हीन C J, हाण K **कर्म**-कर्म्म B करम C **को नवि**-न को D, कोइ नवि J, नवि को K L **आचरइ**-आचरइ A, आचरिइ B, आचरि C J, याचरइ L

१२ **च्यारि**-च्यार C K, चारि E **वर्ण**-वरण B **उत्तम**-उतम A, उत्तम K, उतिम L **जाणीया**-जाणीआ A, जांणिइ D, जाणीआ E, जाणीया J, जाणिया K **विवहारीया**-व्यवहारीया B, विवहारीआ C E, विवहारिया D K, व्यवहारी J, विवाहारिया L **वसइ**-वसि B C J, वसई D, वसिइ E **वाणीया**-वाणीआ C, वाणीया D J, वांणीआ E, वांणिया K III qr in L is वुहरइ व्याजि करइ विवसाय **वुहरइ**-वुहरि B, वुहरि C, वुहरई D, वुहरिइ E, वहुरि J, वहरइ K **वीकइ**-वीकि B, वेच्चि C J, वीकिइ E **चालइ**-चालि B E J **न्याय**-न्याइ B, न्याउ J K **देसाउरि**-देसाउरे A B D, देसाउरी C E **करइ**-करे B, करि C J **विवसाय**-व्यवसाय B C E, विवसाउ J K L

जलवट थलवट चिहुं दिसि तणी वस्त विदेसी आवइ घणी।
वीसा दसा विगति विस्तरी, एक श्रावक एक माहेसरी ॥ १३
फडीया दोसी नइ जवहरी, नामि नेस्ती कामइ करी।
विवध वस्तु हाटे पामीइ, छत्रीसइ किरीयाणां लीइ ॥ १४
नगरि मांडवी वारू पीठ, आछी पेरा चोल मजीठ।
पाडसूत्र पटूआ सालवी, वुहरइ वस्त अणावइ नवी ॥ १५
कंसारा नट नाणुटीआ, घडिया घाट वेचइ लोहटीआ।
कागल कापड नइ हथीयार, साथि सुदागर तेजी सार ॥ १६
तल्यां सूषडां तोलइ मान, नागरवेलि अणीआलां पान।
इणि परि वस्त विकाइ बहू, जे जोईइ ते लाभइ सहू ॥ १७

---

१३ जलवट–जलवटि E. **थलवट**–थलवटि E. **चिहुं**–चिहूं E. **दिसि**–दशि C E, दसि D, दिशि L. **तणी**–घणी B, तणा L. **वस्त**–वस्तु B C D J, वस्त्र L. **विदेसी**–परदेसी A, विदेसि B D, विदेशी C, विदेसइं K. **आवइ**–अणावि B, आवि C J, आवइं D. **घणी**–घणा L. **वीसा**–वसि C, वीस K, वासइ L. **दसा**–देस C, दिसा D, दशा K, वास L. **एक**–इक E. **श्रावक**–श्रीमाली C. **एक**–बीजा A, नि एक B,...C, नइ L. **माहेसरी**–महेसरी B, माहेश्वरी C, महेश्वरी D E, माहेस्वरी K L.

१४ फडीया–फडीआं A, फडीआ C E, पडीआ J. **नइ**–नि B C J. **जवहरी**–विवहरी K. **नामि**–नाम A, नामिं B, नांमि D K, नांम E J. **नेस्ती**–नेसती B J, नेस्तीआ C, नसती K. **कामइ**–कामिं B, कांमि C D J, कांमिइं E, किमइं K. ii qr in L is : कामे नामां तिहा करी. **विवध**–विविध J. **वस्तु**–वस्त A E J, वस्तु L. **हाटे**–हाटि B. **पामीइ**–प्रामीइ A, पामीइ C J, पांमीइं D, पामियइ K, पामीये L. **छत्रीसइ**–छत्रीसि B J, छत्रीसइं D, छत्रीस E. **किरीयाणां**–क्रीयांणां B D, क्रियाणां C, कृयांणा E, क्रीआणां J, क्रियांणा K, किरियाणा L. **लीइ**–लीइं D, लीजीइ E, वेचीइ J, लियइं K, दियइ L.

१५ नगरि–नगर B C E J L. **वारू**–चारु C, वारूं D, वारु J. **आछीपेरा**–साजीषारु C, आछापेरा E, आछीषरी K, आवि विषेरइ L. **मजीठ**–मंजीठ B K. **पाडसूत्र**–पडसूत्र A, पाटसूत्र B K, पटसूत्रीया C, पटसूत्र E, पाटिसूति L. **पटूआ**–पटूया B, पटुआ C D E, पाटूआ K, पटुवा L. **सालवी**–सांल्वी A, चाल्वी L. **वुहरइ**–वुहुरि B, वुहरि C, वहइ D, वुहुरइ E, कहि J, वहुरइ K, बहुरइ L. **वस्त**–वस्तु B C D J, वस्तु L. **अणावइ**–अणावि B C, अणावइं D, अणावी J L. **नवी**–षरी L.

१६ नट–नि B,...L. **नाणुटीआ**–नाणुटीया B, नाणुंटीआ C, नाणुंटीया D, नांणुटीआ E J, नांणोटिआ K, नाणानाटीया L. **घडिया**–घडीआ A, घड्या C D J K, घडि E. **वेचइ**–वेचि B C J. **लोहटीआ**–लोहटीया A B, लोटीआ C, लोटीया D L, लोहडीआ E, लोटिआ K. **नइ**–नि B C J. **हथीयार**–हथीआर C D E J, हथियार K. **साथि**–साथ A L, सांथि B, सांथि C. **सुदागर**–सोदागुर E, सउदागर K L.

१७ तल्यां–तली B, तल्या C L. **सूषडां**–सूंषडां A, सूषडी B, सुषडां D K, शुंषडा L. **तोलइ**–तोलि B C, तोलइं D E, तोली J. **मान**–मांन A D E, मानि J, मानि K. **नागरवेलि**–नागवेलि A J. **अणीआलां**–अणीयाणां A, अणीयालां B, अणीआला D, अणियाला K, आणीयइ L. **पान**–पांन C D E J K. **इणि**–इण A, आणी B, इणी C, ईणि D, ईणी E J K. **परि**–...B. **वस्त**–वस्तु B C D J, वस्तु L. **विकाइ**–वीकाइ A B E, वेचाइ C, विकाइं D, वेचावि J, वीकाइं K, विकाय L. **बहू**–बहु D K. **जे**–जं A C E L. **जोईइ**–जोईं A, जोइ C, जोइइं D, जोईयइ K, जोईय L. **ते**–तं L. **लाभइ**–वुहुरि B, लाभि C J, वुहरइ L. **सहू**–सहु D K, सहूं L.

घडी घडी घडीयाले सान, रातिदिवसनुं लाभइ मान।
चहुटां चउक चउतरां घणां, ठामि ठामि मांडइ पेषणां ॥ १८
सेरी सांथ मोकली वाट, नगर मांहि छोह पंकित हाट।
घांची मोची सूई सूतार, वसइ नगर मांहि वर्ण अढार ॥ १९
गांछा छीपा नइ तेरमा, विवसाईया वसइ नगरमां।
आपापणि काजि सहू मिलइ, चहुटइ हईइ हईउं दलइ ॥ २०
आसापुरी आदि योगिनी, देव चतुर्मुष गणपति अनी।
कान्ह स्वामि गिरूआ प्रासाद, शिषर तडोवडि लागु वाद ॥ २१
आठ पुहर नित पूजा करइ, ईडे ध्वजावस्त्र फरहरइ।
वलतइ वारि हुइ नितु जात्र, नाटक नृत्य नचावइ पात्र ॥ २२

---

१८ **घडी घडी**–घडी घडीनी C, घडी २ D K L. **घडीयाले**–घडीआले C E J K, घडीयाले D. **सान**–सांन A C D E J K. **राति**–रात L. **दिवसनुं**–तिवसनु A, दिवस तु B, दिवसना C D, दिवसनूं E, दिवसनी J, दिवसना K, दिवसजिउं L. **लाभइ**–लाभि B C, लांभि J, लाभइं L. **मान**–मांन A C D J K, माम L. **चहुटां** em–चुहटां A C D, चुहुटा B E, चुवटा J, चहुटा K L **चउक**–चुक B C D E J, चउंकि L. **चउतरां**–चीतरियां B, चुतरा C, चतुरा D, चुतरां E J, चउतरा K L. **घणां**–घणा C K L. **ठामि ठामि**–ठांमि ठामि A B, ठामि २ C D E, ठामि ठामि J, ठामि ठांमि K, ठामि २ L. **मांडइ**–माडियां B, मांड्या D, मांड्यां J K, हुयइ L. **पेषणां**–पेषणा K.

१९ **सेरी**–सारी C. **सांथ**–साथ A B K, साथि L **मांहि**–माहि A K D **छोह पंकित**–छोह पंक्ति A, पटणीयट B, चुपक्षत C, पीटहर E, छोह पखित K, पीटणीघाट L **घांची**–घाची L. **सूई**–सई B C E J. **सूतार**–सूत्रधार E, सोनार K L. **वसइ**–वसि B C J. **मांहि**–माहि A K L L transp as नगर माहि वसइ. **वर्ण**–वरण C J.

२० **गांछा**–घांची K. **छीपा**–छींपा B, छीपा E, पीछा L. **नइ**–नि B J, नइं D, अनइ L. **विवसाईया** em–**विवसाईआ** A D, व्यवसाईया B J, व्यवसाइया C, विवसाई K, विवसाहिया L. **वसइ**–वसि B C J, वसई D, आवि E, आवइ K, वसइं L **नगरमां**–नगर माहि A, नवनवा B, नगरमा D K, मनिरमा E, नर्प्रेम, L. **आपापणि**–आपापणे A C E K, आपपणे D, आपापणइ L. **काजि**–कामे C, काज K L. **मिलइ**–मिलिइ B J, मिलि C, मलिइ E. **चहुटइ**–चहटइ A, चुहुटि B, चुहटइ C D, चुहुटिइ E, चहूटि J, चहुंटइ L. **हईइ**–नित हीइ A, हीआं E, हईऊं J, हीयइ K, हीया L **हईउं**–हीऊं A, हईआसुं C, हइउं D, हीआं सिउं E, **हईइ** J, हीसुं K, हीयाइ L. **दलइ**–दलिइ B E, दलि C J, दलई L.

२१ B D omit vs 21. **आसापुरी**–आस्यापुरी C, आश्यापुरी E L, आशापुरी J K. **आदि**–आलि L. **योगिनी**–योगनी L. **चतुर्मुष**–चतुर्भज E, चतुर्मख K, चुर्तुमुष L **गणपति**–गुणपति E. **अनी**–अंनी A. **कान्ह**–हरि C, कांहन E, कांन्ह J K, कुंभ L **स्वामि**–स्वामी C, स्वामि E J K. **गिरूआ**–गिरूइ A, गिरूउ C L. **प्रासाद**-प्रासादि A L, प्राशाद K. **शिषर**–शिषिर E, शिषरि K, शषरि L. **तडोवडि**–तडोवड L. **लागु**–लागूं A, लागा J K.

२२ **पुहर**–पहर A, पुहुर B E J, पुहरी D, पहुर K. **नित**–नितु B C E J L. **करइ**–करिइ B, करि C J, करइं L. **ईडे**–ईडि B, ईडां D J, दंड K, ऊपरि थकी L. **ध्वजावस्त्र**–वस्त्र ध्वजा B, धजावस्त्र C D, धजावस्त J, ध्वजा L. **फरहरइ**–फरहरइं A, फरहरिइ B, फरहरि C, परिहरि J, उछलइ L. **वलतइ**–वलति B C, वलते D J K, वलीति L. **वारि**–तारे D, वहारइ L. **हुइ**–जोइ B, हुई J, हुइं K L. **नितु**–नित A, नव K, ...L. **जात्र**–यात्र C. **नाटक**–नाटिक C E J. **नृत्य**–निरति C, नित्य L. **नचावइ**–नचावि B J, नाचि C, नचावे D.

पूरइ प्रत्या ध्याइ लोक, भूष तूष नइ टालइ शोक।
जोइ जिणालां ठाम विसाल, वसही देहरां नइ पोसाल ॥ २३
गढ ऊपरि जलठाम विसाल, झालर वावि कुंड जावालि।
वारू वावि मांडही तणी, साहण वावि अति सोहामणी ॥ २४
राणी तणी वावि गंभीर, नटरष वावि निरमल नीर।
सोभित बुर्ज बुर्ज काकरउ, नदी तरूअर ऊमाहरउ ॥ २५
साल्हा चउकी करहडी जाणि, कान्हमेर रूयडउ वषाणि।
साल्हा वाडी तरूअर चंग, राय तणउ छइ मंडप रंग ॥ २६
जीणइ वसइ जालउरउ कान्ह, राजरिद्धि छइ इंद्र समान।
रामपोलि अति रुलीआमणी, त्रिणइ पोलि तलहटी तणी ॥ २७

२३ **पूरइ प्रत्या**–प्रत्या पूरइ A, पूरि प्रत्या B J, पूरि प्रतज्ञा ये C, पुरइ प्रत्या D K. **ध्याइ**–जे ध्याइ D, ध्यावइ K, जे ध्याय L. **नइ**–नि B J, नी C. **टालइ**–टालि B C E J. **शोक**–सोक C K, रोग L. **जोइ**–जोयां B, जे C, जोउ E. **जिणालां**–जिनाला A E, जिनालां B, जैनालय C, जिणाला D. **ठाम**–ठांम B D J, **ठामि** E, ठामि K. **विसाल**–विशाल B E J K B omits iv qr. **देहरां**–देहरासर C, **देहरा** D E, **देहां** K. **नइ**–...C, नइं D, नि J L reads as 23 b. देव जेनाला ठामिइ ठामि देहरा वसही पोसालइ ठाम.

२४ B omits i qr. **जल**–छइ J, जो L **ठाम**–ठाम D K, वावि E, ठामि L. **विसाल**–विशाल D E J K. **झालर**–झालरि E K. **वावि**–वाव L. **कुंड**–कुंडि A. **जावालि**–जावाल B C, जावावि J, जो पोलि K. **वारू**–वारूं L. **वावि**–वाव L. **मांडही**–मांडवी B, माडही C, माडणी E J L, माडह K. **तणी**–घणी L. **साहण**–सांहण J K, साहिण L. **वावि**–वांव L **अति**–ते B C J L. **सोहामणी**–सोहामणी D E J.

२५ **राणी**–रांणी D E J. **नटरष**–नाटरष A, नटलष B, नाटिक C, नटरष्य E, निटरष J. **वावि**–वावइ A. **निरमल**–निर्मलां B, निरमलुं C, निर्मल D K, निरमलूं E, नरिमलो L. **सोभित**–शोभित B D E J K, जसो सृत C, सोभि L. **बुर्ज**–बर्ज B, वरजे C, वज्र D, वर्ज E J L, वव K. **बुर्ज**–बर्ज B, ...C, **वह** D, वज्र E, नरू J, वज्र K, वर्ज L. **काकरउ**–काकरूं B, काकरु C D E, काकरू J, काकरो L. **नदी**–नंदी A L. **तरूअर**–तरूयर B, तरुअर C. **ऊमाहरउ** em–ऊमाहडउ A, माहि वरूं B, उंमाहरु C J, फल वाधरु D, उमाहरु E, उमाहरउं K, उमाहरउ L.

२६ K omits vs 26 a. **साल्हा**–साल्हु B, साहला C E, साम्हा L **चउकी**–चुक B E, **चउक** C L, वावि D J. **करहडी**–करहडीया L. **जाणि**–जांणि D E,...J. **कान्हमेर**–कांन्हडमेर A, काहमेरु B, कहि नाम C, कान्हडमेर D, कांन्हमेर E, कांन्हमेरु J, कान्हमेरि L. **रूयडउ**–रूयडु B, रूअडु C, रूयडुं D, रूडु E, रुअडु J, रूअडउ L. **वषाणि**–वषांणि D, वषांण E. **साल्हा**–साहमां B, शाहाला C, साहला E. **वाडी**–वडी A, वाणी L. **तरूअर**–तरूयर A B. **राय**–राइ C. **तणउ**–तणु A, तणां B, तणि मनि C, तणा D E L. **छइ**–छि B J,...L. **मंडप**–वहू C. **रंग**–शुचंग L.

२७ **जीणइ** em–जीणि A, जिणिं B, जिणि C J, जेणइं D, जेणइ E, जीणइं K, जिहां L. **वसइ**–बिसि B J, वइसि C, वेइसइ D, वइसइ L. **जालउरउ**–जालोरउ A, जुलहुरो B, जाल्हुरु C, आलहुर D, जालउरे K. **कान्ह**–कांन्ह A C E J, काहान B **रिद्धि**–ऋद्धि A B C E, रीद्धि D, रिधि K, रिद्ध L. **छइ**–छि B J, **छई** D. **इंद्र**–यंद्र L. **समान**–समांन A D E J, शमांन K. iii qr in K is सुदर ठाम अछइ अति घणी. **राम**–रांम E J. **पोलि**–पउलि L. **अति**–ते C. **रुलीआमणी**–रुलीयाणी A, रलीयामणी B, रलीआमणी D E, रलिआमणी L. **त्रिणइ**–त्रिणि B E J, त्रणि C D, रांम K, तृण L. **पोलि**–पउलि K. **तलहटी**–छि तलहटी B, तलहटी K.

पोलि फूटरी पाटण तणी, चीत्रुडी नइ ढीली तणी ।
बारी पोलि भलेरउ भाव, कूंअर तणउं तलहटी तलाव ॥ २८

सूंदर नाम तलावह जेउ, भोलेलाव कचोली बेउ ।
पाणी तणी पर्व अपार, सहू को मांडइ सत्रूकार ॥ २९

जे पहिरइ मुद्रा कांथडी, आवइ जती जोगी कापडी ।
देसंतरि पंथीया भाट, अन्न अवारी पूछइ वाट ॥ ३०

तरूअर छांह परस चउवटे, राउत रमइ नितु जूवटे ।
नगर नायका रूप अपार, नितु नितु करइ नवा सिणगार ॥ ३१

तास तणा मंदिरि वीसमइ, भोगी पुरुष तेहस्यूं रमइ ।
वावि सरोवर वाडी कूआ, नगर निवेसि ढलइ ढीकूआ ॥ ३२

---

२८ **पोलि**-पोल D, पउलि L. **फूटरी**-फुटडी C. **चीत्रुडी**-चीत्रोडी A C, तलहटी L. **नइ**-नि B C J. **ढीली**-छाजी B, ढीली C. **तणी**-भणी E. **बारी**-बार B, बाली K. **पोलि**-पउलि L. **भलेरउ**-भलेरु B C D E, भलेरूं J, भऐद्र K. **भाव**-भावि J L. **कूंअर**-कूयर A, कुंयर B D, कुंअर C, कमरि E, कुअर K. **तणउं** em-तणउ A K L, तणूं B J, तणुं C D, तणु E. **तलहटी**-तलहटी A, तलहटीइ C E, तलहटीइं J.

२९ **सूंदर**-सुंदर B C D J K, संदर E, शुंदर L. **नाम**-निव C, नामिं E, नाम J K L. **तलावह**-तलावा C, तलावउं E. **जेउ**-तेह A, जेह B, येह E, जेअ K, जेय L **भोले**-भोलि B C J. **लाव**-भावि B C, लाउ D J. **कचोली**-कचोल B, किचोली D, कभोली J. **बेउ**-बेअ A, बेह B, बेउं D, तेउ E, बेय L. **पाणी**-पांणी D E K. **पर्व**-परव A C, जे परव D, छइं पर्व L. **अपार**-अपारि L. **सहू**-सवि K. **मांडइ**-मांडि B C J, मंडइ K, माडइ L. **सत्रूकार**-सत्रुकार C, शत्रुकार D

३० **जे**-जेह B, ये C E. **पहिरइ**-पहिरइं A, पहिरि B C J. **मुद्रा**-मुंद्र A, मुद्रि B. **कांथडी**-काथडी B, कंथडी C. **आवइ**-आवि B C J, आविइ D. **जती**-जिती A, यती B C E J K, यति D. **जोगी**-योगी B C D E J L. **देसंतरि**-देशांतरी B C D J K, देसंतरी E, देसांतरी L **पंथीया**-पंथीआ C D J, पंथीआ E, पंथिआ K. **भाट**-भाटि L. **अन्न**-अंन A E, अंन्न K, अन्नि L. **अवारी**-यवारी D, अचारी L. **पूछइ**-पूछि B J, पूरी C, पूछइं D.

३१ **तरूअर**-तरूयर A B, तरुअर C. **छांह**-छाह्या C, छांहि J. **परस**-पुरुस A E, पुरस B L, परसुं C, पर्व J. **चउवटे**-चुवटि B, वाट C, चुवटे D E J, चउवटे K. **राउत**-राउत्त K. **रमइ**-रमि B J, नितु C, रमइं D. **नितु**-नित २ A, रमि C, नितुं D, तिहां नित E, नित्य K. **जूवटे**-जूवटिइ B, जूवाट C, जूंवावटे L. **अपार**-अपारि L. **नितु नितु**-नित २ A K, नितु २ B C E J L, नितुं २ D. **करइ**-करि B C J, नवा D, करिइ E. **नवा**-करइ D,...E, नवला J K. **सिणगार**-शृगार A J, सणगार C, शृंगारि L.

३२ **तास**-तिहां C, तासु E, तीणे K, ताशु L. **तणा**-तणि B J, तेणि C, तणइ D,...K, तणां L. **मंदिरि**-मंदिर C D E L, मंदिरे K. **वीसमइ** em-वीससइं A E, वीसमिइ B, वीसमि C J, वीसमे D, जे वींसमइ K, वीससइं L. **भोगी**-भोग B. **पुरुष**-पुरंदर B, पूरुष K, पुरष L. **तेह**-तीह A, तिहा C E L. **स्यूं**-शुं A L, सुं C K, सिउं E, शूं J. **रमइ**-रमिइ B, रमि C J, रमइं D, रमइ इसइ E. **सरोवर**-सरोवरि J. **कूआ**-कूया B C, कुआ K. **नगर**-नगन K. **निवेसि**-निवे A, निवेस K, निवेशि L. **ढलइ**-ढलि B C J. **ढीकूआ**-ढीकूया B, ढिंकूआ C, ढींकुआ K, ढिकुंआ L.

गढ गिरूउ जिसउ कैलास, पुण्यवंतनउ ऊपरि वास ।
जिसउ त्रिकूट टांकणे घडिउ, सपतधात कोसीसे जडिउ ॥ ३३
घणी फारकी विसमा मार, जीणइ ठामि रहइ झूझार ।
झूझबाणनी समदा वली, विसमा वार वहइ ढींकुली ॥ ३४
गोला यंत्र मगरबी तणा आगइ गढ ऊपरि छइ घणा ।
ऊपरि अन्न तणा कोठार, व्यापारीया न जाणूं पार ॥ ३५
माणिक मोती सोनां सार, गढ मांहि गरथ भरिया भंडार ।
टांकां वावि भर्‍यां घी तेल, वरस लाष पुहुचइ दीवेल ॥ ३६
जूनां सालणां सूकां षड, ईधण भणी घणां लाकड ।
जालहुर गढ विसमउ घणउं, चाहूआण रायनूं बइसणउं ॥ ३७

---

३३ गिरूउ–गिरूउं K, गिरुउं L **जिसउ**–जैसु B, जिसु C, जेस्यूं D, जिसिउ E, जिशु J, जिसउं L. **कैलास**–कैलाश E, कैलासि J. **पुण्यवंतनउ**–पुन्यवंतनु B, पुंन्यवंतनु C, पुंण्यवंतनु D, पुण्यंवंतना E, पुण्यवंतनु J, पुन्यंवंतनउ L. **ऊपरि**–उपरि E **जिसउ**–जिसु B, जिस्यु C D, यसिउ E, जिसिउ J. **त्रिकूट**–त्रिकू K, चित्रकूटि L. **टांकणे**–टाकले A, टाकणें D, ब्रह्मांइ E, ढांकणे J. **घडिउ**–घड्युं D, ढडिउ J, घड्यउ K L. **सपतधात**–सप्तधातु B C L, सपतधातु D, सातधात E. **जडिउ**–जड्युं D, जड्यउ K.

३४ घणी–घणि D **विसमा**–विसमी E. **मार**–घाट L. **जीणइ** em–जीणइ A, जेणि B, एणि C, जेणिइ D, जेणइ E, जीणि J, जीणइं K, जिणइ L. **ठामि**–ठामि C D E J K. **रहइ**–रहिं B, रहिइ E, रहि J. **झूझार**–झूझारि L. **झूझबाणनी**–झूझबांणना A J, धरम तणी C, झूझणहारना D, झूझबांणनी E, झूझवाणनी K, झूझवानां L. **समदा**–समदा ते C **वली**–यावली L. **विसमा**–विसमां A, विसमि C, वसमी D, विसमी E J L. **वार**–वाट B, ठांमि C. **वहइ**–वहि B C J, वहिइ E. **ढींकुली**–ढींकली B, ढिंकली C, ढीकली D E J K, ढिंकुली L.

३५ मगरबी–मगरबा B, मगरवै C K, मागरवे D **तणा**–तणां B D, तणी K. **आगइ**–आगि B C J, आगे K. **ऊपरि**–ऊपरिं D. **छइ**–अति A, छि B J, छइं E. **घणा**–घणा B D L, घणी K. **ऊपरि**–ऊपरिं D. **अन्न**–अंन A, अंन E K L. **तणा**–तणां A D. **कोठार**–कोठारि L. **व्यापारीया**–व्यापारीआ C E, वापरिआ K. **न**–नवि C. **जाणूं**–लाभइ A, जाणुं C, जांणुं D, जांणूं E, जांणइ K, जाणू L.

३६ माणिक–मांणिक A C J K, मांणक D, माणिक्य E, माणिक्य L **सोनां**–सोना B L, सोनुं C. **सार**–पार L. **मांहि**–मांहां B. **गरथ**–गुरथ A J, छइ अरथ C, गर्थ L. **भरिया**–...C, भर्‍या D K L, भरिआ E. **टांकां**–टांकी C D L, ढांक्यां J, टांकि K. **भर्‍यां**–भरीयां A, भरिया B E, भरी L. **वरस लाष**–वरस लषि A, लाष वरस C E. **पुहुचइ**–पुहचइ A D L, पुहुन्चि B, पुहन्चि C, पहुन्चि J, पहुचइ K **दीवेल**–दीवल D, दीवेलि L.

३७ जूनां–सूकां B, जूना D J. **सालणां**–साला D, सीला J, सालणं K, सालना L. **सूकां**–सूका A, सुकां C, सूंकां K, सूकी L. **षड**–षडा B J, षडी L. **ईधण**–ईंधण C, ईंधण D, इधण E. **भणी**–भार C. **घणां**–भली E, घणा L. **लाकड**–लाकडां B J, लकड D, लाकिड E, लाकडा L. **जालहुर**–जालोर A, जालोहर C, जाल्हुहुर E, आल्उर K, जाल्उरे L. **विसमउ**–विसमु B D E J, विसमुं C K, विसमो L. **घणउं**–घणूं B J, घणुं C D E K, घणउ L. **चाहूआण** em–चाहूयाण A, चहूयाण B, चहूआण C J, चाहूआंण D E K, चहुआण L. **रायनूं**–राय तणूं B D J, रायनुं C, रायनु K, राजा L. **बइसणउं**–बिसणूं B J, बिसणुं C, बइसणुं D E K, बइसणउ L.

कान्हडदे पाटनउ धणी, बीजी भूमि भोगवइ धणी।
राजरिद्धिनूं किसूं वषाण, वालइ पंचवर्ण केकाण ॥ ३८

चरइ सेलडी साकर द्राष, अति रूअडा तुरंगम लाष।
पाणीहारि पोलीआ सूआर, दासदीकोलां संष न पार ॥ ३९

श्रीगरणा वइगरणा भला, साणहिता महिता राउला।
नगर तलार देस सेलहुत, देहरासरी विप्र प्रोहित ॥ ४०

अवधानीया अनइ टावरी, करइ मसाहणी चिंता तुरी।
[इसी अवधि वरतइ राउली, त्रिणि वार घोडां जाउली ॥] ४१

भंडारी कोठारी जेउ, पूरइ वरउ रालगुनि तेउ।
आव्या-ग्या-नइ दीजइ मान, बुद्धिवंत राउला प्रधान ॥ ४२

---

३८ **कान्हडदे**–कांन्हडदे A E J, कान्हडदेय C, काहनडदे D. **पाटनउ**–पाटनु B C D, पाटणनु E J, पाटणनउ K, पाटणनउं L. **धणी**–घणी K **भूमि**–भूंमि A E, भोमि J. **भोगवइ**–भोगवि B C, भोगवी J. **रिद्धिनूं**–ऋद्धिनुं A B C, रिधिनुं D K, रधिनूं E, रिधनउ L **किसूं**–करि B, कस्युं C, कसिउं D E, **किशूं** J, किसुं K, किसउं L. **वषाण**–वषांण A C D E J K, वखाणि L. **वालइ**–वालि A C J, वालिं B, चालइं D, चालिं E, वालइं L. **पंचवर्ण**–पंचवरण C, पाचवर्ण K. **केकाण**–केकांण A C D E J K, किकाण L.

३९ **चरइ**–चरि B J, चारि C, चरिइ D. **साकर**–साकर नें D, साकर नि J. **अति**–अनि B. **रूअडा**–रूयडा B, रुडा D, रूडा E J, रूवडा L **तुरंगम**–तुंरंगम L **पाणीहारि**–पाणहरी B E, पाहाणारी C, पांणीहारि D, पाणहिरी J, पांणिहरी K, पणिहारी L. **पोलीआ**–पोलीया A B D, पोलि C, पोलिआ K, पउलिया L. **सूआर**–सूयार A B D, अपार C. **दास**–दाश D, दासि J, दसि K. **दीकोलां**–दीकला D, **दीकोडी** L. **संष**–शंख D, संषि J.

४० **श्रीगरणा**–श्रीगुरणा D, सइगरणा L. **वइगरणा**–विगरणा B J, वइगरणां D, वयगरणा E. **भला**–भला D. **साणहिता**–सांहण A, साणहिना B, साहाणाइत C, साणहता D, साणहता E, सेलहत्थ L. **महिता**–मुहता छइ A. **नगर**–नगरि A. **तलार**-तल्हार C, तलहार D, तलारे J, तलारउ L. **देस**–**देसि** A, **देह** B, **वेश** C J, दि E, दिय L. **सेलहुत**–सेलहथ A E, सेलुहोत B, सेलुत C, सेल्हत्थ K, सेल्हत्थ L. **देहरासरी**–देरासरी A, देहरासरि B, देहरासिरि D, करइ देहरासर E, करइ देरासरी K, देहरासरिइ L. **प्रोहित**–परोहित B D, **बिहिहथ** E, पुरोहित्त J.

४१ **अवधानीया**–अविधानीया C, अवधानी D J K, अवधानीआ E. **अनइ**–**दीसि** B, अनि C E J, **अने** D, नइ L **टावरी**–टाउरी E, टाहुरी J, ये टावरी K, वट्टावरी L **करइ**–करि B C J, करीइ K. **मसाहणी**–मसांणी A C D E J, मसाहाणी B, मसांहणी K. **चिंता**–चिता J K L. B C D J K L omit 41 b. **त्रिणि**–त्रिण A. **घोडां**–घोडा E.

४२ **जेउ**–जेह A D, बेऊ J, जेय L. **पूरइ**–पूरि B C J. **वरउ**–वरु B C D E J. **रालगुनि**–राउल A D J, राउलु C, राल्गूनि E, राउलगुन K, रावलइं L. **तेउ**–बेह A, बेउ B K, **तेह** D, तेय L. **आव्या**–आव्यां A. **ग्या**–ग्यां A B E K, गया C D J L. **नइ**–नइं A D E, निं B, नि C J. **दीजइ**–**दीजि** B J, दि C, **दीजइं** D. **मान**–मांन A E J, बहु मांन C, दांन D K, मानि L. **बुद्धिवंत**–बुधीवंत D, बुधिवंत E K. **प्रधान**–प्रधांन A C D E J K.

नित नित करइ राउलां वतां, पोसातां दीजइ कणहतां ।
चाहूआण घरि आगइं लगइ, ठकुराला राउत उलगइ ॥ ४३
सोलंकी वाघेला सुहुड, रोसाला राउत राठउड ।
एक राउत चाउडा हूण, अति फूटरा ऊतारा लूण ॥ ४४
जइवंता यादव परमार, गूहिल सवे सबल झूझार ।
इणि परि राजवंस जे सवइ, लहइ ग्रास ग्राम भोगवइ ॥ ४५
तरूआरे सोनहरी मूंठि, करडां षेडां घालइ पूंठि ।
कडिहि कटारी हीरे जडी, पाडसूत्रनी छइ दाबडी ॥ ४६
मेघवना फाडा बांधिवा, पाए मोजडा पोगर नवा ।
षांडां पटा तणा गजवेलि, अलवि आगिला हींडइ गेलि ॥ ४७

---

४३ नित नित–नित २ A E K, नितु B, नितु २ C J L, नितुं २ D **करइ**–कीजि B, करि C J, करेइं D, करइं E. **राउलां**–रालगुनि B, राउलइं L. **वतां**–विता A K L. **पोसातां**–पांसंतां K, पोसाना L. **दीजइ**–दीजि B C, दीसि J, दीज्यइ K. **कणहतां**–कणुहता E, कणहता L. **चाहूआण**–चाहूयाण A, चहूयाण B, चहूआंणह C, चाहूआंण D E K, चहूआणा J, चहूआण ते L. **आगइं**–आगि B, आजह C, आजु D, आव्या E, आजज J, आजे K, आगिलइ L. **लगइ**–सगिइ B, लगि C J,. .L. **ठकुराला**–ठकुराला A, ठाकुर C, ठकरालां D, ठकराला E, ठाकुराला K. **राउत**–राउल A B C D, राऊत L. **उलगइ**–उलगइं A, उलगिइ B, ते उलगि C, उलगइं D, उलगि J.

४४ सोलंकी–सोहलंकी C D. **सुहुड**–सुहड A C D K L, मुहोड B, सहुड E. **राठउड**–राठोड A D K, राठुड B E. **राउत**–रावत J. **चाउडा**–चावडा J. **हूण**–हूंण C E, हुंण D, नइ हुंण K, हुंणि L. **फूटरा**–फरूं B, फूटरी J, फूटरा K. **ऊतारा**–ऊतारूं B, ऊतारं C, ऊतारइ D, ऊतारू E, ऊतारि J **लूण**–लूंण A D E, लुंण K.

४५ जइ–जय B C D E J K, जेइ L **परमार**–परिमारि L. **गूहिल**–गोहिल B C D K L, गुहिल E, गोहल J. **सवे**–वसि B, सवि C, वसइ L. **सबल**–सबला D J. **झूझार**–झूझारि L. **इणि**–इण A, ईणी B J, इणी C E, एणि D. **परि**–परिं B D. **राजवंस**–राजवंश B E J K, रायवंस C, राजवंशी D. **जे**–ये E,...K. **सवइ**–वसइ A, सवे B C D J L, उलगइ K. **लहइ**–लि B, लहि C J, लिइ D, लहिता E. **ग्रास**–ध्रास A, गरास B C K, ग्रामग्रास E, ग्राम L. **ग्राम**–गाम B D, गांम C J K, ग्रास L. **भोगवइ**–भोगवि B C J, भोगविइ E, भौगवइ L.

४६ तरूआरे–तरूयारे A B J, तरुआरे C, तरूआरिइं E, तरूआरंइ K. **सोनहरी**–सोनानी B D E J L, सोनिरी C. **मूंठि**–मुठ D, मुंठि K, मूठि L. **करडां**–करडू B, केरडां D, करडा L. **षेडां**–षेडूं B, षेडा L. **घालइ**–घालि B J, घाति C, घालइं D, डाबइ L. **पूंठि**–पूठि A B D K L. **कडिहि**–कडइ A, कडिं B, कडिहि C, केडि D, कडहि E K L. **कटारी**–कटारे K. **हीरे**–हारे A. **पाडसूत्रनी**–पट्टसूत्रीनी C, पटसूत्रनी E L, पाटसूत्रनी J K. **छइ**–छि B C J. **दाबडी**–डाभडी C J, दामणी D, डाबडी L. D adds after 46 b: भला भलेरा देशइ हाथि, वयरी सिउं ते वाहइ बाथ; J adds भला भाला ते दीसि हाथि, वियरीशू ते वाहि बाथ.

४७ मेघवना–मेघवानां B, मेघवनां D E J, मेघवणा L. **फाडा**–फालिया B, फाला C, फडा D, मोलीआं E, फालीआं J, फल्या L. **बांधिवा**–बांधवा B C J K, बंधवा D, बाधवी L. **पाए**–पांइं L. **मोजडा**–मोजडां A D, मोजड B, मोजडी C L, मोजां J. **पोगर**–पोडरनां J, नितु L. **नवा**–नवां J, नवनवी L. **षांडां**–षांडा C L, षाट D. **पटा**–तटा A D, पाट K. **तणा**–तणी A B E, तणां J. **अलवि**–अलविइं D, अलवइ L. **आगिला**–आगला B E J L, आगलि C, आगेलां K. **हींडइ**–हीडइ A L, हींडि B, हीडि C J, हींडइं E. **गेलि**–गिलि L.

सावलोह भाला नइ सांगि, लीइ हथीयार सवे मनरंगि।
नवां सावटू ठेसइ पाय, उलगीइ कान्हडदे राय ॥ ४८

रंगि बिरंगां मुहगां मूलि, पहिरइ एक कणयरी झूलि।
भोजन वार मांडीइ त्राट, कीरति बोलइ चारण भाट ॥ ४९

सेव सूंहाली लाडू गल्या, आछा मांडा पापड तल्या।
षाजे षडक सालणे वडी, कूरकपूर तली पापडी ॥ ५०

पंचधार लापसी कंसार, धान रसोई भाव अढार।
अति ऊजलां ढेपालां दही, भुंजाई ए राउल लही ॥ ५१

पान कपूर दीइ थईआत, चोआ सुर तुर चोलीइ हाथ।
मुडोधानी कुंअरी घणी अंतेउरी कान्हडदे तणी ॥ ५२

---

४८ **सावलोह**–सावलोहमय C, सांवलोह K **भाला**–भला E, भाला K. **नइ**–नि B J,...C, ने D. **सांगि**–संगि C. **लीइ**–लि B E, लिं C, लिइं D, लेई J, ल्यइं K, लेय L **हथीयार**–हथीआर C E J, हथियार D L, हथिअर K. **मन**–मनि A L **नवां**–नवा C D J L **ठेसइ**–ठेसई A, ठेसि B C J, ठेसिइं D, ठेसवइ E, वेसइ K. **पाय**–पाई C, पाइ K. **उलगीइ**–इम उलगइ A, उलगीइ B, उलगीइं C D, तउ उलगियै K, उलगीयई L. **कान्हडदे**–श्री कांन्हडदे A, काहनडदे C D, कान्हडेदे E, कान्हडदे J K. **राय**–राइ E.

४९ **रंगि**–रंग D E L. **बिरंगां**–बिरंगी D J, विरंगा E, विरंगइ K, विरंगा L **मुहगां**–मुहुगां B, मुहघि C, मुहगइं D, मूंहगइ E, महुगि J, मंहुगइ K, मुहगा L. **मूलि**–मृलि D E, मूल L. **पहिरइ**–पहिरि B C J. **कणयरी**–यरी E. **झूलि**–झूलि A. **भोजन**–भोजनि B. **वार**–वीर B, वेलाई C, वारि E J, वारइ L. **मांडीइ**–मंडाइ B, मांडीइं D, माडिसइ K, मांडीयइ L **त्राट**–त्राटि J **बोलइ**–बोलि B C J. **चारण**–बाभण A, बिंदिणि E.

५० **सेव**–सेवे E. **सूंहाली**–सुंहाली A, सूंहालां B J, सूहाला C, सुहाला K, शुंहाली L. **लाडू**–लाडूं E. **गल्या**–गिल्या B, गल्यां K, गुल्या L. **आछा**–आछां C E K, आठा L. **मांडा**–मांड्या C. **पापड**–पपड K. **तल्या**–तलिया B, तल्यां D E K. **षाजे**–षारेक C, षाजां D, यमीइ E, षाजे K, षाजा L. **षडक**–षडके A, षटु E, षांड K, षडकई L. **सालणे**–सालणां A, सवाणि B, सालणि C, शालि ते E, साल्ने K, साल्नइ L. **वडी**–वली D K. **तली**–तणी B

५१ **पंच**–पांच A K. **धार**–धान K. **लापसी**–लाफसी E, लापशी K. **कंसार**–कंसारि L. **धान**–धांन E J. **रसोई**–रसोना A D J, रसोईना C **ऊजलां**–उंजला D, कजली K, ऊजला L **ढेपालां**–मेथालां A, सथरा B, ढेपलां D J, थेपलां E, ढेफांला K, ढेफाला L **दही**–दहीं B, दहिं C. **भुंजाई**–भूंजाई A J, भुंजाइ E. **ए**–...A C D J, ई B, सवि K, एह L. L transp as एह भुंजाई. **राउल**–राउति B, राउत ते C, राउत D J. **लही**–नइ सही A, लहिइं D, तणी E, लहि सही J, लहइ K L.

५२ **पान**–पांन D E J K **दीइ**–दीजि B, दि E, दिइ J, दइ K, देय L **थईआत**–थईयात B D, थेईआत C, रात K, थईयाति L **चोआ**–चूया B J, चूआ C, चोया D, चोवा L. **सुर तुर**–सरसा B, सूरभी C, सररस D, सरवर E, सरस J, सुरतर K, तेय L. **चोलीइ**–चोली A, चालि B, चोलीया D, कचोल E, चोल्यै K, आलीयइं L. **हाथ**–हाथि A B C, हात E. **मुडोधानी** em–मुडोधांनी A, मुद्धधानि B, मुडाधानी C D E L, मुद्धधानी J, मोडोधांनी K. **कुंअरी**–कुयरी A B, कुंमरी D, कुमरी E J K, कूअरी L. **घणी**–वली J. **अंतेउरी**–अंतेउरि C, अंतेउर J. **कान्हडदे**–कांन्हडदे A C E J L, काह रा B, काहनडदे D. **तणी**–मिली J.

सवि सुकुलीणी रूपि अपार, माणिक मोतीना श्रृंगार।
वडइ रालगुनि एहवी रीति, हीडइ सवि रायनइ चिंति ॥ ५३

कान्हडदे राजा सुविचार, रूपि जिसउ अश्वनीकुमार।
बोलावीइ नितु परधान, छए दरसण दिवराइ दान ॥ ५४

मंडपि मुहल दीइ भूपाल, नाचइ पात्र ऊगटइ ताल।
जाणइ जेह भरहसंगीत, पाडप्रबंध ते गाइ गीत ॥ ५५

षित्रीवट जे साहस धीर, मालदेव छइ लहुडउ वीर।
जिसी प्रीति लषमण नइ राम, राज अनरेइ एहवी माम ॥ ५६

---

५३ **सवि**–सवे J. **सुकुलीणी**–सुकलीणी A, सुकलिणी C, सूकलीणी L. **रूपि**–रूप B D J K, बुधि L. **अपार**–अपारि L. **माणिक**–माणिक A J K, माणिक्य E. **मोतीना**–मोतिना D K, मोतीनां E L. **श्रृंगार**–सिणगार B D, शणगार C, शिणगार E, श्रंगार K, शृंगारि L **वडइ**–वडि B, वडे C D E. **रालगुनि**–रालुगुनि A, राल्गुने C, रालुगुंने E, राउले J, राउलगुन L **एहवी**–एह्वी A K. **हीडइ**–चालइ A E, हीडि B C J. **सवि**–सवे B C D J K L, सवि ते E. A transp as सवि चालइ; E transp as सवि ते चालइ. **रायनइ**–राउलि B C, राउल E, रायनि J, राउलइ L. **चिंति**–चीति B E K, चीति J, चिंती D.

५४ **कान्हडदे**–कांन्हदे A, कांन्हडदे C E J, काहनडदे D. E transp as राजा **कान्हडदे. सुविचार**–सविचार E, शुविचारि L. **रूपि**–रूपिं B, रूपिइं D, रूप L. **जिसउ**–जिसु A, जिसिउ B, यसु C, जसिउं D, यसिउ E, जिशु J. **अश्वनी**–अश्विनी B C D, अस्वनी K. **बोलावीइ**–बोलावी J, बोलाविये K, **बोलावीयइ** L. **नितु**–जिहां नितु A, उत्तम C, नित E K **परधान**–परधांन A D J K, प्रधांन E, परिधान L. **छए**–छहां A, छ B E, छइ D L. **दरसण** em–दरसिणा A, दरिसण B, दरसणे C, दरसननइं D, दिरसिणनइं E, दरशन J, दर्शन K. **दिवराइ**–दिवाडइ A, देवरावि B, देवराइ C E, वीजइं D, देवारि J, देवाइं K. **दान**–दांन A D J K, मान B, धांन C E, मांन L.

५५ **मंडपि**–मंडप C E L. **मुहल**–मुहुल B J, मांहि C, महल E, महुल K. **दीइ**–लीतु C, दियइ K L. **भूपाल**–भूपालि L. **नाचइ**–नाचि B C E J, नाचइं K. **ऊगटइ**–ऊगटीइ B, उगति C, उगटइ D, ऊगटि E J, ऊमटइ K. **ताल**–लाल C **जाणइ**–जाणइ A E, जाणि B C, जाणि J, जाणे K. **जेह**–जे A, ...B C, योतिष E, जु J, जेउ K. **भरह**–भरह मेद B C. **संगीत**–सींगीत L. **पाडप्रबंध**–पाडप्रबंधे A, पदबंध B, पदप्रबंध C, पाटबंध D, पाटप्रबंध E K, पडिप्रबंध L. **ते**–...A, त K, जे L. **गाइ**–गाइं K, गायइ L. **गीत**–गीति L.

५६ **षित्री**–क्षत्रीय A, क्षत्र B C, क्षित्री K. **वट**–वटिं C. जे–ये C. **साहस धीर**–महासधीर B, साहसधार L. **छइ**–छि B J. **लहुडउ**–लहंडउ A, लहुडु B D, लुहडु C, लुहुडउ E, लुहुडु J, लहुडो L. **जिसी**–यसी C. **लषमण**–लक्ष्मण B J, लष्मण K L. **नइ**–नि B J, नइं D. **राम**–रांम A C D E J K L. **राज**–राजा E, राजि K. **अनरेइ** em–अनेरे A E, अनेर B, अनेरा C K, अनइरइ D, अनेरां J, अनेरी L. **एहवी**–एह्वी K. **माम**–मांम A C E J K L, हाम B.

जिसी प्रीति हणूया सुग्रीव, जाणे नही जूजूआ जीव।
सीकरि छत्र चमर ढालीइ, साचइ न्याइ लोक पालीइ॥ ५७
देसदेसना आवइ माल, कान्ह माल वि वइरीसाल।
मोटिम घरि चहूआणा तणइ, राज करइ थानकि आपणइ॥ ५८

॥ दूहा ॥

राजरिद्धि निरमल सुणी, पुण्य तणइ परमाणि।
पदमनाभ पंडित भणइ, सिर धूण्यउं सुरताणि॥ ५९

॥ चउपई ॥

कहइ पातसाह सांभलि माइ, इसिउ दुर्ग किम लइणउ जाइ।
कूंअरी तइं अणजाणिउं कीउं, जई जालहुरि वचन कांइ दीउं॥ ६०

---

५७ **जिसि**–यसी C. **हणूया**–हणूआ A E, हनूया B, हनुआ C, हणुंया D, हणमंत K, हणुंआ L. **सुग्रीव**–सग्रीव E, शुग्रीव L. **जाणे**–जांणे A C E, जांणि D, आणइं L. **नही**–नहीं B. **जूजूआ**–जूजूया A B D, जूजवा K. **सीकरि**–सिंघासणि C, सिकिर D, सींकरि E, सीकिरि J, शीकरि K, सीकर L. **छत्र**–...C. **चमर**–चांमर C D J, चामर L. **ढालीइ**–ढालीइं C D, ढलियै K, ढालीयइ L **साचइ**–साचि B C J, साचवइं D. **न्याइ**–न्याई C, न्याय D K, न्यांइ J, ञाय L **लोक**–प्रजा B **पालीइ**–पालीइं C D, पालियै K, पालीयइं L.

५८ **देसदेसना**–देसदेशना C, देस २ ना D E, देशदेशना K, देस २ ना L. **आवइ**–आवि B C J. **माल**–मान B. **कान्ह**–कांन्ह A K, श्री कांन्हडदे C, कान D, काहन E, काहान J. **माल**–मालदे B K L, ...C. **वि**–बे A K, ...C, बेउ D. **वइरीसाल**–विरीसाल B, लीलभूआल C, वयरीसाल E, ऊपरिसाल D J, यरीसाल L. **घरि**–घरे K. **चहूआणा**–चहूयाणां A, चहूयाणह B, चहूआणह C, चाहूयाणह D, चहूआंणा E K, चहुआण L. **तणइ**–तणिइ B, तणि C, तणी D, तणे J K. **करइ**–करि B C J **थानकि**–थांनकि A C E J, थांनक D, थानिक K, थानिक L. **आपणइ**–आपणि B C E, आपणे D J K. After 58 b L interpolates: **वंदइ इसी करी अरदाधि** चाहुआण छइ लीलविलास.

५९ **दूहा**–दुहा D. **रिद्धि**–ऋद्धि B C E, रिद्ध D L, रिधि K **निरमल**–निर्मल B D E, निर्म्मल L. **सुणी**–घणी B, सूंणी D, णी K, शुणी L. **पुण्य**–पुंण्य A, पुन्य C L, पूंन्य D **तणइ**–तणि B C J. **परमाणि**–परमांणि A C, परिमाणि D, परिमांणि E J, परिमाण K, परिमाण L **पदमनाभ**–पद्मनाभ B J, पदमनाभि K, पद्मनाभि L. **भणइ**–भणिइ B, भणि C J, भणइं L. **सिर**–शिर C K, शर J, सिरि L **धूण्यउं** em–धूंण्यउं A, धूणिउ B, धूण्युं C, धुणिउं D, धूणइ E K, धूण्यूं J, धूण्यउ L. **सुरताणि**–सुरतांणि C J, सूरताणि D, सुरतांण E K, शुरिताण L.

६० **चउपई**–चुपै B, चु० C, चउपै D, चुपई E, चुपै. J, चउप्पई L. **कहइ**–कहि B C D J, कहिइ E. **पातसाह**–पातस्याह E, पातशाह J, पांतिसाह K, पातिसाहि L. E transp as पातस्याह कहिइ. **सांभलि**–तुं सांभलि C, संभलि E. **माइ**–माय C D J K L. **इसिउ**–इसु A, इस्यु B, इसिउं D, इशु J, इसउ K. **दुर्ग**–कोट A, दुर्ग्र B D E K, दुरंग C. **किम**–किउं L. **लइणउ**–लीधु B, लेणु C E J, लेणुं D, लेणउ K, लिणउ L. **जाइ**–जाई C, जाय J. **कूंअरी**–कुंयर A, कुंयरी B, कुंअरी C K L, कुंमरी D, कुमरी E. **तइं**–तइ A, नि B, ति C D, तिं J, तइं L. **अणजाणिउ** em–अणजाणउं A, विणजाण्युं B, विणजांणुं C, वणजांणिउं D, अणजांणिइ E, अणजांणिउं J, विणजाण्युं K, अणजाण्यउं L. **कीउं**–किऊं D, करिऊं E, कीयुं K, कीयो L. **जई**–जे K, जाई L. **जालहुरि**–जालोरि A, जालुहुरि E, जालउर K L. **वचन**–बोल A. **कांइ**–कांइं A, कां B C D J, काई L. **दीउं**–दिउं D, दीऊं E J, दिऊं K, दीयउ L.

कुंअरी भणइ अवधि मइं कही, तिणि दिनि गढ मेलासइ सही ।
तिणि अवसरि बोल्यउ सुरताण, शुकन बोल ताहरउ प्रमाण ॥ ६१
राजा भणइ मुहल मांहि आवि, सुरताणी बंदा बोलावि ।
नामि समरकंदी जेहनइ, बोलावइ बंदा तेहनइ ॥ ६२
कमालदीन मलिक तेडीयउ, सीह पातलउ साथइ गयउ ।
सादी मलिक मान छइ घणउं, मलिक अमादल मांटीपणउं ॥ ६३
निजामदीन मलिक बलवंत, मलिक नेब जाणे जयवंत ।
मलिक बाहादीन बोलावीउ, लाष लाष साहण आपीउ ॥ ६४
बंदा तणा सवे अईयार, हुंसे मुसे नइ बरषुरदार ।
अहिमद महिमद नइ हाजीउ, आबू बाबू नइ गाजीउ ॥ ६५

---

६१ **कुंअरी**–कुंयरी A B, कुंमरी D, कुमरी E, कुंअरि K, कूअरी L **भणइ**–भणि B C E J, भणइं L. **मइं**–मइ A, मिं B C J, मिइं D, जे L **तिणि**–तीणइ A K, तेणि B C, तिणिं D, तेणइ E. **दिनि**–...B, दीन K. **मेलासइ**–मेलसि B, मेलासि C D E J, मेलाश्यइ K, मेलासिइ L. **तिणि**–तिण A, तेणि B C, तिणिं D, ईणइ E. **बोल्यउ**–बोल्यु A C, बोलिउ B D E, बोलि J, बोल्या L. **सुरताण**–सुरतांण A E K, सूल्तांन D, सरतांन J, शुरिताणि L. **शुकन**–स न A, शकन B, शकुन C E J K, सुकुन D. **बोल**–बोन A. **ताहरउ**–ताहरउं A, ताहरु B E J L, ताहरो C, ताहरा D. **प्रमाण**–परमाण B, प्रमांण D E K, परिमांण J.

Note–E MS ends here; its remaining folios are missing.

६२ **भणइ**–भणि B C J. **मुहल**–मुहुल B J L, महिल K **मांहि**–माहि A D K. **आवि**–...B. **सुरताणी**–सुरतांणी C J K, सुलतांनि D, शुरिताणी L **बोलावि**–तेडावि D. D J omits vs 62 b. **नामि**–नांमि C L, नाम K. **समरकंदी**–समरकदी A, शमरकंदी K. **जेहनइ**–जेहनिं B, जेह C, जेय L. **बोलावइ**–बोलावि B, बोलाव्यु C, बोलाबइ K, बोलाव्योउ L. **बंदा**–बंदु C, बंदो L. **तेहनइ**–तेहनि A, वली तेह C, महिल माहि तेय L.

६३ **कमालदीन**–मालदीन A, कमलादीन L. **मलिक**–मिलक L. **तेडीयउ** em–तेडी पूछीउं A, तेडीउ B C D J, तेडियउ K, तेडीयो L. **पातलउ**–पातलु B C D J, पातिलउ L. **साथइ**–साथि A C J, सरिसु B, साथिइं D, सरिसउ L. **गयउ**–मोकलउ A, गयु B, लीउ C, गयुं D, दीउ J, गयो L. **मलिक**–मिलक L. **मान**–मांन A C D J, नांम K, मानइ L. **छइ**–छि B C J, छइं D. **घणउं**–घणूं B D, घणु C, घणां J, घणउ K, घणेउ L. **मलिक**–मिलक L. **अमादल**–इंमादल A, सादल B, उमादल C, अमादलें D, मादल K, मादिल L. **मांटीपणउं**–मोटापणूं B, मांटीपणुं C, माटीपणूं D, माटीपणूं J, मांटीपणउ K.

६४ **निजाम**–निजांम A J K, नजांम C, नयाम D. **मलिक**–मिलक L. **बलवंत**–अतिहि बल्वंत J, बल्वंत K. **जाणे**–जांणे A D J K, जाणि C, जाणइ L. **बाहादीन**–बहादीन A, बाहदीन C D, बाहादर L. **बोलावीउ**–बोलावियउ K, बोलावीया L. **लाष लाष**–लाष २ D L. **साहण**–सांहण A K. **आपीउ**–आलीउ B J, बोलियउ K, आवीयो L.

६५ **बंदा**–बंदि D, वंदा J. **तणा**–तणउं L, तणां D. **अईयार**–अईआर C J, अैआर K. **हुंसे**–हूंसे C D, हुंसै K. **मुसे**–मुंसे B, मूंसे C J, मुंशे K, मूसे L. **बरषुरदार**–बुरषुउदार A, बेषरदार C, षबरदार D, बषरुदार J, बरषरदार K, बरषूरदार L. **अहिमद**–अहमद A, अहिम्मद B, अहिमुंद C. **महिमद**–महमद A, महिम्मद B, महिमुंद C. **नइ**–...B L, नि C J, ने D. **हाजीउ**–हाजी बेउ B, गाजीआ C, हजियउ K, हाजी बेउ L. **आबू**–अबू B. **नइ**–नि B C J,...L. **गाजीउ**–हाजीआ C, याजियउ K, गालिम जेय L.

मीर गदाई ताजन मीर, मोजदीन आराहइ पीर ।
साहावदीन पीरोजउ वली, क्यामदीनसूं आव्या मिली ॥ ६६

दहीरदीन नइ बगसू भणउ, ताजदीन बंदउ तेह तणउ ।
नाथू थाहरू नइ मरगूब, इसमाइल्ल रजब आकूब ॥ ६७

दुलतईयार बहादर हमीद, षइरदीन काल्हउ फरीद ।
समसदीन आदम अभिराम, सालमान अबदल्लु करीम ॥ ६८

आली मीरण मूंमण जिसउ, ईछू भीषू मीठउ तिसउ ।
चिगुनउ चांदउ नइ मारूप, काबिल भरमु भयंकर रूप ॥ ६९

---

६६ मीर–मलिक B, मार D **गदाई**–गदाईत A, गयाई C **ताजन मीर**–ताजनजीर L **मोजदीन**–मोजनदान C, मोजदीन J. **आराहइ**–आरोहइ A, आरोहि B, आराहि C D J, आराधाइ L **पीर**–बीर B. **साहावदीन**–साहदीन A, साहाबदीन B J, साहबादीन D, सहाबदीन L. **पीरोजउ** em–पेरोसा A, पीरुजु B, पीरोजु C D J, पीराजउ K, पीराजा L. **क्यामदीन**–कामदीन B, कमाल्दीन C, क्यांमदीन D J K. **सूं**–ने B,...C, सिउं D, शूं J, सुं K, स्युं L **आव्या**–साथि B, सजाई C, जाय D, जाए J, जाइं K, आवइ L. **मिली**–मली D, अली K.

६७ दहीरदीन–बुदरदीन B, दहरदीन C J, बहिरदीन D, हीरदीन K, नारदीन L **नइ**–...B, नि C D J. **बगसू**–बगसु C, बगसुं D, वेगस L. **भणउ**–ते भणु B, भणु C, भणउं D K, भणु J. **ताजदीन**–ताहरदीन B, राजदीन D, दरहदीन L. **बंदउ**–बंदु B C D J, बंदो L **तेह**–तिहां A, तेह K **तणउ**–तणु B C J, तणुं D, तणउं L. **नाथू**–नाथु A, नीथू B, नाथु C, नथू J **थाहरू**–घार B, षरु C, प्यारु J, प्याहेरू K, धारू L. **नइ**–अनि B J, नि C, नइं K. **मरगूब**–मीर हवूब C, मरघूब J, मग्गाब K. **इसमाइल्ल**–ईसमाल B L, अबलमीर C, ईशमाल J, इसमाइल K. **रजब**–रुडु B, नि साह C, रजबु K, नइबू L. **आकूब**–नजूंब C, आकब K. D reads as 67 b: मलिअ इआज प्यारु मीर नथू अबू गदाई वजीर.

६८ C omits vs 68–70. D omits 68 a. **दुलतईयार**–दुल्तीयार B, दोलतीआर J, दोलतिअरू K, दउलतीयो L. **बहादर**–बाहादुर B, बाहादर J L. **हमीद**–हम्मीद B, हमीर J, हम्मीर K. **षइरदीन**–षिरदीन B, षिहरदीन J, अरदीन L. **काल्हउ**–कालु B **फरीद**–फिरीद B, हमीर J, फकीर K. **समसदीन**–सावदीन D. **आदम**–अहिमद J, आदन D. **अभिराम**–अभरीम B, अमीरांम D, अभिराम J K. **सालमान**–सलेम B, सलेमांन D, सहलमांन J, सलेमान K, सलेमास L **अबदल्लु**–अबदल्ल B, अबलु J, अबलो L.

६९ आली–अली B L, आसी D, आला J **मूंमण**–छि यम B, मुंमण D, पूरण L. **जिसउ**–...A, जिसिउ B, नस्युं D, नसु J, नाम K, नसउ L. **ईछू**–ईछु D, ईषू K. **भीषू**–. K, भीछूं L. **मीठउ**–मींठू B, मीठू D, बूढण K, मीढण L. **तिसउ**–तिसिउ B, सीसु D, सिसु J, श्यांन K. **चिगुनउ**–चिगन B, चिगनु D, चिगनु J, चकतउ K, चिगुनी L. **चांदउ**–चंदू B, चादु D, चागु J, चंद K L. **नइ**–अनि B, नि J, अनई L. **मारूप**–माकूप A, मारूफ B, नीरूप K. **काबिल**–काबिल्ल A, कबन B. **भरमु**–मीर A, महा B, रमु J, धाम K, रामा L. **रूप**–भूप K L.

बदरदीन नइ सेष नसूध, बाहादर ईसप षइरू बूध ।
मलिक अईयार हासम जंजीर, गादिक कडु कमासु मीर ॥ ७०
तुरकां तणउ पार नवि लहूं, इणि परि नाम केतलां कहूं ।
गमे गमे चडीयाता फिरइ, ढीली नयरि मेलावा करइ ॥ ७१
एक तणी नवि जाणउं भाष, चाल्यां कटक चडी नव लाष ।
असपति राय तणइ फुरमाणि, षानज्यांह राषिउ दीवाणि ॥ ७२
दीधी सीष पातसाहइ घणी, फोज करेज्यो आपापणी ।
वचन दीउं जालउरइ राय, कटक न आवइ रातीवाय ॥ ७३
मारगि रहेज्यो जूजूइ गामि, तिहांथा जाज्यो एकि ठामि ।
ल्यउ असबाब सामटउ अनइ, वरस आठ तणइ माजनइ ॥ ७४

---

७० **बदरदीन**–बहादरदीन K. ii qr in J is बहादरदीन नि पाप सुबधू. **नइ सेष नसूध**–सेष न सधू B, सेष नइ सधू D, नि सेषर सधू J, नइ शेष नि सुद्ध K, नइ सेषर सधू L. **बाहादर**–बाहर A, बादर B, बहादर K. **ईसप**–इसप A, ईसफ B, ईसप्प K, ईषद L. **षइरू**–षिर B, प्यारु D,...K, षयर L. **बूध**–बधू B, बधु D, सुसुद्ध K, नइ बंधू L. J omits vs 70 b. **मलिक**–मिलक L. **अईयार**–ईआज D, आर K, अरहां नइ L. **हासम जंजीर** em–हसमाजरी A, हसामु मीर B, हांसा मंजीर D, हासाम जंजीर K, सवे वजीर L. **गादिक**–गदू B, गादि C, गट्ट D, गादिल K, गदो L. **कडु**–फोदर A, कदू B, गहिल K, कथो L. **कमासु**–बाबू A, कमासु B, भवाषा K, कमाशु L

७१ J omits vs 71 a. **तुरकां**–तुरकाणा B, तरक C, तुरक D. **तणउ**–...B, तणु C D, तणां L. **पार**–पारि L. **लहूं**–न लूं A, लहुं C D K, लहू L. **इणि**–एणी B, इणी C, इंणि D, किणि L. **परि**–परिं D. **नाम**–नांम D K, पार L. **केतलां**–केतला A K, केतल्उ L. **कहूं**–कहुं A C D K. **गमे गमे**–गमे २ B C D, तुरंगम तेजी L. **चडीयाता**–चढीयायत C, चडीआता D, चढीआता J, चडिआता K, चढ्या L. **फिरइ**–फिरिइ B J, फिरि C. **ढीली**–डिल्ली C. **नयरि**–नगरि C D, नयर L. **मेलावा**–मेलाविउ B, मेलावु C, मिलावउ L. **करइ**–मिलिइ B, करि J.

७२ **एक**–एका L. **तणी**–तणा L. **नवि**–ना D, न J. **जाणउं**–लहीइ B, जाणुं C, जांणुं D, जाणूं J, लहियै K. **भाष**–साष C, पार L. **चाल्यां**–चाल्या A K L, चिढ्ढ B, चढी C. **चडी**–मिली B, चाल्यां C, चढी J, चढ्या K, करी L. **तणइ**–तणि B J, तिणि C, तणइं D L **फुरमाणि**–फुरमांणि A C K, फरमांणि D J, फुरिमाण L. **षानज्यांह**–षांनज्याह A, षानजिहां B, षानग्यांह C, षानज्या D, षानज्यांहां J, षानज्याह K, षानजांह L. **राषिउ**–राष्यु C J, राष्यउ K, राष्यो L. **दीवाणि**–दीवांणि C, दीवंणि K, दीवाण L.

७३ **सीष**–शीष K. **पातसाहइ**–पातसाहि B C, पातसाह D, पातशाह J, पतिसांहइ K, पातिसाहि L. **करेज्यो**–करेयो C J, करेजो K. **आपापणी**–आपआपणी D. **दीउं**–दीऊं J, दियउ K, दीधउ L. **जालउरइ**–जालेरइ A, जाल्होरि B, जालुहरि C, जाल्हुरिं D, जाल्हुरि J. **राय**–राइ B **आवइ**–आवि B C J. **रातीवाय**–रातीवाहि A J, रातीवाह L.

७४ **रहेज्यो**–रहु A C, रहियो B, रहीआ J, रहज्यो K, रहेजो L. **जूजूइ**–जूजूए A, जूजूआ C, जूजए K, आई L. **गामि**–तांम C, गांम D K, गांमि J, गाम L. **तिहांथा**–तिहाथा B, तिहांथी D, तिहथां K, तिहाथी L. **जाज्यो**–एजो A, जायो B J K, मिल्यो C, जाजउं L. **एकि**–एकिं B, एक C, एके D, एकइ K L. **ठामि**–ठांमि B C D J. **ल्यउ**–ल्यु A, लिउ B J L, लेई C, ल्युं D. **असबाब**–सुमुदाय A, समदा B, असबाप D, असबांब K, समदाय L. **सामटउ** em–सांमट्टु A C K, सहू को B, सामट्टु D, सांमटउ J, सांमदोय L. **अनइ**–अनि B C J, अनइं D, नइ L. **वरस**–वरसां A L. **तणइ**–तणि B C J. **माजनइ**–माजनि B J, महाजनि C, माजनेइ D.

लाष लाष साहणनी वाट, दस दस सहस दीवाणी हाट ।
लाभइ चाउल मूंग नइ लूण, आटा गुल घी षाइ कूण ॥ ७५
लाभइ षांड तेल नइ मिरी, करइ सालणां लाभइ सुरी ।
अजमा जीरां लाभइ बहू, वेसण विरहाली लइ सहू ॥ ७६
लाभइ नवी तिली नइ विही, कोठीबडां तणी काचरी ।
आदां सूरण केलां हूआं, बीजोरां दाडिम लींबूआं ॥ ७७
लाभइ षारिक फोफल द्राष, वली नालीयर लाभइ लाष ।
लाभइ साबू नइ कंटोल, हाटि हाटि छइ निरतां तोल ॥ ७८
गांधी हाटि पामीइ पुडी, रोग न आवइ एकइ घडी ।
साथि आवइ घोडानी लास, कटक मांहि मांडीइ निषास ॥ ७९

---

७५ लाष लाष–लाष २ A D J L. साहणनी–साहणनी A K दस दस–दस B K, दहु दसि C, देश २ D, दश दश J, दस २ L. सहस–सहिस B K. दीवाणी–दीवाणी C D, देवाणी K. In J MS vss 75 b–90 a are lost. B L omit vs 75 b लाभइ–लाभि C चाउल–चूला C. मूंग–मुग A C, मंग K. नइ–नि C, नइं D, न K लूण–कण A, लूण C D. षाइ–षाइं K. कूण em–कुण A, कुंण D, कूंण K.

७६ लाभइ–लाभि B C, लाभइं L. नइ–नि B C, नइं D. मिरी–मीरी D. करइ–करि B, तल्या C, कर L. सालणां–सालणा K, सालनां L लाभइ–लाभि B, मुंकि C, नइ लाभइ L. सुरी–सही A, सिरी B, करी C, सन्ही D, शुहौ L. अजमा–अजमा B D, अजमु L. जीरां–जीरो L. लाभइ–लाभि B C. बहू–सहू A, वहु K, बहुं L. विरहाली–नि वेरहाली B, व्रीहाली D. लइ em–नइ A, लि C D, ल्यैउ K, दिय L. सहू–महू A, सहु D K.

७७ C omits vs 77. लाभइ–लाभि B नवी तिली–तिली नवी B, नउवात तिली L. नइ–नि B. विही–विरी B, मिरी L. कोठीबडां–कोठींबडा B, कोठीवडी K, कोठीबडा L. आदां–आदा D K L. केलां–केला K L. हूआं–हूआ A K, बहू B, हुंआ L. बीजोरां–बीजोरा L. दाडिम–दाडीम K. लींबूआं em–लींबूयां A, लीबहूं B, लींबूआं D, लींबुआ K, लीबूआ L.

७८ लाभइ–लाभि B C. षारिक–षारिकि B, षारकि C. फोफल–दाडिम L. A transp as: फोफल षारिक. वली–लींलां A. नालीयर–नालेर A, नालीयरना C D, नालिअर K, नाल्यर L. लाभइ–लाभि B C. C transp as लाभि नालीयरना, D as लाभइ नालीयरना, K as लाभइ नालिअर. A interpolates foll line after vs 78 a: लाभइ साबू नइ कंटोल वारू लोक माप लाषरां. लाभइ–लाभि B, तिहां लाभि C, वली लाभेइ D. साबू–वस्त A, सांबू K. नइ–नि B,...C D. कंटोल–कटोल D, कंकोल K. हाटि हाटि–हाटि २ C D, हाटिइ २ L. छइ–छि B, छे D,. .L निरतां–निरता C L.

७९ गांधी–गांधि D हाटि–हटि B, हाटिइ L. पामीइ–मांडीइ A, पांमीइं D, पांमियइ K, लाभइ L. पुडी–वली B, पडी C D. रोग–रोगइ A. न–नइ D. आवइ–आवि B C, आवइं L. एकइ–एकि B C, एके D, एको K. आवइ–हूई A, आवि B C, आवै K, आवइं L. घोडानी–घोडांनी A K. लास–लासि A, ल्हास L. मांहि–माहि A. मांडीइ–मंडाइ B, मांकिउ C, माडियइ K, मांडीयइ L. निषास–घास A B, निवास C, नषास L.

लाभइ कापड नइ हथीयार, मोजां कुसि न लाभइ पार ।
एवडउ वरउ दीवाणज सहइ, सहू चउगुणउ मुसारउ लहइ ॥ ८०

हाटां तणउ पार नवि लहइ, घणा लोक विवसाया वहइ ।
षांडां तरकस तीर कमाण, जरहजीण पूरइ दीवाण ॥ ८१

मोटा मलिक गुंदरइ वलइ, घोडां मरइ नवां मोकलइ ।
चाल्यां कटक सोनिगिरि भणी, पूठइ वगनी आवइ घणी ॥ ८२

भोई मेहर घणा तबाक, भठीयारा धीवरना लाष ।
ढाढी मरतब गाइ गीत, ठामि ठामि नीपजइ मसीत ॥ ८३

आगलि उंड समारइ वाट, बार सहस सूतार सिलाट ।
माली तंबोली सोनार, चालइ घाटघडा लोहार ॥ ८४

---

८० **लाभइ**–लाभि B, लाभाइ L. **नइ**–नि B, नइं L. **हथीयार**–हथीआर C D, हथियार K L. **मोजां कुसि**–कुसि मोजडां C, मोजा कोसि D, मोजां कोश K, मोजा षुंउस L. **लाभइ**–लाभि B, लाभैइ K. **एवडउ**–एवडु B C D, एवडो L. **वरउ**–वरु B C, वरू D, वरो L. **दीवाणज**–दीवाण जे B, दीवांणज C D, दिवांणज K, दिवागज L. **सहइ**–सहि B C, सहइं L **सहू**–सहु K. **चउगुणउ**–त्रिमणउ A, चुगणा B, चउगणा C, चुगणां D, चउमांणा K. **मुसारउ**–मुशाहारा B, मसरो C, मसारा D, मुंसारा K, मुसारो L **लहइ**–लीइ B, लहि C.

८१ **हाटां**–हाट B C D K. **तणउ**–तणु B, तणा C, तणुं D, तणा L. **पार**–पारि L. **लहइ**–लहूं B, लहि C, लहुं K. **घणा**–घणां D. **विवसाया**–व्यवसाईया B, व्यवसाईआ C, विवसाईआं D, विवसाइं K, विवहाख्या L. **वहइ**–कहइ A, कहूं B, वहि C, रहइ L. **षांडां**–षाडा C K. **तरकस**–तरगस L. **कमाण**–कमांण C D, कबांण K. **जरहजीण**–जीण रहित A, जरहीजीण D, जिरहजीण K. **पूरइ**–पूरइं A, पूरि B C. **दीवाण**–दीवाणि B C L, दीवांण D K

८२ **मलिक**–मिल L. **गुंदरइ**–गूदरइ A D, गूदरि B, गुदरि C, गुंदरइ K, गुंदाइ L. **वलइ**–वलिइ B, वलि C, मिलइ K, वलंई L. **घोडां**–घोडु B C, घोडुं D, घोडो L. **मरइ**–मरि B C. **नवां**–ते नवां A, नवु B, नवो C L, नवुं D. **मोकलइ**–मोकलिइ B, मोकलि C, मोकलइं D **चाल्यां**–चाल्या B D L. **सोनिगिरि**–सोनगिरि B D, सोवनगिरि C, सोनिगिर K, सोनगिरां L. **पूठइ**–पूठि A B, पूंठि C D. **वगनी**–वेगि B, बनगइ C, बंनगइ D, बांनिगइ K. **आवइ**–आवि B, आवी C.

८३ **भोई**–भोइ A, मांहि B. **घणा**–घणां B D, नइ L. **तबाक**–तबाष D K. **भठीयारा**–भठीआरा C, भठीयारां D, भठिआरा K, भठियारानां L. **धीवरना**–कठीयारा B, ढींबर नइ K, आवइ L. **ढाढी**–ढेढी B, ढढी K. **मरतब**–मागता B, मरतबि C, मतरब D, अमृत K. **गाइ**–गाइं A D, गावि C, गावइ K, गाई L. **गीत**–गीति L. **ठामि ठामि**–ठामि २ B L, ठांमि ठांमि C, ठांमि २ D, ठांमि ठामि K. **नीपजइ**–नीपजंइ A, नींपजि B, निपजइ D, नींपजइ K.

८४ **आगलि**–आगि B. **उंड**–उड D, उडि L. **समारइ**–समारि B C. **सहस**–सहिस B. **सूतार**–सूत्रार A, सतूयारा B, सूतारि L. **सिलाट**–सलाट C, सिलावट K. **माली**–माली: K. **तंबोली**–तंबोली. K. **सोनार**–तिहां सार C. **चालइ**–चालि B C. **घाटघडा**–घटघडा A, घाटहीडा D, घाटहिडा K, घाटहाडा L. **लोहार**–कुंभार A L, कूंभार B.

कंसारा त्रांबहिडा सवइ, चालइ कारूनारू नवइ ।
तीरंगर बगनीगर वली, षास षवास सांचरइ मिली ॥ ८५
भाठी मद वेचइ षमार, चउद सहस चालइ षमार ।
द्राम रोकडा आपइ हाथि, उरति पूंगडां लीधां साथि ॥ ८६
मलिक लहइ बिमणी किरीयाति, चालइ कटक दीस नइ राति ।
जीणइ ठामि कटक ऊतरइ, वेगि काठगढ षाई करइ ॥ ८७
चड्यां कटक सीषामण हूई, ददा सनावर साथइ देई ।
दीइ सीष कुंअरी तिणि भावि, वीरमदे जीवतउ लेई आवि ॥ ८८
एक वात हीयइ जाणज्यो, वीर तणउं मस्तक आणज्यो ।
संसालिज्यो फूल मांहि करी, छानी वात कहइ कुंयरी ॥ ८९

---

८५ **कंसारा**–कासा L. **त्रांबहिडा** em–त्रांबहडा A L, त्रांबाहड B, त्राबिडा C, त्रांबहिडर D, त्रावहिडा K. **सवइ**–सवे A, सविइ B, सवि C, ते सवे L. **चालइ**–लीजि B, चालि C. **कारूनारू**–नारूकारू A K. **नवइ**–सवि B, नवि C, नवी K, नवे L. **तीरंगर**–तीरगरा B, तीरगर C D K, तीरगरी L. **बगनीगर**–बगरीबइ L. **वली**–गुली A, मिली L. **सांचरइ**–संचरि B, सांचरि C, षोसरा K, सांचर्यां L **मिली**–वली A B C.

८६ **मद**–मय C **वेचइ**–वेचि B C, विगइ L. **षमार**–षंभार D, षूमार K, षुमार L **चउद**–चौद B C D, चवद K. **सहस**–सहिस B K, सहेस L. **चालइ**–चालि B C, चाल्या L **षमार**–असवार A, चंमार D. **द्राम**–द्रांम A C K. **आपइ**–आपि B C **हाथि**–हाथ L. **पूंगडां**–पूगडां A, पुंगडो D, पूंगडा K, पूगडा L. **लीधां**–लीधा L. iv qr in C is: षवास सघला चालि साथि.

८७ **मलिक**–मिलक A L, मलीक D. **लहइ**–कहइ A, लहि B C, लहइं L. **बिमणी**–बिसणी A. **किरीयाति**–क्रियाति A, किरीआति C K, करियाति D, किरियाति L. **चालइ**–चालि B C. **कटक**–क D. **दीस**–दीह C D K. **नइ**–नि B C, नें D, नइं L **जीणइ** em–जिणइ A, जीणि B, जेणि C, जेणेइं D, जीणई K, जिणई L. **ठामि**–ठांमि C K, ठांमे D. **ऊतरइ**–ऊतरिइ B, ऊतरि C, उत्तरइ D, ऊतरइं L. **वेगि**–तिहा A, वेगिं D. **षाई**–षाही B. **करइ**–करिइ B, करि C, करइं D.

८८ C omits vs 88 a. **चड्यां**–चडीया A, चडिउं B, चड्या L. **सीषामण**–सीषांमण D, शीषामणि K. **ददा**–ददां A D, जीव L. **सनावर**–सुनावर A, सनांवर D, जनाउरि L. **साथइ**–साथि A K, साथिं B. **देई**–गई A, देइ D, दै थई K, लेई L. **दीइ**–दीधी A, दि C D, दीइं K, दैइ L. **सीष**–सीषांमण C, सिष D, सीषामणि K, शिराचा L. **कुंअरी**–राजा A D, C L **तिणि**–तेणि C D, तेणइ K, तिणइं L. **भावि**–वारि A, भावी K. **जीवतउ**–जीवतु A C D, जीवंतु B, जीवतुं L. **लेई आवि**–ल्यावि B, ले आवी K, लेइ आवि L. C adds foll line after vs 88 b· एहवुं एहज करसि कांम तेहनि हूं आपुं अनाम.

८९ **वात**–वीर B, वयण L. **हीयइ**–हीइ A, तेहि B, हईइ C D, हियै K. **जाणज्यो**–जांणज्यो A, जाणयो B, आणयो C, जांणिजे D, जाणज्यौ K. **वीर**–वीरम C. **तणउं** em–तणूं A B, तणुं C D, तणउ K L. **मस्तक**–मुस्तक B. **आणज्यो**–आंणज्यो A K, आणयो B, लावयो C, आणिजे D, आणजो L. **संसालिज्यो**–संसाल्यो B, संसाली C, संसालिजे D, शंशालियो K, संसालियो L. **फूल**–फुल D. **मांहि**–माहि A K, मांहिं B, माहिं D. **छानी**–छांनी A C D. **वात**–वाति L. **कहइ**–कहि B, कही C D, करइ L. **कुंयरी**–कुंअरी C K, कुंअरी L.

लाल सिराचा तरकस जिहां, मलिक मसूरति बइसइ तिहां ।
वली वचन बोलइ सुरताण, अम्हनि इणि परि करज्यो जाण ॥ ९०
जोयणि जोयणि पाला सइ वीस, मेल्हां वली ढोल च्यालीस ।
घोडा एक सहस असवार, सुरताणी ढोउ हुइ जिणि वार ॥ ९१
बोलइ ढोल सवे जेतलइ, जाणूं षबरि अम्हे तेतलइ ।
कटक मेडतइ चाली गयां, नवइ लाष एक थाहरि थयां ॥ ९२
वीजड भाट चालीउ जिसइ, गोल्हण साथि मोकलिउ तिसइ ।
गोल्हण गयउ जालहुर मांहि, तउ अवगुणना कीधी राइ ॥ ९३
जोउं मलिकनउं मांटीपणउं, सज थाजो करिस्युं फेरणउं ।
लेष लिषाणा पाद्रि पाद्रि, तेडां गयां साचुरि थिराद्रि ॥ ९४

---

९० **लाल**–लाल A, लल K सिराचा–शिराचा B K, सराचा C. **तरकस**–तुरकज D. **जिहां**–जांह B, जीहां K, लीया L. **मलिक**–मिलक L. **बइसइ**–बिसि B C, बइसइं D, बइठा L. **तिहां**–ताह B. J commences again from vs 90 b. **बोलइ**–बोलि B C, बोलिउ J. **सुरताण**–सुरतांण D, सुरतांन J, सुरितांण K, शुरिताण L. **अम्हनि**–अम्ह D C J, अम्हनइं K, अनइ L. **इणि**–इण A K, एणी C D, ईणी J. **करज्यो**–करयो B C J, करिज्यो D. **जाण**–जाण D J K, जाणि L.

९१ **जोयणि जोयणि**–जोआणि जोयणि A, जोयणि २ B C J, जोयण २ D, जोअण जोअण K, जोवण २ L **पाला**–पला B, पाली L. **सइ**–सि B C J, सईं D **मेल्हां**–मेहलिउ B, **मेल्हे** C D, **मूंक्यो** J, मेल्ह K, मेल्या L. J transp as : वली मूंकयो. **ढोल**–ढोले B **च्यालीस**–पंचास K. J omits vs 91 b. **घोडा**–घोडा A. **सहस**–सु B, सहस्र C, सहिस K. C transp as सहस्र एक, D L as सहस एक. **सुरताणी**–सुरतांणि D K, शुरिताणी L. **ढोउ**–ढो A, ढोल C, ढोवउं L. **जिणि**–जिण A K, तेणीं C, **जेणि** D, **तिणि** L. **वार**–वारि D L.

९२ **बोलइ**–बोलि B, वाजि C, वाजइं D. C transp as सवे ढोल. **जेतलइ**–जेतलिइ B, जेतलि C, जेतलइं D i qr in J is एक सामटां वाजि जेतलिं. **जाणूं**–जांणु A, जाणीइ C, जांणुं D K, जांणउं L. **षबरि**–षबर D L, षवरि K **अम्हे**–ढहा C, अह्मो D, सवे L. J transp as **षबरि अह्मे जाणूं**. **तेतलइ**–तेतलिइं B, तेतलि C, तेतलइं D, तेतलिं J, जेतलइ L. **मेडतइ**–मेडति B C J. **चाली**–चांली K. **गयां**–गया L. **नवइ**–नव B D L, नवि C J. **एक**–एकि B, इक L. **थाहरि**–ठां A, थांहरि C D, **ठाहरि** K, **थाहर** L. **थयां**–थियां A, हौयां B, रह्यां K, थया L

९३ **भाट**–भाटि L. **चालीउ**–चालीइ J, चालियउ K, चलाव्यउ L. **जिसइ**–जिसिं B, जसि C, **जिसिइ** J, तिसइ K, जिसिइं L. **मोकलिउ**–मोकलीउ A C, मोकलिउं D, मोकल्यउ K. **तिसइ**–तिसिं B, तिसि C J, तिसईं D **गोल्हण**–कलि A. **गयउ**–ग्यु A, गयु B C J, गयुं D, गयो L **जालहुर**–जाहलहर A, जालोहर B, जालउरह K L. **मांहि**–माहि A K. **तउ**–तु A C D, तुरी B, तिहां J. **अवगुणना**–अवगणना A B C K. **राइ**–राय A B C J K.

९४ **जोउं**–जु B, जोयुं D, जूउ J, जोउ K L. **मलिकनउं** em–मलिक तणु A, **मलिकनूं** B J, **मलिकनुं** C, मलक मसरनूं D, मलिकनउ K L. **मांटीपणउं**–मांटीपणूं B J, मांटीपणुं C K, पणुं D, **मांटीपणउं** L. **सज**–सज्ज A, सज्ज्म B, सज्ज C L. **थाजो**–थायो A B, थाज्यो D, थाउ L. **करिस्युं**–करसिउं A, **करस्यूं** B, **करसुं** C, करस्युं D, करशूं J, करिसुं K. **फेरणउं**–सांफलूं A, **फेरणूं** B J, फेणुं C, पेरणुं D, **फेरणुं** K. **लिषाणा**–लषाणां D, लेषाणा K, लिषाणा L. **पाद्रि पाद्रि**–पाद्रिं पाद्रि B, पाद्रि पाद्र C, पाद्रोपाद्रो L. **तेडां**–तेडा A, तेडी L. **गयां**–गया L. **साचुरि**–साचोरि A, साचिरि K, साचउर L. **थिराद्रि**–थराद्रि C D, इसद्र L.

काकरिनयर वाराही बेउ, कांथगेहडी राउत जेउ ।
अमरकोटि नइ वीकमपुर, जेसलमेर गढ वाघणहुर ॥ ९५

पारकर पूगलू मारोट, धाट पोकरणि आसलकोट ।
काछ जांगलउ जासेहर, सारणि चित्रा नाहेसर ॥ ९६

जीहलवाडू नइ देवेर, कइलवाडू गढ बाहडमेर ।
सिंधु सवालष नरवर जाणि, सवि देसुत बोलावी आणि ॥ ९७

वली षमाल अनइ नाबरउ, ढीकोडउं सोझित बाहरउ ।
पाद्राडउं गिरूउ रीछेर, डोडिआलि राणिक काछेल ॥ ९८

---

९५ **काकरिनयर** em–काकारिनयर A, काकरनि B, काकरतयर C, काकरनयर D J L, ककरिनयर K. **वाराही**–वराही A K **बेउ** em–बेअ A K, जेउ B, बेउं C D, बेऊ J, बेय L. **कांथ**–कंटू B, कंथ C K, काया J, काथ L. **गेहडी**–गेहडीना C D J K **राउत**–राजा L **जेउ**–जेअ A K, तेउ B, जेह C, जेय L. **अमरकोटि**–अमकोटि A, अमरकोट B C D J K **नइ**–नि B C J, न L **वीकमपुर**–वीकमपुरि A B, वीजमपुर J, वीरमपुरि L **जेसलमेर**–जेसलमहिर D, जेसलमेरि नइ L **गढ**–अनइ A, वढ B **वाघणहुर**–वघणोरि A, वाघणहर B, वाघणुर C, वघणुहुर J, वाणहुर K, बघनउरि L.

९६ **पारकर**–नि पारकर C, पारगर J, पाराकरा K, पारकरी L. **पूगलू**–पूगल B L, पोगल C, पोगलू D, पूगलू J, पूंगल K. **मारोट**–माराट A, मरोट B C D J C transp as पोगल मरोट नि पारकर. **धाट**–धाणक B,.. L. **पोकरणि**–पोषरनि B, पोगरणि नि C, पुकारण J, पोकारणि K, पुकरनइ वलि L. **आसलकोट**–आल्हणपुर C, आल्हणकोट D J K, आसलकोटि L **काछ**–कछ B, काछा D, काछा J. **जांगलउ** em–जांगलू A J K, जागलु नि B, जागलु C, जागलूं D, जागलउं L **जासेहर**–जासहर D J, नइ जासेर K, ज्योयोसहर L. **सारणि**–सारण B C L **चित्रा**–चेत्रा A D, चैत्र B, चीत्रा C, चैत्रा L **नाहेसर**–नि नाईसर B D, माहेसर J, नाहीकेसुर K, नइहींसार L.

९७ **जीहलवाडू**–जीहलवाडइ A, जेहलवाडूं B, जीहलवाडि C L, जीहलवाडा K. **नइ**–नि B C J, नइं D. **देवेर**–देनेर D, देवहर J. **कइलवाडू**–कइलवाडइ A, कहिलवारू B, कियलवाडूं C, कइलवाडूं D, किइलवाडू J, कइलवाडु K, किलवाडू L. **बाहडमेर**–बाहलमेर B, बाहडमिरि L. **सिंधु**–सध B, सिंधू D, सिधु K. **नरवर**–नरवइ A, नि वर B, तरवर C, नइ वर L **जाणि**–जाणि C D J K **सवि**–सवे B C D J, सर्व L. **देसुत**–देसे A, देसना K, देशि L. **बोलावी**–बोलावि A. **आणि**–आणि C D J K.

९८ C omits vss 98-99 **षमाल**–हिमाल A, षमा D, जामालूं J, हीमाचल K. **अनइ**–अनि B, नइं D, नि J, नैइ K, नइ L. **नाबरउ**–नाबरू A, नावडूं B, नाबरूं D, बाबरूं J, बालीस K, नांबुरउ L. **ढीकोडउं**–टूंकटोडु नि B, ढीकोडूं D J, ढींकोडु K, ढीकोडो L **सोझित**–सोझति A, सांझति B, सोजित D, सोजति J. **बाहरउ**–बारडूं B, बाहरूं D J, बाहोर K, सेहुरउ L. **पाद्राडउं**–पाद्रडूं B, पाद्राडूं D K, प्राद्राडूं J, पाद्राडू L. **गिरूउ**–गिरऊ A, गिरडूं B, गरीवो D, गरवु J, गिरवुं K **रीछेर**–रेछेरि A, रिछोलि D, लीछके J, रीछेरि K. **डोडिआलि**–डोडीयालि A, डोडीआलि B J, फोडियालि D, डोडियाल L. **राणिक**–णिक A, रणिक B, रांणिक J K, राणकि L. **काछेल**–काछेलि B D K, काछलि J.

घाटउ सीसोदउ छवाण, भाइलिबोरी मोटउं ठाण ।
चंडाउलि चांगु किरी आप, सीमाडास्यूं मांडइ व्याप ॥ ९९

जलहर पायवरा सातसा, आबू तणा देवडा तिस्या ।
त्रिसीं गमूं दांतूं भेलडी, वाघेला बारड ग्या चडी ॥ १००

पोसीना नइ भड सेहुर, गढ तारंगउ पाल्हणपुर ।
समीयाणा राडद्रह रोहावि, सिंध महेवा धणी बोलावि ॥ १०१

भाद्राजण मंडोहर तणा, सूराचंदी राउत घणा ।
नवइ कोटना राउत जेह, ग्या जाल्हुरि मेलावइ तेह ॥ १०२

बालीसा नइ सीसोदीया, सोढा नइ सिंधल आवीया ।
ते पंचास सहस असवार, राउल भेटी कस्यउ जुहार ॥ १०३

---

९९ घाटउ–घाटु B, घाटुं D K L, घांचु J. सीसोदउ–सीसुद्रूं B, सीसुदुं D, सीसुद्रु J, सीसुं तेल K, सीसउ वली L. छवाण–छेवाण B, छवाणि K L भाइलि–भाइल B, भाइलें D, भायल J, भाइले K, भोयल L. बोरी–मोरी J, बेरी K, वारी L मोटउं–माटूं B, मोटुं D J, मोटू K, मोटा L. ठाण–ठांण D J, ठाणि L. J omits vss 99 b-103 चंडाउलि–चुंडाउलि D, चाडाउलि K. चांगु–चांग B, चागु K, चंगा L. किरी–करी B, करि L. आप–याप A सीमाडास्यूं–सींमाडासूं A, शीमाडासु K, सीमाडास्युं L. मांडइ–मांडि B, मांडाइ L.

१०० जलहर–झलहल B D L, ऊहल C, झलहल्या K. पायवरा–देवराउत B, पाइ सांचस्या C, पाद्रवरां D, नवरां K, पादिवरा L. सातसा–जिस्या B, इस्या C, सातसइ K, स्या जिसा L. आबू–अबू A, आबु D. देवडा–दिवडा L. तिस्या–तिसा A, तस्या C, जिमा D, तिसइ K. त्रिसीं गमूं–त्रसीं गमूं B, त्रिसं गमुं C, त्रसां गमू D, त्रिसी गमुं K, त्रीस गमू L दांतूं–दांतुं A, दातुं C K, दातउ L. भेलडी–मीलडी B C, भेडली K. बारड–बारोड C, वारड K, बोरड L. ग्या–गया C D. चडी–चढी L.

१०१ पोसीना–पोसीनउ L नइ–नि B L, ...C D. भड–भट A, नगर C, नगर नंइं D. सेहुर om–शेहुर A, सेहर B D, जासहुर C, सेहरउं L तारंगउ–तारगु A B C, तारगा D, वारंगु L. पाल्हणपुर–पाल्हणपुरु A, पाहलणपुर D, पाल्हणपुरउ L. समीयाणा–सेवाणे B, समीआणा C K, समीयाणा D. राडद्रह–राडद्रा B D, राद्रेडउं C, रडद्रहां K. रोहावि–रोहाइ A, रोहवि B. सिंध–सइंध A, शुद्ध B, सिंधु C K, संधि D. महेवा–मेहेवा D. बोलावि–बोलवि B.

१०२ भाद्राजण–भाद्रजा B, भाद्राजन C, भद्राजोण K. मंडोहर–मंडोयर A, मंडोरह C D, मंडोवर K L. तणा–तणां B D. सूराचंदी–सूराचंदेरी B, सूराबूंदी C, देवसूरीना K, चंद्रा L. घणा–घणां B D. D omits vs 102 b. नवइ–नवि B C, नव L. कोटना–कोटीनां L. जेह–जेय A L. K omits iv qr. ग्या–स्या A, गया C L. जाल्हुरि–जालोरि A, जालुहुरि B, जालउर L. मेलावइ–चडीनि B, मेलावि C, मेलावउ L. तेह–तेउ A, लेउ L.

१०३ बालीसा–बालीस C D. नइ–नि B C, ना D, नै K. सीसोदीया–सामुद्रीया B, सिंसोदीआ C, सीसोदिआ K, सीसउदीया L. सोढा–सोढल C, सोरठीआ K, सूडी L. नइ–नि B, निं C, नइं D. सिंधल–सींधव D, सींधल K. आवीया–सवि आविया B, आविया K. पंचास–पंचस K. सहस–सहिस B K, सहस C. भेटी–भेटिया B. कस्यउ–कीउ A, करिउ B, करि C, करुं D, करइ L. जुहार–जूहार D.

एक लाष षांडाधर बली, छत्रीसइ राजकुली मिली।
हीदू घणा जालहुर माहि, कटक कहिउं जई गोल्हणसाहि ॥ १०४
गढ मेडता नइ सुंद्रडी, दीयां पीयाणां चाल्या चडी।
पंचवीस सहस असवार, बिमणा पाला झूझणहार ॥ १०५
राउल मालदे चालिउ चडी, पुहतु वाडी षट्टूकडी।
मालदेवनूं दल जेतलूं, वीरमदेव तणुं तेतलूं ॥ १०६
राउल कान्हइ आयस दियउ, कुंअर वीरम भाद्राजणि गयउ।
एक दिवसि कुंअर दलि भिडइ, बीजइ दिवसि मालदे चडइ ॥ १०७
हीदूए दल प्राणइ दम्यां, इणि परि वरस च्यारि नीगम्यां।
ढीली भणी लिषी अरदास, हीदूए दलि पाडिउ त्रास ॥ १०८

---

१०४ **षांडाधर**-षंडाधर A. **छत्रीसइ**-छत्रीसि B J, छत्रीसइं D L C transp as राजकुली छत्रीसइ; L transp as राजकुली छत्रीसइं. **हीदू**-हींदू B, हीदु C K. **घणा**-तणा A, घणा जे C, घणा जे D. **जालहुर**-जालोरइ A, जालोहर B, जाल्हुरि C, जालउरह K L **माहि**-माहि B C J K **कटक**-कटकि A. **कहिउं**-कहुं D, **कह्युं** K, कहिउ L. **जई**-जै A, जे C K, ते D **गोल्हणसाहि**-गोहलणसाहिं D, गोल्हणसाह L.

१०५ **गढ**-गुढा L. **मेडता**-मेडता A. **नइ**-नि B J, अनि C, नइं D. **सुंद्रडी**-सूद्रडी A, सुंद्रडी C, **सिउंद्रडि** D, **शुद्रडी** L. **दीयां**-दिउं A, दीआ C, हुआ K, दीया L **पीयाणां**-पियाणूं A, पीआणा C, पीआणां J, **पयाणा** K, पीयाणा L. **चाल्या**-चालिया B, चाल्यां J **चडी**-चढी J **सहस**-सहिस B K, सहस्र C. **असवार**-असवारि L **बिमणा**-बिवणा A, बिमणा B, बिमला L **झूझणहार**-नइ झूझार A, झूंझणहार D.

१०६ **राउल**-राउत A. **मालदे**-मालदेव J. **चालिउ**-चाल्यु C, चालिउं D, चाल्यउ K L. **चडी**-चढी J L. **पुहतु**-पुहुतु B J, पुहता D, पहुता K, पहु L **षट्टूकडी**-षडोषली A C, जिहां ढूकडी B, षटुकडी D, **षांडाकडी** K, नइ षटुकढी L. D interpolates vs 107 a after 106 a. **मालदेवनूं**-मालदेवनुं B, **मालदेउनुं** C, मालदेवनु K, मालदेनउ L. **जेतलूं**-जेतलुं B C D K, जेतलउ L **वीरमदेव**-कुंअर वीरमदे D, **वीरमदे** K. **तणुं**-तणूं B J, नुं पणि C, देल D, तणु K, णतु L **तेतलूं**-तेतलुं B C D K, तेतलउ L.

१०७ D transp i and ii qrs, and interpolates them between 106 a and 106 b. **राउल**-राउलि B. **कान्हइ**-कान्हि A C, कान्हिं B, काहन D, कहिनिं J, **कांन्हइ** K. **आयस**-**आइस** A K. **दियउ**-दीउं A, दीउ C J, दीयु D, दीयो L. **कुंअर**-कुयर A, कुंयर B, कूंयर D, **कूंअरी** J. **वीरम**-वीरमदे A L, वीर J. **भाद्राजणि**-भड B, भाद्राजण C, भद्राजनि D, भद्रजनि J, भाद्राजनि K, **भाद्रजणि** L. **गयउ**-गयु B C D J, गयो L. **दिवसि**-दिवस C J K L. **कुंअर**-कुंयर A B D, **कूंआरि** J. **दलि**-रणि D, दल J K L. **भिडइ**-भडि B C, भडइ D, भिडि J. **बीजइ**-बीजि B C J. **दिवसि**-दिवस C. **मालदे**-...A, **मालदेव** J. **चडइ**-चडिइ B, चढि C, आथडि J, जुडइ L.

१०८ **हीदूए**-हींदूए B C, हींदूंए D **दल**-कल L. **प्राणइ**-प्राणि A, प्राणि B C D J, प्राणइ K. **दम्यां**-**दम्या** K L, **नम्यां** B. **इणि**-इण A, एणी B, इणी C, ईणि D J. **च्यारि**-च्यार C. **नीगम्यां**-नींगम्यां B C, **नीगम्या** K L. ii qr in D is: आठ वरस ईणि परि गम्या **ढीली**-ढिली C, ढिली K. **लिषी**-लिखी C, **लषी** D. **अरदास**-अरदासि A. **हीदूए**-हींदूए B D, हिंदुए C. **दलि**-दल C D J K, कल L. **पाडिउ**-पाड्यु C, **पाड्या** J, **पाडयउ** K.

कटक तोरकइ थिउ संहार, सतर सहस पाडिया अईयार ।
मोटा मलिक किसी परि करइ, हीदू तणउ कोइ नवि मरइ ॥ १०९

वलतउ पातिसाह इम भणइ, नवइ लाष साहण आपणइ ।
लाष दस छइ झूझणहार, मारीतां नवि आवइ पार ॥ ११०

सहस पंच्यासी हिदू तणइ, एक लाष साहण सहू भणइ ।
जां हींदूथा बिमणा मरु, तां तुम्हे पाछा मत ऊसरउ ॥ १११

वचन कान्ह नवि लोपइ सही, रातीवाहि आवसइ नही ॥ ११२

॥ दूहा ॥

पदमनाभ पंडित भणइ, जउ द्रू चंचल होइ ।
सज्जन जे अंगीकरइ, वचन न चूकइ तोइ ॥ ११३

---

१०९ **कटक**–कटकि A. **तोरकइ**–तुरक B D, तोरकी C, तुरकनु J, तुरकइ K, तुरकी L. B transp as तुरक कटक; L transp as तुरकी कटक. **थिउ**–थयुं B, थयु C D J, मथउ K, कीयो L. **संहार**–संघार D. **सतर**–सत्तर A C, सित्तर L **सहस**–सहिस B, से D **पाडिया**–मारीया A, पाड्या C D K L, पड्या J. **अईयार**–ईआर A C, अईआर D, एआर K, ईयार L **मलिक**–मिलक K L. **किसी**–सी C. **परि**–षबरि C. **करइ**–करिइ B, करि C J, करइं L. **हीदू**–हींदू B D, हिंदू C. **तणउ**–तणि B, तणुं C D, तणु J. **कोइ**–एक A, कोई C, कोय J **मरइ**–मरिइ B, मरि C J.

११० **वलतउ**–वलतुं A D K, वलतु B C J L **पातिसाह** em–पातसाह A B C D, पातशाह J, पातिसह K, पातिसाहि L **इम**–ईम J. **भणइ**–कहइ A, भणिइ B, भणि C J. **नवइ**–नवि B, नव C J, नव्व D. **लाष**–लषां J **साहण**–सांहण K. **आपणइ**–आंपणइ A, आपणिइ B, आपणि C J, आणइ L. B omits vs 110 b. **दस**–साठि A B, देशि C, दश J, एक K **छइ**–सिइ D, सि J. K interpolates foll line after iii qr वडा माझी भला ऐआर. **मारीतां**–मारीता C L, मारंता D. **आवइ**–आवि C J.

१११ B omits vs 111 a. **सहस**–सहुस C, सहिस K. **पंच्यासी**–पंचास D, पंचासी L. **हिदू**–हिंदु C, हींदु D, हीदू K L. **तणइ**–तणि C D J **सहू**–सवि A B, सहु C. **भणइ**–मिलइ A, भणि C J, तणिइ L. **जां**–जिहा C, जो L. **हींदूथा**–हीदूथा A D L, हींदूथां B, हिंदुथा C C transp as हिंदुथा जिहां. **बिमणा**–बिमणां B, बमणा J **मरु**–मिलु A, मरुं B, मरु D L. **तां**–तिहा C, तु L **तुम्हे**–तम्हे B J, तुम्ह L. **पाछा**–षाछा C. **मत**–मन B, का C, मम D, नवि J, मति L. **ऊसरउ**–उसरउ A L, उसरु B C J, उंसरु D.

११२ **कान्ह**–कान्ह A, काहन D, काहांन J. B transp as कान्ह वचन **लोपइ**–लोपि B J. **रातीवाहि**–रातीवाइ B, रातिवाहि D, रातेवाइं J, रातीवाइं K, रातीवाहिइ L. **आवसइ**–आवस्या A, आवसि B J, आविसु K, आवसी L **नही**–नहीं B C reads as vs 112:

उत्तम जे मुखि बोल्या बोल पालि पाण करि तृण तोलि । कांन्ह बोल ते हीयडि धरि रातीवाहि नवि ऊतरि ॥

११३ **दूहा**–दूहाः D. **पदमनाभ**–पद्मनाभ B, पदमनाभि K, पद्मनाभि L. **पंडित**–पंडित्य L. **भणइ**–भणिइ B, भणि C J, भणे D. **जउ**–जु A B C, जो D J L. **द्रू**–द्रव B, द्रव्य C K, द्रवि D, द्रव्यज J, द्रूं L. **चंचल**–सवि J. **सज्जन**–सपुरस A, सजन B D J. **जे**–जन K. C transp as जे सज्जन; D J as जे सजन. **अंगीकरइ**–अंगीकरि B C J, अंगीकरइं L. **वचन**–वचनि A. **चूकइ**–चूकि B C J, लोपइ D. **तोइ**–तोइ B, कोइ C, सोइ D, सोय J.

॥ चउपई ॥

गढ लागइ गढषाई करउ, इणी परि आघा संचरउ ।
नित मेल्हाण सवे पालटउ, कटकि करउ ऊलटपालटउ ॥ ११४
एहवी बुद्धि सवे आदरउ, इणी परि आघा संचरउ ।
हींदूसूं तुम्हे बोलउ इस्यूं, सरषे दलि आपण झूझस्यूं ॥ ११५
ए पंचास सहस मूंगला, असी सहस सींधी भड भला ।
एकाएकइ झूझाडज्यो, मारीनइ प्राणइ पाडज्यो ॥ ११६
मलिक इस्यूं हिंदूनइ कहइ, बीजां कटक तडोवडि रहइ ।
अम्हे साम्हा आवउं जेतला, तुम्हे राउत भिडज्यो तेतला ॥ ११७

---

११४ **चउपई**–चुपै B, चु० C, चउपै D, चुपै. J, चोपई L. **गढ**–मेहलाणि C. **लागइ**–आगलि A, लगि B J,.. C, लागि D, लागइ K. **षाई**–षाइ B C D. **करउ**–करइ A K, करु B C D J **इणी**–इण A K, एणी B D, ईणी J, इणि L. **परि**–पणि A, परिइ K. **आघा**–आघा थई A, आघा तुम्ह L. **संचरउ**–संचरइ A K, संचरु B J, साचरु C D. C omits vs 114 b. **नित**–नत D, नितु J L. **मेल्हाण**–मेहलांण D, मेल्हांण K, मिल्हाण L. **पालटउ**–पालटु B D K. **कटकि**–कटक B K, कटके D, ईणी परि J, कट L. **करउ**–करु B J, करुं D. **ऊलटपालटउ**–ऊलटपालटु B D, गढ पालटु K, ऊलटपाल्टउं L.

११५ C omits vs 115 a. **एहवी**–एह्वी A K. **बुद्धि**–बुधि D K L. **सवे**–सहू D J. **आदरउ**–आदरु B D J, आदरउं L **इणी**–इण A, एणी B, एणिं D, ईणी J, इणि L **परि**–परइ K. **आघा**–तुम्हे आघा A, तुम्ह आघा L. **संचरउ** सचरु B, सांचरुं D, सांचरु J, सांचरुउ L. **हींदूसूं**–हीदूसूं A, हिंदु सरसिउं C, हींदूसें D, हीदूशूं J, हीदूसुं K L. **तुम्हे**–तम्हे B, अम्हे C D J, तुम्ह K, तुम्हि L **बोलउ**–बोलु B, बोल्सुं C, बोलिउं D, बोल्शूं J, बोलो L. **इस्यूं**–इसूं A, C J, इसिउं D L, इसुं K. **सरषे**–सरिषे B K, सरषि C, सरषइ L. **दलि**–कटकि C, दले D K, घाय J, दल L **आपण**–आपणा D, अह्मे J. **झूझस्यूं**–झूझसूं A, झूझसुं C, झूझसिउं D, झूझशूं J, झूझिसुं K, झूझस्यउं L.

११६ **सहस**–सहिस B K. **मूंगला**–मूलिगा A, मूलगा B D L, मुंगल K **असी**–इसी B D J. **सहस**–सहिस B K. **सींधी**–सीधू B, सिंधू C, साधा D, सीधी J K, सीधा L **भड**–दल B **भला**–भल्ला A, भिल K. **एकाएकइ**–एकाइकि A, एकिएक B, एकाएकि C, एकाएकिं D, एकेएकि J, एकांएकइ L. **झूझाडज्यो**–झूझाडियो A, झूझावयो B, झूझाडयो C J, झूझडयो D, झूझाडिज्यो L. **मारी**–माटी B, मारि D, वकारी J, माटी L. **नइ**–निं B, नइं D, नि J. **प्राणइ**–प्राणिइ A, प्राणिं B, प्राणि C D J, प्रांणइ K. **पाडज्यो**–पाडयो B C D J.

११७ **मलिक**–मिल्क L. **इस्यूं**–इसूं A, असिउं C, इसिउं D, इसी J, इसुं K, इसु L. **हिंदूनइ**–हींदूनि B, हिंवूनइं D, हीदूनि J, हीदूनइ K, हीनइ L. **कहइ**–कहि B J, कही D. **बीजां**–बीजा B D L. **तडोवडि**–तरोवडि A, तडोवड L. **रहइ**–रहइं A, रहिइ B, वहि C J, रेहइ D, लहइ K. **अम्हे**–अम्हि A, अम्हो B, आम्हा K, अम्ह L. **साम्हा**–साम्हा A K, साहमा B C, सांह्मां D, साहामा J. **आवउं**–आवुं B C D, आवूं J, आवु K. **जेतला**–जेतलइ L. **तुम्हे**–तम्हे A, तुम्हो B, तुम्ह L. **राउत**–राउल L. **भिडज्यो** em–भिडिज्यो A, भडज्यो B, भेडु C D J, भिडउ K, भिडयो L. **तेतला**–तेतलइ L.

इणि परि वीस दीहाडा हूआ, दस सहस राउत रणि मूआ ।
वीस सहस मूंगल रणि रह्या, गढ नीपाता आघा गया ॥ ११८
वली पड्या बिमणा हबसी, वात चिहुं दिसि वाजी इसी ।
गढ ऊतरइ नितु नवनवइ, गयां कटक पाडूलइ सवइ ॥ ११९
इस्यूं सांभल्यूं कान्हडदेउ, दल रजपूत मराव्या बेउ ।
मालदेव नइ वीरमदेउ, व्यास पांहि तेडाव्या तेउ ॥ १२०
कटक तोरकां तिणइ समइ ग्यां उडवाइ वरस पांचमइ ।
इस्यूं कहइ कान्हडदे राइ, गढ ऊपरि जल थोडउं थाइ ॥ १२१
व्यास भणइ मंत्रनइ उपाय विहिली वृष्टि हुसइ गढ माहि ।
गढ ऊपरि गढरोहा समइ वूठा देव दिवस चउदमइ ॥ १२२

---

११८ **इणि**–इण A, एणी B C, एंणि D, ईणी J. **परि**–परि B. **वीस**–...B, वीसज J. J transp as दिहाडा वीसज **दीहाडा**–दिहाडा C D **हूआ**–गया A, हौया B, हूया D. **दस**–दसइ A. **सहस**–सहिस B K. **रणि**–रिणि A, रिण K L. **मूआ**–मूंया A B, मूया D. **सहस**–सहिस B K. **मूंगल**–मूगल A, मूंगला B, आगलि J, मुंगल K **रणि**–रिण A, रिणि K **रह्या**–रहीया A, रहिया B, नह्या L. **नीपाता**–नींपाता B. **आघा**–आघां J.

११९ **पड्या**–पडिया B, पाड्या C. **बिमणा**–बिमणां D,...K. **हबसी**–हबसीह A, हबसी सइ सात K, हाबसी L. **चिहुं**–चिहूं C **दिसि**–दसि C D, दिस L. **वाजी**–जांणी A, जाणी B, वागी C, जाणइ L. ii qr in K is · चिहु दिसि वाजी एहवी वात. **गढ**–गढि A D J. **ऊतरइ**–ऊतइ A, ऊपरि B, ऊतरि C J, उतरिइ D. **नितु**–नितू A, नित B C K **नवनवइ**–नवनवइं A, नवनविइ B, नवगवे C, नवनवि J, नवनवे L. **गयां**–गया C D K L. B transp as कटक गया. **पाडूलइ**–पडूलइ A, पाद्रलि B, पालू C, पालूय D, पाल्हइ J, पालनइ K. **सवइ** em–सवि A B L, सवे C, सिवइ D, शिवइ K.

१२० **इस्यूं**–इसूं A, इसिउं C, इशूं J, इसु K, इसिउ L. **सांभल्यूं**–सांभलिउं A, सांभल्युं K, सांभलीयो L. **कान्हडदेउ**–कांन्हडदेउ A, कान्हडदेव B, काहनडदेउ D, कांनडदेउ J, कान्हडदेय L. **दल**–दलि A, लेई B. **रजपूत**–रजपुत D, रजपूति L. **मराव्या**–मराव्या A, मरा C, मरासि D, मरावइ L. **बेउ**–सवे B L, वेउं C, बेऊ J. **मालदेव**–मालदेय C L, मालदे D. **नइ**–नि B C J. **वीरमदेउ**–वीरमदेव A K, वीरमदेय L. **व्यास**–व्यासह A, गढि व्यास J. **पांहि**–पाहि A, पांहइ K. **तेउ**–बेउ A B, बेऊ J, बेय L.

१२१ **तोरकां**–तुरकी B, तोरकी C, तूरकइ D, तुरकनां J, तुरकना L. **तिणइ**–तीणि B, तेणि C J, तेंणि D, तीणइ K. **समइ**–समिइ B, समि C J. **ग्यां**–ग्या B, गया C D L, गयां J, ग्यं K. **उडवाइ**–उंडवाडि B, उडवे C, उडवइ D, उडवि J, उलंचे K, उड L. **वरस**–वरिस A, वरसि K **पांचमइ**–पांचमिइ B D, पांचमि C J, पंचमइ K. **इस्यूं**–इसूं A, इसिउं C, असिउं D, इशूं J, इसु K, इसउ L. **कहइ**–कहि B कहिउं C D J, कह्युं K. **कान्हडदे**–कांन्हडदे A J, काहनडदे D. **राइ**–राउ A B, राय C D K. **थोडउं**–थोडु B, थोडं C, थोडउ D K, थोडुं J, थोडो L. **थाइ**–थाउ B, थाय D J L.

१२२ **भणइ**–भणि B C J, भणिइ L. **मंत्रनइ**–मंत्रने A B C D, मंत्रिनि J, मैत्रनउ L. **उपाय**–उपाइ D, ऊपाय L. **विहिली**–मेह B, वहिली C D J K, विहली L. **हुसइ** em–हुसइं A, होसि B J, होस्यइ C K, हसि D, हुसे L. **माहि**–मांहि A C D J, मांहिं B. iii qr in J is: गगनि थिकी वृष्टि ते नमि. **गढ ऊपरि**–गिरि ऊपरि B. **रोहा**–पाही C, थांहि D, रोहो L. **समइ**–समिइ B, समि C, हुसे L. **वूठा**–तूठी K, बूठा L. **देव**–मेघ B, देवि K, घण L. L transp as घण बूठा. **दिवस**–दिवसि A, दवसि D. **चउदमइ**–पंचमि B, चौदमि C, चऊदमइ D, पांचमि J, चवदमइ K, चौदमइ L.

॥ दूहा ॥

मंत्र महोषधि देवता अनुदिन पूरइ रिद्धि ।
पदमनाभ पंडित भणइ, पुण्य तणी परसिद्धि ॥ १२३

॥ चउपई ॥

जूनां धान हूई बलहीण, तिणि करी शयर थाइ षीण ।
इसी वात राउलजी भणी, बीजइ दिवसि महाजनि सुणी ॥ १२४
पहिलउं मंत्र सुपरठु करी, रायंगणि सवि ग्या संचरी ।
जई रालगुनि भेटणउं करिउं, मोती तणउ थाल लेई धरिउ ॥ १२५
विवहारीया राय वीनवइ, अम्हे आलहिणूं करिस्युं सवइ ।
करिज्यो वेढि म छंडउ माण, वरस साठि पूरिस्यउं धान ॥ १२६

---

१२३ **मंत्र**–मंत्रि A J **महोषधि**–महिप द्विज B, महोषध C K, माहोषध D, महूषध L **अनुदिन**–अनदिन A, अनुदिनि B, अनइदिन D, अनुदिवस L **पूरइ**–पूरि B C D J **रिद्धि**–ऋद्धि B C, रीधि D, सिद्धि J, रिधि K. **पदमनाभ**–पद्मनाभ A B, पदमनाभि K, पद्मनाभि L. **भणइ**–भणिइ B, भणि C. **पुण्य**–पुन्य C. **परसिद्धि**–परिसिद्धि A C L, सवि रिधि J, परसिधि K. K interpolates foll Prākrita vs after vs 123 · देवाण वर सिद्धाण दरसणं गुरनखंदसन्नाणं । इगई भूम दिव्व नट्ठउ पाइयइ पुन्यरेहाइ ॥

१२४ **चउपई**–चुपै B, चु० C, चऊपई D, चुपै J, चौपई L. **जूनां**–जूंनां A C, जूंना D J, जूना L. **धान**–धान A D K. **हूई**–हुइ B C, हूआ D, होइ J L, हुय K **बलहीण**–वलीहीण C, बलहीणी K. **तिणि**–तेणि B C, तिणइ K. **शयर**–सिर A D, देह B, सिरि K, हुइ L. **थाइ**–त्थाइ A, थाय D, अंग L. **षीण**–खीण B. **इसी**–असी D. **राउलजी**–राउल जव B, राऊल जे D **भणी**–भणइ D. **बीजइ**–बीजि B C J, बीजा D. **दिवसि**–दिविसि B, दिवस L **महाजनि**–महाजन C D K, माहाजन J, माजनइ L. **सुणी**–सुंणी C, सुणइ D.

१२५ D reverses i and ii qrs. **पहिलउं**–पडिउ B, पहिलु C J K, पहिलूं D. **मंत्र**–सवि D. **सुपरठु**–सपरठु B, सपराठो C, सहू मेलि D, राफरु J, सपरठो K, सुपरठउ L. **रायंगणि**–रायेगणि B, रायअगणि C K, राय २ अगणि D, रायंगण L. **सवि ग्या** om–ग्या सवि A, सवि गया B C D J, ग्या K, ते गया L. **संचरी**–सांचरी J. **जई**–जै A, जाई D. **रालगुनि**–रालुगुनि A, रालगु B C D, रालगुन K, राउलगुन L. **भेटणउं**–भेटणूं B J, भेटणुं C D K, भिटिउ L **करिउ**–करूं B, करुं C D, कीधूं J, कर्युं K, करिउ L. **मोती**–माची J **तणउ**–तणउं A, तणूं B J, तणुं C, भरिउं D, तणो K. **लेई**–ते D,...J, लेइ K, ढे L. **धरिउ**–धरिउं A B C, धरु D, मेल्हीऊं J, धर्यउ K.

१२६ **विवहारीया**–विवहारिया A, व्यवहारीया B, विविहारीया L. **राय**–सघला C,...D. **वीनवइ**–वींनवइं A, वीनविइ B, वीनवि C J. **अम्हे**–अम्हो D, अम्हि L **आलहिणूं**–आलहिणउं A, आलिहिणुं C, आल्हणुं D, जालवणि K, आलणुं L **करिस्युं**–करिशुं A, करिसूं B, करसिउं C, करेसिउं D, करशूं J, करिस्यां L. **सवइ**–सविइ A, सवे B D J L, सवि C **करिज्यो**–करयो B C D J K, करिजे L. **वेढि**–वेढ K. **म**–मं L. **छंडउ**–छंडु B D, छाडु C J, छंडिज्यो K L. **माण**–मांन B C D J, मांण K L **वरस**–वरसा A. **पूरिस्यउं**–पूरेस्यूं B, पूरेसुं C, पुरुसिउं D, अम्हे पूरुं J, पूरेस्या K, अम्हे पूंरा L. **धान**–धांन A C D J K.

रामसाह फडीउ इम भणइ, कण कोठार घणा अम्ह तणइ ।
मुग चोषा जव काठा गहूं, पूरूं बलहट आयस लहूं ॥ १२७
वीरम भणइ ऊधारउ जीउ, वरस त्रीस हूं पूरउं घीउ ।
मागूं सीष पसाउ अम्ह करउ, भुंजाईइ पूरूं बिमणउ वरउ ॥ १२८
जइतसीह दोसी इम भणइ, वस्त्र वषारि घणी अम्ह तणइ ।
लेवा तणी म करस्यउ माठि, कापड पूरउं वरसां साठि ॥ १२९
भोलउ साह भणइ लिउ तेल, असी वरस पूरउं दीवेल ।
बोल एतलउ छइ पाधरउ, वलतइ वारि नाहणउं करउ ॥ १३०
राय भणइ महाजनि परि कही, कोरउं अन्न जिमाइ नही ।
जमला साषि दीइ परधान, ईंधण विण नवि पाचइ धान ॥ १३१

---

१२७ **रामसाह**–रामसाह C, रांमसीह D J, रामुसाह L. **फडीउ**–फडियउ K, फडियो L. **इम**–इंम D, अह्म J. **भणइ**–भणिइ B, भणि C, तणि J. **कण**–वस्त K **कोठार**–वषारि K **घणा**–घणां B, अछि J, घणी K. **अम्ह**–आम्ह K, अम्हि L **तणइ**–तणिइ B, तणि C J. **मुग**–मग B D J, मुष K. **जव**–नि C J, नइ D K. **गहूं**–गहूं B, गहुं C D K, गहू L. **पूरूं**–पूरउ A, पूरुं B C J K, षरू L. **बलहट**–वरुजु B, **बल्हट** D K L, वलहंट J. **आयस**–आइस A. **लहूं**–लहुं C D K

१२८ **वीरम**–वीरमसाह A, वीरु C. **भणइ**–भणि B J, भणिउ C. **ऊधारउ**–ऊधारि A, उधारु B C D, अवधारु J, अवधारउ L. **जीउ**–जी B, जीअ C, जीयु J, राइ L **त्रीस**–तीस L **हूं**–...A K, **हुं** C L. **पूरउं**–पूरवउं A, पूरुं B C D J, पहुचाडुं K **घीउ**–घी B, घीय C L. **मागूं**–मागुं C D, मांगउ K, मांगुं L. **सीष**–सींष C. **पसाउ**–पसायां A, पमा B, पसाय C D J From vs 128 iii qr L MS stops, its folio 32 (vss 128 b-159 a) having been lost **अम्ह**–. A. **करउ**–करु B J, करो C, करुं D. **भुंजाईइ**–करउ भूंजाई A, भुंजाई C K, भुजाईई D, भूंजाईइ J. **पूरूं**–पूरउं A, हुइ C, **कीजि** J, द्यउ K. **बिमणउ**–. .A B, बिमणो C, बिमणउं D, बिमणु J, बिवणउ K. **वरउ**–वरु B C J, वावरु D.

१२९ **जइतसीह**–जितसी B, जयवतसीह C, जयसीह J. **इम**–ईम J. **भणइ**–भणिइ B, भणि C J. **वस्त्र**–वस्तु D, वस्त J K. **वषारि**–व्यापार C, वषारि D **घणी**–घणा C, अछि J. **अम्ह तणइ**–आपणि B J, **अम्ह** तणि C. **लेवा**–लोक B. **करस्यउ**–करस्यु B, करसु C, करसिउ D, करिसिउ J, करिस्यउ K. **माठि**–भठ K. **कापड**–कापडु D. **पूरउं**–हूं पूरूं B, पूरुं C J, पुंडं D, पहुचवउ K. **वरसां**–वरस B, वरसह C, **वरस जी** D, वरसज J. **साठि**–साठ D.

१३० **भोलउ**–भोलु B C, भेलु D, भोला J, मोल्हउ K. **भणइ**- भणि B C D J. **लिउ**–ल्यु C, ल्यउ K. **असी**–इसी J. **पूरउं**–पूरुं B C D J K. **एतलउ**–अछइ A, एतलु B C J, एतलुं D. **छइ**–एव वलि A, छि B C J. **पाधरउ**–पाधरु B D J, पाधरुं C. **वलतइ**–वलति B, वल्ते C D J K. **वारि**–वारिं B, वारे C D J. **नाहणउं**–नाहाणूं B, नाहणुं C, नाहण D, नाहणूं J, नाहणउ K. **करउ**-करु B C J, करुं D K.

१३१ **भणइ**–भणि B C D J. **महाजनि**–महाजन B C D K, माहाजन J. **कही**–कहि D. **कोरउं**–कोरूं B, कोरुं C D K. **अन्न**–धान A, धांन D, अन K. **जिमाइ**–जीमाइ A, जमाइ C, जमाय D, जिमाइं K. **नही**–नहीं B. **जमला**–जमली B K. **साषि**–साषी D. **दीइ**–दियइ K. **परधान**–प्रधान C, परधांन D J K. **ईंधण**–ईंधण C D, इधण K. **विण**–पाषि J, विना K. **नवि**–न J. **पाचइ**–पाचि B C J. **धान**–धांन A J K.

मोल्हणसाह कहइ परि करी, वात एतली छइ पाधरी ।
सूकडि अगर अम्हारइ घणां, वरस त्रीस पूरउं ईंधणां ॥ १३२

राय भणइ ए साचउं सही, पाषइ घोल न सकीइ रही ।
सूदउसाह कहइ परि करी, छासि पहिलउं आउरी भरी ॥ १३३

वाहणि चडतां लीजइ साथि, जोउ पारखुं आपणइ हाथि ।
मीमुसाह इणी परि भणइ, देउल मन भांजउ आपणइ ॥ १३४

वरस अढार लगइ त्रापडा, गुल ढीकलीइ पूरूं गडा ।
तेहु पारिखुं जोउ राय, गुलनु गोलउ बिमणउ जाइ ॥ १३५

वाजइ ते नवि पाछउ जाइ, जीवंतउ गुल रोटी षाइ ।
एहवी वात मलिक सांभली, ढीली नफर चलाव्यउ वली ॥ १३६

---

१३२ **मोल्हणसाह**-गोल्हणसाह A, गोल्हणसा B. **कहइ**-कहि B C J **परि करी**-परि कही A, ए परी B. **एतली**-एह पणि J. **छइ**-छि B C. **सूकडि**-सूकिडि J. **अगर**-दल J **अम्हारइ**-अम्हारइ A, अम्हारि B C J, अम्हरइ K. **घणां**-घणा C K **वरस**-वरसा A. **त्रीस**-साठि C D J **पूरउं**-पूरुं B C J, प्ररु D, पूरइ K. **ईंधणां**-इधणां A D, इंधणां C, इधणा K.

१३३ **भणइ**-भणि B C J, भणे D. **ए**-इ D. **साचउं**-साचूं B J, साचुं C D K. **पाषइ**-पाषि B C J. **घोल**-बोल B. J transp as घोल पाषि **सकीइ**-सकइ A, सकि B K. **रही**-कही B, मइ रही K. **सूदउ**-सूह B, सूदो C, सूवु D, सूढु J **कहइ**-कहि B C D J **करी**-षरी K **छासि**-छास D **पहिलउं**-पुलो B, पहिलू C, पिहिलु D, पहिलूं J, पहुचावुं K. **आउरी**-आउली B, आउंरी D, आसुरी J, सघली K **भरी**-भरीउ J, पुरी K.

१३४ **वाहणि**-वाहण B C D J, वांहणि K **चडतां**-चढता B C **लीजइ**-लीजि B C J, लीजइं D, लीज्यइ K. **जोउ**-जूउ B, जोउं D K, जोऊ J. **पारखुं**-पारष B D J, पारिषु C **आपणइ**-आपणि B J. **मीमुसाह**-मीमोसाह C, भाणुसाह J, भीमउसाह K. **इणी**-इण A, एणी B, इंणी C, ईणि D, ईणी J. **भणइ**-भणिइ B, भणि C J. **मन**-मम C D. **भांजउ**-भाजु B C, भाजु D J, भाजइ K **आपणइ**-आंपणइ A, आपणि B J, अह्म तणि C.

१३५ **अढार**-अग्यार C. **लगइ**-लगि B C J, लगइं K. **त्रापडा**-त्रापडा A C D J. **गुल**-गोलइ K. **ढीकलीइ**-ढींकलीइं B C, ढीकलीइं J, ढींकुलियइं K **पूरूं**-पूरउ A, पूरुं C D K, पूरु J. **गडा**-गडां A D. **तेहु**-तेहूं B, तेह C K, तेहू D J **पारिखुं**-पारखुं A, पारषूं B J, पारिषूं D. **जोउ**-जोऊ J, जोयुं K. **गोलउ**-गोलु B C D J, लगोलुं K. **बिमणउ**-बिवणउं A, बिमणु B C D J **जाइ**-जाय D J.

१३६ **वाजइ**-वाजि B C J. **पाछउ**-पाछु B C D. **जाइ**-जाइं C, जाय J, थाइ K. **जीवंतउ**-जीवितु B, जीवंतु C J, जीवतुं D, जीवतउ K **रोटी**-रोटउ J. **षाइ**-षाइं C, षांइ K. **एहवी**-एही A, एहवि D, इसी K. **मलिक**-मलिके C, मलकि D, मलिकि J. **ढीली**-ढीली C, ढिली K. **चलाव्यउ**-चलाविउ B, चलाव्यु C D, चाल्या J, चलाव्य K.

गढ ऊपरि एहवुं परमाण, सकल सरूप सुणइ सुरताण ।
पातिसाह मुषि बोलइ इस्यूं, बिमणउ वरउ अम्हे पूरिस्यूं ॥ १३७

दिवस केतला रहिज्यो मांडि, भांजी मन आवेस्यु छांडि ।
असी सहस तुरक आवव्या, त्रीस सहस हींदू दलि घव्या ॥ १३८

सोमचंद राय पूछयउ व्यास, बार वरस नइ हूआ छ मास ।
वेढि करंतां वरस सउ जाइ, पणि गढि तुरके कांइ न थाइ ॥१३९

जउ भांजी छांडेस्यइ ठाम, किम आपणउं रहेसि नाम ॥ १४०

॥ दूहा ॥

पदमनाभ पंडित भणइ, जउ जस संपति होइ ।
अंग तणउ आदर किसउ, वीर न वंछइ सोइ ॥ १४१

---

१३७ **एहवुं**-एहवउं A, एहवूं J, एहतु K. **परमाण**-फरमाण C, परमाण D, फरमांण J, फुरमांण K. **सरूप**-स्वरूप B J. **सुणइ**-सुणउं A, मुणि B C, सुणिउं J. **सुरताण**-सुरताणि A J, सुरतांण D K. **पातिसाह**-पातसाह A B, पातशाह J. **मुषि**-मुखि B C, मुष K. **बोलइ**-बोलिइ B, बोलि J. **इस्यूं**-इसूं A, इसुं C K, इशूं J. **बिमणउ**-बिवणउ A, बिमणु B C J, बिमणुं D. **वरउ**-वरु B C D J. **पूरिस्यूं** em-पूरसिउं A, पूरस्यूं B, पूरसुं C, पूरस्युं D, पूरिसुं K

१३८ **केतला**-केटला B, केता J. **रहिज्यो**-रहियो B C J, रहज्यो K. **मांडि**-मंडि B D J, ठामि K. **भांजी**-भाजी C, भाजि J. **मन**-मम A, नवि C J, मत K. **आवेस्यु**-आवज्यो A, आवसिउ B, आवेवुं C, आस्यु J, आवेसुं K **छांडि**-छंडि B J, छाडि K **असी**-इसी J **सहस**-सहिस K. **आवव्या**-आवव्या B. **त्रीस**-वीस A. **सहस**-सहिस B K After सहस A interpolates: राउत रिण पडीया. **हींदू**-हीदू A, मांहि हींदू B, हिंदू C. **दलि**-.. B, दल J K. **घव्या**-टव्या A, घटिया B, पव्या C.

१३९ **सोमचंद**-सोमचंड B, सोमचंद्र C D J, सोमचंडि K. **राय**-राउ A, मांहि B, राइ C. **पूछयउ**-पूछउ A, पूछि B J, पूछिउ C, पूछ्ड D **व्यास**-वास D. **नइ**-नि B, C D J. **हूआ**-हूया A B. **छ मास**-छम्मास C J. **वेढि**-वेढी A **करंतां**-करंता A, करतां K. **वरस**-वरंसा B. **सउ**-. B, सइं C, सु D, इम J, सइ K **जाइ**-जाइं C, जाय D J. **पणि**-इणि C. **गढि**-गढे D, गढ K. **कांइ**-कांई B C D J. **न**-नवि J. **थाइ**-थाई C D, थाय J.

१४० **जउ**-जु B C D J. **भांजी**-भाजी B C D. **छांडेस्यइ**-छांडेस्यु A, छंडसि B, छांडेसु C, छांडेसि D, छांडेसिउं J. **ठाम**-ठांम A D J, ठामि K. **किम**-तु किम C D, तु J. **आपणउं**-आंपणउं A, आपणूं B J, आपणुं C D, आपणउ K. **रहेसि**-त रहसि A, रहिसि C, किम रहिसि J, रहेसी K. **नाम**-नांम D J K. C transp as तु किम रहिसि आपणुं नाम.

१४१ **दूहा**-दुहा· D. **पदमनाभ**-पद्मनाभ A B, पदमनाभि K. **भणइ**-भणिइ B, भणि J. **जउ**-जु B D J, जगि K. **जस**-घरि B, जय D J, जउ K. **संपति**-संपत D. **अंग**-अंग B. **तणउ**-तणु B C D J. **किसउ**-किसिउ B, कसिउ C, किस्यु D, किशु J. **वंछइ**-छंडइ A, वंछि B C J. **सोइ**-सोय C J,

॥ चउपई ॥

व्यास बोलीया वचन विचारि, माल वीर गढथा ऊतारि ।
वली कटक ऊतारइ घणउं, जिम मुष दीसइ तुरकां तणउं ॥ १४२
राउलि बिहुं सीषामण कही, वीरमदे गढ छंडइ नही ।
त्रीस सहस सरिसा असवार, बिमणा पाला झूझणहार ॥ १४३
राउल कान्हइ आइस दियउ, गढ अंबेरि मालदे गयउ ।
राउल कान्ह तणइ आदेसि, पाडइ सोर तोरकइ देसि ॥ १४४
पातसाहि कासीद मोकल्यउ, मालदे वीर साहु एकलउ ।
कमालदीन कहिउं सांभले, विण लीधा मत पाछउ वले ॥ १४५
मलिकइ तिसइ पीयाणां दीयां, चिहुं मासे सुंदरला गयां ।
राउल भणइ माल ग्यउ परइ, तउ हजी तुरक तलहटी फिरइ ॥ १४६

---

१४२ चउपई–चु० C, चुपई D, चुपै J, चपई K i qr m K is. बोलि व्यास आवली सुविचार. बोलीया–बोलीउ A B, बोलीआ C, बोल्या हवि J. विचारि–विचार B माल वीर–माल्वी D, वीर माल J. गढथा–गढथी A, गढिथा J. ऊतारइ em–ऊतारेइ ति A, ऊतारि B J K, ऊतारे C, उतारइ D, ऊतारो L. घणउं–घणूं B D J, घणुं C, घणउ K जिम–तु B C D J, तउ K मुष–मुख B, मूष D. दीसइ–दीसि B C J, दीसई D. तुरकां–तुरकह B D J. तणउं–तणूं B D J, तणुं C, तणउ K.

१४३ राउलि–राउल C D, राउल भणि J. बिहुं–सहू B, बहू C D. सीषामण–सीषामण A C, सीषामणि K. कही–होइ J. छंडइ–छंडि B, छाडिउ C, छाडेइ D, छांडि J. त्रीस–पंचवीस D J सहस–सहिस B K. सरिसा–सिरसा B,...C D J. बिमणा–विवणा A, बिमणा D, वीमणा K झूझणहार–नइ झूझार A, झूंझणहार D.

१४४ B reads as i qr. हुइ विदाइ पीयाणूं दीउं राउल–राउलि A कान्हइ–कान्हि A, काहइ C, कान्हि D, काहानि J. आइस–आयस C D J. दियउ–दीउं A, दीयु C, दिउ D, दीउ J. अंबेरि–आंबेर C, अंबेर J K. गयउ–गयु B C D J. कान्ह–कान्ह A C, काहान J. तणइ–तणि B C J. आदेसि–आदेस B K, आदेशि C, आदेश J. पाडइ–पडि B, पाडि C J. तोरकइ–तरकनि B, तुरकानि C, तुरकनि D J, तुरकानइ K. देसि–देशि C, देश J, देस K.

१४५ पातसाहि–पातसाह C, पातसाहइं D, पातशाह J, पातिसाह K कासीद–कागल B, कासद C, कोसित D, काशद J. मोकल्यउ–मोकलिउ A B C J. मालदे वीर–माल निवारि A, मालनि वीर B, मालदे देश C, मालदे देस D, मालव देव J, मालदेव नइ वीर K साहु em–सहू A, साहिउ B, मांहि C, मारइ D, मारि J, छइ K. एकलउ–एकलु B C D J. कहिउं–कहि C, कह्युं D, कह्यउ K सांभले–सांभलि B J, साभली C, संभले K. विण–वण C, गढ D. लीधा–सीधा A, लीधो C, लीधां J K. मत–मम A, विण B D J, ते C. पाछउ–पाछु B J, पाछे C, पाछुं D, पाछै K. वले–वलि B J, वली C.

१४६ मलिकइ–मलिके A B, मलिक C J, मलकि D. तिसइ–तिसि B, नइ C, तसइं D, तसि J. पीयाणां–पीयाणूं B, पीयाणा C, पीयाणा D, पियाणा K. दीयां–दीउं B, दीआ C, कीया J, दिया K. चिहुं–बिहूं C, चुह D, चिहु K. मासे–मासि D. सुंदरला–सूंदरला A, सदलि B, सुंदला C, सुंदरल D. गयां–गयु B, गया C K. भणइ–भणिइ B, भणइं D, भणि J. माल–मला K. ग्यउ–गिउ B K, गयु C J, ग्युं D. परइ–रई A, परिइ B, परि C J, परइं K. तउ हजी em–तहिज A, तुहज B, तुहि C J, तुहजी D, तउ हजि K. तलहटी–तलहटीइं B J, तलहटि D. फिरइ–फिरइं A, फिरिइ B, फिरि C J, फीरइ K.

उलंभा नवि राउत सहइ, नितु नितु यंत्र मगरवी वहइ ।
गोला वहि नालिध्या वली, आठ पुहर वाहइ ढीकुली ॥ १४७

राउल आवी रहइ करहडी, फेरी वीटि तुरकि दडवडी ।
मलिके तां मनि हठ आदरिउ, जमलउ दुरग तलहटी करिउ ॥ १४८

हेठउ कोई न ऊतरी सकइ, न को ऊपहरुं चडिवा लहइ ।
जेठ मासि जउ जल षूटिसइ, लोक भणइ जीवीसइ किसइ ॥१४९

लाधउं सुपन राय तिणि कालि, एहवुं वचन कहिउं जावालि ।
आगइ देव तणउं वरदान, गढि नवि षूटइ पाणी धान ॥ १५०

एहवुं वचन कहिउं गंभीर, पछइ ऊपहरां आव्यां नीर ॥ १५१

---

१४७ उलंभा–उलिंभा D. राउत–राउल C J. सहइ–सहि A B C J. नितु नितु–नित २ A K, नतु २ B, नितु २ C D J. यंत्र–जंत्र K. मगरवी–मगरवै A C, मगरवे D. वहइ–वहि B C J. गोला–गोहला D, गोल K. वहि–यंत्र C, वहइ K. नालिध्या–नालिथा B C. पुहर–पुहुर B J, पहुर K. वाहइ–वांहि A, वहि B, वाहि C J, वाइ D. ढीकुली–ढींकु. A, ढींकली B C D, ढीकली J.

१४८ आवी–आविउ C, आवइ D, आवि K. रहइ–रहि B C J, रही D. करहडी–करहडि D, करहट्टी K. फेरी–फेरिउ B, फेरि D, फीरी K. वीटि–वींटि A, वेटि B, वेढि C, विटी D. तुरकि–तुरके B C, तुरक J K. मलिके–मलिक D, मलके J. तां–नी C, तु J. आदरिउ–आदर्यू D, आदर्यउ K. जमलउ–जमलु B C D J. दुरग–दुर्ग B J K, दुर्ग C, गढ D. तलहटी–असंभम A, तल्हटीइं B, तलहट्टी K. करिउ–कर्यू D, कर्यउ K.

१४९ हेठउ–हिचउ A, हेठि C D, हेठो J कोई–को A J, कोइ D. न–नवि A. K transp as न कोई. ऊतरी–ऊतरि K. A transp as ऊतरी को नवि सकइ. सकइ–रहि C J, रहइ D. i qr in B is: कटक मांहि आव्या नवि लहि न–नवि J. ऊपहरुं–हेठु ऊपरि B, उफरु C, ऊपरि D J, उपरि K. चडिवा–चडवा B D K, चढवा C J. लहइ–लहि B C J. B transp as: हेठु ऊपरि न को चडवा लहि. जेठ–जेठि D. जउ जल–जल जउ A, जु जल B C D J. षूटिसइ em–षूटसइ A, शोषसि B, षूटसि C J, षुटसिइ D, षूटिसइं K. भणइ–भणि B C J, भणिइ D. जीवीसइ–जीवीसि B J, जीवीसुं C, जीवीसिं D, जीवस्यां K. किसइ–किमइ A, किसिइ B, कसि C, किसइं D, किसि J.

१५० लाधउं–लाधूं B D J, लाधुं C K. सुपन–सपन्त A, स्वप्न B, सपन C D, स्वपन J. राय–...A, राइ B. C tranp as राय सपन. तिणि–तत B, तणीइ D, तणि J. एहवुं–एहवउं A, एहवूं J. कहिउं–कहि B J, कह्युं D K. आगइ–आगि B C J. तणउं–तणूं B J, तणुं C D, तणउ K. वरदान–वरदांन A D J K. गढि नवि–नवि गढि B, गढें नवि D, गढ नवि K. षूटइ–षूटइं A, षूटि B J. पाणी–पांणी A D K, आगि B. धान–धांन A C D J K.

१५१ एहवुं–एहवउं A, एहवूं J, एहु K. कहिउं–कह्यूं D, कह्युं K. गंभीर–गंभिर D, गंभीरि J. पछइ–पछि B C D J, पाछइ K. ऊपहरां–ऊफरां C D J K. After vs 151 C interpolates the following line: पद्मनाभ पंडित इम कहइ पुण्यपसाइ सवि सिद्धि लहइ ।

॥ पवाडु ॥

तेडावीउ कान्ह ऊलीचउ, राउल सीष कहावइ ।
वेगि करी भोलाइनी वाडी लेई कटक चलावइ ॥ १५२

दस सहस साहण मोकलीया, ऊदलपुरनइ पासइ ।
निजामदीन मलिक जई रूंधउ, रषे अवर को नासइ ॥ १५३

कलस थिका कान्ह ऊलीचइ कटकि मोकल्या हेरी ।
षरे बिपुहुरे जई दलि विलगा, तेजी वाल्या फेरी ॥ १५४

चउपट धाइ भिडइ चडीयाता, हींदू तुरक अपार ।
पायक पडइ लडथडइ मूंगल, ततषिण कीधा मार ॥ १५५

तुरक तणां भांजी दल प्राणइ नडी नाद ऊताख्यउ ।
निजामदीन मलिक बलिवंतउ, ते हींदूए मारिउ ॥ १५६

---

१५२ **पवाडु**–ढाल A B, पवाडु. D, पवाडा ढाल K. **तेडावीउ**–बोलावी A B, तेडावु C, तेडावइ K. **कान्ह**–कांन्ह A, कान्हडदे C, काहान J, राउल कान्हडदे K **ऊलीचउ** em–तिहा राउलि A, डुलावि B, लिंवु C, ऊलेचु D, उलीतु J, राउल K. **राउल**–इसी A K, राउलि B. **कहावइ**–कहावि B C J. **वेगि**–वेगिं J. **करी**–...B, करि D. **भोलाइनी**–भोलाईनी B J, भोलानी C. in qr in A is: वेगि जई विलगउ तुरकांणइ; in K is: वेगि जाइ विलगउ तुरकाणइ. **चलावइ**–चलावइं A, चलावि B C J, चलावु D.

१५३ **सहस**–सहिम K. **साहण**–असवार A, माहण K. **मोकलीया**–मोकलीया B D, मोकलीआ C, मोकलीआं J, मोकलिआ K. **ऊदलपुर**–उदलपुर J, ऊदिलपुर K. **नइ**–नि B C J, नइं D, जइ K. **पासइ**–पासि B C J. **निजामदीन**–निजामदीन C J **मलिक**– A. **जई**–जे B, इहा C, इंहा D, ईहां J, जाइ K. **रूंधउ**–रूंधिउ B, रहिउं C, रुंधू D, रूंघ्यु J, रूधउ K **अवर को**–कोई A. **नासइ**–नासिइ B, नासि C J.

१५४ **थिका**–थका A, थकी B, थि J, थका K. **कान्ह**–कान्हं A B, काहन C, कान्हिइ D, कांहांन J, कान्हदे K. **ऊलीचइ**–ऊलींचि B, ऊचीचि C, ऊल्हीचइ D, उलीचि J, नीचइ K. **कटकि**–कटक A B C. **मोकल्या**–मोकल्यां B C. **हेरी**–हेरू K. **बिपुहुरे**–बिपुहरे A K, बिपुहुरि B, बिहुं पुहरे C, बिपोहरे D. **दलि**–नि B, मादल D, दल K. **विलगा**–विलगा B, लागा C, लागी D, वलगा J. **वाल्या**–पाला B, वाल्यां J.

१५५ **चउपट**–चुपट B C D, चुपटि J, चउपटि K **धाइ**–घाय C, घाउ D, घांई J. **भिडइ**–भडि B J, भड्या C D, विढ्या K. **चडीयाता**–चढीआता C, चडीआता J, चडियाता K. **हींदू**–हिंदु C, हीदु D, हीदू J. **पडइ**–पडि B C J. **लडथडइ**–लडथडि B C, लडथड J, लडषडइ K. **मूंगल**–मुंगल D K. **ततषिण**–ततक्षिण A, ततषिणि B J. **कीधा**–कीधा C D, लीधां J, माझी K. **मार**–मारि A B.

१५६ **तणां**–तणा C K. **भांजी**–भाजी B C. D K transp as दल भांजी. **प्राणइ** em–प्रांणइ A, प्राणिं B, प्रांणि C J, प्रांणी D **नडी**–नरींदीं A, नांगिं B. **ऊताख्यउ**–ऊताख्यउं A, ऊतारिउ B C J, ऊताख्या D, ऊताखाउ K. **निजामदीन**–निजांमदीन D J K. **बलिवंतउ**–बलवंतउ A, बलवंतु B C D J. **हींदूए**–हीदूए A J, हिंदूए C. **मारिउ**–मारिउ A B C J, मार्यु D.

हरम धरी हठि घोडां लीधां, वेगि चडाव्या डूंगरि ।
लूणकरण माल्हण ग्यउ साम्हउ, मिलीया ऊदलपुरि ॥ १५७
वधामणीउ पहिलु चालिउ, तीरथ मांहि दल ल्यावइ ।
सोभित बर्जे कुंड जावालि, बारीई थई आवइ ॥ १५८
रामपोलि जई राउ जुहारिउ, अधिक पसाउ जि लाधउ ।
रामचंद्र हणूआनी परि राइ रिणवटि बाधउ ॥ १५९
वात एतली कटकि सांभली, सवि साचां अहिनाण ।
वेगि प्रधान मोकल्या ढीली, संभाले सुरताण ॥ १६०
करी पराण बिपुहरी वारइ, हीदू आव्या चांपी ।
निजामदीन मलिक रिण मारिउ, हरम भीलनइ आपी ॥ १६१

---

१५७ धरी–धस्था C. **हठि**–हवि K. **घोडां**–घोडा B C **लीधां**–लीधा B C **वेगि**–वेगिं B. **चडाव्या**–चडीया A, चडियां B, चडाव्यउ K. **डूंगरि**–गढ ऊपरि A, मंगुरि B, डुंगरि C, डूंगर J, डूगिरि K. ii qr in J is: वेगि डूंगर चडाव्या **लूणकरण**–लूंणकर्ण D, लूणकर्ण J. **माल्हण**–साहलण C. **ग्यउ**–गिउ B, गयु C J, ग्यु D. **साम्हउ** em–सांम्हउं A, साहामु B D, साह्मु C, सांहमु J, साम्हउ K. **मिलीया**–मिलीआ C, मिलिया K **ऊदलपुरि**–दल ऊपरि A, ऊदिलपुरि K. iv qr in J is. जई अषितहि वधाव्या.

१५८ वधामणीउ–वद्धामणीउ B C, वधामणीउ D, वधांमणीउ J, वधामणीयउ K. **पहिलु**–पहिउ A, पहिल्युं D, पाछउ K **चालिउ**–चाल्यु C, चाल्युं D, वाल्यउ K. **तीरथ**–तीथ B, तिर्थ D, तीर्थ J K. **मांहि**–माहि A D K **ल्यावइ**–ल्यावि B C J, ल्यावाइ K. **सोभित**–शाभित A, शोभित J K. **बर्जे**–बुर्ज A, वर्ज्ज C, वर्ज J, बज्र K. **कुंड**–कुंजर C D, कुंजरह J. **जावालि**–जावालिं B, चालि C, वालइं D, चाल्यु J. **बारीई**–बारी B, वाहरीइं C, बारीइ D, बारीइं J, बारीयइं K. **थई**–थई नि B. **आवइ**–आवि B C J.

१५९ रामपोलि–रांमपोलि D J, रामपउलि K **जई**–थई B, जाई J. **राउ**–राय B, राउल C D J, रावल K. **जुहारिउ**–जुहारिउं D, रहीउ J, जुहास्थउ K. **पसाउ**–पसा A B. **जि**–इम A B K, ज J. **लाधउ**–लाधु B C D J. L MS commences again from vs 159 b. **रामचंद्र**–रामचंद C, रांमचंद्र D, रामचंद्रि K. **हणूआनी**–हनूयानी B, हणुआनी C, हणूयानी J, हणूवानी K, हणूआ तणी L. **परि**–परिं B, पइरिं C, परइं D, परिइ L. **राइ**–राइ B, राइं C J K, राय D L. **रिणवटि**–रणिवटि B, रणवटि C, रणवट D J, रिणवट K L. **बाधउ**–बांध्यु B, बांधिउ C, बाधु D J, बांध्यउ K, वाधिउ L.

१६० एतली–एटली B, एकली J. **कटकि**–कटिक B, कटक L. **साचां**–साची A B, साचा L. **अहिनाण**–अहिनांण A D J K, अहिनाणि B, इहनांण C. iii qr in C is · डिल्ली भणी वेगि मोकल्या. **वेगि**–वेग K. **प्रधान**–प्रधांन A J K, जण D. **ढीली**–ढेरी B, ढील J. **संभाले**–सभालिउं A, सांभलिया B, सांभले K, संभाल्या L. **सुरताण**–सुरतांण C D K, सरतांण J, शुरिताण L.

१६१ करी–कीरी L. **पराण**–पराण A C D J, पराणि L. **बिपुहरी**–बिपुहुरी B, बिहुं पुहरे C, बिपुहरे D K, बिपुहुरे J. **वारइ**–वेलां B, वाहरिं C, वाहारइ D, आव्या J, वाहरइ K, वारिइ L **हीदू**–हींदू B, हिंदू C, हींदु D. **निजामदीन**–नजामदीन A, निजांमदीन D J. **मलिक**–मिलकि L. **रिण**–...B, रणि C D J. **मारिउ**–मार्यु C D, मार्याउ K, मार्योउ L. **भील**–भीम A, लीधूं B, भूमी L. **नइ**–न B, नि C J, नइं D, नवि L. **आपी**–आवी L.

सहस त्रिणि तेजी ऊदाल्या, रिणवटि सूंब्या साथी ।
मारी म्लेछ सवे थल कीधउ, लीया रिणंगणि हाथी ॥ १६२
कमालदीन मलिक सीषामण, मोकलीउं फुरमाण ।
साथि वली सिलह दिवराव्या, तरकस तीर कमाण ॥ १६३
षानज्यांह साथि मोकलीउ निजामदीननइ वाहरि ।
पातिसाह बाहादरपुरि आव्यउ मालदेवनी वाहरइ ॥ १६४

॥ राग धवल धन्यासी ॥

बहादरपुर अंबेर कि, अंतरि चउक आलेषीउ ए ।
चउपटि परठीया पाउ कि, कुण हारइ कुण जीपसइ ए ॥ १६५
एक सोनिगिरउ राउ कि, बीजउ ढीलीनउ पातसाह ए ।
कान्हडदेनउ वीर कि, मालदेव सुरताणस्यूं जूए रमइ ए ॥ १६६

---

१६२ सहस त्रिणि–पाच सहिस B, सहस त्रणि J, सहिस बि K, सहश्र त्रिर्णं L ऊदाल्या–ऊदालिया B, उदाल्या L. रिणवटि–रणवटि B C D J, रिणवट L सूंब्या–सूब्या B L, सुंब्या C D J, स्युंब्या K. साथी–साथि A. म्लेछ–मेछ B, मलेछ J, मिलक L. सवे–सवि C, सहू L. कीधउ–कीधु B, कीधा C D J. लीया–लीयां D, लिया K, लीधा L रिणंगणि–रणंगणि B C, रणेंगणें D, समरंगणि J, रिणंगण K, रीणगण L. हाथी–साथी D.

१६३ मलिक–मिलक L. सीषामण–सींषांमण A, सीषांमण J, सीषामणि K, सीषाण L. मोकलीउं–मोकलीउ B, मोकलीयुं D, मोकलीऊं J, मोकलियोउ K, मोकलियो L. फुरमाण–फुरमांण A C, फरमांण D, फरमाण J, साथइ K. सिलह–सलह B J, सल्हि C D. दिवराव्या em–दिवडाव्या A, देवराबी B C, देवराव्यां D K, देवराव्यां J, कराव्या L. तरकस–तरगस L. कमाण–कमांण A C D K.

१६४ षानज्यांह–षानज्यांह A, षांनजिहां B, षांनग्यांह C, षांनज्याहां D, षानयहां J, षानजिहाज K, षानजाहा L. साथि–साथिं B D, साथइ K, ते साथि L. मोकलीउ–मोकलिउ D, मोकलियउ K, मोकल्यउ L. निजामदीन–निजांमदीन C J K. नइ–नी B C K L, नि D J. वाहरि–गमि A, वाहारिं B, वाहारइं D, वाहारि J, वाहरइं K, थाहर L. B interpolates after ii qr : निजामदीन मलिकनी वाहारिं. पातिसाह –पातसाह A C D, पातशाह B J, पातिसाहि L. बाहादरपुरि em–बहादरपुरि A, बाहादुरिपुरि B, बादरपुरि C, बाहदरपुरि D, बाहादरिपुरि J, बहादरपुर K, बाहादरपुर L. आव्यउ–आविउ B C, आव्यु D J. मालदेवनी –ऊमादेनी A, रामदेवनी L. वाहरइ–वाहारिं B, बाहरि C, वाहारइं D, माहरि J, थाहर L.

१६५ C omits the song, i. e. vss 165–168. धवल–. K. धन्यासी–धंन्यासी J, धन्यासी ॥ छ ॥ K. बहादरपुर–बहादरपुरु A, बाहादुरपुर B. अंतरि–अतर D J. चउक–चुक B J, चूक D, चउकि L. आलेषीउ ए–आलेषीउं ए B, आलेषीइं ए D, अलेषीउ ए K, आलेषीयो ए L. चउपटि–चुपटि A, चुवटि B D J, चउवटि L. परठीया–परठ्यां B, परठव्या D K, परठ्या J, परिष्या L. पाउ–पाव L. कुण–कुंण D. हारइ–हारि J. कुण–कुंणी D. जीपसइ–जीपसि J, जीपस्यइ K. iv qr in B is कुण बिहुं माहिं जीपसि रे; in L is कुण जीपासिइं बिहुं जणाए.

१६६ एक–इक L. सोनिगिरउ–सोनगिरु B D J, सोनिगरउ K, सोनगिरां L. राउ–राय B L. B omits vs 166 ii qr–vs 168 बीजउ–बीजु D J, बीजो L नउ–नु D J. पातसाह–पातशाह J, राउ K, पातिसाह L. ए–...A, कि D K. कान्हडदे–कान्हडदे A J K. नउ–नु D J. वीर–विर D. कि–की D. मालदेव–मालदे D K L. सुरताणस्यूं em–सुरताणसूं A, सूरतांणस्यूं D, सुरतांनशूं J, सुरतांणस्युं K, सुरिताणशुं L. जूए–जू A D, जूवइ L. रमइ–रमि J, रमिउ L.

सोगठडां केकाण कि, गयवर पासा ढालीयइ ए।
षांडडे दीजइ दाउ कि, झडप दीइ रिण मालदे ए॥　　१६७
एक सोनिगिरउ गढवाउ कि, जूआरीपणूं मांडीउ ए।
कइ जीपइ सुरताण कि, कइ गढ जीपइ मालदे ए॥　　१६८

॥ पवाडु ॥

षानज्यांह दल ताजां ल्याव्यउ कटक आगिला माहि।
हींदू वेढि करइ सपराणी, आवइ चउपट घाइ॥　　१६९
जाणी वात मालदे राउति, ततषिण छांड्यउं ठाण।
वेगि करी वनाद्रि आविउ, ढीली ग्यु सुरताण॥　　१७०
देसि देसि मोकल्या हकारा, सहूइ आबूं आवउ।
राउ मालदे रोसि आगलु, तेडावइ मेलावउ॥　　१७१

---

१६७ **सोगठडां**–सोगठां J, सोगठडा L. **केकाण**–केकांण D. **गयवर**–गयमर D,...J, गइमर K, गयंवर L. **ढालीयइ** em–ढालीइ A D J, ढोलियइ ए K, ढालीय ए L. **षांडडे**–षांडडइ D, षंडहो K, षांडे L. **दीजइ**–हो दीजि J, दीज्यइ K, दीजे L. **दाउ**–दाह D. **झडप**–झडपडे A, झडपि L. **दीइ**–दीजइ A, दी K, दियइ L. **रिण**–रणि D J. **मालदे**–मालदेव A D J. **ए**–कि A,...D K.

१६८ **एक**–एकसा. D, .J. **सोनिगिरउ**–सोनगिरु D J, सोनिगिरु सोनिगिर K, सोनगिरौ L. **गढवाउ**–गढठाउ A, गढवाऊ D, गढराय J L. **जूआरीपणूं**–जूयारीपुण A, जूआरीपणुं D K, जूआरीपणउ L. **मांडीउ**–मांडीउं D K, मांडीऊं J, मांडीयो L. **कइ**–एक J. **जीपइ**–जिपइ D, जीपि J. **सुरताण**–सरतांन J, शुरताण L. **कि कइ**–कइ A, कि कि J, कि किउ L **जीपइ**–जीपि J. L transp as जीपइ गढ. **मालदे**–मालदेव D J K. **ए**–...A K D. D adds as refrain after 168 : एक सो॰; K adds : एक सोनि॰.

१६९ **पवाडु**–चउपई A, चालि B, C, पवाड्डः D, पवाडा J, पवाडा ढाल ॥ छ ॥ K, अथइ पवाडा ढाल L. **षानज्यांह**–खानजिह A, षांनजिहां B K, षानज्यांह C, षांनज्यांहां D J, षानजाहा L. **ताजां**–ताजीआ B, तिहांजा C, त्यांहां J, ताजा K L. **ल्याव्यउ**–लाविउ B, लव्यु C K, ल्याव्यु D, आलव्यु J, ल्याव्यउं L. **आगिला**–आगला B L, आगल्या C J, आगल्यां D **माहि**–मांहि A B C D J L. **हींदू**–हीदू A J, हिंदू C D K, हींदूं L. **करइ**–करि B C J. **सपराणी**–सपरांणी A D J, सपरांणा K. **आवइ**–आव्या A, आवि B C J. **चउपट**–चउपटि A K, चुपट B D J **घाइ**–घाए A J L, घांइं B, घाइं C, घाउ K.

१७० **जाणी**–जांणी A C D J K. **मालदे**–मालदेव C, मालदेवनी J. **राउति**–राइ B, राइं C J, राय D, राउत K, राइ L. **ततषिण**–ततक्षिण A, ततषिणि B J, ततक्षण C. **छांड्यउं**–छांड्यूं A, छांडिउं B, छांड्ड C, छांड्युं D, छांडिउ J, छंड्यउ K. **ठाण**–ठांण A C D J K, प्राण L **वेगि**–विगि L. **करी**–करि J, करीनइ L. **वनाद्रि**–विनाई B, वीनाद्रा C, वनाद्रा D, विनिद्रा J, वनाद्री K, नाद्री L. **आविउ**–आविउं A, आव्युं D, आव्यु J, आव्यउ K, आव्यउं L. **ढीली**–डिल्ली C, ढिली K. **ग्यु**–गिउ B, गयु C J, म्यउ K, गयो L. **सुरताण**–सुरतांण A D K, सरतांन J, शुरिताण L

१७१ **देसि देसि**–देसि २ A B D, देसि J, देस देस K, देस २ L. **मोकल्या**–मोकल्यां C D K. **हकारा**–हकारियां B, हकारां C D K, हकारी J. **सहूइ**–सहू C, सहु को J, सहुअइ K, सहूअ L. **आबूं**–आबूं B J, आबूंबी C, आबुइ D, आव्यू K, आबू L. **आवउ**–आवुं B, आविउं C, आवु D J, आव्यउ K, आव्याउ L. **राउ**–राउल C D J K. **मालदे**–मालदेव C D K. **रोसि**–रोस C L, रोसालउ K. **आगलु**–आगलुं D,...K, आगलउ L. **तेडावइ**–तेडावउ A, तेडावि B C D J, **मेलावउ**–मेलावु B C D J. iv qr in L is : षणउ मेलावु तेडाव्यउ.

सिंधु सवालष अनइ पारकर, सवे देसुत बोलाव्या ।
अढारसा सातसा तणा भड मेलावइ आव्या ॥ १७२

तुरी सहस छत्रीस मेलीआ, लाष षांडाधर ल्याव्या ।
कटक तोरकां ऊपरि सूंडी रासूंधइ दल आव्यां ॥ १७३

आव्यउ सुणी मालदे पडीउ तुरक तणइ दलि त्रास ।
संकटि पड्या असुर ढीलीइ मोकलावी अरदास ॥ १७४

एकइ पासइ राउल मालदे, बीजइ राउल कान्ह ।
बिहुं राउ विचि रही न सकीइ, इम बोलइ परधान ॥ १७५

---

१७२ **सिंधु**–सिंध A, संधु B L, सिंधू C, सिधु J **सवालष**–सवालाष C. **अनइ**–नइ A, अनि B, नि C J. **पारकर**–पारकरी L **सवे**–सवि A L, सव D **देसुत**–देसोत A, देसउति L **बोलाव्या**–बोल्याव्या L. **अढारसा सातसा तणा**–अढार सहिस हासरू घोडा B, अढारसा मातसा तणा C, अढारसा सतेसा तणा D, अढार सहस सांत तणा J, अहर सातसा तणा K, अढार सहस भड मिल्या मिलावइं L **भड**–घणि B, सुभट C D, भड वला K. **मेलावइ आव्या**–मेलावि आव्या B, सवे मेलाव्या C, वली मेलाव्या D, वलि मेलावि आव्या J, मेलावइ ते आव्या K. L omits iv qr.

१७३ **तुरी**–तुरीय A L, आव्या तुरी B. **सहस**–सहिस B. **छत्रीस**-छत्रीसा A, चुवीस C D J. **मेलीआ**–मेली A B, मेलीया D J, मेलिआ K **षांडाधर**-षंडाधर A L, षाडाधर J. **ल्याव्या**–आव्या A B L, लाव्या C, ल्याव्यु D, आव्यु K. **कटक तोरकां**–तुरक कटक B, कटक तोरकी C, कटक तुरकां J, तुरकां L. **सूंडी**–सुंडी C D J, सुडी K, सूडी L. **रासूंधइ**–रासूंधि B, राय सिधल C, राय सीधल D J, राइ तुरकिसुं K, जाणे जरासिंध L. **दल**–दलि C, ढीलइ K. **आव्यां**–आव्या B, आव्यु C D, आव्यउ K, ल्यावउं L. After vs 173 L interpolates the following. कोपि करी तुरकानइ.

१७४ **आव्यउ**–आव्यु B D J, तिहा आव्यु नि C, आदिवउ K, आविउ L. **सुणी**–शुणी L. **मालदे**–मालदे राउत A, मालदेवनि C, मालदेव D, मालदेव राउल J. **पडीउ**–वडीउ B, पडिउ C L, पडीउं D,...J, षडीयउ K. **तुरक तणइ**–तुरकां A, तुरक तणि B J, तुरकानि C, तुरक तणा L. **दलि**–...A C, दल L, C transp as: तुरकांनि पडिउ. **त्रास**–त्रासी L **संकटि**–सकट C K L **पड्या**–पडिया B, पडिआ K. **असुर**–अग्रुर L. **ढीलीइ**–ढीलीइं B, डिल्लीनि C, ढीलीनइ D L, ढीलीनी J, ढिलीअइ K **मोकलावी**–करावी L. **अरदास**–अरदासि A L, उरदास D.

१७५ **एकइ**–एकि B C J, एकइं D, एक L. **पासइ**–पासि B C J, पासइं D. **राउल**–राउ A, राय J, राउत K. **मालदे**–मालदेव C D J. **बीजइ**–बीजि B C, वीजि J, बीजइं L. **कान्ह**–कांन्ह A, काह्न B C, काहांन J. **बिहुं**–बिहूं J L. **राउ**–राय B, राउले C, राउते D, राउत J. **विचि**–वचि B C J, विचइ L. **रही न सकीइ**–किम ऊगरीइ A, रहीनइ C, रही न...D, रही न सकि J, रही न सकइ K, रही न सकीयइ L. **इम**–ईम J. **बोलइ**–बोलई A, बोलि B C J. **परधान**–परधान A J K, प्रधान L. Note-There is a long lacuna in MS D after विचि रहीन in vs 173. In the left-hand margin of the folio there is a note by the copyist. 'उपरल (=नू) पानु २७ नथी; ते लख्यु नथी.'

असपति राउ भणइ परधानां, जाई मलिकनइ कहिज्यो ।
वरस आठ कुंयरी कहीया, तही पाछइ मन रहिज्यो ॥ १७६
आगइ ए गढ कहिउ सदैवत, प्राणइ कांइ न थाइ ।
ऊपरि चाहूआण सपराणा, लीधउ किमइ न जाइ ॥ १७७
राउल भणइ मालदे प्राणइ जउ थाणउं छंडावइ ।
कोड आपणउ किम पुहुचिस्यइ, वली कटक नही आवइ ॥ १७८
सीष मोकली राउल कान्हइ, बाहडमेरुं थाणउं ।
मान्यउ बोल मालदे राइ, जइ द्रउडिउं तुरकाणउं ॥ १७९
आठ वरस मांहि आठज दिहाडा, थाकइ करी सजाई ।
पाछां कटक सहू को चालउ, मलिक सीष फुरमाई ॥ १८०

---

१७६ असपति–असुपति C. **राउ**–राय B. **भणइ**–भणि B, कहि J. **परधानां**–परधाना A, परधान B, प्रधाननइं C, प्रधाननि J, प्रधाने K. **जाई**–जइ A, जई C J K **मलिकनइ**–मलिक सविहुंनि A, मलिकनिं B, मलिकनि J, मिलिकनइ K **कहिज्यो**–कहज्यो A, कहीया B, कहियो C J, कहजो K. **आठ**–आठ जे C J K. **कुंयरी**–कूंयरि B, कुंअरी C, कूंअरीइं J, कुंअरि K, कुंआरी L. **कहीया**–कहीआ C, कहीयां J, कहिआ K, कहीयइं L. **तही**–तेहीइ A, तहीं B, तिहां C **पाछइ**–पूठइ A, पाछा B, पछी C J, पछइ L. **मन**–मत C K, मरत J. **रहिज्यो**–रहज्यो A K, रहियो B C, हुयो J.

१७७ आगइ–आगि C J, आगइं L. **ए**–एह J **कहिउ**–कहइ A K, अछि B, कहि J. **सदैवत**–सदैवइ A, सदेवत C K L. **प्राणइ**–प्रार्णि B, प्रांणि C J, प्राणइं L. **कांइ**–किंपि A, काई B, कांईय J, काइ K, कांय L. **थाइ**–थाइं C. **चाहूआण**–चाहूयाण A, चहूयाण B, चहूआण C, चहूआणा J, चाहुआण K L. **सपराणा**–सपराणा A K, सपराणु C, सपराणउं L **लीधउ**–लीधु B, लेणु C J, लीधो K, लेणउ L. **किमइ**–किहमि B, किमि C, किमहि J. **जाइ**–जाइं C, जाई K, जायइं L

१७८ राउल–राउ A. **भणइ**–भणि B C J. **मालदे**–मालदेव J. **प्राणइ**–प्रांणि A C J, प्रीतिं B, प्रांणइ K. **जउ**–जु B C J, जो L. **थाणउं**–थांणउं A K L, थाणूं B J, थाणुं C. **छंडावइ**–छंडावि B C J, छोडावउ L. **आपणउ**–आंपणउं A, आपणूं B J, आपणुं C, आपणउ K. **पुहुचिस्यइ** em–पहचेसिस्यइं A, पुहोचेसि B, पुहचेसि C, पुहुचेसि J, पहुचिस्यइ K, पुहचेसी L. **नही**–नहीं B K. **आवइ**–आविइ B, आवि C J, आवइं L.

१७९ मोकली–मोकलि A. **कान्हइ** em–कांन्हि A, कान्हिं B, काह्नि C, काहानि J, कांन्हइ K, कान्हइं L. **बाहडमेरुं**–बाहडमेरिं B, बाहडमेहलु C, बाहडमेरू J, बाहडमेरइ L. **थाणउं**–थाणूं B J, थाणुं C K L. **मान्यउ**–मांन्यउ A, मानिउ B, मांनु C, मांनिउ J, मान्यो L. **मालदे**–मालव C, मालदेव J. **राइ**–राइं B C J, रायइ L. **जइ**–जई B, जै C, जे J, जि K, जाई L. **द्रउडिउं**–द्रुडिउं A, द्रुड B, धुड्युं J, द्रोड्युं K, दउडइ L. **तुरकाणउं**–तुरकाणूं B J, तुरकांणु C K, सुरिताणइ L.

१८० मांहि–माहि A, मांहिं B. **आठज**–आठ B C J K L. **दिहाडा**–दीहाडा A, दीहया K. **थाकइ**–थाकिइ तुरके B, थाकि C, थाकाइं J, थाक K, कांइ L. **सजाई**–सेनाई L. **पाछां**–पाछा K L. **को**–अ L. **चालउ**–चालु B J, चालि C, वालउ K. **मलिक**–मिलक A L, मलिकें B, मलिकं K. **सीष**–इसी B J, **फुरमाई**–फरमाई C J.

जहींइ सीह मलिक गढ ऊपरि, बंदीषाणइ रहाव्यउ ।
सेजवालसुं तहीनउ सगपण जण हाथि मोकलाव्यउ ॥ १८१
बीकइ नीटरडकनी वावि सीह मलिक तेडाव्यउ ।
आधी राति ऊठी छांनु सहेट मलवा आव्यउ ॥ १८२
बीकउ भणइ म पाछा जास्युं, वचन कहेस्युं वेद ।
जउ अम्ह पातिसाह गढ आपइ, तउ देषाडउं भेद ॥ १८३
रूद्दउ भाइल जमलउ राषी, कस्यउ बोल परिमाण ।
मलिक भणइ जे बोल अम्हारउ, ते माने फुरमाण ॥ १८४
॥ चउपई ॥
सेजवालि गढ कारणि करी, पापी पापबुद्धि आदरी ।
लोभइ एक विटालइ आप, लोभइ एक करइ घण पाप ॥ १८५

---

१८१ **जहींइ**-जईनइ A L, जहि C, जहीइं J, जहियइ K. **गढ**-विउ गढ A,. L **ऊपरि**-तेडाव्यो L. **बंदीषाणइ**-बंदीषाणि B J, बंदीषांनि C, बातीषांणइ K. **रहाव्यउ**-जही रहाव्यु A J, रहाविउ B C. **सेजवालसुं**-शेजवालां शूं A, सेजवाल B J, सेजवालसु C, शेजवालसु K. **तहीनउ** em-तेहनुं B, नही नु C, तहीनूं J, तही नही K. **हाथि**-हार्थि B. **मोकलाव्यउ**-मोकलाव्यु A, मोकलाविइ B, मोकलावि C. L omits ii-iv qrs.

१८२ L omits 182 a. **बीकइ**-बीकि B, वीका C J **नीटरडकनी**-नाटरडकनी B, कीकाटोडर C J, नाइक करी K. **वावि**-वार्वि B, वीनती K. **सीहमलिक**-शाह मलिक K. **तेडाव्यउ**-चडाविउ A, तेडाविउ B C, बोलाविउ J. **आधी**-आधि A. **राति**-रार्ति B, रातइं K **ऊठी छांनु**-छांनु ऊठी A, ऊठी छंपनु B, ऊठी छांनइ K, छानउ L. After iii qr A interpolates foll: आव्यु छानु बांहि साहीनइ राउत ल्याव्यु; L interpolates मिलक सवे विमासी चाल्या. **सहेट** em-सहेटि A, सहर्टि B, सुहटि C, सहट J L, सहिटइ K. **मलवा**-मेलावउ A, सहित ते J, मलिक ज K, मिलावइ L. **आव्यउ**-आविउ A, आव्यु J, आव्या L.

१८३ **बीकउ** em-वीकु A B, वीक्म C J K, वीको L. **भणइ**-भणि B C J. **म**-...K. **पाछा**-पाछा K **जास्युं**-जासूं A, जासिउ B J, जासुं C, जाजो L. **कहेस्युं** em-कहेसिउं A, कहिसं B, कहेस C, कहिस्युं J, कहेसुं K, कहेसी L. **वेद**-ते वेद C, वाद K. **जउ**-जु B C J L. **अम्ह पातिसाह**-अम्ह पातसाह A B, पातसाह मुंहनि C, पातशाह मूंहनि J, अम्ह पातिसाहि L. **आपइ**-आपि B C J, आवइ K. **तउ**-तु A B C J. **देषाडउं**-देषाडूं B J, देषाडुं C K, देषाडां L. **भेद**-नाद K.

१८४ **रूद्दउ**-रूद्दु B, साहलु C, शरल J, लहुडउ K, रूल्ह L. **भाइल**-भवाडि B, भायल C, भावि J, भाइ K, भाईए L. **जमलउ**-जमलु B, जमलो C, लाजमांम J, जमलोउं L. **कस्यउ**-केरु A, कर्युं B, करि C, कीउ J, करिउ L. **परिमाण**-प्रमाण B L, परिमांण C J, परमाणी K. **मलिक**-मिलक L. **भणइ**-भणि B J. **जे**-...L **अम्हारउ**-अंम्हारउ A, अम्मारि B, हमारा C J, अम्हारा K, अम्हारउं L. **माने**-मांने A, मानु J, मान्यंउ L. **फुरमाण**-परिमाण C J, फुरमांण K, फुरिमाण L.

१८५ **चउपई**-चुपै B, चु० C, चुपैः J, चउपई ॥ छ ॥ K. **सेजवालि** em-सजवालि A, सेजवाल B C J L, श्येजवाल K. **गढ**-काढि B. **कारणि**-कारण B K L. **पापी**-पापीं A, पापीइ C. **बुद्धि**-बुधि A K, बुध्य L. **लोभइ**-लोभि B, लोभि C J. **विटालइ**-विटालि B J, वटालि C. **लोभइ**-लोभि B, लोभि C J. **करइ**-करि B C J.

लोभइ एक नर लोपइ धर्म, लोभइ करइ पाडूआं कर्म ।
लोभइ मिली माल आथडइ, लोभइ एक नर वाहणि चडइ ॥ १८६
लोभइ एक विदेसइ रुलइ, लोभइ एक नर पाला पुलइ ।
लोभइ एक दाषवइ अणाथि, लोभइ बूंदां बालइ हाथि ॥ १८७
लोभइ एक करइ दारिद्र, लोभइ चोर न आवइ निंद्र ।
लोभइ काजि पियारइ मरइ, लोभइ कन्याविक्रय करइ ॥ १८८
लोभइ जमलउ वासि म वसइ, लोभइ एक चूंटाइ सांडसइ ।
लोभइ एक थाइ अन्यान, लोभइ एक ऊपाडइ बान ॥ १८९
लोभइ धर्मलोप आदरइ, लोभइ सगासहोदर मरइ ।
लोभइ एक नर पाडइ वाट, मारइ विप्र नगारी भाट ॥ १९०

---

१८६ K omits i–iii qrs. L transp i and ii qrs. L reads i qr as . लोभिइ एक करइ अधर्म. **लोभइ**–लोभि B C, लोभिं J. **लोपइ**–लोपि B C J. **धर्म**–धरम J. **लोभइ**–लोभिं B, लोभि C J. **करइ**–करीइ B, करि C J, करइं L. **पाडूआं**–पाडूयां A, पाडूआ L **कर्म**–करम A, विकर्म J. After 186 a L interpolates foll line : लोभिई उलिघइ पर्वतमाल लोभइ रूल्इ नर त्रिणइ काल. **लोभइ**–लोभि A C J, लोभिं B, लोभिइ L. **मिली**–मीली A, बंधव C J, मल्या L. **माल**–मली B, मिली J, जेठी L. **आथडइ** em–आथडइं A, आथडिइ B, आथडि C J, भिडइ L **लोभइ**–लोभि A J, लोभिं B, लोभिइ L. **एक**–इक A. **वाहणि**–वाहिणि J, वांहण K, वाहण L. **चडइ**–चडिइ B, चढि C, चडि J, चढए L.

१८७ J omits vs 187. **लोभइ**–लोभिं B, लोमि C. **विदेसइ**–विदेसि A, विदेसिं B, विदेशइ K. **रुलइ**–चडिइ B, रलि C, रुलइं L. **लोभइ**–लोभिं B, लोभि C **एक**–इक L. **पाला**–पालइ K **पुलइ**–पुलिइ B, पलि C. After 167 a K interpolates the following lines : लोभइ नर विदेसइ सुलइ ॥ दूहा ॥ दूधइ सींच्यउ लींबडउ थांणु कियुं गुलेण । तोइ न छंडइ कडवपण जातइ तणइ गुणेण ॥ **लोभइ**–लोभिं B, लोभि C. **एक**–.. K, एक नर A. **दाषवइ**–दाषवि B C, दाषवइं L. **अणाथि**–आथ L. **लोभइ**–लोभिं B, लोभि C, लोभइं K, लोभिइ L. **बूंदां**–बूंदा C L, बुदा K. **बालइ**–बालि A B C. **हाथि**–हाथ L.

१८८ **लोभइ**–लोभिं B, लोभि C J, लोभइं K, लोभिइ L. **एक**–एक नर L. **करइ**–करि B C J. **दारिद्र**–कुकर्म J, ज दारि L. **लोभइ**–लोभिं B, लोभि C J, लोभिइ L. **चोर**–चोरी K, एक L. **न**–...J K. **आवइ**–आवि B C, जोइ J. **निंद्र**–निद्र B, नींद्र C, मर्म J, बुधि K, नीद L. **लोभइ**–लोभि B C, लोभ J. **काजि**–काम C, काज L. **पियारइ**–पीयारि B, पीआरि C, ज्यारि J, पियारा K L. **मरइ**–मरइं A, मरिइ B, मरि C J. **लोभइ**–लोभिं B J, लोभि C, लोभिइं L. **करइ**–करिइ B, करि C J.

१८९ **लोभइ**–लोमी A C J L, लोभ B. **जमलउ**–जमलु B C J K. **वासि**–वाषि A, वाश K, वास L. **म**–न C J. **वसइ** em–वसे A, वसि C J, वाश K, वास L. **लोभइ**–लोभि B J, लोमी C, लोभिइं L. **एक**–इक A, ओडि J,. .K. **चूंटाइ** em–चाडइ A, सेडि B, ताढि C, शरीर J, चूंटाइं K, चुंटइ L. **सांडसइ**–सांडसे A B, साढसि C, सांढसि J, संडास K. **लोभइ**–लोभिं B, लोभि C J L. **एक**–इक A. **थाइ**–थाइं K, थायइ L. **अन्यान**–अन्यांन A, अज्ञांन C J. **लोभइ**–लोभिं B J, लोभि C, लोभिइ L. **ऊपाडइ**–पडावि B, पीडीइ C, पाडीइ J, पडइ नर K, उपाडइ L. **बान**–बान A B K.

१९० **लोभइ**–लोफइ A, लोभि B C J, लोभिई L. **धर्म**–धरम A, अधर्म C, अति J, धर्म्म K. **लोप**–लोभि A, लोक C, विक्रम J, लोभ K, पात्र L. **आदरइ**–आदरिइ B, आदरि C J, अदरउ K. **लोभइ**–लोभिं B, लोभि C J. **मरइ**–मरिइ B, मरि C J. **लोभइ**–लोभिं B J, लोभि C, लोभिइ L. **नर**–ज J. **पाडइ**–पाडि B C J. **मारइ**–मारि B C J. **विप्र नगारी**–अबला बाभण L.

लोभइ एक नर छांडइ मान, नीच तणइ घरि षाइ धान ।
लोभइ एक तणउं मुष राषि, लोभइ एक दीइ कूडी साषि ॥ १९१
सेजवाल मनि एवडउ लोभ, पाप तणउ नवि आवइ क्षोभ ।
हीया सरिसु विमासी जोइ, लोभ समउ नवि मइलउ कोइ ॥ १९२
लोभ विहूणउ जे नर मरइ, पदमनाभ तस पूजा करइ ।
सीह मलिक ते रातिज मांहि, सेजवालनइ देई कबाहि ॥ १९३
वली लोभ देषाड्या घणा, टंका आप्या सोना तणा ।
कटक चलाव्यां कहीउ मेल, वेगि गढि पाडेसूं भेल ॥ १९४
लाधउं सुपन राय तिणि वारि, ब्राह्मण देषी करीउ जुहार ।
पूछइ राय, कवण तुं नर; विप्रवेषि हुं गढ जाल्हुर ॥ १९५

---

१९१ लोभइ-लोभिं B, लोभि C J, लोभिइ L. नर-...L. छांडइ-छंटि B J, छांडि C, छंडइ K, छाडइ L. मान-मान A J K. नीच-नींच B. तणइ-तणि B J, तणे K षाइ-षाइं L. धान-धांन A J. लोभइ-लोभिं B, लोभि J, लोभिइ L एक-. .K तणउं-तणूं B J, तणट K, तणउ L. मुष-मन B, मुषि पडइ सी K. राषि-राष K लोभइ-लोभिं B, J, लोभि L. एक दीइ-यइ वली A, दीइ वली J, एक भरइ K, भरइ L. कूडी-ते कूडी J. C omits 191 b.

१९२ सेजवाल-जेसवाल A. मनि-मंनि J. एवडउ-एवड A, ए वडु B C J, एवडो L. तणउ-तणु B C J. नवि-मनि B. आवइ-नाणु B, आणइ C L, आवि J. क्षोभ-'योभ K, क्षौभ L. हीया सरिसु-हीयासूं A, हैया सरिसु B, हीयासु C, हईअडा सिउं J, हिया सरिस K, हीया सरस L. विमासी-विमांसी J. जोइ-जोय C J. समउ-समु A B C J L. मइलउ-मिलु B C J, मइलो K, रूडो L कोइ-कोय J L.

१९३ J omits 193 a. विहूणउ-विहूणु B, विहुणु C, विहुंणउ L. मरइ-सरइ A, सरि B C, मरइं L. पदमनाभ-पद्मनाभ A B, पदमनाभि K, पद्मनाभि L. तस-तेहनि A, तेह B, तशु L. पूजा करइ-अणसरइं A, पूजा करिइ B, पूजा करि C, पुजा करइं L. सीह-शीह K. मलिक-मिलक L. ते-जे C K. रातिज-रातिजा K. मांहि-माहि K. सेजवालनइ-सेजवालनि B J, सिजवालनइं L. देई-दीइ C, दिइ J, देइ K, देय L. कबाहि-कबाइ L.

१९४ देषाड्या-देषाडियां B, दिषाल्या L. घणा-घणा B. सोना-सोवन C L. तणा-तणां B L. चलाव्यां-चडेवा B, चडावी C K, चडाव्यां J, चलाव्यउ L. कहीउ-कहीयउ K, कहिउ L. मेल-समेल L. वेगि-वेगिं B J, वेगइ K, वेगि करी L. गढि-गढ C J K L. पाडेसूं-पाडेसि B, पाडेशूं J, पाडेस्युं K, पाडिस्यां L भेल-भेलि B J, भिलि L.

१९५ लाधउं-लाधु B, लाधुं C, लाधूं J, लाधउ K L. सुपन-स्वप्न A, सपन C, स्वपन J, शुपन L. राय-राइ A,...B, राइं C, वारि L. तिणि-तेणी B. वारि-वार C K. ब्राह्मण-ब्राह्म A, ब्राह्मण B C K, विप्र J. देषी-देषि J. करीउ-करिउ B L, करि C, कीधु J, कस्यउ K. जुहार-जोहार J. पूछइ-पूछि B C, पूछ्युं J. तुं-तूं B J. नर-विप्र K. वेषि-वेष C L, कहि J, कहइ K. हुं-हूं B C J. जाल्हुर-जालोर A L, जाल्होर B, जाल्हुर J, जालउर K.

चड्या तुरक जो माहरी पूठि, गढ मेलाणउ वहिलउ ऊठि ।
अछइ पाप माहरइ जेतलउं, हुं भोगविस काल तेतलउं ॥ १९६
पुण्यवंत प्रीति पामस्यइ, वली वंसि गढ ताहरइ हुस्यइ ।
पाछउ विप्र गयउ सांचरी, स्वपन दिषाडइ आसापुरी ॥ १९७
कहइ पीठि अम्हे जास्यूं आज, तइं वांछिउं ते सीधउं काज ।
वली वंशि ताहरइ नर कोइ, माहरइ वचनि पामसइ सोइ ॥ १९८
वली गणेश ते सुहिणा माहि, एहज वात जणावइ राइ ।
चउथउं सुपन राय जव लहइ, कान्हस्वामि इम आवी कहइ ॥ १९९
एहज वात चतुर्मुषि कही, राय विचारइ साचउं सही ।
कमालदीन मलिक सुप्रमाण, सेजवाल थिउ आगेवाण ॥ २००

---

१९६ **चड्या**–चडिया E, चड्या J, चढ्या L. **तुरक**–कटक B C J. **जो**–जु B J, जे L. **माहरी**–माहरीं A, माहरि C J, माहारी L **पूठि**–पूंठि C. **मेलाणउ**–मेलाणउ A, मेलाणु B C J. **वहिलउ**-वहिलु B, विहलु C, वेगि J, विहलउ L. **ऊठि**–उठि L **अछइ**–अछि B, अछि J. **माहरइ**–माहरि B J K, माहरं C, माहारउ L. **जेतलउं**–जेतलुं B C, जेतलूं J, जेतलउ K **हुं**–हूं B J,...L **भोगविस**–भोगविसूं A, भोगविसु B L, भोगव्योस C, भोगवेसि J. **काल**–कान्ह L. **तेतलउं** em–तेतलूं A J, तेतलुं B C, तेतलउ K L.

१९७ **पुण्यवंत**–पुंण्यवंत A, पुंन्यवंत C, पुन्यवंत L **पामस्यइ** em–पांमसिइं A, पामसि B, पांमस्यइ C, पामसि J, पामिस्यइ K, पामसिइ L. **वली**–वलीय L. **वंसि**–वंश B J K, वंस L. **गढ**–गढि B K. **ताहरइ**–ताहरु B, ताहरि J, ताहरउ K L. **हुस्यइ**–होस्यइं A, हसि B C, होसि J, हुस्यइ K, हुसिइ L. **पाछउ**–पाछइ A, पाछु B, पाछे C **विप्र**–पुरुष J. **गयउ**–गय A, गयु B C J, गयो L. **साचरी**–सचरी K. **स्वपन**–स्वप्न A C, सुपन B, शुपन L. **दिषाडइ**–देषाडि B J, देषाडुं C, देषाड्यउ K, दिषाडिउ L. **आसापुरी**–आशापुरी B J, आस्यापुरी C L

१९८ **कहइ**–कीहि B, कहि C J. **पीठि**–पीठ L. **अम्हे**–अह्मे B C J, अह्मि L. **जास्यूं**–जासिउं A, जास्युं C, जास्यां K, भांजु L. L transp as पीठ भांजुं अम्हि आज. **तइं**–जे B L,...C J, तुझ K. **वांछिउं**–वंछिउ A, वांछूं B, वांछ्युं J, वछित K, वाछ्यउ L. **ते**–तइ A. **सीधउं**–सीधां B K, नवि सीधुं C, नवि सीधूं J, सीधउ L. **वली**–वलीय L. **वंशि**–वंश B J, वंसि C, वंस K L. **ताहरइ**–ताहरि B J, ताहारउ L. B transp as नर ताहरि. **कोइ**–कोय C J, कोईं K. **माहरइ**–माहरि B C J. **वचनि**–वचन C, वच L. **पामसइ**–पामसि B, पांमसि C, पांमिसि J, पामस्यइ K, पामसी L. **सोइ**–सोय C J L.

१९९ **वली**–वलीय L. **गणेश ते**–. शह A, गणेश B, गणेस C, गणेशज J, गणेस जे L. **सुहिणा**–सुहुंणा B, सुहणा C J K, शुहणा L. **माहि**–माहि B C J. **एहज**–एह A L, एकज J **जणावइ**–जाणावइ A, जणावी B J, जणावि C. **राइ**–राय B C K, जाय J, राइं L. **चउथउं** em–चथउं A, चुथूं B, चुथुं C J, चउथउ K L. **सुपन**–स्वप्न A, स्वपन J K, शुपन L. **राय**–राइ A. **जव**–तव L. **लहइ**–लहि B C J, लह्यउ K L. **कान्ह**–कांन्ह A, काह्न B, कांहांन C J. **स्वामि**–स्वामी A B C L, स्वांमि J K. **इम**–अह्म B, मइ L. J transp as आवी इम. **कहइ**–कहि B J, कही C, कह्यउ K, कहिउ L.

२०० **एहज**–एह B C. **चतुर्मुषि**–चतुर्म्मुषि A, चतुर्मुखि B, चर्तुमुख K L. **विचारइ**–विचारि B J. **साचउं**–साचूं B J, साचुं C K, साचउ L. **मलिक**–मिलक L. **सुप्रमाण**–सप्रमाण C, सो प्रमाण J, शुप्रमाण L. **थिउ**–थयु C J, थयउ K, थयो L. **आगेवाण** em–आगेवाणि A, आघेवाण B, आगेवांण C, अगेवांण J, अगेवाण K, अगेवाणि L.

माहिली राति मलिक दडवडी, कान्हमेरि दल ल्याविउ चडी ।
आगलि थई वीकमसी गयउ, इसउ बोल घरणी प्रति कह्यउ ॥ २०१
हीरादेवि भणइ चंडाल, सूं मुष देषाडइ तुं काल ।
जेह पसाइ कीधां राज, तेह तणउं विणसाडिउं काज ॥ २०२
एक डील कारणि तइं आज गढ भेलावी आव्यउ लाज ।
जे नर नित करइ प्रतिपाल, दूध तेहनूं पीइ बिडाल ॥ २०३
करइ रीस ऊभी घरबारि, गढि दल चडतां देषइ नारि ।
इसउ बोल हीरादे भण्यउ, सेजवाल त्रंबालू हण्यउ ॥ २०४
सास न आवइ ए अहिनाण, पड्यउ धरातलि गया पराण ।
अबला अंगि एतली आहि, हीरादेवि गई गढ मांहि ॥ २०५
राउल भणी गई पाधरी, ऊभी रही वीनती करी ।
राउल एक अवधारउ वात, सेजवालि गढ कीधउ घात ॥ २०६

---

२०१ **माहिली**–माहली B L, माहिथु C J, माहिलइ K. **राति**–.. C J, चउकि K. **मलिक**–मिलक L. **दडवडी**–दलवडी A, चड्यु दडवडी C. **कान्हमेरि**–कान्हमेर A, काह्नमेर B, कांन्हडदे C, काहानमेरि J. **दल**–दलि A, गढि B, गढ L. **ल्याविउ**–चालिउ B, आव्यु C, आव्यां J, ल्याव्यउ K, आव्यउ L. **चडी**–चढी B L. **आगलि**–अगलि K, आगल L. **थई**–थिकु B, थी J L, थकउ K. **वीकमसी**–वीकसी C, कर्मसी K. **गयउ**–गयु B C J, गयो L. **इसउ**–इसु A, इसिउ B C L, इशु J. **कह्यउ**–कहिउ A B, कहु C, कहउ L.

२०२ **हीरादेवि**–हीरादेवी A, हीरादे ते L. **भणइ**–भणि B J, भणई L. **चंडाल**–चांडाल J. **सूं**–सं B, स्युं C, शुं J, सुं K, सिउं L. **देषाडइ**–देषाडि B J, देषाडिउं C, देषालइ L. **तुं काल**–आ काल C, विकराल J. **पसाइ**–पसांइं B, पसाइं C J. **कीधां**–कीजइ A, कीधूं J, कीधा L. **तणउं**–तणू B, तणु C, तणूं J, तणउ K L. **विणसाडिउं**–विणसाडउ A, विणसाड्यूं B, वणसाडिउं C, विणसाड्यउ K, विणसाडिउ L.

२०३ **कारणि**–कारण L. **तइं**–तुं B, ते C, नि J, तइ K L. B transp as : तुं कारणि. **आज**–लाज C J, आजि L. **भेलावी**–भेलाणु B, भिलाव्यो L. **आव्यउ**–आव्यु C J, लोपी B L. **लाज**–आज A C J K. K interpolates the foll vs in faulty Sanskrit after vs 203 a : दूहा ॥ लोभमूलांनि पापांनि रसमूलांनि व्याधय. । स्नेहमूलानि दूषांन त्रयत्यक्ता सुषी भव ॥ **नित**–नित्ति B, नितु C, नित्य K. **करइ**–करि B. **तेहनूं**–तेहनुं B C K, तिहनू L. C transp as तेहनुं दूध. **पीइ**–पियइ K, करिइ L. **बिडाल**–बिलाड C L, विडाल K. 203 b in J is : जेहना दूध पीइ नितु काल तेहना स्तन काप्या ति आल.

२०४ **करइ**–करि B C, करी J, करीय L. **रीस**–रीस ते C. **घरबारि**–बारि C, घरिबारि K L. **गढि दल**–गढि दलि B, दल गढि C, गढ दल K L. **चडतां**–चढतां C L. **देषइ**–देषि B C J. **इसउ**–इसु A, इसिउ B C, इशु J, एक L. **भण्यउ**–भणीउ A, भणिउ C J, भणउ K. **सेजवाल**–सेजवाला A. **त्रंबालू**–त्रंबालू A, त्रंबालु B, त्रासली C, चंबालू K. **हण्यउ**–हणिउ B C J.

२०५ **सास न**–स A, सास नइ L. **आवइ**–आवि B, आव्यु C J, आव्योउ L. **ए**–एह L. **अहिनाण**–अहिनांण A K, अहिनांणं L. i qr in J is : सास न आव्यु विल्तु जांणि. **पड्यउ**–पडिउ A B, पड्यु C, पड्यो L. **धरातलि**–धरातल L. **गया**–नीसरीआ J. **पराण**–परांण A K, प्रांण J. **अंगि**–अंग L. **हीरादेवि**–हीरादे L. **मांहि**–मांहिं B, माहिं K.

२०६ **रही**–रहे A. **वीनती**–विनती C. iv qr in L is : ऊभी नारि करइ वीनती. **एक अवधारउ**–अवधारिउ B, अवधारु C J L. **सेजवालि**–सेजवलि A, सेजवाले B, सेजवालइ C, सेजवाल K, सेजवाल L. **गढ कीधउ**–गढि कीउ A, गढ कीधु B, कीधु गढ C, गढ कीधु J.

सुहिणा तणी वात सवि मिली, कान्हडदेवि बूंब सांभली ।
कांधिल तणइ साथि तिणि वार दस सहस धाया झूझार ॥ २०७
उल्हीचउ भड जाणी इसु, राउल रिणवटि आवइ तिसु ।
कांधिल भिड्यउ कटक मांहि जाई, सीह मलिक मार्‍यउ घण घाइ ॥२०८
मलिक सवे दल मांहि षलभल्या, कान्हमेरि जण पाछा वल्या ।
कांधिल करिउं सइंफलूं भलूं, राउलि सहू पूठि मोकल्युं ॥ २०९
कटक तोरकूं सूंड्यउं भलूं, आठ पुहर कीधउं सइंफलूं ।
स्वामी काजि एकमना भिड्या, पांच सहस राउत रिणि पड्या ॥ २१०

---

२०७ Note-D MS commences again from vs 207, after the preceding big lacuna. सुहिणा-सुहुणा B, तेह C, सहु D, सविहुं J, सुहणा K, शुमणा L. मिली-मीली D. कान्हडदेवि-कान्हडदेवि A, कांहडदेई C, काहनडदेइ D, कांहानडदेवि J, कान्हडदेविं K, कान्हडदि L. बूंब-बुंबारव A, बुंबा K, बूब L. कांधिल-कांधल B, काधिल D, काहांन J तणइ-तणिइ B, तणि C J. साथि-साथइ K. तिणि-तिण A, तणि D, तिणी K. वार-वारि J L. दस-दसइ A, दश D. सहस-सहिस B K. धाया-माया C, झाझा D J. झूझार-झूझारि L.

२०८ उल्हीचउ-उलीचि B, उलिंबु C, उल्हसीउ D, पाल्टीउ J, उल्हेचउ K, उल्हीचउं L. भड-गढ J. जाणी-जांणीइ A, जाणी C D J K. इसु-इसिइ B, इसिउं C L, इसिउ D, इशु J, इशुं K. राउल-राउलजी A L, राउलि D. रिणवटि-रिणि आवइ A, जाइ रणवटि B, रणवटि C, रणवट D, रणिवटि J, रिणवट K, अम्हि रिण L. आवइ-...B L, तिहां C, आलिउ D, वालिउ J. तिसु-इसिइ B, आयसिउं C, इसिउं D, धसिउ J, तिसउ K, जाइसिउं L. कांधिल-कांधल B D, काहानि J. भिड्यउ-भडीउ A, भडिउ B C D, मेल्यूं J, भिड्यउं L. कटक-भड J. जाई-जई A, जाइ C D L,...J. मार्‍यउ-मार्‍य A, मारिउ B C J, मारीउ D. घण-रणि B, घणे J, रिण K L. घाइ-थई B, घाय C J, मांहि L.

२०९ मलिक-मिलक L. सवे-सवेना J दल मांहि-दल माहि A K, मांणि रण B, दल J. षलभल्या-षलभल्यां A B, खलभल्या C, षडभल्या K, षलिभल्या L. कान्हमेरि-कान्हमेरि A, काहमेर B D, कांहमेरि C, काहानमेरिथी J, कानमेर L. जण-मेछ B, जन C D,...J, दल L. पाछा-पाछां J. वल्या-वलिया B, वल्यां J. कांधिल-कांधलि B, कांधल D, काधिल J K. करिउं-कीउं A, करुं D, कीऊं J, कर्‍यं K, कर्‍यउ L. सइंफलूं em-सांफलूं A, सूंफलुं B, सिंफलुं C, सइंभलुं D, सिफलूं J, सइफलुं K, सइफलउ L. भलूं-घणउं A, भलुं B D, फल्युं C, घणुं K, घणउ L. राउलि-राउल J. सहू-सहु D K, सवि J. पूठि-कटक B, पूंठि C, पूठिं D. मोकल्युं-मोकलिउं A B D, मोकल्यो L.

२१० तोरकूं-तुरकनूं B J, तुरकी C, तोरकुं D, तोरकी K, तुरकनउ L. सूंड्यउं-सूड्यूं B, सुंडिउं C D, सुडिउं J, सुंभाजइ K, सूड्यउ L. भलूं-घणं A, भलुं B C, भिड्युं K, घणुं L. आठ-आठु L. पुहर-पहर A, पुहोर B C, पुहुर D J, पहुर K. C transp as: पुहोर आठ. कीधउं-कीधूं B J, कीधुं C D K, कीधउ L. सइंफलूं em-सांफलूं A, सूंफलुं B, सिंफलुं C, सइफलुं D, सिफलूं J, सींफलुं K, सइफलउ L. स्वामी-स्वामि A B, स्वांमि C, स्वामी D, स्वामि J K. काजि-काज K. एकमना-एकमनां J, इकमनां L. भिड्या-भिड्यां A, भडियां B, भड्या C D, भड्यां J. पांच-च्यार C, च्यारि D J. सहस-सहिस B K, सहस C. रिणि-रणि B C D J, रिण K L. पड्या-पडिया B.

उल्हीचइ कर ऊभारीया, बार सहस म्लेछ मारीया ।
विहाणा मांहि वात मनि धरइ, आव्या राय कोठइ कांगरइ ॥ २११

॥ पवाडु ॥

गमे गमे जोउं दल दीठउं, जई सिंहासनि बइठउ ।
वालि दोट ऊथिला देई, कांधिल भिडतउ दीठउ ॥ २१२
राउल भणइ आगि तुं कांधिल इसिउ योध नवि जाण्यउ ।
षांडाभरत काकरउ कोठउ, इसिउं कही वषाण्यउ ॥ २१३
चडिउ वीररसि कांधिल बोलइ, राउल जाणि म जाणि ।
आगइ अम्हे सवे दीहे एहवा, इणि वेलां म वषाणि ॥ २१४

---

२११ उल्हीचइ–उलीचि B, उलिंचइ C, उलासि J, उल्हेचा K, उछी L. कर–भड K, वेढि L. ऊभारीया–उभारीया A D, ऊतार्या B, उभारीआ C, ऊभारीआ J, ऊभा रह्या K, नही भारीया L. सहस–सहिस B. म्लेछ–मलेछ A, मेछा B, मूंगल C D J. मारीया–मारीआ C J, मारिआ K, मारिया L C omits vs 211 b. विहाणा–विहणा A, वाहणा D, विहाणा K, विहाणा L मांहि–माहि A K, माहिं B. मनि–मने D. धरइ–धरिइ B J. कोठइ–कोट B K, कोठि J. कांगरइ em–काकरइ A L, कागरिइ B, कागरइं D, कागरि J, कागरइ K. After vs 211 L interpolates foll : दीठा राउत रिण पच्या अपार म्लेछानउं कीधउ संहार.

२१२ पवाडु–...A K, चालि B, पवाडा J, अथ पवाडा ढाल L गमे गमे–गमे २ A C J L, गमे B, गमि गमि D. जोउं–जोउ B, जोयुं C K, जुजुउं D, झाइं J, जूवउ L. दीठउं–दीठ A K, दीठु B, दीठउ L. जई–जोई B, जे L. सिंहासनि–सहीनि आसनि B, सिंघासणि C, संघासनि D, स्यंहासन K, सिंहासन L. बइठउ–राउ बईठ A, आसनि बिठु B, बइठिउ D, बिइठउ J, राय बठ । पवाडा ढाल । K, बइठा L. After 212 a A interpolates· आव्यउ तुरक सबल सनाहि नामि मीर छइ मीठउ राय; K interpolates : तुरक सबल संनाहइ भारी मीर मुगाल छइ मीठउ. वालि–वालइ A K, वालइं D, कालि J, बोलइ L. दोट–डोट B D, द्रेठि C, घोडि J, दोटि L. ऊथिला–ऊथला B C K, उथला D L, ऊथलु J. देई–दीइ B, देइ D, दीधु J. कांधिल–कांधल B, काधिल J. भिडतउ–भडतु B C D, ढलतु J. दीठउ–दीठउ सही A, दीठु B.

२१३ भणइ–भणि B J, भणइं D. आगि–मिं C, अज D,.. J, अजे आगइ K, आगइं L. तुं–तूं B,...D. कांधिल–कांधल B, कांधिल करडु J,. .K, काधिल L. इसिउ–इसु A, इशु J, इसा K, इसउ L. योध–जोध A L, योद्ध B. जाण्यउ em–जांणिउ A D, जाणूं B, जांण्यु C J, जांणु K, जाण्यउं L. iii qr in K is: षांडा तुरक असुर मूछाला. षांडा–षाडां B C D, षाडा J. भरत–भरथ B, भरोत C. काकरउ–कांकरु B, काकरु C, काकरे D, काकरू J, काकरू L. कोठउ–कोठिइ B, कोठु C J, कोठार D. इसिउं–इसूं A, असु B, इसिउ D, इशु J, इसुं K, इसं L. कही–कहा B, कहीय J. वषाण्यउ–वषाणूं B, वषांणिउ C, वषांणीउ D, वषाणिउ J, वषाणुं K.

२१४ चडिउ–वरडिउ C, चडिउं D, चाडि K, चढइ L. वीररसि–वीररस B L, ऊपरि रसि K. कांधिल–राउल J. बोलइ–बोलि B C J. राउल–कांधिल J. जाणि–जाण C, जांणि J K. जाणि–जांण D, जांणि J, जाणी K. आगइ अम्हे–आगे अम्हे A, आगि अह्मे B, अह्मे आगि C J, अह्मो आगइ D, आगइ अम्हें K. सवे–सवि D. दीहे–दी A, दल K. एहवा–एह्वा A, जीता K. iii qr in J is : अम्हे आगि दीहे सिवे एहवा राउलज ; in L is आगइं सदीव अम्हे एहवा. इणि em–इण A, एणी B C J, इंणि D, इति K, इणी L. वेलां–वेला B C K L. वषाणि–वषांणि A B C D J K, वषाणे L.

दीधी झांप पांचसइ राउति, नीची कांधिल पूठि ।
मारी म्लेछ पड्या सवि पायक, कान्हडदेनी द्रेठि ॥ २१५
तिणइ ठामि कान्ह उल्हीचउ रिणवट बांधी धायु ।
परे बिपुहरे घणूं दल गंजी पछइ पडिउ रिण घाउ ॥ २१६
त्रीजइ पुहरि बांधीउ रिणवटि, शोभित सांझी वार ।
ऊड्यां लोह घणा भड भागा, पडतइ कीधउ मार ॥ २१७
आधी राति जइत देवडउ तुरक तणइ दलि भिडीउ ।
मारी म्लेछ भीछ मचकोड्या, पछइ प्रहारे पडीउ ॥ २१८
जइत वाघेलउ पुहर पाछिलइ भलउ भिड्यउ रिण माहि ।
मारी म्लेछ पडिउ घण घाए, अंगि एतली आहि ॥ २१९

---

२१५ **दीधी**–दीठी L. **झांप**–झापिइ L. **पांचसइ**–पांचसिं B, पांचसि C D J, पावस L. **राउति**–राउत B D J L. ii qr in K is · तुरकी दलनइ नाणि. **नीची**–नींची B, नाची L. **कांधिल**–षांधिल C, काधिल L **पूठि**–पूंठि C, पूंठिं D, पूठिइं L **मारी**–मार्‌या A, मारिया B. **म्लेछ**–म्लेच्छ A C, मेछ B, मलेछ J. **पड्या**–पाडीया A, पडिया B, पडीआ J, पाड्या L. **पायक**–पाला B, पूठिइ L. **कान्हडदेनी**–कांन्हडदेनी A, काहनडदेनी D, कान्हडदे K. **द्रेठि**–पूठि A, द्रठि J, इम जांणि K, द्रेठिइं L.

२१६ **तिणइ** em–तिण A, तेणे B, तेणि C, तीणि D, तिणि J L, तीणइ K. **ठामि**–ठांमि B D J, ठामिइं L. **कान्ह**–कांन्हड A, कांह्न B C, कान्ह J L. **उल्हीचउ**–ऊलींचि B, उलिंबु C, उलिंचिउ D, चहूआणु J, उलउ देषइ K. **रिणवट**–रणवटि B, रणिवटि C, रण D, रणवट J. **बांधी**–बांधिनि D. **धायु**–धाउ A D, धाउ K, धायो L. **परे**–परा A D, परां K **बिपुहरे**–बिपुहर A C, बिपुहुरे B, बिपूहर D, बिपुर J, बिपहुर K. **घणूं**–घणां A K, घणू B, घणुं C D, घणाज L. **दल**–...L. **गंजी**–झगडी B D K, थोभिउं C, मारी J L. **पछइ पडिउ**–पछि पडि B, पडिउ पछि C, पडिउ पछइ D, पछि पडिउ J, पछइ पड्या K. **रिण**–रणि B C, घण D, रण J. **घाउ**–माहि A K, घाय D. iv qr in L is · पाड्या पछी रिण धायो.

२१७ D omits vs 215. **त्रीजइ**–त्रीजि B C J. **पुहरि**–पुहोरि B, पहुरि J K, पुहर L. **बांधीउ**–बांधीउं A, रहीउं C, बांधी J, बाधी K, बांधीयो L. **रिणवटि**–रिणवट A L, रणवटि B C, रणि वावट J. C transposes as रणवटि रहीउ. **शोभित**–सोनत B, सोभित C K L. **सांझी**–साझी A, सारी B, सांझि C. **वार**–वारि L. **ऊड्यां**–ऊडीउं A, उड्यु C, ऊडिउ J, उड्या K L. **घणा**–घणां B. **भड**–घड B, तिहां C, भिड L. **भागा**–भागा B. **पडतइ**–पडते A, पडति B C J, पडतिइ L. **कीधउ**–कीधु B C J.

२१८ **राति**–रातइ K, रातिइ L. **जइत देवडउ**–जितदेवड्ड B, जयत देवड्ड C D J, जयति दिवडउ L. **तणइ** –तणे A, तणि B C J, तणिइ D, घणे L. **दलि**–दल L. **भिडीउ**–भडीउ B C D, पडीउ J, भिडियउ K, भिडियो L. **म्लेछ**–मेछ B, म्लेच्छ C, मलेछ J. **भीछ**–भुंछ B, भूंछ C, मीच्छ D K. **मचकोड्या**–मचकोडीया A, मचकोडिया B, मचकोड्यउ L. **पछइ**–पछि B C J. **पडीउ**–पडियउ K, पडियो L. iv qr in J is : पछि विमांनि चडीउ.

२१९ **जइत**–जित B C, जयत D J, जयति L. **वाघेलउ**–वाघेलु B C D J, वाघलो L. **पुहर**–पहर A, पुहोरि B, पुहुर J, पहुर K. **पाछिलइ**–पाछलि B C D, पाछिलि J, पाछलइं L. **भलउ**–भल A, भलु B C D J, भलो L. **भिड्यउ**–भिडीउ A, भडिउ B C D J. **रिण**–रणि B D, रण C J. **माहि**–मांहिं B, मांहि C D J L. **म्लेछ**–मेछ B, म्लेच्छ C D, मलेछ J. **पडिउ**–पडीउ A, पड्या K, पाड्यउं L. **घण घाए**–रिण माहि A, घणे घाए J, रिण थाए L. **अंगि**–अग L. **एतली**–एतलि D. **आहि**–आहे L. B omits iv qr.

लूणकरण माल्हण लोहनइ चालीउ साम्हइ पूरि ।
म्लेछां सरिसु भिडिउ घण घाए, पडिउ ऊगमतइ सूरि ॥ २२०
चंडाउला अरजननइ बांधीउ रिणवटि कान्हड राइ ।
सोमचंद रायि व्यास तेडाव्यउ, ततषिण तेड्यउ आइ ॥ २२१
राउल भणइ तुरक किम लेसइ, व्यास वचन अवधारउ ।
वेगि दीउ मसाणी आइस, तेजी षांडे मारउ ॥ २२२
व्यास कहिउ करणनी परि अंतकालि द्यउ दान ।
आपु तुरी हाथ मइं उडिउ, एहवुं मागिउं मान ॥ २२३
मान्यउ बोल राय चहूआणइ, वेगि पषाल्या पाय ।
जाणिउं व्यास लेई ऊतरसइ, घोडा आप्या राइ ॥ २२४

---

२२० B omits i-iii qrs. **लूणकरण**–लूंणकरण C, लूणकर्ण D L. **माल्हण**–माल्हणनइ C, माहलण D L. **लोहनइ**–लोहन C, लोडणनि J, सपराणउ K, लोहनर L. **चालीउ**–चाल्या C D, चाल्यां J, चाल्यउ K L. **साम्हइ** em–सांम्हउ A, साहमि C J, साहम्में D, सांम्हइ K, साम्हउ L. **पूरि**–पूरे K, पूठिइ L. **म्लेछां**–म्लेच्छ C D, मलेछ J, म्लेछी K, म्लेछ L. **सरिसु**–सरिस A, सरीसु C J, सरिसउ K. **भिडिउ**–भडिउ C D J, पड्यउ K, पड्यो L. **घण**–रणि J, रिण L **घाए**–मांहि L. **पडिउ**–पडीउ A, पड्यउ K, पडइ L. **ऊगमतइ**–ऊगति B C J, ऊगंतइ K, ऊगतइ L. **सूरि**–सूरिं B, सुरि D, सूर K, सूरइ L.

२२१ J omits vs 221. i qr in L is. चढ्यउ राउल अर्जनजिउ बांध्यो. **चंडाउला** em–चाउडा A, चडीऊली B, चंद्राउला C, वडाउला D, बीडाआलि K. **अरजननइ**–अरजननि B C, अरजननेइं D. **बांधीउ**–बांधिउ B C, बांधु D K. **रिणवटि**–रणवटि B C, रणवट D, रिणवट K L. **कान्हड**–कांन्हड A, काहड B, कांहड C, कान्हइ K. **राइ**–राउ A L, राइं B, राय C D K. **सोमचंद**–सोमचंद्र B D K, सोमचंड L. **रायि व्यास**–रयि व्यास A, व्यास B L, राइं व्यास C, व्यास राय D. **तेडाव्यउ**–तेडाव्यु A, तेडाव्या B, तेडाविउ C, तेडावि D, तेड्याव्यउ K. **ततषिण**–ततक्षिण A, ततषिणि B D, ततक्षण C. **तेड्यउ**–तेडिउ A, तेडूं B, तेडुं C, तेडउं D, तेड्यो L. **आइ**–आइं C L.

२२२ **राउल**–राय C, राउ D. **भणइ**–भणि B C J. **तुरक**–तरक B. **किम**–कीम D, मिम L. **लेसइ**–लेसि B C D J, लेस्यइ K, ल्से L. **अवधारउ**–उधारु B D, अवधारु C, ऊधारु J, अवधारुं L. **वेगि**–वेग K. iii qr in L is: वेगि करी मसाहणी तेडउ. **दीउ**–दिउं D, दींउ J, दियउ K. **मसाणी**–मसाहाणी B, मसांणी C J K, मसांणि D. **आइस**–आयस C D K, आयुध J. **तेजी**–घोडा C. **षांडे**–षांडं K. **मारउ**–मांरउ A, मारु B J L, मारिउ C, मारुं D.

२२३ J omits vs 223. i qr in L is· व्यास कहिउ अम्ह बोल मानीजइ. **व्यास**–व्यासइं C. **कहिउ**–भणइ A D, कहि B, कहिउं C, कह्यउ K. **करणनी**–राउ करणनी C, करणनि D. **परि**–परिं B. **अंतकालि**–अंतकाल K L. **द्यउ**–द्यु A, दिउ B D L, दीउं C. **दान**–दांन A D. **आपु**–अपउ K, आप्यो L. **तुरी**–तुरीय A, तुरी B C K, तुरि D. **मइं**–मि A, म B, मिं C, मइ D K L. **उडिउ**–उंडु B D, उड्यउ K, उड्यो L. **एहवुं**–एहुं A, एहवूं D, एहवुंउ K, एहवउ L. **मागिउं**–मागिउं A, मागु B, मागि C, मांगु D, मांग्युं K, मांग्यउ L. **मान**–मांन A C D K L.

२२४ **मान्यउ**–मांन्यउ A, मानिउ B, मांनिउ C D, मांन्यु J, मान्यो L. **राय**–राउ B, राइ L. **चहूआणइ** em–चहूयाणि A, चहूयाणे B, चहूआंणे C, चहूयांण D, चहूआणे J, चहुआंणइ K, चहुआणे L. **वेगि**–वेगिं J, वेग K. **पषाल्या**–पषालीया A, पषाल्यिा B, पाषल्या D. **पाय**–पाइ K, पायइ L. **जाणिउं**–जांणीउं A, जाणि B,...C, जांणूं D, जाण्युं K, जाण्यो L. **ऊतरसइ**–ऊतरसिइ B D, ऊतरीउ लेइ सवि C, ऊतरसि J, ऊतरस्यइ K, ऊतरसी L. **घोडा**–घोडां A, घाडां J. **आप्या**–आप्यां J. **राइ**–राइं B L, राय C D J K.

चउवीस सइ तुरंगम राउला, व्यासि मेल्हाव्या टाली ।
दीधां दानपुण्य राउलनइ, इसी वात संभाली ॥ २२५

घोडा सवि जीवता मेहलाव्या, ते अह्म पुण्य अनंत ।
विप्र तणूं धन जेह ग्रहेसइ, ते जासइ भसमंत ॥ २२६

राउल भणइ इस्यूं कां कीधउं, व्यास प्राण छांडेसइ ।
व्यास भणइ कुण बीजउ राजा कांधि पालखी लेसइ ॥ २२७

जउ तुम्ह पूठि रहुं जीवतउ, तउ अपकीरति पामूं ।
गढ जाल्होर मेलातां निश्चइ अंग आपणउं होमूं ॥ २२८

जइतलदे भावलदे ऊमादे नइ कमलादे राणी ।
जमहर तणी करइ सजाई, वात हीया मांहि आणी ॥ २२९

---

२२५ चउवीस सइ–चउवीसइ सइ A, सातवीस B, चउवीससिं C, चुवीससइं D J, सत्तावीस L. राउला–राउलि J, राउल K. व्यासि–जाक B, व्यासिं C, व्यास J L, व्यासइ K. मेल्हाव्या–मेह्लावी B, मेहलाव्या D J, मेल्हा K. टाली–ठी L. दीधां–दीधि B, दीधइं D, दीजि J, दीजइ K, दीधउ L. दान–दांनि A, दानिं B, दांन C J K. पुण्य–पुंण्य A, पुन्य D L राउलनइ–रायनिं B, राउलनइं D, राउलनि J. इसी–इसीय L.

२२६ घोडा–घोडां A B J K. सवि–सवे B L. जीवता–जीवतां A B J, जीविता D, जीवत K. मेहलाव्या–मेल्हाव्यां A, मेहलावियां B, मुंकाव्या C, मेहल्यां J, मूंकाव्यां K. ते अह्म–अह्मनि A, ते अम्हि L. पुण्य–पुंण्य A, पुन्य D L. तणूं–तणु B, तणि C, तणउ K L. धन जेह–जे धन A C D, धन जे B L. ग्रहेसइ em–ग्रहेसइं A, ग्रहिसिइ B, ग्रसकिसि C, निग्रहसिइ D, ग्रसीइ J, संग्रहशइ K, धन ग्रेहसे L. जासइ–जासि B C J, जासिइ D, जासी L. L transp as जासी ते. भसमंत–लसमंत C, भशमंत K.

२२७ J omits vss 227, 228. राउल–राय B. भणइ–भणिइ B, भणि C. इस्यूं कां–इसूं कांइ A, संका C, इस्यूं स्यूं D, इसुं कां K, काइ तुम्हि L. कीधउं–कीधूं B, कीधु C, कीधउ K L. प्राण–प्रांण C, प्रांणि D. छांडेसइ–छंडेसि B C, छंडसि D, छांडेस्यइ K, छंडेसी L. भणइ–भणि B C. कुण–कुंण D. बीजउ–बीजु B, बीजो C L, वीजउ K. राजा–राज A. कांधि–कंधि B, खांधि C D, कांधइ L. पालखी–पालखि K. लेसइ–लेसइं A, लेसि B C, लेस्यइं K, लेसी L.

२२८ जउ–जु B C,...D, ते L. तुम्ह–तुह्म B C, तुंम्ह D, तुम्हि L. पूठि–पूंठि C, पूठइ K, पूठिइ L. रहुं–रहि B, हुं जो D, हुं K, रहइ L. जीवतउ–जीवतु B C L, जीवुं D, जीवंतउ K. तउ–तु B C D, तो L. अपकीरति–पकीरति A, उपकीरति C L, अपकिरति घण D. पामूं–पांमूं A, पामुं C, पांमुं D, पांमुउ K, तामंइ L. जाल्होर–जालोर A K, जाह्लोरि B, जालहुर D, जालउर L. मेलातां em–भेलतां A, मेलाति B C, मेलतां D K L. निश्चइ–निसचइ A, निश्चि B D, निश्चइं C. अंग–देह B L. आपणउं–आपणउं ज A, आपणु B, आपणुं C D, आपणउ K L. होमूं–होमउं A, होमुं C D, होमुंउ K, होमइं L.

२२९ जइतलदे–जितलदे B C, जयतलदे D J L. भावलदे–भावल L. ऊमादे–उमादे B C D J. नइ–...A B, अनि C J, अनइ D. A transp as ऊमादे भावलदे कमलादे; B transp as कमलादे भावलदे उमादे; L transp as कमलादे भावल नइ उमादे. राणी–रांणी A D J K. करइ–करी B, करि C J. L transp as करइ जमहर तणी. वात–रात L. हीया–हैया B, हीआ C D, हईआ J, हिया K. मांहि–माहि A, मांही D. आणी–आंणी C D J K.

साथि घणी दीकोडी सूंडी, करइ आवीनइ वात ।
लोक भणइ अम्हे राउल ताहरा नही छांडउं संघात ॥ २३०
पहिलउं विप्र उच्चरइ आसीस, राउल आयस मागइ ।
विवहारीया सवे सकुटंबा, पाए राउले लागइ ॥ २३१
राउत सविहुं तणां जे माणस, तेहू साथ न छांडइ ।
करइ जुहार सूद्र सवि आवी, घरि घरि जमहर मांडइ ॥ २३२
गण गायण नइ नगर नाइका, गांछा छीपा माली ।
करइ जुहार मगावइ आयस, तेली नइ तंबोली ॥ २३३
कारू नारू नइ विवसाई, आवइ वर्ण अढार ।
पाए लागीनइ कामा सारइ, आयस करइ जुहार ॥ २३४

---

२३० साथि–साथिं B C J, राथि K. दीकोडी–दीकोली C, दकोडी D, दीकोली L. सूंडी–सुंडी B J K. करइ–करि B C J. आवीनइ–आवीनि B C, आविनइं D, जमहरनी J. भणइ–भणि B C J. अम्हे राउल–राउल A L, ए राउ B. ताहरा–राइरउं A, तह्मारु B, तुम्हारी L. नही–छोरु B. छांडउं–मेल्हीइं A, करि B, छोडुं C, छांडुं J, छंडां K. iv qr in L is : हिव नही छांडां साथ.

२३१ पहिलउं–पहिलुं A J, पहिलुं B C, पहिलइ पुहरि D, पहिलउ K. उच्चरइ–अचरइ A, ऊच्चरि B J, उच्चरि C, उच्चरइ D, ऊच्चरइ L. आसीस–आसी B J,...D. राउल–सहूइ A. आयस–सीषज A, आसी B J, आसीसज C, आसीस D K. मागइ–मागिइ B, मागि C J, मांगइ K L. विवहारीया–व्यवहारीया B J, विवहारिया D K. सकुटंबा–सवि कुंणबइ A, सकटंबा C, सुकुटंबा D, सकुंटंबा K, शुकटंब L. पाए–पाय B L. राउले–रायने B, राउलने C, राउल J. J transp as राउल पाए. लागइ–लागि B C J.

२३२ राउत–राउल K. सविहुं–सविहूं A, सवे C D J L. तणां–तणा K L. माणस–मांणस C J L, मांणश D. तेहू–तेहूं C, तेह D, तेहु K, तेहुं L. साथ–साथि L. न–नवि D. छांडइ–छंडि B, छांडि C J, छंडइ K, छांडइं L. करइ–करिइ B, करि C J. जुहार–जूहार D, जोहार J. सूद्र–शूद्र B. आवी–आवि K. iii qr in J is करि जोहारशूद्र प्रहि सवि मांडी. घरि घरि–घरि २ A B C D J K, घिरि २ L. मांडइ–मंडिइ B, मांगि C, मांडि J.

२३३ गण–गुण B C J. गायण–गाइण A, गाइ B J, गांई C, गायं D. नइ–...B C, जे D J. नाइका–नायका C J L, नायिका D, नायकां K. गांछा–गाछिणि J, गांछी L. छीपा–छींपा C, छीपणि J. करइ–करि B C J. जुहार–जूहार D, जोहार J. मगावइ–मग्गावि B, मगावि C J, मंगावइ K, नइं मागिइ L. आयस–आंइस A. तेली–माली D. नइ–...A, नि B C J, नइं D.

२३४ J omits vs 234. नइ–नि B, अनइ L. विवसाई–विवसाइ A, व्यवसाई B, विवसाईआ C, विवसाईका D. आवइ–आवि B C. वर्ण–वरण C. पाए–पाइ A B, पाय C K L. लागीनइ–लागीनि B C, लागीनइं L. कामा–कांमा A, काम C, कांमां K, रमवा L. सारइ–सारिइ B, समारि C. आयस–आइस A B, आवी C. करइ–करिइ B, करि C, करू L. जुहार–जूहार D.

झालर बालि मांहि अंतेउरि लेई आभरण नाषइ ।
पुरसउ पाणी मांहि बोलाविउ, गढ मांहि कांई न राषइ ॥ २३५

माणिक मोती हीरा आणी, सोनां रूपां सार ।
ऊंडइ नीरि अणावी राउलि बोलाव्या भंडार ॥ २३६

चाहूआण कुलि जे धोरींधर, जाणइ राजविवेक ।
तेडावी वीरमदे कुंअर, सिरि कीधउ अभिषेक ॥ २३७

लागउ पाय मांजीयां आंसू, जणणी दीइ आसीस ।
वंशि अम्हारइ तुं अजरामर, प्रतिपे कोडि वरीस ॥ २३८

चंदनकाठ अगर नइ तुलसी, बीली आमली आणी ।
करी सनान देव आदितनइ अर्घ दीइ सवि राणी ॥ २३९

---

२३५ झालर–झालरि K. मांहि–माहि K. अंतेउरि–अंतेउर A B C D, अंतिउरि L. लेई–लेइ K. आभरण–आगरण्हां A. नाषइ–नांषइ A, नाषिइ B, नषावि C J, नषावइ D K, लेषाइं L. पुरसउ–पुरसु B, परसुं C D, परसु J L, पुरिस K. पाणी–पांणी A D. मांहि–माहि A, मांहे D. बोलाविउ–बोलीउ A, बोलावि C, बोलाव्युं D, बोलाव्यु J, बोलाव्या K, बोलाविउं L. मांहि–माहि A K. कांई–काइ A, कांइ C, को D. राषइ–राषिइ B, रषावि C J, रषावइ D.

२३६ माणिक–मांणिक A D J, माणीक K. मोती–मोति C. हीरा आणी–नइ परवालां A, हीरा आणि D K, हीरा आंणी J. सोनां–सोना C D J K. रूपां–रूपा C J K. ऊंडइ–ऊडइ A, ऊडिइ B, ऊंडि C J, उरडे D. नीरि–नीर A C K, ने D. अणावी–अणांवि D. राउलि–राउल K, राऊलि L. भंडार–सवि भार A, भंडारी L.

२३७ चाहूआण em–चाहूयाण A D, चहूयाण B, चहूआंण C, चहूआण J, चहुआंणा K, चाहुआण L. जे–जेह C. धोरींधर em–धीरीधुरि A, धुरंधर B, धोरंधर C, धुरंधुर D, धोरीधर J, धारिधरि K, धोरिंधर. L. जाणइ–जाणि B C, राणिम D, जांणि J, जांणइ K. राज–राय K. तेडावी–तेडावि D. कुंअर–कुयर A, कुंयर B D, कुअर K. सिरि–शिर A, सरि D, शर J, सीर K, शिरि L. कीधउ–कीउ A, कीधु B C J, कीधुं D.

२३८ लागउ–लागु B C J K L, लागुं D. पाय–पाइ L. मांजीयां–माइ A, मांजी B D, माय C, मांजीआं J, नांषियां K. आंसू–बापनइ A, आंपू B, तायने C, आसू J, आंसूं L. जणणी–जंणणी C, जिणूंणी L. दीइ–यइ A, दि B C, दिइ J L, दियइ K. आसीस–आशींस L. वंशि–वंसि C D, वंश J, वंस K. अम्हारइ–अह्मारि B C J. तुं–तूं B D J. अजरामर–अजरांमर K. प्रतिपे–प्रतपे C K L, प्रतिपइं D. वरीस–वरिस C, वरस D.

२३९ अगर–अणावी K. नइ–नि B J, ने D, ...K. तुलसी–तलसी D. बीली–बील A, लींब B. आमली–आंबिली B, आंमली J, अमली K. आणी–आंणी A D J, आसीस K. करी–करीय A. सनान–सनांन A C D J, सिनान L. देव आदितनइ–देव आवीनइ A, देवादीतह B, देव आदित्यनि C, देव आदित्यनइं D, देव आदित्तनि J, देव आदीतनइ K, देव आदीतइ L. अर्घ–अरघ A J, अरय B. दीइ–दीइं D, दियइ K, दिइ L. राणी–रांणी A D J, कीस K.

हाहाकार हूउ तिणि वेलां, राणी जमहरि पइसइ ।
सरलइ सादि सहू हरि बोलइ, जमहर इणि परि दीसइ ॥ २४०

॥ राग नूछी देसाष ॥

बांधव पुत्र कलत्र धन यौवन, जाणे मायाजाल ।
जिणि दिनि हुइ दैव ऊफराठउ, तिणि दिनि सहूइ आल ॥ २४१

॥ ध्रूपद ॥ हा हा दैव दोस कहि दीजइ, दीसइ किस्युं विहाण ।
नयणे अजी रुहिर नवि आवइ, हो हीयडां थ्यां पाषाण ॥ २४२
हा हा दैव ॥

पंनरसइ चउरासी जमहर गढ जालोर निवेसि ।
लोक सवे अंतेउर पूठि, हो जमहरि करइ प्रवेस ॥ २४३
हा हा दैव ॥

विषम कर्मगति किम टलइ, हो मनि विषवाद म आणि ।
भगति मुगति दानेश्वर सुणीइ, समरि न सारंगपाणि ॥ २४४
हा हा दैव ॥

---

२४० हूउ-हूऊ J, हूयउ K. तिणि-तिण A K, तेणी B O, तिणि D, तीणी L. वेलां-वेला K. राणी-रांणी A D J K. जमहरि-यमहरि O, जमहर K. पइसइ-पिसिइ B J, पइसि O, पैसइ K. सरलइ-सरले A. सादि-सादे A. सहू-सहु K. हरि-इम L. बोलइ-बोलि B O J. जमहर-जमले B, यमहर O इणि-रहि B, इणी O, ईणी D J L, राणी K. परि-पांइ B,...K. दीसइ-दीसिइ B, दिसइ D, दीसि J, पइसइ K, दीसइं L. J transp as ईणी परि जमहर दीसि.

२४१ राग-इति राग K. नूछी-भूछी B,.. K, भूपाली L. देसाष-देशाष B, देसाष ॥ गीतं ॥ K L. O D J omit the song-vss 241-244 बांधव-बंधव B. पुत्र-पूत्र L. यौवन-जोवन K, योवन L. जाणे-जांणे A K, जाणि B. जिणि-जिण A K, जीणं L. दिनि-दिणि B, दिन K. हुइ-होइ K. दैव-देव K. ऊफराठउ em-ऊपराठउ हो A, ऊफराटु B, उपराठउ K, ऊफराटा हा L. तिणि-तिण A K, तिणं L. दिनि-दिनि हो A, दिन K. सहूइ-सहूइं K, सहू L. आल-आल रे K.

२४२ ध्रूपद-...A B K. दैव दोस-दोस दैव A, देव दोस K, दैव दौस L. कहि-किम B, किहि L. दीजइ-दीजि हो B. दीसइ-दीसि B. किस्युं em-किस्यु A, किसिउं B, किसुं K, किशुं L. B transp as: किसिउं दीसि. विहाण-वहाण B, विहाणइ K. नयणे-नईणि B. अजी-हजी K. रुहिर-सिहरि B. B transp as: सिहरि अजी. नवि-न B. आवइ-आवइ हो हो हरिइ A, आवि आवि B. हीयडां-हीयडा A, हैडा B, हियडा K, हीइड्यां L. थ्यां-था B. पाषाण-पाषाण रे K हा हा दैव-...A, हा हा ॥ K.

२४३ पंनरसइ em-पनरहसइ A, पंनरसिं B, बारइसइ K, तेरहसइं L. चउरासी-चुरासी B L, चउरासि K. जमहर गढ-गढि जमहर B. जालोर-जालोहर B, जालउर K, जालुर L. निवेसि-निवेस B, निविशी K, निवेशिइ L. सवे-सवे हो L. अंतेउर-अंमेहुर L. पूठि-पूठिइ B, पूठइ K, पूठिं L. जमहरि-जमहर K. करइ-करिउ B, करइं L. प्रवेस-प्रवेशि K. हा हा दैव-हा हा दैव दोस कहि दीजइ A, हा हा ॥ B K.

२४४ कर्म-करम A. टलइ-टलि B, वलइ K. आणि-आंणि K. भगति-मुगति B. मुगति-मुक्ति A, मुगति B, मगति L. दानेश्वर-दानेश्वर A, दानेस्वर K. सुणीइ em-सुणी हो A, हो B, सुणियइ K, कहीइ L. समरि-समर K. सारंगपाणि-सारंगप्राणि K, सारंगपाणि L. हा हा दैव-हा हा दैव दोस कहि दीजइ A, हा हा B K.

॥ चउपई ॥

डूंगर तणां शिषर डगमगइ, थयूं अजूआलूं सायर लगइ ।
दिग्गज आठ रह्या अवलोकि, धूम विराल गई सुरलोकि ॥ २४५
जाणी वात न लाई षेव, ततषिण जोवा आव्या देव ।
हस्ति चडिउ ऐरावण इंद्र, अंतरि देषइ सूरिज चंद ॥ २४६
नैरति वरण सवे सुर मिली, नरवाहन तिहां आविउ वली ।
जे तां चउसठि जोगिणि हती, हंसि चडी आवी भारती ॥ २४७
गुरडि चडी हरि आव्या अनी, आवी शकति सिंहवाहिनी ।
सपत ऋषीश्वर साचउं चवइ, ब्रह्मादिक तिहां आव्या सवइ ॥ २४८
आव्या रुद्र वृषभ सज करी, महिषासुर आविउ संचरी ।
पाछां रह्यां आवसइ षोडि, आव्या सुर तेत्रीसइ कोडि ॥ २४९

---

२४५ **चउपई**–...A, चुपै B J, चु० C, चउपइ D **डूंगर**–डुंगर B C K **तणां**–तणा A, तणइ K. **शिषर**–शिखर C, सिषर J, शिषिर L. **डगमगइ**–डगमगिइ B, झगमगि C, डगमगि J, टगमिगइ K, टगमगई L. **थयूं**–थिउं A, थुं B, थयुं C, घणुं D, थयउ K, थऊं L. **अजूआलूं**–अजूयालूं A B, अजूआलुं C D K. **सायर**–साचुरि D. **लगइ**–लगिइ B J, लगि C, लगइं D L iii qr in K is : देव स्वर्प्रे तणा रह्या अवलोक. **दिग्गज**–दिगज A, दिग जे C, दिग्राज L. **आठ**–...B **रह्या**–रह्यां A, आवि B, कृष्ण C, रहीया D, रहिया J. **अवलोकि**–जे लोक B. **धूम**–धूष D, अभि J, धूंम K. **विराल**–वराल B, विकराल K. **गई**–लागी B. **सुरलोकि**–सुरलोक B, सरलोकि J.

२४६ **जाणी**–जांणी C D J K. **ततषिण**–ततक्षिण A, ततषिणि B J, ततक्षण C, ततषिणे D, ततक्षिणि L. **जोवा आव्या**–जोव्या D J transp as आव्या जोवा. **हस्ति**–हस्ती B D, हस्तीइ C. **चडिउ**–चढिउ C, चडी D, चव्यउ K. **ऐरावण**–ऍरावण B C, एरावण D K, ऐरावणि L. **अंतरि**–अंतेउर A, अतर D, वली J, अचरिज K. **देषइ**–देषि B C J, षिइ D, देषई L. **सूरिज**–सूर C. **चंद**–नइ चंद D, नि चंद J, चंद्र L.

२४७ J omits vs 247. **नैरति**–नैरुत A, नैऋत B, नयरित K. **वरण**–वरुण B, चरण D, वरु L. **सुर**–सुरु A. **नरवाहन**–नरबाहन K. **तिहां**–त्याहां K. **आविउ**–आव्यु A, आव्यउ K. **जे**–जो B L, **तां**–तेहां D, जोई K. **तां**–ती B C, ता D,...K. **चउसठि**–चुसठि B C D. **जोगिणि**–योगिन B, योगिणि D L, जोगणि K. **हती**–हुंती A. C transp as चंडि हंसि. **हंसि**–हंस A. **चडी**–चंडि C, चढी K. **आवी**–आवि B C. **भारती**–सरसती D

२४८ C omits vss 248-249 i qr in J is : हरि आव्या तिहा गुरुडासनी. **गुरडि**–गरुड B, गुरड K. **हरि**–...B. **आव्या**–आवि B. **अनी**–इनी L. **शकति**–शक्ति ति A, शक्ति B, सकती D, सकति K, शिकति L. **सिंहवाहिनी**–हंसवाहनी A, सिंहवाहनी B, संघवाहिनी D, शंघवाहिनी J, स्पंघवाहिनी K. **सपत**–सप्त B D J. **ऋषीश्वर**–रषीस्वर A, रषीश्वर D L, ऋषीस्वर K. **साचउं**–साचूं B D J L, साचउ K. **चवइ**–चवि B, तवइ D, सवि J. **ब्रह्मादिक**–ब्रह्मादिक A D J K L. **सवइ**–सवई A, सवि B, सवे D, सेवे J, सवेइ L.

२४९ **वृषभ**–व्रषभ D. **सज**–सज्ज L. **महिषासुर**–महिषासन B. **आविउ**–आव्यु A, आव्या K L. **संचरी**–सांचरी A. ii qr in J is : महिष चडी आव्यु संचरी. **पाछां**–पाछा B D. **रह्यां**–रहीयां A, रहियां B J, रहि D, रह्या L. **आवसइ**–आवसि B D J, आविस्यइं K, आविशिइ L. **सुर**–सूर D. **तेत्रीसइ**–तेत्रीसि B J, तेत्रीसइ D.

स्वर्गलोकथी साचूं मानि, सवि अपछरा चडी विमानि ।
सवि देवता अंतरिष रही, दिव्य चक्ष विण दीसइ नही ॥ २५०
वली मलिक चडीआ तिणि समइ, लेसिउं घाउ दिवस पांचमइ ।
कान्हस्वामिनइ देउलि वली करइ विणास वात सांभली ॥ २५१
ततषिणि चडीउ राउल कान्ह, सवे राउते कर्‍यां सनान ।
गोपीचंदनि चरच्यां भाल, कंठि धरी तुलसीनी माल ॥ २५२
एकमना राउत संचरइ, अंतरि थकी अपछरा वरइ ।
भिडइ रिणंगणि राउत भला, साह्मा मलिक दीइ ऊथला ॥ २५३
मलिक कपूर कमालदीन, तोगां मलिक अनइ ताजदीन ।
अहिमद मलिक अनइ ऊंबरु, आबू महिमद नइ सूंबरु ॥ २५४

---

२५० J omits vs 250. स्वर्ग–स्वग्र A, स्वर्ग्र B K L, सरग D. लोकथी–लोकथां A, लोक ते C. साचूं–सांचु A, साचु B C, साचुं D, साचउ K. मानि–मांन D, मांनि L. सवि–सवे B C K, सवेइं L. अपछरा–अपसरा C. चडी–चडि D. विमानि–विमांनि A K, विमांन D. सवि–सवे B C D. देवता–दवेत L. अंतरिष–अंतरीष B, अंतरिक्ष C, अतरषि D, अतरीक्षइं L. A transp as · अंतरिष देवता सवि. रही–रहइं A. दिव्य–देव C, दव्य D, दिव्याव L चक्ष–चक्षु B C, चक्षू D, विचक्षण K. विण–तिणी D,. .K. दीसइ–दीसि B, दिसइ D. नही–नहीं B.

२५१ चडीआ–चडीया B, चडी C, चडी आव्यउ K, चडी आव्या L. तिणि–तिण A, आव्या C, तणि D, तीणइ L. समइ–समिइ B, सवि C, समि J, समइं L. लेसिउं–लिसूं B, लेशूं J, लेस्युं K, लेसिउ L. घाउ–घाय C D. दिवस–दिवसि A L, दींण J. पांचमइ–पांचमि B C J, पांचमिइं D. कान्ह–कांन्ह A K, काह्न B, कांह्न C L, काह्न D, काहान J. स्वामिनइ–स्वामिनि B, स्वांमिनि J, स्वामिनइ K, सामिनइ L. देउलि–देहरइ D, देउल J, देवल K. करइ–करिइ B, करि C J, करइं L. विणास–विलास A. वात–घात C D J K. सांभली–इम सुणी A.

२५२ ततषिणि–ततक्षण A C, ततषिणिं D, ततषिण K, ततक्षिणि L. चडीउ–चडियउ K. राउल–रावल K. कान्ह–कांन्ह A L, काहान J. सवे–सविहुं A B, सिहुं L. राउते–राउत B. कर्‍यां–कीउं A, करिया B, तव कीयां J. सनान–सनान A D J K, सिनान L. गोपीचंदनि–गोपीचंदन C D K. चरच्यां–चर्चा A, चरचिउं C, चरच्या D K. भाल–भली A, भालि D, भलां L. धरी–करी A, ठवी B J. तुलसीनी–तुलशीनि D, तुलशीनी L. Folio 49 of K MS, containing vss 252 b–274 i qr, is missing.

२५३ एकमना–एकमनां B J. राउत–उलग J, राउत्त L. संचरइ–सांचरइ A, संचरिइ B, संचरि C J. अंतरि थकी–अंतरक्षथी B, अंतरीक्षथी C, अंतरष्यथी D, अतरि थिकी J L. अपछरा–अपसरा C, अपछर D. वरइ–वरिइ B, वरि C J. भिडइ–भडि B C J, थाइ D, भिडइं L. रिणंगणि–रणंगणि B C D L, समरंगणि J. राउत–राउत्त L. भला–भला D. साह्मा–सांम्हा A, साहामा B, साह्मा L. दीइ–दि C, दिइं L. ऊथला–उथिला A, उथला C.

२५४ C omits vss 254, 255. मलिक–मलि B D. कपूर–कपुर B, कपूर नइ D, पूरण नि J. अनइ–अनि B, नि J. ताजदीन–हरदीन D, जहरदीन J. अहिमद–अहमद A, अहिम्मद B, अहिदर D L. अनइ–अनि B, नइ D, नि J. ऊंबरु–ऊंमरउ A, उमरु D, अमु ऊंबरु J, ऊमर L. आबू–अबू B, आबू J. महिमद–अहिमद A, अहिम्मद B. नइ–नि B D J. सूंबरु–मरगूल A, सुंबर D, सुंबरु J, सूंबर L.

कइरीजंघा षापरषान, मीर मलिक मोटउं अभिमान ।
तिमरस मलिक अनि बहिराम, बीजा तणां न जाणउं नाम ॥२५५
अंगोअंगि भिडइ मनरंगि, सहइ प्रहार तेहनइ अंगि ।
हठि चडीउ सोनिगिरु राउ, प्राणइ बि हथी मेल्हइ घाउ ॥ २५६
दीइ ऊथला साहमा सूंडि, वीरहाक वाजी ब्रह्मांडि ।
राउत नवि पाछा उसरइ, ऊपरि पुष्फवृष्टि सुर करइ ॥ २५७
साहमा छइ सपराणा मीर, सींगणि थका विछूटइ तीर ।
ऊघाडां षांडां थरहरइ, वीज तणी परि झबका करइ ॥ २५८
देव दैत्य जीणइ परि भिडइ, बिहुं कटकना पायक पडइ ।
आगइ कुरुषेत्रइ घाउ जिस्या, हीदू तुरक भिडइ रणि तिस्या ॥ २५९

---

२५५ कइरीजंघा em–कइरीजंघां A, कहिरीजारी B, कइरजंघ D, किरीजंघा J, कइरीजीघी L. षापरषान–पाषरषान A, पापरषांन B, षोपरषांन D, षाषरषान J. मलिक–ऊबरां A, मीरां J L. मोटउं–मोटु B J, मोटा D, मोटूं L. अभिमान–अभिमांन D J. तिमरस–तिमर समा A, तमर B, तिसर J. मलिक–मलि D. अनि–...A L, ताज B, नि J. बहिराम–बहिरांम B J. बीजा–बीजां A L. तणां–तणउ A, तणा D, तणूं J. जाणउं–जाणूं B J L, जांणूं D. नाम–नांम D J.

२५६ भिडइ–भडि B C J, भडइ D, भिडइं L. मन–तिणि C, ते J, तीणइ L. रंगि–अंगि J. सहइ–सहि B D J L. तेहनइ–तेहनि B D, जेऊ तेहनि C, तेहू J, तेहने L. अंगि–अंगिइं A, मनरंगि J. चडीउ–चडिउ C D. सोनिगिरु–सोनिगिरउ A, सोनगिरु B C D J. राउ–राय A B D J. प्राणइ–प्राणिं B, प्राणि C L, प्रांणि D J. बि हथी–ब हेथी B, व्योहत्थि C, बि हथि D, छेहथी L. मेल्हइ em–मेल्हीउ A, मेहलि B C, मेहलइ D, मेहल्उि J, मेहेइ L. घाउ–घाय B D.

२५७ दीइ–दिइ A B. ऊथला–ऊथिला A. साहमा–साम्हा A, साहामा B, सांहमा J, साह्म L. सूंडि–सूडि A, सुंडि C J L, मंडि D. वाजी–वाजीव A, वाजइ C, वागी J. ब्रह्मांडि em–व्रह्मंडि A L, व्रह्मांडि C D J. राउत–राउत्त L. उसरइ–उसरिइ B, ऊसरि C D, उसरि J, उसरइं L. पुष्फ–पुरफ A, पुष्प C, पुष्फ D L, पूष्फ J. वृष्टि–विष्टि L. सुर–सुरि A. करइ–करिइ B, करि C J, करइं D L.

२५८ साहमा–सांम्हा A, साहामा B, साह्मा L. छइ–छि B J, छइं L. सपराणा–सपरांणा A D J L. सींगणि–सिंगणि C, सीगिणि D, सीगणि J, शींगणि L. थका–थिकी B, तणा C, थिका D J L. विछूटइ–परठि B, वछूटि C, विछुटइ D, विछूटि J, विछूटइं L. ऊघाडां–ऊघाडा B C. षांडां–षाडां J, षांडा L. थरहरइ–फरफरिइ B, फरहरि C J, फरहरइ D, थरहरइं L. वीज–बीज B L. परि–परिं D. झबका–झबकां B, झलका C. करइ–करिइ B, करि C J, करइं L.

२५९ देव–देव B. दैत्य–देत B, दोत्य L. जीणइ–जेणी B C D, जिणि J, जीणी L. भिडइ–भडिइ B, भडि C J, भडइ D, भिडइं L. बिहुं–बिहुं A, बेय C, बेहू D, बहु J, बिहु L. पडइ–पडिइ B, पडि C J, पडइं L. आगइ–आगि B C J. कुरुषेत्रइ–कुरुक्षेत्र B, कुरुषेत्रि C J, कुरुषेत्र D, कुरुषेत्रे L. घाउ–घ्यां A, घाइ B, घा L. जिस्या–जिसा A, तिस्या L. हीदू–हींदू B L, हिंदु C, हींदु D. भिडइ–भडि B C J, भडइ D, भिडइं L. रणि–रिण A, रणि L. तिस्या–तिसां A, इस्या D, इस्य L.

पूठि रहिउ करइ संधान, बापूकारइ राउल कान्ह ।
नामि नाम लीइ भूपाल, बोलावी परठइ कर माल ॥ २६०

राउत वली वीर रसि चडइ, चाचउ सुहड साल्हु रिण भिडइ ।
रही रही नइ लीधा घाउ, जीव ऊगार्‌या छांडी ठाउ ॥ २६१

मुहिता कुंडलिया टावरी, भला भिड्या रिण आदर करी ।
लूंढउ सेलहुत चउरासीया, चडी कटकि ते नासी गया ॥ २६२

अरसीमेर विजेसी वली, सांगउ सिलार सलूणउ मिली ।
जेसल लषमण लूणउ जाणि, ए नीसत नाठा निरवाणि ॥ २६३

आगइ भड सपराणउ हुतउ, रीछाउत नइ नाठउ पतु ।
अरजन वीहल नइ मूलराज, धांधलसूर सोमउ गिउ भाजि ॥ २६४

---

२६० **पूठि**–पूठिंइं B, पूंठि C, पूठिइं D. **रहिउ**–थकउ A, रह्या D, रहीऊ J. **करइ**–करिइ B, करि C, राउल J. **संधान**–संधाण C, संधांन D, काहान J **बापूकारइ**–बापुकारइ A, बाप पुकारि B, बापूकारि C J. **राउल**–राउलि B, करि J. **कान्ह**–कांन्ह A, काह्न B L, काहन D, सधान J **नामि**–नामिं B, नाम C, नांम D J. **नाम**–ठांम C, नांम D, आप J, नाम L. **लीइ**–लेई C D J. **बोलावी**–बोलावि J **परठइ**–परठि B C J. **कर माल**–किर माल A, करवाल C J, करि माल L

२६१ **राउत**–राजा A, राउत्तं L. **वली**–ते A, भणि J. **वीर**–वीरम A **रसि**–रस L **चडइ**–चडिइ B, चडि C J, चडइं L **चाचउ**–चाचु B C, वच्छु D, वाछु J **सुहड**–सुहउ A, सीहम D, सुहुड J. **साल्हु**–साहु B, भलु C,...D, मल्ल J, शिल्ल L. **रिण**–रणि B C D J, रिगि L **भिडइ**–पडिइ B, भडि C, भडइ D, चडि J, भिडइं L. **रही रही**–रही २ A C J, रहीउ B, रहि २ D, रही L. **नइ**–तिण A, थिर नि B, नइं D, नि J, उत्तरिनइ L. **लीधा**–दीधउ A. **घाउ**–घाय B D **ऊगार्‌या**–ऊगारिया A, उगार्‌या C, ऊगारि J. **छांडी**–छंडी L. **ठाउ**–ठाय B.

२६२ C omits vss 262-264. D omits vss 262, 263. **मुहिता**–महिता B J L. **कुंडलिया**–कुंडलीया B, कुंडलीआ J, कुंडिलीआ L. **टावरी**–ठावरी J. **भिड्या**–भिडीया A, भड्या B J. **रिण**–रणि B J L. **लूंढउ**–लुहड्ड B, लहुडा J, लढउ L. **सेलहुत**–सेलहथ A, सेलहत B, सेलहुत नि J, सेल्हत L. **चउरासीया** em–चउरीया A, चुरासीया B, चुरासीआ J L. **चडी**–चडीए A, चडि B, चढे J, चाड L. **कटकि ते**–कटके A, कटक ते J. **नासी**–नाशी L.

२६३ **अरसीमेर**–अरसीमेरु B J, अरशीमेर L. **विजेसी**–वजसी B, विजसी J, वजेशी L. **सांगउ** em–सागउ A, सागु B, सागुं J, साग L. **सिलार**–सितार J, विलार L. **सलूणउ**–सूलणु B, रलूंणु L. **जेसल**–जेसउ A, जेसु B. **लूणउ**–छलभु B, लषउ J, लूंभू L. **जाणि**–जांणि A J. **निरवाणि**–निरवांणि J.

२६४ **आगइ**–आगि B J. **भड**–भड ए J, भिडइ L. **सपराणउ** em–सपरांणउ A, सपराणु B, सपरांणु D, सपरांणु J L. **हुतउ**–हतु B J L, हतुं D. **रीछाउत नइ** em–रीछउ नइ वली A, रीछुत राउत B, रीछाइत ते D, रीछाउत ते J, रींछाउत्त नइ L. **नाठउ**–नाठ A, नाठु B, नाठु J. **पतु**–पत्तु L. **वीहल**–हलु B, वीहलि L. **नइ**–इ A, नि B J, नइं D. **मूलराज**–मूजरात D, मूलराजि L. **धांधलसूर**–धांधलसू B D, धांधल सूरु J, धांधलीउ L. **सोमउ**–सुम B, सोमु D J L. **गिउ**–गु B,...J. **भाजि**–भागि J.

बापलदे महीडइ परि सुणी, नाठउ घूघलीउ साहणी ।
लोलइ नइ नरसइ घालीया, राउड रिणवटि नासी गया ॥ २६५
दीठां दल नइ आवी हारि, जगसी नाठउ धर्मदूआरि ।
कर्मसीय रयणी निदानि, फूटरीया नाठा इम मानि ॥ २६६
करी हाक जिम ऊठइ माल, भला भिड्या अरजन अडवाल ।
लूणकरण माल्हण भडसी, रिणवट आह्णसी लूणसी ॥ २६७
वेढि तणा जाणइ परपंच, सोम तणा रणि भिडीया पंच ।
मेघ सोम नइ देवाइत, मूलराज बागण नइ जइत ॥ २६८
आल्हणसी महीडउ भीमसी, रिणवटि सातल नइ सोमसी ।
करी हाक रिणि हठ आदरिउ, एहे भिडीनइ भारत करिउ ॥ २६९
महिप जइत कीतल जगपाल, साल्हासुत म्लेछांनु काल ।
मंडलीक मारू झूझार, एहे राउते रणि कीधउ मार ॥ २७०

---

२६५ J omits 265 a and gives 265 b after 266 a. बापलदे-पापलदे A, वापडदे C, बापु पदम D. महीडइ-महीयलि A, महीयडि B, हडि C, महीडि D. परि-पुरि D. सुणी-भणि C, सुंणी D. नाठउ-नाठु B, नाठो C. घूघलीउ-घूघणीउ A, धूंधलीउ B, धुंघलीउ C. साहणी-सांहणी A, मसांहणी C, मसाहणी D. लोलइ em-लोल A, लोलि B, भोलि C, भोल्इ D, भोलो J, सोल्इ L. नइ-नि B J,...C. नरसइ-नरसि B, नरसिं C, नरसिंघ J. घालीया-थालीया B, जोवालीया C, चालीया D, वालीआ J, घालीआ L राउड-राठोड A, रामु B, राउड C, राठउडि J, राठ L. रिणवटि-रणवटि B C D L, रणि J. नासी-नासिनइ L.

२६६ C omits vs 266. D J omit 266 b. दीठां-दीठूं B. नइ-नि B,...D J, दलनइ L. आवी-आवतां D J, आ L. हारि-निहालि D, निआहारि J. जगसी-नागु J. नाठउ-नाठु B J. दूआरि-दुवारि A, दूयारि B. कर्मसीय-कर्मसीह A, कर्माथीआ L. रयणी-रयणीआ L. निदानि-नि दिनि B. फूटरीया-फूटरसीया B, फूटरीआ L. इम-म A.

२६७ करी-आकरी A, करीइ B, करि D. जिम-...J. ऊठइ-ऊडि B, ऊठिउ C J. माल-रणि माल J, मांल L. भिड्या-भडिया B, भड्या C D J. अरजन-अर्जन C, भड अरजन J. अडवाल-अडमाल C, वाल J. A reads as 267 a: आकरी हाक अरजन अडबाल भला भिडइ जिम जीपइ माल. D J omit vs 267 b. माल्हण-माह्रण B L, माहलण C. भडसी-भडअसी A, भडवसा C, भिड इस्या L. रिणवट-रणवटि B C L. आह्णसी-साल्हणनइ A, आलणसी C, आह्णशी L. लूणसी-लूंणसी A, लूंण तिस्या C, इस्या L.

२६८ C omits vss 268-274. J omits vss 268 b-274. तणा-तणु A, तणुं D L. जाणइ-जांणइ A, जाणि B, जांणिउ D, जांणि J. परपंच-प्रपंच A. रणि-रिण A. भिडीया-पाडिया A, भडीया B, भडिया D, भडीआ J. मेघ-मेघु D. नइ-नि B D. देवाइत-देवाईत B L, देवाईते D. बागण नइ-नइ बागण A, वीकु नि B, नि बांग D, बांगण नइ L. जइत-जित B, जयत D.

२६९ आल्हणसी-आह्सी A, आहलणसी D, आह्णशी L. महीडउ em-महीयडउ A, महीडु B D, महिडउ L. रिणवटि-रणवटिं B, रणवटि D L. सातल नइ-सातलु B, सातलनिइ D. D omits vss 269 b-275. रिणि हठ-हठ रणि B. एहे-एह B. भिडीनइ-भडीनि B. भारत-भारय B. करिउ-कीउं A.

२७० महिप-महिम L. जइत-जित B. कीतल जगपाल-कीतल महिपाल A, कीका हरपाल B. म्लेछांनु-मेछना B, म्लेछडु L. एहे राउते-एहे A, एह राउति L. रणि-रिण A. कीधउ-कीधउ घण A K, कीधु B.

[वीरम लोहट वीहल जाणि, लीघा घाउ घायलइ भाणि ।
पूनराज राउत पातल्ल, भला भिड्या राउत रिणमल्ल ॥] २७१
मेहु राजु तेजु जाणि, कीतल भलु भिडीउ भुजप्राणि ।
राउत अणतउ अनइ अबीह, देवसीह घडसी बे सीह ॥ २७२
तेजउ मुंजउ बे राउत, भलु भिडिउ कान्ह गुहिलुत ।
धारउ सोढल हरसू जाणि, हादउ दूदउ भिड्या भुजप्राणि ॥ २७३
पूनराज राउत पातल्ल, भला भिड्या राजड रिणमल्ल ।
सामतीउ वाहड वजूड, जिणि हमीर न जाणइ कूड ॥ २७४
सींधल सहसमल्ल झूझार, झांझण नइ पातउ पडिहार ।
भाचु भीम पवड वीकल्ल, भलउ भिड्यउ राउत सातल्ल ॥ २७५
साल्हउ सोभित सूर अपार, सवे सुभट सबला झूझार ।
पूंनड मुंजउ भारहमल्ल, लाषणसी महीडउ रायसल्ल ॥ २७६

---

२७१ लोहट–लोहडुउ B. वीहल जाणि–वीरम नाणि B. भाणि em–भांणि A. पूनराज em–पूंनराज A. भिड्या em–भिडीया A. B L omit ii–iv qrs.

२७२ B L omit i qr. भलु–सतउ A, भूंभु B. भिडीउ–भडिउ B, भिडिउ L. राउत–राउतु B, राउत्त L. अणतउ em–अनंतउ A, अभंग B, अणतु L. अनइ em–अकल A,...B, अनी L. देवसीह–देवसी B, देवशीह L. घडसी–नारद B, घडशी L. सीह–शीह L.

२७३ तेजउ–तेजु A. मुंजउ em–मुंजु A, मूंजु B, मुजउ L. बे–बि B. राउत–राउ A, राउत्त भला L. भलु–भलउ B. भिडिउ–भडिउ B. कान्ह–कांन्हड A. गुहिलुत em–गिहिलुत्र A, गहिलुत B L. धारउ–धीरू B, धारु L. सोढल–सोढउ A, साहढल B. हरसू–हरस्यूं B. जाणि–जांणि A, जाणी B L. iv qr in B is : लीघा घाउ धूंघ नि भाणि; in L is : धांघ धांधल नइ भाण.

२७४ पूनराज–पून L. पातल्ल–पातल B, पातल ए पञ्या L. K MS commences again from vs 274 ii qr. भला–वली B. भिड्या–भडियां B. राजड–राजु A. रिणमल्ल–रिणमल A, रणमल्ल B L. सामतीउ–सामंतीउ A, सामती B, सामतियउ K. वाहड–चाहड A, साहड B, बाजड K. वजूड–वूजड K. जिणि–जिण A, जीणइ K, जीण L. हमीर–हम्मीर B, मीर K. जाणइ–जाणिउं B, जांण्यउ K, जाणिउं L. कूड–कूल A, कूंड L.

२७५–सींधल–सींघली C, सीधल J, शीधल K, सींघल L. सहसमल्ल–सहसमल A, उधडमल C, सहुड-मल J, सुहडमल K. झांझण–झाझण C K. नइ–नि B C J L. पातउ–पातु A C J L, पाछु B. पडिहार–पडीहार J, पडहार L. C omits 275 b–276. iii qr in J is : भाचु परबत वीकल मल्ल; in K is : मीचउ भांमउ परबत वीकल. भाचु–चाचु B, मीचउ K. पवड–भड A. वीकल्ल–वीकल B. भलउ–भलु B J L. भिड्यउ–भड्ड B, भडिउ J, भिडिउ L. राउत–राउत्त L. सातल्ल–सांतल B, सांतल J, सातिल K.

२७६ J L omit vs 276. साल्हउ–साल्हु A, साहु B, साहल D, साल्ह L. सोभित–सोभत B. सवे–सवि K. सुभट–सबटा D, शेभटा K. सबला–सबल A, शबल K. D omits vs 276 b. पूंनड–पूनड B, पुंनड K. मुंजउ–मूजि B, मुंज K. भारहमल्ल–अनि भारमल B. लाषणसी–लाखण A. महीडउ–महीयडउ A, महीड B, माडउ K. रायसल्ल–रायासल A, बिणसल K.

साल्हड राउत नइ धारसी, एता सवे हूआ साहसी।
मुंजिग मेरउ सामतसीह, तेजउ सूरउ बिन्हइ अबीह ॥ २७७
बीजड लींबउ कडूउ जाणि, भंडारी भड मलु वखाणि।
बारहीउ गोल्हण आदरइ, ए राउत रामायण करइ ॥ २७८
पीमउ बीरउ नइ पदमसी, भला भिडिया सुहड मोषसी।
भडसी भीम सुणीइ साहसी, कुंअरपाल लोलउ वेतसी ॥ २७९
पूनउ आसड बीजड जेउ, धारसीह नइ दूदउ बेउ।
ए राउत एकमना जाणि, रिणवटि भला भिड्या मुजप्राणि ॥ २८०
मइं सांभलीया आगिली भास, रहीया साथि पड्या पंचास।
हीदू भिडीया इणि परि घणा, भिड्या अंगरष राउल तणा ॥ २८१

---

२७७ साल्हउ–साल्हु A B, साहु C, माहलु D, साहलउ J, साल्ह L. राउत–राउल C, राउत्त L. नइ–नि B. धारसी–धारिसी D, साहसी J, धारसी L. एता–एतां D L. सवे–सवि J, सवइ L. हूआ–हूया A B, होआ L. B transp as : हूया सवे. C D omit 277 b. मुंजिग–मूंजग B, मूजउ J, मुंडिग K, मूंजिग L. मेरउ–मेरु B J K L. सामतसीह–सांमंतसीह A, सामंतहसीह J. तेजउ–तेजु B J. सूरउ–रूदउ A, सूरु B J L. बिन्हइ–अकल A, बिनि B, बिन्हे J, बिनइ K.

२७८ बीजड–बीजउ A J L, बीजउ K. लींबउ em–लीबु A C D, लींबु B, लींबु J, लीबउ K, लींबु L. कडूउ–कडुउ D, भडीउ J, कडुओ K. जाणि–जाणि D J K. भड–भल J, भंड K. मलु–भडीउ J, मलउ K. वखाणि–वषांणि C D K, पराणि J. A omits vs 278 b. बारहीउ–बारहिट K. गोल्हण–गोहलण D, गेलण J. आदरइ–आदरि B C J, आरइ L. राउत–राउत्त L. रामायण–रांमायण C, रामाइणि D, रामायण J, रांमायण K. करइ–करिइ B, करि C J.

२७९ C omits vss 279–280. D omits vss 279–281 a. पीमउ–पीमु B J L. बीरउ–वीर A, वीरु B, सीमु J, वीरु L. नइ–नि B J. पदमसी–पदमशी L. भिडिया–भडि B J, भिड्या K, भिडइ L. सुहड–मोहण A, मोल्हण B, रणमां J, मोह L. मोषसी–सुहडसी A, वेतसी J K, मोहड पसी L. A omits iii qr. भडसी–भरुसी B, भड J, भडशी L. भीम–भड B K, भिड L. सुणीइ–तणी B, सुणिये K. साहसी–साहमी B. कुंअरपाल–कुंयरपाल A, कुयरपाल B, कुंरपाल L. लोलउ–लोल A, तालु B, जी J, लोलु L. वेतसी–जयतसी J, वेतशी L.

२८० J omits vs 280. पूनउ–पूनु B, पूंनउ K, पूनां L. आसड–आसल K, आसीसल L. बीजड–बीजउ K L. जेउ–तेय A, बेउ B. धारसीह–धारसी B, धारुसीह L. नइ...A, नि B. दूदउ–दूदु B, दूदु L. बेउ–बेय A, जेह B, बेअ L. राउत–राउत्त L. जाणि–जांणि K. रिणवटि–रणवटि B L, रिणवट K. भला भिड्या–भिड्या भला A, भला भड्या B, भला भिडइ L. प्राणि–प्रांणि K.

२८१ मइं–मंई A, मि B C, महि J. सांभलीया–सांभली B C K, साभली J. आगिली–कहीया A, आगली C, आगली J. रहीया–रहीउ A, रही B, रहिआ K. साथि–राउत A B. पड्या–मूंया A, मूंआ B, पडीआ J. L reads as 281 a : मइ सांभलीया ए भास रहीउ सत्तरी मूआ पंचास. हीदू–हींदू B K, हींदु C. भिडीया–भडीया B, भड्या C D, भड्या J, भिडिया K, भिड्या L. इणि–इण A, एणी C, ईणि D, ईणी J L. घणा–घणां D. भिड्या–भिडीय A, भड्या B C D J, भिडिया K. अंगरष–अंगरक्ष C J, अंगरखि D, राउत K, अंगिरष L. राउल–राउत A D.

एकमनु तुरकांसूं भडिउ, अइतकरण राउ साथइ पडिउ ।
जेहे राउते आंगम्यां लोह, तेहे मार्या म्लेछ समोह ॥ २८२

स्वामिकाजि एकमना भिड्या, जे जे घणे प्रहारे पड्या ।
रणि सइंफलं न ग्या जे छंडि, ते कीरति पाम्या नवखंडि ॥ २८३

धारातीरथ पाम्या जेउ, अमरलोकि सवि पुहुता तेउ ।
जेह तणी घरणी घरबार छांडी पूठि गई भरतार ॥ २८४

तेह सरिसु गंभीर निनाद, करइ अपछरा अंतरि वाद ।
दिव्य कुसम माला अणुसरइ, राउत रंगि अपछरा वरइ ॥ २८५

पूठि न ग्या जे राउल तणी, ते अपकीरति पाम्या घणी ।
जेह पसाइ सोनां सार, पट्टकूल पहिर्या सिणगार ॥ २८६

---

२८२ एकमनु–एकमना A. तुरकांसूं–तरकस्यूं B, तुरकांसुं C K, तुरकसिउं D, तुरकसुं J, तुरकसुं L. भडिउ–भिडीउ A, भडि J, भिड्या K. अइतकरण–जितकरण B, जयकर्ण D, जयकरण J, जयतकरण K. राउ–राइ C, राय D J L. साथइ–साथि A J L, तसी B, सार्थि C, साथिइ D. पडिउ–पडीउ A, भडिउ B, पडि J, पड्या K. जेहे–जे जे C, जेह J. आंगम्यां–अंगम्या B, आंगमीया C, अंगमां D, आंगमीआ J, आगम्या K, आंगम्या L. लोह–लोही D. तेहे–जेणि B, तेणे D, जेह K, जेहे L. मार्या–मारीया C, मारिआ K. म्लेछ–मेछ B, मलेच्छ C. समोह–संमोह B, समूह L. iv qr in J is: तेह राउत पडीआ समोह.

२८३ स्वामि–षामि D. काजि–कार्जे D, काज K. भिड्या–भिडीया A, भडिया B, भड्या C D. जे जे–ते जे A, ते राउत C, भला प्रासीया D, जेहे K, जेज L. घणे प्रहारे–घण प्रहारे B, ते साहमा C, जे रणि D. पड्या–पडीया A, पडिया B. J reads as 283 a: स्वांमि काजि भला रणि पड्या भला प्रासीआ ते रणि चड्या. रणि–रिण A. सइंफलं em–सांफलं A, सूंफलं B, सिंफलुं C, सीफलं D, सइंफलइ K, सइफलं L. न–...B. ग्या–गया B, गयो C. जे–...C. छंडि–छाडि B K. कीरति–किरती D. पाम्या–पांम्यां A, पांम्या D K. नवखंडि–अखंड B, नवखंडि L. J omits 283 b.

२८४ D omits vss 284–285. पाम्या–पांम्यां A, पडीआ J, पांम्या K. जेउ–जेह B C, जेअ K. अमरलोकि–अमर तीरथ J, अमर लोक K. सवि–...J. पुहुता–पुहतां A, पुहता C, पहुता K L. तेउ–तेय A, तेइ C, रणि तेउ J. J omits 284 b. घरणी–जे घरणी B. घरबार–घरबारि A C, बारि B. छांडी–छंडी B L, छाडि C. पूठि–पूंठि C.

२८५ तेह–ते B C. सरिसु–सरिस A, सरीसु J, सरिसउ K. निनाद–निदानि A. करइ–करि B C J. अपछरा–अपसरा C. अंतरि–अंतर A, अंगि C J K. वाद–विवाद C J K. कुसम–कुसुम B J. माला–माता B. अणुसरइ–अणसरइ A, अणुसरिइ B, अणुसरि C, अणसरि J. राउत–राउर K. वरइ–वरि B C J.

२८६ पूठि–पूंठि B, पूंठि C. न ग्या–न गया B, नम्या C. जे–ते A,...B. राउल–राउलि D, राउत J, रावल K. तणी–मणी C. ते–तेहे A. अपकीरति–उपकीरति A L, उपकीरति C. पाम्या–पांमी A, पांम्या C K. पसाइ–पसांइ B K L, पसाइं C D J. सोनां–सोना B K L, पहिरया D. पट्टकूल–पटकूल A. पहिर्या–पहिरीया A, पहिरया B, पाम्या C, पहिरियां J. सिणगार–सणगार C, सणगार J, सिणगार L.

तेह काजि आणी परिताप गढ छांडी ऊगारिउं आप ।
अंतरि पक्ष प्रहारे भिडइ, वालइ दोट पंषीआ पडइ ॥ २८७
गृध्र सेन रूआछ्यां फिरइ, आमिष लोमि चंच वावरइ ।
पड्या योध थिउं बीहामणूं, कटक तोरकुं भागूं घणूं ॥ २८८
मार्‍या म्लेछ असंभम करिउं, लोहि धायउ पाछउं ऊसरिउं ।
करी वेढि गढ माहिला माहि, अंगरषे पधराव्या राय ॥ २८९
व्यास भणइ राउल अवधारि, देववचन जोइयुं विचारि ।
आगइ धारातीरथ एक, वली पामीइ पुण्यविवेक ॥ २९०
राउल भणइ व्यास कुण साषि, ताहरउ धूम न जोसिउं आंषि ।
थ्या ऊसंकल अवसर भलइ, दीधउं वचन जनमि आगिलइ ॥ २९१

---

२८७ D omits vs 287. **तेह**–ते B. **काजि**–काया B, कजि K. **आणी**–आंणी C J K. **परिताप**–परताप A J K L. **छांडी**–छाडी L. **ऊगारिउं**–ऊगारूं B J, ऊगर्‍युं K, ऊगारिऊं L. **अंतरि**–अंतर A. **पक्ष**–पषि B, पंथि C, पंथ J K, पक्षि L. **प्रहारे**–पहारे B, पंषीया C, प्रहारि J. **भिडइ**–पडइ A, पडिइ B, पडि C, भडि J, भिडइं L. **वालइ**–वली B C, वाली J K, वीटी L. **दोट**–मोटा C, डोट J. **पंषीआ**–पंषीया A B, पंषिआ K, पंक्षीआ L. **पडइ**–पडिइ B, पडि C J.

२८८ **गृध्र**–गृध A, ग्रध्र C, ग्रध D, ग्रध्रु L. **सेन**–पंषि J. **रूआछ्यां**–रूषि आव्या A, रूयांछु B, घण आव्या C, रूयाव्या D, घण लोभिं J, रूआछ्या L. **फिरइ**–फरिइ B, फरि C. **आमिष**–आंमिष A B. **लोभि**–लोचन C, लोथि K. **चंच**–चांच A C, वाच B. **वावरइ**–वापरइं A, वावरिइ B, वावरि C J. **पड्या**–पडीया A, पडियां B, पडियुं K. **योध**–जोध A, योद्ध B. **थिउं**–थयुं C D, थयूं J, थ्युं K, थिऊं L. **बीहामणूं**–बीहावणउं A, बीहामणुं C D K, बीहामणू L. **तोरकुं**–तुरतुं B, तुरकनुं C, तुरक्नूं J, तोरकी K, तोरकूं L. **भागूं**–भांजूं B, भागुं C D K, भागु L. **घणूं**–घणउं A, घणुं C D K.

२८९ **मार्‍या**–मारी A, मारिया B, मारीया J. **म्लेछ**–मलेछ A J, मेछ B. **असंभम**–सइफर्द्दु L. **करिउं**–किउ A, कर्‍युं K, करिऊं L. **लोहि**–लोह B C D L, लोही J, लोहइं K. **धायउ**–धायु B, द्दयुं C, धायूं D, धाइं J, धायुं K, द्दयु L. **पाछउं**–पाछउ A, पाछु B, पाछूं C, पाछऊं L. **ऊसरिउं**–उसरिउं A, ऊसरूं B, ऊसरुं C, सरिउं D, उसर्‍यूं J, उसर्‍यु K, ऊसरिऊं L. **करी**–करि C D. **वेढि**–वेढ K, वेग L. **माहिला**–मांहिल्या C, माहल्या D, मांहिला J. **माहि**–मांहि B C D. **अंगरषे**–अंगरक्ष C, आगरषे D, आंगरषे L. **पधराव्या**–पधारिया B, पधार्‍या D, पधराया J.

२९० **भणइ**–भणि B C J, भणइं L. **देववचन**–वेदवचन A, साचुं वचन C. **जोइयुं**–जोव A, जोयुं B, देव C, योयो D, हवि भयु J, जोईऊं L. **विचारि**–विचार D. **आगइ**–आगि B J, आगिइ D. **धारा**–उधार्‍या D. **पामीइ**–पामीसइ A, पांमीइ D, पांमियइ K. **पुण्य**–पुंण्य A, पूण्य L.

२९१ **राउल**–व्यास B. **भणइ**–भणि B C J. **कुण**–कुंण A D, म J. **साषि**–सार्षि D, भाषि J, साखि L. **ताहरउ** em–ताहर A, ताहरु B J, ताहरुं C K, ताहरूं D, ताहरू L. **धूम**–दुष C, धूंम L. **जोसिउं**–जोइ B, जोयुं C K, जोउं D, जोयसि J, जोशुं L. **आंषि**–आषि B, आंखि L. iii qr in C is: सोमचंद व्यास सागलि. **थ्या**–थाउ B, थाउं D, था J K, थ्यां L. **ऊसंकल**–उंसींकल B, उसीकलि D, उसीकल J, उंसंकल K, उशीकल L. **अवसर**–अवसरि D L. **भलइ**–भलिइ B, भलि D J. **दीधउं**–दीठू B, दीधुं C D K, दीधूं J, दीधु L. **जनमि**–जन्म B C, जनम D J, मि L. **आगिलइ**–पाछलिइ B, आगलि C D, आगिलि J.

अलूषाननउ भांजी कंध, रुद्र तणउ छोडाव्यउ बंध ।
निरपराध जे मारिउ वालि, प्रतिपन्नूं पालिउं शिशुपालि ॥ २९२
पृथवी तणउ ऊतारिउ भार, म्लेछ तणउ कीधउ संहार ।
संवत तेर भणीजइ जिसइ, अठसठउ संवत्सर तिसइ ॥ २९३
ते वैशाष मास पंचमी, शुक्ल पाषि सवि अरीयण दमी ।
तिणि दिवसि हूतउ बुधवार, सकललोकप्रतिपालणहार ॥ २९४
कलियुग मांहि देव अवतरी, वचन आपणउं साचूं करी ।
आदि पुरुष भणीइ अभिराम, पाम्यउ वली आपणउं ठाम ॥ २९५
जे मारतां मलिक ऊगरिया, करवा वेढि वली सांचरिया ।
चाहूआण कुलि साहसधीर, बोलिउ बीर वचन गंभीर ॥ २९६

---

२९२ अलूषाननउ–अलूषांननु A C L, अलूषाननु B J, अलूषांननू D. भांजी–भाजु A, भाजी B C D L. कंध–घंध B C D. रुद्र–रूद्र C. तणउ–तणु B C J L, तणुं D. छोडाव्यउ–छेडाविउ A, छोडाव्यु B C J. निरपराध–निरपराधि A, निरापराध C K, नरापराध D, विनापराध J, निरुपराध L. जे–...J. मारिउ–बाधिउ A, मार्यउ K, मारिउं L. वालि–चालि D, जे वालि J. प्रतिपन्नूं–प्रतिपंनूं A, प्रतिपन्नु C, प्रतिपनुं D, प्रतिपनूं J L, प्रतिपनउ K. पालिउं–पालुं B, पालिं D, पालूं J, पाल्यउ K, पालिऊ L. शिशुपालि–शिशपालि A, शिशूपालि C, शशुपालि J, शिशिपालि K, सिशिपालि L.

२९३ पृथवी–पृथ्वी A D K, पृथिवी B L. तणउ–तणु B C D J, घणउ L. ऊतारिउ–ऊतारि B C J, ऊतारिऊ D, ऊतार्यउ K. भार–तार D. म्लेछ–मेछ B L, मलेछ C J. तणउ–तणु B C D J. कीधउ–कीधु B C J, कीधुं D. संहार–सिंहार C, सिहार D, सघार L. संवत–सवंत D. तेर–१३ तेर K. भणीजइ–भणिजइ A, भणीजि B C J, भणीज्यइ K. जिसइ–जिसिइ B L, जेह C, जसिइ D, जिसि J, तिसइ K, अठसठउ–अठसठु B, अडसठउ C, अठसठइ D, अठसठि J, आठसइ K. संवत्सर–संवछर A K, संवच्छरि D. संवच्छर J. तिसइ–जिसइ A, तिसिं B, तेह C, ते तिसि J.

२९४ ते–...J L. मास–मासि J K L. पंचमी–तिथि पंचमी J, पंचमि K. शुक्ल–शुकल A, शुक्र K. पाषि–पक्ष C, पक्षि D, पषि L. सवि–सिवि L. अरीयण–अरिअण C, अरीअण J L, अरियण K. तिणि–तेणि A B C D, तीणइ K, तीणं L. दिवसि–दिनि J, दिन K. हूतउ em–हूउ B, हुतु C D L, हुंतु J, सिहर K. बुधवार–बुदवार C. सकललोक–सकललोकनु J. प्रतिपालणहार–पालणहार J.

२९५ कलियुग–कुल्युग C D, कल्युग J. मांहि–माहि K L. अवतरी–अवतरि D. वचन–बोलिउं B. आपणउं–आपणूं B J, आपणुं C D K L. साचूं–साचुं C D K. J transp iii and iv qrs. पुरुष–पूरुष D. भणीइ–भणिइं D, भणियइ K. अभिराम–अभिरांम A D J K. पाम्यउ–पांम्यउं A, पाम्यु B D, पाम्युं C, पामिउ J L. आपणउं–आपणु B D, आपणुं C, आपणूं J L, आपणउ K. ठाम–ठांम B D J K, ठामि L.

२९६ जे–ये K. मारतां–मरतां B, मारता C, मारंतां D. मलिक–मैलिक L. ऊगरिया–ऊगरीआ A, ऊगरिआ B, ऊगर्या C D K L. वेढि–वेठ K. सांचरिया–सांचर्या C D K, संचर्या L. चाहूआण em–चाहूयाण A, चहूयाण B, चहूआणा C, चाहूआंण D, चहूआणा J, चांहुआंण K, चाहुआण L. कुलि–कुलि B. बोलिउ–बोल्यु A D, बोल्यउ K.

स्यु संनाह थाउ असवार, सात सहस पाषरउ तुषार ।
सवि झूझार बकूण वावरइ, मारी म्लेछ रामायण करइ ॥ २९७
वीरमदेव वंश घण काज, अहूठ दीहाडा कीधउं राज ।
अंतेउरी अकुलीणी नथी, जमहर तणी करी सागथी ॥ २९८
स्नान दान देहरासर करी, जमली रही सवि अंतेउरी ।
राणी वचन उच्चरइ इसूं, एकोतर कुल अजूयालिसूं ॥ २९९

॥ राग छाहुली ॥

रूपइ सलूणडी, सवे साहेलडी,
बेलडी रहीअ रा निहालती ए ॥ ३००
टोडडे आवीय, आंसूडां रोहावीय,
जालउर परवत वधावीउ ए ॥ ३०१

---

२९७ B C D J L omit vs 297 a. स्यु-लिया K. संनाह-सनाह A. थाउ-थया K. सहस-सहिस K. पाषरउ-पाषया K. तुषार-तोषार K. सवि-सवे B. वावरइ-वावरइं A, वावरु B, वावरि C J, वावरं L. मारी-मारिया J. म्लेछ-मेछ B L, मलेछ C J. रामायण-रांमायण C, रामाइण D. करइ-करइं A, करु B L, करि C J.

२९८ वीरमदेव-वीरमदे B C J K, वीरमदेवि D, वीरमदेव L. वंश-वंसि A,...B, संघासणि C, संघासण D, वंशि K, वंश L. घण-...A C D, घण कीधां B. काज-सिणगार A, काजि J K. अहूठ-अऊठ B K L, ऊठ C D. दीहाडा-दिहाडा B J L. कीधउं-कीधूं B D J, कीधुं C K, कीधऊं L. C omits vs 298 b and 299 a. अंतेउरी-अंतेऊरी D, अंतेउर J, अतेऊरि K. अकुलीणी-कुलीणी B. जमहर तणी-जमहरनी J. करी-करि D, कीधी J.

२९९ स्नान-स्नांन A D J. दान-दांन A D J K. देहरासर-देरासर A, देहरासरि B, देहेरासुर L. जमली-जमलि D J K. राणी-रांणी C D J. वचन-वचइ C. उच्चरइ-ऊचिरइ A, ऊचरि B, उच्चरिउं C, उचरइं D, उचरि J, उच्चरिऊं L. इसूं-इस्यूं B, इसिउं C D, इशूं J, इसुं K, इशुं L. एकोतर-ईकोतर C, एकोतरसु D, एकोत्तर J L, अठोतरसउ K. कुल-सुकुल C,...D. अजूयालिसूं-अजूयालस्यूं B, अजूआलसुं C, अजूआलसिउं D, अजूआलसूं J, अजुआलिसुं K, अम्हे अजूआलशु L. After 229 b D interpolates the following line: रांम २ वांणी उचरइ सजन लोकनइ आंसू थिरइ.

३०० C J omit the song, i. e. vss 300-304. छाहुली em-छाहोली A, प्रहुली B, छाउली: D, छाहुली K, छाउली L. रूपइ-रूपि A B L, रूपइं D. सलूणडी-सलूंणडी D, रूअडी K. सवे-सवि मिली A, सवि B. साहेलडी-सहेलडी K. बेलडी-वेलडी B, बेलडे D, वेलडे L. रहीअ-रही A B, रहीआ K. रा-रां A, रे B, राउ K L. निहालती ए-निहालती रे B, निहालीआ ए L.

३०१ टोडडे-तोडडे K. आवीय-अवीआ A, आवीइ D, आविअ K L. आंसूडां-आंसूयडां D, आंसुंअडे K, आसूडां L. रोहावीय-रहावीअ A B, रोहावीअ L. जालउर-जालोरउ A, जालुहर B, जाल्हुर D, आलुर L. परवत-पर्वत K L. वधावीउ ए-वधावीइ ए D, वधावीइं ए K.

सुंदरी सोहामणी, परबतनइ कहइ घणी,
आणइ अमारइ मोकलावणी ए ॥ ३०२

सर्वगुणजाणनइ, वंशि वली भाणनइ,
वीर अवतरज्यो चहूआणनइ ए ॥ ३०३

वली रलीआमणूं, अरधासन वीरम तणउं,
पामिस्यूं सोनिगिरनूं बइसणउं ए ॥ ३०४

॥ चउपई ॥

राणी वचन इस्यां उच्चरी, जमहर तीर गई संचरी ।
पावक विषइ सविहुं तिणि रंगि, आहुति करी तेहनइ अंगि ॥ ३०५
वीरमदे जाणिउं अनुमानि, वीटी तुरक झालिसइ बानि ।
वीर वचन मुषि विसमां जंपि, ऊंडी उदरि कटारी चंपि ॥ ३०६

---

३०२ सुंदरी–सूंदरी A D, सुंदरि K. सोहामणी–सोहामणी D K. परबतनइ–परबतनि B, परबत D, पर्वत K L. कहइ–कहि B, ऊपरि D K, कहिं L. घणी–घणि D. आणइ–आणि रे B, आंणइं D, आंणइ K, आणइं L. अमारइ–अंवारि B, अंमारइ D. मोकलावणी ए–मोकलामणी ए B L, मोकलांमणी ए D, मोकलांवणी ए K.

३०३ सर्वगुण em–स्रवगुण A, अवगुण B, सर्व गुंण D, स्तव गुण K, श्रव गुण L. जाणनइ–ज्याण्यानि B, जांणनइ D K. वंशि–वंश B K L, वंसि D. वली–वलि D. भाणनइ em–भाणनइ A L, भाणनि B, चहुआंणनइ D K. अवतरज्यो–अवतारयो B, अवतरियो K, अवतरयो L. चहूआणनइ ए–चहूयाणनइ ए A, चहूयाणनिं ए B, चहुआंणनइं ए D, चहुआंणनइ ए K.

३०४ वली–चली ए A, वली २ B. रलीआमणूं–रुलीआमणूं A, रलीयामणु B, रलीआंमणुं D, रलिआंमणु K. अरधासन–अरधान A, अरधांगनइ D. वीरम–वीर D. तणउं–तणु B, तणुं D K, ताणूं L. पामिस्यूं–पामिशुं A, पामस्यूं B, अह्मे पांमस्युं D, अम्हे पामिसुं K, पामिशु L. सोनिगिरनूं–सोनगिरानु B, सोनगिरि D, सोनिगिरनुं K, सोनगिरिनू L. बइसणउं ए–बिसणूं ए B, बइसणुं ए D, बइसणु ए K, बइसणूं ए L.

३०५ चउपई–चुपै B,...C J, चुपईः D, चुप्पई L. राणी–रांणी A J. वचन इस्यां–वचन इसां A, वचन इस्युं B, इस्यां वचन C J, वचन अेस्यां D, इसा वचन K, इश्यां वचन L. उच्चरी–उत्चरी A C, उच्चरि D, उचरी J. जमहर–जमहरि B J L. तीर–तीरइ A, तीरि B C L, तीरीं D. गई–गइ D. संचरी–सांचरी C D. C omits 305 b. पावक–प्रावकि K. विषइ–मुखि B, विषय D, विषयज J, पइठी K. सविहुं–सहिज B, सेव्यु D J,...K, शिहु L. तिणि–तिण A, तेणि D, तीणइ K, तीणं L. रंगि–अंगि B, रंगें D. आहुति–आहुत K. करी–करि D. तेहनइ–तेहनि B J, तेहने D L.

३०६ वीरमदे–विरमदे D. जाणिउं–जांण्यूं A, जांण्युं D, जाणु K, जाणिऊं L. अनुमानि–अनमानि A, अनुंमानि D, अनुमांनि J, अनमागि L. वीटी–वींटी K, वीटीं L. झालिसइ em–झालसइ A, झालसि B C, झाल्सिइं D, झालेसि J, झांलिस्यइं K, झालिशि L. बानि–बांन A D, बांनि C K L, बांदि J. iii qr in J is: वीरि विषम वचन मुषि पि. मुषि–मुषें D, मुखि L. विसमां–विसमा C K. जंपि–जंपइ A, जंपे D. ऊंडी em–उंडी A, ऊठी B, उंडी C D, ऊंठिउ J, आडी K, ऊडी L. उदरि–ऊरि B, उदर J K. कटारी–कटारि D. चंपि–चांपइ A, चांपि K.

राउल तणइ अंगि उछाह, ऊपरि द्रढ बांधीआ सनाह।
वडवाहरू कोपि धडहड्यउ, तुरक तणां दल साम्हउ चड्यउ॥ ३०७
चड्या रोसि राउत तिणि समइ, लोह तणी झड कुण आंगमइ।
लघुवइ कुंअर आविउ भार, राउत भलां करइ हथीयार॥ ३०८
बोलइ बिरद सवे बंगाल, हींदू तुरक मिलिउ रिणताल।
हींदूए रिणि लाधउ लाग, मारी म्लेछ मेल्हाव्या माग॥ ३०९
परा बिपुहुर कटक तोरकूं, झगडिउ राय रिणंगणि थकूं।
वीरमदे षडग घण घाइ, मारी म्लेछ पडीउ रिण माहि॥ ३१०
हईइ घणउ मनोरथ हुतउ, वीरमदे साहस्यूं जीवतउ।
ऊपरि मलिक गया सवि मिली, दीठउ राउ नइ पूगी रली॥ ३११

---

३०७ तणइ–तणि B C J, तणइं D. **अंगि**–मनि B **उछाह**–उत्साह C L, उच्छाह D, उसाह K. **द्रढ**–द्रढ B, द्रुढ J. **बांधीआ**–बांधी A, बंधी B, बंध्या C D. **सनाह**–सन्नाह B C J, संनाह D. **वडवाहरू**–वढवा सारू B, वडवाहरुं C, दडवडीउ J. **धडहड्यउ**–धडहडिउ B C L, धडहड्यू D, धडहडी J. **तुरक**–तरक J L. **तणां**–तणि B C, तणइ D, तणूं J, तणं L. **दल**–दलि B K. **साम्हउ** em–साम्हउ A, साहामु B, साहमु C D J, साह्मु L. **चड्यउ**–चडीउ A, चडिउ B C L, चड्यु D, चडी J.

३०८ चड्या–चडीया A, चडिउ B C, चडिया K. **रोसि**–रोस B C J K, रोसें D. **राउत**–राउल D, राउत्त L. **तिणि**–रणि B, तेणइ C, तीणं L. **समइ**–समि B C J. **झड**–जड B, झडि C J. **कुण**–कुंण D. **आंगमइ**–आगिमइ A, अंगमिइ B, आंगमि C J. **लघुवइ**–लुघवइ A, लघुवि B, लघुवय C, लघूवय D, लघवि J, लघवइ L. **कुंअर**–कुंयर A B, कूंअर J. **आविउ**–आव्यु A, आव्यउ K. **भार**–भारि K. **राउत**–राउत्त L. **भलां**–भला C D J K. **करइ**–करि B C J, करइं D. **हथीयार**–हथीआर C J, हथियार K.

३०९ बोलइ–बोलि B C J, बोलिइ L **बिरद**–बिरुद J. **हींदू**–हीदू A L, हईइ C J, हवई D. **तुरक**–तुरुक J, तरक L. **मिलिउ**–मिल्या B, मिल्यु C, मिल्यूं D, मिल्यउ K, मिलिउं L. **रिण**–रणि B D L, रण C J. **हींदूए**–हीदूए A J, हिंदूए C, हींदुए D. **रिणि**–रिण A, रणि B C D, रण J. **लाधउ**–लाधु B L, लाधुं C D, लीधु J, लीधउ K. **लाग**–माग B K. **मारी**–मारि D. **म्लेछ**–मेछ B L, म्लेच्छ C, मलेछ J. **मेल्हाव्या**–मेल्हाव्यउ A, मेहलाव्या C D J, मेल्हव्या K.

३१० परा–परे B. **बिपुहुर**–बिपहर A, बिपुहुरे B, बिपुहर C, बेपोहर D, बिपहुर K. **कटक**–कटकु B. **तोरकूं** em–तोरकुं A C D J K, तुरक B. B transp as: तुरक कटकु. **झगडिउ**–झगडु B, जगडिउं C, झगड्युं D, झगडि J, जगड्याउं K, मगडिऊं L. **राय**–राइ A,.. B, रणि J, रायि L. **रिणंगणि**–रायंगणि B J, रणांगण C, रणंगणिं D, रण L. **थकूं**–थकु B, थकुं C J, थिकुं D L, थकउ K. **वीरमदे**–वीरमदेव L. **घण**–तणइ A, तणे B. **घाइ**–घाय C J. **म्लेछ**–मेछ B, मलेच्छ C, मलेछ D J, मत्स L. **पडीउ**–पडिउ B C, पड्यु D, पड्यउ K. **रिण**–रण B C D J. **माहि**–मांहि B C J.

३११ हईइ–हीइ A, हइइं D, हईडि J, हीअै K, हई L. **घणउ**–घणु B J L, घणुं D, घणो K. **हुतउ**–हतु B C J L, हतुं D, हतउ K. **साहस्यूं** em–साहस्यां A, साहास्यूं B, साहसुं C, साहस्युं D, साहसुं J L, साहुं K. **जीवतउ**–जीवतु B C D J L. **ऊपरि**–ऊपरी K. **मलिक गया**–गया मलिक A. **मिली**–मिलि K. **दीठउ**–दीठु B C. **राउ**–राउत B, राय C J K,...D. **नइ**–न A C,...B, नि J, नी K. **रली**–रली A.

जोयउ अंग तणइ अनुरागि, तुरक ऊगस्या दसमइ भागि ।
सरोवरपालि तलहटी अनी, लाष बिच्यारि घोरि नीपनी ॥ ३१२

जोवा मिसइ मलिक तिणि वार, ऊपरि चड्या धषइ अंगार ।
हूई मेल्हाणि वात ए जिसइ, ददा सनावर आवी तिसइ ॥ ३१३

हिअइ दूहवण आणी घणउं, मुष दीठउं वीरमदे तणउं ।
बांदी बोलइ आंसू भरी, धन्य धन्य जणणी ताहरी ॥ ३१४

पूरव प्रेम हीया मांहि धरी, साचउ बोल कह्यउ कुंअरी ।
रत्नजडित पांजरूं अमूल, चंदन अगर जाइनां फूल ॥ ३१५

वीरवदन महिमा एवडउ, चांपा कुसम अनइ केवडउ ।
इणि परि जितन घणेरां करी, लेई मस्तक ढीली सांचरी ॥ ३१६

---

३१२ i qr in A has crumbled away. जोयउ–जूउ B, जोयु C, जोयुं D, जोयूं J. तणइ–तणु B C, तणइं D, तणि J, तणउ K. अनुरागि–अनुराग B C K, अनूरागि J. तुरक–तरक L ऊगस्या–ऊतरिया B, ऊगरिया J, ऊगास्या L. दसमइ–दसमि B C, दशम D, दशमि J, दशमइ K. सरोवर–सरवर A, सरो C. पालि–पालिं B L तलहटी–तलट्टय A, तलहठी L अनी–नी B, तणीं J. बिच्यारि–२/४ A, बिच्यार C, विच्यार K, विच्यारि L. घोरि–गोहरि B C D J, घोर K L. नीपनी–नींपनी B.

३१३ मिसइ मलिक–मिसि मलिक B, मलिक मसि C, मसिं मलिक D, मिल्इ मलिक J, मीशि मलिक K, मिशि मलिक L. तिणि–तिण A, तेणी B C, तेणि D, तीण L. वार–वारि J K. ऊपरि–ऊपरिं D, उपरि K. चड्या–चडियां B, चढ्या C. धषइ–धषिइ B, धषि C J, धषइं D. हूई–हुई D, है K, दीइ L. मेल्हाणि–मेलाणइ B, मलाणि C, मेल्हांणि D, मेल्हाण J L, मैल्हाणि K. जिसइ–जिसिइ B, जसि C, जिसि J. ददा–ददां C D K L, दादा J सनावर–सुनावर A, सनांवर D, कूंअरी J, सनवर K, सनांवरि L. आवी–आवी छि J, आवि L. तिसइ–तिसि B, तसि C, तिसिइ J.

३१४ हिअइ–हीइ A D, हईइ B C, हीअडि J. दूहवण–दूह्लण L. आणी–आणी C D, आंणि J. घणउं–घणूं B J, घणुं C D K L. मुष–मुख B C L. दीठउं–दीठउ A, दीठूं B, दीठुं D K, देषि J, दीठऊ L. तणउं–तणूं B J, तणुं C D K L. बांदी–बंदी A. बोलइ–(letters lost in) A, बोली B, बोलावी C D L. आंसू–( ) सू A, अंसू K. धन्य धन्य–धन्य A, धन २ B C, घन्य २ D, धन्य २ L. जणणी–जणनी C, जीणणी D. ताहरी–ताहरी षरी B, ए ताहरी C.

३१५ पूरव–पूर्व D. हीया–हईया B D, हईआ C, हीअडा J, हिआ K, हैआ L. मांहि–माहि K L. साचउ–साचूं A, साचु B C J L. बोल कह्यउ–बोलीउं तव A, बोल हवु B, बोल कहि C, बोल कहिउं D, बोल कहीयु J, कहिउ L. कुंअरी–कुंयरी A B D, सूंदरी J. रत्न–रतन L. जडित–जटित B J. पांजरूं–पाजल्य J, जासूं K, पांजरू L. चंदन–चंदनि A. अगरजाइनां–अगरज (. .) A, अगरजायना D, अगरजायनां J, अगरजाइना L.

३१६ वीरवदन–वीरवदनि A B, वीरवंदन K. महिमा–बहिकि B, महि महिमा K. एवडउ–एवडु B C D J. चांपा–चंपा B. कुसम–कुसुम B. अनइ–अनि B C J. केवडउ–केवडु B C D J, केवडउं L. इणि–इण A, इणी C L, एणी D, ईणी J. जितन–जिल A, यत्न B, जतन C K, [illegible] D, यतन J. घणेरां–घणेरि B, कणेरा K. लेई–ले A, लेइ K. मस्तक–मुस्तक B, मस्तकि K. ढीली–[illegible] C. सांचरी–संचरी K L. iv qr in J is : [illegible] लेई संचरी.

पुहुती वेगि नयरि योगिनी, असपति रायि वात सवि सुणी ।
पातसाह मनि आणइ शोक, ततषिण जोवा आवइ लोक ॥ ३१७
ददा सनावरि तीणइ कालि, मस्तक धरिउं कनकमइ थालि ।
असपति राय तणी कुंअरी, जोवा आवी अंतेउरी ॥ ३१८
दीठउं वीरवदन तिणि ठाइ, षित्रीतेज न सहिणउं जाइ ।
पामइ उदय जिसउ अकलंक, जाणे पूनिम तणउ मयंक ॥ ३१९
जिस्यां कमलयुग नयन विशाल, तेजि आगिलूं दीसइ भाल ।
अंतेउरी भणइ किरतारि, इस्या पुरुष सिरज्या संसारि ॥ ३२०
लागूं वली अणूरूं मानि, जोतां आवइ मरण निदानि ।
कुंअरी भणइ प्रतिज्ञा जाणि, आगइ वचन दीउं चहूआणि ॥ ३२१

---

३१७ पुहुती–पुहती A, पुहति D, पहुती J. वेगि–वेगें D, वैगि L. नयरि–(...) A, नगर C, नयर D, नईरि L. योगिनी–योगनी C K, जोगिनी D. रायि–राय A, रांइ B, राईं J. सवि–इम A, ईम J. सुणी–सूंणि D. पातसाह–पातशाह B J, पातसाहि C, पातिसाह K. आणइ–आणि B, आणिउ C, आंणइ D K, आंणि J. शोक–सोक C. ततषिण–ततक्षिण A, ततषिणि B J, ततक्षण C, ततक्षिणि L. जोवा–जोइवा K. आवइ–आवि B C D, आविउ J

३१८ ददा–ददां D K. सनावरि–सुनावर A, सनावर B C, सनांवर D, सनाउरा J, सनिवर K. तीणइ–तीणि A, तेणि B, तिणि C J, तेणइ D, तीणइं K, तीणें L. मस्तक–(. .)क A, मुस्तक B, मस्त J. धरिउं–करूं B, धर्यूं D, कीऊं J, कर्युं K, करिऊं L. कनकमइ–कनकमि B J, कनकनि C, कनकनइ L. थालि–थाल K. कुंअरी–कुंयरी A B D, कूंअरी J. आवी–आवि C J, आवइं D, आवइ K. अंतेउरी–अंतेऊरि D, अंतेऊरी L.

३१९ दीठउं–दीठउ A, दीठुं B C, दींठुं K, दीठऊ L. वीरवदन–वदनवीर B, विरवदन D. तिणि–तीणि B, तेणि C D, तीणं L. ठाइ–ठाय C D J. षित्री–क्षत्री A, क्षित्री C. न–नइ D, नं L. सहिणउं em–सहणुं A, सहिणु B, सहिणुं C D, सहिणूं J L, सहिणउ K. जाइ–जा (.)A, जाइं C, जाय J. पामइ–पाम्यइ A, पामिउ B, पांम्यु C, पामि J, पांमइ K. उदय–ऊदय C, उदइ K. जिसउ–जिसु A, जिम B, जिस्यु C, जसिउं D, जिसिउ J, जिशु L. अकलंक–निकलंक B C, अकरंक J, कलंक L. जाणे em–जांणे A C J K L, जिसिउ B, जांणि D. पूनिम–पुनिम A, पुंनिम D. तणउ–तणु B C D J L. K interpolates after iv qr: दीठउ वीरवदन तिणि ठाइ.

३२० जिस्यां–जिसां A, जिस्या B, यस्या C, जिशां J, जिसा K, जिश्यां L. कमल–कमलि C. युग–युगल B C, ते J. नयन–नयण C J. विशाल–विसाल A C, विशाला K. तेजि–तिस्यूं B, तेज C D J, तिसुं दीसइ K. आगिलूं–आगिलुं B K, आगलुं C D, आलिउं J, आगलूं L. दीसइ–दीसि B C J, दीसइं D,...K. भाल–भालं L. अंतेउरी–अतिउरी D. भणइ–(.)णइ A, भणि B J. किरतारि em–करतार A, किरतार B C D J, करतारि K, किरनारि L. इस्या–इसां A, इशा J K, इश्या L. पुरुष–पूरुष D, पुरिष K, पुरष L. सिरज्या–सिरज्यां A, सरज्या B C J. संसारि–संसार B.

३२१ लागूं–लागुं D K. अणूरूं–अणूरुं A, अनूरि C, अणूंरु D, अणूंरुं J, अणुरुं K. मानि–मांनि C D J, मानि L. जोतां–जे तां J, जेतुं K, योतां L. आवइ–आवि B C J. निदानि–निदांनि A C, निदान D कुंअरी–कुंयरी A, कुंमरी B, कुंयरि D, कुअरी K. भणइ–भणि B C J. प्रतिज्ञा–प्रतज्ञा A, प्रतंन्या K, प्रतिन्या L. जाणि–जांणि A, जाणे B, जांणी K. आगइ–आगि B C J. वचन–(...) A. दीउं–दीउ A, दिउं D, दीऊं J, दियउ K, दयुं L. चहूआणि–चहूयाणि A B, चहुंआणि D, चहूआंणि J, चहुआंणि K, चहुआणि L.

वीर वचन लोपइ आपणूं, जे मुष नही जोउं कुंअरी तणउं ॥ ३२२

॥ दूहा ॥

जे सुकुलीणा साहसी, ते मरणि न मूंकइ माण ।
मस्तक ऊपराठउं थयुं वीर तणउं चहूआण ॥ ३२३

सिद्धि निरंतर ते लहइ, सत्त न छंडइ जेउ ।
मरण पूठि पाम्यउ वली कीरति वीरमदेउ ॥ ३२४

एक असंभम ते भणउं, जे नीर तख्या पाषाण ।
मरण पूठि मस्तक फिरिउं, बीजूं ए परमाण ॥ ३२५

॥ राग मालपसू सामेरी ॥

पूरव प्रेम संभारीउ, आंसूडे भीनउ हार जी ।
गुण फीटी अवगुण थया, अम्ह कहि कारणि सिणगार जी ॥ ३२६

---

३२२ वचन-वत्त A. लोपइ-न लोपइ A, लोपि B, पालिउं C, न लोपइं D, लोपिं J. आपणूं-आंपणूं A, आपणु C D, आपणउ K. जे-.. C D J L मुष-मुख B L. नही-न A B, नवि C जोउं-जोयुं C D, जोऊं J L, जोयु K. कुंअरी-कुयरी A, कुमरी B C, कुंमरी D, कुअरी L. तणउं-तणूं B J L, तणुं C D, तणउ K. After 322 C interpolates एह वात असभम हूई मूआ पछी मुष जोयुं नही, D interpolates माणसनु तु ए विवहार बोल बाप एक ज मार.

३२३ दूहा-दुहा D,. L. जे-ये C. सुकुलीणा-सुकलीणा A B J, सकुलीण नि C, सुकुलीणां D, सकुलीणी K. साहसी-साहशी L. ते-. B C J. मरणि-मरण D J K. मूंकइ em-मूकइ A, मूंकि B C J, मूंकइं D, मुंकइ K, मूकइं L. माण-मांण C J K. मस्तक-म (. .) A, मुस्तक B. ऊपराठउं-ऊफराटिउं B, ऊफराटउं C, ऊपराठुं D, ऊफराटउं J, उपराठउ K. थयुं-थउं A, थयउ K. तणउं-तणूं B J L, तणुं C D, तणउ K. चहूआण-चहूयाण A B, चहूआण D J, चहुंआण K, चहूंआण L.

३२४ सिद्धि-सिध D, सिधि K. निरंतर-निरंतिर K ते-जे B L. लहइ-लहि B C J L. सत्त-सत A C, सत्व B K. छंडइ-छंडि B J, चूकि C, छांडइ D. जेउ-जेह A, तेउ C J, येउ L. पूठि-पछी C, पूंठी D, पूठिं J. पाम्यउ em-पाम्यु A, पाम्यूं B, पाम्यु प्रीय C, पामिउ D, पाम्युं J, पांम्यउ K, पामिउ L. वली-वलि D. वीरमदेउ-वीरमदेय A, विरमदेउं D, वीरमदेऊ J.

३२५ ते-(.) A, वात K, ता L. भणउं-भणूं B J, भणु C D, हुआ K, गिणुं L. नीर-पाणीइ C, नीरि L. तख्या-तरीया A, तरिया B, तख्या L. पाषाण-पाषाण C D. मरण-मंरण B, मूआ C. पूठि-पूंठि C. मस्तक-मुस्तक B. फिरिउं-फरिउं C D, फिरिइ J, फिरयुं K, फिरिऊं L. बीजूं-बीजुं C D, बीजउ K. ए-एह C, ते L. परमाण-परिमाण A, परिमांण C J, परमांण D.

३२६ राग-...A, हवइं गीत ॥ राग L. मालपसू-मालपीसू A, मावसू B, मालपश्च K. सामेरी-सामेरी राग A, सामिरी L. C omits the entire song, i. e. vss 326-329. प्रेम-प्रेन K. संभारीउ-सभारिउ A, संभारीयउ K. आंसूडे-अ (.) डे A, आंसुडे D, आंसूअडे J. भीनउ em-भीनउं A, भीनु B J L, भीनुं D K. गुण-गुंण D. अवगुण-अवगुंण D. थया-थ्या L. अम्ह-हम B. कारणि-करणि सवि B, कारण D J. सिणगार जी-शिणगार जी K L.

॥ ध्रूपद ॥ सगुण सलूणा राउल रूसणूं किस्यूं ।
हूं ता प्रेमगहेलडी, तूं सोनिगिरउ चहूआण जी ॥
सगुण ॥ ३२७

तूं तां प्राणव माहरउ, हूं ताहरडी घरि नारि जी ।
जनम एक अंतरि गयउ, सो नेहलु म वीसारि जी ॥
सगुण ॥ ३२८

हीयडलूं घणूं गहिबरिउं, तुं सुणि न अम्हारा नाथ जी ।
तुं अमरापुरि संचरयउ, हुं मरणि न मेल्हुं साथ जी ॥
सगुण ॥ ३२९

॥ चउपई ॥

कुंअरी कारण हीयडइ धरइ, थई ऊपराठी आंसू भरइ ।
कुंअरी तणउं अंग षलभलइ, लिष्यउं विधात्रा ते किम टलइ ॥ ३३०

---

३२७ ध्रूपद–...A B D J K. सगुण–सुगण A B, सगण J L. सलूणा–सलूंणा A L, सलूणडा K. राउल–राउत सूं B. रूसणूं–रूसणं A, रूसणु D K, रूसणडा L. किस्यूं–किसूं A, करूं जी B, किशूं J, किशुं K, किश्यां L. हूं–हुं D K. ता–ता B J L. गहेलडी–गहेल (.) A, गहिलडी K L. तूं–तुं A D, तु K. सोनिगिरउ–सोनगिरु B D J, सोनीगिर K, सोनिगिरु L. चहूआण जी–चहूयाण जी A B, चाहूआंण जी D, चहूआंण जी J K, चाहूआण जी L. सगुण–सगुण० आंकणी D.

३२८ तूं–तुं A B K. तां–तु B, ता K प्राणव–प्राणद D, प्रांणज J, प्रांणव K. माहरउ–माहरु जी B, माहरू D L, माहरा J, माहरुं K. हूं–हुं A B K, हूं तां D, हूं ता J. ताहरडी–ताहरी B D J. घरि–घन A, घर J L. A B omit vs 328 b. अंतरि–अंतर K. गयउ–गयु D J L. सो नेहलु–सनेह K, सनेहलु L. म–मीठउ K, मं L. वीसारि जी–वीसारी जी D, वीसारि J, संसार जी K. सगुण–सगुण सलूणा राउल० A, सग B, सूगूण D, सगण० J,...K, सग० L.

३२९ हीयडलूं–अचरिज हईयडूं B, हईयडलुं D, हईयडलूं J, हीअडलुं K, हीईडलूं L. घणूं–घण A L, घणुं D K. गहिबरिउं–गहबरिउं A, गहिबरूं जी B, गहबर्य्युं D, गहिबर्युं K, गहिबरिऊ L. सुणि–(. .) A. न–नि J, नं L. अम्हारा–अम्हांरा A, अम्हरा K. जी–...J. तुं–तूं J. संचरयउ–सांचरिउ जी B, सांचरिउ D J, संचरिउं L. हुं–तु B, हूं J L. मरणि–सरण A, मरण D J K L. मेल्हुं–मेलुं B, मेहलुं D, मेहलूं J, म्हेलूं K, मेल्हं L. साथ–साथि A. जी–...J. सगुण–सुगुण सलूणा० A, सगण० B L, सूगू० D.

३३० चउपई–चुपै B J, चु० C, चौपई L. कुंअरी–कुंयरी A B, कुंयरि D, कूंअरी J, कुअरी K. K transp as: कारण कुअरी. हीयडइ–हैयडि B, हैडि C, हीहइ D, हीअडि J, हियइ K, हेइ L. धरइ–धरी A, धरिइ B, धा धाइ D, धरि J. ऊपराठी–(.) पराठी A, ऊफराटी B C J, उपरांठी D. आंसू–आंसु D, आसूं L. भरइ–धरिइ B, भरि C J, भराइ D, षिरइ K. कुंअरी–कुयरी A, कुंयरी B, कुंयरि D, कुंअरि J K. तणउं em–तणूं A B J L, तणुं C D, तणउ K. षलभलइ–(.)लभलइ A, षलभलिइ B, षलभलि C J. लिष्यउं–लिषुं B, लिष्युं C D K, लषिउं J, लिषउं L. विधात्रा–विधाता B C D, विधात्रां L. ते–ए J,...L. किम–नवि A. टलइ–टलिइ B, टलि C J, न टलइं L.

यमुना नदी जई तिणि वार, मस्तक तणु करिउ संस्कार ।
मरण भणी एकमनी थई, मा मंदिरि मोकलावा गई ॥
पातसाहनइ चलणे लागि, वेगि संचरी आयस मागि ॥ ३३१
अबला अंगि एतली आहि, झंपाव्युं जिमनाजल माहि ।
नरनारी बे पुण्यप्रसंगि, देवलोक पाम्यां मनरंगि ॥ ३३२
आगइ अवधि कही कुंअरी, वचन सवे हईआ मांहि धरी ।
आठ मास अवधि परिमाण, पाम्यउ मरण पछइ सुरताण ॥ ३३३
कान्ह तणउ उत्तम अवतार, कलियुगि षट दर्शन दातार ।
तीणइ वंशि वीरमदे नंद, मेगलदेवि दीउ आणंद ॥ ३३४
सोनिगिरां कुलि साहस घणउं, अंबराज मेगलदे तणउ ।
पदमनाभ मति बोलइ इसी, आंबा तणउ पुत्र षेतसी ॥ ३३५

---

३३१ यमुना–यमना A, यमूनां D, यंमुना J, जिमुना L. जई–गई B, जाई K. तिणि–तिण A, तेणी C' तेणि D, तीणी L. वार–वारि A B J. मस्तक तणु–वीर मुस्तक B, मस्तक तणुं D, मस्तक तण्यउ K करिउ–कीउ A J, करि B, करिउं D, कस्यउ K. संस्कार–स (.) र A, सचकार B L, संसकार C, संस्कारि D. थई–अई C, थइ D, होई J, हुई K. मा–माय J. मंदिरि–मंदिर C D K, मंदर L. मोकलावा–मोकलावी K, मोकलामण L. पातसाहनइ–पातसाहने B C D L, पातशाहनि J, पातिसाहने K. संचरी–सांचरी D J आयस–यायस A, आइस B, याजस C, यमुना K.

३३२ अबला–अवला K. अंगि–अंग L एतली–(. .) ली A, एतलि D. आहि–आंहि C. झंपाव्युं–झंपाव्यु A, झंपाविउं B, जइ झंपाव्यु C, झापाव्युं K, झंपाविऊं L. जिमना–यमना B, यमुना C D J K, जिमुना L. जल–...C. माहि–मांहि B C J. बे–बि J. C omits 332 b पुण्य–पुंन्य A, पुन्य L. प्रसंगि–प्रशंगि K. देवलोक–देवलोकि B J K, देवलोके D. पाम्यां–पाम्या B L, पुहता D, पुहुतां J, पांम्या K.

३३३ L omits vs 333 आगइ–आगि B C J कुंअरी–कुंयरी A B D, कूंअरी J. हईआ–ही( ) A, हैया B, हीया D, हीअडा J, हिआ K. मांहि–(.) हि A, माहि B K, माही D. आठ–अठ K. मास–मासि D J. परिमाण–परमाण B, परिमांण C D, परिमांणि J, परमांण K. पाम्यउ em–पामूं A, पामिउ B, पाम्यु C D, पाम्युं J, पांम्यउ K. मरण–अमर D. पछइ–पछि B C J. सुरताण–सुरतांण D K, सुरतांणि J.

३३४ कान्ह–कोन्हड A, कांन्ह C L, कांहांन J, कान्हड K. तणउ–तण A, तणु B C D J L. उत्तम–उतम A, उत्तम C, उत्तिम K. अवतार–अवतारि K. कलियुगि–कलियुग B K, कुलयुगि C, कुलियुगि D, कलयुगि J, कालियुगि L. षट–षट् A B. दर्शन–दरसन A B, दरसण C, दरशिन L. तीणइ–तेणि B C, तिणि J, तींणइ K, तीण L. वंशि–(. .) A, दिवसि C, वंसि D, वंश J. मेगलदेवि–मेगलदेव A, मयगलदेवि J, मालदेवि K, मेलगदेवि L. दीउ–हूउ A, थयु B, जयउ K, दयु L. आणंद–आनंद C D, अंणंद L.

३३५ सोनिगिरां–सोनगिरा B C J, सोनगिरी D, सोनिगरां K. साहस–सहस K. घणउं–घणूं B, घणुं C D L, घणु J, घणउ K. K omits ii qr. अंबराज–अलंबराज B, अबुराज D. मेगलदे–मेलगदे D, मयमलदे J, मेलिगदे L. तणउ–तणूं B, तणु C J, तणुं D L. J omits vs 335 b. पदमनाभ–पद्मनाभ B L, पदमनाभि K. मति–शुधि L. बोलइ–पूर A, बोलि B C. तणउ–तणु A B L. पुत्र–(...) A. षेतसी–षेमसी C.

लिष्मीवंत षेतसी तणउ, अषइराज सोनिगिरउ भणुं ।
ब्राह्मण तणा कराव्या ज्याग, सब्ब लाष जिणि दीधा त्याग ॥ ३३६
अषयराज केतलूं वषाण, जिणि सवि सांभल्यां पुराण ।
कीरति पुण्य तणी विस्तरी, विष्णु भगति जिणि साची करी ॥ ३३७
भोजन वारि नितु अषइराज, अतिथि भणी मूकावी बाज ।
जनम लगइ जयवंतउ सुण्यउ, परनारीसहोदर भण्यउ ॥ ३३८
अषइराज उत्तम अवतार, जेह्नां पुण्य न लाभइ पार ।
जीणइ कीरति कान्हडदे तणी, अषइराजि अजूआली घणी ॥ ३३९
वीसलनगरउ नागर एक, पद्मनाभ कवि पुण्यविवेक ।
एहवुं बिरद आदरइ अनी, लहइ बुद्धि कविजनरंजनी ॥ ३४०

---

३३६ लिष्मीवंत–लक्ष्मीवंत A L, लषमीचंद B, लषमीवंत C, लषिमीवंत J. षेतसी तणउ–तणु षेतसी तणु B, षेतसी तणु C J, षेतसी तणुं D L. अषइराज–आपणि राजि B, अषिराज C, अषयराज D J. सोनिगिरउ–सोनगिरा B, सोनगिरु C D J, सोनिगरो K, सोनिगिरु L. भणुं–तणु B, भणु C J L. ब्राह्मण–व्राह्मण A C L, व्राह्मण J, व्रह्मण K. तणा–पांहि C, तणां D. ज्याग–याग B C D J, जाग L. जिणि–जिण A, जेणि C, जीर्ण L. दीधा–दीधु C.

३३७ अषयराज–अय(..) A, आपिराज B, अषिराज C, अषइराज K L. केतलूं–केतलुं A D, केटलुं B, केतलउ K, केतलू L. वषाण–वषांण C D J K. जिणि–जीणइ A, जेणि B C D, जीणे L. सांभल्यां–संभलीयां A, सांभलियां B, साभल्या C D K L. पुराण–पुरांण C D K L. पुण्य–पुंन्य A. तणी–... D. विस्तरी–विस्तरि D. विष्णु–विष्ण A, विष्णुं D, विप्र L. भगति–भक्ति A, भक्ति D. जिणि–जेणि B C D, जि J, जिण K, जीणें L.

३३८ वारि–वेला A C, वार D K. नितु–निति A, जे C, नितुं D, नितू L. अषइराज–आपिराज B, अषिराज C, अषयराज D J. अतिथि–अतिथ C K, अतीथ D, अतीथ्य J. भणी–तणी A. मूकावी–मूंकावि C, मूकव्या D, मूंकाव्यां J, मूकाव्या K, मुंकावी L. बाज–बांज K. लगइ–लगि B C J, लगई D. जयवंतउ–जइवंत A, जिवंतु B C, जयवंतु D J L. सुण्यउ–सुणू A, सुणु B D, सुणिउ C J, सुणु L. परनारी–परनारीअ L. भण्यउ–भणुं A D, भणूं B, भणिउ C, भणु L.

३३९ अषइराज–अषय (..) A, आपिराज B, अषिराज C, अषयराज D J. उत्तम–उतम A, उतिम K. जेह्नां–जेहां A, जेह्ना B D J, तेह्ना C, जेहा L. पुण्य–पुन्य A. न लाभइ–न लाभि B, तणु नही C J, नवि लाभइ K. जीणइ–जीणि B D, जेणि C, जाणि J, जीणं L. कीरति–किरत D. कान्हडदे–कांन्हडदे A J L. अषइराजि–आपिराजि B, अषिराजि C, अषेराजि D, अषयराजि J, अषइराजे L. अजूआली–अजूयाली A B. K interpolates after vs 339: तास पुत्र पुहवी निरमला राजकुली छत्रीसह भला । शंकर भीम ज ते उदिवंत चाहूआंण भूपति कुलवंत ॥

३४० वीसलनगरउ–वीसलनगरु B D, वीसलनगर मांहि J, वीसलनगर L. नागर–...A, नांगर K. पद्मनाभ–पद(...) A, पद्मनाभ B L, पदमनाभि K. कवि–(.)वि A, कहि L. एहवुं–एहूं A, एहवी B, एहवूं D, एहवु J, एहुं L. बिरद–पुण्य B, बिरुद D J, बधि K. आदरइ–आदरि B J, आदरे D. अनी–अन्य A, अंमनी K. लहइ–लहि B J L, लही D. बुद्धि–बूधी D, बुधि K L. रंजनी–राजनी J. C reads the vs as foll: कविजन एक पद पोति करुं वीसलनगर नागरे भणुं । पदमनाभ कवि भाइगंजवी लहुं बुद्धि कविजनरंजनी ॥

माइ भारती तणइ पसाइ, अक्षरबंध बुद्धिरस थाइ ।
अषइराज सीषामण सरी, पदमनाभ कीरति विस्तरी ॥ ३४१
सांभलतां सरीर उल्हसइ, चउपई बंध इसी इग्यारसइ ।
च्यारि षंड जिस्यां नवनीत, दूहा चउपई मधुरां गीत ॥ ३४२
पंचतालीसउ पूठि वरीस, मास मागसिर पूनिम दीस ।
संवत पंनर बारोतरउ, तिणि दिनि सोमवार विस्तरु ॥ ३४३
जालहुर गढ उत्तम ठाउ, राउल कान्ह मालदे राउ ।
पदमनाभ मति आणी नवी, तेह तणी कीरति वर्णवी ॥ ३४४
एकचित्ति जे नर सांभलइ, तेह तणां सवि दुकृत टलइ ।
जे फल लाभइ दीधइ दानि, जे फल गंगा तणइ सनानि ॥ ३४५

---

३४१ **माइ**–माय C D, माता J. **भारती**–भगवति J. **तणइ**–तणि B C J. **पसाइ**–पसाय B C D, सुपसाय J, पंसाइ L. **अक्षरबंध**–अक्षरविधि B, अष्यरबंध K. **बुद्धिरस**–बंधिरस B, बांधिउ रस C, बुद्धि तिणि J, बुधि रस K L. **थाइ**–थाय C D J **अषइराज**–आपिराज B, अषिराज C, अषयराजि D, अषयराज J, आपइराज L. **सीषामण**–( ) षामण A, सीषांमण C D, शीषामणि K, शीषामण L. **सरी**–सरि D **पदमनाभ**–पद्मनाभ B, पंदमनाभि K, पद्मनाभि L. **कीरति**–किरति D. **विस्तरी**–वीस्तरी D.

३४२ J omits vs 342 a. **सांभलतां**–सोभलता K. **सरीर**–शिरीर A, शरीर B, सरिर D, सिरीर L. **उल्हसइ**–उल्हसिइ B, उलसि C, उल्हसे D, उल्हास K, उल्लसइ L. **चउपई**–चुपई B C, चूपई D, चउपइं K, चुपइ L. **बंध**–बांधी C. **इसी**–इशी A, असी B C, सइ K, इशी L. **इग्यारसइ**–नुवसइं A, सातसि B, नवसि C, सातसइ D, च्यारिसइ L. **च्यारि**–च्यार C K. **जिस्यां**–जिसा A, जस्यां B, जस्या C, जेस्या D, जिस्या J, जईसां L. **नवनीत**–निशि वीस B. **दूहा**–दू(.) A. **चउपई**–( ) उपई A, चुपई B C L, चूपई D, चुपै J, चउपही K. **मधुरां**–मुधरां A, मधूरां D, मधुरा K L Note–L MS ends here; its last folio is lost.

३४३ **पंचतालीसउ**–पंचतलीसु A, पंचतालीस B, पंचतीजसुं D, पंचतालीससु J **पूठि**–पूंठि D. **मागसिर**–मागशिर D, मागसिरि J. **पूनिम**–पूंनिम A. **संवत**–सर्वत D. **पंनर**–१५ पनर A, पनर J, १५ K. **बारोतरउ**–बारोतरु B J, बारोतरू D, १२ तरइ K. **तिणि**–तिनि B, तिणइ D. **दिनि**–दिवसि J, दिन K. **सोमवार**–सोमवारु B. **विस्तरु**–(.)रु A, विस्तरइ K. C reads vs 343 as below and places it after vs 344 : संवत पनर १५१२ बारोतर सार माह मास पुंन्यम सोमवार । जाल्हुर गढ घण उलट धरी गायु कान्ह विशेषि करी ॥

३४४ **जालहुर**–जालोर A, जालोहर B, जालुहर C, जाल्हुर D, जालउर K. **उत्तम**–उतम A, उत्तिम K. **ठाउ**–ठाम A B, ठांम J K. **राउल**–राय J. **कान्ह**–कांन्ह A, कान्हड D, कांन्हडदे J. **राउ**–नाम B, नांम J K. ii qr in C is : राज करि कान्हडदे राउ. **पदमनाभ**–पद्मनाभ B, पदमनाभि K. **आणी**–आंणइ A D, आणि C J, आंणी K. B transp as : कीरति तेह तणी. **वर्णवी**–वरणवी C.

३४५ J omits vss 345–350. **चित्ति**–चिति A, चित्त B C D. **जे**–(.)A. **सांभलइ**–सांभलिइ B, सांभलि C. **दुकृत**–दुःकृत B C D **टलइ**–टलिइ B, टलि C **लाभइ**–लाभि B C. **दीधइ**–दीधि B C. **दानि**–दांनि A, दान C K. **गंगा**–गंग B D. **तणइ**–तणि B, तेणइ D. **सनानि**–सनानि A K. iv qr in C is: ए सांभलि हुइ गंगसनान.

जे फल हुइ तप कीधइ सदा, जे फल हुइ दर्शनि नरबदा।
जे फल सत्य वचन प्रमाण, जे फल हुइ सांभलीइ पुराण॥ ३४६
जे फल पामइ तपसी सवे, जे फल हुइ बांद छोडवे।
जे फल पामइ कीधइ यागि, जे फल भेट्यां हुइ प्रियागि॥ ३४७
जे फल पामइ गंगाद्वारि, जे फल हुइ भेटि केदारि।
जे फल हुइ विद्या उद्धरी, जे फल भेट्यां गोदावरी॥ ३४८
जे फल नारायण दीठइ नेत्रि, जे फल हुइ दानि कुरुषेत्रि।
जे फल पामइ साहसि सती, जे फल हुइ नाह्यां गोमती॥ ३४९
जे फल लहइ द्वारिकां छमासि, जे फल भेट्यां हुइ प्रभासि।
जे फल हुइ मुगतिपुरी साति, रामनाम उच्चरइ प्रभाति॥ ३५०
कान्हडचरिय जि को नर भणइ, एकचित्ति जि को नर सुणइ।
तीरथफल बोल्युं जेतलूं, पामइ पुण्य सवे तेतलूं॥ ३५१

---

३४६ **हुइ**-कइ K. **कीधइ**-कीइ A, कीधिइ B, कीधि C **सदा**-छमा A, वली C D K. **फल**-षल K. **हुइ**-हुई K. **दर्शनि**-आबू A, दर्शन B K, महादानि C. **नरबदा**-नर्बदा B, मिली C, नीर्मली D, निरमली K. **प्रमाण**-परमाण B, प्रमांण C D, परमांण K. **हुइ**-हूइ K. **सांभलीइ**-सांभलि B C D, सोभ...K. K MS ends here, its last folio is lost. **पुराण**-पुराणि B, पुरांण D.

३४७ **पामइ**-पामइ A, लहि B, हुइ C, लही D. **तपसी**-तपस्वी C, तापसि D. **हुइ**-हुई D. **बांद**-बांध A, बंद B D, बंदी C. **छोडवे**-( ) डवे A, छोडवि B. **पामइ**-पांमइ A, पामि B, पांमिइं D. **कीधइ**-कीधि B, किधइ D. **यागि**-ज्यागि D. **भेट्यां हुइ**-हुउ भेटि B. **प्रियागि**-प्राग B. C reads as 347 b: जे फल हुइ गया प्रयागि गढ जाल्हुर कान्हडदे राजि.

३४८ C omits vs 348. **पामइ** em-हुइ A, पामि B, पांमइं D. **भेटि**-पाम्यइ A, भेटे D. **उद्धरी**-ऊ(.)री A, उधरि D. **भेट्यां**-भेटीयां A, भेटिइ B. गोदावरी-गोदावरि D.

३४९ जे-जें B. फल-. .C D. **दीठइ**-दीठि B C. **नेत्रि**-नेत्र D. जे **फल हुइ**-जे० (=जे फल हुइ) B. **दानि**-दांनि A, दान C, दांन D. **कुरुषेत्रि**-कुरुक्षेत्रि B, कुरुषेत्र D. जे **फल पामइ**-जे० B, जे फल पामि C, जे फल पांमइं D. **साहसि**-साहस B. **हुइ नाह्यां**-हुइ स्नानि A, माह मास B, नाह्यां हुइ D. **गोमती**-गोमति D.

३५० C omits vs 350. जे **फल**-जे० B. **लहइ**-लहि B, हुइ D. **छमासि**-छम्मास B, षट मासि D. ii qr in A is· जे फल पांमी स्वामी पासि. B omits ii qr. **फल हुइ**-फलइ D. **मुगति**-मुक्ति B. **साति**-सात A, तास B. **रामनाम**-रांमनांम D. **उच्चरइ**-उ(..) A, उच्चरि B After 350 b B interpolates विष्णुभक्ति करिइ दिनरात्रि.

३५१ **कान्हडचरिय** em-कांन्हडचरिय A, कान्हचरित्र B C D, कांहानचरित्र J. **जि**-य C, जे D J. **को**-के A, जे D,...J. **नर**-...D. **भणइ**-भणिइ B, भणि C, सांभलि J. **एकचित्ति**-एकचिति A, चित्त करीनि C. **जि**-जे A,...C, जो D. **को**-के A,...C, क D. **नर**-श्रवणे C. **सुणइ**-सुणिइ B, सुणि C, सूंणइ D. ii qr in J is: तेह तणी आशा सवि फलि. J omits vs 351b. **तीरथ**-तीर्थ D. **फल**-र्मि B, पुण्य C. **बोल्युं**-बोल्यां B, बोलुं C, बोल्यूं D. **जेतलूं**-जेतलां B, जेतलुं C D. **पामइ**-पामइं A, पामि B C, पांमइ D. **पुण्य**-पूण्य D. **सवे**-सर्व B. **तेतलूं**-तेतलां B, तेतलुं C D.

प्रेम संगि सवि सज्जन मिलइ, आस मनोरथ सहूइ फलइ ।
प्राकृतबंध कवित मति करी, कलियुगि कथा अभय विस्तरी ॥ ३५२
चाहूआणकुलि कीरति घणी, पूगउ आस सविकहि तणी ।
पदमनाभ पंडित मति कही, चउथा षंड समाप्ति हूई ॥ ३५३

---

३५२ C J omit vs 352 a. **प्रेम**–पुण्यि B, प्रेंम D. **संगि**–(.) गि A, संग B. **सवि**–सवे D. **सज्जन**–सजन A, जन D. **मिलइ**–मिलइं A, मलिइ B. **आस**–पुण्यि आस B, पूज्येइ आस D. **सहूइ**–...B D. **फलइ**–फलिइ B. **प्राकृतबंध**–प्राकृतबंधे D. **कवित**–वित J. **मति करी**–मुत्तरी A, मति धरी B. **कलियुगि**–कुलयुग C, कुल्युगि D, कलयुगि J. **अभय**–उभय B J, अभिनव C. **विस्तरी**–विस्तरि D.

३५३ चाहूआण em–चाहूयाण A B, चहूआंण C, चाहूआंण D, चहूआणा J **पूगउ** em–पूजइ A, पूगि B, फलु C, पूजूं D, पृगु J. **सविकहि**–सवे मन A, राविकह B, सवि सज्जन C, सवेकहि D. **तणी**–तणीं B. C D J omits 353 b. **पदमनाभ**–पद्मनाभ B. **मति**–मनि A. B transp as : मति पंडित B. **कही**–भणी B. iv qr in B is : आशा पूरि सविकह तणी.

Note—The colophons of the fourth *Khaṇḍa* are:

इति श्री कांन्हचरि(य)सपूर्ण मिति ॥ सवत १५ आषाढादि ९८ वर्षे श्री जालोरगढ महादुर्गे विहारीवंशे मलिश्री अलीसर विजयराज्ये श्री अचलगछे गछाधिराज श्री गुणनिधानसूरि वियमाने वा० श्री वेलराज सिष्य सांप्रत श्री पुंन्यलब्धि महोपाध्याय शि वा० जयलब्धिगणि वा० श्री भानुलब्धिगणि लिषतं ॥ पं. चारित्रलब्धि-वाचनार्थं ॥ कात्ती वदि ९ गुरुवारे लिषत(म्) ॥ A,

चतुर्थ षंड ॥ सं (...) पोष सु ५ B;

इति कांन्हडदे चहूआण चतुर्थ खंड सपूर्णम् चतुर्थ खंड मध्ये जालुरि गढरोहु वर्ष ८ संवत् १३६८ गढभंग पश्चात् अलावदीन कांन्हडदे पछी मास ८ अलावदीनमृत्यु तिहारपछी सवत् १५१२ पदमनाभ पंडित रास उद्धरता सं० १७११ वर्षे कार्त्तिक वदि १४ सोमे C;

इति कान्हदेप्रबंध चतुर्थ षंड समाप्तं ॥ न्हीं स। १९।३० माहा शुद २ वार भोमे। ऋषभप्रशादात् गां। डीसानयरे। लं। पं। कल्यांणविजयजी तत। शीष्य मुं। मोतिचंद। मये पं। दयाविजयजी चतुर्मासे कृत्वा। ५ मी वसंत D;

इति श्रीराउल कान्हडदे पवाडु रास। सपूर्ण. ॥ श्रीरस्तुः ॥ शुभं भवतु ॥ लेषकपाठकयोः ॥ J.

परिशिष्ट
APPENDICES

Appendix I

Summary of omissions and readings common *to the different manuscripts*

A–Common omissions

Khaṇḍa I–B G K omit vs 35.	D J reverse the verse-order of vss 16–17 (as 17a, 16a; 16b, 17b.)
„ Bhaḍāulī–Order of ll in A B E G K is 49–54, 43–46, 55–58, 47, 48, 59.	Order of ll in C D is 43–59
	C D J omit ll 60–62, 78–80, 87–88.
B H omit l 110.	C D omit ll 115, 122–124.
„ A B D H K omit vs 256 b.	C J give vs 256 b
Khaṇḍa II	
Khaṇḍa III–B L omit vs 21.	C D J omit vs 6
„ B C K „ „ 56.	D J „ „ 113.
„ A B K „ „ 167 b.	C D J L give vs 167 b.
„ A B E L „ the interpolated *carana* preceding vs 244	C D J K give the interpolated *carana.*
„ A B D J omit vs 251 b.	
Khaṇḍa IV–B C D J K L omit vs 41 b.	D J omit vs 62 b.
	C omits vss 68–70 } D „ vs 68 a } J „ vs 70 b }
B L „ „ 75 b.	

	C omits vs 99 } J ,, vs 99 b
	D ,, ,, 102 b } J ,, ,, 102
	C D J omit vss 241–4.
	C D ,, ,, 262–3.
	C omits vs 266 } D J omit vs 266 b
	D J omit vs 267 b.
B L omit vs 271 ii qr–272 i qr.	C omits vss 268–274 } D ,, ,, 269 b–275 J ,, ,, 268 b–274
	C J L omit vs 276.
	C D ,, ,, 277 b.
	C omits vss 279–280 } D ,, ,, 279–281 a J ,, vs 280
	D omits vss 284–5 } J ,, vs 284 b
	C J omit vss 300-304
A B omit vs 328 b.	
	C J omit vs 352 a.
	C D J ,, ,, 353 b.

vs no	A	K	B	E	G(H)	L
I 35		omits	omits	.	omits	
,, 52		पहिलउ	पहिला		पहिला	
,, 53	(A MS starts from vs 62)	हिवडां छल नवि छांडुं	हवि छल नवि छांडूं		हिवडां छल नवि छाडु	
,, 62	कोट	षांडि	षाणि		कोट	
,, 66	भेलिउ	भेल्यउ	लीधु		बीठउ	
,, 70	धाइ	अतिहि	चोर		थोर	
,, 74	हुइ हाक	हूई हाक	हईआढक		हइ ढगि	
,, 75	षजूर वनफल नीलां	षिजूरां केलिहरां	षजूरां बहु केला	(E MS starts from vs 83)	बीजोरा केलहिरा	
,, 85	असण	आसणि	असन	असणि	असण	
,, 87	चिहुं दिसि	चिहुं दिसि	चिहुं दिसि	चिहुसइं	चिहोसइ	
,, 90	जे हुंतउ	जे हूंतउ	बीजि दीहि जाणे	बीजइ दी	बीजि दी	
,, 96	भाजइं	भागइ	नांगी	नांगइ	नांगइ	
,, 97	देव गया	देव गया	देवि लीउ	देवउल	दैव लीउ	
,, 113	प्रधान	प्रियाण	.	प्रधान	प्रधान	
,, 114	जीता	जीता	जीता	लीधा	लीधा	
,, 118	गंगा	गोरी	गंगा	गौरी	गग	
,, 123	थोडइ	उछइ	तुछ	तछ	तुछ	
,, 135	सोलंकी	सोलंकी	शोभतु	.	.	
,, 143	कइ कांन्हड टलतुं	टलतउ कुणहीनइ	टलतु हूं सांचिं	.	टलतु नाइलु	
,, 164	उलवइ बइसी	उलवइ बइसी	उलवि बिसी	.	उलवइ बयसी	
,, 177	विगूपत	विगूचतां	विगूचत	विपत	विगूपति	
,, 183	करी सजाई पुहर पाछिलइ तेव्या राउत रांणा	करी सजाई पहुर पाछिलइ तेव्या राउत रांणां	करी सजाई पुहुरि पाछलि तेव्या राउत राणा	करी सजाई पहुर पाछिलइ तेडिया राउत रांणा	करी सजाइ पुहर पाछलि तेव्या राउत रांणा	
,, 214	कहाइ	होइं	जाणिइ	ति ल्हीइ	जणाइ	
,, 216	कीधा	गाला	गाला	गाला	गाला	
,, 256 b	omits	omits	omits	(E MS stops at I 242)	omits	
II 7	.	भणइ लूस्यां	भणि लूसा		भणि लूशा	
,, 24	बोलाव्यउ	आव्यउ	आव्यु		विउ	
,, 29	चूक	कूंच	कूड		कूछ	(L MS starts from vs 99)
,, 42	इम बोलइ	इम जोयुं	इम जोइ		मंजोहरि	
,, 43	वाहइ	वाहइ	वाहि		वाहि	
,, 45	अचाला	अवला	नि अघलु		अवाला	
,, 99	धान	धान	कण		कण	धान

C	D	J	F
सूर धीर अनइ सपराणु	अलूषान बलवंतु बंदउ	अलूषान बलवंतु बांदु	अलूअषान बलवंतु बंदउ
पातसाहि तव तेडु	महुल मांहि तेडावउ	महल मांहि ते तेडु	मुहलि आगिलइ तेडउ
अह्मे	साहमा	साहमु	
हवि बल न छांडुं	छयल भणइ नवि छांडउं	छिल भणि नवि छांडूं	पहिला छयल भणइ नवि छांडं
पोलि	छीडूं	छीडूं	
दीठउं	दिठउ	दीठउ	
घणुं	धार	गोर	
हूई हाक	हीया द्रगि	हईया ध्रगि	
बीजोरां	बीजोरा	बीजोरा	
नालिकेरां	केलेहरा	केलिहरां	
असूर	कटक	कटक	.
चिहूं पषि	चिहु दसि	चिहुं दिसि	चिहुंसइ
जे कहीइं	जे कहीइं	जे हूंतु	जे कहीइ
नांगी	नांगइ	नागि	लागइ
देव गयु	देव गया	देव हवा	देव गउ
मन्त्रि प्रधान	प्रधान	प्रधांन	प्रधान मंत्रि
जीता	जाता	जीता	जीता
गिवरि	गौरि	गौरी	गौरी
उछि	उछइ	ऊंछि	तुछि
सोभाउत	नि सोभुतु	सोभायत	सोभित
टलतुं कान्हजी	बलतुं कान्हजी	टलतूं कान्हडदे	टलतु कहि ना छूलु
राति अंधारइ	रात्रि अंधारइं	रात्रि अंधारी	उलवइ बइसी
वलवलतां	विगूचतां	विलविलतां	विगोपत (F MS ends)
कान्हडदेनि जो वली वचनि मिल्याज राणो राणि	कान्हडदेने जो वली वचने मिल्याज राणो रा राणी	कांन्हडदेने उत्तम वचने मिलीआ राणोराणि	
चाहि	लहाइ	लहीइ	
कीधा	गालीं	कीधां	
पदमनाभि वात इंम कही	omits	प्रथमनाभ पंडित इंम कहि	
पहिला षंड समापति हूई		प्रथम षंड समापति कहि	
लूस्या दीसि	लूस्या दीसइ	नांषि आभरणह	
ते आविउ	तेडाविउ	अणावु	
कूच	कूड	कूड	
मंजोहरि	मंजोहरि	मंजोहरि	
भाजि	भाजइ	भाजि	
अवेक्षा	.	अवेक्षा	
कण	कण	धांन	

vs no	A	K	B	E	G (H)	L
II 109	जागइ	जाइं	जागि		जागि	जागो
,, 111	नइ	नइ	नि		अनि	नइ
,, 113	झडपीनइ	झडपीनइ	झडप देईनिइ		ऊडीनइ	ते झडपइं
,, 116	पाउल	पाउल	पाउल		पाउल	बाला
,, 122	प्रतापि	प्रशाद	प्रतापिं		प्रतापि	प्रतापि
,, 126	धाइं	धाइं	धाइ		आवि	थाइ
,, 128	पडत	पडतउ	फरतु		फिरतु	फिरितो
,, 150	कान्हडदेय	काल्हि तुम्हे देव	कालि तम्ह तेउ		कालि तम तेह	कान्हडदेय
,, 152	प्रभावि	प्रमाणइ	प्रभावि		प्रवाहि	प्रमाण
,, 164	मोटा	लोहे	टोले		टोलि	मोटा
,, 165	देवासुरि	असुर सातिल	देव असुर		देवासुर	देव अशुरा
III 8	हठ	वेढि	वेढि		वेढि	हठि
,, 17	जिसउ	जिसउ	किसु		जासिउं	किसउ
,, 18	पालटुं	छंडावुं	पाल्टउं		पालटुं	पालटुं
,, 20	घण	घण	भड		भड	भड
,, 31	कीजइ	कीजइ	कीजि		दीजि	कीजइ
,, 40	वाची	काढी	वांची		वांची	वाची
,, 43	बापल	बापिल	बावल		बापड	बापल
,, 99	वींधइ	वीध्या	आहाणि		आहांणइ	हणायइ
,, 127	कइ	कइ	कि		कइ	कइ
,, 141	रहइ	रह	रहि		रहइ	पसीयइ
,, 144	सांभलइ	साभलइ	सांसहि		सांसह	सांसइ
,, 153	फूलडी ए	मुंदडी ए	फुटडी रे	(E MS	फूदडी ए	सीयल
,, 167	वूठउ	वूठउ	छूटु	starts	(H MS ends)	छूटा
,, 174	दीऊं	हूउ	दीयूं	again from vs 175)		दिया
,, 200	देवराज	देवराज	देवराज	देवराज राय		देवराज
,, 210	साची	साची	साची	साचु		साची
,, 215	.	विणास्यउ	वालिन	विणासिउ		चाल्तउ
,, 225	.	षूटइ	छूटूं	छूटउं		छूटं
,, 227	कमले	कमले	कमले	किमले		कमले
,, 240	गयणंगणि	ऊगमतउ	गयणंगणि	गयणंगणि		गयणंगण
,, 242	पूतली	पूतली	फूदडी	पूतली		पूतली
,, 244	omits	राजरिधि बीठी	omits	omits		omits
[inter- polated *carana*]		निरमली राय तणउ सिहासण वली				
,, 247	अलीया	आलिआ	आलीया	आलीआ		सडंपीया
IV 8	मूलेर	जेसलमेर	.	मुसलेर		मूलेर
,, 19	छोह पंक्ति	छोह पखित	पढणीयट	पीटहर		पीटणीघाट
,, 41b	इसी अवधि वरतइ राउली त्रिण वार घोडा जाउली	omits	omits	इसी अवधि वरतइ राउली त्रिणि वार घोडा जाउली		omits

C	D	J	F
जाइ	जाइ	तिहां	
अस्या	इस्या	ईम	
योध झडपीनि	जो झडपीनइं	योध झडपीनि	
पात्र	पात्रज	पात्र	
प्रसादि	प्रसादि	प्रसादिं	
ढालि	ढालइ	धाइ	
पडतु	पडतु	पडतु	
कालि तम्ह तेह	कालि तुम्ह तेउ	कालि तुम्ह तेह	
प्रभावि	प्रभावि	प्रभावि	
टोले	टोडे	टोलि	
युध असुरां	वासुदेव असुर	वासुदेव असुर	
वेढि	वेढि	वेढि	
कसिउ	इसिउ	जिसिउ	
छंडावुं	छंडावु	छंडावूं	
भड	भड	भड	
दीजि	दीनइ	दीजि	
काढि	काढी	काढी	
बारड	बारड	बारड	
वीधि	विंधीइ	वीधि	
हुं	केइ	हूं	
पिसीइ	रहि	रहि	
.	सांभलइ	मान्यु	
.	फूटडी रे	कूठडां रे	
वूठो	वूठउ	वूठा	
हूउं	हुउं	हवू	
देवराजि	महीपाल	महीपाल	
साची	भलेरि	भलेरी	
वांछिनु	वालिनुं	चालितुं	
घूटि	घूटइ	घूटि	
कुमरि	कुंमरि	मलिकि	
ऊगमतु	ऊगमंतु	ऊगमणु	
फूदडी	भूमिहरि	सूंदरी	
राजऋद्धि दीठी निरमली	राजरद्धि दीठी निरमली	राजरिद्धि दीठी निरमली	
राय तणुं सिंहासन वली	राय तणूं सिहासन वली	राय तणूं सिंहासन वली	
दीआ	दीयां	दीया	
मूंलेर	रानेर	रांनेर	
सुपक्षत	छोहपंकित	छोहपंकित	
omits	omits	omits	

vs no	A	K	B	E	G (H)	L
IV 46 [interpolated *caraṇa* after 46 b]	·		·	· [E MS ends at vs 61]		·
,, 66	आव्या	जाइं	साथिं			आवइ
,, 225	चउवीसइ सइ	चउवीस सइ	सातवीस			सत्तावीस
,, 287	पक्ष	पंथ	पषि			पक्षि
,, 297 *a*	ल्यु सनाह थाउ असवार सात सहस पाषरउ तुषार	लिया संनाह थया असवार सात सहिस पाषर्या तोषार	omits			omits

*

C	D	J	F
.	भला भळेरा देशइ हाथि वयरी सिउं ते वाहइ बाथ	भला भाला ते दीसि हाथि वियरीशू ते वाहि बाथ	
सजाई	जाय	जाए	
चउवीससिं	चुवीससइं	चुवीससइं	
पंथि	.	पंथ	
omits	omits	omits	

*

Appendix II

Critical Notes on the Readings adopted in the present edition

Khanda I

Verse

5 जालहुरउ emended (cf. जालउहरुउ F) preferable in the context; it is an adjective qualifying सामतसीमुत (कान्हडदेउ)

14 प्रतन्या CK (FJ)[1] is the proper OWR form; प्रतिज्ञा BD, प्रतज्ञा G are scribal restorations.

15 महुतइ K preferred to महितइ FG (BDJ) as a Rājasthānī form.
छूटीयइ (K) preferred to छूटीइ BFJ (CDG) for metrical reasons.

18 करयउ emended (cf. करउ F) for metrical reasons.

20 पातिसाहनइ K preferred to पातसाहनइ as a Rājasthānī form.

25 वांस C (cf. वस K) preferred; वांसि GJ (BDF) also possible.

28 तस D preferred; (cf. Khanda III vs. 111).

30 उगराहइ K pref. to उघराव्यउ as an earlier Rājasthānī form.

32 सिद्ध D is the original reading (cf. सिद्ध D, सध H; III 4); मध्य B, सहित JK are later synonymous substitutions.

35 Note—BGK omit the verse, CDFJ give it. The verse is necessary in the context as a connecting link between vs 34 and 36, without which vs 36 well be abrupt and hang loose in the context.
सूर धीर अनइ सपराणु पातसाहि तव तेडु C is pref. to अलूषान बलवतु बंदउ महुल मांहि तेडावउ DJ (F), as the former fits in well with the idea in the preceding *carana* and avoids the repetition of the latter (with vs 36 i qr).

39 वाहरि D is the original reading (cf. II 39, 40; III 53; IV 164) >[2] बाहरि K, चाहरि C, बाहिरि J, वाहर F.

41 घणा घूघरा K fits in the context better.
रइबारी (K) is the original form from which Modern Gujarātī रबारी is derived.

42 बलबाल F (C) is the original reading > बिलिबाल D, बहूवाल G.

48 करेवा K is the older reading and is also preferable in the context.

49 देसाउत K is the original reading (cf. देसुत IV 97) > देसु ते DFG, देसहतइ J.

50 बूंबडिया (BK) pref. for metrical reasons; बूंबीआ GJ or बूंबीउ also acceptable.

---

[1] MSS giving a closely similar, though not identical reading, are indicated in the brackets. Here, for instance, J reads प्रतिन्या and F reads प्रथिन्या, which are closely similar to प्रतन्या, but not identical with it.

[2] This sign > = 'from which is derived.'

Khanda I

Verse

53 हिवडां छल नवि छांडू BGK preferable to DJF reading [छयल भणइ नवि छांडउ], being more relevant in the context and also more representative.

57 बांद BJ (K) pref. (cf. बंदीवाल I 154; बंदिण I 236, III 187); बांन CDG (F) also is acceptable.

59 वाउस् K is the original reading (cf. वावस् F, वायस् C) > वायस a corruption.

60 मागनिसार emended from BD; मारनिसार C (FJ) is also acceptable.

62 षाहि K (B) pref. for rhyme, कोट AG is also acceptable.

66 भेल्यउ K (A) pref. as more fitting in the context; वीठउं C (DGJ), however, is also acceptable.

70 धार D is the original reading > धाइ A, थार I₁ (ख), थोर G, गोर J, चोर B.

71 वीधउ A (BK) preferred to कीधउ D (CJG) as a more representative reading.

74 हूई हाक CK (A) pref. to हईआढक B or हीयाद्रगि D (J), as a metrically more correct reading. (cf. I 200; III 73)

75 षिजूरां K is pref. to षजूरां B as a Rājasthānī form. केलिहरां KJ is the original form > केलहिरां G and केलेहरा D.

82a Note—B reading वाजि वाजां अनि जुद्ध हूयां सुहड सूंझ्या मेलावि is an interesting example of scribal emendation of the text which was not properly understood by the scribe. The correct meaning of the words वाजा and जेठूआ in the original has eluded the scribe, who by false analogy understood वाजा as 'musical instruments' and so emended the preceding word वाला into वाजि Similarly जेठूआ has been read by him as जेड्आ and then misconstrued by him as a contraction of जेड हूआ, which he promptly restored to जुद्ध हूयां. In this context चूडासमा would be entirely out of place, and is therefore, emended to सुहड सूंझ्या, which is phonetically similar and suitable to the context of the scribal restoration.

There are several examples of such scribal emendations, unconscious or deliberately made by the scribe either due to misreading or misunderstanding the original text or merely with a view to improve it. Often an ordinary scribe like that of DG or KL happens to preserve the text better than a sophisticated one like that of J or C or B.

85 ऊलठ्यां D (J) pref. to ऊलटइ A, and ध्रसूक्या DK pref. to ध्रासूकइ A, ध्रसूकि BC, as the context requires a verb in the past tense.

89 वालति E appears to be the original reading > चालति D, वाल्तं FG. पाषलि (फेरी) ABFK pref. to पाषरीया CJ, पाषरीए D (E), पाषरा G, as more representative (cf. पाषलि फिरी III 181).

Khanda I

Verse

96 हल्हल ACD pref. (cf. I 93); लइ लइ FGK (E) is also acceptable. नांगइ DEG (JBC) (=defacing)[1] is the original reading > लांगइ F, भांजइं A, भागइं K.

97 कविलास AK pref. as a Rājasthānī form; it also rhymes better. किवलास E is another Rājasthānī variant.

100 त्रीयल (='three pairs of bullocks')—failing to grasp the meaning, J emends the reading by substituting a Sanskritized variant, वृषभ.

103 कोलाहल ABCK pref. as a more representative reading; हालाहल D, or होलाहल E (FG) (cf. हालकलोल I 73) is also possible.

111 तेजी BFG (A) pref; तुरी CJK (DE) is also acceptable.

114 मुहिम em. should be the original reading > महिम BK, महम A (F), मुहि G (D).

116 मिलवा ABFG pref. to मलवा CDE as the Rājasthānī form.

118 कुणि A(K) pref. > कणि BCE, किणि D, which also, are acceptable.

121 त्रिहु ABDJK (CGEF). I (Derāsari) emends it as बिहु!

129 नेस DEFG pref. as more representative, and also as rhyming with देस just preceding. From नेस > लेस A.

131 संभालउ JK (cf. संभालु B, सांभल्यो G) pref. to संभाले ACF, संभलावे D, as the context requires here a verb in the Imperative.

134 सिणगारइ pref. as a Rājasthānī form.

135 साल्हु सोभतु बलवंत राउत restored; cf. साल्हउ सोभउ अति बलवंत III 35.

136 तुरक A pref. to avoid tautological repetition with दल, 136 iii qr, and कटक, 137 i qr.

140 मन AF pref. as the original reading (cf. मन ADFJK I 151; मन ABL IV 176); मत GK is also possible.

145 आयसि D (F) is the original reading > variants आइस A, आयस GK, which drop the case-termination.

149 पूंठइवाज em. from KACDFG is the original reading > पूछ्या व्याज B, a mislection, and मूंधि चढता J, an unwarranted restoration.

154 डाढि F pref. to डाढि ABJK as it rhymes with ताढि in the next *carana.*

161 मुध A pref. as a Rājasthānī form.

177 विगूचतां DK (B) is the original reading > विगूपत A, विगूपति G, विगोपत F.

181 सनाहु BDG is accepted (cf. सन्नाह C); सनाहु AK (JF) is also possible. झाल्यां बान अपार ABEG is more representative than बांन न लाभइ पार D (CJ) and also avoids repetition with ii qr preceding.

182 तउ pref. to हवइ तु E or हवि तु CDGJ for metrical reasons.

[1] नांगइ=न्यंगयति, अनंगीकरोति; cf. *Bālaśikṣā* of Saṁgrāmasiṁha; '*Prācīna Gujarati Gadya Sandarbha*', p. 212.

Khaṇḍa I

Verse

183 दिशि AB (K) pref.; देसि CDG (J) is also possible. 183 b reading in CDJ represents only one MS-family and is unsuitable in the context.

187 धरणी ABG pref. ; धरती CDEJK also acceptable.

Bhaḍāuli

Line

भडाउली B pref. (cf. भड्डाउली C, भटाउली D); भिडाउली AEGK is also possible.

3 सिंहथि is the original reading (cf. सईवाडी I 255; सीकरि IV 57) > संहथि A, सिंहत्थि B, सहथि J are scribal restorations.

9 मुहाडि AE is the correct original reading (cf. मुहडि G, महीडे B, माहि डाहे D); मुडाधानि C is a scribal restoration.

10 शेहथ A adopted; सेल्हथ D, सेल्हुत em. (B) are also acceptable.

45 लहिट्टया D (AC) is the original reading > mislections हलड्डया B (ह and ल interchanged, and ट्ट misread as ड्ड), लहिलूया E (लू being a slip of the scribe for ट्ट)

51 प्रतिष्टा AEG (cf. also प्रतिष्टया D, प्रतिष्ट JK) is the proper Old Western Rājasthānī form; प्रतिष्ठा C, प्रतिष्ठित B are Sanskritizations.

56 मनि A gives better sense; however, मुत्ति BK (E) is also possible.

65 वीधा ABCDJK — निश्या E, निशा G are noteworthy variants.

73 पच्यां AK (cf. पांच्यां B) pref. as more representative and preserving the initial rhyme; मांच्यां J (CD) can also be accepted.

85 ऊपहरा A (JK) noteworthy as the original form > ऊपरा BGEH.

103 शव C (सव H) is the prevalent Gujarati form; शिव ADEK, probably a Rājasthānī variant of the word, would be misleading here.

104 हूंते pref., थके हूंते K (DE) noteworthy as an instance of use of parallel expressions both conveying the same sense. Or, perhaps, it may be an instance of interpolation of marginalia into the text–थके, a variant reading for हूंते, noted below the latter, having crept into the text.

111-112 जरहजीण A (EH) pref. to जरह BD (CK); (cf. जहरजीण BCDHJ; I 204).

129 रूप हारव्यु K preferable in the context; रूप हारतु E (CD) may also be accepted.

140 धुनुष E (cf. धुनष A) pref. as a Rājasthānī form.

Khaṇḍa I

Verse

193 सांचरइ A (D) preferable to सांचरया CK (EHJE), as a present-tense verb suits the context better; however, सांचरया em (CK) or साचरियां EJ is also acceptable.

196 दमामां (BJKE) preferred. ददामा CD (HA) is another variant of the same word, and is also acceptable.

Khanda I

Verse

202 असमुहीया ऊठइ A preferred to ऊठइ असमुहिया B (DHK) as usually the odd quarters end in a verbal form in adjoining verses, and also as the initial rhyme is preserved.
  बलकाक A (BDE) pref.; बलबाक CH (K) is also possible.

214 लहाइ D pref. to लहीइ E J for rhyme. लहाइ is the original form > कहाइ A, चाहि C, होइं K.

216 कीधा A C (J) pref. to गाला B E H K (D) as the context requires a verb here.

220 रिण A (K) pref. as a Rājasthānī form.

221 कणशि A H (E) pref.; कणसे B D J is also acceptable (cf. III 80, 101).

225 तेजी A B K (H) pref. to रेवंत C D E J for metrical reasons.

229 वेणि B D J (= SK वीणा) pref. to वीण E, वेणा H.

232 त्रिणि D J accepted; त्रिण्हि A, त्रिण्हिइ E also equally acceptable.

233 कूडउ नवि (B C K) reads better in the context than नवि कूडउं (D J A H).

234 Note — The word वीर in वानर वीर has, by association, lead B K to restore as बावन वीर
  हणीया A (H) pref. metrically to मारया B C D K (J).

249 बेलिइ D (H) (cf. बंधव J) preferable in the context to बोल्इ A.

255 राय A B C D J K emended as राइ to rhyme with पूजाइ in the next *carana*.
  सइंवाडी (A) is the original reading > सिवाडी B, सउवाडी D (C J), छइ वाडी K.

256 b reconstructed from C J, necessary for uniformity with the ending *caranas* of the remaining Khandas (Vide II 168, III 251, IV 353).

Khanda II

Verse

1 रिद्धि J (D K H) pref. as the proper OWR form (cf. I 9): ऋद्धि A B C is a Sanskritization.

2 क्षुधा A B K pref. to भूखि C J (D) as a more representative reading.

3 पुलइ A K (B) pref. to पलइ H D (C J), as a Rājasthānī form.

4 रलंतां A (K) pref. to रलंता B C D J, as a Rājasthānī form.
  नयरि B (A) pref. to नगरि C D K as an earlier form (cf. I 18, III 124).

6 पहिरण A K adopted; पहिरणि B C D J is, probably, a feminine form of the same.

7 लूस्या वीसइ D (C) pref. to भणइ लूस्यां K (B H) as more suitable in the context.

8 मुहुणि is the original reading, which, through false analogy with मुह (SK मुख) > मुंधि C, मुह थइ H.

10 यइ A K pref to दिइ J, दि B C D H, as a Rājasthānī form.
  दिवराणां (A J) pref. as an earlier form than देवराणा C (B D H K).

11 एकइ एकि A K pref. to एकाएकि J (D); cf. Modern Gujarāti एके एके.

Khaṇḍa II

Verse

	दुणीजइ A (J K) pref. as a more representative form; सणीजइ em (H B D) also possible.

12 थामणइ (B K) pref. to दयामणइ A (B D J C) as a proper Rājasthānī form.

13 जे जे मीठुं A (C H) pref. as more representative and conveying better sense than जे जीवतु D J (K).

14 मारवा K is certainly the original reading (cf. मारी AD; also cf. मारीवा II 13, हण्या II 15). From मारी A D > the mislection मीरां B C H J.

16 वाल्हि मनइ K is the original reading (cf. वली Arabic = master, lord) > वाहलां मन J, वाल्या मन C, वाहाल मन H, वाहपण D, all mislections.

21 विणसाडिउं A J (K) pref. to वणसाडिउं C (D H B) as a Rājasthānī form.

24 मुहल आगिलइ (K B H) pref. to मुहल मांहि C D (J A) for metrical reasons.

27 वाहु B pref. to वहइ A K (C D J) as the context requires a verb in the Imperative (cf. चलावउ II 27 i qr).

28 कूच C (K H) pref. to कूड B D J as more representative and more suitable in the context. कूच > चूक A (by transposition), कूछ H.

30 परमाण B C (D) pref.; फरमांण J, फुरमांण K, would be a repetition of आयस immediately preceding, and its rhyme with फुरमाण in the next *caraṇa* will be rather unusual. In fact परमाण > फरमांण J, emended to फुरमांण by K.

31 सामहणी A (K) pref. to सामगरी H (J B C D), as a Rājasthānī form.
(पियाणउं) दीधउं A C (K B) pref. as a more representative and also a more current phrase. (cf. I 71, II 28, II 66).

38 जाइ A pref. to जई B C D J (H K) as a Rājasthānī form.
चुपट B H J pref. to चउपट A C D (K) to suit the metre.

40 वाहार B pref. to विहार D J, वहार H, as the correct form (cf. वाहरि I 39); विहाव A, विचार C, are, evidently, corruptions.

42 मंजोहरि C D J H pref. as giving better sense than इम जोइ B (K), a corruption.

43 वाहइ A K (B H) pref. to भाजइ D (C J) as more representative.
सांफलउं A (K) preferable to the usual form सइंफलं D H for the initial rhyme with the preceding word (i. e. सांतलसीहि).

45 अचाला H is the original reading (cf. SK आकुल > PR आउल) > अचाला A, अबला K, both mislections. अवेला C J is a scribal restoration.
विहाणउं (A H J) pref. to विहाणइ (B K) for the ending rhyme.

46 देय em (cf. देअ H, डेय C) preferable as a more correct form than देउ D J and preserving the ending rhyme (with कान्हडदेअ) better than देई A.

50 केय em (cf. केअ D H) pref. to केउ B J and केई C K for same reasons as above.

53 वूठी B C D H J is the original reading > वूही A; वाही is a scribal emendation giving the same sense.

Khaṇḍa II

Verse

61 मइलि A (C) pref. to चुकि BDHJ (K) for initial rhyme (cf. I 139).

65 DJ MSS emend उडीसा to डीसा, a place in North Gujarat, thus betraying their Gujarati origin. Similarly MS B which emends the names of the Rājput clans of Saurāṣtra (वाला, जेठूआ and चूडासमा I 82) most probably comes from Rājasthān.

69 देंहूर DK (C) is the original reading > डूगर A, डूंगर J, scribal emendations.

सुमुद्र AB pref. to समुद्र CDK (J), as a Rājasthānī form.

72 माहि जे K (A) pref. to माहिम J, माइंभ D (B), as giving better sense.

76 एहवु हईइ J (D). It is interesting to note how हईइ gave rise to variants like हुइ and थयु having an entirely different sense: हईइ CDJ > हीइ H > हुइ A (K) > scribal emendation थयु B.

77 जईनइ AC (BJH) pref. to the usual Rājasthānī form जाईनइ (DK) on metrical grounds.

84 करइ षलूका DH (BJ) pref. > करि षलकता C, षरा षलूकड K.

88 वस्तु BCDJ pref. as more suitable to the context; वस्त्र AK (H) is also possible.

93 झलटीयां CD (JK) pref. to झलहलीयां AB (H), being more suitable in the context (cf. I 82).

95 पडइ ADK adopted; पडि CHJ also possible.

98 ऊपलिउं J (HKD) is the original reading and is metrically more suitable; ऊपरि लीउ A (B) is, probably, a scribal emendation

100 वालि ACHJ adopted in preference to वालइ L (K), वालि BD. वालिइ would have been preferable, if found in any of the MSS; though, perhaps, वालि here = वालिइ, which having two इ-s in immediate contact, dropped the last, and was contracted to वालि.

110 रातीवाहि AJ (HL) pref. as the original reading > रातीवाइ B (CDK). (cf. III 160, 237; also I 151).

112 वेढि A accepted here as the usual form; वाढि BJ (CL) also possible. It is interesting to note here how ऊठवइ in the original, misread by C as ऊछवइ (छ and ठ being very much alike in the script of this period), was promptly restored as उत्सवि, which, however, has no relevance in the context here.

120 विछूटउ A (D) pref. to विछूटं B, वछूटउं C, as तीर in Rājasthānī belongs to the masculine gender.

121 बाण A (CDJ) pref. to ठाण H (BL); (cf. चूकइ तीर II 119).

122 प्रताषि AH (B) preferable to प्रसादि CD (JK) as a more current phrase.

तुम्हारइ K (CDJ) is the original reading > variants मारी B, मारीनइ A (L).

126 थाइ BJ (AK) adopted > थाइ L. डालइ D (C) also possible.

Khaṇḍa II

Verse

It is noteworthy how झाडमीड > the mislection कीडमीड K through the similarity of letters झ and क in the script of this period.

127 आवइ A (BH) preferable to वीसइ DK (CJ) as more suitable to the context and preserving the initial rhyme.

128 सूत्रहार JK is the earlier OWR form. It is interesting to note how सूत्रधार D (Sanskrit) > सूत्रहार JK (earlier OWR) > सुहतार H (later OWR) > सुतार C (modern Gujarati).

133 रुंडमाल A (CJ) adopted; मुंडमाल BD (H) also acceptable.

140 आपड AH (L) pref. to आपडां J (BK) for metrical reasons.

142 तुरणी pref. as a Rājasthānī form.

144 अतिइ घण A (C) is more suitable to the context than एवडउ K (LBDHJ). सविहुं A pref. as giving better sense than होइ BL (DHK); हुइ or होइ also possible.

147 पली BJK is certainly preferable to वली ACDHL, which is quite pointless here. It fact वली in the MSS is very likely a mislection for पली

लिष्या is preferable as a Rājasthānī form.

148 बोल इसउ (B) adopted; इसउ बोल K also acceptable.

152 (पइठी) जमहर माहि A pref. to (पइठी) पावक माहि BHK (CDL); (cf. II 146 अम्हे सवे जमहरि पइसिस्यूं).

154 पडिउ A. It is difficult to determine the correct reading here. भडिउ H (D) may be also possible.

155 वेटडी A adopted as giving better sense; the more representative reading, however, is छूटडी BDHK (meaning ?).

159 एतलइ पहुतउ A (BHL) pref. as preserving the initial rhyme better than पुहुतु एतलइ K (CDJ).

167 वीरायतन DK is the original reading (cf. वीररायतनि J, वीररायतन L) > वीरातन AC.

Khaṇḍa III

Verse

3 ग्या A pref. to गया BCDHJKL as a Rājasthānī form.

5 It is interesting to note how वसि ABDK gave rise to सेव C: वसि > [वसे >] सेव C, by transposition.

7 घरि AB is adopted (though CDHJKL omit it), as the postposition तणइ immediately preceding the word presupposes the existence of a noun in the locative.

थाट AK pref. to ठाठ BCDHJ, as a Rājasthānī form.

भंडारि (K) preferable to भंडार ABCDHJ for ending rhyme with (कारि in) the next *caraṇa*.

Khaṇḍa III

Verse

9 ल्योस CH (II B), a Rājasthānī form, preferable to लेस DK or लेसि J for ending rhyme with (दोस in) the next *caraṇa*.
बलि BKL pref. to दलि A (CDJ) as more suitable in the context.

16 सिंघार D (KLJ) pref. as a proper OWR form; संहार H, सिंहार ABC are, probably, restorations.

17 जिसउ A (HJ) is pref. to किसउ L (BC) as more representative and also agreeing better with किसउ in the iv qr.

18 पाल्हइं (ABHL) pref. to छंडावूं J (CDK) as more suitable in the context; (cf. विषम दुर्ग मइं सवि पाल्टीया II 75).

19 वीसइ AL (H) pref. to ऊडी BDJK as preserving the initial rhyme better.

20 घण AK pref. to भड BCDHJL, as it gives better sense.

22 सहिस BK pref. to सहस ACDH as a Rājasthānī form.
जैस A (supported by ईस KL) pref. to जई CDJ for ending rhyme with the preceding *caraṇa*.

23 छइ AHL(B) pref. to मुखि C(DK); मुखि, however, also possible.

25 बाजी DK, a lectio difficilior, is the original reading > पांजी H, बीजी BL, बीजा C, विजया A, all mislections.
गिरूआं H (BCDJK) is pref. to गरूआं A(L) as a Rājasthānī form.
अवसय, a lectio difficilior, is the original reading > अवश्यक A, आवसिक J > अवस्य (हुइ) C > आवश्यक K.

27 साजां K (LH) adopted as a more representative reading; मांज्यां J (DC), too, is possible.

29 धरइ AK pref. for metrical reasons; धरी CDHJL also is possible.

30 रूडउ (CDJ) adopted; रूलउ (HKL), another form of the same word, is also acceptable. It is interesting to note how साहमी > हांसमी H by transposition.

31 वीर HJ (cf. K) is certainly the original reading > चीर ABCDL, a mislection.
कीजइ AKL (B) is pref.; वीजइ (CHJD) is also possible.

32 It is noteworthy how सूढुं AB (LHK) > सूढुं CD (J), a mislection through similarity of the letters त and न in the original.

38 प्रमार A pref. as the Rājasthānī form (cf. पमार KL) and also as metrically more suitable.

39 रायंगणि B (A) pref. as the OWR form current in popular speech; (cf. रिणंगणि III 96).

40 श्रीगिरणइ K (AL) pref. to श्रीगरणि BHJ as a Rājasthānī form.

Khaṇḍa III

Verse

सम AK (H) pref. to मह CDJ as more representative and also preserving the initial rhyme better; (cf. III 64).
सेल्हुत JL preferable to सेल्हय A (BKL) for the ending rhyme.

47 सहइ A pref. to सबल BDJKL; cf. III 64.

51 भइ A (D) adopted, as भलाबु B, भागुबु H, भलउ नइ K, भामो L, are all unsuitable.
जीण AK adopted; जाक CJL (D) also possible.

60 शाणउ (DJ) pref. to जोलउ A, जाङ्ग H, जालप K, for metrical reasons.

61 मल्लु BH (DJ) is the correct form; मलिक, मिलक KL are, evidently, mislections.

62 मूल्ग B preferable to सिंघ AD (HJ), सिंघो KL, to avoid repetition with सीहु immediately preceding.

63 लाङ्ग A pref. to लोल्ह BHJ (DK) for initial rhyme with लाबु immediately following.
लाबु A pref. to लंभु DJ (K), which, however, is also possible. In that case लोल्ह लंभु नइ वइरसी will be the alternate reading in the iv qr.

65 वेलाउत D (A) is the original reading > वेलाउल BH, वेलाउलि L.

67 धुरातल L (HB) is the original reading. It is interesting to note how धुरातल > धरातलि H > धरातलि CDK, a mislection.

72 वलीय A (J) pref. to वली DHL and अनइ वली K (B) for metrical reasons.

79 चलवल ABH (K) pref. to चलभल CDJ; both are onomatopoetic words having the same sense.
रण BH pref. to the usual Rājasthānī form रिण KL (A) as it (ते रण) rhymes better with पेरण immediately following.

82 अवाल्ह is the original word; निराल्ह B (L), अवेह्र J are restorations.

87 वि सइं D (JC) pref. to दसइ A (BHL) as giving better sense.
रुलिया CK (AH) (> लीया BL) is preferable to रोलीया (DJ) in the context.

89 It is interesting to note how the proximity of अमावस led scribes to emend a lectio difficilior like घूडलीइं to पिंड लीया B, which, in turn, was restored as दर्भ लीया J, राउ सारइ K.

94 बलिवंतउ AK (L) pref. to बलवंतु BCDJ, as a Rājasthānī form.

95 मूलिगा A pref. to मूलगा BCDHJKL, as a Rājasthānī form.

96 रिणंगणि A (BHJL) noteworthy as a contraction of रिण अंगणि current in spoken speech; cf. रायंगणि III 39.

99 वीधीइ D (ACJK) pref. to आहाणइ H (B), हणायइ L as more representative and preserving the initial rhyme.

105 भिन्नाविं AC (LB) is the proper own form; भ्लावि HJ(DK) emended by the scribe is a Sanskritization of the same.

Khanda III

Verse

106 सुरसिव A B (H) is the original form, and gives better sense than सवि सूरासुर J, सुर सिव K.

109 बिसरि E is the original reading > परसिरि B, सरसर H, ससुर C, सिरि L, all mislections; cf. III 93.

110 कीयां A pref. to करियां B H, करया L, for metrical reasons.

112 राइ em. (from राय B C D J L) for ending rhyme.
कां सारउं (A B D J) is the original reading > mislection का मारिउं C, and scribal emendations कां सारिउं H, कइ हारया K, वरास्या L.

114 म बालिसि B J is the original reading > म लिसि A, म वलि K (a letter dropped out in each), स चालिसि H, a mislection.

123 नही A K L (B) accepted; नुहि C J is a contraction of न हुइ (cf. न हूउ D).

125 आंतरउ A L (B) is the proper OWR form; अतर C D H K is a Sanskritization of the same.

135 It is noteworthy how नि in पुरुषनि B (A C J) was restored as नही [पुरुष नही] by D K (L).
नांधूं A pref. as a colloquial OWR contraction.

144 सांभलइ A D K pref. to सासहि B (H L) as more suitable in the context.

153 फूटकी ए H adopted as giving better sense (cf. III 242); फूटकी रे D (B) also possible.

162 करइ A (C) adopted; रलइ (D K B J) also possible.

167 चूळउ A D (C J) pref. to छूडु B (L) as giving better sense.
Note—It is difficult to determine whether 167 b existed in the original or not.

170 चाल्यउ A (B L) gives better sense than गयउ K (C D J).

171 गोल्हण A (B L) is the correct reading; बीजड C D J K is a corruption. (vide the next vs, III 172 b).

173 वाल्हीइ em. from D J K (A B C); (cf. II 16; III 220).

174 दीयूं B (A L) is pref. to हूउं C (D J K), (cf. I 36).

180 जइमल E K is the original reading > जमलि A B L, a mislection.

182 पुंजा A pref. to पोजा B D E J K L, as the proper OWR form; cf. III 192.

193 बेउ A adopted; however, बेय if recorded by any MS, would have been more suitable for rhyme (with लेअ A, which is preferable to केउ).

194 तुम्ह A B D pref.; तुम्ह J K L (E) also possible.

204 राउ C pref. to राय B D E J as a proper OWR form.
लाधउ K (B C) pref. to लीधउ L (E J) as a verb with the sense of the passive will suit the context better.

208 करावितु B D pref. as an earlier OWR form than करावित A K (L).

215 वांछितुं D (B) is the original reading > mislections वांछितु C, चालि तुं J, चालतउ L.

Khaṇḍa III

Verse

216 शिशिपाल BKL (DE) pref. as a Rājasthānī form; it is also more representative (than शशुपाल CJ).

221 Both सतावीस ADL and सातवीस E are earlier OWR forms > सत्तावीस BJ (C), a modern Gujarati form.

234 कहूंजी (AL), though dropped by CDJK, is necessary in the context. It is interesting to note how रहिणु B (C) > रहण D, रहिण JK > रयण L, रयणि E, scribal mislections through false analogy.

239 पालइ E (BLA) pref.; आपइ DK (J) also possible.

240 ऊगमतउ K (CDJ) pref. as giving better sense than गयणंगणि ABE (L).

Khaṇḍa III
Bhaḍāuli

Line

3 टोडडे B adopted; टोडली C or टोडडी EL also possible.

4 सातषिणा L is a noteworthy Rājasthānī variant.

12 सुभानी AK is another noteworthy Rājasthānī variant.

31 धर्मादिकरणा A agrees better with the preceding words than अंगलेहा C(D).

Khaṇḍa III

Verse

242 फूदडी CK pref. to पूतली AEKL for the ending rhyme.

247 आलीया B (AEK) pref. to दीया J (DC) as more representative.

248 It is interesting to note how जहिमती B (ADEL) > हिजमती K through scribal error of transposition.
फुरमाण AB (EL) pref. as more suitable in the context.

Khaṇḍa IV

Verse

1 It is noteworthy how चउथा ACK > mislection उचाथा L by transposition.

2 राइ A pref. to राय BCDEJK as the context requires a noun in the Instrumental.

6 दुर्ग adopted; दुर्भ ABEJKL, in the OWR script of this period, probably = दुर्ग्ग.

8 माडव CDJK > मंडव E, वंधव L, both mislections.

11 राउ A pref. to राजा BCDEKL as an older form.

12 न्याउ JK is a noteworthy variant.

15 पाडसूत्र DJ (A) adopted (cf. IV 46); पाटसूत्र BK (ELC) also acceptable.

17 विकाइ (ABEDKL) pref.; it is an older form than वेचाइ C (J).

30 देसंतरि A (E) is the original word > देशांतरी BCDJK, a scribal restoration.

Khanda IV

Verse

31 It is interesting to note how परस DK (पुरस BL), the original reading > पुरुस AE, a restoration by the scribe through false analogy.

38 The original reading पाटनउ A (BCD), a lectio difficilior was restored by scribes as पाटणनउ K (LEJ).

42 राउलुणि, the original reading, a lectio difficilior, simplified by scribes as राउल ADJ, राउलु C, रावलई L.

मान the original reading, emended to दांन by DK through the influence of बीजइ immediately preceding.

45 गूहिल A (E) is an older form than गोहिल BCDKL.

52 It is interesting to note how सुरसुर A (K), the original reading > सरवर E, सरस D > सरसा B, सरस J, both emendations > सुरभी C, तेय L, restorations.

55 पाडप्रबंध J (AL) is the proper OWR form; पदबंध B, पदप्रबंध C are Sanskritizations of the same.

58 माल थि ADJ pref. to मालदे बे on metrical grounds.

64 It is interesting to note how आपीउ ACD > आलीउ BJ, a variant having the same meaning > बोलियउ K, a mislection.

66 आव्या [मिली] A (L) gives better sense than जाए [मिली] J (DK).

67 It is noteworthy how थाहरू AD, the original reading > धाहरू L > प्याउ J, प्याहेरू K > षरु C on account of close similarity between the letters थ-ध, थ-प्य, प्य-ष.

70 कडु D (BL) is both more representative and also rhymes better.

79 It is interesting to note how निषास DK (L), a lectio difficilior was simplified by scribes as निवास C, घास AB.

81 विवसाया A (DK) is the original reading > व्यवसाईया B (C), a Sanskritization > विवहारया L, a scribal restoration.

85 तीरंगर A pref. on metrical grounds to तीरगर CDKL.

100 कलहर A, a lectio difficilior, is the original reading > झलहल BDL (K), a scribal emendation.

पायवरा A (C) the original reading > पाखरां (DL), a scribal restoration.

119 वाजी DJK (C), a lectio difficilior, is the original reading and rhymes better than जाणी B (AL).

122 सिहिली A (L) is a noteworthy Rājasthānī form.

125 धरिउ L (KD) pref.; धरिउं ABC would suit the ending rhyme better, but would be grammatically incorrect.

126 करिज्यो A (L) pref. to करयो BCDJK as a Rājasthānī form.

127 जब ABL pref. [to गइ DK (CJ), equally representative] as giving better sense.

Khaṇḍa IV

Verse

137 It is interesting how परमाण AB(D) has been emended as फरमाण C (J) > फुरमांण K; cf. II 30.

139 छम्मास CJ is a noteworthy colloquial OWR form.

140 छांडेस्यइ K (DB) pref. to छांडेस्यु A (CJ) as more suitable in the context.

145 माल्हे वीर (reconstructed reading) is preferable to माल नि वीर B (K); (*vide* एकल्लउ immediately following).
साहु (reconstructed reading) preferable to मारइ D (J); (*vide* लीधा IV 145 iv qr).

153 जई A (BK) pref. metrically to इहां C (DJ).

156 वलिवंतउ K, a Rājasthānī form, pref. to बलवंतउ A (BCDJ) as rhyming better with मलिक immediately preceding.

171 आवूं AL (DC) is the original reading > आघूं BJ, a scribal emendation.

172 अढारसा सातसा तणा A (D), the original reading, has been variously emended by scribes who failed to catch the correct meaning of the phrase.

173 ल्याव्या J (DC) is the original reading, and is preferable for rhyme; आव्या ABL (K) are scribal emendations.

191 भरइ (साषि) KL is a noteworthy phrase.

201 ल्याविउ A (K) suits the context better than आव्यउ L (C), आव्यां J.

207 It is noteworthy how सुहिणा A > सुहुणा B > सहु D, सविहुं J, scribal emendations through false analogy.

212 सिंहासनि A (LK) pref. as it is read by the Rājasthānī MSS; (cf. III Bhaḍāulī, line 14).

216 गंजी A pref to झगडी BDK, or मारी JL, as characteristic of the author's style.

221 तेड्यउ [जाइ] K (AL) is an instance of the usual OWR passive construction, it is emended to तेडउं (जाइ) D (BC), which shows the use of a verbal noun instead. Such a construction, however, is not very usual in the OWR.

224 राय CDJK would give the rhyme better; but राइ A (BL) pref. as the context requires a noun in the Instrumental.

231 कुकटंब L is a noteworthy colloquial form.

248 गुरडि ADL (K) is the proper OWR form.

252 ठवी BJ is a noteworthy variant.

275 सहसमल्ल BL (A) pref.; सुहडमल्ल K (JC) may also be possible.

287 पक्ष A (L) is the original reading > [पंष (cf. पषि B) >] पंष JK (C).

292 शिशुपालि BD (CJ) pref. to शिशिपालि K (L) for rhyme (with the preceding word).

Khaṇḍa IV

Verse

297 AK give 297 a, while BODJL omit it. The *carana* is necessary in the context as a connecting link between 296 b and 297 b, representing the speech of वीरमदेव (वीर वचन बोलिउ, "ल्यु सनाह...पाषरउ तुषार").

318 घरिउं AO (D) reads better than करिऊं L (KBJ).

332 जिमना A (L) rhymes better than यमुना ODJK.

342 इग्यारसइ K pref. for rhyme and correctness; (for, the total number of verses in the text *is* about 1100).

346 सदा B pref. for rhyme with नरबदा in the ii qr.

352 आस मनोरथ सहूइ फलइ A pref. to पूज्येइ आस मनोरथ फलइ to avoid repetition with 353 ii qr (पूगउ आस सविकहि तणी).

Appendix III

Verse - Index

The first quarter of each verse is given below in the alphabetical order with its number mentioned against it. If the verse is an interpolated one, and occurs, therefore, in the footnote only, the fact is indicated by the addition of *n* to the verse-number. Thus, for instance, I 38 indicates verse 38 in Khaṇḍa I, while II 92 *n* indicates that the verse is an interpolated one and occurs in the footnote to verse 92 of Khaṇḍa II.

CORRIGENDA

Text

Khanda	Verse	For	Read
१	७०	ठोरधार	ढोरधार
१	७८	ऊपडीयां	ऊपड्यां
२	६४	चीडोत्र	चीत्रोड
२	७७	आणि	आणी
३	१६१	बूरि	बूरी
४	१७	वहू	बहू
४	२३७	चाहूयाण	चाहूआण

Critical Apparatus

Khanda	Verse	For	Read
१	१५	आगिलां	आगिलां em
१	१९	सूरतांण KG	सूरतांण G
१	२०	मकर्दम F	मंकर्दम F
१	२१	कहीइ C D G J	कहीइ C D F G J
१	२५	भयि	भयि em
१	२६	मोकलु D	मोकलुं D
१	२७	हींदू	हींदू em
१	२९	सीषामण J	.
१	३०	अवधारु C F	अवधारु C
,,	,,	सिंभरिनउ	सिंभरिनउ em
१	३१	अवधारउ K	.
१	३२	झालीइ बान	झालियइ बान
१	३६	तास धीउं BCJ	तास धीउं BCFJ
१	३८	पातिसाह	पातिसाह em
१	४१	घडी B G J K	घडी B G J
१	५०	बूंबडिया	बूंबडिया em
,,	,,	पडीउ B D F G	पडीउ B D F G J
१	५४	सारि B	सारि B J
१	६१	Folio 3 in F	Folio 4 in F
१	७१	लीधूं B C G	लीधूं B C
१	७२	दाढा	दाठा
१	८१	सिंफलुं G	सिंफलुं G J
१	९५	सांधिइ सांधि	सांधिइ सांधि em
१	११७	पधारीयां	पधारीयां em
१	१२१	जाणइ	जाणइ em
१	१३१	संभाले A C F	संभाले A C F J K
,,	,,	परगणउं	परगणउं em
१	१५२	पूठी	पूठि
१	१५७	वाघ्रे B C F	वाघ्रे B C F J
१	१८१	सनाढ्ढ A K	सनाढ्ढ A
१	१८२	जिमीसइ	जिमीसइ em
१	१९६	विढस्यइ जई	विढस्यइ जई em
१	२०१	दिसि मुहुच्या	दिसि मुहुच्या em
१	२०८	ऊठवइ A K	ऊठवइ A E K
१	२२४	चाहूआण	चाहूआण em
,,	,,	कलि D	कलि E
१	२४७	जीतउं	जीतउं em
२	३३	किइ C	किइ D
२	३४	कीधुं C	कीधुं C H
२	३८	चुपट घाउ B	.
२	४६	कान्हडदेअ	कान्हडदेअ em
२	५०	एकइं A	एकइं A K
२	५४	साम्हउ	साम्हउ em
२	५७	हुतु H	.
२	५९	वारइ वारइ	वारइ बारइ em
,,	,,	कीसी	किसी
२	६२	मूछइ	मूछइ em
२	६४	मइ A	मइ A H K
२	६७	लगि B C J	लगि B C
२	७०	वहुरइ A H K	वहुरइ A K
,,	,,	पहिरीइ	पहिरीइ em
२	७५	चाहूआणनउ	चाहूआणनउ em
२	८२	आणइ	आणइ em
२	९२	उलगाणा	उलगाणा em
२	९९	सपराणउ	सपराणउ em
२	१०७	आविउ B	आविउ B H
२	११९	चूकइ em	चूकइ K
२	१२४	आवसि A H J	आवसि A B H J
२	१२८	नांषइ	नांषइ em
२	१४२	हूतुं	हूतुं em
२	१५०	आणइ	आणइ em
३	२	कहावीउं	कहावीउं em
३	७	भंडारि	भंडारि em
३	१६	हूंतउ	हूंतउ em
३	१७	साम्हा	साम्हा em
३	१८	पाल्हूं	पाल्हूं em
३	२०	पुहुतां	पुहुतां em
३	२१	आप्यउं	जाण्यउं em
३	२४	किस्यूं	किस्यूं em

Khanda	Verse	For	Read
३	२५	ब्रह्मपुरी B	•
३	२६	मिजमालि	मिजमालि em
३	३१	करज्यो	करज्यो em
३	४१	लंढउ	लंढउ em
३	४४	बेगसी C J	•
३	५०	सहसमल L	सहसमल्ल L
३	५६	पल्हाण	पल्हाण em
३	५७	कुंअरपाल	कुंअरपाल em
३	५८	दुरजनसाल	दुरजनसाल em
,,	,,	धूंदइ	धूंदइ em
३	६०	शाणउ	शाणउ em
३	८५	मेहलांण K	मेहलांण H
३	८६	सघल्उ	सघलउ em
३	८७	मेहल्युं	मेहल्युं em
३	९९	वींधीइ	वींधीइ em
३	१०९	नीसाण	नीसाण em
३	११८	काकरुत C	•
३	१२१	मान्यउ	मान्यउ em
३	१२३	बोल्यउ	बोल्यउ em
३	१२४	मुसलमान	मुसलमान em
३	१२८	कुंअरी	कुंअरी em
३	१३४	माहिरूं	माहिरूं em
,,	,,	चाहूआणनउं	चाहूआणनउं em
३	१३९	भवइ	भवइ em
३	१४१	पामसइ	पामसइ em
३	१४२	मान्यउं	मान्यउं em
३	१४३	आपणउ	आपणउ em
,,	,,	मइं	मइं em
,,	,,	सइंभरिनउ	सइंभरिनउ em
३	१४५	आपणउ	आपणउ em
३	१७४	चाल्यउ K	•
३	१७६	KL omits iv qr.	KL omit ii qr.
३	१९७	प्रवेस A C L	प्रवेस A C
३	२०३	प्रधांन ADJKL	प्रधांन ADKL
३	२०४	सती E	सिती E
३	२०५	पुंदाल्म घरि AD	पुंदाल्म घरि A
३	२१०	भर्तु C	•
३	२१५	दांनव A E J	दांनव D E J
,,	,,	भणइ A	भणइ C
३	२१७	कान्हडदे AEJ	कान्हडदे E J
३	२१९	प्रति बेटी	प्रति बेटी
३	२२३	दुर्ग	दुर्ग em
३	भडाउली l.2	पाकार A J	पाकार A
३	२४३	कुंयरि	कुंयरि
३	२४६	कुंयरी B	•
३	२४७	राइ	राइ em
३	२४९	कुंयरी	कुंयरी em
४	१	थयउ K	•
४	१०	छनउ D	छनउ L
४	१८	दिवसनुं	दिवसनुं em
४	२०	विवसाईआ AD	विवसाईआ ADE
४	३१	चउवटे K	•
४	४३	चाहूआण	चाहूआण em
४	५४	दरसण em	दरसण L
,,	,,	दान	दान em
४	७२	षानज्यांह	षानज्यांह em
४	७५	कुण A	कुण A C
४	७६	नइ A	नइ A,...B
४	८२	गुंदरइ	गुंदरइ em
४	८९	आणज्यो	आणज्यो em
४	९७	कइलवाडू	कइलवाडू em
४	१०१	सेहर B D	सेहर B D K
४	११०	वलतुं A D K	वलतुं A D
,,	,,	साठि A B	साठि A
४	१२८	बिमणउ	बिमणउ em
४	१३७	पूरसिउं A	पूरसिउं A J
४	१५४	कान्ह	कान्ह em
४	१६४	षानज्याह	षानज्यांह em
४	१७८	थांणउं A K L	थांणउं A K
४	१९७	हुस्यइ K	•
४	२०८	रिणवटि	रिणवटि em
४	२११	ऊमारीया	ऊमारीया em
४	२१४	वषाणि	वषाणि em
४	२१७	D omits vs 215.	D omits vs 217.
४	२२८	आपणउं	आपणउं em
४	२३९	देवआदितनइ	देवआदित्तनइ em
४	२७६	साल्ह L	•
४	२८९	ऊसरिउं	ऊसरिउं em
४	२९४	हुउ B	हुउ AB
४	३०४	पामिस्यूं	पामिस्यूं em
४	३०७	सांम्हउ A	सांम्हउ AK
४	३१०	तोरकूं em	तोरकूं L

Appendix I

Page	Column	Line	For	Read
२३८	२	२५	तेज्या	तेडीया

Appendix II

Page	Column	Line	For	Read
२४५		५	बंदिण I 236, III 187	बंदि I 115
,,		१६	cf. I 200	cf. I 201
२४६		५	भागइं K	भागइ K
२४७		३१	cf. जहरजीण	cf. जरहजीण
२४९		१६	28 कूच	29 कूच
,,		२५	जाइ A	जाई A
२५६		१३	सुरमी C	सूरमी C

Appendix III

Page	Column	Line	For	Read
२६१	२	१२	कणयाचल° ४ ५	कणयाचल° १ ५
२६५	१	३१	तेह सरिसु हठ नवि मांडिइ	तेह सरिसु हठ नवि मांडीइ
२६६	१	३८	पडी मेल बुंबारव्र°	पडी मेल बुंबारव°
,,	२	३४	पातसाह टल्लतउ°	पातिसाह टल्लतउ°
२६७	१	३०	पूनराज राउल°	पूनराज राउत°
२६७	२	३	फडिया दोसी°	फडीया दोसी°
२६८	१	१५	भली वात° १ १८४	भली वात° ३ १८४
,,	,,	१८	भागां झाड° २ ६५	भागां झाड° २ ३५
,,	,,	२३	भिडकिमाड राउलि हठ कीधउ १ ३९	delete the line
,,	,,	३६	मइं लीधा माल्व चंदेरि	मइं लीधा माल्व चंदेरी
,,	,,	३८	मदनभेरी°	मदनभेरि°
२६९	२	२५	रूंडमुंड°	रुंडमुंड°
,,	,,	४२	लाषणसी° ३ ५७	लाषणसी° ३ ५४
२७०	१	१९	लोभइ नर° ४ १८७	लोभइ नर° ४ १८७n
,,	,,	२३	लोहडइ° ४ ९९	लोहडइ° १ ९९
२७१	१	२२	षुरतालि घरती°	षुरतालि धरती°
२७२	१	८	सुणी वात° २ ९१	सुणी वात° २ १९
* ,,	१	३८	स्नान° २ २९९	स्नान° ४ २९९

❋

* Note—The first quarters of the following verses, left out through oversight, should be included in the Verse-Index:

I 16, 42, 59, 71; II 20, 56, 63, 145; III 13, 191, 198; IV 17, 33, 38, 122, 163, 198, 256, 296, 323.